राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला

प्रधान सम्पादक – फतहसिंह, एम.ए., डी लिट्

[निदेशक, राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर]

ग्रन्थाङ्क १११

मुहता नेणसी री लिखी

मारवाड़ रा परगनां री विगत

द्वितीय भाग

सम्पादक

श्री नारायणसिंह भाटी, एम. ए., पी-एच डी.

निदेशक—राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी

प्रकाशक

राजस्थान-राज्य-संस्थापित

राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान

जोधपुर (राजस्थान)

RAJASTHAN ORIENTAL RESEARCH INSTITUTE, JODHPUR

१९६९ ई०

आवृत्ति १००० मूल्य १२.५०

राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला

राजस्थान-राज्य द्वारा प्रकाशित

सामान्यतः अखिलभारतीय तथा विशेषतः राजस्थानदेशीय पुरातनकालीन
संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, हिन्दी, राजस्थानी आदि भाषानिबद्ध
विविधवाङ्मयप्रकाशिनी विशिष्ट-ग्रन्थावली

ग्रन्थाङ्क १११

मुहता नैणसी रो लिखी

मारवाड़ रा परगनां री विगत

द्वितीय भाग

प्रकाशक

राजस्थान-राज्याज्ञानुसार

निदेशक, राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान

जोधपुर (राजस्थान)

१९६९ ई०

वि० सं० २०२६ भारतराष्ट्रीय शकाब्द १८९१

मुद्रक—हरिप्रसाद पारीक, साधना प्रेस, जोधपुर

विषय

प्रधान - सम्पादकीय

मारवाड रा परगना री विगत के प्रथम भाग का विद्वानो द्वारा जो स्वागत हुआ उससे मुझे बहुत हर्ष और सन्तोष प्राप्त हुआ है। इस भाग को देख कर अनेक लोगो ने इस ग्रन्थ के अन्य दो भागो के शीघ्र प्रकाशन के लिये आग्रह किया है। यद्यपि हम सभी इस आग्रह के अनुसार कार्य करने मे पूर्ण रूप से सफल नही हो पाये हैं, परन्तु ग्रन्थ के इस द्वितीय भाग को प्रकाशित करके हम अपने विद्वान् पाठको की इच्छा को आंशिक रूप से पूर्ण कर हर्ष का अनुभव कर रहे हैं।

जैसा कि विद्वान् सम्पादक ने अपने सम्पादकीय मे व्यक्त किया है कि ग्रन्थ का यह भाग प्रथम भाग का पूरक होकर भूतपूर्व जोधपुर-राज्य के प्राय सभी परगनो की विगत देने मे समर्थ हो सकेगा। इस भाग मे मुंहणोत नैणसी-कृत विगत के अतिरिक्त विद्वान् सम्पादक ने कुछ अन्य ग्रन्थो से भी सामग्री को सकलित कर दिया है, जिससे कि जिन परगनो की विगत नैणसी के ग्रन्थ मे नही आ पाई है उसका परिचय भी शोधकर्त्ताओ को एक स्थल पर मिल जाय।

मूल ग्रथ के अतिरिक्त इस भाग मे १० परिशिष्ट जोडे गये हैं जो अनुसधित्सुओ के लिये बडे उपयोगी सिद्ध होगे। फिर भी शोधकार्य के लिये इस ग्रथ को और अधिक उपयोगी बनाने के लिये कई अनुक्रमणिकाओ तथा अध्ययन-सदर्भों एव टिप्पणियो की आवश्यकता रह जाती है। इस सब की पूर्त्ति करने के लिये ग्रथ का तृतीय भाग शीघ्र ही प्रकाशित होगा। प्रथम भाग के प्रकाशित होने पर विद्वानो से जो सुझाव मिले हैं उनके अनुसार यथासभव तृतीय भाग मे अध्ययन प्रस्तुत किया जायगा। इस विषय मे हमारे मनीषी पाठक जो भी और सुझाव एव सम्मतियाँ देगे, उनसे हम अधिकाधिक लाभ उठाने का प्रयत्न करेगे।

अन्त मे, मैं सम्पादक महोदय को उनके परिश्रम और लगन के लिये अनेक धन्यवाद अर्पित करता हूँ। साधना प्रेस के व्यवस्थापक श्री हरिप्रसाद पारीक का भी मैं आभार प्रकट किये बिना नही रह सकता, क्योकि यदि उन्होने इसके मुद्रण मे तत्परता न दिखाई होती तो यह भाग इस समय समाप्त न हो पाता।

चैत्री पूर्णिमा, वि स २०२६,
जोधपुर.

— फतहसिह

सम्पादकीय

'मारवाड रा परगना री विगत' के प्रथम भाग मे मारवाड के तीन परगनो जोधपुर, सोजत और जैतारण सम्बन्धी वृत्तात प्रकाशित किया गया था। प्रस्तुत भाग मे फलोधी, मेडता, सिवाना और पोकरण का वृत्तात प्रकाशित किया जा रहा है। यद्यपि नैणसी ने उपरोक्त सात परगनो का ही वृत्तात अपने ग्रथ मे लिया है, परन्तु साचोर, जालोर-भीनमाल आदि परगने भी बाद मे जसवत-सिहजी के अधिकार मे आगये थे। नागोर का कुछ हिस्सा भी इनके अधिकार मे कुछ समय के लिये रहा था। मारोठ भी मारवाड का महत्त्वपूर्ण भाग रहा है। अत इन परगनो के सम्बन्ध मे जो भी न्यूनाधिक सामग्री अन्य अप्रकाशित साधनो से उपलब्ध हो सकी वह इस ग्रथ मे परिशिष्ट (१) मे समाहित कर दी गई है, जिससे प्राचीन जोधपुर-राज्य मे आने वाले अधिकाश परगनो पर एक ही जगह सामग्री उपलब्ध हो सके और इस प्रकार प्राचीन मारवाड का लगभग पूर्ण चित्र पाठको के सम्मुख उपस्थित हो सके।

इस ग्रथ की सामान्य विशेषताओ तथा अनुसधान की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण तथ्यो पर प्रथम भाग की सपादकीय-भूमिका मे विस्तृत प्रकाश डाला जा चुका है। अत' यहाँ केवल इस भाग मे समाहित सामग्री से सम्बन्धित कुछ विशेपताओ की ओर सकेत करना ही पर्याप्त होगा।

परगना फलोधी—मारवाड का यह अत्यधिक रेतीला भाग बीकानेर की सीमा पर होने के कारण राजनैतिक दृष्टि से बडा महत्त्व रखता आया है। और इसीलिये अवसर आने पर बीकानेर तथा जोधपुर के शासक इसे अपने-अपने राज्य मे मिलाने के लिये तत्पर रहे हैं। इस परगने को जोधपुर राज्य मे मिलाने के आशय से किये गये राव मालदे के षडयन्त्र और मुंहता नैणसी का बलोचो से मुठभेड करना तत्कालीन राजनीति के अध्ययन की दृष्टि से बडे महत्त्व का है। परगने के अन्त मे दी गई मारवाड मे उस समय की नमक की खानो की तालिका भी विशिष्ट महत्त्व रखती है।

परगना मेडता– यह परगना मारवाड के परगनो मे अनेक दृष्टियो से विशेष महत्त्व रखता है। न केवल उपजाऊ भूमि, नाना प्रकार की फसलो और किले-कोटडियो के कारण वह आकर्षण का केन्द्र रहा है अपितु उसकी भौगोलिक स्थिति के कारण भी उसका सदा राजनैतिक महत्त्व रहा है। यह परगना

एक ओर जोधपुर से बहुत समीप पडता है अत जोधपुर के शासक का जब तक उस पर अधिकार न हो तब तक वह निश्चित हो कर राज्य नही कर सकता था तथा दूसरी ओर अजमेर उसके समीप हे जहां कि बादशाही सूबेदार रहा करता था और उसकी दृष्टि इस परगने पर सदा बनी रहती थी और इसके माध्यम से वह जोधपुर के शासक की गतिविधियो को नियन्त्रित भी कर सकता था। केन्द्रीय शक्ति और जोधपुर राज्य के बीच जब भी सघर्ष चला है मेडता ने अनेक दृष्टियो से महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की हे।

इस परगने के एतिहासिक वृत्तात मे जोधपुर के शासको का मेडतियो की अनेक पीढियो के साथ सघर्ष बडे विस्तार के साथ वर्णित है जिनमे उस समय की युद्ध-कला, सैनिक अभियान, सघर्षरत राजपूतो के नैतिक मूल्य और मुगलो की नीति आदि कितने ही महत्त्वपूर्ण विषयो पर प्रकाश पडता है।

उस समय की मुगल साम्राज्यवादी व्यवस्था मे परगनो को प्राप्त करने के लिये किस विधि से काम लिया जाता था और साम्राज्य के अधीनस्थ कर्मचारी उसमे कितना सहयोग दे सकते थे और राजनीति मे कब कैसे अचानक परिवर्तन हो जाते थे, इसके कई उदाहरण इस वृत्तात मे आये हैं[1]।

वैसे प्रत्येक परगने मे उस काल की राजस्व-व्यवस्था तथा कर-व्यवस्था आदि पर प्रकाश डाला गया है परन्तु मेडता के सम्बन्ध मे यह प्रकाश कुछ विस्तार के साथ मिलता है। तथा कानूगोओ आदि की व्यवस्था के सम्बन्ध मे भी जानकारी मिलती है[2]।

परगनो को आबाद करने के लिये किस प्रकार के प्रयास किये जाते थे और आबाद होने वाले किसानो की सुरक्षा आदि के अलावा उन्हे कितना सामाजिक महत्त्व दिया जाता था इसके भी सुन्दर व उपयोगी उदाहरण इनमे मिलते हैं। गावो के वृत्तात मे अधिकाश गावो की मेडता से दूरी व उनका रकबा तक दिया गया है जिससे उनकी प्रामाणिकता और बढ गई हे।

सिवाना—मारवाड के परगनो मे प्राचीनता की दृष्टि से सिवाने का बडा महत्त्व है। प्रसिद्ध आक्रान्ता अलाउद्दीन ने भी इसके किले पर चढाई की थी और उसमे सातल-सोम चहुवान मारा गया था। राठौडो के इतिहास मे सबसे पहले राव जोधा ने स्थायी रूप से इसे प्राप्त करने का प्रयास किया था[3] परन्तु वह पूर्ण रूप से सफल न हो सका। परन्तु इसे अधिकार मे लेने के लिए

---

१. द्रष्टव्य पृ० ७५। २ द्रष्टव्य पृ० ८५–६८। ३ द्रष्टव्य पृ० २१७।

जोधपुर के शासक निरन्तर प्रयत्न करते रहे। राव मालदे और चद्रसेन[1] तथा मोटा राजा उदयसिह की चढाइया इसका प्रमाण है। मोटा राजा ने अकबर के आदेश पर कल्ला रायमलोत के विरुद्ध सिवाना पर चढाई की थी[2] और कल्ला बडी वीरता दिखाकर काम आया था जिससे उसने अक्षुण्ण ख्याति प्राप्त की। सिवाना सवधी अनेक अतिरिक्त ज्ञातव्य परिशिष्ट २ मे सकलित किये गये हैं वे भी इस दृष्टि से अवलोकनीय है।

परगनो के सीमावर्ती गांव कई वार एक परगने से हटाकर दूसरे परगने मे मिला लिये जाते थे। इसके कई उदाहरण इस परगने के कुछ गावो के विवरण मे मिलते हैं[3]।

इस परगने मे आई हुई विकट पहाडियो मे राज्य छूट जाने पर राव मालदे और चद्रसेन ने कष्ट के दिन निकाले थे और वहाँ रहने के लिये कोटड़िये आदि वनवाई थी उनका उल्लेख ऐतिहासिक दृष्टि से महत्त्व रखता हे।

परगने मे वहने वाली नदी सूकडी का प्रवाह किन-किन गावो मे से होकर था इसकी सूचना भी लेखक ने दी हे[4]। भायल, सीघल, दहिया, पवार आदि प्राचीन राजपूत जातियो के उल्लेख भी इसके गावो की विगत मे कई स्थानो पर आए हैं।

पोकरण—यह परगना जैसलमेर की सीमा पर पडता है जिससे इसका भी विशेष राजनैतिक महत्त्व रहा है। जोधाजी के वशजो मे से राव नरा ने पहलेपहल वरजाग से छीन कर पोकरण पर अधिकार किया था और पास ही सातलमेर नामक नया नगर वसा कर उसे राजधानी वनाया था। इसीलिये शाही-दफ्तर मे इस परगने का नाम सातलमेर ही लिखा जाता था।

इस पर स्थायी अधिकार राव मालदे ने जैतमाल से छीन कर किया था परन्तु चन्द्रसेन के समय मे वह पुन हाथ से निकल गया और प्रतिकूल परिस्थितियो को देखते हुए उसने जैसलमेर के भाटियो को कुछ रकम लेकर अडाणा (रहन पर) दे दिया था[5]। तव से जोधपुर के शासक इसे प्राप्त करने के प्रयास बरावर करते रहे परन्तु उन्हे सफलता नही मिली। महाराजा जसवन्तसिह (प्रथम) को जव शाही दरवार की ओर से इसे अपने राज्य मे मिला लेने के आदेश मिले तव मुहता नैणसी आदि ने ससैन्य जाकर इस पर

---

१. द्रष्टव्य पृ० २१६। २ पृ० २२०। ३ द्रष्टव्य पृ० २४६, पृ० २५१, पृ० २६५। ४. पृ० २८१। ५ पृ० २६७।

अधिकार किया। इसको प्राप्त करने मे जो सघर्ष हुआ उसका बडा विस्तृत विवरण नैणसी ने लिखा है[1] जिसके अध्ययन से उस समय के सैन्य-सचालन, युद्धनीति आदि पर विशेष प्रकाश पडता है। मारवाड के प्रसिद्ध पाचा पीरो मे गिने जाने वाले तुंवर रामदेजी का वतन यह परगना रहा है अत उनके वीरोचित कार्यो का उल्लेख भी इसके वृत्तात मे यथास्थान किया गया है।

इस परगने के वृत्तात का विशिष्ट महत्त्व इस दृष्टि से भी है कि सीमावर्ती परगना होने के कारण वाहर से आने वाली वस्तुओ पर जो कर लिये जाते थे उसका बडा उपयोगी व्यौरा इसमे दिया गया है[2]। यह न केवल उस समय की कर-व्यवस्था पर ही प्रकाश डालता है अपितु उस समय के व्यापार के साधनो और प्रमुख वस्तुओ के आदान-प्रदान की भी प्रमाणिक जानकारी प्रस्तुत करते हैं।

गावो के नामकरण के वारे मे इसमे एक वडी दिलचस्प वात यह है कि बहुत से गावो के आगे सर अथवा सरेह शब्द लगे हुए हैं जो वहां प्राचीन काल मे बनाये गये जलाशयो के द्योतक हैं और जिस व्यक्ति ने वह जलाशय बनवाया उसी के नाम से गाव का नाम रखा गया है, जैसे—भोपी री सरेह, ढट री सरेह, सोढां री सरेह आदि[3] आज भी इस परगने मे अनेक गावो के इस प्रकार के नाम विद्यमान हैं।

पोकरण पर जसवतसिहजी का अधिकार होने पर प्रमुख अधिकारी के रूप मे नैणसी को वहाँ रहने का अवसर मिला था इसलिये अनेक गावो की जानकारी उसने विस्तार के साथ प्राप्त करके प्रेपित की है। वहाँ वसने वाले विशिष्ट व्यक्तियो तक का भी उल्लेख उसने किया है। अत विस्तृत इतिहास की जानकारी की दृष्टि से ये वृत्तात बडे ही उपयोगी हैं।

परिशिष्ट

प्रथम भाग के अन्त मे केवल एक ही परिशिष्ट दिया गया था जिसमे जोधपुर मे विभिन्न शासको के समय मे बनी इमारतो तथा जलाशयो आदि का विस्तृत विवरण है। इस भाग मे १० परिशिष्टो का समावेश किया गया है। इन परिशिष्टो मे कुछ सामग्री तो परगनो की विगत की पूरक सामग्री है तथा कुछ सामग्री ऐसी है जिसके अध्ययन से इस वृहत् ग्रथ के अनेक सदर्भो को विस्तार के साथ समझने मे सहायता मिलती है। पाठको की सुविधा के लिये इनके महत्त्व पर सक्षेप मे यहा प्रकाश डाला जा रहा है।

---

१ पृ० ३००–३०५। २ पृ० २२५–२२६। ३ पृ० ३३९।

परिशिष्ट १ – इसमे नैणसी द्वारा वर्णित सात परगनो के अतिरिक्त जोधपुर के पाच परगनो—साचोर, जालोर, भीनमाल, नागोर तथा मारोठ का प्राचीन वृत्तात है। साचोर परगने को छोडकर अन्य परगनो के विस्तृत वृत्तात हमे उपलब्ध नही हो सके पर उनका सक्षिप्त वृत्तात अवश्य प्रस्तुत किया गया है जो इतिहास के अध्ययन के लिये वडा उपयोगी सिद्ध होगा। इनमे साचोर का वृत्तात लगभग नैणसी की ही शैली पर है। इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के वृत्तात मे बताया गया है कि वहाँ प्राचीन राज्य परमारो का था। अलाउद्दीन ने जब जालोर के सोनीगरा चहुवानो को पराजित किया तो सोनीगरा सवरसी के लडको ने साचोर मे आकर अपना अधिकार जमाया। प्रारम्भ मे इस परगने के लिये शाही रकम २४ लाख रुपये लगती थी। इस रकम मे जो भी घटा-वढी जिस-जिस शासक के समय मे हुई उसका पूरा व्यौरा सवत १६९५ से १७५५ तक का दिया गया है। परगने की आमदनी (उनालू और सावणू साख के आँकडो सहित) सवत १७२० से १७५६ तक दी गई है। चहुवानो का यहाँ लम्बे समय तक वर्चस्व रहा इसका विस्तृत वृत्तात इसमे मिलता है, जो कि मध्यकालीन राजस्थान के इतिहास की दृष्टि से वडा उपयोगी है। गावो का हाल यद्यपि सवत १६९२ की वही से नकल किया गया है[1] परन्तु लिपिकर्ता की ओर से कुछ गावो मे बाद की सूचनाएँ भी जोड दी गई हैं। गाँवो का वर्गीकरण, गाव चढै ऊतरै, चढै ऊतरै नही, भोमीचारा रा गाव आदि शीर्षको से किया गया है तथा प्रमुख जागीरदारो के अधीनस्थ गावो की सूचियाँ जागीरदारो की शाखाओ के अनुसार भी दी गई हैं। चारणो आदि को सासण मे दिये गये गावो की भी सूची है।

गावो के वृत्तातो मे आमदनी के आकडे नही हैं परन्तु रेख की चाकरी के घोडो की विगत अलग से दी गई है[2]। इस विगत के अध्ययन से पता चलता है कि उस समय १०००) रुपये की रेख पर सामान्यतया एक घोडा चाकरी मे देने की प्रथा थी। न केवल ऐतिहासिक दृष्टि से अपितु अन्यान्य दृष्टियो से भी इस प्रकार की सूचनाओ का वडा महत्त्व है।

जालोर और भीनमाल के परगनो के सम्बन्ध मे जो भी सक्षिप्त जानकारी यहा सकलित की गई है वह अनेक तथ्यो को प्रमाणित करने मे सहायक सिद्ध होगी। इन दोनो परगनो का हाल प्राचीन बहियो मे मिलेजुले रूप मे मिला है अत सम्भव है किसी समय मे ये दोनो परगने एकही सूवेदार अथवा अधिकारी

---

१. पृ० ३७३। २. पृ० ४०८–४१०।

के नीचे रहे हो। नागोर का वृत्तात यद्यपि अधिक प्राचीन नहीं है, परन्तु उसमे भी अनेक उपयोगी सकेत हैं। कुछ घटनाओ के वर्णन प्रामाणिक नहीं है। इसमे मुलतान के सूबेदार सुलमखान द्वारा नागोर के [illegible] मारा जाना लिखा है। इसी प्रकार की कुछ विशिष्ट सूचनाए इन वृत्तातो मे है।

मारोठ का वृत्तात गौडो और मेडतियो के इतिहास के लिये उपयोगी है।

परिशिष्ट २—इस परिशिष्ट मे जोधपुर, मेडता और सिवाने से सम्बन्धित कुछ पूरक सामग्री है। जोधपुर परगने का कुछ अतिरिक्त आंकिक विवरण तथा कुछ विशिष्ट महत्त्व की ऐतिहासिक सामग्री (जो विगत की 'ख' प्रति के अन्त मे लिपिबद्ध है) यहाँ समाहित की गई है। आंकिक विवरण जसवन्तसिहजी के समसामयिक अधिकारियो द्वारा सकलित किये हुए है इसलिये वे प्रामाणिक हैं। परगने मेडते (ख) मे बने कुछ स्मारक, जलाशय तथा मन्दिरो आदि का व्यौरा यहाँ दे दिया गया है। सिवाने (ग) मे कुछ प्राचीन स्मारको, सीमा-सम्बन्धी वृत्तात, जलाशयो तथा कला रायमलोत सम्बन्धी दिलचस्प जानकारी सकलित की गई है। महाराजा अजीतसिह के प्रवास पर भी अन्त मे कुछ उपयोगी प्रकाश डाला गया है।

परिशिष्ट ३— नैणसी ने परगनो की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि मे अनेक स्थलो पर महाराजा जसवन्तसिहजी (प्रथम) के राज्य-काल का विवरण प्रस्तुत किया है परन्तु वह पक्ष इतिहास, राजनीति और प्रशासन व सैनिक व्यवस्था से ही प्रमुख सम्बन्ध रखता है अत इस परिशिष्ट मे उनके समय के कुछ रीतिरिवाजो सम्बन्धी सामग्री का सकलन उस काल की सस्कृति और शासको की घरेलू व्यवस्था को समझने की दृष्टि से किया गया है। परन्तु इसमे भी अनेक ऐतिहासिक व्यक्तियो, वस्तुओ के भाव, हिसाब-किताब रखने की प्रणाली तथा लोकमान्यताओ आदि पर भी अच्छा प्रकाश पडता है।

परिशिष्ट ४—प्रथम भाग की भूमिका मे मैंने जोधाजी द्वारा स्थापित डावी और जीवणी मिसलो का उल्लेख किया था परन्तु इस विषय की विस्तृत जानकारी अनेक दृष्टियो से अपेक्षित है। इतिहास मे और विशेषतया ख्यातो व साहित्यिक कृतियो मे व्यक्ति की सही पहिचान के लिये उसकी जाति के अतिरिक्त खाप आदि का उल्लेख भी उसके नाम के आगे किया जाता है परन्तु उसको ठीक से न समझने पर बडी भूल हो जाती है। अत इस प्रकार की कठिनाइयो का निराकरण करने मे भी यह सामग्री बडी उपयोगी सिद्ध होगी।

परिशिष्ट ५—जोधपुर राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था मे पचोली, मुहता, भडारी, सिघवी, पोकरणा ब्राह्मण, पुरोहित, व्यास आदि जातियो के लोगो का पर्याप्त हाथ रहा है और उनमे अनेक योग्य, स्वामिभक्त तथा नीतिदक्ष अधिकारी हुए हैं। उनके खानदान आदि के सम्बन्ध मे यथोचित जानकारी अनुसधानकर्ताओ को मिल सके इस दृष्टि से इनके सम्बन्ध मे सक्षिप्त व प्राचीन ऐतिहासिक सामग्री यहाँ सकलित की गई है।

परिशिष्ट ६—लेखक ने इस ग्रथ मे अनेक सदर्भो मे कई ओहदेदारो का उल्लेख किया है। यहाँ की शासन-प्रणाली मुगल साम्राज्य की प्रणाली के अनुरूप ढल चुकी थी जिसका उल्लेख मैंने प्रथम भाग की भूमिका मे किया है। यहाँ इन ओहदेदारो की सूची इस आशय से दी जा रही है कि इसके अध्ययन से यहाँ की प्रशासनिक व्यवस्था को सुविधाजनक ढग से समझा जा सके।

परिशिष्ट ७—जिन जागीरदारो तथा मुत्सद्दियो आदि की विशेष सेवाये राज्य को प्राप्त होती थी उन्हे राजा की ओर से सम्मान देने के लिये विशेष कुरब आदि इनायत किये जाते थे। इनका अधिक सबध राजकीय औपचारिकता से था और कुछ विशिष्ट कुरब बडी कठिनाई से ही प्राप्त हो सकते थे। इनके अध्ययन से उस समय के राज्य-दरबार की व्यवस्था सामन्तो और शासक के बीच के सबधो और राज्य की ओर से विशिष्ट व्यक्तियो को मिलने वाली अनेक रियायतो आदि की जानकारी प्राप्त हो सकती है।

परिशिष्ट ८—इसमे जयपुर के मिर्जा राजा जयसिह को सवत १७२१ मे प्राप्त मनसब के आधीन परगनो तथा उनकी आमदनी की सूची है। इस सामग्री का सीधा सम्बन्ध इस ग्रथ से नही है परन्तु मिर्जा राजा जयसिह जसवतसिह के समकालीन थे और अनेक बार जसवतसिह से कई परगने हटा कर जयसिह को दिये गये और जयसिह से हटा कर जसवतसिह को दिये गये। उस हेर-फेर के अध्ययन के लिये इस सामग्री का वडा मूल्य है, इसीलिये इसे यहाँ स्थान दिया गया है।

परिशिष्ट ६—इसमे अकबर से लेकर औरगजेब तक के बादशाहो के हिन्दू उमरावो की तालिका, उनकी जाति और मनसब सहित (कुछ के मनसब नही) दी गई है। यह तालिका शायद पूर्ण न भी हो परन्तु अनेक ऐतिहासिक व्यक्ति और घटनाओ को प्रमाणित करने मे इस प्रकार की जानकारी से बडी सहायता मिलती है। इस ग्रथ मे ही अनेक ऐसे व्यक्तियो के उल्लेख आये हैं

जिनके सम्बन्ध तथा दर्जे आदि की जानकारी इस सारिणी के आधार पर की जा सकती है।

परिशिष्ट १०—अन्त मे नौ कोटी सम्बन्धी जानकारी इस परिशिष्ट के अन्तर्गत दी गई है। इस ग्रन्थ के प्रारम्भ मे तथा अन्य स्थानो मे भी नव कोटी तथा 'नव कोटी मारवाड़' ऐसे उल्लेख कई बार आते हैं। यह सब सामग्री नव कोटो के नाम, उनकी स्थिति और ऐतिहासिक महत्त्व आदि को समझने मे सहायक सिद्ध होगी।

परिशिष्टो की अधिकांश सामग्री राजस्थानी शोध संस्थान की ख्यातो और बहियो से ली गई है। कुछ सामग्री विगत की 'ख' प्रति के आदि और अन्त के पत्रो से भी ली गई है।

परगनो की विगत की मूल सामग्री तथा उसमे सम्मिलित कुछ अन्य सामग्री इन दोनो भागो मे प्रकाशित होकर पाठको के हाथो मे पहुँच रही है। अनेक स्थानो पर टिप्पणियो की अपेक्षा है। परन्तु इस ग्रंथ मे इतने अधिक ऐतिहासिक पुरुषो और स्थानो तथा विविध तथ्यो का उल्लेख हुआ है कि इन पर यदि मूल के साथ टिप्पणी की जाती तो इस ग्रंथ का प्रकाशन बहुत लम्बा समय लेता और शीघ्रता मे कई सदर्भो का उद्घाटन करना भी सभव नहीं था। अत ग्रथ के तीसरे भाग मे ऐसे महत्त्वपूर्ण संदर्भो पर टिप्पणियां, विशिष्ट शब्दो तथा कहावतो व मुहावरो के अर्थ तथा नामानुक्रमणिकाएँ आदि दी जाएँगी। इन भागो मे प्रकाशन आदि से सम्बन्धित जो भी त्रुटियां रह गई हैं, उनका शुद्धि-पत्र भी उक्त भाग मे प्रकाशित किया जायगा।

अन्त मे मैं प्रतिष्ठान के विद्वान् निदेशक श्रद्धेय डॉ० फतहसिंहजी का आभार प्रकट करना अपना कर्त्तव्य समझता हूँ जिनकी सतत प्रेरणा और महत्त्वपूर्ण सहयोग मुझे इस कार्य मे सदा सुलभ होते रहे हैं।

राम नवमी, २७–३–६९
चौपासनी, जोधपुर।

—नारायणसिंह भाटी

मुंहता नैणसी री लिखी

मारवाड़ रा परगनां री विगत

(४) वात परगने फलोधी री

१. आदी[1] फळोधी विजै नगरी कहीजती। फळोधी सेहर विच देहर एक श्री कलाणरायजी रौ छै। तिण रै थाभै नावी छै।[3] सम ११४५ रा जेठ थे देव[1] पंवार राज करतौ तद देहरौ हुवौ छै। त विजै नगरी कहीजती। देहरौ १ वळे जैन रौ थौ। फूल मोहल[4] री ठौड थी। तद भलौ सहर वसतौ।[5] पछै वीच में दळ[6] दुकाळ[2] तुरकांणा राज उथल हुवौ। पंवारां थी वाहडमेर छूटी, तरै आ ही धरती छूटी सु गाव सूनौ होय गयौ, सु गाव घणा दिन सूनौ रहौ। देहरा विगर कोई आईठाण[8] रहौ नही। तठा पछै राठौड़े मडोवर लीयौ। तौंही राव चूडै, रिड़मल, जोधा री वार माहे[9] आ ही ठौड वसी नही। तठा पछै राव सूजो जोधपुर धणी हुवौ तद सूजो आपरा बेटा नरा सूजावत नु इण तरफ मेलीयौ जु षाली देस छै, एक ठौड़ जोय वासौ।[2] तरै नरै आय आ ठौड देखी, सहर रा आरष छै[10] आगे नगर वसतौ, नदी दीठी। तरै नरै प्रथम आ ठौड़ वासण रौ[11] विचार कीयौ। आगै फलू बांभण पलीवाळ तिण री वेटी फळूधी आई रही थी। श्री फळूधी रौ वास कहीजतौ। तिका ठौड़ पीचवद रै मारग पड़कोट[12] थी पांवडा ४०० छै। उण वासै नाव फळोधी पड़ीयौ।

२. पछै सीधु फलो जैसलमेर रै गाव आसणी कोट रहतौ सु कु रावळ

हथदेव। २ आवौ।

---

1. प्रारभ में। 2 मदिर, देवस्थान। 3. स्तभ पर नाम अकित है। 4. महल। [5.] अच्छा शहर वसा हुआ था। 6. फौजों का विघ्न। 7 अकाल। 8. मकान आदि [...]र। 9 समय में। 10. चिन्ह हैं। 11. बसाने का। 12. परकोटा।

जिनके मनसब तथा दर्जे आदि की जानकारी इस तालिका के आधार पर ली जा सकती है।

परिशिष्ट १०—अन्त मे नौ कोटो सम्बन्धी जानकारी इस परिशिष्ट के अन्तर्गत दी गई है। इस ग्रथ के प्रारम्भ मे तथा अन्य ख्यातो मे भी नव कोटी तथा 'नव कोटी मारवाड' ऐसे उल्लेख कई बार आते हैं। अत यह सामग्री नव कोटो के नाम, उनकी स्थिति और ऐतिहासिक महत्त्व आदि को समझने मे सहायक सिद्ध होगी।

परिशिष्टो की अधिकाश सामग्री राजस्थानी शोध सस्थान की ख्यातो और बहियो से ली गई है। कुछ सामग्री विगत की 'ख' प्रति के आदि और अन्त के पत्रो से भी ली गई है।

परगनो की विगत की मूल सामग्री तथा उससे सबधित कुछ पूरक सामग्री इन दोनो भागो मे प्रकाशित होकर पाठको के हाथो मे पहुँच रही है। अनेक स्थानो पर टिप्पणियो की अपेक्षा है। परन्तु इस ग्रथ मे इतने अधिक ऐतिहासिक पुरुषो और स्थानो तथा विविध तथ्यो का उल्लेख हुआ है कि उन पर यदि मूल के साथ टिप्पणी की जाती तो इस ग्रथ का प्रकाशन बहुत लम्बा समय लेता और शीघ्रता मे कई सदर्भों का उद्घाटन करना भी सभव नही था। अत ग्रथ के तीसरे भाग मे ऐसे महत्त्वपूर्ण सदर्भों पर टिप्पणियाँ, विशिष्ट शब्दो तथा कहावतों व मुहावरो के अर्थ तथा नामानुक्रमणिकाएँ आदि दी जाएँगी। इन भागो मे प्रकाशन आदि से सबधित जो भी त्रुटियाँ रह गई हैं, उनका शुद्धि-पत्र भी उक्त भाग मे प्रकाशित किया जायगा।

अन्त मे मैं प्रतिष्ठान के विद्वान् निदेशक श्रद्धेय डॉ० फतहसिहजी का आभार प्रकट करना अपना कर्त्तव्य समझता हूँ जिनकी सतत प्रेरणा और महत्त्वपूर्ण सहयोग मुझे इस कार्य मे सदा सुलभ होते रहे हैं।

राम नवमी, २७–३–६९
चौपासनी, जोधपुर।

—नारायणसिंह भाटी

मारवाड़ रा परगनां री विगत

(४) वात परगने फलोधी री

१. आदी[1] फळोधी विजै नगरी कहीजती। फळोधी सेहर विच देहरी[2] एक श्री कलांणरायजी री छै। तिण रै थाभै नावौ छै।[3] समत ११४५ रा जेठ थे देव[1] पवार राज करतौ तद देहरी हुवौ छै। तद विजै नगरी कहीजती। देहरो १ वळे जैन रौ थौ। फूल मोहल[4] री ठौड थौ। तद भलौ सहर बसतौ।[5] पछै बीच में दळ[6] दुकाळ[7] तुर-कांणा राज उथल हुवौ। पंवारा थी वाहड़मेर छूटी, तरै आ ही धरती छूटी सु गांव सूनो होय गयौ, सु गाव घणा दिन सूनौ रहौ। देहरा विगर कोई आईठाण[8] रहौ नही। तठा पछै राठौडे मडोवर लीयौ। तौही राव चूडै, रिड़मल, जोधा री वार माहे[9] आ ही ठौड वसी नही। तठा पछै राव सूजो जोधपुर धणी हुवौ तद सूजो आपरा बेटा नरा सूजावत नु इण तरफ मेलीयौ जु थाली देस छै, एक ठौड़ जोय वासौ।[2] तरै नरै आय आ ठौड़ देखी, सहर रा आरष छै[10] आगे नगर वसतौ, नदी दीठी। तरै नरै प्रथम आ ठौड़ वासण रौ[11] विचार कीयौ। आगै फलू बांभण पलीवाळ तिण री बेटी फळूधी आई रही थी। श्री फळूधी रौ वास कहीजतौ। तिका ठौड़ षीचवद रै मारग पड़कोट[12] यो पावडा ४०० छै। उण वांसै नाव फळोधी पड़ीयौ।

२. पछै सीधु फलो जैसलमेर रै गाव आसणी कोट रहतौ सु कुं रावळ

हथदेव। २. आवो।

1. प्रारभ में। 2. मदिर, देवस्थान। 3. स्तभ पर नाम अकित है। 4. महल। 5. अच्छा शहर बसा हुआ था। 6. फौजो का विघ्न। 7 अकाल। 8. मकान आदि [illegible]। 9. समय में। 10. चिन्ह हैं। 11. बसाने का। 12. परकोटा।

थी विरस हुवौ ।[1] तरै गाडा १४० आपरा ले फळोधी आया । चोहटा बीच जाळ छै तठै हिमे सहर बसी छै, तठै आय वसीयो । नरै राव सूजा नु लिष नै घणी दिलासा दे वासीयौ ।[2] नरो आप वसीयो तिण दिन ठौड बोहोत वेरान[3] सु नरा रौ मन टिकै नही ।[4] नै पोहोकरण तद पोहोकरणा जगमाल मालावत रा पोतरा रावत पीवौ वरजागोत रै हुती, तरै नरै पोहोकरण लेण रौ विचार कीयो । सु पोहोकरण रै कोट री पौळ कीवाड़ तद न था ।[5] सु नरो घात जोवै छै ।[6] सेसू[7] लगाय मेलीया छै । इण पोहोकरणा रै घणो जावताई को न छै । एक दिन षीवो लुको तीवाळा षाण नु उधारास गाव छै तठै गयौ । वासी हुवा[8] नरा नु षबर दी । तरै असवार २०० सु दीडीयो सु जाय पोहोकरण री कोट लीयो । आपरी आणदाण फेरी । विचै लुका नु षबर हुई । काहाव कथोना[9] कराया । नरै कहायौ—कोई गढ लीयां पाछौ दे छै ? तरै षीवो लुको बाहड़मेर कोटडा दिसी गयो । विगाड़ करण लागौ । नरै ही कोट नुं पौळ रै कीवाड कराया । गढ नु सजीयौ नै नरो राव सातल रै षोळै थौ सु सातल रै नांवै सातसमेर नवौ गढ उठै बसायौ छै ।

३. षीयौ लुको घणौ साथ भेळौ कर आयौ । सातलमेर री उछरती[10] गाय लीवी । नरौ बांसै से ताती बाहर[11] नादणहाई कन्है आपड़ीयौ । बेढ हुई, तठै नरौ काम आयौ । पोहकरे बेढ जीती । नरा रै साथ गढ झालीयौ नै राव सूजा नु षबर मेली । जोधपुर सु सूजौ घणा साथ सु आयौ । नरा रै बैर बाहड़मेर कोटडौ षारी बावडो[1] नोबेलो[2] मारचा छा, पोहकरण आया । राव गोइद नरा रा बेटा नु पोहकरण दी । गोईंद बडौ आषाडसिध[12] रजपूत हुवौ । घणा पोहकरणा मारीया

१. षाबड । २. नीबलो ।

1. मनमुटाव होगया । 2 बसाया । 3. वीरान । 4 मन नही लगता । 5. मुख्यद्वार के कपाट नही थे । 6 घात लगाए हुए है । 7. जासूस । 8. पीछे लगे हुए लोगो ने । 9. कहा सुनी । 10. चरने के लिए बाहर जाती हुई । 11. तेजी से पीछा कर के । 12. युध्द प्रवीण, वीर ।

नै राव हमीर नु फळोधी दीवी । सु हमीर राव कहाणो । वडो रजपूत हुवो । हमीर समत १५५५ फळोधी री कोट करायो । संमत १५७३ कोट रै लोह रा कीवाड़ कराया । एक बावडी कोट रै मांह कराई । तिण री पाणो सपरी[1] छै । एक कोट माहे कोहर[2] करायो थो, बूरीयो[3] पडीयो छै। एक तळाव कुडले दिसी हमीरसर करायो । तिण दिन भाटीया री ठकुराइ सबळी[4] थी । पण राव हमीर कुडळ कीरडो भाटीया कन्हा था दवाई लीयो ।[5] एक वार हमीर गोईद माहो-माह पोहोकरण फळोधी री सीव वेइ अहेडस[6] हुई । तद राणी लीषमी इणां री दादी आई, घोड़ा कधी री मगरी छै पारी कन्है, तठै सीव काढ दी ।[7]

४. हमीर बडो रजपूत हुवो । पछै हमीर समत १५ ' ' ' काळ कोयो तरै रांम हमीर रै बेटा नु फळोधी हुई । राम री पुणायो[8] तळाव रांमसर आथूण नु पको बधायो छै । अै जोधपुर रा धणी रा चाकर हुवा रहै । संमत १६०० बडी बेढ राव माल रै हुई । रा. जेतो कूंपी काम आया । तिण वेढ राम भलो[1] न हुवो ।[9] राव मालदे रांम था रीसाणो ।[10] राम जोरावर[11] ठाकुर थो, तिणे आपरै परधान जगहथ दीपावत[2] विस दे मारीयो । तिण री साष री[12] दूहो—

जगहथ वानु नाल जु न, राव माल रै रतन ।
दुनी राम मरता गई, रह गइ भाग ठकुराई ।।[3]

५. राम नु औ टीको डूगरसी राम री भाई बैठो, नै पोहोकरण राव गोईंद संमत १५८२ काळ कीयो सु राव जैतमाल गोईदोत टीकै

१. भळो । २ देपावत । ३ जगहथिया तु' नाल जूनो राव मारै,
रतन सुनो रांम मरतां गई राह भाग ठकुराई ।
(दोहा अशुध्द है)

1. अच्छा । 2. कुआ । 3 धूल से पटा हुआ । 4. सबल । 5. अपने अधिकार मे कर लिया । 6. सीमा के प्रश्न को लेकर खटपट हुई । 7. सीमा निश्चित करदी । 8. खुदवाया हुआ । 9 अच्छा कार्य नही किया । 10. नाराज होगया । 11. ताकतवर। 12. साक्षी का ।

बैठो। जैतमाल जेसलमेर रावळ माळदे रै परणीयो थो सु सामत १६०३ तथा १६०४ राव मालदे जैतमाल नै डूगरसी कन्हा सु फळोधी पोहोकरण लेण रौ विचार कियौ तरै षोट कीयौ।[1] होळीया री आगव छौ[2], डूगरसी नु होळी षेलण नु तेडीयौ।[3] सु गाव चवां डूगरसी षेल माहे आयौ। तरै आष माहे गुलाल घाल नै पकडीयौ, बेड़ीयां घाती, बदीषांनै दीयौ। नै फळोधी ऊपर कटक[4] कर आय गया।[5] आगै गढ डूगरसी रा रजपूतां जगहथ देपावत झालीयो। मास ५ हुवां गढ हाथ नावै नै राव जैतमाल पहली राव मालदे जैसलमेर रै घणो रै परणीयो थो सु जैतमाल जेसलमेर जाई रावळ मालदे नु कहौ—मेह थाहारी चाकरी करसा, थेई माहरी मदत करो। तरै मालदे घणा भाटीया साथे दे कवर हरराज नु मदत मेलीया। इणां आई पोहोकरण डेरा कीया। राव मालदे रा डेरा फळोधी छै। तरै नरै कवर हरराज नु कहौ–कहौ तौ म्हे जावा कटक रा वीगाड़[6] करां। तरै हरराज आपरी साथ घणौ साथ दीयौ। रावत भीवौ बीजा ही असवार ४०० भेळा हुई आया। कटक नु हेरा लगाया। हेरै कहायौ-घात छै। ऊट ल्यौ सो ल्यौ तरै बीजो साथ एक ठौड़ दबौ मार[6] रहा। असवार ५०० मेलीया थेई ऊट लौ। उणे दिन पोहोर १ चढता ऊट लीयौ, तिण दिन बडी वेढ रो पग नैड़ो थो।[7] मदार सारी जेसैं भैरवदासोत माथै थी। कुकाउ[8] आयौ, जेसौ जुवा-हार चढोया। रा॰ प्रथीराज जैतावत रावजी रै घोड़ै चोको रै चढ बाहर दौडीया। ऊंट लीया था उणै आगै साथ ऊभौ थौ, तठै लोई जाई नै कहौ–बाहार वासै[9] आवै छै। इतरै बाहार ही वांसै आई। ऊट तौ उणे चलाया नै साथ नरौ माला भाटीया रै बेढ नु ऊभौ। रहचौ। अठै बडी बेढ हुई। रावजी रै साथ बेढ जीती नरा रा

१. आपे पधारीया।

1 धोखा किया। 2. होली आने को थी। 3 बुलाया। 4. फौज। 5. नुक्सान। 6. गुप्त रूप से। 7. बडा युद्ध होने के आसार दिखाई देते थे। 8. पुकार करने वाला। 9. पीछे।

भाटी घणा मारीया। नरा रा पग छूटा कहै छै।[1] रावजी रै साथ वासौ कीयौ।[2] घणा मारता मारतां पोहोकरण कवर हरराज रा डेरा था तठै गया। भाटी डेरा मेली नीसर गया, इण डेरा लूटीया। राः प्रथीराज रै हाथ रावत भीव रहोयौ। बीजौ ही घणौ विसेष हुऔ। पाछा कुसले षेमे रावजी कनै साथ आयौ। तरै सिकै राती वरछी कीयां[3] रावजी री हजूर आया। प्रीथीराज माहली चाळ[4] था वरछी लुही[5] ऊजळी थकां आयौ। तरै रावजी जेसैजी नु कहोयौ–जैता वाळौ पूत[6] आज ही उजळी बरछी कीया आयौ छै। तरै जेसैजी कहीयौ छै–थे घणा रजपूतां माहे समझौ। प्रथीराज री माहली चाळ दिषाळी[7], वात मांड कही।[8] वेढ इण रै भुजे[9] जीती छै। तठा था रावजी प्रथीराज रौ घणौ भलौ हुवौ। इण वेढ पछै नरा रौ वळ छूटौ। डूगरसी जी रावजी नु कहाडीयौ–हिमे मोनु छोडौ तौ हू कोट फळोधी रौ रावजी नुं माहरा चाकरां कन्है दिराऊं। तरै रावजी वात आ रापी, कही–माहारौ कोट आवसी तरै म्हे तोनु छोडसां। तरै डूंगरसी कोट रै मोहडै जाई[10] जगहथ देपावत नुं कहीयौ–सावास तै पाच मास गढ वीग्रहीयौ।[11] हिमे हू दोहीरौ हू[12] तू कूची रावजी नु सौप जु मोनुं छोडै। तरै गढ रावजी लीयौ नै डूगरसीजी नु छोड दीयौ। तठा पछै वरस १५ ताई रावजी रै फळोधी रही।

६ पछै संमत १६१६ राव मालदे काळ कीयौ तरै झाली सरूपदे रा बेटा चद्रसेन उदैसिंघ था, सु सरूपदे बळती[13] चद्रसेण नु जोधपुर दीयौ, टीकायत थौ। नै उदैसिंघ नुं फळोधी दी।

७. उदैसिंघ फळोधी आयौ। पछै राव चदरसेन नै रजपूतां असुष हुवौ।[14] तरै रजपूत उदैसिंघ नु भषायौ।[15] तरै घांघाणी मारी।

---

1. कहते हैं कि भाग गया। 2. पीछा किया। 3. खून से लाल बरछी किये हुए। 4. कुर्ते (अगरखी) के छोर के अन्दर का भाग। 5 पोछ कर साफ की। 6. जैते का पुत्र। 7. दिखाई। 8. विस्तार से सारी बात कही। 9 इसके बाहुबल से। 10 द्वार पर जाकर। 11. युद्ध करके गढ रखा। 12. तकलीफ मे हू। 13. सती होते समय। 14. अनबन हुई। 15. सिखाया।

कतरीक ऐ लूटी[1] अे तिणोज टाणे रांम मालदेयोत पण मेवाड थको[1] सोजत री बीगाड कीयो थो, सु चदरसेन वासै वाहर चढीयो थो, सु रांम नु भोज[2] सारण आयो थो । तिणरी आ खबर गई । तरै चदरसेन सारण था घणा साथ चढीयो सु उदैसिघ नु लोहीगावट कन्है आय-डीयो ।[2] तठै वडी वेढ हुई । उदैसिघ डील[3] आपरै घणो परा‌क्रम कीयो । चदरसेन नु लोह पोंहचायो[4] घणो राव उदैसिघ रो काम आयो । आप लोहा पडीयो । तरै पीनी हुवे आपरै घोडै चाढ ले नीसरीयो । वासी रजपूत करण न दीयो । पछै समत १६२१ रै टाणै चदरसेन था जोधपुर छूटो । कुहो[1] फळोधी उदैसिघ नु रही । तठ फळोधी बीकमपुर दाण री वडी हासल थी । नु एक सोवन बीकानेर आई । तरै सोदागर काहाडीयो—म्हानु मामा आये[5] ले जाने तिण रै म्हे जासा । तरै उदैसिघ रा वेरसी जेसावत नै जैमल भाणोत नै सामा मेलीया । पैली कानो था राव डूंगरसी आपरो भाई भानीदास सामो मेलीयो सु भानीदास पैहली जाये सोवत आधी चलाई । आप उलै कानै रहीयो थो । वासा था ओ गयो । माहो-माहे[6] बोलाचाली हुई । राठोड आदमी ६ था, भाटी भानीदास नु कूट मारीयो । तिण ऊपर राव डूगरसी कटक[7] कर आदमी २००० तथा ३००० भेळा कर आयो । कुडळ ऊतरीयो । मोटै राजा सामो आये वेढ की । भाटीये वेढ जीती । मोट राजा हारी । पछै कहै छै पाछो कोट मोटै राजा नै गयो । पाषती नु गयो, भाटीये देस लूटीयो । ओ मामलो समत १६२७ हुवो ।[4] घणो साथ मोटा राजा रो काम आयो । आदमी ५० भाटीया रा काम आया । राव मडलीक वैरसलपुर रो धणी काम आयो ।

८. तठा पछै समत १६३१ मोटै राजा था फळोधी छूटी ।[8] भा:

---

१ कतार एक लूटी । २ भांज । ३ तोही । ४ फाती गाहे हुवो ।

---

1. मेवाड में रहते हुए । 2. पहूचा (पकडा) । 3. शरीर । 4 शस्त्र से घार किया । 5. सामने आकर । 6. आपस मे । 7. फौज । 8. छिन गई ।

भाषरसी हरराजोत नुं रावळ हरराज जीवता हुई। सु समत १६३३ ताई रही। भाषरसी एकवार पोहोकरण नु गयो पिण हाथ नाई। पाछै संमत १६३३ रै टाणै भाभा नै माः भोजु पोहकरण रावळ हरराज रै आडाणी घाती[1], नै समत १६३५ राजा रायसिंघ नु फळोधी हुई सु संमत १७७२ ताई रही। परगनो निपट रस आयो। वडी बार बुही। रायसिंघ रै केईक दिन फळोधी राठौड़ मालदे वणवीरोत कांधल नु पटै दी थी। कोईक दिन मूतै करमचद सागावत[1] नु पटै हुई। घणी वसी, सोघो आये रहीयौ।

९. संमत १६७२ राजा श्री सुरजसिंघ नु हुई, रू. ६७५००) माहे। मुहतै जैमल नुं हाकम कर मेलीयो। चौ सिषरौ थाणैदार कर मेलीयौ थो। पछै एक बार समत १६७४ आप था पातसाहजी बीकानेर रै राव श्री सूरजसिंघजी नुं दीवी। उण रा का भागचद करमचदोत कीलाणदास अमल करण नु आया[4] नै बासा था काई राजाजी रै मन मे आई, कवर गजसिंघ नु लिष मेलो, मुः जैमल नुं लिषीयौ–जु फळोधी माहै जनम भोम छै।[4] म्हनै ही दो[2] पातसाहजी सु अरज करसा थे अमल मत दो। तरै कवर गजसिंघ उमराव ४ जाय जोधपुर मेलीया। राः जैतसिंह राजावत आसकरण मानसिंघोत सौः जगनाथ जसवतोत राः सूजा मांडणोत नै जैमल नु लीषयो थौ–अमल मत देजो। तरै पैली कानी था उणां रो साथ आदी भेळू ऊतरीयो। कोस २ री बीच थौ।[5] बीच आदमी करीया।[6] बीकानेरीया फिर गया।[7] बांसा था राजा श्री सूरजसिंघजी पातसाहजी था अरज कर फरमांण कराय मेलीया। पछै राजा गजसिंघजी माहाराजा श्री जसवतसिंघ नु बरकरार रही, सामत १७०३ सुधी।

१०. फलोधी बेढ तरै[3] हुई संमत १६८० साल पछै संबत १६८० रा

---

१. सांगावत। २. म्है नही दां। ३. इतरी।

---

1. रहन रखो। 2 खूब आमदनी हुई। 3. अपने राज्याधिकार का विधिवत दस्तूर करने आये। 4. जन्मभूमि है। 5. दो कोस का फासला था। 6. बातचीत के लिए आदमी भेजे गए। 7. लौट गये।

कतरीक ऐ लूटी[1] अै तिणीज टाणै राम मालदेयोत पण मेवाड थको[1] सोजत री बीगाड कीयो थो, सु चदरसेन बारै बाहर चढीयो थो, सु राम नु भोज[2] सारण आयी थी। तिराडै श्रा पबर गई। तरै चदरसेन सारण था घणा साथ चढीयो सु उदैसिघ नुं लोहीयावट कनै आप-डीयो।[2] तठै वडी बेढ हुई। उदैसिघ डील[3] आपरै घणो पराक्रम कीयौ। चदरसेन नु लोह पोहचायो[4] घणो साथ उदैसिंघ रो काम आयौ। आप लोहा पडीयो। तरै पीची हदै आपरै घोडै चाढ नै नीसरीयो। वासौ रजपूत करण न दीयौ। पछै समत १६२७ रै टाणै चदरसेन था जोधपुर छूटी। कुहो[3] फळोधी उदैसिघ नु रह्यो। तद फळौधी बीकमपुर दाण री वडी हासल थी। सु एक सोबत बीकानेर आई। तरै सोदागर काहाडीयौ—म्हानु सामा आये[5] ले जासी तिण रै म्हे जासा। तरै उदैसिघ रा वेरसी जेसावत नै जैमल भाणोत नै सांमा मेलीया। पैली कानी था राव डूंगरसी आपरी भाई भानीदास सामो मेलीयौ सु भानीदास पैहली जाये सोव्रत आवी चलाई। आप उलै कानै रहीयौ थौ। वासा था श्रो गयौ। माहो-माहे[6] बोलाचाली हुई। राठौड़ आदमी ६ था, भाटी भानीदास नु कूट मारीयी। तिण ऊपर राव डूगरसी कटक[7] कर आदमी २००० तथा ३००० भेळा कर आयौ। कुडळ ऊतरीयौ। मोटै राजा सांमो आये वेढ की। भाटीये बेढ जीती। मोट राजा हारी। पछै कहै छै पाछो कोट मोटै राजा ने गयौ। पाषती नु गयौ, भाटीये देस लूटीयौ। श्रो मामलो समत १६२७ हुवौ।[4] घणौ साथ मोटा राजा री काम आयो। आदमी ५० भाटीया रा काम आया। राव मडलीक बैरसलपुर री धणी काम आयौ।

८. तठा पछै समत १६३१ मोटै राजा था फळोधी छूटी।[8] भा:

१ कतार एक लूटी। २ भांज। ३ तोही। ४ काती माहे हुवो।

1. मेवाड में रहते हुए। 2. पहूचा (पकडा)। 3. शरीर। 4 शस्त्र से वार किया। 5. सामने आकर। 6. आपस मे। 7. फौज। 8. छिन गई।

भाषरसी हरराजोत नुं रावळ हरराज जीवतां हुई। सु समत १६३३ ताई रही। भापरसी एकवार पोहोकरण नु गयो पिण हाथ नाई। पाछै संमत १६३३ रै टाणै भाभा नै माः भोजु पोहकरण रावळ हरराज रै आडाणी घाती[1], नै सामत १६३५ राजा रायसिंघ नुं फळोधी हुई सु सामत १७७२ ताई रही। परगनो निपट रस आयो। वडी बार बुही। रायसिंघ रै केईक दिन फळोधी राठौड मालदे वणबीरोत कांधल नु पटै दी थी। कोईक दिन मूतै करमचद सागावत[1] नु पटै हुई। घणी वसी, सोघो आये रहीयो।

९. समत १६७२ राजा श्री सुरजसिंघ नु हुई, रू. ६७५००) माहे। मुहतै जैमल नुं हाकम कर मेंलीयो। चो सिपरी थाणैदार कर मेलीयो थो। पछै एक बार संमत १६७४ आप था पातसाहजी बीकानेर रै राव श्री सूरजसिंघजी नुं दीवी। उण रा का. भागचद करमचदोत कीलाणदास अमल करण नुं आया[4] नै वासा था काई राजाजी रै मन मे आई, कवर गजसिंघ नु लिष मेलो, मुः जैमल नुं लिषीयो–जु फळोधी माहै जनम भोम छै।[4] म्हनै ही दो[2] पातसाहजी सुं अरज करसा थे अमल मत दो। तरै कवर गजसिंघ उमराव ४ जाय जोधपुर मेलीया। राः जैतसिंह राजावत आसकरण मानसिंघोत सौः जगनाथ जसवतोत राः सूजा मांडणोत नै जैमल नुं लीषयो थो–अमल मत देजो। तरै पैली कानी था उणा रो साथ आदी भेळू ऊतरीयो। कोस २ रो बीच थो।[5] बीच आदमी करीया।[6] बीकानेरीया फिर गया।[7] बासा था राजा श्री सूरजसिंघजी पातसाहजी था अरज कर फरमांण कराय मेलीया। पछै राजा गजसिंघजी माहाराजा श्री जसवतसिंघ नु बरकरार रही, सामत १७०३ सुधी।

१०. फलोधी बेढ तरै[3] हुई संमत १६८० साल पछै संबत १६८० रा

---

१. सांगावत। २. म्हे नहीं दा। ३. दतरी।

---

1. रहन रखी। 2 खूब आमदनी हुई। 3. अपने राज्याधिकार का विधिवत दस्तूर करने आये। 4. जन्मभूमि है। 5. दो कोस का फासला था। 6. बातचीत के लिए आदमी भेजे गए। 7. लौट गये।

आसोज[1] बद ११ सोम रा: अचळदास बीकामाईतोत नु सावत्र ऊरे-संघ राव बीकुपुरीया अरजन रै वैर ऊपर आया, तठै काम आया।

११. १६९० चैत्र बद १२ भा' अचळदास सुरताणोत भा नकतसिंघ पेतसीयोत नु बलोच मुगलपान सरोही मारी।[1]

१२. १६९३ आसोज बद ९ समीयाणी हैदरअली कुउल मारीयो। घणो वित लूटीयो नै मादो[2] फतैअली आसोज बद ९ चापु घटीयाळी मारी। रा हरराज राणोत नै ईसरदास रामसिंघोत काम आया।[3]

१३. सामत १६९४ रा पोस सुद ८ रावळ मनोहरदास मु॰ नैणसी बीकुपुरीया रै भारमलसर परै कोस ६ बलोच मुगलपा नु मारीयो।

१४. संमत १६९५ माहा सुद ७ बलोच मदो फतैअली फळोधी ऊपर मांणस ७५० सु आया। मु' नैणसी सुंदरदास सांमो गया। बलोच भागा, कोस १० वांसो कीयो।[2]

१५. समत १७१५ असाढ वद ८ भाटीया री कटक आयो। राणीसर ऊतरीयो। भा रामसिंघ पचाईणोत विहारीदास दयाळदासोत आदमी॰ ...था। तद श्री माहाराजाजी रा चाकर सिंघवी जैतमाल था, कानो हाकम था, रा गोईंददास गोपाळदासोत सु थाणैदार था। सु जैतमाल तो कोट जड बैस रहीया[3] नै था कांनो रा. गोईंददास दहूरै[4] बैठा रहा। तिणे कर गाव भेळीयो नही।[5] पछै रात १ रह नै परा गया। पाषती रा गांव लूटीया।

१६. **फलोधी री हकीकत**

कोट लाबो हाथ २३८ ईस[6] नै, हाथ १२२ उपळै।[7] बुरज १९ कीरडी[4] हाथ ६, ऊचो हाथ २१ आयो। टाची[5] बंध आयै, बावडी १, पाणी मीठो, बारा ७१[6] रेजवांणी बावडी तळाव १।

---

१ पोस। २. मदो। ३ समत १६९४ काती सुद सुक्र भाटी जसवत सुरजमलोत नु मुदफखा·· ·· ···मारीयो। ४ फिरणी। ५. टांकी। ६ ११।

---

1 जीती। 2 पीछा किया। 3 कोट बन्द करके बैठ गया। 4. मदिर के पास। 5 गाव मे घुस कर लूट-पाट नही की। 6. लबाई। 7. चौडाई।

बसती

२४२ महाजन	२०१ बांभण पोकरणा	१८ भोजग
१२१ ओसवाळ	११ दरजी	१५ माळी
१२१ महेसरी	५ छीपा	२१ सुनार
२१ रजपूत	२ तेली	४ कुभार
४ डूम	७ नाचणा	५१ सीपाई
२१ ढेढ	२ थोरी	११ नाई

६५७[1]

इतरै कोसे आ ठौड—

३५ जोधपुर ६० मेडतो ४५ जैसळमेर ८४ देरावर
२४ वीकुपुर ४८ बेरसलपुर[2] ४५ वीकानेर।

१७. फलोधी री सींव[I]

१ पूरब नु – जोधपुर था सीव काकड लागै—
सावड़ाऊ चीराई। चाडी आऊ।
रूपसर राढीयो, अजासर ईसरू[3]।

१ पछम नु – केलणां री षरड वावड़ी सेवसर नै बहगटी सोवरज कुंढल अतरीस[4] छै।

१ दीषण – दहीया कोहर कुसलवै वरणाऊ चामु।

१ उत्तर नुं – घटीयाळी भेळु वीकानेर था।

१ रीतहड – बाप कीरषैडरी वा सीव पुडीयाल सीरड़ सीव।

१ षरक – पोहकरण बारै घोड़ाकपी[5]।

---

१ जोड ठीक नही है तथा 'ख' प्रति से भिन्नता भी है। २. वरसलपुर। ३. नवसर (अधिक)। ४. अतरगढ़। ५. कषी।

I. सीमा।

१८ सालीनो[1] फळोधी रो परगना रो—

समत १७०३	३३५६)	समत १७१०	५१२१)
,, १७०४	३७४३)	,, १७११	६०६८)
,, १७०५	७७१९)	,, १७१२	[illegible]३३३)
,, १७०६	३४५०)	,, १७१३	६६६८)
,, १७०७	५१२२)	,, १७१४	६६०२)
,, १७०८	५९७१)	,, १७१५	[illegible])
,, १७०९	६०७५)	,, १७१६	१६६२५)
		,, १७१७	

१९. परगनो सिगळो पालसो जागीरदार सागण रुंन ठोक—

समत १७११	१७९२४)	समत १७१६	३७८८२)[1]
,, १७१२	२३४६५)	,, १७१७	५०२९९)
,, १७१३	२३६१३)	,, १७१८	७१२०३)
,, १७१४	१९८१५)	,, १७१९	३४४००)
,, १७१५	३९२०)	,, १७२०	१२११९)

२०. परगनै फळोधी री फिरसत गाव ६७ लागै पातसाही तरफ। दाम २७०००००, रु० ६७५००) मे पाई इण ऊपर परगो बाधीयो को नही। राजा श्री सुरजसिंघजी राजा गजसिंघजी नु इण होज रेप माहे श्री परगनो हुवै।

बिगत

१ कसबो फळोधी लोग महाजन सगळी पवन जात, वडो भलो कासबो।

२१ ९ जाटा रा गाव पुलास[2]–

१ आहू   १ आवलो   १ दहणोष   १ घटीयाळी
१ बाणासर   १ राढीयो   १ नेपेडा आहू री
१ भेड़, जाटा रौ षेडो, के पलीवाळ बसै।   १ चीमणावो

१. ३७८४२)।

1. वार्षिक आय। 2. पूर्णरूपेण।

२२. १३ बिसनोइयां रा पेडा षुलासा गांव—

१ भीवासर	१ धवळसर	१ भोजासर
१ मोटेही	१ जेसला	१ पडीयाल
१ बरजागसर	१ रिणीसर	१ राता री तळाव
१ जेह री तळाई	१ नोषेड़ो जेसला री	
१ मुजासर	१ नोषेड़ो भोजासर री ।	

२३. ८ जाट बिसनोई भेळा वेहू बसै[1]—

१ चाषु	१ पल्ही[1]	१ लोहीयावट	१ केलणसर
१ सांवडाउ	१ पलीणो[2]	१ नीनेउ	१ मोदवो[3]

२४. १० पलीवाळां रा गाव—

१ साबरीज	१ जालीवाड़ी	१ मुषेरी[4]
१ दहीया कोहर	१ हुपाळी[5]	१ छीला
१ गोघणली	१ वरणाउ[6]	१ नबेरी
१ मेहा कोहर कसबै री ।		

२५. ८ रजपूतां रा गांव—

१ उलढां[7]	१ कानासर	१ मेहा कोहर
१ लूणा	१ लुभासर	१ मीठड़ीयो
१ ढढरवाळी	१ षीचवद	

२६. १० सूना षेडा—

१ गाधी गोधणली रा बांभण षेत पाही षड़ै ।

१ जीभलाव[8] बाप रा बाभण षेत षडै ।

१ केरलो बरजागसर मांजरै ।

१ तेजाभषरी ग्रांबला मे माजरै ।

---

१. पली । २. पलांणो । ३. मोरेवी । ४. मोखेरी । ५. होपाली । ६. वारणाऊ । ७ ऊलटा । ८. जानेलाव ।

---

1. दोनों शामिल बसते हैं ।

१ सुकनो षेडो जेसळमेर[1] मे माजरै ।

१ समदडी दडीयो[2] ।

१ दीगावडी[3] वाप रा ब्राभण षेत पडै ।

१ बालसर भीवासर[4] विसनोई पडै ।

१ सोढां कोहर सूनी सोरढ नजीक छै ।

१ षारीयो जगहथीयो सूनो पडीयो छै ।

१०

२७. ६ सासण

१ सावणघी १ ढीलंणो[5] लेडा नु २ वावडी प्रोहता नु ।

२ षीचवद १ सीह बांभणा नु । १ थांनका नु ।

२ बाह गढी हरभूजी रा पोतरा भोपत वास २ ।

१ काळु पाबूजी[1] रा भोपा[2] नु ।

६

६८

२८. परगने फळोधी री फिरसत साल ५ समत १७१५ था संमत १७१९ सुधी ।

१ कसबो फळोधी

भलो कसबो माहजन बाभण माळी सगळी पवन जात वसै । वरसाळी षेत बुडल री सरो रा बडा षेत जुवार रा बीजा कवळा, मोठ बाजरी । ऊनाळी नही । बाहळी[3] कोट नोचै बहै । तिण मे वेरा ३०० तथा ४०० आषारीयासा[4] तठै गाव पोवै । भाजी तरकारी हुवै, पाणी हाथ १० मीठो[5] छै ।

१ जेसला मे । २. मसदड, ईडीयो । ३. देगावडी । ४. रा (अधिक) । ५. ढेलांणो ।

1. पाबूजी धाधल—प्रसिद्ध लोक-देवता । 2. पाबूजी की गाथा गाने वाले—भील आदि । 3 नाला । 4 साधारण पानी वाले । 5. दस हाथ की गहराई पर मीठा पानी है ।

संवत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१६७७)	३०४०)	२७३०)	६१०१)	३६१५)

१ लोहावट बास २

कसबा था कोस ८ तळाव मास ८ पाणी रहै। षेत कवळा निपट सषरा। धरती हळवा ५०० तथा ७०० निपट घणी। जाट बिसनोई बसै, बड़ी गाव। कोहर २ पुरस ६० पाणी घणौ मीठो। कोहर ४ बीजा बुरीया छै।

संवत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	२६६)	२५३९)	५८६०)	४४०७)	२१६०)

१ नीनाउ[1]

कसबा था कोस ४ ऊतर नु बिसनोई बसै। कोहर १ पुरस १६ मीठो। घणा षेत थळी रा सषरा हळवा २००। तळाव १ पांणी मास ४ रहै। बिसनोई पलीवाळ बसै।

सवत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	४१)	३५०)	४५३)	९८१)	५७५)

१ देहीया कोहर

फळोधी था कोस ८ दीषण माहे। षेत कवळा सषरा इलया धरती १२५ षाड़ा षेत कपास तली बड़ी नैपै, तळाई १ मास ४ पाणी रहै, कोहर पुरस २५ पाणी। लोग बाभण पलीवाळ मुसला बसै।

सवत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१०)	३५०)	४१४)	७१९)	३३८)

१ भेड

कसबा था कोस धरती हळवा १५०। षेत कवळा तळाई १ ठलोयाळी[2] ता कोस॥ पाणी मास ६ रहै, कोहर सागरी[1] पुरस ४० पाणी

१ नीनेऊ। २ डालेळाई।

1 एकसी गोलाई वाला बहुत प्राचीन कुआ—किंवदंती के अनुसार इस प्रकार के कुओ को राजा सगर के पुत्रो द्वारा खोदा हुआ माना है।

मीठो घणो । जाट विसनोई पलीवाळ वसै ।

संवत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	५७)	४७५)	१०७१)	११९१)	४७०)

१ जाळवाडी[1]

कसबा था कोस ५ दिषण में । पेत कंवळा थळ रा । वडो नेपै रा षेत[1] । धरती हळवा ३०० कपास तिला वडो नेपै । तळाव १ रपासर मास ८ पांणी रहै । कोहर १ पुरस[2] ६० मीठो, सागरी । बास २–

१ पलीवाळ । १ बीजो ।

संवत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१५९)	१३४९)	२८७९)	३३४७)	१०९२)

१ पालड़ी बास २

फळोधी था कोस १२ रैत विसनोई मुसला वसै । पेत कवळा निपट सषरा । धरती हळवा ४०० । तळाव ४ मास ४ पांणी रहै । कोहर १ पुरस ७० पाणी घणो मीठो, गाय ५००[2] पोवै भलो गांव ।

संवत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१५८)	२२१२)	३३९०)	४३६५)	१९२२)

१ दइणोक[3] बास २ ३०००)

फळोधी था कोस ११ बरसाळी षेत कवळा सषरा धरती हळवा ४०००[4] । जाट बांणीया बसै । तळाव मास ८ पाणी रहै । कोहर १ पुरस ५१ पाणी मीठो घणो ।

बसराल

१ बडीवास जाट बसै । १ लेहूबी[5] रो बास जुदा ।

---

१ जालीवाड़ी । २ १५०० । ३. वेहणोक । ४ ४०० । ५. लहूवा ।

---

1 बहुत अच्छी उपज वाले खेत । 2 तीन हाथ की लम्बाई एक पुरस के बराबर मानी जाती है ।

संवत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	२५०)	२५००)	४२९५)	३००१)	१५२८)

१ घटीयाळी ३०००)

कसबा था कोस १६ बडी गाव, पेत कवळा सपरा हळवा ५००। जाट रजपूत बसै। कोहर ५ पाणी मीठी घणीं सपरी। वीकानेर री काकड़।

संवत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१११)	१४२५)	२५०६)	१९९२)	११५९)

१ सांवडाऊ

कसबा था कोस १३ भैरहर मे। षेत कवळा धरती हळवा ३००। कोहर २ पुरस ५० पाणी घणी मीठी। लोक जाट बिसनोई बांणीया मुसला बसै।

संवत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	९२)	७२५)	८७९)	१२१५)[1]	७६३)

१ बारणाउ

कसबा था कोस १५[2] भेरहर कूण मे। षेत कवळा थळ रा धरती हळवा १००। कोहर १ पुरस ३५ पांणी मीठौ सागरी। लोग जाट पलीवाळ बसै।

सवत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१६)	५००)	९३२)	१४३४)	६३०)

१ सावरीज ४०००)

कसबा था कोस ७ षरक मे। धरती हळवा ४०० तथा ५००। षेत थळी रा कवळा, बाजरी मोठ तिल कपास री बड़ी नैपे। तळाव ४ पलीवाळा बाभणा रा बणाया। ऊपरै छत्री छै। मास ६ पाणो रहै कोहर ६ पाणी भळभळो पुरसे २५। घणौ लोग पलीवाळ घर १५० बसै।

---

१. १२२५)। २. कोस १।

सवत १७१५	१६	१७	१८	१९
२२)	५९०)	११३३)	२२१६)	५५६)

१ हौपाली

कसबा था कोस ४। पेत कंवळा सपरा घरती हळवा १००, पेत कपास री बड़ो नैपै। तळाई १ बांभण होपाल री पुणाई[1]। मास ८ पांणी रहै। पछै कोहर नही। लोग पलीवाळ घर ५० तथा ६० वसै।

सवत १७१५	१६	१७	१८	१९
७०)[1]	५५५)	१४४३)	३७५)	०

१ मोषेरी ७००)

फळोधी था कोस २॥ दिपण मै। घरती हळवा १००। पेत सषरा, बाजरी मोठ तिल कपास री वडी नैपे छै। तळाई मास ८ पांणी रहै। कोहर १ पुरस ५० पाणी मीठी थोडी रहै। गा० ४०० तथा ५०० पीवै। लोक बांभण पलीवाळ वसै।

सवत १७१५	१६	१७	१८	१९
६॥)	५००)	३९७)	४१०)	४४८)

१ आऊ ३०००)

फळोधी था कोस १५ ऊगण मे। घरती हळवा ४००। थळी रा बडा षेत। बाजरी मोठ कपास तिल री वडी नैपै छै। तळाई १ मास ४ पाणी रहै। कोहर २, पुरस ५० पाणी मीठो। थोडो लोग जाट घर ८१, बीजा लोग बांणीया[2] नै रजपूत वसै।

सवत १७१५	१६	१७	१८	१९
१४०)[3]	२७९९)	२७५०)	४२१५)	१२४७)

१ भीवासर २५००)

---

१ ६) तथा ५००)। २. ९ घर। ३. १४७)।

---

1. खुदवाई हुई।

फळोधी था कोस १३ ईसांन में। धरती हळवा ३००। षेत कंवळा थळी रा सषरा। तळाई मास ४ पाणी रहै। कोहर भींवासर लहूवै भीवा री षीणायौ। पुरस ४८ पाणी मीठौ। घणी लोग बिसनोई घर ८० बसै।

संवत १७१५		१६	१७	१८	१९
	१९०)	१७००)	२२५७)	३५३१)	१०१५)

१ पलीणो

कसबा था कोस ७। धरती हळवा १०० षेत कंवळा अजाईवी तळाव १, मास ४ पांणी रहै। कोहर १ पुरस ४८ मीठौ, गाय ८०० पीवै। लोक जाट विसनोई मुसला[1] वसै।

संवत १७१५		१६	१७	१८	१९
	१३)	६३०)	८१८)	५५२)	५६१)

१ आंबलो[1]

कसबा था कोस ५। धरती हळवा १००। षेत थळी रा सषरा। तळाव नही। कोहर १ पुरस ४१ पांणी मीठौ, गाय ८०० पीवै। लोक जाट रजपूत बसै।

सवत १७१५		१६	१७	१८	१९
	४३)	६५०)	८८२)	८८१)	४२७)

१ चाषु

फळोधी था कोस १७ षेत कवळा थळी रा। तळाई १ मास ४ पाणी। कोहर ४, पुरस ४५ पाणी मीठौ घणौ। रजपूत जाट बिसनोई बसै।

सवत १७१५		१६	१७	१८	१९
	११७)	५८८)	२०१)	७९९)	३९०)[2]

---

१. वास २। २. ३३०)।

---

1. मुसलमान।

१ वरजागसर १५००)

कसबा था कोस १[1] ऊगवण माहे। षेत कवळा थळी रा सपरा। धरती हळवा १००, तळाव १ मास ४ पाणी। कोहर १ पुरस ४६ पाणी मीठौ, गाया ८०० पीवै। सह कोई बीसनोई मुसता वसै।

सवत १७१५	१६	१७	१८	१६
३६)	५२५)	१३००)	७५६)	५३०)

१ भोजासर

फळोधी था कोस १४ ईसान मे। षेत कवळा थळी रा सपरा। धरती हळवा १००। तळाव १ मास ४ पाणी रहै। कोहर १ भोजासर पुरस ५१ पाणी घणो मीठो। लोक बिसनोई वाणीया मुसला बसै।

सवत १७१५	१६	१७	१८	१६
१६३)	१३५०)	१५३२)	१८५३)	६८२)

१ मुजासर

कसबा था कोस ८ भरहर मे। षेत सपरा कवळा थळी रा। तळाई १ पाणी रहै। कोहर १ पुरस ५१ पाणी घणो मीठो। लोक बिसनोई घर ६१ रजपूत बसै। बसी रा घर २०।

संवत १७१५	१६	१७	१८	१६
५८)	६००)	१३३१)	१७४५)	८०१)

१ वणासर

कसबा था कोस ५। धरती हळवा ५० षेत कवळा सपरा। तळाई १ मास ४ पाणी रहै। कोहर १ पुरस ४५ पाणी मीठो। गाया ४०० पीवै। लोग जाट घर ३० बसै।

सवत १७१५	१६	१७	१८	१६
२४)	४८४)	६०५)	८४७)	३८६)

१ चोमणवो

कसबा था कोस २० ईसान मे। षेत थळी रा हळवा २००।

---

१. कोस ११।

तळाई २, मास ३ पांणी रहै । कोहर २ पुरस ४६ पांणी मीठो । गाया ४०० पीवैं । जाट रजपूत वसैं ।

संवत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१८)	४००)	२२३)	४१२)	३८२)

१ धवळासर

कसबा था कोस ५ उत्तर नु । पेत थळी रा धरती हळवा ६० । तळाव १ मास ४ पांणी । कोहर १ पुरस ६० पांणी मीठो । विसनोई वसैं ।

संवत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	५०)	४२५)	३४२)	६०३)	४३८)

१ मोटेही

कसबा था कोस ६ खेत कवळा थळी रा धरती हळवा १०० । नाडी १ पाणी मास ४ हुवै । कोहर १ पुरस २१ पाणी षारी थोड़ी । भीवासर मैडीयाळ[1] पीवैं । लोग विसनोई वसैं ।

सवत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१२)	२८२)	३५१)	७०२)	२२४)

१ केलणसर ११००)

फळोधी था कोस २० पेत कंवळा थळी रा हळवा १०० । कोहर १ पुरस ४८ पाणो मीठो । गायां ४०० पीवैं । बसती घर २५ जाट वसैं, घर ६० रजपूत जागीरदार री वसी रा ।

सवत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	४४)	५२५)	१३३२)	११००)	५५२)

१ नोपडा जेसलां री

फळोधी था कोस २० । धरती हळवा ९० पेत थळी रा अजायब कोहर १ आदु पेड़ी[1] छे । पाणी नही, तरै कोहर १ जैसला रो मु०

1 पडीयाल ।

---

1 बहुत प्राचीन ।

जगनाथ बडा नुं दीयौ। बसतो बिसनोई वसै घर २५ तथा ३० ।

संवत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१२)	६२५)¹	७५८)	६६०)	२३०)

१ जेसला १५००)

फळोधी था कोस २०, पेत कवळा सपरा थळी रा। कोहर पुरस ४० मीठौ थौ। कोहर १ जेसलां वासे नै कोहर १ पेढा वांसै छै। मु० जगनाथ घातीयौ[1]। बसती बिसनोई घर ५० वसै घर १५ रजपूत बसी रा बसै।

संवत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	४४)	८२१)	१३०७)	११७४)	६१९)

१ षेडो भोजासर रौ

कसबा था कोस १४। धरती हळवा ६० पेत कवळा थळी रा। कोहर १ आदु षेडो थौ सु बुराणो, पांणी नहीं तरै। भोजासर रै कोहर पीवै। बिसनोई घर २० बसै।

संवत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१२)	६६२)	²	४४२)	१८५)

१ रीणीसर

कसबा था कोस ११। षेत थळी रा हळवा ५०। कोहर १ पुरस ४८ पांणी मीठौ। गायां ३०० पीवै। नाडी १ मास ४ पाणी रहै। बसती घर २० तथा २५ बिसनोई बसै।

संवत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	८)	२६२)	२९७)	४६१)	२७१)

१ जेहारी तळाई

फळोधी था कोस १३। धरती हळवा ५१ षेत कवळा सषरा

---

१ २६५)। २ ३४६) सवत १७१७।

---

1. मुहता जगनाथ ने निश्चय किया था।

थळी रा। कोहर नही। तळाई १ जेहरी कहीजै तठै मास ४ पांणी रहै, पछै मुजासर पीवै। लोग बिसनोई घर २० वसै।

सवत १७१५	१६	१७	१८	१९
१६)	४७०)	८३३)	६३२)	७८)

१ पीचवद

कसवा था कोस १॥, षेत थळी रा रूड़ा[1] भला हळवा ६०। तळाव ४[1] पांणी रहै। बेरा २० पार मे छै, नदी मैं, तठै हाथ ५ तथा ७ पाणी अषारीया[2] तठै पीवै। रजपूत घर ४० सोमांरा वसै।

संवत १७१५	१६	१७	१८	१९
७१)	८१)	७१)	१५१)	१०१)

१ नोषड़ो आहू रो

फळोधी था कोस १५। धरती हळवा ६० षेत कंवळा सषरा। आहु षेडो थी सु पण कोहर नही सु कितरा लोग आहु भेळा हीज आई वसीया। आहू रै कोहर १ माहे हेसो १ छै तीण, जाट बसै।

सवत १७१५	१६	१७	१८	१९
२९)	४५६)	३८७)	५०८)	२३७)

१ गोधणलो

कसबा था कोस २ उत्तर मे। षेत हळवा ७० रूड़ा भला। कोहर नही। तळाव १ मास ८ पाणी रहै। पछै कसबै री नदी बेरीयां पीवै। पलीवाळ बसै। लूण रा आगर २०० बेरा छै। लूण निपट सषरो[3] हुवै।

सवत १७१५	१६	१७	१८	१९
४१)	१३०)	८१)	८४१)	१९९)

---

१ मास (अधिक)।

---

1. अच्छे। 2. एक अखारी २०० चरस पानी निकालने की मानी जाती है। प्रायः कुए में अधिक पानी न होने के कारण एक अखारी निकालने के बाद कुछ समय के लिए ठहरना पड़ता है ताकि तब तक कुए मे फिर पानी शामिल हो जाय। 3. बहुत अच्छा।

१ गाव ढाढरवाळो

कसबा था कोस १ भरहर माहे। पेत हळवा ५० कवळा थळी रा सषरा। तळाव नही। कोहर १ पुरस ४७ मीठी पाणी। गाया ३०० पीवै। बसती घर १० जाट २५ रजपूत लहुवा मेघा सीवराजोत री बसी रा बसै।

संवत १७१५	१६	१७	१८	१९
३०)	१२०)	७२)	३०१)	९६)

१ लुभासर

कसबा था कोस २०। धरती हळवा ६०। कोहर १ काचो त्रिण बांधीयो[1] षाड[2]। गायां ४० पीवै। पाणी पारो। कोहर १ सवत १७१७ गाव लुणा रै दीयो पुरस ५२ गाया ४००० पीवै। पाणी पारो बसीवान लोग कोई नही। जागीरदार नु पटै हुवे जिकै बसै। हमे रा० भगवान करमचंदोत[1] नु पटै सु बसै[2]।

१ लुणो

फळोधी था कोस २० उत्तर मे। धरती हळवा १०० पेत रूडा थळी रा। कोहर २ छै तिण मे कोहर १ लुणो लुभासरीये नु समत १७१७ दीयो, नै कोहर १ घीघालीयो पाणी भळभळो, पुरस ४५ गायां ४०० पीवै। वसीवान लोग नही। जागीरदार री बसी रहै।

संवत १७१५	१६	१७	१८	१९
३७)[3]	२००)	५०)	२०१)	१६०)

१ मीठीयो[4]

कोस २०, धरती हळवा ६० षेत सषरा थळी रा। तळाव नही।

---

१ रूपावत (अधिक)। २ सवत १७१५ १६ १७ १८ १९
पांच वर्ष की आमदनी 'ख' प्रति मे— १०) १५०) १५०) २०१) १४७)
३ ३)। ४. मीठडीयो।

---

1. पत्थर आदि से पक्का बधा हुआ नही। 2. गड्ढा।

कोहर २ पुरस ४५ पाणी षारौ, गाय ४०० पीवै। वसीबांन लोग नही। जिणनु पटै हुवै जिण री बसी रा लोग रजपूत बसै। रा० रामचद भगवानदासोत री बसी रा घर १५ बसै।

सवत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१५)	४०)	२०)	५१)	४०)

२८. **सूना गांव**[1]

१ घाघरि २००)

कसबा था कोस १॥ षेड़ौ सूनौ। धरती हळवा ६० षेत सषरा। षेत ४ गेहू काठा हुवै। समत १६७२ गाव सूनौ हुवौ। वसीवान लोग कोई नही। गोधणली रा बाभण षेत षड़ै। पहली कदीम जगमाल मालावत रौ पोतरौ बसता। तिके गाधरीया कहीजै। कोहर तळाव नही।

सवत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१०)	११०)	७०)	१७०)	३५)

१ जाभळावो[2] १५००)

कसबा था कोस ८ उतर नु। धरती हळवा २०० बड़ा षेत। तळाव १ जाभेळाव बिसनोई रौ करायो मास ८ पाणी रहै। वसीवान लोक नही। गाव नीनेउ वाप बीजा ही गांवां रा लोक षेत षड़ै बरसाळी[1]। बसती तळाव ऊपर लोक रहै।

सवत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	३७)	६५०)	६२५)	३०६०)	६७५)

१ षारीयौ जगहथ रौ

कसबा था कोस १७। धरती हळवा ४० संमत १६७० सूनौ हुवौ, तिण पछै षेडौ कदेई[2] बसीयौ नही। षेत घटीयाळी रा लोग षड़ै।

१. 'ख' प्रति मे यह शीर्षक यहाँ है। २. जाभेळाव।

1. वर्षा ऋतु मे। 2. कभी भी।

कोहर १ पांणी षारो पुरस ४५ । वूरीयो पडीयो छै ।

सवत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	०	४०)	१५)	०	०

१ सुकनो षेडो

रसबा था कोस २१ । पेडो जुदो नही, धरती हळवा ४० षेत छै सु जेसळा में षडीजै छै, कोहर एक छै सु सूको पडीयो छै वूराणो । जैसण मे मांजरो जुदो नही, षेडै री षबर नही । कोहर सुकोनोपेडो कहीजै ।

सवत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	२०)	३६२)	२८०)	४४२)	१५१)

१ केरलो

कसबा था कोस १३ । सूनो षेडो, वरजागसर मे मांजरो । धरती हळवा २५ । वरजागसर रा लोग पडै । षेड़ो कदै जुदो[1] बसीयो नही । समत १६८० जुदो पटै हुवो थो । कोहर नही बेरी नही । षेड़ै री षबर नही । समत १७१६ जुदो कियो ।

संवत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	०)	३८०)	१००)	२००)	५८)

१ राता रो तळाव

फळोधी था कोस १४ । धरती हळवा ४० षेत थळी रा कवळा । कोहर नही । तळाव मास ५ पाणी रहै पीवै पछै रांणोसर मांहे तोण[2] १ तठै पीवै । बसती घर १५ ता २० बिसनोई बसै ।

संवत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१६)	१००)	६१७)	४६१)[1]	२७१)[2]

१. ४५२) । २ १७४) ।

---

1 अलग से । 2. समयानुसार निश्चित पानी निकालने की हिस्सेदारी, पानी की कमी के कारण कुओं से पानी लेने की सुविधा के लिए इस प्रकार की व्यवस्था होती है ।

१ छीलां

फळोधी था कोस ४। षेत कंवळा सपरा धरती हळवा ७१। कोहर नही। तळाई १ मास ५ पाणी रहै। पछै षीचवद जालीवाड़ो पीवै, हमे समत १७१९ कोहर नवो षिणायो। पलीवाळ बांभण घर ४० बसै।

सवत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	५)	५७२)	६८०)	८७०)	३५७)

१ नवेरी

फळोधी था कोस ३ पछम माहे। धरती हळवा ६० षेत सषरा। कोहर नही। तळाव १, मास ८ पाणो रहै छे। कसवै फळोधी नदो माहे बेरी पीवै। बसती घर २५ पलीवाळ, घर १५ मुसला बसै।

संवत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	३॥)	२८०)	१२१)	७१६)	६४)

१ राढीयौ

फळोधी था कोस १४। षेत कंवळा सषरा धरती हळवा ६० कोहर नही। तळाब १ मास ४ पांणी। पछै नवासर री कोहर मे तीवण १ छै तठै पीवै। जाट बिसनोई घर २५ तथा ३० बसै।

सवत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१४)	२७०)	१२०)	२८०)	७५)

१ ऊलटां १५००)

कसबा था कोस २० ऊत्तर नु। षेत कवळा थळी रा रूड़ा। बीकानेर री भेळु था कोस ३। कोहर ४ पुरस ४५ पांणी मीठी घणी। कोहर १ बूरीयौ पड़ीयौ छै। कोहर ३ बहै छै[1]। बसीवांन लोग कोई नही, जिण नु पटै हुवै तिको बसै।

सवत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१५०)	२५	२५०)	२२५)	२४०)

1 चालू हालत मे।

१ मेहाकोहर

कसबा था कोस २० ऊत्तर नु बीकानेर री काकड । धरती हळवा १०० षेत थळी रा । कोहर २, पुरस ५० पाणी पारी । वसीवान लोग को नहीं । जागीरदार भा० दुरगदास केसोदासोत रो वरी रा घर, रजपूत घर ५० बसै ।

संवत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	३०)	६१)	७७)	२०१)	१५४)

१ पडीयाल ३०००)

फळोधी था कोस ११, धरती हळवा २० । षेत कवळा सपरा । तळाई ४ तथा ५ पांणी मास ४ पीवै । पछे कोहर २ पाणी मीठी । कोहर १ दुदासर पांणी थोडो गाया ३०० पीवै । आगै पहली कहे छै नाळ[1] १०० थी सु बूरी पडो छै । जाट बिसनोई बसै ।

संवत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	७२)	१९८०)	१८२५)	२७५७)	९३६)

मोखो ७००)[1]

कसबा था कोस ९ । धरती हळवा ५० षेत सषरा । कोहर १ पुरस ४८ पांणी मीठी, गायां ४०० पीवै । तळाई १ मास ४ पाणी रहै । बसती बिसनोई घर २० बसै बसीवान ।

संवत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	२२)	२००)	५०८॥)	३०५)	२१२)

१ कांनुसर

कसबा था कोस ४ । धरती हळवा ६० षेत रूडा । कोहर १ जेसगां री करायो । पांणी थोड़ो गाया २०० पीवै । इतरा दिन गांव सूनो थो संमत १७१६ बसीयो, षालस मुसला घर १० तथा १२ बसै ।

१. ५००) ।

---

१. एक प्रकार का कुआ ।

संवत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	३०)	६०)	३५)	२१)	२१)

१ देगावड़ी १५०)

कसबा था कोस ७ रेष १५० धरती हळवा १०० । षेत सषरा षेत ४ काठा गोहू छै[1] । गाव घणा बरस हुवा सूनौ । वसीवान लोग कोई नही । वाप रा बांभण षेत षड़ै । जिण नुं पटै तिका बसै । कोहर नही, जाभेळाव पीवै वीकुपर रा गाव वाप[1] नजीक ।

सवत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१०)	१३०)	१२०)	३०)	०)

१ सोढा कोहर २००)

कसबा था कोस १० । धरती हळवा ६० षेडी घणा बरसा रौ सूनौ सीरहढ[2] नजीक । कोहर १ छै सु भाटीये बूरीयौ थौ सु किणी ऊघाड़ीयौ[2] नही । पुरस ४० पांणो षारो । घणा बरस हुवां सूनौ, जेसंधर राठौड़ री कदीम गाव । षेत पड़ीया रहै छै ।

सवत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	०	२०)	१०)	२०)	०

१ समदड़ी ईडोयौ[3]

कसबा था कोस ७ । षेड़ी सूनौं । धरती हळवा ४० । बसीवान लोग कोई नही । बीकानेर दोसीड़ी रा लोग षेत षड़ै । जागीदार नुं पटै हुवै तिको बसै, तरै दासौड़ी रै कोहर पीवै । कोहर १ छै सु बूरीयौ पड़ीयौ छै ।

संवत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	३)	२५)	२५)	४०)	०

---

१ थापण । २. सीरढ । ३ 'ख' प्रति मे २०० रेख ।

---

1. गेहू पैदा होते हैं । 2. वापिस खोदा नहीं ।

सीहेडा री कीला चाचावत षावूजी रा भोपा नु दीयौ। हिमे जगी दूदावत मरो जैतमालोत छै। घरती हळवा १५०। तळाव १ पावूसर मास ८ पांणी रहै। कोहर ३, पुरस २५ पांणी मीठी घणी। वास २ रजपूत बाणीया थोरी तुरक ढेढ बसै, वडी वसती।

संवत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	२०)	१३०)	२१०)	३००)	२१०)

२ बावडी वास २

फळोधी था कोस ४ आथूण माहे। दत्त राव जोधैजी री प्रो० आसा देदावत नु। जात सीवड़ौ नु दीयौ, हमे वास २, भाई बेटा वास २ कर जुदा बसीया।

१ बास थाहारू आसावत री

रीडी[1] ऊपरै बसै। घरती हळवा ५० षेत सपरा। तळाव २ पांणी मास ४ रहै। तळाव १ आसा री कोस १ ऊपर, मास १० पांणी रहै। बेहू गांव पीवै। कोहर १ षाती धरमा री षुणायौ, पांणी षारी। बावड़ी ६ आदु, कोस १ ऊगवण माहे पुरस ६ कुंडल रा वाहाळा माहे। पाणी थोडौ, वरसाळी बाहाळा रा पांणी सु भरीजै, हिमे थाहादु रा पोतरा सो तीकम री, सांईदास कीसनै री छै। घर २० ऊपत पैलै वास नंदु चदु नर मडै छै।

१ वास बना आसावत री

वास भाषर रै षुणे[1] बसै। षेत सषरा थाहादु[2] रै बास नै इण बास पावडा ४०० री बीच। सीव कौहर तळाव बावड़ी सह एक। हिमे जोगी बना री पोतरौ हेस ३६ छै। घर ४० बांभण प्रोहतां रा छै।

संवत	७१५	१६	१७	१८	१९
	२५)	२१०)	१८०)	३९०)	५८०)

---

१. पुढे। २. थाहारू।

---

1 पठार, पहाडी।

१ वालासर

कसवा था कोस ··· भीवासर मे माजरै पेडो। कोहर नही। पेत हळवा ६० छै सु भीवासर विसनोई पेत पडै। भीवासर था आथूण नु छै। सदा भीवासर भेळो कर पडीजतो, समत १७१६ जुदो कीयो।

संवत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	०)	३५०)	१००)	२००)	५८)

१ तेजा भापरी

कसवा था कोस ४। आवला री सीव में, तेजा भापरो रा पेत १० छै। षेड़ो कदे वसीयो नही[1]। पेत वरतो हळवा १० आंवला मे मांजरै। कोहर तळाव को नही। आवला रा लोग पडै।

संवत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	५)	७०)	३५)	३१०)	१५)

२९. सांसण

१ सोवाणीयो

फळोधी था कोस ६ उत्तर नु। दत्त राजा रायसिघ किलांण-मलोत री चारण लाषा करमसीयोत कनीया नु दीयो। हिमें नरौ चतरभुज रो देवो मेहाजळ रो धनो लाला रो। हेस[2] ३ कनिया नुं छै। हेस १ रतनु गोवल मेहावत नु छै। धरती हळवा २०। कोहर नही। तळाई १ मास ३ पाणी रहै। पछै जाभेळाव पीवै छै। मागीयो पीवै[3]। घर २० चारणां रा बसै।

सवत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१०)	६१)	५०)	७५)	५०)

१ कोळू

फळोधी था कोस ७ दीषण नुं। दत्त राव गागा रो, धांधल भाषर

1. आबाद नही हुआ। 2 हिस्सा। 3 मांग कर पानी पीते हैं।

सीहेडा री कीला चाचावत षाबूजी रा भोपा नु दीयौ। हिमें जगौ दूदावत मरौ जैंतमालोत छै। धरती हळवा १५०। तळाव १ पावूसर मास ८ पांणी रहै। कोहर ३, पुरस २५ पांणी मीठौ घणौ। बास २ रजपूत बांणीया थोरी तुरक ढेढ बसै, वडी वसती।

सवत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	२०)	१३०)	२१०)	३००)	२१०)

२ बावडी बास २

फळोधी था कोस ४ आथूण माहे। दत्त राव जोधैजी री प्रो० आसा देदावत नु। जात सीवड़ौ नु दीयौ, हमे बास २, भाई बेटा बास २ कर जुदा बसीया।

१ बास थाहारू आसावत री

रीडी[1] ऊपरै बसै। धरती हळवा ५० षेत सपरा। तळाव २ पांणी मास ४ रहै। तळाव १ आसा री कोस १ ऊपर, मास १० पाणी रहै। बेहू गाव पीवै। कोहर १ षाती धरमा री षुणायौ, पांणी षारौ। बावडी ६ आदु, कोस १ ऊगवण माहे पुरस ६ कुंडल रा वाहाळा माहे। पाणी थोडौ, वरसाळी बाहाळा रा पांणी सुं भरीजै, हिमे थाहादु रा पोतरा सो तीकम री, सांईदास कीसनै री छै। घर २० ऊपत पैलै वास नंदु चदु नर मडै छै।

१ वास बना आसावत री

वास भाषर रै षुणे[1] बसै। षेत सषरा थाहादु[2] रै बास नै इण बास पावडा ४०० री बीच। सीव कौहर तळाव बावड़ी सह एक। हिमे जोगी बना री पोतरौ हेस ३६ छै। घर ४० बांभण प्रोहतां रा छै।

संवत	७१५	१६	१७	१८	१९
	२५)	२१०)	१८०)	३९०)	५८०)

१. पुढे। २. थाहारू।

1. पठार, पहाडी।

२ वोहोगटो[1] बास २ ५००)

फळोधी था कोस ५ आथूण मे। पोकरण था कोस १०। दत्त राव जोधा रौ सांषला हरभू पीर नु दोयौ। हरभुम मेहरजोत पायौ। धरती हळवा २००। तळाव ४, मास ८ तथा १० पाणी रहै। कोहर नही। तळाव रौ पांणी षूटे[1] तरै पाषती[2] रै गावा पाणी पीवै। गाव षेडौ पहली भेळो हीज थौ। सु भाई बटै बांटीया तरै जुद-जुदा बसीया। विगत—

१ बास किसना झांझणोत रौ

झाझण पुजा रौ पुजौ चाहड हरभु रौ। हमे जीवौ पगार छै। घर १००[2] सांषलां रा बीजा लोक बसै छै।

१ बास १ ईसर रायपाळोत रौ

वास छै राईपाळ सेवौ पुजौ चाडौ[3] हरभु रौ। बसती घर ८० तथा ६० सांषला हरभु रा पोतरा बीजो[4], गांव सु मुदाइती सापला छै। सरणो[5] सारग रौ सारग ईसर रौ।

संवत	१७१५	१६	१७	१८	१६
	१०)	११०)	१७०)	१८६)	१७०)

१ षीचवध

फळोधी था कोस १॥ उत्तर माहे। दत्त राव हमीर नरावतरौ प्रो० हीला[6] काजावत रौ जात सीहा नु दीयौ। धरती हळवा २५। कोहर बावडी नही। तळाब १ मास ६ पाणी रहै। वेरां सु पार मे हाथ ६ तथा ७ पाणी चाढौ षारौ। हमैं राम गढावत छै। घर ७ तथा ८ बांभण सीहा आचारज रा छै।

सवत	१७१५	१६	१७	१८	१६
	८)	२५)	२७।	६०)	२७)

१. बाहगटी। २. घर १०। ३. चवडो। ४. बीजो लोग बसै। ५. ऊघरणा। ६ टीला।

1 समाप्त होने पर। 2 आस पास के।

१ षोचवद–थानका बांभण रा षेत रू० १०)

फळोधी था कोस २ ऊतर मे । धरती हळवा ३० पेड़ी सूनी पेत षेड़ी ।

१ ढेलाणो

फळोधी था कोस ८ दीपण मे । लौहीयावट था कोस १ भेड़ री वास कहीजै । दत्त राजा श्री उदेसिंघजी रा० सीवराज देईदास देव राजोत नु दीयो। धरती हळवा १५०, तळाव ३, मास ४ पाणी रहै । कोहर १ पुरसै ३० मीठौ[1] । हमे सिवराज रा बेटा ३—

१ भानो १ नारण १ बरसल

जणा ३ एक जणै कार कर फळोधी धांन पाईली १ पावै ।

संवत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	३५)	१२०)	२८०)	२९५)	१८०)

९

३०. फळोधी रा सासणां री विगत, दत्त दीया तिणरी—

जुमलो	बांभण	चारण	भोपा	लेड	रेष रू०	ग्रासामी
४	२	०	२	०	१२००)	राव जोधा रिड़-मलोत
१	०	०	१	०	५००)	राव गांगो वाघा-वत
२	२	०	०	०	१५०)	राव हमीर नरा-वत
१	०	०	०	१	४००)	कुंवर उदैसिंघ मालदेवोत
१	०	१	०	०	२००)	राजा रायसिंघ कील्याणसिंघोत
९	४	१	३	१	रू. २४५०)	

1. तीस पुरस (९० हाथ) की गहराई पर मीठा पानी है ।

३१. विगत गांवा री—

४ राव जोधे रिडमलोत रा

२	७००)	बांभण सेवडा प्रोहत २ बावडी रा वास
२	५००)	भोपा सांपला नु २ बोहगुटो रा वास
४	१२००)	

१ कवर उदैसिंघ मालदेवोत

१	४००)	लेड राठोड़ा नु १ ढेनांणीयो
१	४००)	

१ राव गागो वाघावत

१	५००)	धाधळा नु काळू श्री पाबुजी रा नु
१	५००)	

२ राव हमीर नरावत सुजो जोधावत

२	१५०)	बांभणा नु २ पीचवन्द रा वास—
१	१००)	सीहा री वास
१	५०)	थानकी री वास
२	१५०)	

१ राजा रायसिंघ कील्याणमलोत बीकानेरीयो

१	२००)	चारण नु हेसा ५१ सोवणदी गांव ४ कनीया री हेंसा १ रतनुवां री हेसौ।
१	२००)	

९

फळोधी रा परगना सु इतरा परगनां री सीव[1] लागै, विगत—

३२. १ जोधपुर रा गावा सु फळोधी रा गावां री कांकड लागै—

सावरेज देछू रा गाव सीव—	दहीया कोहर सु सेत्रावा रा गांव सीव—
कोळु २	भोजां कोहर। पीलवो

१ सीमा।

बांभण १।। कुसलावो ३।

वारणाऊ। भेड़।

देवराणीयो। चेराई। ताठीयौ। नाथड़ाऊ।

चांमु।

सांवड़ाऊ। पालौ।

चेराई। वीकुकोर। हरलाई। मतोडौं। नोसर।

रता री तळाव। देहणोप।

बीहू नीबा री तळाव। वेदु। मुडलोई।

राढीयौ। भोजासर।

नोषड़ो जेसलां री। मुडेलाई। वेदु री वास।

रिड़मलसर। केलणसर।

आहु[1]। रोहण री।

चाडी। ईसदु। रिड़मलसर। जैसलां।

अजासर। रिडमलसर।

३२. १ वीकुपुर परड केलुणा[2] री फळोधी रौ गांव काकड़ लागै।

१ ऊलटां। सोढा कोहर १।

सीरढ। सीरढ ३।

देगावडी। कीरडा।

वाप १। सीरड ४। षोरड़ौ[3]। षरडो १।

वावडी प्रोहत री सुं। मेहाकोर।

सेषासर ३। वादु नरहर रा षेत षरड़।

वेहुगटी। जाभेळाव।

आत रा गुढी ३। सीरढ।

बीकानेर सु फळोधी रा गांवां री कांकड़—

केलणसर। ढाढरवाळ।

साईसर। भेलु। भेळु।

---

१. आऊ। २ केलणां। ३ पीरवो।

सगदड़ो ।
 दासोडी ।
गेहा कोहर ।
 बीदासर । षारीया ।
 १॥ १॥

ऊलटा ।
 पारीयो । कुडलीवा[1] ।
बीजे री तळाव ।

[[2]श्री महाराजाजी री घरती माहे लूण रा आगर[1] इतरा गाव हुवै छै तिण री विगत ।

पाइ तषत श्री जोधपुर रै देस रै गावां–

१ गाव कापरडो
 आगर २५ घर ३०

१ गांव कांकाणी
 षागर १ घर १

१ गाव भोडी बांभण री
 आगर १ घर १

१ गाव षवाधां धीया
 षागर १ घर १

१ षासो बीलाडो
 आगर ४० घर ४०

१ गांव दसोर
 आगर ८ घर २०

१ गाव भावी
 षागर ३ छै, बोलाडा रा षारोळ करै ।

१ गांव कळोऊनो
 आगर ७ घर ७

---

१. कूंडलिया रो। २. 'ख' प्रति का अंश।

---

1. नमक के आगार, खानें कुए इत्यादि ।

१ गांव षारला
आगर २ घर २
१ गांव षारी बेरी
आगर १ घर १
१ गांव भाषरी
आगर २ घर २
१ गांव वौल
आगर ६ घर ६
१ घांघाणी
आगर १३ घर १५
१ गाव बाहाळी
आगर ४ घर ६
१ गांव पचीयाक
आगर ३ घर ४
१ गांव सांवळतो बडी
आगर १५ घर २०
१ गांव हमावस
आगर ८ घर १२

३५. परगने मेड़ता रा गांव–
१ गाव पुनलतो
आगर ४ घर ४
१ गाव जावी सीसोदीया
आगर ३ घर ३
१ गाव लबादर
आगर २ घर २
१ गांव षेरवो
आगर ४ घर ४

परगने जैतारण नही।

३६. परगने सोभत रा गांव–
१ गांव वडीयालो प्रोहता री
आगर ४ घर ५०
१ गाव गोधेळाव
आगर १ घर १
१ गांव हासलपुर
आगर ४ घर ४
१ गांव धवले रा
आगर ३ घर ३
१ गाव षोषरो
आगर ३ घर ४
१ गाव सापो
आगर ४ घर ४
१ गांव मोकळावसणी
आगर २ घर २
१ गाव महेव
आगर ३ घर ४
१ गांव हरसीया हेडो
आगर १३ घर १२
१ गाव चोपडो
आगर ७ घर ६
१ गांव सोभड़ावस
आगर २ घर २
१ गांव पोपला
आगर २ घर २

१ गाव धुहडोयावसणो
आगर ५ घर ६

१ सिणलो
आगर २ घर २।

३७. परगने सीवांणै—

१ गांव पचपदरौ

पांण ३०० तथा ३२५ छै । रिण कोस १२ माहे छै। तिण में षाड[1] पण राषै, पांणी था भरीजी रहै। तिण में लूण कर नांखै मास ४ मुं तयार हुवै। आध लीजै[2]। घर ५० षरोळां रा छै।

३८. परगने फळोधी—

गांव गोधणीलां रै था कोस बीसेक मै छै। तिण मे वेरा पीठा नै पांणी क्यारीयां मै आवै सु जमै। षाड बेरा १०० छै। घर पारोळां रा ६० तथा ७० छै। हेसो ३ लागै।

३९. परगने पोकरण—

रिण छै तिण मे वेरा २० छै। तिण रौ पांणी क्यारियां भरै तिण रौ लूण हुवै। हेसो ३ लीजै।]

---

1 गड्ढे। 2. आधा हिस्सा कर के रूप में लिया जाता है।

(५) वात परगने मेड़ते री

१. परगनौ मेडतो आद सहर छै, राजा मानधाता री बसायौ, यूं सको कहै छै[1]। केहीक दिन युं पण सुणीयौ छै। राव कान्हड़दे रै घणी धरती हुती तद कहै छै एक बार कान्हड़दे रौ अमल हुवौ छै। तठा पछै घणा दिन आ ठौड़ षालौ सूनी रही छै। सु अठै झाड़-झंगी घणी हुय रही थी।

२. पछै राव जोधौ मारवाड़ लीवी, संमत १५१५ जेठ सुदी ११ जोधपुर बासीयौ, तरै भायां बेटां नु धरती देण री विचार कीयौ, तरै सोनगरी चांपा षीवावत री बेटी तिण रै पेट रा राव जोधा रा बेटा २ बरसिंघ दूदो सगा भाई था तिणां नु राव कह्यौ—म्है थानु मेड़तो दा छां, थे जाये बसौ। तरै इण कबूल कीयौ। इणनु घोड़ौ सिर पाव दे सीष दीवी। अै आपरा गाडा लेनै चोकड़ी आण डेरो कीयौ। चोकड़ी री भाषर देषण गया था, तिण समै रा० उदौ कान्हडदेओत जैतमाल नागौर था छोड गगड़ाणै[1] आण गाडा छोडीया छै। रा० उदैसिंघ सिकार चाल्‍ं तरफ रमण पिण जायै नै धरती नै पिण सारी देषतौ फिरे। सु उदो कान्हड़देओत फिरतौ-फिरतौ आ ठौड मेड़ता री दीठी थी सु उदा नु किणीहीक षबर कही—राव जोधै रा बेटा २ आण धरती बसण आया छै सु चौकड़ी रै पहाड गढ करावण रो मतौ छै[2]। तळहटी सेहर बसावण री मन धरै छै[3]।

---

१ गगराणे।

---

1. सभी लोग कहते हैं। 2. विचार करते है। 3. मन में इच्छा करते है।

३. तरै रा० उदो कान्हडदेओत आप चढ नै रा० वरसिंघ दूदा कन्है गयौ, दिन २ तथा ४ मुजरो कीयौ। सैंधो हुवौ[1]। तरै रा० वरसिंघ जोधावत नु कहौ—म्है सुणां छां राज आ धरती वासण मती छै। कठै ही ठौड बीचार छै[2]? तरै बरसिंघ कहौ—मन तौ घरां छा। तरै उदै कहीयौ—राज काई ठौड़ बिचारी छै। तरै बरसिंघ दूदो आय चढीया रा० उदा नु चोकड़ी रौ भाषर दीषाळीयौ[3]। तरै उदै नु पूछीयौ—आ ठौड़ किसडी छै? तरै उदै कहीयौ—ठौड भली चंगी छै। ठौड १ म्हे सषरी[4] दीठी छै राज एक वेळा उठै पधारो। रा० उदौ रा० वरसिंघ दूदै जोधावत नुं मेडतौ सैहर बसै छै तठै ले आयौ कुडल बेजपो[1] तळाव आद थौ[5] सु दीठा। पछै जठै हिमार मेड़ते कोटडी छै आ ठौड़ दीठी। रा० बरसिंघ दुदा राजी हुवा। गाडा अठै आण नै कोट री रांग[6] दीवी।

४. रहण नु इण ठौड आया तरै कोटड़ी री ठौड दुय नाहर ऊभा छै, तिण माहै वडो नाहर छै, एक उण था छोटौ नाहर छै। सु वडौ नाहर उठै गाजीयौ, ताडीयौ पछै उठा थी परौ गयौ[7]। नै छोटौ नाहर छै सु उठै गुफा थी तिण माहै बैठो। तरै सावणी[8] साथे हुतौ सु विण माथौ धूणीयौ[9]। तरै इण वेळा वरसिंघ दीठो। कहीयौ थे केण आटे माथौ धूणीयौ[10]। तरै ई वेळा दोय चार उजर कीयौ[11], पिण बरसिंघ हठ कर पूछीयौ। तरै सांवणी कहौ—सौवण[12] एकण भातरौ हुवौ छै। तरै बरसिंघ कहौ—इण सावण रौ कासु विचर छै? तरै सांवणी कहौ—राज जीवसो[13] तठा सुधी आ ठौड़ राज भोगवसो तठा पछै आ ठौड़ दुदा रौ पेट रहसी[14], रावळा बेटा पोता नु आ ठौड नही रहै।

१ वेझपो।

---

1 जान-पहिचान की। 2. किस स्थान पर बसने का विचार किया है। 3. दिखाया। 4. अच्छी, उपयुक्त। 5. पुराना बना हुआ था। 6. नींव। 7 ताड़ने पर वहा से चला गया। 8 शकुन का जानकार। 9. उसने सिर हिलाया। 10 किस लिये सिर हिलाया। 11 टालम-टोल की, मना किया। 12 शकुन। 13. आप जिन्दे रहोगे। 14. दूदा के वंशज यहां रहेंगे।

तद दुदो बरसिंघ एक था, माहे जीव जुदा न था[1] तरै बरसिंघ कही– म्है दुदो एक हीज छा। पछै इण कोटडी ठोड राग कोटडी री भराई। राव बरसिंघ दुदै आ ठौड समत १५१८ चैत्र सुदी ६ नुं हसत नषतर[1] कहै छै बासी[2]।

५. रा० उदो कान्हड़देग्रोत नुं पराधान कीयौ। सारी मदार उदा रै माथै छै। तिण समै धरती सारी मेड़ता री उजड़ छै। सु रजपूत आवै छै सु बसता जाय छै। तिण समै नागौर सवाळष[3] दिसा डीगा[2] था राज देला रौ कठोती जायेल री रहो थो उठै वैर पडीयौ[4]। तरै[3] घर[4] राज डगो राव बरसिंघ दुदा कनै आयौ। कहौ–मोनु आंणौ[5] तौ म्हे सारा पेड़ा बसावा। तरै थीर राज कही, तिण भात दिलासा कीया छै। मेड़तै हीज पुराणा डागावास री ठौड़ थोर राज नु देस मुष चौधरी[6] सारा देस रौ कर बासीयौ। थीर राज सबळौ[7] आदमी थौ। पछै सवालष रा जाट दिलासा कर करनै आंण-आण मेडता रा गांवा बसता गया। पछै मेडता रा सारा गांव बसीया, धरती आवा-दान हुई।

६. श्री फळोधी पारसनाथजी री देहूरौ संमत ११८१ जारौड़ै साह श्रीमल करायौ तठा पछै संमत १५५५ सु राणे हेमराज देवराज रै बैटै उधुर करायौ[8]। 'जात सुराणै धरम घोष सुरप्रतबोधीया जात पुवार।'

७. रा० बरसिंघ उदौ केहीक सापला मार नै चौकडी बसीया। कोसाणो मादळीयो पिण सांबला के मारीया।

८. इण गांव ईण ठीडा रा जाट आण इण गांवा बसायो। डागा कठौती रा–

---

१ रिव (अधिक)। २. डागा। ३. उठा सूं छांड नै हरसीर रै गाव घाटे आय रहा था सु अे उठै समावे नहीं (अधिक)। ४ थिर।

---

1 मन मे कोई भेद-भाव नही था। 2. हस्त नक्षत्र मे नीव लगा कर बसाई। 3. नागोर पटी का प्राचीन नाम। 4 वहां वैर भाव हो गया। 5 मुझे यहां आने की अनुमति दो, लाओ। 6. देश का प्रमुख चौधरी। 7. सबल। 8. जीर्णोद्धार करवाया।

डांगावास, लोहड़ोयाह[1], रायसल बास, इतीवे[2] । थीरोदा थीरो नागोर रा–सातलवास ।

वडीवारा रताऊरा

फालो[3] बडगाव

चांदेलीयां चुवो

महेवडो

दुगसता दुसताऊ रा

भोवाली

डीडेल[4] रावणा[5] बुगरड़ा रा

लांबीयां

कमेडीया भादु

कलरो

रेयां कासणीया कसणा रा

रेयां

रडु[6] ग्वालरा तगो नागोर रा

राहण[7]

तेतरवाल तीतरी[8] नागोर री

झड़ाऊ

गोदारो पाडो री बीकानेर री

झीथीया वडाली

सोमडवाल सोमडी[9] नागोर री

रोहीयो

बोहडीया कठोती था डागा साथ आया

सोकाले अणीयाळी सहेसडो

---

१. ल्योड़ीयाऊ । २ ईडवो । ३ कालो । ४ डोडेलर । ५. वणिया । ६. रतु । ७ राहीण । ८. तेतारो । ९, सोमडा ।

गोरा

पादुबड़ी तांबडीली

लटीयाळ थीरोदा नागोर

लापोळाई काकडपी

चोहीलां संवो नागोर रौ

मोडरी

वात गोहीलोत अजमेर रा

नीलीया

९. इतरा गांव सारा आजणा जाट छै—

डागा आद चहुवांण रजपूत था[1]। पछै इण रौ वडैरो जगसी छाजु रौ जाट हुओ।

१ माहारीष	२ संम[1]	३ फोकट	४ वालीयो	५ छाजु
६ देलू[2]	७ जगसी	८ दुलोहराव[3]	९ थीरराज	१० डुगर
११ वीको	१२ छीतर	१३ हेमो	१४ जालप	१५ षीवराज।

१०. श्री फळोधीजी री माताजी रौ देहुरौ[2] आद तौ राजा मानधाता रौ करायौ तठा पछै समत १०८३ थभ संवत छै। एक समत १०७६ पीण थभे एक छै। तठा पछै सुराणो हेमराज देवराज रै रा० बरसिंघ दुदा रै हुकम सु समत १५५५ उधोर करायौ[3]।

११. धरती सारी बसी रजपूत पण घणा साष-साष[4]रा बसीया। मुदौ जैतमाल माथै मडीयौ[5]। उदावदु सारा राज रौ काम छे। पछै कितराहक दिन रा० बरसिंघ नै रा० दुदै अवणत[6] हुई। रा० दुदौ छाड नै बीकानेर गयौ। बासै दुकाळ[7] पड़ोयौ। षाण नु घणौसो कुं

१. सांम-। २. देलो। ३. दूलेराव।

1. डागा शाखा के जाट प्रारंभ में चहुहान राजपूत थे। 2. देवस्थान। 3 जीर्णोद्धार करवाया। 4. विभिन्न शाखाओं के। 5. सारा कार्यभार जैतमाल पर रहा। 6. अनबन। 7 अकाल।

जुड़ै नहीं। तरै जोधपुर सु बरसिंघ साथे चाकर बावर हीडागर[1] परज[2] लोग आया था सु सारा परा जाण लागा। तरै रा० बरसिंघ दीठौ, यु कुही मरा[3], तरै रा० बरसिंघ साथ भेळो कर नै सीभर नवलषी मारी[4]। घणा माल लूटीया। सोवन मोर उडीया[5]। तिण दिन अजमेर माडव रै बादशाह रै दाषल थौ, मलूपान अठै अजमेर रै सोबे ऊपर थौ। सु बुरौ घणौ ही मानीयौ। पिण बैस रह्यौ[6]। सीभर मारी तिण साष रौ कवित्त[7]—

ताण चीर तळहुटी घणो कीयौ घाटौ।
माटौ फोड कोट घाघरौ फाड कचुऔ।
चौहटौ कर मदा गाळिया अहर भडा अमीरस।
कूट लूटिया कनक हीरा मोती।
विपरीत चिरत तहं रग रमी, भार भरत जोबन भरो।
बरसिंघ कान्ह गुवाळियो गोपी सभर ज्यरी ॥[1]

१२. तौ ही अजमेर रौ सुबायत बैस रह्यौ। तिण समै राव सातल नै कंवर बरसिंघ अवणत हुई। बरसिंघ सातल नुं कहै—कुही जोधपुर बाप की[8] माहे म्हे ही पावां, तरै बेऊ यारा परधान अजमेर गया। मलुषान कह्यौ—दोनू अठै आवौ, म्है समझाई देस्यां। एक तो बात यु सुणी छै—राव सातल नै रा० बरसिंघ अजमेर गया। रा० बरसिंघ मलुषान सु काहाव कीयौ—मोनु जोधपुर दौ, हु रु० ५००००) पेसकसी रा दूं। पछै बीच राठोड़े फिर नै राव सातल नै राव बरसिंघ नु एक कीया। उठो थी मलुषांन सु बिगर मिळीयां उठै आया।

१३. के कहै छै आप न आया। परधांन आया, आ वात परधांन

---

१. कवित्त अशुद्ध है।

---

1. नौकर आदि। 2. प्रजा। 3. इस प्रकार घयो अभाव में मरा जाय। 4. धनधान्य से परिपूर्ण सांभर को लूटा। 5. खूब माल हाथ लगा। 6. बैठा रहा। 7. इस कवित्त में साभर रूपी गोपिका को बरसिंघ रूपी कृष्ण द्वारा लूट लेने का रूपक बाधने की चेष्टा की गई है। 8. बाप की मलकियत।

की थी पण मलुषांन बरसिंघ सुं लागतो थौ हीज कहै–एक तौ मांहरी सैभर मारी, तिण रौ मांहारौ म्है बित[1] मागां। दूजौ मांहानुं पेसकसी कबूली थी[2], म्है ऊपर कीयौं। तरै केहीक गांवां राव सातल केलावा सुं बरसिंघ नु जोधपुर रा दीया तिकै सुणीया, कह्यौ–आपरौ मकसद कीयौ, माहारी पेसकसी आही राषी सु कुंण वासतै। म्हानु कबूलीयो थौ, सुदो मलुषान मागीयो। इण उजर कियौ[3]। मलुषांन कटक भेळो कीयौ[4]। मेडता री गाडा संघ आया। तरै इणै जोधपुर राव सातल नुं षबर मेली। राव कह्यौ–थेई उठै लडाई मत करौ। मांणस लेनै जोधपुर आवौ बेगा[5]। तरै बरसिंघ तौ जोधपुर आयौ। बांसै हुऔ[6] मलुषान आयौ। मेडते री धरतो बिगाड नै जोधपुर री धरती पिण बिगाडी। पीपाड़ डेरौ कर नै सथलाणै सुधी धरती सारी मार नै बंध की[7]।

१४. आ षबर राव सातल नु हुई तरै राव सातल सुजो बरसिंघ तीनई भाई चढीया। मारवाड रौ साथ सारौ आये भेळौं हुऔ। राव री डेरौ बोसलपुर हुऔ। तिण दिन राव बरजांग भीवोत माथै सारो मदार थौ[8]। बरजांग नु रावजी कह्यौ–बेढ लडाई रौ विचार करौ। सु बरजाग दलगीर[9] तिण दिन छै।[१] तरै रावां परधांना नु कह्यौ–कासुं कीयौ चाहीजे? तरै परधांना कह्यौ—औ षोटौ आदमी छै नै गरज सारी छै, आज धरती सारी री मदार इण माथै छै इण नु हर भात कर सुचतौ कीजै[10]। तरै राव पूछीयौ—औ किण भात सुचतौ हुवै। तरै परधाना कह्यौ—औ भावी मागै छै। भावी इण रै माथै मारौ[11]। तरै भावी रौ पटौ लिख दियौ। बरजांग सुचतो हुवौ, सु

१ बरजांग परधांन साथै कहाडियौ—हू तो वेढ लडाई कर जांणू नहीं।

1 धन आदि। 2. स्वीकार की थी। 3. अस्वीकार किया। 4. फौज शामिल की। 5 शीघ्रता से जोधपुर आ जाओ। 6 पीछा करता हुआ। 7 अपनी सीमा कायम की। 8. सारा कार्य बरजांग भीवोत पर था। 9 खिन्नचित्त। 10. इसे हर भांति से प्रसन्नचित्त करो। 11 भावी गाव इसे (बदमाश) को देओ (मुह बरा)।

श्रोरही बेगी छै। ईण राव नुं कह्यौ—हूं कटक री हेरी करण जाऊ छूं,[1] मुगलां री डेरी कुसाणे हुवौ छै। थे ही कुसाणा था कोस एक फलाणी[2] ठौड आयी ऊभौ। रात पोहर गया हू जोहू सहेट माथै आऊ छुं। बरसिंघ सातल सूजौ बासै रहा। बरजाग एकलौ कटक नजीक आयौ। तरै घास रौ भारौ ऐक बाढ लीयौ। कटक माहे मजूर हुई नै सारौ कटक दीठौ, नीसार पैसार[3] सारौ दिन फिर नै अटकळ नै[4] रात पड़ी तरै पाछौ वळनै[5] राव कन्है सहूटै[1] माथै आयौ। हकीकत कटक री कही—कुसांणा रा तळाब वासै इतरौ हेक साथ सु मलुषान पडाव कीयौ छै। आंपणा सारी देस रो बद कटक माहे छै।

१५. बरजांग कह्यौ—हमें ढील रौ कांम नही। बरजाग दोय अणी कहनै कराया[6]। दूनुं ठौड नगारौ साथै दीयौ। नजीक आया, मार-मार करनै तूटा[7]। रात अधीहारी[2] थी, कटक माहे आपचक लागी[8]। राठोड़े पण भलौ लोह बाह्यौ। राव बरजांग भीवोत रौ घणौ विशेष हुयौ। राव सूजौ जोधावत पूरै घाव पडीयौ। मलुषांन भागौ घदुको मुगल मारीयौ, बध छुटी। मुगल घणा मारीया। राव सातल री फतै हुई। राव बर्सिंघ पाछौ मेड़ते आय बसीयौ।

१६. मलुषान मांडव रा पातसाह नुं फरयाद लिष मेली। वळे फौज माडव सूं आई। तरै राव बरसिंघ सुं बातां मांडी। अै पिण बात करणी वीचार कीयौ। राव बरसिंघ नु राजपूतां पालीयौ[9]। पिण बरसिंघ बात मानी नही। मुगलां पण बोल बध मांगीयौ[10] सु दीया। बरसिंघ अजमेर मलुषांन नु मेलीयौ। उवे दिली राठोड़[3] आद्र

---

१. सहट। २. आंधी री। ३. दिल रा ठग।

---

1 चुपके से शत्रु-सेना का पता लगाने जाता हू। 2. अमुक। 3. आने-जाने का रास्ता आदि। 4 अनुमान से समझ कर। 5. वापिस लौट कर। 6. फौज को दो हिस्सो में बटवाया। 7 शत्रुओ पर झपटे। 8. भगदड मची। 9. मना किया। 10. वचन आदि मागे।

भाव घणौ कीयौ[1] । भली भांत वसत सासती दी । इण बेसास पकड़ीयौ[2] । साथ थौ तिण नु सीष दी । थोड़ै होज साथ सु बरसिंघ रह्यौ । मास षड हुई तरै अेक दिन मुगल गढ ऊपर तेड़ नै बरसिंघ नुं झालीयौ[3] । हुल जैतै प्रिथम राव री नै सेहलोत अजौ नरभामोत चहुवांण अै दोय कांम आयां री साष[4]—

वाथ पडी बरसिंघ वागला, हुल नै हाथी वात हुई ।

दूहो—

ऊपर अगम थयाह, गम दीठो गै घड[5] तणो ।
अजीया आकासाह, नषी(तक) नर भरावउत ॥१॥

कवत्त—

मैंमतो[6] घुमतो सेत दाते[7] विकराळे
उचे गीरेवर जेस माह मैंजुसे काळे
हणे ते हाथीअे हाक कीधी पुतारे
सावळ[8] सैलै सरध कूटै वावा रे
अजमेर दुरग असुरदल[9] सिंघ सनेहे साथिये ।
उकट चूक कूटै अणी[10] हुल जैत निहट्टा हाथिये ॥

१७. राव बरसिंघ नै झालीयां री षबर राः दुदा जोधावत नुं बीकानेर पोहती[11] । तरै दुदा राव बीका नुं सारी हकीकत कही, नै कहौ—मोनुं सीष दौ । तिण दिन राजपूत लाज रा कोट था,[12] सु राव बीकै कह्यौ—बरसिंघ थांनु म्है जतरै होज छै । राव बीके डेरा बारै कीया । दुदा नुं कह्यौ—थेई मेडता री पाषती जाई नै थाहरौ साथ भेळौ करौ । सु दुदे आई मेडते साथ भेळो कीयौ । बीकौ दी० १४[1]

---

१. ४,।

---

1. वडा आदर-सत्कार किया । 2. विश्वास में आया । 3, पकड लिया । 4. साक्षी की कविता । 5 हस्तिसेना । 6. मदमस्त । 7. सफेद दांत वाला, हाथी । 8. भाले के आकार का शस्त्र । 9 मुसलमान शत्रुओं का दल । 10. फौज । 11. पहुंचा । 12. लज्जा और शील के आगार थे ।

माहे मेडते आयौ। राव सातल पिण जोधपुर साथ नु छेडा चढीयौ छै। पिण राव बीको दुदो घणौ साथ लेई नै अजमेर ऊपर मेडता थी षडीया। मलुषान रै पिण षबर हुई। मलुषान साथ भेळो कीयौ, गढ सभीयो[1]। बोच परधांनो फिरोयौ[2]। बात हुई, राव बरसिंघ नु तुरत छोड नै राव बीका दुदा नु सोपीयौ। पण बरसिंघ नुं छ मासी बिस दीयौ, जण सु छठे मास मरीजै। पछै राव बीको दुदो बरसिंघ नु लेने मेडते आया। बरसिघ मेडते दिन ७ राव बीका दुदा नुं लेने मेडते आया। बरसिंघ मेड़ते दिन राव बीघा दुदा नु राष म्हेमान करनै[1] सीष दी।

१८. राव दुदो सरवाड़ गयौ। भला-भला गाव चपा चतुग करा[२] दबाये लीय़ा। भाईबध गाव-गांव बसीया। राव दुदा सरवाड़ रहै छै। तठै पछै मास ६ बरसिंघ मुओ। बरसिघ रै बेटौ सीहो तिसडो तो सेणो[3] न हुतौ पण बडे रौ बेरौ जाण नै तिण नु टीको बरसिघ रै पचो चाकरे भेळा हुई दीयौ। सु सीहो नादांन सो थो। मास ४ हुवा सीहारी साहीबी लषण[4] निबळा-सा राव सातल सांभळीया[5] तरै राव सातल सुजै इण मेड़ता सुं दषल माडीयौ। माढी[3] ढांणा[४] री आपरा हुजदार कितरोहक साथ देई नै मेलीयौ। तिणां आंण अमल कीयौ। सेहर माहे डेरो कीयौ। गाव-गोठा री पण धणायाप-सी करण लागा।

१९. तरै बरसिंघ री बेर[6] सीहा री मां आपरा पच आदमी रज-पूत कांमदार भेळा कीया। पूछीयौ तरै सारे कह्यौ–थाहरा बेटा माहे बरकत काई नही नै सातल सुजो जोधपुर धणी जोरावर उणा सुं फेर जवाब कुण करै[7]। तरै सीहा री मां पचां नुं पूछीयो कासु[8] कीयौ

१ चडी म्हेमानी की ने। २. च्यारू तरफ का। ३. मढी। ४. दाणा।

1. 'गढ की सुरक्षा के लिए सुसज्जित हुआ। 2. बातचीत करने के लिये प्रधानो को भेजा। 3. सयाना। 4 राज्याधिकार के लक्षण। 5. सुने। 6. पत्नी। 7. कौन आपत्ति उठाये। 8. क्या।

चाहीये ? तरै पंचां कह्यौ–थेई सारी बात देषो छौ, आज मढी लीवो सवारे सारौ परगनौ लेसी, वाहार करणी हुवै सु करौ। तरै सारां रै दाई[1] आ बात आई। राव दुदा नु बीकानेर था आध कबूल नै[2] ऊरौ आणीजे। तरै सीहे री मा पिण आ वात थापी[3]। तरै छाना दुदा कनै बीकानेर आदमी म्हेल राव दुदा नु तेडोयौ[4]। पछै दिन ६ तथा ७ माहे रात आधी रौ दुदौ मेड़ते आयौ। केई कहै छै राव सातल रा आदमीयां सुता नुं कूट मारीया। कोई कहै छै पराह उठाय दीया[5]।

२०. बरस दोय तो सीहे नुं राव दुदै हासल मेडतै री आधौआध लीयौ। मुदो सारो दुदै रै हाथ छै। नै एक बात यु पिण सुणी छै–जु सीहा माहे लषण कोई नही तरै सीहा सुता नु मेडता थी ढोलीयौ सुदे उपड़ाई नै[6] राहण मे तवावै' थकै नुं रात रात पोहौचायौ। सवार हुवौ सीहौ राहण माळीया माहे जागीयौ। तरै केई चाकर था तिण नुं पूछीयौ ऐ कांसु[7]। तरै उणा कह्यौ–मेड़तौ दुदे लीयो नै थानु राहण दी। तरै इण कह्यौ–घी नै बाटी[8] दुदौ षासी म्हेई षासा। टीकै दुदो बैठौ, नै बारट महेस चुतरावत मेड़ताया रै बारट कह्यौ–दुदो सीहा रै माथे बंडाई राषी।

२१. दुदो जोधावत समत १४९७ आसोज सुदि २[२] रो जायौ। समत १५५४ राव दुदो काळ कीयौ। राव वीरमदे टीकै बैठो। तरै सीहा नु राहण मेल·· सु सीहो तौ भोळो-ढाळो हुतौ नै सीहा रा बेटा ३ बडी बलाये उठीया[9]। राव जेसौ, राव गागौ, राव भोजौ। तीनेई सारीषा डीला[10] सु इण री छाती माहे मेडतौ माव[3] नही[11]। तरै औ जाये राव माल सुं मिळिया। राव मालदेव पिण राव वीरमदे

१. मंतवाले। २. ६। ३. समावै।

---

1. पसन्द। 2. आधा हिस्सा देना स्वीकार करके। 3. निश्चय की। 4. बुलाया। 5 वहां से खदेड दिया। 6. उठवाकर। 7. यह कैसे हुआ। 8. घी और रोटी। 9. बड़े पराक्रमी हुए। 10. एक से शरीर वाले। 11. मेड़ते का अधिकार उनके हृदय में खलता था।

सुं घणी कुमया करै छै[1]। इण नुं राव भषाये दीयौ[2]। कह्यो—थांहारै बाप रौ मेडतौ छै। तरै इणा वीरमदे सुं काहाव कीयौ—म्हारै बाप दादा रौ बंट पावां। तरै वीरमदे कह्यो—बट हमैं तरवारीयां परै छै[3]। तरै इणां पिण धोकल[4] करण री मन धरी। रोहण[1] सुं गाडा बारै कीया। राव मालदे सूं घणो कागलवाई कीवी[5]। राव मालदे देलासा लीषो आई[6]। इण गाडा पीपाड़ री तरफ नु षडीया। दिन घडी २ पाछलौ थौ तरै असवार ५० तथा ६० भला चढ नै मेडता रै चोहोटै आण धाव दीया। बासे बाहर छोड हुई। पछै कुसाणै जाता आपडीया। उण रौ साथ पिण वळे भेळौ हुवा। अठै बडी बेढ हुई। घणौ साथ ऊलौ पेलौ[7] कांम आयौ। सीहा रा बेटा तीने ३ घाव पडीया[8]। राव वीरमदे सारी मुदार रा० षंगार जोगावत पर थी। सु षगार जोधावत रा० भादो मोकळोत पूरे लोहां पडीया। साधो मोकलोत अर हीसा रौ वीरमदे रौ राहवणो इण बेढ माहे सीको[9] छै। वीरमदे ईसर सिरदार माहे को न छै। इण तीना ही भात पडीया[2]। बेढ बीरमदे रै साथ जीती।

२२. पछै समत १५८८ रा जेठ बद १ राव गागो काळ कीयौ। टीकै राव मालदे बैठौ सु बरस ४ तथा ५ माहे मालदे गडड़ीयौ[3]।[10] जरै[4] चढीयौ, सु राव मालदे री छाती माहें मेडतो पारकै घरें[11] समावें नहीं। राव मालदे घाव[5] घणौ ही करै[12] पिण रा० जैता कूपा राव जसौ[6] रा० षीवो इण बात माहे आवै नही। सु राव सींधलां ऊपर कटक की थी। सु राव वीरमदे दुदावत पिण आपरा राहवणो

---

१. राहीण। २. इण तीनां ही भाया ने खेत पाड़ीया। ३. गडकीयो। ४. जोरै। ५. दावपाव। ६. जैसो।

---

1. बहुत अपसन्न रहता है। 2. उल्टा सीधा सिखाया। 3. तलवार की ताकत के आधार पर ही होगा। 4. झगडा, युद्ध। 5. पत्राचार किया। 6. लिखित आश्वासन आया। 7 दोनो तरफ का। 8. घायल होकर गिरे। 9. सभी। 10. शक्ति से अभिभूत हुआ। 11. दूसरे के अधिकार में। 12. खूब विचार करता है।

लायौ । इण कटक साथै छै । राव मालदे राहवेधी[1] ठाकुर छै । सु नागोर दौलतीया नु कहाड़ीयौ–रा० वीरमदे म्हा साथे छै । बडा-बडा रजपूत सारा वीरमदे कनै छै । बीरमदे थाहारौ हाथी लाया रहै छै । थे ही बासै आये मेड़तौ मारौं नै बीरमदे रा मांणस चचो-बचो सारो बद कर लेजावौ । हाथी पिण थांहारौ परौ देसी । नै और डड पिण देसी । नै पुवार पचायण नु कहाड़ीयौ—थांहारौ बैर अषा रौ छै । नै हमार मेडतौ देस सारौ षाली छै । बीरमदे सारै साथ सुधो म्हा कनै छै । थेही बैठा कासुं करौ ? रा० गागा सीहावत नु तेड छांनौ कह्यौ–हमार दाव छै, थेई जाय कोट मैड़ता री लोपौ[2] । अै तीन दाव लगाया छै । सु राव जैता कूपा थी छाना लगाया छै ।

२३. दिन ४ हुवा छै, छांना आलोच करै छै[3] । तरै अैण ही[4] कहीका षवास पासवानां नु पूछीयौ–इण दिन राव म्हांसु बोलै न छै नै कासु छाना आलोच करै ? तरै किणहीक बात थी सु कही । तरै इण मेडता नुं कागळ[5] लिष मेलीया । सु दौलतीया पैहली पोहर रैबारी कागळ मेडते लेई आयौ । सु रा० अषैराज भादावत रा० बीरमदे कन्है बिगर सीष मांगीया मेड़तै आयौ थौ । कागळ अषैराज रै हाथ दीया । अषैराज कोट री जाबताही[6] की, कीवाड आडा दीया । बावसु सामो मेलीया तिण षबर आण दी–कटक कोस ४[1] ऊपर आयौ । इण कोट री पिरोळ जड नै भुरज ऊपर चढीयौ, ऊभौ रह्यौ । साथ कोट माहे घणौ को न छै । दौलतीया आज सेहर मार लूटीयौ नै कोट भेळण नु आयै लागौ । कोट नुं साथ वळीयौ । तरै अषैराज भादावत दीठौ, साथ कन्है को नही नै वीरमदे रा माणस बद आज हुवै, आंषा देषां इण बात री बडाई नही । आज मोनु मुवौ चाहीजै[7] । तरै अषैराज आदमीया १५ तथा २० कूदीया[2] । सु अषैराज हेलै बरछी

१ ० । २ कोट री भींत था कूदीयौ ।

1. भविष्य का जानने वाला । 2 अधिकार में करो । 3 चुपके से विचार-विमर्श करते है । 4. इन लोगो ने भी । 5. पत्र । 6 सुरक्षा व्यवस्था । 7 मर जाना चाहिए ।

नव आंगळ मंडी, सु के लागी के टळी। अै लोह भीळीया[1]। दौलतीयौ भागौ। अषैराज री जैत हुई। रा० भैरवदास भादावत काम आयौ। षेत[2] अषैराज रै हाथ आयौ। पुंवार पंचाइण करमचंद री आयौ, लोहोयावास[1] झूबीया[3] तिकै रायेसल आगे भागा।

२४. रा० गांगौ सीहावत असवार ५०० सुं मेडतै आवतौ थौ सु बांझांकुडी री नदी मांहे आवतो थौ, ति सगळां सु ठाकुर सोवता था सु छीट कपडीयो सु कोस ०। ऊपर आया तरै गागै ठाकुरा री पालषी सभाळी तरै। पालषी नही तरै पाछा वळीया। घडी २ ठाकुर पालषी जोई, लाभै नही। तरै गांगौ उठा थी हीज पाछौ वळीयौ[4]। अै षबर वीरमदे रा आदमी लेईनै रावजी रा कटक माहे बीरमदे रा डेरा था जठै जाई छांना कागळ दीया। बीरमदे तो कतरोईक साथ लेई नै कागळ देषत समो[5] फराकत रै मिस करनै[6] चढ षड़ीया। कीतरायेक साथ नुं कह्यौ-थे ही तीजै पोहर अमकडी ठौड माहा भेळा हुजौ। उमराव २ पुषता कामदार डेरै हीज राष गया था, उणां नुं कही गया था—सु षारै[1] इण बेळा रावजी षनै सीष माग आवजौ। थांनुं राव पुछाडै, बीरमदे कठै, तरै थे कहजौ-म्हानु तो युं कह गया था म्हे फराकता जावा छां, पछै सोकर लाभै[7] छं तो सीकार पण जासां। सु राव रा आदमी आया, कह्यौ-बीरमदेजी कठै? तरै चाकरां कह्यौ-फराकतां गया छै, बेगाई[8] आवसी। दोय पोहौर नुं वळे आदमी आयौ, तरै कह्यौ-आया तौ नही, जाणा छां सीकार षेलता होसी। आथण रा षबर कराई। तरै डेरै पुषता ठाकुर था तिणां कहाडोयौ—म्हे भेळा था तठै तांई तौ काई षबर न थी। नै एक आदमी आयौ तिण कह्यौ—फलाणी ठौड सीकार रमता था। तठै असवार २२ मेडतै थी आया, कह्यौ—पुंवार पचाइण जगमाल

१. आलणीयावास। २. सवारै।

1. शस्त्रो से भिड गये। 2. रणक्षेत्र। 3. युद्ध किया। 4. वापिस लौटा। 5. देखते ही। 6. शौच का बहाना करके। 7. मिले। 8. जल्दी ही।

फळांणी ठौड़ झुंबीय[1], साथ वीरमदे रौ घणौ कांम आयौ सु वीरमदे तौ उठी षडीया सुणां छां। राते तो[1] बीरमदे रौ साथ कटक माहे रह्यौ सवारै डेरौ लदीयौ[2]। नै दौढी जाय रावजी सुं मालम कीयौ[3]–वीरमदे तौ इण अचुक[4] चढ पडीया, माहां नै हुकम हुवै तौ म्हेई सीप करां। तरै राव हजूर तेड नै इणां नु हळ-भळ कर[5] सीष दी। वीरमदे मेडतै आयौ। राव मालदे दाव कीया था तिण मांहे कोई लागौ नही। राव ही कूपा जैता बीच बेसांण[2] पड़ीया।

२५. तिण दिन बीच मंडोवर रौ पातसाह मुवौ। अजमेर कोई किलेदार, तिण सु रात रौ गढ छोड नीसर गयौ। बीरमदे नुं षबर आई पहोती[6]–अजमेर रौ थांणेदार माहे थौ, नीसर गयौ, गढ षाली पडीयौ छै। तरै राव वीरमदे आपरौ साथ ले नै चढीया तिण रै अजमेर हाथ आयौ। गढ हाथ आयौ। आ वात मालदे साभळी सु राव री छाती माहे मेड़तो मावतौ न हुतौ[7], अजमेर वीरमदे रै हाथ आयौं सुणीयौ सु राव रै डील आग लागी। राव वीरमदे कन्है राव मालदे परधान मेलीया, कहाडियौ–मेड़तो थ्हारौ छै, पिण घर माहे तौ टीकायत म्हे छा, थे म्हारा भाई-बध चाकर छौ। अजमेर थैई म्हानुं दौ, गढ कोट थ्हांरै षटावण रा नही। परधांन मेडते आया, वीरमदे नु वात कही। वीरमदे वात मानी नही। परधांम पाछा आया। राव साथ भेळौ कीयौ। राव वीरमदे रै पण साथ आया, राव साथ भेळो कीयौ। एक बार तौ वीरमदे मरणीक हुवौ[8] थकौ ली[3] सहर सझतौ थौ[9]। पछै वीरमदे रै रजपूता कांमदारै वीरमदे नै समझायौ–म्हारै गढ़

१. सारी रात तो। २. की सांणा। ३. कोटडी।

---

1 युद्ध किया। 2. सवेरे डेरा उठ गया। 3. सूचना दी। 4 एका-एक, बिना किसी सूचना के। 5. आश्वस्त करके। 6 पहुची। 7 मेडते पर अन्य का अधिकार उसके हृदय मे समाता न था। 8 प्राणोत्सर्ग के लिये कटिबद्ध हुआ। 9 शहर को युद्ध की सामग्री आदि से सुसज्जित करता था।

कोट नहीं, जे कोई दस दिन वीगहै[1] होय तो मेडतो पाधर री गांव छे[2] मरसो तो आटे लूण हुसो[3]। दुसमण पुरो[१] मते दो। पछै राव मालदे मेडते ऊपरा आयो। राव बीरमदे दिन ४ पहली मेड़तो ऊभो मेल[4] नीसरीयो। अजमेर मांणसा बसी सुधो गयो[5]। रावजी मेडतै पधारीया नै अमल कियो। आ वात समत १५६५ रा टाणा री छे। अजमेर[२] रै मुंहडे रा[6] गाव वडा-वडा उमरावां नु बांट दीया। मेडते थांणो राखीयो। रा० सहैसो तेजसीहोत तेजसी वरसिंघोत मेडतीया नु वडो पटो दे नै रेयां री वडी बासीयो, सु वीरमदे सहैसा सु घणी रीस करै छे। कहै छे—हूं आज सवारै मांहे सहैसा नु मारू। रा० सीधो मोकळोत रा० अषैराज भादावत रा० राइसल सारा मेडतीया वीरमदे नुं वरज-वरज[7] राषै छै। सहैसो रावळो छोरु छै, राव मालदे इतरा राठोडां नु मेडतो बांट दीयो छै, तिण नु तो पहैली मारो, पछै सहसा नु मारजो। पिण वीरमदे री छाती मांहे सहैसो मावै नही छै।

२६. रा० वीरमदे रा हेरायत[३] म्हेलीया था सु आया, षबर दी, कह्यो–सहैसो आप रा साथ सुं रेयां माहे बैठो छै। रात पहोर एक गयां रा० वीरमदे घणी-सी षबर किणही नुं दीवी नही[8], आप चढ षड़ीया। सहसै रा पिण वाबसु लागा था तिणा आय षबर दी—राव सैहसो तेजसीयोत नै रा० वरसी राणावत सुषो[४] थो[9] सु वरसीघ रेयां आयो थो सु राव रा साथ थांणो देर[५] रा० कूंपो महैराजोत रा० राणो अषैराजोत रा० जेसो भैरवदासोत रा० भदो पंचायणोत छै। सु वेरसी रै सांढ १ घड़ीया जोवण[10] थी, तिण चाढ ने आपरो षुवास रा० कूंपाजी रांणा कन्है मेल्हीयो, कह्यो–म्हा मुआ मारीयां ऊपर

१. पुळो। २. मेडते। ३. हेरू। ४. सुख। ५. रहोद।

1. सुख। 2. मैदान में बसा हुआ गांव है। 3. व्यर्थ में जान गंवाओगे। 4. एकाएक ज्यों का त्यों छोड़कर। 5. अपने साथ रहने वाले सभी लोगों को लेकर चला गया। 6. अजमेर के आगे पड़ने वाले। 7. मना कर-कर के। 8. विशेष जानकारी किसी को होने नहीं दी। 9 मेल-मुलाकात थी। 10. बहुत तेज चलने वाली।

आवी सु वेगा आवजो। रात आधी री[1] ओठी जाई पोहतौ। उणै ठाकुर कागळ दीठा सांमा चढ नै वाग ली, सु रात घड़ी १ रै झाझरखै[1] रा० सहसौ तेजसीयोत केसरीया कर नै आदमी ५०० गांव रेया रै बारै जाई जाजम नाष नै बैठौ छै। तिण समै रावजी रौ साथ पिण रेया रै नजीक आयौ छै। रा० कूपै रा० राणे रा० जेसे आवता हीज पेडै माहे थी हीज असवार ४ बावसु भला घोड़ा रा धणी अजमेर दिसा वीरमदे दिसा सांम्हा मेलीया था सु अै ठाकुर रेयां रै गोरवै[2] आया नै असवारै वावसु अै आंण षवर दी, कह्यौ—राजा औ वीरमदे आयौ। तरै औ ठाकुर गांव नु रा० सेहसा कन्है गयौ नही, पाधरा वीरमदे आवतौ थौ तठै चलाया। गाव नजीक वेढ़ हुई, सु वडी लोह री रोठ पडीयौ[3]। अठ उली-पेलौ घणौ साथ काम आयौ। तिण दिन राव मालदे री बडौ दिन बडो प्रताप सु वेढ राव रै साथ जीती, आदमी ५० राठौड वीरमदे रा काम आया। रावत भोजौ गांगा रौ जैतमाल कांम आयौ। राठोड़ सोधौ मोकळोत फेर घावे पड़ीयौ। वीरमदे ही तिण दिन बडौ पराक्रम कीयौ। घोडौ छुरी कार पांच वेळां फेर-फेर नै राव रै साथ माहे एकलै नांपीयौ। छुरी कार का टूक-टूक हुवा ईगारै[२] बरछी राव रै साथ रा री वीरमदे उंण वाही सु षोस-षोस ली सु डावा हाथ मांहे वाग भेळो झाली छै। सु वीरमदे नु नीठ जाळोरी रौ बीहारी एक सरदार थौ सु रिण सु पावडा २० ले गयौ। तिण दिन राठोड़ भदै पंचाईणोत घणौ पराक्रम कीयौ, वीरमदे नुं भदै बरछीयां सु ठेल काढीयौ, डील मारण रौ कायदो कीयौ, रा० भदं कूपे टाळौ कीयो। रा० जेसो भैरू दासोत रा० रांणो अषैराजोत पूरै घावै पड़ीयौ। वीरमदे पिण आपरा घायलां नुं झालीयां[3] माहे घाल नै वळ भरीयौ[4] नीसरीयौ। राठोड़ कूपे भदै पिण षेत आप रै हाथ आयौ सु उण ठोड़ सैदाना[5]

---

१. रात घडी री। २. ईग्रां रै। ३. गोली।

---

1. एक घडी रात रहते। 2. गांव के बिल्कुल नजदीक। 3. खूब शस्त्र चले। 4 गुस्से मे भकड़ कर। 5. वाद्य विशेष।

बजाय ऊभा रहा। घाव लीयां था वांह नै रेयां आई उतारीया। राव मालदे आ वात साभळीयां आभ लागी[1]। इण वेढ सु' रावजी रै मेड़तो तो रस पड़ीयो[2]।

२७. तठा पछै बरस १ आडो घाल नै[3] राव मालदे अजमेर ऊपर कटक कीयो। राठौड़ वीरमदे नु अजमेर था ही परो काढीयो[4]। अजमेर आप रै हाथ आयो। पछै वीरमदे एक बार नहारणे[1] गयो। केहीक दिन कछहावे सेषावतां राषीयो। पछै राव मालदे दिन-दिन जोर चढतो गयो। अजमेर राठौड महेस घडसोहोत नु पटै दीयो। डीडवाणो लीयो। डीडवाणो राठौड़ कूंपै महैराजोत नु पटै दीयो। सहैभर[2] लीवी। राव रा कांमदार आय-आय साभर बैठा। तरै राठौड वीरमदे चाटसु गयो। उठै ही राव री फौजा वांसै[5] हुई आई। राठौड वीरमदे लालसोट[3] गयो। उठै ही रहण न दीयै। पछै वीरमदे बावळी जाय गाडा छोडीया।

२८. [4][आपरा परधांन रा० अषैराज नै मु० षीवो रिणथभोर री सोबादार कोई उमराव थो तिण कनै मेलीयो सु उठै उण री मुजरो ही को मांहै जाय कहै नहीं। अै पच थाका[6]। नावाब सु तेषाना सुं कदे बारे आवै नही। देण नै इणां कनै कु नही[7], जिकु' दीवाण बगसीयां नै देनै अरज वीनती करावै।

२९. नवाब री बेटी एक बरसां पनरै सोळै री बाहर रमण नै सायतो[8] आवै सु रा० अषैराज भदावत रजपूत दूजाही हुता तिकै तो सारी कह्यो—अठै तो जवाब नही, आपां हालो परा जावा। तरै मु०

१. नरायणे। २. सांभर। ३. लालसोढ। ४. 'ख' प्रति का अंश इन कोष्ठकों के अन्तर्गत है।

1, अति प्रसन्न हुआ। 2. पूरी तरह अधिकार मे आ गया। 3. एक वर्ष निकाल कर। 4. अजमेर से भी निकाल दिया। 5. पीछे। 6, प्रयत्न करके हार गए। 7. देने के लिए इनके पास (कीमती वस्तु) कुछ भी नही। 8. लगातार।

षीवौ लाला रौ कहै—पाछा गयां नुं ठौड़ तौ कांई न छै, मारवाड़ रा काढीया सौ कोस मेडता थी बवळी आया था। इण मडल मांहे पतासाह रै सारी-वारी[1] इण नवाब री छै। आंपां नु पग टेकण ठौड़ को न छै। तरै रजपूता कह्यौ—कासु कीजै। तरै मु० षीवै कह्यौ—हू अेक उपाव करू छूं। भला जाणे त्यु कर। तरै सवारे मु० षीवौ रजपूता नु तौ डेरै हीज राषीया नै पुद दोय कांठ रा माहै नाळेर घात कु अतलस मीसरू च्यार घात नै नवाब रै बेटी षेलतौ थौ जठै ले गयौ। उणा रै आदमीया पूछीयौ—थे कुण छौ? तरै मु० षीवै कह्यौ—म्हे राजा वीरमदे रा चाकर छां नै वीरमदे राव मालदे रौ भाई छै, सु जोधपुर रीसाय नै नवाबजी कनै आया छै सु राजा वीरमदे आपरी बेटी मिरजाजी नु देण रै वासतै म्हानुं भेजीया छै, सु म्हे नाळेर ले'र सगाई करण आया छा। सु राव मालदे रौ नाव साभळीयौ, तरै जाणीयौ राव मालदे रौ भाई राजा वीरमदे री बेटी रौ नाळेर आयौ। तरै नवाब कनै बडा-बडा ही दुवा कह्यौ—बडा बुनीयादी छै, राजा राव छै, आज हीदुवा माहे इसडो घराणो और किण ही रौ नही, मिरजाजी नै नीपट बडी ठौड़ रौ नाळेर आयौ[2]। मिरजो बोहत कुसी हुवौ। साथे कर इणा नु कोट मांह ले गयौ। इणां नु डोढी नजीक बैसांण मिरजो मांहे गयौ। मिरजा रै चाकरे नवाब सु मालम कीयौ—मिरजाजी नु राव मालदे रा भाई राजा वीरमदे रौ नाळेर ले वीरमदे रौ परधांन आयौ छै। नवाब बोहत राजी हुवौ। मु० षीवा नु तुरत हजूर बुलाय लीयौ। नाळेर रो वधावौ कीयौ[3]। इणनु सिरपाव दीयौ। षीवै कह्यौ—वीरमदे रा भाई उमराव छै सु डेरै छै, हुकम कीयौ—नीमास्याम[4], ऊणां नै ले तु आई। इणा रै डेरै महमानी भेजी। रजपूते षीवा नु कह्यौ—तुं कासु करै छै? म्हे इण वात मे समझां न छा। तरै मु० षीवै कह्यौ—इण वात रौ वीरमदेजी नुं हूं जवाब देईस। पछे आथण रै दीवान रा० अषैराज दूजा ही रजपूत दरबार

---

1. पूरा अधिकार। 2. बडे घर से शादी का प्रस्ताव आया। 3. सम्मानित रीति से नालेर स्वीकार किया। 4. नमन करने का अवसर देंगे।

बजाय ऊभा रहा। घाव लीयां था वाह नै रेया आई उतारीया। राव मालदे आ वात साभळीया आभ लागो[1]। इण वेढ सु' रावजी रै मेड़तो तो रस पड़ीयो[2]।

२७. तठा पछै वरस १ आडो घाल नै[3] राव मालदे अजमेर ऊपर कटक कीयो। राठौड वीरमदे नू अजमेर था ही परो काढीयो[4]। अजमेर आप रै हाथ आयो। पछै वीरमदे एक वार नहारणै[1] गयो। केहीक दिन कछहावे सेपावतां रापीयो। पछै राव मालदे दिन-दिन जोर चढतो गयो। अजमेर राठौड महेस घडसीहोत नु पटै दीयो। डीडवाणो लीयो। डीडवाणो राठौड कूपै महैराजोत नु पटै दीयो। सहैभर[2] लीवी। राव रा कामदार आय-आय साभर बैठा। तरै राठौड वीरमदे चाटसु गयो। उठै ही राव री फौजा वांसै[5] हुई आई। राठौड़ वीरमदे लालसोट[3] गयो। उठै ही रहण न दीयै। पछै वीरमदे बांवळी जाय गाडा छोडीया।

२८. [4][आपरा परधान रा० अषैराज नै मु० पीवो रिणथभोर रौ सोबादार कोई उमराव थौ तिण कनै मेलीयौ सु उठै उण री मुजरो ही को मांहे जाय कहै नही। अै पच थाका[6]। नावाव सु तेपाना सुं कदे बारे आवै नही। देण नै इणां कनै कु नही[7], जिकु' दीवाण वगसीयां नै देनै अरज वीनती करावै।

२९. नवाब री बेटी एक बरसा पनरै सोळै री बाहर रमण नै सायतो[8] आवै सु रा० अषैराज भदावत रजपूत दूजाही हुता तिकै तो सारां कह्यो—अठै तो जवाब नही, आपां हालो परा जावां। तरै मु०

---

१. नरायणे। २. सांभर। ३. लालसोढ। ४. 'ख' प्रति का अश इन कोष्ठकों के अन्तर्गत है।

1, अति प्रसन्न हुआ। 2. पूरी तरह अधिकार मे आ गया। 3. एक वर्ष निकाल कर। 4. अजमेर से भी निकाल दिया। 5. पीछे। 6, प्रयत्न करके हार गए। 7. देने के लिए इनके पास (कीमती वस्तु) कुछ भी नही। 8. लगातार।

षीवौ लाला रौ कनै—पाछा गया नु ठौड तौ कांई न छै, मारवाड़ रा काढीया सौ कोस मेडता थी बवळी आया था। इण मडल मांहे पतासाह रै सारौ-वारौ[1] इण नवाब री छै। आपां नु पग टेकण ठौड़ को न छै। तरै रजपूता कह्यौ—कासु कीजै। तरै मु० षीवै कह्यौ—हूं अेक उपाव करू छू। भला जांणे त्यु कर। तरै सवारे मु० पीवौ रजपूता नु तौ डेरै हीज राषीया नै पुद दोय कांठ रा माहै नाळेर घात कु अतलस मीसरू च्यार घात नै नवाब रै बेटी पेलती थौ जठै ले गयौ। उणा रै आदमीया पूछीयौ–थे कुण छौ? तरै मु० षीवै कह्यौ–म्हे राजा वीरमदे रा चाकर छां नै वीरमदे राव मालदे रौ भाई छै, सु जोधपुर रीसाय नै नवाबजी कनै आया छै सु राजा वीरमदे आपरो बेटी मिरजाजी नु देण रै वासतै म्हानुं भेजीया छै, सु म्हे नाळेर ले'र सगाई करण आया छा। सु राव मालदे रो नाव साभळीयौ, तरै जाणीयौ राव मालदे री भाई राजा वीरमदे री बेटी रौ नाळेर आयौ। तरै नवाब कनै बडा-बडा ही दुवा कह्यौ—बडा बुनीयादी छै, राजा राव छै, आज हीदुवा माहे इसडो घराणो और किण ही रौ नही, मिरजाजी नै नीपट बडी ठौड़ रौ नाळेर आयौ[2]। मिरजो बोहत कुसी हुवौ। साथे कर इणा नुं कोट मांह ले गयौ। इणां नु डोढी नजीक बैसांण मिरजो माहे गयौ। मिरजा रै चाकरे नवाब सु मालम कीयौ–मिरजाजी नु राव मालदे रा भाई राजा वीरमदे रौ नाळेर ले वीरमदे रो परधान आयौ छै। नवाब बोहत राजी हुवौ। मु० षीवा नु तुरत हजूर बुलाय लीयौ। नाळेर रो वधावौ कीयौ[3]। इणनु सिरपाव दीयौ। षीवै कह्यौ–वीरमदे रा भाई उमराव छै सु डेरै छै, हुकम कीयौ—नीमास्याम[4], ऊणां नै ले तुं आई। इणां रै डेरै महमानी भेजी। रजपूते षीवा नु कह्यौ—तुं कासु करै छे? म्हे इण वात में समझा न छां। तरै मु० षीवै कह्यौ—इण वात री वीरमदेजी नुं हूं जवाब देईस। पछै आथण रै दीवांन रा० अषैराज दूजा ही रजपूत दरबार

---

1 पूरा अधिकार। 2. बड़े घर से शादी का प्रस्ताव आया। 3. सम्मानित रीति से नालेर स्वीकार किया। 4. नमन करने का अवसर देंगे।

गया। सारी हकीकत रा० वीरमदे री नवाव हजूर तेड[1] पूछी। बावळी गाडा छोडण नु दी। परगना रा अमल रो परवानो कर दीयो। इणा सारां नु सिरपाव दे सीष दी। कह्यौ–वीरमदे म्हा कनै सताव आवै। रा० वीरमदे नै म्हे एक ठौड हुय नै षछै पातसाहजी नु अरज कहै तिण भात लिषा। अठै आया सारी वाता माड नै[2] वीरमदेजी नु कही। वीरमदेजी वात सुण राजी हुवा।

दिनां ५ तथा ६ माहे रा० वीरमदेजी असवार ४०० सु नवाब रै मुजरै गया। नवाब सुं सारी वात आपरी वोरमदे माड कही। तिका वात सारी वाका दाषल कराय नै पातसाहजी नु नवाव अरदास की[3]। पातसाहजी रौ पाछौ हुकम आयौ—रा० वीरमदे नु बवळी दी सु भलो काम कीयौ, अबै रा० वीरमदे कु षरचो देनै सताब मांहारी हजूर भेजजो।

३०. पछै नवाब वीरमदे नुं पातसाह कनै मेलीयौ। रा० वीरमदे दरगाह गयौ, पातसाहजी सुं मुलाजमत की। दीवान वगसीया सुं मिळीया। सारी हकीकत आपरी राव मालदे री दीवान वगसीया साथे पातसाहजी सुं मालम कराई। पातसाहजी रा० वीरमदे सुं राजी हुवा। पातसाह आगे ही राव मालदे सुं हळाहळ हुय रह्यौ छै[4]। तिण समै बीकानेर रा धणी पण कवर भीवराज जैतसीयोत मु० नगौ अै ही फिरीयाद गया छै। पिण रा० वीरमदे राहावेधी[5] हजार बात पातसाह नु सुणाई। आगलौ मामलौ सहल[6] कर दीषायौ। पातसाह सहसराम थो आगरे आयौ। सारी सुलमान कर नै लड़ाई रौ आगरै बारे डेरो कीयौ।

३१. राव मालदे रै पण षबर आई। राव रै छडा[7] फिरीया। लडाई री तयारी हुवै छै। पातसाह आगरा थी कूच कीयौ। पातसाह रा डेरा हीडवांण हुवा। राव पिण जोधपुर सु चढनै मेडते आयौ।

---

1. बुलाकर। 2. विस्तार के साथ। 3. विनती की। 4. बुरी तरह नाराज है। 5 भविष्य को जानने वाला। 6. सहज। 7. सदेशवाहक, अकेले घुडसवार।

अस्सी हजार घोडौ तद राव मालदे रै ही भेळौ हुवौ। पातसाह मोजावाद रै टाणे आयौ। राव मालदे अजमेर आयौ। डेरा नजीक-नजीक हुवा। बीच परधान फिरीया, वात बणी नही। वीरमदे राव मालदे बीच परधान जुदा फिरीया। रा० कूपे जेतै बीच आदमी फिर, धणी चाकरे वीत्रोट[1] घातीयौ। राव मालदे डेरा २ पाछा कीया। पातसाह रौ डेरौ सलेम रै उलै कानै हुवौ। राव रौ डेरौ गीररी हुवौ। राव मालदे कूपा जेता नु कह्यौ—अेक डेरौ वळै पाछौ करौ। तरै इणे कह्यौ—अठा आगली धरती रावजी सपूत होय षाटी थी, तिण दिसा रावजी फुरमायौ सु म्है कीयौ। नै अठा आगली धरती रावळे माईते[2] नै म्हारै माईते भेळा हुय षाटी हुती। आ धरती छोड नै म्है नीसरण रा नही[3]। राव रै नै रजपूते घणौ गाढ हुवौ,[4] रा० वीरमदे राव कनै आपरौ बारट पातो मेल ने कुंही कहाड़ीयौ सु राव जेता कूपा सु विगर पूछीया चोकी रै घोडै चढ़ नै रात पोहर १।। गया नीसरीयौ। बासै रा० जेतो पचाइणोत रा० कूपौ मेहराजोत रा० षीवौ, जैतसी उदावत सो० अषैराज रिणधीरोत, रा० पचाइण करमसीयोत, रा० वीदो भारमलोत और ही घणौ साथ मरणीक हुवा[5] सु आदमी हजार २०,००० रह्या और साथ रावजी साथे नीसरीया। सवारे समेल री नदी रै परै वेढ हुई। राव मालदे रा आदमी हजार ५,००० सु ऊपर लीषीया सु ठाकुर कांम आया।

३२. रा० वीरमदे पातसाह नु ले नै जोधपुर आयौ। कितराहेक साथ रा० अचळो सिवराजोत रा० तिलोक सिवराजोत भा० साकर सुरावत रा० सीधण षेतसीयोत जोधपुर रै गढ काम आया।

३३. के दिन पातसाह जोधपुर रह्यौ। पछै पातसाह मारवाड़ माहे सैद हासमकासम नु राष नै षवासषान केवले उमराव राष नै जोधपुर सु कूच कीयौ। मेड़ते डेरौ हुवौ।

---

1. मनमुटाव। 2 पूर्वज। 3. निकलने के नहीं। 4 तनावपूर्ण स्थिति बन गई। 5 युद्ध मे प्राण त्यागने को कटिबद्ध हुए।

३४. मेड़तो वीरमदे नु हुवो। वीकानेर राव कल्यांणमल नुं हुई। पातसाह आगरा नु कूच कीयो। आगरे-से जाता वीरमदे नुं सीष दी। तठा पछै वीरमदे वेगो ही मुवो।]

३५. राठौड़ वीरमदे संमत १५३४ मिगसर सुदी १४ रो जनम। समत १६०० रा पोस मे वडी वेढ हुई। समत १६०० रा माहा फागुण मैं वीरमदे काळ कीयो।

राव मालदे बीच चारण फिरीयो तोको वीरमदे रो बारेट हुतो, पातो।

१ पातो २ गागो ३ जैमल ४ चतरो ५ महेस[1]

३६. राठौड जैमल वीरमदेत्रोत नु वीरमदे मुवां पछै मेडतीयां मिळ टीको दीयो। पातसाहजी पिण मेडतो जागीर माहे दीयो। बरस १० तांई रा० जैमल सुष चैन सुं मेडतो भोगवीयो।

३७. बरस ३ राव मालदे विषे[1] पीपलांण रै भाषरै रह्यो। संमत १६०३ सूर पातसाहि मुवो। पातसाही लोक जोधपुर रै गढ थाणो हुतो सु गढ षालो मेल नै षवासषान मसादली कन्है जावैं, षवासपुरै गया। वासै गढ षालो पड़ीयो थो। मडोर रा माळीयां नु षबर हुई, गढ पाली छै। तरै माळी माहे पैठा[2]। रावजी नुं पीपलण षबर मेली।

३८. राव गढ आयां बरस ५ तथा ६ हुवा, तरै वळै राव मालदें समत १६१० रा वैसाष वदि २[2] मेडते ऊपर आया। कुडल मे रा० जैमल नै राव मालदे बेढ हुई। दहब रो[3] फेर हुआ[3]। रावजो बेढ हारी, जैमल जीतो।

---

१. 'ख' प्रति मे बारहट की विगत के स्थान पर 'अेक बार वीरमदे जीवतो जैमल पातसाह रे बास बसीयो हुतो सु मुथराजी जागीर मे पाई छै' लिखा है। २. १२। ३. दईब रो।

---

1. सकट काल में। 2. अंदर प्रवेश किया। 3. दैवेच्छा का फेर हुआ।

रावजी री[1] साथ इतरौ काम आयौ—

१ रा० प्रथीराज जैतावत
१ रा० धनौ भारमलोत
१ सी० डूंगरसी
१ पा० अभौ
१ सोहड पीथौ जेसावत
१ रा० नगौ भारमलोत
१ रा० जगमाल उदैकरनोत
१ चौ० मेघौ
१ पा० रतौ नेतौ[2]
१ रा० सूजौ तेजसीहोत[3]

३९. राठौड जैमल रा रजपूत कांम आया, जणा ६—

१ रा० अवैराज भादावत
१ रा० मोटौ जोगावत
१ रा० नराइणदास चांदराव री
१ रा० चद्राव[4] जोधा री
१ रावत सगतौ सांगा री
१ रा० सागो भोजा री
६

४०. संमत १६१३ रे बरस फागण वदि ९ हाजीषांन नै राणौ उदैसिंघ अदावद हुई। हाजीषान री मदत्त राव मालदे कीवी। असवार १५०० देनै राठौड देवीदास जैतावत रावळ मेघराज हापावत रा० जगमाल वीरमदेवोत रा० जैतमाल जसोवंत[5] रा० लषमण भादावत घणौ साथ दे भेजीया। राणा उदैसिंघ री तरफ पिण इतरा हिंदू

१. राव माले री। २. नेतौ 'ख' प्रति मे नही। ३. नेतसिंहोत। ४. चांदराव। ५. जेसावत।

केईक चाकर केईक सगां थकी[1] आय भेळा हुवा।

१ राणो उदैसिंघ

१ जैमल वीरमदेवोत राठौड मेडतीया

१ रावळ परताप वसवाल[1] रा धणी

१ रावळ रामचद सोळकी तोडडी धणी

१ राव कीलाण बीकानेर री धणी

१ रावळ आसकरण डूगरपुर री धणी

१ राव सुरजन वूदी री धणी

१ राव दुरगौ रामपुरा री धणी

१ नरायणदास ईडरीयो राव

१ राम षेडारो[2] जाजपुर री धणी

१ रावत तेजो देवळीया री धणी

[3][आ बेढ हरमाडे हुई। अजमैर था कोस १२ तठै हुई। राणो ऊदेसिंघ भागौ। रा० तेजसी डूगरसीयोत वालीसो सूजो सावतोत रांणा रा नांवजादीक[2] उमराव काम आया। रा० देवीदास जैतावत रै हाथ वालीसो मूजो रह्यौ। रावजी रै साथ री घणी भलौ हुवौ। बेढ हाजीषांन जीती। राव मालदेजी इण फौज चलावण नु जैतारण आय रहा था। रावजी रै षबर आई—राणो भागौ, हाजीषान जीतौ।

४१. रावजी मेडता ऊपर जाण री तयारी करै छै। तितरै मेड़ते रावजी रा जासूस गया था सु षबर ल्याया—रा० जैमल रा मांणस बसी रजपूत था सु सारा रात नै नास नै[3] रांणा रै मुलक के बीकानेर ढुंढाड़ गया। रावजी जैतारण था समत १६१३ सोळैसौ तेरै रा फागण सुद १२ मेड़ते पधारीयां। अमल हुवौ। पछै रावजी रै मेड़तीयां सुं कस घणौ हुतौ[4]। मेड़तीयां रा पड़ाय घर पाधर करनै हळ मांहे

१. बांस वाला। २. षेराडो। ३. 'ख' प्रति का अंश।

1. कई सगे सम्बन्धियों सहित। 2. प्रसिद्ध, नामी। 3. भाग कर। 4. बहुत द्वेष था।

जोताय मूळा बवाडीया । पछै संमत १६१४ मालगढ मंडायो[1] । समत १६१६ पूरो हुवो । रा० देवीदास जैतावत नु घणा साथ सु मालगढ थाणो राषीयो ।

४२. आधी मेडतो संमत १६१६ भादवा वद ६ रा० जगमाल वीरमदेवोत नु पटै दीयो तिण री नकल—

विगत—

१३ नीलीयां

१ नीलीयां	२ वास मकांपा
१ ईटावो	१ बरणो
१ म्हेरासणो	१ वावळलो
१ गोठड़ो	१ नीबड़ो

(कागळ[2] ऊपरलो फाट गयो । बीजा कागळ माहे ईतरा गांव हेठे था सु मंडायो)[1]—

१ राहण	१ लाबो	१ नथावडो
१ हीरादड़ो	१ अलतवो	१ बोललो
१ आकेलो	१ दुरगावस	१ कुरलाई
१ चांदारुण	१ गोठडी	
१ पालडी	१ वगड़	
१ धनापो	१ घघड़णो	
१ षीदावडो	१ फालको	
१ गोनरडो	१ भीमळीयो	
१ पालड़ी सीधले	१ ईटावो षीयां री	

१. 'ख' प्रति के प्रति लिपिकार द्वारा लिखा गया वाक्यांश ।

1. मालगढ़ का निर्माण प्रारम्भ करवाया । 2. कागज ।

१ आनोली
१ पीथावस
१ जुलाणो
१ गोठण
१ सरणु
१ दाबडीयाणी
१ ऊधीयावस
१ पाचीयावस
१ छापरी
१ चोचोयावस
१ धामणीयो
१ डुमाणी
१ पाडुबडी
१ गोरहरी
१ लुगीयो
१ हीदावस
१ कालणी
१ भादुवसणी
१ षीदावस
१ धांधलवास
१ ———

५८

७१

१ पचीपलो
१ चूधोया
१ तीघरीयो
१ माणकीयावस
१ सायरवस
१ रायसलवास
१ पुहडी
१ जावली
१ भइयो
१ जोवडावस
१ षातेळाई
१ हासावस
१ वापलवस
१ सथाणो
१ केरीयो
१ थाटि
१ मडावरो
१ थाहरवसणी
१ सारंगवासणी]
१ सिरीयारी[1] सोझत रीं
१ ———

बीजो वात इतरीं थाप कीवी, तिण रौ देवचौ फळोधी महामाया रा देहूरा माहे करायौ। कवर चद्रसेण मागळीयो वीरम चौ० झाझण[2]

१. सीयारी। २. झाझर।

पा० नेतै आगै कीयौ । रा० जैतमाल पंचाइणोत प्रो० भांनीदास कान्है ऊभौ कीयौ ।

इतरी वात री देवचो[1] जगमाल कीयौ—

रावजी कंवर चद्रसेन सु कदे पूठ न दै[2] ।

राव चांदो वीरमदेवोत रा० वाघ जगमालोत वास न राषै ।

रावजी रौ चाकर कोई बिगर हुकम न राषै ।

माहाजन पाछो आवै तिण रौ धान गडीयौ छै

तिण रौ हैसा ३ रावळै हैसो १ धान रौ धणीयां रौ छै ।

४३. रजपूत हिमार जगमाल री मेडते वससी, सुभसात हुआै औ पटा रै गावै बरस १ पछै जाय बससी । मांगळीयो वीरम एक हुजदार रावळो मेडतै माहे रहेसी । तरै कोट पड़सी । पाई धुरसी, तळाव २ कुडल कुकसो फाड़सी । डेरौ १ रावळा कांमदार सहैर मैं कर नै रहैसी । तळाव कील्याणसर रौ नांव कुकसो थौ ।

४४. मेडतो गाव सोह पड़ायौ[3], रावळा घरां रा षेत कीया[4] । सहैर नाडी दोराणो कन्है वासवांणी[5] कीयौ थौ कहै छै वईक ढुढा[6] हुवा था । सहैर रौ नाव नवो नगर दीयौ थौ ।

४५. समत १६१३ रा फागुण सुदि १२ रावजी रै हाथ मेडतो आयौ हुतो सु बरस ५ मास १ दिन ३ रह्यौ । पछै समत १३१८ रा बरस यांहे रा० जैमल वीरमदेवोत वळे दरगाह गयो[7] । पातसाहजी मेड़तो दीयौ । मुगल सरफदी घोडा ७००० सु मदत मेलीयौ । रावजी नु ही षबर हुई—पातसाहजी रो फौज आवै छै । रा० देवीदास जैतावत मेडता रै मालकोट माहे सदा थांणै रहै छै । सु रावजी इण षवर माथै कवर चद्रसेन नु रा० प्रथीराज कूंपावत, सोनगरो मांनसिंघ

---

1. देवता के सामने शपथ ग्रहण की । 2 विमुख नही होगा । 3 पूरा गांव ध्वस्त कर दिया । 4. घरों के स्थान पर खेत बना दिये । 5. रहने का स्थान । 6. खडहर । 7. फिर बादशाह के दरबार मे गया ।

रा० सांवळदास और ही साथ असवार हजार २००० मुं म्हेलीया। कही–वेढ री गंम देषो[1] तो वेढ करजो, नही तर रा० देवीदास नुं लेनै उरा आवजो। अै ठाकुर मेड़तै आया। पातसाहजी री फौज सबळी[2] तरै इणां पाछी डेरी कीयौ। रा० देवीदास जैतावत घणै साथ सु मुरड नै[3] मालकोट माहे पैठी। मुगल नै जैमल आंण मालकोट घेर ने उतरीया। कवर चद्रसेण री डेरी हुयौ। रा० सावळदास उदैसिघोत वळ नै डेरै माथै पडीयौ। मुगल १०० मारीया। सांवळदास रै पग लोह लागौ। तरै रा० सावळदास रा रजपूत ले नीसरीया, रा० जैमल सरीफदीन बांसै चढीयौ सु कोस १४ आये आपड़ीयौ। तठै सावळदास नै' भली-भात काम आयौ।

४६. मालकोट घेरीयौ छै, ढोवा हुवै छै[4]। राव मालदे रा सासता[5] कागळ पत्र देवीदास नु आवै छै—थे तौ आपरौ नांव करौ छौ, मांहारी ठाकुराई षोवौ छौ। समत १६१८ रा फागण वद ७ कोट घेरीयौ छै। भुरज १ पिण साबात[6] था उडीयौ छै। सु राठौड़ देवीदास मुगल था बात कर नै निसरीया छै। मुगल सरफदी रा० जैमल प्रोळ रै षांधै बैठो छै। रा० देवीदास रै मोडै आगै पीयादो १ छै। तिण रै हाथ बदुंष[1] १ रावजी रै हाथ री छै। तिण नु मुगल १ हाथ घातीयौ। देवीदास रै हाथकड़ीया लागै[3] छै, सु रा० जैमल सरफदीन नजीक उण रै माथै मांहे उण गेडी री दी, सु भेजी फूट नै नाक दिसा नीसरी। रा० जैमल सरफदीन नु कह्यौ–देवीदास धरम दुआर नीसरै छै[7] थे उडदोगे[4], तरै सरीफदीन कह्यौ—दीठौ। जैमल कहण लागौ–औ इसडौ रजपूत न छै जिको कोट छोड नै नीसरै पिण राव मालदे कहै छै–तु माहारी साहेबी षोवै छै। तरै औ माडे जाये छै[8]। औ जोधपुर

१. वळ नै। २. बंदकी। ३. कडीयाळी गेड़ी। ४. रुडा दीठा।

1 युद्ध का ठीक अवसर देखो। 2. सबल. बहुत बड़ी। 3. युद्ध के लिए कटिबद्ध होकर, गुस्सा खाकर। 4 युद्ध पर युद्ध हो रहे है। 5. लगातार। 6. बारूद की सुरग। 7. धर्म की दुहाई देकर। 8. अनिच्छापूर्वक जा रहा है।

पोहोतौ[1] तरै राव मालदे नुं रात आपाड़[१] ऊपर आवसी[2]।

४७. इण बात कैंहतां बार लागी[3]। तितरै पांवडा २०० रा० देवीदास गयौ। तरै सरफदीन जैमल नु कहौ—काहू कीयौ चाहीज ? तरै जैमल कहौ—आंपांरी भलौ चाहौ तौ वांसै आपड़ै[4] देवीदास नु मारौ। तरै नगारौ हुऔ। रा० जैमल मुगल सरफदीन वासै चढीयौ। नगारौ हुऔ सुण नै देवीदास नै राव रौ साथ वळ ऊभौ रह्यौ[5]। सातळवस उरै बेढ हुई, संमत १६१८ रा चैत्र सुदी १५। राव रौ साथ इतरौ कांम आयौ। तिण री विगत—

१ रा० देवीदास जैतावत बरस ३५[२] मांहे
१ रा० भाषरसी जैतावत
१ रा० पूरणमल पिरथीराज जैतावत[३]
१ रा० तेजसी[४] उरजन पंचाइणोत रौ
१ रा० ईसरदास रांणा अषैराजोत रौ
१ रा० गोईंद राणा अषैराजोत रौ
१ रा० पातो[५] कूपो मेहराजोत रौ
१ रा० भांण भोजराज सादा कूपावत[६] रौ
१ रा० अमरो रांमावत रौ
१ रा० नेतसी सीहावत रौ
१ रा० जैमल तेजसीयोत[७]
१ रा० रामो भैरवदासोत
१ रा० भाषरसी डूगरसीहोत
१ रा० अचळौ भाणोत
१ राठोड महेस पचाइणोत

१. पुरत। २. २५। ३. जेतावत रौ। ४. जैतसी। ५. पतो। ६ रूपावत। ७ जैतसीयोत।

1. पहुँचा। 2. रातो-रात अपने ऊपर आवेगा। 3. बात करते समय लगा इतने मे। 4 पीछे भागकर। 5. सामने घूम कर खड़ा रहा।

१ रा० जैतमाल पंचाइणोत दूदावत री
मेड़तीयो

१ रा० रिणधीर राईसीघोत[1]
१ राठौड सागो रिणधीरोत
१ राठौड ईसर घडसीहोत
१ राठौड रांणो जगनाथोत
१ भा० पीराग भारमलोत
१ मां० देदो
१ राठौड़ महेस घडसीहोत
१ राठौड राजसिघ घड़सीहोत
१ मागळीयो वीरम
१ सा० तेजसी
१ भा० तीलोकसी
१ भाटी पीथो
३ बारेट–१ जालप १ जीवो १ चोलो
१ तुरक हमजो
१ सुतरार भांनीदास

४८. पछै राव मालदे तो मेड़ता माथै कटक कोई नंह कीयौ। तठा पछै मास ८ राव मालदे संमत १६१९ रा काती सुदि १२ काळ कीयौ[1]। राव चद्रसेन पाट बैठो। सु चद्रसेन रै भाई ग्रासीया जोर लागा। रजपूते नै रिणमल नै राव वीरस हुग्रो[2]। राव चंद्रसेन तो मेडतै रो नाव लीयौ नही।

समत १६१८ रा चैत सुदि १५ रा० देवीदास जैतावत काम ग्रायौ। तठा पछै राव मालदे बेगौ हीज काळ कीयौ। मेड़तो जैमल

१. रायसलोत।

1. मृत्यु को प्राप्त हुआ। 2. वैर-भाव बढा।

पातसाही तरफ था पायौ छै, सु भोगवै छै। रा० वीठलदास जैमलोत दरगाह चाकरी करै छै। रा० जैमल मेडते मुगल सरफदीन रा० देवीदास वाळौ कांम करनै वेगौ हीज दरगाह गयौ। जैमल नै सरफदीन घणौ सुष छै। जैमल री षसमानो ऊठै ही थकौ घणौ करै छै। यु करतां सरफदीन माहे षामी पातसाहजी री तरफ आई सु सरफदीन उठा सु नाठौ सु रा० वीठलदास नै साथे लेतौ आयौ। सरफदीन डागोळाई ऊतरीयौ। रा० वीठलदास अजांणकरी[1] [1] दरबार जैमल बैठौ थौ। तठै आय ऊभौ रह्यौ, पगे लागौ। जैमल देष नै हैरान हुवौ। तुरत दरबार सु ऊठनै मोहला माहै जाय नै पूछीयौ—तु काई आयौ[2]? तरै वीठलदास सरफदोन री ऊवाको माड नै कह्यौ। नै जैमल कह्यौ—तै बुरी कीवो। तरै कह्यौ—सु तौ होणहार, सु चारौ कोई नही। तरै पूछीयौ—सरफदीन कठै? तरै कह्यौ—डागोळाई ऊपर बैठौ छै। जैमल सरफदीन कन्है जाय मिळीयौ, वात-विगत कीवी, कह्यौ—माहारा माणस नागोर छै सु सिताब मगाय देवौ[3]।

५०. तरै रा० सादुळ जैमलोत नु जैमल कितरी साथ साथे दे, सरफदीन रा चाकर पिण दोय चार देनै नागौर नु चलाया। इणां जाय नै माणस कोट माहे था काढ नै चलाया नै सादूळ वासै थकौ आवतौ थौ सु इतरै पातसाही अहधी डाक चौकी था दौडीया। नागौर किणही जागीरदार नु फरमाण ले आया—सरीफदीन नाठौ छै, सरफदीन रा माणस जाण न पावै। सु मुनसबदार थौ सु असवार २०० तथा ४०० सु वासै चढीयौ, सु मेडतै जाता आपड़ीयौ[4]। सु सरफदीन रा माणस तौ कुसळै मेडते पहौता नै राव सादूळ जैमलोत कोस षढ वांसै हुओ जातौ थौ[5] सु सादूळ नु जणा ४० सु मार नै उबै पाछा वळीया। राव जैमल सरफदीन नु तौ तुरत सीष दी। रा० जैमल री

---

१ अजांणजको।

---

1 अचानक ही। 2 तू कैसे आया। 3 जल्दी से यहाँ बुलवा दो। 4. पकड़ा। 5. एक कोस के फासले से पीछे-पीछे जा रहा था।

विचार दीठी–मांहांरै पातसाही तरफ था तूट पार पडी[1]। पहैली तौ वीठलदास नीसर नै दरगाह थी सरफदीन साथै आयौ। पछै सादूळ इण भात मराणौ, वात कहैण नु काई ठौड रहो नही।

५१. तरै जैमल संमत १६१६ मेडतौ ऊभौ मेल्ह नै[2] मेवाड गयौ, राणै वधनोर दीयौ। पछै संमत १६२४ रै चैत वदि ११ अकबर पातसाह चीतोड ऊपर आयौ। तरै रा० जैमल काम आयौ। मेडतीयां रा चाकर चारण कहै छै–वधनोर सु जैमल आदमी ५०० सु चीतोड नु गयौ थौ। पाच सै आदमी साष-साष रा गढ चढोया था, सु इणा रा तौ यु कहै छै–जैमल पांचसौ आदमीया सु काम आयौ, पिण आदमी २०० तौ जैमल री साथ जैमल रा कांम आया छै, आदमी···तो राठौडां जैतमाल इणा रै बडा रजपूत तिके हीज कांम आया छै।

५२. बात एक सरफदीन दरगाह सु बेमुष[3] हुआ तिण री। पातसाहा री मा मके जात गई थी[4]। सरफदीन बेगम साथे मेलीयौ हुतौ। सु उठै पीरां रा दरसण तौ बेर नु हुवै जो मरद रा छेहडा बाधै[5], नैहीत्र'[6] मुजावर दरसण करावै नही। बेगम सरफदीन नु कह्यौ—तूं मोसुं छेहड बांध। तिण उजर घणौ ही कीयौ पिण बेगम पातसाह री मा छेहडा मांड बांध जात कीया छै। आयां, पातसाहा कितराहेक दिन कुमाया[7] करता तीणां घात घाली। पातसाहजी घणौ बुरौ मानीयौ। कहण लागा–पैहली माहारौ गुलाम थौ। हिमे म्हारौ बाप हुऔ, जठै हुवै जठै थी तेड़ाव[8] कैह गरदन मारीस[9] तिके समाचार सरफदीन रै उकील सरफदीन नुं लिष मेलीया। तिणसु सरफदीन नाठौ[2]।

---

१. नहींतर। २. उठा थी नीसरीयौ।

---

1. बादशाह का पक्ष मेरे लिए समाप्त हो गया। 2. ज्यों का त्यो छोड़ कर। 3. विमुख। 4. तीर्थ यात्रा पर बादशाह की मां मक्के गई थी। 5 पति के दुपट्टे से स्त्री के आंचल का छोर बांधना। देवताओं की अभ्यर्थना पतिपत्नी इस प्रकार करते है। ऐसी प्रथा राजस्थान मे भी प्रचलित है। 6. वरना। 7. नाराजगी। 8. बुलवा कर। 9. मरवा डालूंगा।

५३. रा० जैमल आप तौ सरफदीन नु पोंहोंचावण नुं सीरोही सुधो साथे गयौ नै वांसै भाईवध नु कह्यौ थौ—थे सारा वसी लेनै बधनोर री तल्हेटी आय रहीजो। सु जैमल पाछौ वळतो वाडल माहै होय बधनोर आया। राणौ उदैसिघ पिण रूपजी रा भाषरा दिसा सिकार रमण आयौ थौ। पछै जैमल रै गोडै आय दीलासा कर नै बधनोर करहेडो कोठार[१] दे नै जैमल नु वास रापीया[1]। रा० जैमल काम आयौ चीतोड। राणा रै विषौ धरती माहे हुवौ, तरै रा० सुरताण केसवदासोत नु राणै गढ बोर गांव रूपजी सु कोस ३ छै भाषर माहे, सु दीयौ हुतौ। उठै इण री कोईक दिन वसी रही छै। उठै मेड़तीयां रौ करायौ श्रीचत्रभुजजी रौ देहरौ[2] छै।

५४. तठा पछै बरस ४ तथा ५ रा० जैमल रा बेटा रा० सुरतांण केसोदास दरगाह गया छै। इणा नु मेड़तौ तौ तुरत हीज दीयौ थौ नही। केहीक दिनां[3] रिणथंभोर नजीक मलारणा री परगनो पातसाहजी रा० सुरताण जैमलोत नुं जागीरी माहे दीयौ छै। सु मुलारणै भोमीया कसबै माहै किलेदार रहै छै, तिणां सुं उठै रहैतां उपाव हुऔ[4]। तठै रा० सुरताण रै चाकरां माणस १०० बेलदार तुरक भोमीयौ छै, सु मारीयौ छै।

५५. एक वात यु सुणी छै—संमत १६३७[२] तथा १६३९ रा० सुरताण जैमलोत नु कोई दिन सोभत पातसाही री दीवी जागीर माहे पाई छै। समत १६३७ रा रा० सुरतांण दरगाह गयौ। पातसाही मेडतौ दीयौ। तरै मांहोमाह[5] गाव बांटता रा० नरहरदास ईसरोत सु अवणत[6] हुई। तरै नरहरदास रा० केसोदास जैमलोत री भीर हुवौ[7]। राठौड केसोदास नुं नरहरदास ले गयौ। उठै वीनती

१. कोठारीयो। २. १६३८।

1. वसा दिया। 2. मंदिर। 3. कुछ दिनों के लिए। 4. झगड़ा हुआ। 5. आपस मे। 6 अनवन। 7. पक्ष में हुआ।

कुंही लागै नही । तरै रा० केसोदास री बेटी पातसाह नु परणाय नै आधी मेड़ती केसोदास ले आयौ ।

५६. पछै पातसाह री धाई[1] काई गुजरात गई थी, तिका मेड़ते आई । राव सुरताण सीरोही रौ धणी धाई साथे मेडता सुधौ आयौ छै । नै रा० सुरतांण केसोदास नु पातसाह री धाई कह्यौ—मोनु आबेर सुधी[2] पोहचावौ । तरै इणा कह्यौ—इसडी घणी ही राडां आवै जावै छै । तरै इण नु नही पोहोचाई । पछै उवा आगरै गई । जाय नै पातसाह नु कह्यौ—मोसु मेडतीया इसडी कीवी, तिसडी कोई करै नही । कहै तौ माहारो चूचीया[3] छै सु बाढू का इणा था मेडतौ तागीर[4] करौ । पछै मेडतौ उतारीयौ । रा० सुरताण नुं वळे सरवाड दी । नठै बसी गई । नै रा० केसोदास री बसी नागेळाव रही । पछै सुरतांण री बसी बरस १० तथा १२ सरवाड रही । तठा पछै समत १६४२ पातसाह वळे मेडतौ दीयौ । तरै वळे रा० सुरतांण केसोदास फेर मेड़ते आया ।

५७. समत १६४० निबाब षानषाना नू गुजरात रो सूबौ हुऔ । रा० सुरतांण जैमलोत पिण निबाब री ताबीन[5] हुता । तिण दिने गजो[1] जाडेचौ गुजरात वडौ भोमीयौ छै । सु अहमदाबाद सहर रौ बिगाड़ जगौ एकांतरै[6] दूजै दिन करै ही करै । फौजदार, सिकदार, कोटवाळ सारा पंच मुआ[7], जगौ किणही रै हाथ आवै नही । असवार ४० तथा ५० लीया सासतो प्रोळ माहे बाजर मढी भागले घाव फेरै[2] । जगा रै नाव लीयौं हिरण बाडा हुवै छै[8] । एक दिन रा० वीठळदास

१. जगो । २. करै ।

1. घाय । 2. आमेर तक । 3. स्तनों का अग्रभाग । 4. जब्त । 5. अधीनस्थ । 6 एक दिन छोड़ कर । 7. प्रयत्न करके हार गए । 8 मुहावरा—नाम से ही लोग अत्यन्त आतंकित हो जाते है ।

जैमलोत, सीधल चांपो करमसी री नदी समरमती[1] री तरफ नुं सेल-सिकार गया था। सु पैलो कानी सेहर रा लोग नाठा आवै छै। श्रो सैल-सिकार रम नीसरीयो पाछो आवै छै। तितरै दुनी[2] नाठी[3] आवै छै। इण पूछीयौ–इण भात नाठा आवो छो सु बासै किसो कटक[4] आवै छै। तरै उणा माहे समझणो आदमो थो सु ऊभो रह्यो नै कह्यौ—जगो जाडेचो सदा अहमदावाद री बडो बीगाड करै छै, सु आवै छै। तरै बीठळदास चापै कह्यो–जगो किसड छै ? तरै उणां कह्यो–जगा छाना न छै[5]। तरै इणा कह्यो–थासू छांना न छै, पिण म्हे उळषां न छा[6]। तितरै जाडेचो जगो नजीक आयो, दीठाळे हुवो[7] तरै जिणा नु पूछता तिणा कह्यो–श्रो कमेत घोड़े चढीयो लाल पाग हजार मेषी पहरीयो श्रोपै इतरै असवार मांहे सिरदार छै। दूजो रतनो जगो फलांणो फलाणो घोडे चढीया सारी गुजरात बीगाड़ जगो रतनो छै। बात करता बार लागै[8], इणां उणां उप्र नाषीया[9], तठै मामलो हुवो। जगो रतनो रा० बीठळदास सींधल चांपो आदमीयां १० तथा १५ सु मार लीयो।

५८. रा० सुरताण नुं षबर हुई नहो ता पैहली[10] नवाब नुं षबर हुई। जगो किणो हीदू मारीयो। नबाब आप चढ उठै आयो। सारो सूबा री साथ चढ आया। रा० सुरतांण चढ आयो। नबाब पूछीयो–थे कुण छो ? तरै रा० बीठळदास सी० चांपै कह्यो–म्है रा० सुरतांण जैमलोत रा चाकर छां। नबाब बोहोत राजी हुवो। जगा रतना रा माथा बाढीया नै सेहर माहे नबाब लायो। सेहर माहे लायक आदमी था तिणा नु इणा री हकीकत पूछी। सेहर रा लोग कह्यो—पातसाह री बडो परताप, नबाब रो बडो भाग, आज जगो रतनो मारता पातसाहजी रै गुजरात षरी रस पड़ी[11]। रा० बीठळ-

1. साबरमती। 2 दुनिया। 3 भागी हुई। 4 फ ज। 5. छिपा रहे जैसा नही है। 6. पहिचानते नहीं है। 7. दिखाई दिया। 8 मुहावरा—बात करते समय लगा इतनी देर मे। 9 इन्होने उन पर हमला बोल दिया। 10. उससे पहले। 11. पुरी तरह कब्जे मे आई, अधिकार का आनन्द देने लगी।

दास नुं नबाब फरमायौ—थांहारी अरज होय सु करो, तिकुं हू पातसाहजी सुं अरज कर नै थांनु दराउं तरै रा० बीठळदास चापे अरज की—म्है रा० सुरतांण जैमलोत रा चाकर छां, नवाबजी राजी हुवा छौ तो राठौड़ सुरताण नु मेडतौ दियौ[१]। तठा पछै नबावजी दीरायौ।

५९. संमत १६४२ रा फागुण सुदी ३ इणा री बसी मेडते आई। संमत १६४६ रा० सुरतांण काळ कीयौ कहै छै। आधौ सुरताण नु मेडतो हुतौ। आधौ रा० केसोदास जैमलोत नु हुतौ। रा० सुरताण रा मांणस मेड़तै सहर माहै कोटडी तठै रहता। नै रा० केसोदास रा मांणस मालकोट में रहता। संमत १६४६ रा सुरताण काळ कीयौ। मेड़तो बलभदर नुं सुरताण री तागीरी हुवौ।

६०. संमत १६५३ रा बलभदर सुरतांणोत काळ कीयौ, मेडतो रा० गोपाळदास सुरताणोत नु सुरतांण रै बांटे[1] हुऔ। नै केसोदास री बाट केसोदास भोगवै छै। समत १६५६ दिषण माहे बीड सहर बार सिरदार पातसाही फौज मे सेरषां जोधा[२] तिण नै चादबीबो रै लोग सुं बेढ हुई। पातसाही फौज हारी। तठै रा० गोपाळदास सुरताणोत रा० केसोदास जैमलोत राठौड़ दुवारकादास जैमलोत तोनै ही मेड़तीया काम आया। कछवाहा राजा जगनाथ रौ बेटौ मनतुप[३] पिण उठै काम आयौ छै। आ लड़ाई बीड सहर रै बारै नदी छै तिण ऊपर हुई छै। का० मनतुप री छतरी छै[2]। बेढ हारी, सेर षौजो नास नै पाछौ कोट माहे पैठौ। पछै रा० गोपाळदास रौ हेसौ आध रौ रा० जगनाथ गोपाळदासोत नु हुवौ नै रा० केसोदास आध कान्हदास[४] केसोदासोत नु हुवौ।

---

१. दीरावो। २ सेरषोजो थौ। ३. मनरूप। ४. कनाईदास।

---

1. सुरतान के हिस्से 2. स्मारक बना हुआ है।

६१. तठा पछै रा० जगनाथ गोपाळदासोत नै कछवाहौ राजा रामदास उदावत अदावद[1] हुई। तरै संमत १६५८ री उनाळी सु जगनाथ री बट आधौ मेड़तो अकबर पातसाह राजा सुरजसिंघ नु दीयौ। आधौ रा० कान्हीदास केसोदासोत नुं हुतौ। तिणा दिन कान्हीदास रा मांणस सेहर री कोटड़ी रहता। राजाजी रौ कामदार मालकोट माहे रहतौ।

६२. पछै रा० सं० १६६१ रा० कान्हीदास काळ कीयौ। पछै मेडतीया बडा-बडा ठाकुरां असवार २००० साथ लेनै' दरगाह गया। इन्दरभांण नुं पातसाहजी कबूल कीयौ नही। पछै संमत १६६१ रा० कान्हीदास रौ ही आध राजा सुरजसिंघ नुं अकबर पातसाह दीयौ। तिको राजा सुरजसिंघजी जीवीया तठा सुधो[2] मेड़तौ रहौ।

६३. समत १६७६ रा भादवा सुदि ९ महैकर काळ कीयौ। राजा गजसिंघ नुं जोधपुर रौ टीकौ हुवौ। तरै मेड़तो तागीर हुवौ। साहेजादौ पुरम नु माल घासमारी था हुवौ। अबु अमीन होय आयौ। कीरोडी एक हाजी इतबारी दूजो मीरसकारे[३] हवाले आधो-आध परगनो सोपीयौ। बरस २ अबु री हाकमी रहो। पछै समत १६७८ रै बरस था साहाजादे षुरम सारौ परगनो आपरा चाकरां रजपूता नु जागीरी माहे बाट दीयौ सु बरस २ रह्यौ। समत १६७९ रा वैसाष तहल, विगत गावा री—

६४. २०४ गांव सु कसबौ तौ राजा भीम अमरावत सीसोदीया नु दीयौ। राजा भीव आप मेड़ते आयौ। समत १६७६ रा काती सुदि १५ अवु मेडतै आंण अमल कीयौ। अवु काबौ अमीन कीरोड़ी २ साथै हुता। तिण रै हवालै पटी ५ हाजी इतवारी रै—१ हवेली १ अणदपुर १ फलदु १ माडरौ १ राहण। मीरसकां रै हवालै

---

१. पो तो कपूत सो (अधिक)। २. सफारे।

---

1. द्वेष। 2. तब तक।

पटी ४ हुई—१ रेयां १ मोकालो १ देधाणो १ अलतवी। बरस २ अबु रौ हवालौं रहौ। समत १६७६ समत १६७७ ऊपना—

३२५०००) समत १६७६, ४७५०००) समत १६७७, समत १६७९ रा जेठ मै पातसाह जांहांगीर अजमेर आयो। षुरम फिरीयौ[1] तरै मुदार सारी परवेज ऊपर धरी। तरै मेडतौ परवेज नुं दीयौ। फौजदार सादत वेग कीरोड़ी सेष ऊपर जेठ मे आयौ। समत १६८० घासमारी[2] लीवी[1]।

रा० भीव कीलांणदासोत नुं गांव अणंदपुर।

रा० प्रथीराज बलुवोत नुं रैयां।

रा० महेसदास दलपतोत नु बडालो।

रा० ईसरदास कीलांणदासोत नु रोहीसो।

६५. समत १६७६ री माल घासमारी राजाजी रा जागीरदार लीवी थी तिण रै मामलै रा० राजसिंघ षीवावत अबु कन्है आय दिन २० मेडतै रहा। रुपीया ५०,०००) पचास हजार रोकड देनै मु० वेला नु अबु कन्है राषीयौ थौ। को चाकर वेला रै अबु रै बेढ हुई थी, मोनु फारकती[3] करदे तरै फारकती कराय ले आयौ।

६६. तठा पछै संमत १६७९ रा फागण में षुरम साहिजादौ पातसाह जाहागीर सु फिरीयौ। श्रीजी देस मांहे हुता। पातसाह षुरम रै बेढ दिली नजीक हुई। उठै मोहोबतषां कीवी। राजा वीकमादीत बाभण माराणौ। षुरम भागौ। जाहागीर पातसाहि अजमेर नु आवतौ थौ, माहाराजा श्री गजसिंहजी चाटसु कन्है जाय पातसाह

१. इबारत के क्रम मे दोनों प्रतियो मे भिन्नता है।

1. विमुख हो गया। 2. जमीन का कर विशेष जो पशुओं की चराई के आधार पर लिया जाता था। 3. हिसाब का निपटारा।

जांहांगीर सुं मिळीया । मुलाजमत कीवी । पातसाह अजमेर आया । उठै सु साहजादा परवेज नुं वळे आहद कर नै नवाब मोहोबतषां मुहडै आगै मुदाइत कर षुरम वांसै विदा कीया । तद नबाब राजाजी री घणी सुपारस कर नै हजारी जात असवार इजार इजाफौ करायौ । मुनसब बधीयौ । नबाब परवेज साथे लीयौ । पिण तलब भरपाई नही । तिण समै रुपीया ६७५००) माहे फळोधी पाई नै अजमेर रा सोबा रा षालसै रा परगने रा सार साहजादै परवेज नु हुवा । तिण माहे मेड़तौ ही परवेज नुं हुयौ ।

६७. पछै मेड़तौ साहाजादौ परवेज सैद नुं जागीरी मांहै थौ[1] । तरै नबाब बीच रा० राजसिंघ षीबावत नु राजाजी वेळा ४ तथा ५ गाढपुर कहाडीयौं–इतरा दिन म्हे राजा सुरजसिंघजी री षाटी षाई, षाय नै सारी जमीयत राषी हुती । जु म्हानुं नबाब सुहारे[1] मेड़तौ दीरावै छै । सु यांहरा रजपूत मेडता री उमेद माथै मांहां कनै इतरा दिन रहता था । हिमैं माहारै रजपूते दरबार माहे सुणीयौ साहाजादो मेड़तौ किणी और नुं देवै छै, सु मांहारा रजपूत सारा परा जाय छे[2] । नै मांहांरौ मुनसब नबाबजी इजाफे करायौ छै तिण री म्हे तलब पाई ही न छै । पछै नबाब साहिजादे परवेज सु अरज कर नै साहिजादैजी तरफ सु मेडतौ दीरायौ । तालीको लिष दीयौ । राजाजी तालीको देस नु चलायौ । पछै रा० कान्ह षीवावत भडारी लूणौ तालीको ले मेडते आया । आगे परवेज रा आदमी मेड़ता मांहे हुता तिणां एक बार उजर कीयौ[3] । पछै रा० कान्ह भंडारी लूणै उण बीच आदमी फेर नै कुही देई-लेई[4] उणा नै सीष दीवी । समत १६८० रा भादवा वदि ८ अमल कीयौ । दरगाही मुनसब मैं न पायौ[5] । साहाजादा री आपरी तरफ सू रुपिया २,०००,००) मांहे दीयौ, दांम ८००००० ।

---

१. साहजादा नू जागीर मे देतो थो ।

---

1 फल ही, शीघ्र ही । 2. चले जा रहे है । 3. आपत्ति उठाई । 4. दे ल कर । 5. बादशाह की ओर से प्राप्त नही हुआ ।

पटी ४ हुई—१ रेयां १ मोकालो १ देधाणो १ अलतवी। बरस २ अबु रौ हवालौ रहौ। समत १६७६ समत १६७७ ऊपना—

३२५०००) समत १६७६, ४७५०००) संमत १६७७, संमत १६७९ रा जेठ मै पातसाह जांहागीर अजमेर आयौ। षुरम फिरीयौ[1] तरै मुदार सारी परवेज ऊपर धरी। तरै मेड़तौ परवेज नुं दीयौ। फौजदार सादत वेग कीरोड़ी सेष ऊपर जेठ मे आयौ। समत १६८० घासमारी[2] लीवी[1]।

रा० भीव कीलांणदासोत नुं गांव अणंदपुर।

रा० प्रथीराज बलुवोत नु रैयां।

रा० महेसदास दलपतोत नु बडालो।

रा० ईसरदास कीलाणदासोत नु रोहीसो।

६५. समत १६७६ री माल घासमारी राजाजी रा जागीरदार लीवी थी तिण रै मामलै रा० राजसिंघ षीवावत अबु कन्है आय दिन २० मेडतै रहा। रुपीया ५०,०००) पचास हजार रोकड देनै मु० वेला नु अबु कन्है राषीयौ थौ। का चाकर वेला रै अबु रै बेढ हुई थी, मोनु फारकती[3] करदे तरै फारकती कराय ले आयौ।

६६. तठा पछै संमत १६७९ रा फागण मे षुरम साहिजादौ पातसाह जाहागीर सु फिरीयौ। श्रीजी देस माहे हुता। पातसाह षुरम रै बेढ दिली नजीक हुई। उठै मोहोबतषा कीवी। राजा वीकमादीत बांभण माराणौ। षुरम भागौ। जोहागीर पातसाहि अजमेर नु आवतौ थौ, माहाराजा श्री गजसिंहजी चाटसु कन्है जाय पातसाह

---

१. इबारत के क्रम मे दोनों प्रतियो मे भिन्नता है।

---

1. विमुख हो गया। 2. जमीन का कर विशेष जो पशुओ की चराई के आधार पर लिया जाता था। 3. हिसाब का निवटारा।

जांहांगीर सु मिळीया। मुलाजमत कीवी। पातसाह अजमेर आया। उठै सु साहजादा परवेज नुं वळे आहद कर नै नवाब मोहोवतषां मुहडै आगै मुदाइत कर षुरम वासै विदा कीया। तद नबाव राजाजी री घणी सुपारस कर नै हजारी जात असवार हजार इजाफो करायो। मुनसब बधीयो। नबाब परवेज साथे लीयो। पिण तलव भरपाई नही। तिण समै रुपीया ६७५००) माहे फळोधी पाई नै अजमेर रा सोबा रा षालसै रा परगने रा सार साहजादै परवेज नु हुवा। तिण मांहे मेड़तो ही परवेज नु हुयो।

६७. पछै मेडतो साहाजादो परवेज सैंद नु जागीरी मांहै थो[1]। तरै नबाब बीच रा० राजसिंघ षीवावत नु राजाजी वेळा ४ तथा ५ गाढपुर कहाडीयो–इतरा दिन म्हे राजा सुरजसिंघजी री षाटी षाई, षाय नै सारी जमीयत राषी हुती। जु म्हानु नबाव सुहारे[1] मेड़तो दीरावै छै। सु यांहरा रजपूत मेड़ता री उमेद माथै मांहा कनै इतरा दिन रहता था। हिमैं माहारै रजपूते दरबार मांहे सुणीयो साहाजादो मेड़तो किणी और नुं देवै छै, सु मांहारा रजपूत सारा परा जाय छै[2]। नै माहारो मुनसब नबाबजी इजाफे करायो छै तिण री म्हे तलब पाई ही न छै। पछै नबाब साहिजादे परवेज सु अरज कर नै साहिजादैजी तरफ सु मेडतो दीरायो। तालीको लिष दीयो। राजाजी तालीको देस नु चलायो। पछै रा० कान्ह षीवावत भडारी लूणो तालीको ले मेडते आया। आगे परवेज रा आदमी मेडता माहे हुता तिणा एक बार उजर कीयो[3]। पछै रा० कान्ह भंडारी लूणै उण बीच आदमी फेर नै कुही देई-लेई[4] उणा नै सीष दीवी। समत १६८० रा भादवा वदि ८ अमल कीयो। दरगाही मुनसब मैं न पायो[5]। साहाजादा री आपरी तरफ सू रुपिया २,०००,००) माहे दीयो, दांम ८०००००० ।

---

१. साहजादा नू जागीर मे देतो थो।

---

1. कल ही, शीघ्र ही। 2. चले जा रहे है। 3. आपत्ति उठाई। 4. दे ल कर। 5. बादशाह की ओर से प्राप्त नही हुआ।

६८. तठा पछै बरस २ नबाब महाबतषान दिषण परवेज रै मुहडा आगै[1] थौ सु पातसाह जाहागीर नु षुरासाणीये भषाई नै[1] उठा सु उरौ तेडायौ। पातसाह री हजूर सु समत १६८२ उमराव सारा नु फरमान ले फदाईषान बीरानपुर आयौ। साहजादो सारा उमराव नबाब साथे चालण नु तयार हुवा। बारै डेरा आय कीया। राजाजी डेरै बैठा रहा[1]। तरै साहजादो सारा उमराव बोहोत भलौ मनायौ। दरगाह नु चालीयौ तरै श्रीजी नु कही नै रा० राजसिघजी नु फिदाईषान साथे ले लाहोर गयौ। फिदाईषान लाहोर जाय मुलाजमत करी। रा० राजसिघ षीवा‍त्रत नु श्रीपातसाहजी रै पावा लगायौ। राजसिघजी री फिदाईषान बोहोत तारीफ कीवी। तिण समै षोजौ अबदलहसन[2] पातसाही दीवानी कचेडी छै। षोजै अबदलहसन मुनसब रौ हिसाब कर नै पातसाहजी सु मालम कीयौ—मेडतो राजाजी नु दरगाहो मुनसब माहे दीयौ न छै। महोबतषान रायत[3] कर नै साहिजादा कना दीरायौं छै। मेडतो तागीर मे लिषीयौ। पछै फिदाईषान पातसाहजी सु मालम कीयौ—राजाजी मुजरौ कीयौ हुतौ, इजाफा रौ उमेदवार हुतौ[2], तठै सामो मेडतो कासु समझ तागीर करौ छौ? तरै पातसाहजी अबलहसन सु फेर-फेर कर हुकम कीयौ। मेडतो बरकरार रषायौ, दाम लाष २०००००० माहे नै रुपीया ५००००) इजाफै हुवा। इण नरै कर मेडतो रुपीया २५००००) अढाई लाष माहे हुवौ।

६९ तठा पछै संमत १६८९ नबाबषांन[4] नुं बीजापुर ऊपर साहजहा पातसाह घणा हीदू मुसलमान साथे मेलीयौ। तद राजा राजसिघजी नु पिण असपषान साथे मेलीया था सु असपषान नै

१ तरै साहजादो उमराव सारा पाछा आया (अधिक)। २. अबलहुसेन। ३. रवायत। ४ आसबषान।

1. वहका कर। 2. मनसब मे वृद्धि का उम्मीदवार था।

राजाजी वणत न हुई। असपषांन पाछो आयो, तरै श्री माहाराजाजी री घणी गिलो कीयो[1]। तरै धरती सारी माहे इजाफो कीयो[2]। तरै दाम २०००००० इजाफो वळे मेड़ता माथै कीयो। सारी रेष दांम १२०००००० तिण रा रुपीया ३००००००) हुवा।

७०. समत १६९४ रा जेठ सुदि ३ राजा गजसिंघजी काळ आगरै कीयो। सनत १६९४ रा आपाढ वदि ७ पातसाह साहजहां राजा श्री जसवतसिहजी नु जोधपुर रौ टीको दियो। तिण दिन दाम लाष २०००००० वळे मेड़तै ऊपर वधीया[3]। तठै दाम १४००००००० हुवा। तिण रा रुपीया ३५००००) हुवा।

७१. परगने मेडता री चक[4] समत १६३० कीरोडी कर मूळै मापीयो थी। सु कानुगै रूपचंद हरदस मडाई। मेडते लारै धरती बीघा लाष २६१२९५६[1] तिण माहे बाद रा पहाड सोर जंगळ नदी नाळा बीघा २१५४३०[2]। बाकी जराईतो लाइक बीघा लाष २३९६४२५[3] तिण री विगत—

१२७२१	गाव षेड़े रा	४५७८५॥१	हीदच
१५६८७॥२	नाळा षोहळो	२४१३८॥१	सोरकलर
१३३४१	नदो	३७२५	सोगदतो[4]
२३९६४२५॥।३[4]	जराईती[5]	७६९	चाहकुडो
२०३२।४	राह	३६३९९[5]	पाहड़ी
११९२१	थळी		

१ २६१२९५८। २. २१६४३०। ३. २१९६४१। ४. २३९६४१५॥।३। ४. छागदातो। ५. ५६३९९।

1 खूब बुवाई की। 2. कर की रकम बढादी। 3. बढे। 4 जमीन का हिस्सा। 5 कृषि योग्य भूमि।

७२. पटी वार धरती बीघा तिण री विगत—

आसामी	जुमलो	बाद	हासलीक[1]
कसबे मेड़तो तथा हवेली	१२५०५०	१३१६१	१११८८९
तफै अरणदपुर	३४४८३०	४८८४८	२२५९२२
,, कलरो	३३८३१५	४४९९९	२९३३१६
,, मोकालो	३९१८४३	३१९२९	३५९९१७
,, राहण	३१६६३०	८४४९	३०८१८१
,, मोडरो	२७६११६	१३७५१[१]	२६२३४६
,, अलतवो	१९४९०६	७३५७	१८७५४९
,, देघांणो	२७२८६७	१३५८३	२५९२८४
,, रेया	३५२३५७[२]	३३६०७	३१८७९०
	२६१२९५८	२१५७०४	२३९७५२४

७३. परगने मेड़ता रौ कुल सालीणो —

जमै रुपीया बैठा	आसामी
२९५०१८	समत १७०१
३८१९०८	संमत १७०२
३३४३९४	समत १७०३
२०७८३२	संमत १७०४
१६५५९७	संमत १७०५
२७३३०७	संमत १७०६

१. १३७७१ । २. ३५२३९७ ।

1. कर वसूल करने लायक ।

१६६३६७	समत १७०७
२९१७४२	संमत १७०८
३२४६२५	समत १७०९
१८४१३७	समत १७१०
३४८३२५	संमत १७११
१८३४१५	समत १७१२
२५७१६९	संमत १७१३
२४६४११	समत १७१४
१६९५२०	संमत १७१५
५१२०००	संमत १७१६
५५२३०९[1]	समत १७१७
५७१३०१	समत १७१८
३२८५७६	समत १७१९
१६०५५०॥)	समत १७२०

७४. परगने मेडता री तफा वार कुल सालीणी—

आसामी	जुमलो	हवेली	आणदपुर	मोकालो	फलरू
स० १७०१	२९५०१८)	२२०५१)	४९५३५)	३७७२३)	२१८९२)
सं० १७०२	३८१९०८)	२८४२३)	६८७७७)	४७२००)	२८८०२)
स० १७०३	३३४३९४)	१९२७०)	७५५८२०)[2]	३३३३४)	१९०३०)
सं० १७०४	२०७८३२)	१२५२७)	५९२६८)	११०९४)	४९५५)[3]
स० १७०५	१६५५९७)	८७५१)	५०७४०)	७३८९)	२५५१)
स० १७०६	२७३३०७)	१७६६३)	५८२८३)	३३७९९)	१२५३४)
स० १७०७	१६६३६७)	९५४४)[4]	५५०९९)	११५०७)	२९१७७)
सं० १७०८	२९१७४२)	१८७४७)	७४९५१)	२९३५९)	१४०७१)
स० १७०९	३२४६२५)	२६२२७)	६७६२५)	४१९९१)	१९८२०)

१. ५५२३०२)। २ ५७८०२)। ३. ४९९५०)। ४. ९५२४)।

स०	१७१०	१८४१३७)	१४५२६)	५६७५४)	१५०७४)	७५०७)
सं०	१७११	३४८३२५)	२४१३५)	६३८॥४)	४३८२६)	२२९३८)
स०	१७१२	१८३४१५)	१९६६२)[1]	३८११८)	१९७३४)	९७१३)
सं०	१७१३	२५७१६९)	१९६२८)	४८५७१)	४३२४५)	१७४५४)
स०	१७१४	२४६२११)	१८८८५)[2]	४७२२८)	३९००५)	१६५२५)
स०	१७१५	१६९५२०)	१४५०१)	३९८५६)	२५०११)	८७६७)
सं०	१७१६	४७९९६५)	३३२३५)	४२५९४)	५९५१०)	३६६२७)
स०	१७१७	५१३३२१)	५१९६)	१३३२४०)	३६२३०)	१७०८१)
स०	१७१८	५४७०७१)	२२२४०)	९६०२०)	७७७३०)	४६१२५)
स०	१७१९	३२८५७६)	१७२२१)	६१३९०)	३४९७१)	१९३९६)
स०	१७२०	१३६९०३॥)	४९८१)	४३७५२)	४७६३॥)	१५९६)
स०	१७२१	१८१६२६)	७५९०)	३१४५४)	१९३६७)	१११९९१)

७४. मेड़ता तफा वार कुल सालीणी —

रेहण[3]	मोडरो	अलतवो
१८३८४)[4]	१३३४)[5]	१६५१४)
२९०२६)[6]	५५५५)[7]	१८००५)
१५०६९)[8]	४५३८२)	१६१८२)
४३७०)[9]	२३१९२)	१११९८)
२०८४)	१३०४०)	८०१०)
१००६८)	३०११५)	१५५५२)
२३६२)	८७९०)	८२२२)[10]
१२२०७)	२९५७४)	१७२०१)
१८९८८)	४४६१३)	२०५२९)[11]
८००७)	२०७९८)	१२१०५)

---

१ १९६२९)। २. १८८६५)। ३. रायण। ४. १९३४४)। ५ ४१३३४)। ६ १९०२६)। ७. ५५५५५)। ८. १५०९६)। ९. ४७७०)। १०. ८४२२)। ११. २०५३९)।

रेहण	मोडरो	अलतवो
१८२६५)	५३५३६)	१८७२४)
५४०६)	२५०६३)	७५७०)
९४२०)	३१३०६)	१९३३१)
११७९२)	३१८६६)	१५३६१)
५२३३)	१३४५८)	१३४७९)
३२८३६)	८०९०१)	२०९०५)
१३३६९)	७२५१२)	३१२२४)
३२०९५)[1]	७३९५४)	३३२४२)
२२०२५)	४३५७४)	२०४७८)
२०१४)	७८७८)	१००४८)
९२३१)	२२७२८)	१५३०५)

देघाणो	रेयां
४०४२७)	४७१८८)
२६२५०)[2]	६९८७०)
४१७४८)	६८६२७)
२४९५२)	५६३००)
१४४२५)	५८६००)
३३२२६)	६२०५७)[3]
१४२७४)	५३४८२)
३२०२२)	६३६०९)
३८७२५)	६६०९७)
२०८४४)	४८५२१)

१. ३२०९४)। २. ४६२५०)। ३ ६२०५०)।

३७०२१)	६६२१६)
२०४८२)	३७६६६)
२२८२२)	४५३५१)[1]
२११५३)	४४६१६)
१७५२६)	३३६८६)
५१०१५)	८२२४३)
७५६२५)	१२८८४७)
६०८७३)	१०४७६२)
३६६२३)	७२६६७)
१२७३३)	४६१३८)
२६१६६)	३८७६४)

७५. परगनौ मेड़तौ खालसै हुवौ छौ तिण री टीका–

जमै रुपिया	आसांमी	जमै रुपिया	आसांमी
१०५२६२)	सं० १६६२	१२३८३५)[2]	सं० १६६३
१५२४५१)	,, १६६४	११५४७६)	,, १६६५
१६१८४६)	,, १६६६	१३५५८)[3]	,, १६६७
१२४४३५)	,, १६६८	१४२८४५)	,, १६६९
१४५१८२)	,, १७००	१३८१६१)	,, १७०१
२०८६०१)	,, १७०२	१८७१५०)	,, १७०३
१११६६८)	,, १७०४	८६४२५)	,, १७०५
११६६६६)	,, १७०६	७३७४६)	,, १७०७
१६६३५)[4]	,, १७०८	१३६०८०)	,, १७०९
८४६७०)	,, १७१०	१८७४०६)	,, १७११

१. ४५३६१)। २ १२३०५३)। ३. १३५५८०)। ४. १०६६३५)।

११०४६६)	सं० १७१२	१५२४१६)	सं० १७१३
१२४७६०)	,, १७१४	६८७३२)	,, १७१५
१६१३७०)	,, १७१६	१४२३७७)	,, १७१७

रायण	मोडरो	अलतवो	देघाणो	रेयां
२०१४)	७८७८)	१००४८)	१२७३३)	४६१३८)
६२३१)	२२७२८)	१५३०५)	२६१६६)	३८७६४)

७६. परगने मेड़ता री बसती संमत १७२० रा काती मांहे मु० नैणसी मांडी, तिण री विगत—

२५१२ माहाजना री लाहण–

२१५८ बाणीया–

१३७१ ओसवाळ

५५१ महेसरी

१६१ अगरवाळ

७५ षडेलवाळ

२१५८

३५४ बीजी जात लाहण[1] भेळी पावै–

२८२ भोजग

४० षत्री

२८ भाट

४ निरतकारी[1]

३५४

२५१२

१ लाहीण।

1. नाचने गाने का पेशा करने वाले।

६६९ बांभण सारी न्यात–

८२ पोकरणा
१३ राजगुर
४२ गूजर गौड़
१४० पारीक
५४ दाहमा
४४ सारसुत[1]
७ संषवाळ उपाधीया
१०५ सिरीमाळी[2]
१४ गुजराती
५० गौड़
७ सनावढ[1]

६६९

५३ कायथां[3] रा घर तेपन छै–

४२ बीसा, ७ दसा, ४ भटनागर।

१ षत्री तोडरमल

१९० रजपूत

२९२ सीपाई–

३१ पठांण
१२४ तुरक सिंवधी[2] तोपची
१२६ देसवाळी
११ काजी

२९२

१. सनावड। २. तरकसबंध।

1. सारस्वत। 2. श्रीमाली। 3. कायस्थ।

८ गेरू तबाब ईसर रा बेटा।

२१२४ पवन जाती

११४	दरजी	१८२	माळी
६१	सोनार	६१	सोनार
६७	नाई	६२	तेली
१०	नीलगर	३१	कलाळ
१२	सिकलगर	५१	छीपा
१०	षेलवार	८१	काहार
२७	कसारा ठठारा	११	लोहार
५४	षाती	३३	घोसी
२३	तबोळी	१३७	मोची
२०	साबणगर	३०	जटीया वणगर[2]
३४	कुंभार	६०	भड़भूजा
१८	गांछा	६	तीरगर
३५	बाजदार	११	लषारा
११	भरावा	५७	पीजारा
३८	सिलावट	१०	घांची
१११	धोबी	२१	सोदागर
३	नाळबंध	६	षराधी
२९३	जुलाहा	१०५	मुलतांणी
४४	कसावगर	२	तबाब
१७	कुंजडा	५०	डाकोत
२	चीतारा[1]	८	हमाल

1. चितारे। 2 कपड़े बुनने वाले।

१	बाजीगर	४	भड़ीहार
४	बाबर नाई	१	सरगरो
४५	षटीक	४५	वळाई वणगर
२६	जटीया अधोडी रगे		
२१	नगर-नायका[1]		
७	आचारज षंपण-षोसा		

२१२५

११ फकीर घरबारी[2]

७७. १[मेड़ते री बसती री गोसवारौ संमत १७२० काती बद १० सुधी[3]—

आसांमी	जुमले	बसता	छांड गया
बांभण	६६६	६५७	१२
महाजन	२५१२	२५१२	०
कायथ	५४	५४	०
बीजी जात	४६०	४७६	११
पवन जात	२१२५	१६४५	१८०
फकीर	१०	१०	०
	५८६०	५८५७	२०३]

७८. परगनै मेड़ता रा कानुगोवां रै पटी इण भात उणां रै छै—

१. 'ख' प्रति का अंश है।

1. वेश्याएं। 2. घर गृहस्थी। 3. तक।

१॥ पटी पंचोळी रूपचंद सूरजमल भीवाणी रै

॥ हवेली

॥ राहण[1]

॥ अणंदपुर

१॥

१॥ पटी पंचोळी हरवंस माणक भंडारी रै

कलरू[2]

॥ रेया

१॥

४ पटी छतरसिंघ जादवदास जोगीदास अणंदीदास रां री-

३॥ पटी तौ हेंसै ३ बराबर—

१ बटी छतरसिंघ

१ जादवदास, जोगीदास

१ अणदोदास

३ हेंसै

पटी ३॥ विगत हेसै ३—

॥ पटी रेयां री जोगोदास[3] पावै, मुहम षिजमत[1] कर-

४

१ पटी कानुगो करमचंद गंगाराम पावै, क्षेघाणो।

१. रायण। २ कलरो। ३ जादुदास।

1. फौज मे नौकरी देता है।

१ पटी कानुगो गुजरमल रा बेटां पोता रै पावै, मोकालै—

॥ मोकालो भारमल

॥ लिषमीदास जीवराज पिरथीराज[1]

१ पटी मोकालो

९ पटी इण भात बाटी छै।

परगने मेड़ता रो अमल दसतूर[1]

७९. समत १६९१ रा राजा श्री गजसिंघ रै अमल में लेत घासमारी—

असल जमें इण भांत प्रत रु० १) दुगणी ४०

गाय १	दुगणी ५		
भैंस १	दुगणी १०	३॥)[2]	
बरठो १	दुगणी ४		
झोटे[2] १	दुगणी ८		
छाळी[3] गाडर[4] १	दुगणी १		
झूपी	दुगणी १५		

घासमारी री ऊपरले लेषै कोई पईसा हुवै तिण रा रु० १०० लार रु० ५॥), पेहला सही पनरोतरा[5] लेता, संमत १६९२ सह अठोतरा छोडी, समत १७०८ सही तीड़ोतरा छोडी ४) षरच चीड़ तरा १॥) रोकड़ी।

५॥

१. भारमल। लिषमीदास। जीवराज। प्रिथीराज। २. रु० ।)।

1. नवीन राज्याधिकार स्थापित होने के अवसर पर लिया जाने वाला कर। भैंस की बच्ची, छोटी भैंस। 3. बकरी। 4. भेड। 5. १०५). सौ रुपये पर प रुपये।

साष षरीफ सीयाळू ।

भोग आध बटाई ।

फीयाली कहूण नु सं १ रु० ६।, पिण ७।। लै छै[1] ।

रोकड़ी सीयाळू लारै ।

कडबी भोग सं० १ द० १ रु० १००) रु० २।।) ।

कडबी रा रुपियां लेषे कीया हुवै तिण रुपिया १००) प्रतसही[1] दोढोतरा रुपया १।। ।

८०. जबती—

पीयल वणी वीघे १ रुपयो १।=)

तरकारी वीघे १ रुपियो १।=)

बण वीघे १ रु० ।), षरच लागतो, रु० समत १६६२ छूटी ।

काचरे वीघा १ रु० ।) दां० २।।) ।

षरच भोग रै रु० १००) सहीसतोतरा[2] हुतो । समत १७०८ राजा जसवतसिंघजी सहीतीड़ोतरा छूट कीया, बाकी सहीतीड़ोतरा वाजे रकमा षरड़ा री साष वडै गांव १ ।

२०) बळ रा तथा २५) । षळा ऊठतां घुघरी दे[2] ।

५) दोत पूजा[3] ।

५) पाठा कागळ[4] ।

२) षरड़ा रा[3] ।

३६

१ अषसेरीणो कहेक लै ('ख' प्रति मे अधिक) । २. १०७) । ३. ५) सुष उदोषी, १) फड उपाडणी, १) पोतदार (अधिक) ।

1. प्रति सैकड़ा । 2 अनाज निकालने का काय पूरा कर लेने पर कुछ अनाज लगान के रूप मे देते है । 3. दवात-पूजा । 4. कागज आदि के ।

तिण रा संमत १७१४ असाढ मे बडै गांव रु० १०), छोटै गांव रु० ५) कीया।

१ भरोती साष रो रु० १)
१ घाणी रु० १।।।≡)
१ चोहा[1] रु० ।=)

कणवारीयां री लागै। पेटीयां आटो घीरत पावै। भोग वण १) सेरड़ा, ताली १ दुगोणी ६, बटै जाई दुगोणी ३, लबायचै रा दु० २) छूट नवै थान[2] री दु० बोरा दु० २) छूटा।

साष ऊनाळू—

भोग

सेंवज पांच दुवा लार कांई नहीं।

कयाली सेंवज पीयल दोनुं लेवै।

पीयल हेंसो ३ लार म० १) भोग सेर १॥।

रोकड़—

अफोण[1] वीघै १ रु० २॥) २।

षरबूजे वीघै १ रु० १)

तरकारी वीघै १ रु० १।=)

इण रेष रड़ंकीया रु० १००) रुपिया ८॥) लागता। तिण मैं सईतोडोतरा[3] समत १७०८ छूटी। सही साढ पीचोतरा रुपिया ५॥) हिसे दै छै।

---

१. वीहाव। २ थान। ३ १०३)।

---

१. अफीम।

भरोती रुपिया १)

भोग रा रुपिया सही १०७) लागै। तिण मां सही १०३ समत १७०८ छूटी। बाकी सही १०४ लागै छै।

कणवार[1]—

भोग मण १ लार सेर ऽ१

ऊरी ताली १ सेर ऽ५

बाजै रुपिया ३६ तथा ४० लागता तिण रा समत १७१४ रुपियां १० बडै गांव लीजै छै। रुपिया ५) छोटै गांव लीजै। बाकी छूट हुवा।

बाजै रकमां देसाई

८१. जागीरदार था गाव ऊतरै तरै तागीरात बळरा लेवै[1]।

पालेज दुंधरा बडे गांव रुपिया ६) लेता। हिमे ही बडै गाव ६)। छोटै गाव देष लेवै[2]।

षीचड़ो सदा जागीरदारा रै गांव लीजै छै। सालीना रु० ६००) तथा ७००) सारै परगने लीजै।

५) बडै गाव ४) तथा ३) तथा २) तथा १)।

पानचराई ऊटा, साढां दीठै[3] नग १ रु० १॥), जाट नै बिसनोई नग १ रु० ॥)।

पसायता डोहळीया[4] री षेत षड़ै करसौ तिको हळ १ नैं षालसा रा गांवां रो अणनीकळी कड़ब आध बाटाई बाट लीजै।

---

१ तागीर तलब कु लेता।

---

1. कणवारिये के खर्च के लिये। 2 गांव की आमदनी के अनुसार निश्चय कर लिया जाता है। 3. अनुसार। 4. ब्राह्मणों को दान मे दी हुई भूमि।

भोग पोंचावै तौ का न लागै[1], नै न्हीं पोचावै तौ दसकोसी[2] मण १) दुगोणी १) चौकोसी दुगोणी० ॥

८२. [[1] । राजा श्रीगजसिंघजी रा वार माहे इतरी रकम छूटी–

घासमारी ऊघरती जितरा रुपिया लेषै कीया हुता, तिण वासै दु० १००) लारै दु० १५) लागता । सु समत १६६२ सु १०८ राजाजी छोडी ।

जाबती–

वण रै बीघे १ लार दु० ।) षरच रौ लागतौ सु समत १६६२ राजाजी छोडीया ।

८३. राजाजी जसवतसिंघजी री वार माहे इतरी रकम मेड़ता रैत[3] नु छोडी—

समत १७०८ मीयां फरासत देस रौ हाकम छै, तद पेहलौ रुपिया १००) वासै रु० ७) षरच रा लागता । तिण माहे रु० ३) छूट कीया । पछै रु० १००) वासै ४) लीजे छै ।

संमत १८१४ रा जेठ बद १२ मु० नैणसी नु देस री षिजमत[4] सूपी, तरै नैणसी श्रीमहाराजाजी सु अरज कर नै छूट कराई–

बासै साष-साष रौ षरड़ो हुतौ तरै साष १ इतरौ लागतौ–

सावणु षरड,

हुजदार री बळ, बडे गाव १ दीठ रु० २०) तथा २५)।

दोत पूजा ५)

कागळ-पाठ ५)

सुत अधोडी ५)

१ 'ख' प्रति का अंश ।

1. कुछ नहीं लगता । 2 दस कोस की दूरी पर । 3. प्रजा । 4 कार्यभार ।

फड उठावणी	१) रु०
पोतदारी	१)
षरड़ा	२)
	४४

ऊनाळू साष ४४)

तिण रा बडै गाव रु० १०), रु० ५) छोटै गाव कीया सु दोनू साषे लीजे छै ।

८३. संमत १७१८ रै वरस परगनो भा० राजसी सूजावत नु हुवौ । पछै माह फागण मे रैत दरगा जाय फिरीयाद[1] हुवा । तरै उकील मनोहरदास इतरी रकम छोडी, माहाराजाजी कबूल की थी ।

षरच से १०४ लागै छै, तिण मे सुं १०१) रु० छोडी, तीडो राळीजसी ।

कणवारीया री रकम दाती जुहारी वाली १ दु० ।६ लीजती सु छोडी थी ।

जाट रै साढ ऊंट रै नग १ रु० १॥) लागै छै सु सही लै ।

जागीरदारे सु गाव तगीर हुवै छै तरै तागीर रा बळ लै छै, सु नही लै ।

षेड षरच लागतौ सु बगसीयौ[2] ।

देवीदास कुल धरोत रौ ऊधराणो जागीरदार रै गांव जागीरदार रौ लोक करै तिण कनै कु लै छै, सु नहो लै, नै षालसा रौ और ठौड़ करण न पावै ।

जागीरदारा नु मेडते धांन पोंहचाय देसी ।

लाटी करण कामदार आवौ तरै आटौ, घो, दांणौ लागै सु लेसी । रोक[3] लेण कु न पावै ।

---

1. बादशाह से फरियाद की । 2. माफ किया । 3. रोकड़ ।

कडब अगले समै ही कु लेतां सु नही लै ।

पयादौ तेहसील जाय सु टंको १। रोज पावै इधको[1] लेणं नं पावैं ।

इण भात रौ कागळ संमत १७१८ रा फागण बद १ मु० नैणसी अेक वार लिष दीयौ थौ ।

८४. संमत १७१८ रा पौस मांहे गांव ५ तथा १० रा जाट पुकारू[2] गया हुता । तरै वांसै वडेरा मुकादमे तेड नै[3] उणां री मु० नैणसी इण भांत दिलासा करनै उण नु मनावण नु आदमी वांसै मेलीया था, पण उवे न आया ।

कागळ १ भा० राजसो रतनसी ऊपर लिष दीयौ थौ ।

कणवारीया रौ धांन भोग मण १ वांसै ऽ१ लागै छै सु मण १ वासै ऽ।। लेसी ।

साढ ऊंट रु० १।। लागै छै नग १ रु० १ छूट रु० ।।) लेसी, नै मुकाते कम नही दै ।

देवीदास रौ ऊधरांणो लागै छै सु षालसा रौ लागै । बीजो गांव करसी तौ सदा दै छै सु देसी, नै जागीरदार रौ लोग जागीरदार रै गांव करै तिण नु कु लागै नही ।

कडब कर वरे बरसतौ बांट दै छै नै सषरै समै ही कडब बंट नं नीकळी बांट लै छै, सु श्रीजी सु अरज करसां ।

तठा पछै समत १७१९ रा बरस मांहे गांव आकेली बावळले चांदारूण लवेरा रा जाट राहीण वळे भेळा हुय पोस माहे पातसाहजी कनै पुकारू गया । तिण समै दीवान राजा रुघनाथ छै । सु श्री माहा-राजाजी पण राजा रुघनाथ नु लिषीयौ—

जाट थका पुकारै छै, पुकारू आया छै, माहारै सदामद[4] लेता सु

1. अधिक । 2. फरियादी । 3. बुलाकर । 4 हमेशा, पहले से ही ।

लै छै। तरै राजा रूघनाथ आ हकीकत पातसाहजी सु मालम की। श्री पातसाहजी फुरमायौ, राजा हिसाब अरज करै छै। तरै दीवांन हाफज नासर ऊपर परवाना लिष दीया। राजा गजसिंघ रै अमल लेता सु तिण मे कु कम जासत हूरण पावै नही[1]। तरै जाट पाछा आया। अमीन कनै गया ही नही। पछै मु० नैणसी हीज समझाया।

उकील मनोहरदास रकम समत १७१८ रै बरस छोडी हुती सु सारी देणी की।

मु० नैणसी कणवार मे मण १) भोग वासै सेर १ लागी छै तिण मे ऽ।। छोडीयौ थौ सु देणौ कीयौ।

समत १७१४ रा असाढ माहे बाजे छोडी थी सु और राषी।

संमत १७०८ रै बरस सै० १०३) छोडी थी सु छूटी, और राषी।

८५. संमत १७१९ रा बरस थी इण रीत मेड़ते छै—

घास मारी

लागत असल दर			।४०
गाय	१	दु० ।।	।५
वरेठ	१	दु०	।४
छाळी गाडर	१	दु०	।१
भैंस	१	दु०	।१०
झोटे	१	दु०	।८
झूपी	१	दु०	।१५

बीजी लागत दु० १००) वासै से० १०५।।) ४) चीडोतरी कदीम[2] सौ से० ११५) हुती। तिण मे दु० ८) तौ से० १००) राजा गजसिंघ छोडीया वाकी रु० ७) रह्या था। समत १७०८ राजा जसवतसिंघजी

1. कम या अधिक न होने पावे। 2 पहले से चली आती हुई, पुरानी।

छोडीया से० १०३), हिमें से० १०४) छै।

१॥ दोढोतरा रोकड़।

साष सीयाळू फसल षरीफ—

भोग

आध बंटाई	। कयालो कहावत मे तो म० १ भोग वांसै से० ऽ। पण कुई थको लै।

रोकड़ लागै—

कड़बी

भोग मण १ दु०। १ कडबी रो।

मण १०० दु० २॥)

कड़बी रा रुपिया हुवै। तिण से० १००) रु० १॥)।

जबती—

पीयल वण वीघे १ रु० १=)

तरकारो वीघे १ रु० १=)

काचरा वीघे १० रु० ।=)

षरच भोग-भोग वासै से० १०४) जितरौ भोग हुवै। तिण उनमांन[1]।

बाजै साष १ रु० ४० लागता सु समत १७१४ रा सु बडै गाव १ साष १ रु० १०) नै छोटै गांव रु० ५)।

कणवार री रकम—

पटीयो पावे, भोग म० १ से० ऽ१।

---

1. उस अनुमान से।

वांटे जाय, रु० ।=), षळै ऊठतां कुं गूघरी दे ।
दांती जुहारी ताळी १ रु० ।६

भरोती रु० १) साष १
घांणी १ रु० १।।।=)
विहाव रु० ।=)

साष ऊनाळी फसल रवी—
भोग—
सेंवज भोग पांचा दुई लार कुं नही ।
पीयल भोग हेसे ३ लार मण १ सेर ऽ१।।
कयाली

रोकड़—
अफीण बीघे १ रु० २।।)२।
तरकारी बीघे रु० १।=)
षरबूजा बीघे १ रु० १)

जबती इण रै षरड़े कीयां रुपीया हुवै, तिण पहली से० १०८।।) लागती । हिंमे से० १०५।।) सें० १०३) छूटी ।
४) चडोतरी १।।) दोढोतरी

भोग रा उनमांन कीया से० १०४) लागै ।
भरोती रु० १)
कणवार री रकम
भोग म० १ सेर ऽ१, ऊरी ताली सेर ऽ५ ।

बाजे पहली रु० ४०) लागता, सु संमत १७१४ पछै बडै गांव १

छोडीया से० १०३), हिमि से० १०४) छै।

१॥ दोढोतरा रोकड़।

साष सीयाळू फसल षरीफ—

भोग

आध बटाई ।कयाली कहावत मैं तौ म० १ भोग वांसै से० ऽ। पण कुई थकी लै।

रोकड लागै—

कडबी

भोग मण १ दु०। १ कडबी रो।

मण १०० दु० २॥)

कडबी रा रुपिया हुवै। तिण से० १००) रु० १॥)।

जबती—

पीयल वण वीघे १ रु० १=)

तरकारो वीघे १ रु० १=)

काचरा वीघे १० रु० ।=)

षरच भोग-भोग वासै से० १०४) जितरौ भोग हुवै। तिण उनमांन[1]।

बाजै साष १ रु० ४० लागता सु समत १७१४ रा सु बडै गाव १ साष १ रु० १०) नै छोटै गाव रु० ५)।

कणवार री रकम–

पटीयो पावे, भोग म० १ से० ऽ१।

---

1. उस अनुमान से।

वांटे जाय, रु० ।=), षळै ऊठतां कुं गूघरी दै ।

दांती जुहारी ताळी १ रु० ।६

भरोती रु० १) साष १

घांणी १ रु० १।।।=)

विहाव रु० ।=)

साष ऊनाळी फसल रबी—

भोग—

सेवज भोग पांचा दुई लार कुं नही ।

पीयल भोग हेंसे ३ लार मण १ सेर ऽ१।।

कयाली

रोकड़—

अफीण बीघे १ रु० २।।)२।

तरकारी बीघे रु० १।=)

षरबूजा बीघे १ रु० १)

जवती इण रै षरड़े कीयां रुपीया हुवै, तिण पहली से० १०८।।) लागती । हिंमे से० १०५।।) सें० १०३) छूटी ।

४) चडोतरी १।।) दोढोतरी

भोग रा उनमांन कीया से० १०४) लागै ।

भरोती रु० १)

कणवार री रकम

भोग म० १ सेर ऽ१, ऊरी तार्गी सेर ऽ५ ।

वाजे पहली रु० ४०) लागता, सु संमत १७१८ पछे वढे गांव १

साष ग्रेक रु० १०) छोटै गांव ५) रु० ।

देसाई रकम—
जागीरदार था गांव ऊतरे तरै कुं तागीरात बळ लै ।
दूध पाले जरां बड़े गांव रु० ६) ।
षोचड़ो सदा जागीरदार रै गांवे लीजे छै ।
सालीनो रु० ६००) तथा ७००) री ठौड़ ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	५)	४)	३)	२)	१)

पान चराई ऊंठ साढ नग १ रु० १॥)
ग्रण नीकळी कड़ब कर वरे बरस बांट लीजै ।]

---

८६. परगने मेडते री सीव इण भात इणां-इणां परगनां रा इणां-इणां गावां सुं कांकड[1] लागै—

परगने नागौर रा गांवां सुं,

गांव सीरसलो[1]
गांव पुनावटी[2]
मो० मोटुवास
बुतावाटी[3]
मो० गोठणो[4]
हरसाळो १[5]
मो० रीयां ३[6]
रोहल १
मो० सांडावास[7]

---

१. सरेसलो । २ पुतायटी । ३. पुतायटी । ४. गोठण । ५ हरसालो । ६. रेयां । ७. सुडावस ।

---

1. सं'मा ।

रोहल १।। घघवाड़ो १

मो० डुगोरदास

भुयालो[1] २ दागड़ी २ बछवारो २

मो० दुदडावास

बछवारी १।।

मो० जैतीबास

आकेली १ पुतावटी[2] २

मो० छापरी[3]

ओलादण

मो० मीठड़ीयो

माझी १।। कुतांणी १।।

मोजो डाभड़ी सांवळदास री

सरनावडो १

मो० डाभड़ी[4] बडी

मनावडो १। नोहदड़ो[5] १।

मो० नोहन तीन ३

देवतसर[6] १ माडी[7] १

मो० चादणी पुरद

बाभणायो १।

मो० बरणायो

चौसळी

मो० डुगोर छीकरणवास

दागडो ।।

गांव ढाहो

नीवडी ३।। वुतावाटी[8] २ देसवाल १।

मो० मगळीयावास

---

१ भावलो। २. वुताटी। ३ बडी (अधिक)। ४. डोभड़ी। ५ नीहदडो। ६. हेवतसर। ७. मांझी। ८. पुतापटी।

रोहल केसो ।। सीहू केसो ।।

मो० कुंपड़ावास बडौ

गागुरड़ो[1]

मो० बुध री बासणी

गांव

मो० दुगोर अवल

बछबा री

मो० करहो

आकेली

मो० राजोद

वुताबाटी १।।

मो० नेता री वासणी

ओलादण १

मो० भईयो बडौ

कुताणी १।। नोसर १।। सरणवाड़ौ[2] १।।

मो० डोभड़ी षुरद

नहुदड़ो

मो० गुदीसर षुरद

बांभणीयो १। प्रबतसर २। (हबतसर)

मो० चांदणी वडी

देवतसर[3] १ । बांभणायो १।

मो० चरडाबस

बाभणयो

मो० षेरवौ

दागड़ो १।

[4][परगने जोधपुर रा गांवा था सीव—

१ गागुडो। २. सरनावडो। ३. हेवतसर। ४. 'ख' प्रति का अंश।

षास अणंदपुर

बळुंदो १॥ घोड़ारड़ ३

काणेचो

वळुदो १ कानावास ॥

मो० सीहारा मोजा २

लोहारी ॥ कुसाणो १

बोरूंदो

हरीयाडांणो २॥

मो० कुरळाई

हरीयाडांणो ३

मो० मोरीयावास

षांषटी

मो० षारीया री वासणी

षांषटी १॥

मो० फालको

बळुदो

मो० षफाहडी

बळुदो १॥ सिणलो २

मो० गडसुरीयो

मादळीयो

मो० सुवांणीयो

मादळीयो १। रिणसी गांव १॥।

हरीयाडांणो १।

मो० डीगरांणो

सिणलो २ हरीयाडांणो २

मो० पालड़ीसिध

षांषटी १॥

मो० षारीयो षंगार

मो० रतकूड़ीयो १

८७. परगनै जैतारण—

षास अणंदपुर
राबडीयाक ३ गेहावस ३ बलायडो ३ बांझाकुडी २

मो० कांणेचो
बीकरळाई १ नीबोल लीतरीयो ॥

मो० वानसी
रास १।

मो० कंठमोहर
दयालपुरो रास २ जगहथोयो १।

मो० षाडी
लीतरीयो १ नीबोल १॥

मो० लाबीयां
बलुपुरो २॥ राबडीयाक २ बलाहड़ो ३

मो० सेहूरियो
रास १

मो० देहूरियो रजपूतां
पाल्यावस ओडुवास बलुपुरो

मो० अमरपुरो
बलुपुरो १ राबडीयाक १]

८८. परगनै अजमेर—

मो० डाभड़ी बड़ी
रांमसीयो प्र० प्रबतसर

मो० गहेढो बडो
दाबडीयो चौरासी री १। वेसरोली प्रबतसर १।

मो० पचीपली[1]
हरनावो वाहल रो २
वरनोल वाहल रो २

मो० बलुपुरो

---

१. पचीपलो।

हरनावो वाहल रो बरणेल
मो० मीठवाळीयो[1]
कुरवाड़ो वाहल रौं
मो० ललांणो बडो
झांझीलो १ प्रबतसर री
चोतावो परबतसर १
चोतावी परबतसर १
गूलर वाहल री १
भादवो परबतसर रौं
हरनावो बाहल १
भादवो परबतसर १

मो० सेहवासी[2]
रांमसीयौ परगने परबतसर रौ
मो० हीगवाणीयो
रांमसीयो परबतसर रा परगने रौ १
डोडीयो १ परबतसर
मोडी चारणां री चौरासी रो १

मो० मोडी वीकां
दाबडीयो परबतसर री १। बेसरोली परबतसर १
माणवो परबतसर रो।

मो० षेड़ो अषेराज
बरणेल ॥ जाईल री
मो० आंतरोळी संगा
जावलो वाहल

---

१. वीठवाळीयो: इ. सेहरवासी।

मो० सलांणो षुरद
हरनावो वाहल री १
झांझोला परबतसर १

मो० सीयल भषरी
नरमो हरसोर री ।। भाषरी हरसोर री ।।
कुरवाड़ो ।। वाहल
जावलो १।। वाहल

मो० ईटावो षास
मांणवो १ परबतसर री
घीघालो १ परबतसर री
हरनावो २ वाहल री
मो० गोठड़ो
गोवल भोरूंदा री
मो० कला पीपाड़ा री वास
सुराबस हरसोर री २
गोवल भोरूंदा री २
नीबड़ो घोठारीया
सुरावास हरसोर री ।।
मो० रोहीसडो
भोरूदो
मो० सूरपुरी भोरूदो
मो० वीषरणीयो बडो
गोवल १।। भोरूदो २
मो० पचरडो
सुरावस १ हरसोर री गोवल १ भोरूंदा री

मो० भवाल चारणां री

हरसोर २॥ थाठो हरसोर रौ १॥

सुरावस ।॥ हरसोर रौ

मो० लवादर

जावलो १॥ राजलोतो १ हरसोर री

मो० लाडपुरी

रामपुरा थावळा री १

लेसवो थावळा रौं १

नीबड़ी कलां

राजलोतो हरसोर रौं

मो० रलीग्रावतो चारणां रौं

सुरावस हरसोर रौं १

राजलोतो हरसोर रौ १

मो० गेहडांणो

जावतो[1] वाहल

ठीहली हरसोर रो

लुणावस हरसोर रौ ।॥

राजलोतो हरसोर रौ

मो० ठहीयावड़ो

मडोवर रौ[2] थाहल[3] रौ

मो० गोपाळपुरी

थावळो बंवाळ १॥

मो० वीजाथळ

रीछमासो । पीसांगण री १॥

मो० घमणीयो

मडोवर[4] थावळा रौ १

कारो गोवदगढ़[5] पीसांगण रौं १

---

१. जावलो। २ मडोवरो। ३ थावला। ४. मडोवरो। ५. गोयदगढ़।

मो० षीदावास

रिछमाळी पीसागण री १।

मो नरसिंघ वासणी

थांवळो बवळो[1] १।।

मो० नेंणपुरीयो

रिछमाळी २ कूपावासणी पीसागण रा १।।

मो० टैहलो

थांवळा बवाळ २।।

सुदवाडौ मैरूदा रौ १।।

मो० गवारडी[2] षुरद

रिछमाळ पीसांगण री ।।

मो० पीपळीयो

रिछमाळी १।

कारो तथा गोवदगढ १।

८९. परगनै मेड़ता रा सासण गांवां री विगत, गांव ४५।।—

गाव आसामी

७ राव बरसिंघ जोधावत दीया छै ।

४ बांभणां नु[3]—

३ पांचडोळी रा बास रु० १५००)

पैहली गांव १ होतौ । पछै भाईबट[1] बास तीन हुवा, तिकौ मोकालै प्रोहित कान्हा दुदाइत[4] रा जात सीवाड नु तकै मोकालै ।

१ गगादास रो बास

हिमे प्रो० करन तारावत नै रूपौ तोगावत छै ।

१ बवाल । २. ग्वार । ३. 'ख' प्रति मे रु० २७००) अधिक । ४. रुद्राइत ।

1. भाइयों के बट जाने पर ।

१ भाना रौ बास

हिमे प्रो० जोगीदात गुणेसीत नै सावळदास लिषमीदासोत छै।

१ छाछा[१] रौ बास

हिमे प्रो० पीवौ केसोदास[२] नै सामो जोगा रौ छै।

३

१ टुफली[३] १२००)

प्रो० षीदा कांनावत सिवड़ नुं तफै कलरौ कवळीया रै बदळै दी[I], हिमे प्रो० राइचद सुरताण रौ करण तारावत छै। तफै कलरो।

४

३ चारणा नु २६००)

१ कावळीयो

तफै आणदपुर पडीया धरमा चांदणोत नु। हिमै षिडिया किसन।[४] . . ।

१ परहाडी ७००)

तफै अणंदपुर, षिड़ीयै लुभा चंदणोत नु। हिमे षिडिया जेसा[५] परबतोत नै। आईदान भैंरूदासोत छै। तफै आणदपुर।

१ सीहा री बासणी २००)

तफै कलरो कलीयाणैह[६] नै। जगहट[७] बाबल[८] चादणोत नु होती। हिमे कनीयो लषौ उदैसिघोत नै[९] सार्गों हरषावत छै।

३

७

---

१. छ्छा। २. केसा रो। ३. टुकडो। ४ (किसनदास) केसोदासोत नैं कलो भेरूंदासोत रो छै तफै अणदपुर ५०००) 'ख' प्रति मे अधिक। ५ जसो। ६. कलिया गेया। ७ जगहठ। ८. वापल। ९ दंईदान परघोत छै नै जगहठ गोयद गोपाळोत (अधिक)।

I वदले मे दी।

४ रा० दूदे जोधावत दीया—

१ बाभणा नु—

१ बाभणवास १००)

तफै कलरू री। रामल्हावत[1] गूजरगौड नु। हिमे प्रो० भुधर कान्हावत नै संकर गोपाळोत नुं छै।

---

३ चारणां नुं—

१ बीजोळी[2] १६५०)

तफै आलतवै। बारेट पता देवा ईचोत रोहडीया नु। हिमे बारेट महेसदास चुतरावत नै चवड़ो पचाइणोत नै ऊदो परबतोत छै।

१ षांनपुर ५००)

तफै मोडरा। जगहठ पोटले नै, काळा समरावत रा बेटा नु। हिमै चारण चवंडदास हरराजोत नै चारण दुरगो सुरतांणोत छै।

१ परबत रा षेत १५०)

तफै राहण। रतनुं पालीह[3] उदावत नुं। हिमे चारण तिजली[4] साकरोत छै।

३

१ रा० सीहो बरसिंघोत दीयो चारण नुं—

१ मोडरीयो

तफै मोडरै। षिड़िया सीहा चंदणोत नु। हिमे षिड़िया भगवांन जसावत नै महेसदासोत[5] नै नारायणदास अषावत नु छै।

४ रा० बीरमदे दुदावत दीया—

२ बांभणां नुं—

---

१. ब्रा० राम तीलावत। २. बाजोली। ३. पाला। ४. तेजसी। ५ स्यामदासोत।

१ षेड़ीचांपा ८००)

तफै मौडरै । प्रो० रांमा डूगावत जागरावल नु । हिमे प्रो० जगनाथ चांपावत नै जीवौ सुरताणोत छै ।

१ सावळीयावास २००)

तफै राहेरा । श्रीमाळी व्यास जगनाथ ग्रमदे रा नु । हिमें प्रो० सारंग गिरधर रौ नै हररांम रुघनाथोत छै ।

२

२ चारणां नुं—

१ गेहड़ो पुरद १००)

तफै ग्रलतवै । रतनुं करन सुषावत नु । हिमे रतनु रूपौ सुजावत नै जसौ भोजराजोत छै ।

१ भवाळी[1] १५०)

तफै दंघाणै । षिड़िया मांडण षीवसरा नु । हिमे भगवांन जसावत नै नरहर सुजावत छै ।

२

---
४ गाव इण भात दीया छै ।

१ गांव रतनावास रेष ६५०)

रा० रतनसी दूदावत दीयौ, दत्त चारण मीसण रतनौ डाहावत नु दीयौ थौ । पछै रा० सुरतांण जैमलोत गाव ले नै ग्राधौ वाहारेट चतुरा जैमलोत नु दीयौ, ग्राधौ मीसण नु रापीयौ । हिमे मीसण ऊदो ग्रणदोत छै नै वारैट महेसदास चुतरावत छै ।

१ नोवेहेळी गगादास रौ रेष २००)

तफै राहण । प्रोहित पीदा कान्हावत नु । हिमे प्रो० राइचद

---

१. भवाल ।

४ रा० दूदे जोधावत दीया—

१ बाभणा नु—

१ बाभणवास १००)

तफै कलरू री । रामल्हावत[1] गूजरगौड नु । हिमै प्रो० भुधर कान्हावत नै संकर गोपाळोत नु छै ।

---

३ चारणां नु—

१ बीजोळी[2] १६५०)

तफै आलतवै । बारेट पता देवा ईचोत रोहडीया नु । हिमे बारेट महेसदास चुतरावत नै चवडी पचाइणोत नै ऊदी परबतोत छै ।

१ षानपुर ५००)

तफै मोडरा । जगहठ पोटले नै, काळा संमरावत रा बेटा नु । हिमै चारण चवडदास हरराजोत नै चारण दुरगो सुरताणोत छै ।

१ परबत रा षेत १५०)

तफै राहण । रतनु पालीह[3] उदावत नुं । हिमे चारण तिजली[4] सांकरोत छै ।

३

१ रा० सीहो बरसिंघोत दीयौ चारण नु—

१ मोडरीयो

तफै मोडरै । षिड़िया सीहा चदणोत नु । हिमे षिड़िया भगवांन जसावत नै महेसदासोत[5] नै नारायणदास अषावत नु छै ।

४ रा० बीरमदे दुदावत दीया—

२ बांभणां नु—

---

१. ब्रा० रांम तीलावत । २. बाजोली । ३ पाला । ४. तेजसी । ५ स्यामदासोत ।

सुरताणोत नै करन तारावत सिबड छै। दत्त राठौड रायमल दूदावत रौ दीयौ छै, बाभणां नु।

१ मोहलावास रेख ६००)

तफै अणदपुर। रा० श्रीमालदेजी रौ दीयौ, तद चारण षिड़िया सुरा अचळावत नु स० १६१० हिमे षिडिया चारण पिडिया कीसनदास केसोदासोत नै भगवान गोपाळदासोत नै रुघनाथ सादुळोत छै।

१॥ राठौड जगमाल वीरमदेवोत रौ दीयौ दत्त बाभणा नु।

॥ चावडीयौ आधौ रु० १५००)

तफै मोकाले। प्रो० भानीदास तेजसीहोत सीवड़ नु। हिमे प्रो० जोगीदास गुणेसोत नै राजसिघ सादुळोत नै राघोदास महेसोत छै।

१ गाव जगनाथपुर रु० २००)

तफै रेयां। श्रीमाळी देव[1] जगनाथ सदाफलोत नु संमत १६१६। हिमे प्रो० मोहण किसनदासोत छै।

१॥

५ राठौड़ जैमल वीरमदेवोत दीया—

२ बाभणा नु रु० ५५०)

१ गांव दावडीयाणी षुरद ४००)

तफै राहण। प्रो० कोल्हण[2] चतरा पोकरणा नु। हिमें प्रो० रांमचद डाबर रौ, नै गिरधर तुळछीदास रौ छै।

१ गाव हरभुवासणी रु० १५०)

तफै मोकाले। वीसो[3] गोतम ग्यनसर मयारीव[4] गोवळवाळ नु। हिमे प्रो० चक्रपाण वीठळोत नै विसनो केसा[5] रौ छै।

२

---

१ दवे। २. केवल। ३. व्यास। ४. पारीक। ५. केसर।

३ चारणां नुं–

१ जोधावास षुरद १००)

तर्फै राहण । वीठु माला नै जावत नु । हिमें वीठु पीथौ नरसंघ रौ छै ।

१ रांमा री वासणी २००)

तर्फै हवेली । जगहट रांमा धरमावत नु । हिमें चारण किसनो कलावत छै ।

१ रळीयावतो षुरद १०००)

तर्फै देघाणै । षेड़ीयो मोटल माडणोत नुं । हिमे षिड़ीयौ लिषमीदास भैरूदासोत नै नरहर सूजा रौ छै ।

३
५

२ रा० सुरताण जैमलोत दीया चारणां नु–

१ लुगेयो

तर्फै रेयां । आढौ दुरसो मेहावत नुं । हिमें आढौ रतनसी डूगरसीहोत नै देईदान जगमलोत छै ।

१ नेता री वासणी

तर्फै राहण । रतनु सांकर हीगोळावत नु । हिमे रतनु रांमसिघ नै...[1] ।

२

२ रा० रतन रायमलोत रा दीया चारणां नु–

१ अचळा रौ षेत रु० १५०)

तर्फै रांहण । बीरु आषा[2] तेजावत नु । हिमें विठल कूपो पचाईणोत नै उमरो उदावत छै ।

१. सूरो कलावत छै । २. वीठू आवा ।

१ जारोड़ो बैणां रु० १००)

तफै राहण। धधवाडिया चवड़ी[1] मांडणोत नुं। हिमे ध० सुदरदास मोहणदास माधोदासोत नै विसनदास सांमदासोत[2] छै।

२

१ रा० नरहरदास ईसरदासोत बांभणां नुं–

१ संधांणो षुरद रु० २५०)

सारगवास तफै रेयां। बाणोपाळ लषावत पारीष गोलवाळ नु। हिमें प्रो० रेषो पीतबर रो नै बलु गोरधन रो छै।

१ राठौड़ बलभदास[3] सुरताणोत चारणा नुं–

१ गडसुरीयो रु० ६००)

तफै मोकाले। धधवाडीया मोकै मांडणोत नु। धधवाड़ीया पिरथीराज सुदरदासोत[4] नै जगनाथ मनोहरदासोत छै।

१ राठौड़ कान्हीदास केसोदासोत चारणां नु–

१ धंणां रु० ४५०)

तफै अलतवै। जगहट षीवै वैणीदासोत नु। हिमे जगहट सुदर षीवावत छै।

१ रा० जेसो सीहावत बरसिंघदेवोत चारण नु–

१ राभलावास रु० ४००)

तफै मोकाले रतनु भरम रूपावत नु। हमे सांवळदास कान्हड़दासोत नै रांमसिंघ सादुळोत छै।

१ राठौड़ सोहसौ तेजसीहोत बरसिंघदेवोत बांभणां नु—

१ लूणकरण री बासणी[5]

तफै रोयां। प्रोहित गिरधर[6] जीयावत सिवड़ नु। हिमें प्रो०

१. चवड़ा। २. स्यामदासोत। ३. बलभद्र। ४. सूरदासोत। ५. ८००) रेख (अधिक)। ६. गदाधर।

सांकर रामसिंघ री नैं सामो जोगा री छै।

६ राजा श्री सुरजसिंघजी रा दीया–

५ चारणां नुं–

१ बछवाय रु० ४५०)

तफै राहण। बारहठ संकर तेजसीहोत रोहड़ीया नुं। हिमे बारहट देवीदास रामदासोत छै।

१ ऊचाहेड़ो ५००)

तफै मोकाले। बाहरठ लषो नाटणोत[1] रोहडोया नुं। हिमे बा० आसकरण प्रिथीराजोत गिरधरदासोत छै।

१ भीलावस ५००)

तफै कलु[2]। बारेट परतापमल नांदणोत नु। हिमे बा० देईदास प्रतापमलोत छै।

१ गोदमांवास[3] ५००)

तफै राहण। रतनुं दांना हरदासोत नुं। हिमैं चारण सांवळ नदावत[4] छै, जसावत[5] छै।

१ गुदेसर[6] ४००)

तफै देघाणै। सांदु सावतसीह ईसरदास आसकरण माला रा बेटा छै।

५

१ भाट दसोधीया नु–

१ मोगावास २००)

तफै देघांणे। भाट सदमन[7] रुपसीहोत नुं। हिमैं दसुधी रिणछोड़

---

१ चादणोत। २ कलरु। ३. गोमावस। ४. दांनावत। ५. गिरधर जसावत। ६. गुदीसर। ७ मदन।

दास बीहारीदासोत नै हररांम दमनोत[1] चुतरभुज दुवारकादासोत छै ।

६

१ राजा गजसिंघ रौ दीयौ चारणा नु–

१ पीथावास ५००)

तफै मोकाले । बारैट राजसी परतापमलोत रोहड़ीया नु । हिमे बारैट कीलाणदास नै कान्हा राजसीहोत छै ।

४ माहाराजा श्री जसवतसिंघजी रा दीया—

१ फरासतपुरौ १०००)

तफै मोडरो । श्री बिंद्रावन मदनमोहणजी रा सेवग भट्ट बगाली नु, बरसोद मांहे दीयौ ।

१ कमावासणी ३००)

तफै हवेलो । मेड़ते श्री चतुरभुजजो नु चढायौ ।

१ बाभणा नुं—

१ धुवळीयो ४००)

तफै देघाणे । भट्ट गोकळचन्द नु[2] ।

१ पीरजादा नु—

१ षातोलाहा ५००)

तफै राहण । अजमेर श्रीषुवाजेजी रा पीरजादा नोजरबळी निजाम षुवाज मैहमूद नु ।

४

४६

९०. परगने मेडता रा सासण रा गावा री ठीक—

१. मदनोत । २. समत १६१६ अधिक ।

गांव	रु०	आसांमी
१५॥	७७००)	बाभणां नुं
२	१३००)	श्री देवसथांन
१	५००)	पीरजादा नुं
२७	१५०००)	चारणा नुं
१	२००)	भाट नुं
४६॥	२४७००)	

६१. [[1] अथ श्री फलोधी माताजी रा देहूरा री हकीकत लिषीजे छै ।—

आद माताजी री देहरौ मांनधाता चक्रवती रौ करायौ—युग रौ जुगादी देहरौ माताजी री मंडप छै । तठा पछै तीन जुग वतीत हुवा ।

तठा पछै कळिजुग प्रवत्रीयौ[1] । कळिजुग रा कितराहेक हजार वतीत हुवा । पछै माळव देस रै विषै सेरषांन पातसाह हुवौ । तिण तुरका नै हुकम कीयौ—जु मेवाड़ देस माहे जिकेही दुवारा मंड-मंडप होय तिण नै ढाहो[2] । तरै उवे तुरक ढाहता-ढाहता मेड़ते आय नीकळीया । तरै अठै माताजी रै देहरै आय नै कछुहीक पाषती रौ मंडप ढाह नै परा गया । पछै जीणऊधोर[3] कीयौ तिण सुरांणा री उतपत लीषीजै छै ।

उजीण नगरी मधुदेव पवार हुतौ । तिण रै सुरदेव, तिणरै सांवळ तिण रै मोळण हुवौ । तिण नै श्री धर्मघोष सुरप्रतबोधी नै जैन धरम कीयौ, सुराणा गोत्र नाम दीयौ । तिण मोलण रै सालण हुवौ । तिकौ श्री वामदेव राजा साभर हुवौ, तिण रै मत्री हुवौ, तिण रै श्रीनिध,

१ 'ख' प्रति का अंश ।

1. प्रकट हुआ । 2 जो भी देवालय आदि हो उन्हें ध्वस्त करो । 3. जीर्णोद्धार ।

तिण रै रासधर, तिण धनेश्वर पद पायौ। तिण रै चांपौं, तिण रै राजसीह, तिण रै गुणधर तिण रै लालौ, तिण रै देवराज, तिण रै हाळो, तिण रै तोलौ, तिण रै गोसल, जिण रै सिवराज हुवौ। तिण साभर अजमेर दानसाला मंडाई, संमत १४९५ सु लै नै १४९६ ताई। रुप मुद्रा दान दीनी[1]। तिण रै देवराज, तिण रै हेमराज तिण पेहला मालवदे समै पिण देवल ऊधेर कराया छै। पछै तिण माताजी रा देहरा रौ ऊधोर करावण नै मेडते आई नै राव जोधा रिणमलोत रो ढुढो तिण कना आग्या लेनै माताजी रा देहरा नुं ऊधोर रो आरंभ कीयौ। तिण हेमराज रै स० पुंजो १ काजो नालो, नरदेव, अै ४ बेटा हुवा। तिण पुजा रै वाहड, रणधीर, रणवीर, नाथु अै चार बेटा हुवा। तिण मांहे रणधीर रै देवीदास हुवौ॥

काजा रै सेहसमल, रणमल अै २ हुवा। नाळा रै सेहसमल, नरदेव रै देवदत्त। इतरा बेटा पोता सहत स० हेमराज फळवधी माता रा देहरा रै पाषती मडप करायौ। प्रतीसटा[2] कीधी समत १५५५ वरषे पुष[3] नीषत्र[4] कै विपै देहरा री प्रतीसटा कीधी।]

परगनै मेड़ता री फिरसत

९२. तर्फे हवेली रेष २४१०० गांव १२।

१ कसबौ मेडतौ

बडौ सहेर, छतीस पवन वसै। पाणी तळाव पीवै। पछै जालै जेघड़े बेरी २० तथा २५ छे, तठै पीवें। तरकारी हुवै। रकबै बीघौ।

१ कसबो मेड़तो

वाणीया बांभण छत्तीस पवन वसै।

---

1. चांदी की मुद्राएं दान मे दी। 2. प्रतिष्ठा। 3. पुष्य। 4. नक्षत्र।

१ डांगाबास

जाट बसै ।

१ सोधावास

जाट तुरक बसै ।

३ रेष रुपीया १६०००) रा ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१४७६०)	३०१९४)	११६५४)	१८८७०)	१४९६०)

१ पड़ुषा री बासणी ४००)

रकबै बीघा ११७६ । बरसाळी, षेत काठा धोराबध सेवज रा । ढंढ १ छै तिण मे बेरो ५ । चांच घणी, पाणो थोड़ो, काहर बसै । मेड़ता था कोस २ ।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	४३)	१२७)	६३)	१५८)	९२)

१ मोलावास[1] ६००)

रकबो १८५५ । जाट तुरक अर्घंवाही बसै । बरसाळी षेत काठा, घोरा बधै । सेवज घणी । सेझो नही । मेंड़ता कोस ३ ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	२२)	५६६)	९०)	१९०)	२७१)

१ सारग वासणी ४००)

रकबो बीघा २९०४ । जाट वसै । वरसाळी षेत काठा, सेंवज । वेहर मैं कोसीटा ४ हुवै । पाणी थोडो, मेडता था कोस २ ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१०)	१६०)	२४०)	१९८)	१९६)

१. मोलावम ।

१ चोर्षां बासणी २००)

रकबो ६०० । जाट बसै । षेत सषरा कंवळा काठा । कोसेटा दोय हुवै । मेड़ता था कोस २ ।

संसत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	२५)	१०६)	१६२)	१०५)	५४)

१ भेरीया बासणी १४००)

जाट बसै । सावणु षेत धोराबध ऊनाळु कोसेटा ७ तथा ८ घणो रकबै बीघा ९६०० । मेडता सु कोस २ ।

संवत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	५५१)	१६४०)	६०९)	१५६१)	७०२)

१ मेघाढढ २०००)

रकबै बीघा २९०४ । जाट बसै । धोराबंध षेत । सेवज बीघा १००० गेहू चिरणा । घणो सेझो नही । रांहण पीवै । मेड़ता था कोस २ ।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१५)	३४७)	३०)	२०८)	१५८)

१ सुरढढ २०००)

ररबो बीघा ३४७७ । जाट बसै । बरसाळी बडा धोराबंध षेत । सेवज गेहूं चिरणा । घणो सेझो नही । राहण पीवै, कोस २।। ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१८८)	९१७)	४६४)	३६२)	४१३)

१ सुमेर मागळीया री २००)

रकबे बीघा १५३६ । जाट बसै । षेत काठा षेता ४ सेवज धोरै घणो, कोहर नही । दोपेळाही पीवै ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	५)	१९१)	१५)	१०६)	४५)

१ पिरथीपुरी ५००)

रकबो बीघा १३५०। जाट बसै। बरसाळी बडा पेत सेवज हुवै। कोसेटा ७ तथा ८ हुवै। पहली रैंबारीया री वासणी नावै हुती। मेड़ता था कोस २।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
८९)	२५२)	३५९)	१९९)	१३६)

१ करमा वासणी २००)

रकबो १३५०। सारंगवासणी भेळी। करसा जाट घर ४ बसै। बरसाळी पेत बडा। सेंवज गेहू हुवैं। कोसेटा ४ तथा ५ हुवै। समत १६१५ श्री चत्रभुजजी रै देहवरै चढ़ाई[1]।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
१४)	२०१)	१७२)	५६)	६२)

१ रांमा चारणा री बासणी २००)

सांसण राटौड़ जैमल बीरमदेयोत रौ, सासण री दत्त जगहठ रामा धरमावत नु। रकबो ८५०। षेत काठा मगरो बैहर। कोसेटा ४, सेवज गेहू चणा हुवै। हमें किसनो कलावत छै, तिके षेत अडाणै मारीया[2]। कसवै सुं कोस २।

विगत अडांणा मारीया नै बेचीयां री—

४५०) बांभण कचरा भोमा नु, वेचीया अडाणा रुपीया २५०), वेचारू १५०) रुपया २००) भोगळगावै १००)।

२५०) सा० वीठळदास रै भोगळावत रु० २५०)।

१००) सा० नराईण जैराजोत रै भोगळावै रु० ४१)।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
२०)	१२१)	१६५)	२२७)	१२९)

---

1. चत्रभुजजी के मंदिर के लिये अर्पित करदी। 2. रहन रख दिये।

२३६००) षालसै ।
२००) सासण ।

२४१००)

९३. तर्फे अणंदपुर रेष रु० ११३८५०)

१ अणदपुर षास ९०००)

रकबो बीघा कर ५३१, बडा षेत । रेल सेवज जव चिणा घणा हुवै । कोसेटा २०० अरट ढीबडा २०, जाट माहाजन सगळी पवन जात बसै । निपट बडो गांव । मेड़ता था कोस ९ ।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	४७८४)	९९९६)	१७१०)	९१८२)	७०३२)

केकीदर[1] ६०००)

रकबो बीघा २४४१७ । बडा षेत । घणै मेह सेवज गेहू हुवै । कीसेटा २०० तथा २५० अरट ढीबड़ा १० हुवै । जाट माहाजन और ही लोग बसै । मेड़ता थी कोस ८ ।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	३९१८)	६५४७)	३६००)	४४३१)	४३२४)

१ लांबीया ८०००)

रकबो ४२७३६ । सेवज चिणा गेहूं रेल रा षेतां हुवै । षेतां कोसेटा २०० तथा २५०, पांणी नेड़ो । जाट माहाजन सगळी[1] पवन बसै । मेडता था कोस ९ ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	४८७१)	८०९०)	१४१६१)	८३७५)	७७८२)[2]

१ केकीद । २. १७८२) ।

1. सभी ।

१ भवाळ[1] ६०००)

रकबो ६०४८ । बडा षेत, सेंवज गेहूं चिणा हुवै । कोसेटा १५० तथा २०० । जाट बाणीया बसै । मेडता था कोस ६ ।

समत १७१५ १६ १७ १८ १९
२२७६) ७६७८) ७७२८) ३७८२) ४३४२)[2]

१ रोहीसो ७०००)

रकबो बीघा ६१२६ । बरसाळी घोरावध्र पेत । कोसेटा १२५ तथा १३० हुवै । जाट बसै । बडो गांव । कोस ८ ।

संवत १७१५ १६ १७ १८ १९
२६३३) २२३२) ४४७४) १०८७९) ४६३०)

१ लाडवो ४०००)

मेड़ता था कोस ६ । रकबो ४१५० । पेत घोरावध । सेवज गेहूं चिणा हुवै । कोसेटा ५० तथा ६० हुवै । भलो गाव । जाट बाणीया बसै ।

संमत १७१५ १६ १७ १८ १९
२१९०) १९३३) ३३३६) ६८२७) ५१५०)

१ नीलीया ७०००)

कोस ६ । रकबो २३१७२ । षेत निपट सषरा घोराबंध । सारी सीव माहे सेवज गेहू चिणा हुवै । कोसेटो २० तथा २५ । पांणी ऊडो हाथ २५ घणी । जाट बसै[3] ।

संमत १७१५ १६ १७ १८ १९
३७०) ३०००) २२३३) ३६८१) ८९६)

१ रोहीसो ३०००)

कोस ८ । रकबो बीघा ४५०० । षेत कंवळा । सेवज गेहू चिणा

१ भोवाल । २. ४३४३) । ३. बडो गाव (अधिक) ।

हुवै। ऊनाळी कोसीटा १०५ तथा ११० हुवै। सारो सीव माहे सेझौ। पाणी हाथ १० तथा १५। वडौ गाव। जाट बसै।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१६८३)[1]	३८५०)	५२२७)	४०९९)[2]	२४१२)

१ काणेचौ २०००)

कोस १०। रकबो २६८८। षेत सषरा, धोरा। सेवज गेहू चिणा बीघा ५००। कोसेटा ३० ढोबडा १० हुवै। भलो गाव। जाट बसै।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१९४५)	८२८)	१५८०)	३५२८)	२८२५)

१ जसवतावाद २२००)

कोस ६। रकबो बीघा ......। षेत धोराबध। सेवज गोहूं चिणा हुवै। ऊनाळी कोसेटा ६० तथा ८०। अरट ४ हुवै। समत १७०० केकीदरी सीव माहे। जाट जोगी बसाई। जाट बसै।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	४३१)	३०४१)	३२४२)	३०५२)	१४२२)

१ गेयलीयावास[3] ४००)

कोस ६। रकबो १००४०[4]। बड़ा धोराबध षेत। सारी सीव माहे काठा गेहूं हुवै। सेझौ नही। तळाव पाणी षूटै तरै जसवताबाद धनेरीया नील पीवै। जाट बसै।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१५२०)	३०००)	३७२)	२९५७)	९५१)

१ फालको २२००)

कोस ७। रकाबो ७९२०। षेत सषरा धोराबध। सेंवज गेहूं बीघा ५०० तथा ७०० हुवै। सेझौ नही। तळाव पाणी षूटै तरै फालके आकोदीये पीवै जाट बसै।

१. १६८७)। २. ३९९९)। ३. गेमलियावास। ४. १००४।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
१८६)	१२३७)	५८७)	१८९६)	४९५)

१ वडालो ५०००)

रकबौ बीघा ८८९ । बड़ा घोराबंध षेत । कोसेटा ८० तथा ९० हुवै । कसबा सु कोस ६ । जाट बसै ।

स मत १७१५	१६	१७	१८	१९
१६५३)[1]	३३६६)	६७३७)[2]	४६५०)	२९१०)[3]

१ केकीदड़ो ५०००)

मेड़ता था कोस ७ । रकबो १०६८५ । षेत सषरा, सेंज चिणा हुवै । ऊनाळु कोसेटा ७० तथा ८० हुवै । सेभौ घणौ । भलौ गांव, जाट बसै ।

स मत १७१५	१६	१७	१८	१९
२७१९)	४९४९)	५३२९)	४०८८)	३६३३)

१ घनेरीयो सुक ५०००)

मेड़ता था कोस १० । रकबो २१७८० । बरसाळी षेत घोराबंध कांठा । सेवज मगरै चिणा गेहू । कोसेटा ४० तथा ४५ हुवै । पांणी ऊंडौ हाथ २५ तथा ३० । जाट रजपूत बसै ।

स मत १७१५	१६	१७	१८	१९
१२८४)[4]	३६५४)	२९६२)	२०१०)	१०८६)[5]

१ सेहरीयो ४५००)

मेडता था कोस १२ । रकबो १७८८७ । षेत काठा । मगरै सेवज चिणा हुवै । कोसेटा १०० तथा १२५ हुवै । सारी सीव मांहे पाणी घणौ । कांठा रो गांव[1] । बसी रा लोक, राठौड केसरषांन नाहरषांनोत । बसी ने जाट बसे ।

१ १६१३) । २ ६८६७) । ३ २८९०) । ४ १२९४) । ५, १०४६) ।

1. सीमा पर स्थित गांव ।

हुवै। ऊनाळी कोसीटा १०५ तथा ११० हुवै। सारो सीव माहे सेझो। पाणी हाथ १० तथा १५। वडो गांव। जाट वसै।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१६८३)[1]	३८५०)	५२२७)	४०९९)[2]	२४१२)

१ काणेचो २०००)

कोस १०। रकबो २६८८। षेत सषरा, धोरा। सेवज गेहू चिणा बीघा ५००। कोसेटा ३० ढोवड़ा १० हुवै। भलो गाव। जाट वसै।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१९४५)	८२८)	१५८०)	३५२८)	२८२५)

१ जसवतावाद २२००)

कोस ६। रकबो वीघा ......। षेत धोरावध। सेवज गोहू चिणा हुवै। ऊनाळी कोसेटा ६० तथा ८०। अरट ४ हुवै। समत १७०० केकीदरी सीव माहे। जाट जोगी वसाई। जाट वसै।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	४३१)	३०४१)	३२४२)	३०५२)	१४२२)

१ गेयलीयावास[3] ४००)

कोस ६। रकबो १००४०[4]। बड़ा धोराबध षेत। सारी सीव माहे काठा गेहूं हुवै। सेझो नही। तळाव पाणी पूटै तरै जसवतावाद धनेरीया नील पीवै। जाट वसै।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१५२०)	३०००)	३७२)	२९५७)	९५१)

१ फालको २२००)

कोस ७। रकाबो ७९२०। षेत सषरा धोराबध। सेवज गेहूं वीधा ५०० तथा ७०० हुवै। सेझो नही। तळाव पाणी पूटै तरै फालके आकोदीये पोवे जाट वसै।

---

१. १६८७)। २. ३९९९)। ३. गेमलियावास। ४. १००४।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१८६)	१२३७)	५८७)	१८९६)	४९५)

१ वडालो ५०००)

रकबो बीघा ८८९ । वडा घोराबंध पेत । कोसेटा ८० तथा ९० हुवै । कसबा सु कोस ६ । जाट वसै ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१६५३)[1]	३३६६)	६७३७)[2]	४६५०)	२९१०)[3]

१ केकीदडो ५०००)

मेडता था कोस ७ । रकबो १०९८५ । पेत तपरा, सेंज चिणा हुवै । ऊनाळु कोसेटा ७० तथा ८० हुवै । रोभो घणो । भलो गाव, जाट वसै ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	२७१९)	४९४९)	५३२९)	४०८८)	३६३३)

१ घनेरीयो सुक ५०००)

मेडता था कोस १० । रकबो २१९८० । वरसाळी पेत घोरावंध काठा । सेवज मगरै चिणा गेहू । कोसेटा ४० तथा ४५ हुवै । पांणी ऊडो हाथ २५ तथा ३० । जाट रजपूत वसै ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१२८४)[4]	३६५४)	२९६२)	२०१०)	१०८६)[5]

१ सेहरीयो ४५००)

मेडता था कोस १२ । रकबो १७८८७ । षेत काठा । मगरै सेंवज चिणा हुवै । कोसेटा १०० तथा १२५ हुवै । सारी सीव मांहे पांणी घणो । कांठा रो गांव[1] । बसी रा लोक, राठौड केसरषांन नाहरषानोत । बसी ने जाट वसै ।

१ १६१३) । २ ६८६७) । ३ २८९०) । ४ १२९४) । ५, १०४६) ।

1. सीमा पर स्थित गांव ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
१२४३)	२०४३)	६९३८)	४१६२)	२८६६)

१ महेड़ावास ३०००)

कोस ७। रकबो ११३५३। षेत कंवळा काठा। सेवज चिणा हुवै। ऊनाळी कोसेटा ५० तथा ६० हुवै। सेझो घणो। जाट बसै। भलौ गाव।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
११७६)	२५५२)	४०७८)	२७६१)	१९९६)

१ फालको बडौ २५००)

कोस ८। रकबौ १४४३५। षेत धोराबंध। ऊनाळी सेझो। कोसीटा ५ तथा ७। पाणी थोडौ। सेवज गेहू चिणा सारी सोव मांहे हुवै। जाट बसै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
९१७)	३८४२)	१५२५)	२२४३)	९७५)

१ षारची २२००)

कोस ७। रकबो ३४४२[1]। षेत सषरा। सेवज चिणा हुवै। ऊनाळी कोसेटा २ पटी[2] ढीबडा ५ हुवै। जाट बसै।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
६८८)	१४८८)	२०१८)	२०३२)	१०३५)

१ वांकावास ३०००)

मेड़ता था कोस ७। रकबो २५६२। षेत सषरा काठा कवळा रुड़ा। सेंवज चिणा गोहू अरट ६ कोसीटा १५ हुवै। जाट बसै।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
३८७)	५२३)	१५२८)	९७९)	४३२)

---

१. ३४३४)। २. २५ (कोसेटा)।

१ कठमीहोर[1] २६००)

कोस १०। रकबो ५७६६[2]। पेत सपरा[3], सेंवज चिणा सगळी सीव माहे हुवै। कोसीटा २५ तथा ३० हुवै। पाणी घणो। लाबीया भेळी वास। जाट घर २० तथा २५। सपरो गाव।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
५१३)	६१४)[4]	६६०)[5]	६६६)	८२०)

१ सूरपुरो १५००)

कोस ६। रकवो ——। पेत मपरा। सेंवज गोहू चिणा हुवै। कोसेटा २५ तथा ३० हुवै। पाणी तेम्हो[1]। नारी नीव मे जाट वसै। राजा सूरसिंघजी री वार मे[2] नवो गाव लाबीया री सीव माहे वसीयो।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
३२६)	५७१)	१०००)	१२०१)	८७३)

१ वानमी[6] २१००)

कोस १३, रकवो ३७५०। पेत कवळा सपरा। सेंवज चिणा हुवै, कोसेटा ४० तथा ५० हुवै। सगळी सीव माहे पाणी घणो। जाट घर २५, बीजा पाही सेहरीया[7] रा लोक करै[3]।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
४३२)	७२३)	२५८२)	१८२२)	७५६)

१ ओडुवास[8] १५००)

कोस ९, रकबो ४०५६, पेत सपरा काठा। सेवज चिणा हुवै। कोसेटा ७ तथा ८ हुवै। काठा री गाव। निपालस जाट वसै।

१. कठमोर। २. ६६१०। ३. मगरा रा। ४ ५१४)। ५. ५६०)। ६. वानसी। ७. सेहूरिया। ८. छोटुवास।

1. पृथ्वी तल मे पानी है। 2. समय मे। 3 खेती करते हैं।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१७६)	३६६)	६१८)	६११)	२१५)

१ तीघरो १२००)

कोस ८, रकबो ३११६। षेत सषरा काठा। सेंवज चिणा हुवै। कोसेटा २० ढीबड़ी ४ हुवै। जाट बसै। भलो गाव।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	४०८)	८७३)	१४६३)	१५२२)	७३६)

१ देहरीयो जाटां रो १५००)

कोस ७। रकबो बीघा २२६६। षेत अजायेब रुडा[1] काठा। कवळा। सेंवज चिणा ढीबड़ा ७ हुवै। जाट बसै।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	६२६)	१०२२)	१८२५)	१७६६)	८१६)

१ टीबडी[1] ४००)

कोस ७। रकबो ४७५१। षेत कंवळा थळी रा। ऊनाळी को नही[2]। नाडी षूटै तरै तीघर पीवै[3]। जाट रजपूत घर १० बसै।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१५५)	१५१)	१५२)	३११)	५५)[3]

१ लषमणीयावास ३००)

रकबो[4] १९८७। षेत सषरो। ऊनाळी नही। षेडो घण बरसा री सूनो[5], वसीवान लोग कोई नही। गाव केकीदड़े रा लोग पाही थका षेत षडै।

---

१. ढीबड़ी। २. कोहर नही। ३. ६५)। ४ इससे पहले—मेड़ता थी कोस ८।

---

1 असाधारण व अच्छे खेत। 2. तलाई में पानी समाप्त होने पर तीघर गांव में पानी पीते हैं। 5 कई वर्षों से गांव मे बस्ती नही।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
२०)	४०)	०)	१०?)	५०)

१ हीगवाणीयो

लावीहो' माह गाजरं पटोर्ज । रकवो ११६६ । पेत लावीया रा लोक पडे ।

१ भुभळीयो २५००)

रकवो[2] १२६६६ । पेत अजाऊँव धोरा सेवज गेहू कठे-रठे हुवै[1] । ऊनाळी कोसेटा ५ तथा ७ हुवै । पाणी चोपो[2] । जाट घर १०, बीजा जागीरदार री वसी रहै । काटा गे गाव ।

संवत १७१५	१६	१७	१८	१९
६६४)	३५२)	७२७)	५३३)	८०९)

१ फालको पीपाड[3] रो १५००)

कोस ९, रवबो ६६१३ । पेत कवळा । सेवज चिणा हुवै । सेझो नही । तळाव पाणी पूटे तरे फाल्के आकोदरोये पीवें । जाट वसै ।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
१३६)	२१२)	५८७)	५९६)	२९५)

१ फालको आकोदीया रो १३००)

कोस ८, रकवो ४०५६ । पेत सपरा कचळा । सेवज चिणा हुवै । कोसेटा ३० ढीवडा ८ । जाट वसै ।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
२४३)	८२३)	४२८)	११८६)	६२६)

१ अमरपुरो ७००)

मेडता सु कोस १० । रकवो बीघा लावीया री सीव माहे बसीयो

१. लांवीया । २. इसके पहले—मेडता थी कोस ९ । ३. पीपाडा रो ।

1. कहीं-कहीं गेहू होते है । 2. अच्छा ।

षेत सषरा काठा। चिणा सेवज हुवै। ऊनाळी कोसेटा ७ तथा ८ हुवै। जाट घर ४ बसी रा रजपूत वसै। काठा री गाव।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	२९३)	४१९)	११११)	१३१५)	४१९)

१ गजसिघपुरी षुरद

काळु रुघनाथ री बसी। काहावे रकाबो ——। षेत ऊनाळी आणदपुर भेळा। बसती घर ४०, जाट नै रुघनाथ री बसी छै। आणदपुर सु कोस ०॥।

१ देहरीयो रजपूता री ६५०)

रकबो ६१४१[1]। षेत कवळा, काठा सषरा। सेवज चिणा गोहूं १५० हुवै। कोसेटा ५ तथा ६ हुवै। षेडौ सूनो, वसीवान लोग कोई नही। सेहरीये रा सरा रजपूत षेत षड़ै।

३६

तिण में गांव ३३ बसता आवादांन[1] गांव ३ वेरान।

९४. ३ सांसण चारणां नु—

१ गाव कांवळीयां २०००)

रा० वरसिंघ जोधावत री दत्त। षड़ीया धरमो चांदणोत लाधौ। हिमे किसनदास केसौदासोत सांवळ झांझणोत भैरुंदास छै। रकबो ३७५०। षेत कवळा। चांच कोसेटा २०० ताई हुवै। सारी सीव माहे सेझौ। पाणी घणौ। चारण जाट बांणीया बसै। बास ४, कोस ८।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	२५०)[2]	२१४०)	४०४०)	३०४१)	२२३१)

१. ६१४४। २ ३५०)।

1. बस्ती वाले।

१ पारडो ७००)

रा० वगसिंघ जोधावत रो दत्त । पिड़वा नूरा नादणोत नु । हिमे भगवान ईसर रो, वेणीदास चुतरा रो भारीदान भैरू रो छे । रकवो बीघा ११४४६ । वरसाळी पत गोराबन्द[1] । निणा गेहूं हुवै । ऊनाळी कोसेटा १० हुवै । अरठ ७ चाच २० हुवै । चारण जाट वांभण वसै । कोरा ७ ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१२५)	१३४२)	२५२५)	२५२६)	१३३०)

१ मोहलवास ९००)

श्री मालदेजी रो दत्त । पिड़वा नूरा अचळावत नुं, समत १६१० दीयो । हिमे किसनदास केसोदासोत, जसो नराईणोत छे । रकवो १४७२ । पेत सपरा सगळो गोव माहे सेभो । पाणी घणो । कोसेटा ४० पेडी सूनो, कवळीया भेळो वसै[2] । जाट घर ४० करमा छे । चारणा रो वट[3] छे । सूरे रा वटा पोतरा नु वट छे ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१५०)	५६२)	१४११)	७०२)	५०५)

३

३९

३९ गाव अणंदपुर रा, ३३ पालसै, ३ सासण, ३ सूना । जुमले रेष ११३८५०) मे ।

११०२५०) पालसै ।

३६ गाव ३६००) सासण ३ ।

1. बही मेडबन्दी किए हुए । 2. कवलिया ग्राम के शामिल इसकी जनता भी बसती है । 3. हिस्सा ।

९५. तफै मोकालो षास रा गांव ४५, रेष ८९४५०)।

१ मोकालो षास ५०००)

रकबो २१६०० । षेत धोरावध । गेहू चिणा हुवै । कोसेटा ४० तथा ५० हुवै । सेवज जाट बसै । कोस ३ ।

सवत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	२६१९)	४६५२)[1]	४४४६)	४४४६)	२६८६)

१ कांकडषी[2] ४०००)

रकबो १२५८६, षेत धोरावध । सेवज काठा गेहू हुवै । सेझो नहीं । गाव कोहर[1] नही । तळाव पांणी षूटै तरै हिरणपुरी पीवै । जाट बसै । बड़ो गांव, कोस ४ ।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	३६१)	५०९४)	१०५६)	४०६७)[3]	२८०६)

१ कुरळाई ४०००)

रकबो[4] २९५६८ । बडा षेत धोरावंध सेवज गेहू हुवै । सेझो नही । कोहर १ षारो पाणी पीवै । जाट बसै । बडो गाव ।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१०६२)	२०९८)	१३२८)	४११२)	१३१३)

१ कायथ वास[5] ४०००)

रकबो ८७७८, बडा षेत, धोराबंध । गेहू चिणा सेवज । कोसेटा २१ । पांणी थोड़ो । जाट बसै । कोस २ ।

संवत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	३५१)[6]	२३६४)	२१०५)	२३३७)	१५७३)

---

१. ४६९२) । २. काकुडषी । ३. ४२६७) । ४. इसके पहले मेडता था कोस ७ । ५ २१५२७ । ६ वसणी ।

---

1. कुग्रा ।

१ वोरूदो ४०००)

रकवो २५३५० । पेत सपरा । ऊनाळो वीघा १५०० । काठा गेहू चिणा हुवै । सेझो नही । कोहर १ छै तठै पीवै । जाट वाणीया वसै । कोस ८ ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१८४४)	३८४५)	१८८७)	४४३२)	२२४७)

१ मुगदडो ४०००)

रकवो[1] ६९३६, वडा घोरावव पेत । सेंवज गेहू काठा[1] वीघा २००० हुवै । सेझो नही । तळाव पाणी पूटै[2] तरा फालकै आकोधी पीवै । जाट वसै । कोस ६ ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१३३४)	१५९२)	२२०)	३२३५)	१२६१)

१ डहूकीयो[2] २५००)

रकवो ६१४४, पेत काठा मगरा । ऊनाळी कोसेटा २०, जाट वसै । कोस ४॥ ।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१९५)	१२६७)	१३८१)	१४४२)	१५१७)

१ पुनलो[3] २५००)

कोस ५, रकवो २४७२५ । पेत घोरावध । सेंवज वीघा १०० हुवै । बीजा काठा मगरा । ऊनाळी अरट २ कोसेटा १५, चांच ४ । घोरै जाट वसै ।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	५२४)	१२२१)	१२१०)	१४६०)	४८२)

१. इसके पहले—कसबा था कोस ६ । २. डुहकियो । ३. पुनलु ।

1. गेहू की एक किस्म । 2. पानी समाप्त होने पर ।

१ चोकडी बुरद २०००)

कोस १०॥[1] रकबो ४७०४। पेत काठा मगरा रा। ऊनाळी अरट ८ कोसेटा ५, चाच ५। वसीवान लोक कोई नही। जागीरदार री बसी रा लोक बसै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
२६३)	५५३)	२६२९)	१५१८)	६१७)

१ ईदावड ५०००)

रकबो २०५२७[2], पेत धोराबव। घणै मेहां सेवज हुवै[1]। कोसेटा ४ ऊनाळी रा हुवे। जाट बसै। कोस ४।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
२१२५)	३६८०)	१०५७)	५७६०)	२४४२)

१ बडगांव ४५००)

रकबो १४४०७, बडा षेत घोराबंध। काठा गेहू हुवै। सेझो नही लुणीयावास रै कोहर माहे तीवण[2] १ बड गाव री जठै पीवै। जाट बसै। कोस ५।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
२४२०)	४८०४)	२३०७)	५५५१)	२५१३)

१ धनेरीयो नील ३०००)

रकबो २१४६४। षेत घोराबध, सेवज गेहू चिणा हुवै। कोसेटा ४० हुवै। जाट बसै। कसबा सु कोस ४॥।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
४१४)	४६०५)	४१६२)	३७९३)	२०६७)

---

१. १॥। २. २१५२७।

---

1. अधिक वर्षा होने पर सेवज (गेहू चने) होती है। 2. कुए मे से पानी निकलने को निश्चित समय।

१ आकेहली[1] ६०००)

रकबो ११३१० । वडा धोरावध पेत । सारी सीव माहे काठा गेहूं हुवै । सेझो नही । कोहर नही । जाट वसै । कोस ३[1] ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	५६८)	३३९०)	१९१३)	३१८०)	१७९६)

१ पुवासपुरी ५०००)

रकबो १८८१६ । पेत सपरा । ऊनाळो अरट १० कोसेटा २५ चाच ३० । धुव[1] माहे मेड़ता था कोस १५[1] । जाट वसै । भलो गाव[2] ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	५८९)	१७१०)	२२५८)	११८५)	५१०)

१ गगराणो[4] ३०००)

रकबो १५००० । वडा धोरावध पेत । सॅवज वीघा १२०० काठा गेहू हुवै । तळाव वरसोदीयो[3] पाणी रहै । कोहर १ पीवण री[4] हाथ ३० । मेडता था कोस ५॥, जाट वसै । जैतमालोत री वसी ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१५८२)	२५७१)	५७२)	३३६१)	१३६७)

१ चुवीया २०००)

कोस २ । रकबो ११६१६ । पेत मगरा रा काठा । ऊनाळी कोसेटा १०, पाणी मोटो चोढो । जाट वसै ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	३३९)	१०९०)	८३९)	१६९६)	४९५)

१. आकेलो । २. बड़ो गाव । ३. ५ । ४. गगडाणो ।

1. उत्तर दिशा । 2. अच्छा गाव । 3. वर्ष भर के लिए । 4. पानी पीने के लिए ।

१ चोकडी बडी ३०००)

कोस १०, रकबौ ५००० । षेत काठा मगरा रा । ऊनाळी अरट १० । कोसेटा १५ चाच १० । धोरा, वसीवान लोक थोड़ो[1] । रा० प्रथीराज करमसोत री वसी ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
३३७)	५०३)	१४३०)	२४२८)	७१९)

१ सीहा री बडौ १०००)

कोस ११, रकबो ४००० । षेत सपरा । ऊनाळी अरट ४, कोसीटा १०, चाच १० । बसी रा लोक जाट रजपूत वसै । जागीरदार रा लोक रहै ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
४०८)	१२१)	१३४१)	९३६)	४४९)

१ बीटरण ४०००)

कोस ७ । रकबो ६६०० । बडा धोराबध षेत । सेवज गेहूं चिणा हुवै । सेझो नही । तळाव पांणी पीवै । षूटै तहारा कोहर १ बाधीयो छै तठै पीवै । पाणी मोटो । जाट बाणीया बसै ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
४११)	१७७५)	२७३०)	२३३८)	७८८)

१ लुणीयावास १०००)

रकबो १२१५० । षेत धोरावध । गेहू चिणा बीघा ४०० । सेझो नही । कोहर १ पाणी घणौ । जाट बसै ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
५१७)	६३३)	२३५)	१०३८)	३३२)

१ कछवाहां री बासणी १०००)

रकबो ४०८७ । षेत सषरा । सेवज गेहू चिणा हुवै । सेझो नही ।

---

1. वस्ती मे लोग कम हैं ।

कोहर १ नवौ संवत १७१९ पुणायो[1] । पाणी घणो । जाट वसै । कसवा सु कोस ५ ।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
५६२)	१०३४)	१००)	१२९६)	२३३)'

१ वाईड[2] १५००)

कोस ६ । रकवौ ८६८५ । पेत धोरा मगरा वडा पेत । सेवज चिणा हुवै । सेझो नही । जगडारण[3] रा तोवण १, कोहर पीवै । जाट वसै ।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
१७४४)	२११०)	३२१)	३१३२)	९९६)

१ सीवाणोयो १०००)

कोस १२ । रकवो ५७६६ । पेत रूडा[2], सेवज चिणा पेत ४ हुवै, सेझो नही । कोहर १ हाथ ४० पाणी थोडो । जाट वसै ।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
६५)	१२०)	१००)	२०६)	६६)

१ समदोळाव पुरद ९००)

रकवो ६३३३ । पेत सपरा धोरावंध । सेवज गेहू हुवै । कोसेटा ४ पांणी थोड़ो। जाट वसै । मेड़ता सु कोस ३ ।

स'मत १७१५	१६	१७	१८	१९
११)	२०७)	९९)	४४३)	२०७)

१ जेसा सोळषी री वासणी २००)

रकवो ६०० । पेत मगरा रूडा । कोसेटा २ । पाणी थोड़ो। जाट वसै । कोस २ कसवा सुं ।

---

१ १७४४) २११०) ३२१) ३१३२) ९९६) । २. वायड । ३. गगडाण ।

---

1 खुदवाया । 2. अच्छे, उपजाऊ ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
६)	१२०)	५६)	६३)	४०)

१ सीहावास ५००)

कोस २॥, रकबो ६५० । षेत सषरा । सेंवज गेहूं चिणा हुवै । कोसेटा ३ पांणी थोड़ो । जाट रजपूत बसै ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
४५)	२०६)[१]	२४७)	३८७)[२]	१३१)

१ बैणावास सूनो षेड़ो २००)

रकबो ७२० । षेत सषरा । सेवज गेहूं चिणा हुवै । सेझी नही । काहथ[३] वासणी रा लोक बाहै[1] ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
१०)	४१)	१११)[४]	६५)	१५१)

१ सीहारो षुरद ८००)

रकबो ४४६६ । षेत सषरा । सेंवज चिणा । ऊनाळी अरट ३ कोसेटा ५ धोराबंध हुवै । गांव भेळी हीज बसै । वसीवान लोक कोई नही । जगीरदार री वसी रा लोक जाट बसै, बाणीया रजपूत बसै ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
६०५)[५]	४३१)	१२०९)	८६६)	४४१)

१ डीगराणो २०००)

कोस ९ । रकबो ६६०० । षेत धोराबंध । सेवज गेहू चिणा बीघा ५०० । सेझी नही । कोहर बधवो[2], पांणी पीवै । जाट रजपूत बसै ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
२७०)	११४)	५४२)	२२०२)	४९२)

१. २५६) । २. ३८६) । ३. कायथ । ४ १०१) । ५. १०५) ।

1. खेत जोतते है । 2. कुआ पक्का बधा हुआ है ।

१ हिरण पुरी[1] ४००)

कोस ४। रकबो ३४५६। षेत सषरा धोराबध। सेंवज वीघा २०० गेहू चिणा हुवै। सेभो नही। तळाव रै बेरै पीवै[1]। जाट बसै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
२३९)	५२१)	१८०)	६६६)	४१५)

१ सेपा वासणी ५००)

कोस ४। रकबो १९१४। मगरा सेवज चिणा गेहू हुवै। ऊनाळी कोसेटा ३, पाणी थोडौ हुवै, हाथ २५। जाट बसै।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
९४)	२३३)	१२७)	२९८)	१५४)

१ घोड़ाहट ५००)

मेडता था कोस ९। रकबो १७५०। षेत सषरा मगरा रा घणै मेह[2] चिणा षेत ४ हुवै। कोसोटा ४, पांणी थोडौ। जाट बसै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
३०)	४९२)	२१२)	४५६)	१२२)

१ समदोळाव बडो १०००)

रकबो ६६३३। षेत धोराबंध। सेवज चिणा गोहूं हुवै। सेभो नही। कोहर नही। केकीद पोवै। जाट बसै।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
३०)	३२२)	११३)	५४१)	२८१)

१ ऊचीयाहेड़ो षुरद ७००)

रकबो ९३७४। षेत सषरा। सेवज गेहू चिणा हुवै। सेभौ कोहर नही। भुरावासणी पीवै। जाट बसै। कसबा सु कोस ३।

---

१. हिरणपुर।

---

1 तालाब के अन्दर खुदी हुई बेरियो से लाकर पीते हैं। 2 अधिक वर्षा होने पर।

स मत १७१५	१६	१७	१८	१९
८०)	२६०)	४५)	४११)	२१०)

१ भानावास ५००)

कोस २॥। रकबो ——। खेत मगरा काठा। सेंवज हुवै। कोसेटा ६ तथा ७ हुवै। पांणी चोपो। जाट बसै। चुघीया भेळा बसै।

स मत १७१५	१६	१७	१८	१९
६५)	३५५)	२०७)	३५६)	१२५)

१ चावडीयो ग्राधो १५००)

रकबो ३८०० ग्राधो गाव री, ग्राधो सासण छै[1]। पेत सघरा, धोरा, सेंवज चिणा गेहू हुवै, जाट बसै। कोस ३।

स मत १७१५	१६	१७	१८	१९
८१३)	२१६३)	१०९१)	१४२६)	१२६०)

१ धनेड़ो[1]

षेडो सूनो। घनेरीया नील रा माजरै। रकबो ५०८।

३६ गाव

९६. ८॥ सांसण—

४॥ बांभणा नु—

॥ चावडीयो ग्राधो ५००)

रा० वीरमदे रै बेटै जगमाळ री दीयो, भवानीदास तेजसीहोत सिवड़ नु। हिमै जोगीदास गुणेसोत राजसी सादुळ री, राघो महेस री छै। रकबो ३८००। षेत सघरा काठा। सेंवज चिणा हुवै। ऊनाळी कोसेटा १० हुवै। बाभण नाणीया बसै।

१. घनेरही।

1. आधा दान मे दिया हुआ है।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	८१३)	२१६३)	१०९१)	२४२६)[1]	१२६०)

१ हरभु रो बासणी १५०)

रा० जैमल वीरमदेवोत री दत्त । व्यास गोतम ग्येनसर[2] नु । हिमे पाछौ राजा सुरजसिंघजी व्यास सादूळ चकरपांण नु समत १६७६ फेर दीयौ । रकबो ४०० बीघा । सेझो नही[1] । मेड़ते माळीया रै वेरै पीवै । कोस १॥ ।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	८७)	१०५)	९०)	२५६)	१०२)

३ पांचोडोळी[3] बास ३

रा० बरसिंघ जोधावत री दत्त । प्रोहत काना उदारायोत[4] रा नु दीयौ । पछै भाईबट[2] बास जुदा-जुदा बसीया । मेड़ता था कोस १॥ ।

१ गागादास री बास[5] ७००)

रकबो २२८२ । षेत काठा मगरा ऊनाळी कोसेटा ५ तथा ७ हुवै । हमे रामचद सुरताणोत रो नै करन नारावत छै । जाट बाभण बसै ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१५१)	८२३)	३०२)	६८१)	३७२)

१ पांचडोली भाना ५००)

रकबो १४५० । षेत सषरा मगरा । सेंवज चिणा हुवै । धोरा । ऊनाळी नही । छछा रो बास भेळो बसै । बाभण जाट बसै । हिमैं जोगीदास गुणेसोत छै, सावळदास छै ।

१. १४४६) । २. गेनसर । ३ पाचडोली । ४ रुद्रायत । ५ गांव दासा री बास ।

1 पृथ्वी तल में समाहित होने वाला वर्षा का पानी । 2 भाइयो मे हिस्सेदारी होने पर ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
१५५)	३०५)	१७६)	२१०)	२१५)

१ पांचडोली छाछा ३००)

रकबो ६०० । भांना रा वास भेळी बसै । षेत मगरासेवज चिणा धोरै । सेभो नही । तळाव मे बेरा छै तठै पीवै । पाणी थोडो । हिमे षिवो केसरो[1] सांमो जोगा रौ छै । जाट बांभण तेली वसै ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
१३०)	३०६)	६६)	१९२)	१५५)

३
———
४॥

४ चारणां नु सांसण–

१ ऊचीहेड़ो ५००)

राजा श्री सूरजसिंघजी री दत्त । बारेट लषा नांदणोत नु । हिमे गिरधरदास लषावत रा बेटा आसकरण प्रीथीराज अजबौ छै । षेत सषरा[1] छै, कवळा । ऊनाळी सेभो नही । तळाव रंप रा[2] पीवै । जाट बसै ।

१ डागमूरीयो[3] ६००)

रा० बलभदर सुरताणोत रौ दत्त । धधवाड़ीया[2] मोका मांडणोत नु । हिमैं पिरथीराज सुदरदासोत नै जगनाथ मनोहरदासोत रौ छै । षेत काठा मगरा । ऊनाळी नही । कोहर १ बधौ[3], पुरस २०, पांणी मीठौ । ऊपर २ जव[4] हुवै । कोस १० ।

१ केसा रो । २ तळाव री वेरियां । ३ गडसुरीयो । ४ बीघा जव हुवै ।

1 अच्छे, उपजाऊ । 2. चारणों की एक शाखा । 3 पक्का बधा हुआ ।

समत १७१५	१६	१[illegible]	१८	[illegible]	
	६०)	[illegible])	[illegible])	[illegible]	[illegible]

१ [illegible] [illegible])

[illegible]

समत १[illegible]	१[illegible]	१[illegible]	[illegible]	[illegible]	
	१[illegible])	[illegible])	[illegible])	[illegible])	[illegible])

१ पीवावा[illegible] [illegible]००)

[illegible] रीट[illegible]या[2] [illegible] [illegible] २० [illegible] कुणीयाताम [illegible] रहे।

समत १७१५	१६	१७	१८	१६	
	१५०)	४३१)	४०)	८११)[3]	६५)

४
८॥
६५

८७ तर्फ कलरो रेग ५७९०१ गांव ४४

१ कलरो पारा ४०००)

१. २५०)। २. ६११)। ३ २६५)।

1. चारणों की एक शाखा। 2 कुआ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
१५५)	३०५)	१७६)	२१०)	२१५)

१ पांचड़ोली छांछा ३००)

रकबो ६०० । भांना रा वास भेळी बसै । पेत मगरासेवज चिणा धोरै । सेभो नहीं । तळाव मै बेरा छै तठै पीवै । पाणी थोडो । हिमे षिवो केसरो[1] सांमो जोगा रौ छै । जाट बाभण तेली वसे ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
१३०)	३०६)	६६)	१९२)	१५५)

३
———
४॥

४ चारणां नुं सांसण–

१ ऊचीहेड़ो ५००)

राजा श्री सूरजसिंघजी रौ दत्त । बारेट लपा नांदणोत नु । हिमे गिरधरदास लषावत रा बेटा आसकरण प्रीथीराज अजवौ छै । षेत सषरा[1] छै, कवळा । ऊनाळी सेभो नही । तळाव रप रा[2] पीवै । जाट बसै ।

१ डागमूरीयो[3] ६००)

रा० बलभदर सुरतांणोत रौ दत्त । धधवाड़ीया[2] मोका मांडणोत नु । हिमै पिरथीराज सुदरदासोत नै जगनाथ मनोहरदासोत रौ छै । षेत काठा मगरा । ऊनाळी नही । कोहर १ बधौ[3], पुरस २०, पाणी मीठौ । ऊपर २ जव[4] हुवै । कोस १० ।

१ केसा रो । २ तळाव री वेरियां । ३ गडसुरीयो । ४. बीघा जव हुवै ।

1. अच्छे, उपजाऊ । 2. चारणों की एक शाखा । 3 पक्का बंधा हुआ ।

कोस ३, रकबो ६८६२। बडा षेत धोराबध। काठा गेहूं चिणा धोरै। ऊनाळी कोसेटा ४० हुवै। बडो गांव। जाट बसै।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१६
	६३७)	३०८५)	२४२६)	२४४०)	११८०)[1]

१ फळोधी २०००)

रकबो १८४२६। षेत कवळा। सेंवज चिणा हुवै। ऊनाळी नही। कोहर १ सागरो[1] पांणी घणौ तठै पीवै। जाट बसै।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१६
	६७०)	२८८१)	६७६)	२१७४)	१४८०)

१ सीरसलो २०००)

रकबो ७७७६। षेत थळ रा कवळा। सेझो कोहर नु[2] गांव ढाही पीवै। जाट बसै। ढाहा रा कोहर री तीवण[2]।

संवत	१७१५	१६	१७	१८	१६
	९४)	१२२७)	३८४)	२८२४)	१२१८)

१ लाही २५००)

कोस ...[3]। रकबो ६२०४ षेत धोराबंध। सेवज गेहू चिणा १००० बीघा हुवै। बेरै पाणी पीवै। जाट रजपूत बसै।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१६
	२८७)	२२५३)	१०८)	१४४२)	१०४६)

१ वेदावडी[4] २०००)

कोस २। रकबो ३०१५। बरसाळी, बड़ा षेत। सेवज गेहू चिणा बीघा १०००। सेझो नही। तळाव बरसौदीयो पाणी रहै छै[3]।

१ ११८७)। २ नही। ३. मेडता थी कोस ३। ४. बडी (अधिक)।

1. बहुत प्राचीन (किंवदन्ती के अनुसार राजा सगर के पुत्रों द्वारा खोदा हुआ)। 2. ढाहा के कुए मे पानी प्राप्त करने की निश्चित हिस्सेदारी है। 3. तालाब मे वर्ष भर के लिए पानी रहता है।

पुरद वेदावडी रै वेरै पीवै । जाट वसै ।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	३९६)	८१६)	२४)	३६३)	४१३)

१ ढाढोया बासणी २०००)

कोस ४॥ । रकवो ३०५७ । पेत सपरा धोरावध । सेवज बीघा ४००, गेहूं चिणा हुवै । सेभो नही । तळाव मास ६ पांणी रहै । पछै सेपावासणी पीवै । जाट वसै ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१५२)	१५१६)	६२)	५६६)	१३६)

१ पालडीसिध २३००)

कोस ११ । रकवो ११३५ । पेत कवळा धोरावध कोसेटा ३ हुवै । जाट वसै, गूजरा रा घर १० ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	२१)	८११)	६६७)	९१२)	४३१)

१ रामसरी ढढसरी[1] १२००)

कोस १२ । रकवो ९६०० । सेवज गेहूं[2] चिणा वीघा ५०० हुवै । षारीये भेळो बसै । षारीया रा कोहर पीवै । जाट बसै ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१२)	६५८)	३९)	८६०)[3]	३८१)

१ मांगळीयावास[4] १०००)

कोस ९ । रकबो ५४०० । खेत कंवळा, थळ रा, सेभो नही । कोहर १ पाणी मोठो, सागरी । ऊनळी सेवज पीयल, मामुर नही । जाट रजपूत जागीरदार रा घर री बसी रा लोग बसै ।

---

१. ढीढसरी । २. काठा गेहू । ३ ८०७ । ४. मागळियावस ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
१५)	५२३)[1]	४०७)[2]	५१०)[3]	३०५)[4]	

१ सातळवास २०००)

कोस २। रकबो ५८७८। षेत सषरा धोराबंध। गेहू चिणा हुवै। ऊनाळी कोसेटा ३०। जाट बसै।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	२४५)	१११६)	१५११)	१७८६)	८७६)

१ षेडुली २५००)

कोस ३। रकबो १६९०८। षेत धोराबंध। काठा गेहूं[1] चिणा सेवज हुवै। धोरा बेर १[5] पाणी चोषो चाच ६० वेहर मैं। जाट बसै।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१२१)	२०५२)	७४८)	३४३४)	१७८१)

१ ढाहो ३२००)

रकबो[6] १५२०। षेत थळी रा। मगरा ऊनाळी नही। कोहर बधवे पांणी घणी। जाट बसै।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१२१)	१५३६)	६२६)	३१३१)	१२२६

१ गोगारडो[7] ३०००)

रकबो ९६०४। कोस ४। बडा धोराबध षेत। सेंवज गेहू चिणा बीघा २००० हुवै। सेझो तळाव नही, तळाव पांणी षूटै[2] तरा वेदा-बडी पीवै। जाट बसै। तळाव निपट सषरो, सबळो[3]।

१ ८९१)। २. ८९२)। ३. १३६२)। ४ ५११)। ५. वेर मे चांच ६० हुवै। ६ इसके पहले—कसवा थी कोस ६॥। ७ गागरडो।

1. विशेप प्रकार के गेहू। 2. समाप्त होने पर। 3. खूब पानी सामने वाला।

संमत १७१५ १६ १७ १८ १९
१५९७) २९१४) १६१) १४९३) १५१)

१ बेदावडी षुरद १०००)

कोस २ । रकबो ३०१५ । पेत मगरा सेंवज न हुवै । वेहर[1] में कोसेटा ४ हुवै । षेडा वीहू गाव भेळा वसै, जाट ।

समत १७१५ १६ १७ १८ १९
१३६) ४११) २२१) २४६) २१५)

१ गठीयो ३०००)

कोस ५ । रकबो १६५३६ । पेत सपरा मगरा । सेवज गेहू चिणा हुवै । बीघा ५०० । वेहर मे हुवै । सेझो नही । गगारडीणै रै कोहर मे तीवण १ । जाट वसै ।

समत १७१५ १६ १७ १८ १९
५२०)[2] १६९०) ७७४) २४५३) ८१४)

१ षारीयो षंगार री ९००)[3]

कोस १२ । रकबो २०१८४ । पेत धोरावध । रेल रा[1] गेहू सेंवज बीघा ७००, काठा हुवै । सेझो नही । कोहर बधवा । जाट गूजर रजपूत वसै ।

समत १७१५ १६ १७ १८ १९
५०)[4] ९१०) ४७८) १३११) ४३५)

१ गोठण २२००)

कोस ११ । रकबो २१६०० । षेत कवळा । सेंवज चिणा हुवै । सेझो नही । कोहर १ बधवो, पांणी पीवै । जाट कुभार वसै । जागीरदारां री बसी रहै ।

---

१. वेरे । २ ५२०) । ३. २९००) । ४. २०) ।

---

1. अधिक वर्षा होने पर पानी बहकर शामिल होने से ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
४५)	२३७७)	१०९४)	२०२६)	६७६)

१ लांबो जाटां री ५०००)

कोस ५। रकबो २७७४४। बड़ा धोराबध षेत। सेंवज गेहू चिणा हुवै। सेझो पीयल नही। तळाव बरसोदीयो पांणी रहै छै। पछै कोहर पीवै। पाणी थोड़ो मीठौ। जाट बसै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
७६९)	२०३२)	१५७४)	३२६२)	८७२)

१ गांगारडी २०००)

कोस ५। रकबो ४७०४। षेत धोराबंध। सेंवज काठा गेहूं चिणा। सेझो नही। पाणी बेदावड़ो पीवै। जाट बसै।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
७४)	९७५)[1]	४६)	९२२)	२२१)

१ तालोड़ो षुरद ७००)

कोस ९। रकबो ७३५०[2]। षेत सषरा। षेत ४ सेवज चिणा हुवै। ऊनाळी नही। बडा तालोड़ा सुं कोस ०॥ दिषण नुं बसै। कोहर १ बेही रै १ तीवण। जाट बसै।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
४९)	६६१)	१०७)	५५७)[3]	२०६)

१ रेयां[4] षुरद ७००)

कोस ६। रकबो १४०५। षेत सषरा सेझो नही। रैयां[5] भेळा लोक जाट बसै। रैयां रै कोहर पांणी पीवै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
१५)	२५७)	२५१)	६००)	३०१)

१. ९७७)। २ १३५०। ३. ५५१)। ४. रीयां। ५. बडी रेयां।

१ मेरीयावास ४००)

कोस ११ । रकबो २४०० । पेत सपरा काठा । मगरा सेझो । कोहर पाणी नही । चौकड़ी पीवै । जाट वसै ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
७०)	१५६)	३६)	४०६)	१०५)

१ माडपुरीयो ५००)

कोस ६ रकबो ६६०३ । षेत रूडा मगरा रा, के० थळ रा । कोहर सेझो नहीं । जावा रै ऊनाळीयां पीवै । रजपूत वसै ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
७)	१०५)	२५)	१०१)	११९)

१ सहैजा[1] री वासणी ४००)

कोस ६ । रकवो ३३९६ । षेत सषरा काठा मगरा रा । सेझो नही । सीहा चारण री वासणी रै कोहर पीवै । रजपूत वसै ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
७)	१०५)	८९)[2]	३०८)	१०५)

१ घानीयो[3] १२००)

कोस ६ । रकबो १३५३७ । षेत सपरा । धोराबध । सेवज चिणा हुवै । ऊनाळी कोसेटा ७ तथा ८ बेहर माहे हुवै । पांणी थोडो[1] । जाट रजपूत बसै ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
७५)	८६१)	८९२)	१३६२)	५११)

१ तालोड़ी बडी १५००)

---

१. सेहजा । २. ७९) । ३. घनायो ।

---

1 कम पानी ।

कोस ९ । रकबो ६६०० । षेत सापरा रोंवज चिणा हुवै । ऊनाळी कोसेटो १ कोहर ऊपर हुवै । जाट वसै ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
५५)	१११२)	८२२)	१६६०)	३५६)

१ रेवड़ीया[1] १०००)

कोस ६ । रकबो १७०४[2] । षेत सपरा । ऊनाळी सेभो नही । कोहर १ हिंगे रा० हररांम गोइंददासोत पुणायो[1], पांणी मीठो । जाट रजपूत वसै ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
२५)	६६६)	५१८)	१०३०)	३१६)

१ आपलावास ५००)

कोस ७ । रकबो ५४०० । षेत सपरा, कांकळा ऊनाळी नही । कोहर १ वधवो, जठै पीवै । पांणी घणो । जाट रजपूत वसै ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
१८२)	५१२)	३८२)	८११)	२३१)

१ सोढावास ५००)

कोस ६ । रकबो १३६१ । षेत मगरा काठा । ऊनाळी । सेभो नहीं । गांव लावा रै कोहर पांणी पीवै । जाट रजपूत वसै ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
१६५)	५१६)	९५)	६०६)	२०१)[3]

१ पारीया री वासणी ७००)

कोस ११ । रकबो —— । पारीया री सींव मांहै वसै । षेत

१. रेवा पही । २. ७०४ । ३. २०६) ।

1. गोइंददास के पुत्र हरराम राठौड़ ने बसाया ।

सषरा, सर १[1] । उनाजठ[1] छै तठै वीघा ४०० सेंवज चिणा हुवै । षारीया रै कोहर पाणी पीवै । रजपूत वसै ।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
१०)	४०६)	१०८)	६६१)	४१०)

१ मोदुवास ५००)

कोस ७ । रकवो २७३४ । षेत कंवळा अजाईब । कोहर नही । राजोद पीवै । तळाव माहे वेरा छै तठै पीवै ।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
१०९)[2]	६१०)	१८९)	५११)	५८५)

१ पुजीयावास ३००)

कोस ४ । रकवो ३५७७ । षेत सपरा थळी रा । सेभो, कोहर नही । षेड़ो[2] फळोधी भेळी । जाट घर १५ वसै । फळोधी रै कोहर पीवै ।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
५०४)	७११)	३४६)	१००८)	३००)

३२ गाव

९८. ८ सूना षेड़ा षाही लोक पड़ै ।

१ कूपडावास बडो रेष ६००)

रकबो ३३७२ । षेत थळ रा सपरा । षेड़ो सूनौ । नागौर री गांव रोहल रा लोक षड़ै । रा० मांनसिंघ मुरारदास री बसी रा लोग षेत षड़ै । कोस — ।

१. उनाळी । २. १९०) ।

1. बड़ा तालाव अथवा वह स्थल जहाँ खूब दूरी से वर्षा का पानी भरता है । 2 गांव की वस्ती ।

राईचद सुरताणोत नै करन तारावत छै। रकबो १४२५०। पेत कंवळा। सेझो नही। कोहर १ सागरी, पांणी मीठो, पुरस ३२। जाट बांभण बसै। मेडता था कोस ९।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
४७०)	११२५)	४२१)	२०३६)	४३६)

१ बांभण वास १००)

रा० दूदै जोधावत री दत्त बाभण रांमा तीलावत गूजरगोड नु हिमे संकर गोपाळ री नै बु(भु)धर काना री छै। षेड़ी सूनी। फळोधी मांहे बांभण बसै। षेत षड़ै[1]। रकबो २४९४। पेत कवळा। कोस ४॥ छै।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
५)	२५)	३३)	२०१)	१००)

१ भीलावास २००)

राजा श्री सूरजसिंघजी री दत्त, बहारैट परतापसिंघ नादणोत नु हिमे परतापमलोत नै किलाणदास कानड राजसीहोत नु छै। रकबो ३७५०। षेत कवळा। जाट बसै। कोहर[2] नही मागळीयावास रै कोहर पीवै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
३७)	१५६)	२०६)	३०६)	१०५)

१ सीहा री वासणी २००)

रा० वरसिंघ जोधावत री दत्त, जगहठ बाषल चांदणोत नै। कनीया गेहा नु दीयौ। हिमें लषौ उदैसी रौ। कनीयो नै गोयदगोपाळ रौ जगहट छै। रकबो १३५०। चारण बसै। गांठोया[1] रै कोहर पांणी पीवै। कोस ६।

१. गठिया।

---

1. फळोधी (मेड़ता) मे रहने वाले ब्राह्मण खेत बोते है। 2. कुआ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	५५)[1]	२०६)	२३)	३०६)	१४०)

४

४४ गाव रेप रुपीया ५७९०१)

१००. तर्फे रांहण—

गाव ५६ रेष रुपीया ५४७५०)

१ रांहण पास ११०००)

कोस ४ । रकबो ३११९७४ । पेत सपरा, धोराबंध । सेवज काठा गेहू वीघा २५०० तथा ३००० मे सेवज । कोसीटा १५ तथा १६ वेहर मे हुवै । जाट माहाजन सिगळी पवन जात बसै । वडी कसबो । कोस ४ ।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	५४३)[2]	७८५२)	१०४५)	३७०७)	५३७१)

१ सारसडी[3] २०००)

कोस ५ । षेत धोराबंध । सेवज चिणा हुवै । कोसीटा ३५ वेहर मे हुवै । धोरा पांणी चोढो । रकबो ८६६४ । जाट बसै ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	२५७)	८२७)	१०९५)	१२२०)	७३०)

१ नीबोहलो बडो १३००)

कोस ३॥ । रकबो ४००८[4] । पेत सषरा । सेंवज चिणा । कोसीटा ८ तथा १० । जाट बसै ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	७१)	८७१)	९९०)	१३७८)	६४८)

---

१. ५) । २ ६४३) । ३. सारसडो । ४. १२००६ ।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१६०)	१५०)	१५०)	५०५)	२००)

१ कूपडावास षुरद रेष ४००)

रकबो १४१७। षेत कंवळा सषरा थळ रा। षेड़ी सूनी नागोर री गांव रोहल रा लोक षड़ै। रा० मानसिंघ मुरारदास री बसी रा लोक षेत षड़ै।

१ सुडावास रेष ५००)

रकबो ३४७२। षेत कंवळा रूडा[1]। षेडो सूनो। रा० मानसिंघ मुरारदासोत री वसी रा लोक रोहल थका[2] षेत षड़ै।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	३०)	१००)	५०)	२०१)	१००)

१ हांसावास[1] ६००)

रकबो १९९१। षेत सषरा मगरा रा काठा। के० धोरा पिण छै। सेवज गेहू षेत ५ तथा ७ हुवै। षेड़ो सूनो[3] बसीवान लोक को नही। गागारडै रा लोक षेत षड़ै।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१३०)	६०१)	१०२)	५०१)	१३१)

१ नरसघ री वासणी १०००)

रकबो ५५३६। षेत काठा मगरा। षेड़ो सूनो। गगराड़ै[2] रा लोक षेत षड़ै।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	४१)	१५१)	१००)	१०१)	१३५)

१. हासावास। २. गगड़ांणा।

1. बढ़िया, उपजाऊ। 2. रोहल गांव में रहते हुए। 3. गांव सूना है।

१ भैरूंवास ५०)

रकबो ३१७४ । पेत हुआ गन्ना । पेड़ो सूनो । केलावास पुटली रा लोक पेत पड़ै छै ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१६
	१५)	१०१)	०)	१५१)	३०)

१ रैयां तीजो ३५१)

रकबो १४५० । पेत सपरा । पेड़ो सूनो । वड़ी रैया रा ही लोक पेत पड़ै ।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१६
	१०)	२०६)	१००)	३००)	१०१)

१ वुध री वासणी

रकबो ७७७६ । थळ रा पेत । घणा वरसां पहली । हिमे को० पेत षारीयै दापल छै[1] । वीजो रतकूड़ीयो जोधपुर रै वांसै गयो[2] ।

८

---

६६. ४० गाँव तर्फ कालरू रा ।

विगत

५६२०१)	पालसा रा	गांव ४०
१७००)	सांसण	गाव ४
५७६०१)		गाव ४४

४ सांसण

१ टुकड़ी रेप १२००)

रा० वरसिंघ जोधावत रो दत्त, प्रोहत षीदा कान्हावत नु । हमे

---

1. खारिया ग्राम के शामिल माने जाते हैं। 2. जोधपुर परगने मे शामिल कर दिया गया।

राईचंद सुरताणोत नै करन तारावत छै। रकबो १४२५०। षेत कंवळा। सेझो नहीं। कोहर १ सागरी, पांणी मीठौ, पुरस ३२। जाट बांभण बसै। मेडता था कोस ६।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	४७०)	११२५)	४२१)	२०३६)	४३६)

१ बांभण वास १००)

रा० दूदै जोधावत री दत्त बाभण रामा तीलावत गूजरगौड नुं हिमे संकर गोपाळ रौ नै बु(भु)धर काना रौ छै। षेड़ी सूनौ। फळोधी माहे बांभण बसै। षेत षड़ै[1]। रकबो २४६४। षेत कवळा। कोस ४॥ छै।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	५)	२५)	३३)	२०१)	१००)

१ भीलावास २००)

राजा श्री सूरजसिंघजी री दत्त, बहारैट परतापसिंघ नादणोत नु हिमे परतापमलोत नै किलांणदास कानड़ राजसीहोत नु छै। रकबो ३७५०। षेत कवळा। जाट बसै। कोहर[2] नही मागळीयावास रै कोहर पीवै।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	३७)	१५६)	२०६)	३०६)	१०५)

१ सीहा री वासणी २००)

रा० वरसिंघ जोधावत रौ दत्त, जगहठ बाषल चांदणोत नै। कनीया गेहा नु दीयौ। हिमैं लषौ उदैसी रौ। कनीयो नै गोयदगोपाळ रौ जगहट छै। रकबो १३५०। चारण बसै। गांठोया[1] रै कोहर पांणी पीवै। कोस ६।

१. गठिया।

---

1. फळोघी (मेडता) मे रहने वाले ब्राह्मण खेत बोते है। 2. कुआ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	५५)[1]	२०६)	२३)	३०६)	१४०)

४

४४ गाव रेष रुपीया ५७९०१)

१००. तफै रांहण—

गांव ५६ रेष रुपीया ५४७५०)

१ रांहण षास ११०००)

कोस ४। रकबो ३१९७४। षेत सषरा, धोरावध। सेवज काठा गेहू वीघा २५०० तथा ३००० मे सेवज। कोसीटा १५ तथा १६ बेहर मे हुवै। जाट माहाजन सिगळी पवन जात बसै। वडो कसवो। कोस ४।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	५४३)[2]	९८५२)	१०४५)	३७०७)	५३७१)

१ सारसडी[3] २०००)

कोस ५। षेत धोराबंध। सेवज चिणा हुवै। कोसीटा ३५ वेहर मे हुवै। धोरा पाणी चोढो। रकबो ८६६४। जाट बसै।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	२५७)	८२७)	१०९५)	१२२०)	७३०)

१ नीबोहलो बडो १३००)

कोस ३॥। रकबो ४००८[4]। षेत सषरा। सेंवज चिणा। कोसीटा ८ तथा १०। जाट बसै।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	७१)	८७१)	९९०)	१३७८)	६४८)

---

१. ५)। २ ६४३)। ३. सारसडो। ४. १२००६।

१ षुहड़ी वडो २०००)

कोस ८।। । रकबो २०१८४ । षेत थळ रा सपरा । ऊनाळी कोसीटा ७ तथा ८ । जाट बसै ।

स मत १७१५	१६	१७	१८	१९
१५२)	१५४२)	११३२)	२०५७)	१०३५)

१ चुहडीयावास ७००)

कोस ७ । रकबो बीघा २६४२ । षेत सपरा थळ रा कवळा । कोहर १ ऊपर कोसीटा । गांव पीवै । जाट बसै ।

स मत १७१५	१६	१७	१८	१९
७६)	४१६)	६१६)	५६७)	२६६)

१ षुहडी षुरद १०००)

कोस ८।। । रकबो ३१७४ । षेत थळ रा सषरा । कोहर १ पीछ री[1] । ऊपर कोसीटा ऊनाळी । जाट बसैं ।

संमत १७२५	१६	१७	१८	१९
१५)	१६५)	१२४)	३०५)	१५४)

१ दुरगदास थळी ५००)

कोस ९ । रकबो ५४०० । षेत कवळा थळी रा । कोहर १ पाणी पीवण नुं । जाट बसै ।

संवत १७१५	१६	१७	१८	१९
१२१)	५११)	१२१९)	८०९)	४०८)

१ करहो १५००)

कोस ८ । रकबो ५०४६ । थळी रो गाव । षेत कंवळा सषरा । कोहर नही । करहा रै कोहर मे तीण १ । जाट बसै ।

---

1 जनता के पानी पीने का कुआ ।

संमत १७१५ १६ १७ १८ १९
३३६) १२३०) १११) ११२०) २१०)

१ पुनीयावास ७००)

कोस ८। रकबो ४७०४। थळी री गांव। पेत कवळा सपरा। कोहर नही। करहा रै कोहर मे तीण १। जाट वसै।

सवत १७१५ १६ १७ १८ १९
३३६) १२३०) १११) ११२०) २१०)

१ चोहला वास[1] ५००)

रकबो ४२४०। थळी रो गाव। कवळा पेत। पेत सपरा। कोहर १, पाणी षारौ। जाट वसै[2]।

संमत १७१५ १६ १७ १८ १९
१५) ६०१) १७०) ४५९) २०९)

१ आग्या वासणी[3] ७००)

कोस ६। रकबो १०५८४। थळी रो गांव। षेत कवळा। कोहर १ बंधवां। पाणी मीठौ। जाट वसै।

समत १७१५ १६ १७ १८ १९
१६१) १७०) १२०) ६०९) ४०८)

१ राजोद ३०००)

कोस ६। रकबो ३२८५६। थळ रौ गाव। षेत कवळा। निपट सषरो[1]। कोहर १ सागरी बघवा। पाणी घणो मीठो। जाट रजपूत वसै।

समत १७१५ १६ १७ १८ १९
६४१) २५५७) ४८६) १५६६) १०४५)

१. चोहल्यावस। २. मेडता थी कोस ८ (अधिक)। ३ आठयवसणी।

1. बहुत अच्छा गाव।

१ माहीढढ वडो २००)

कोस ६ । रकबो १७३४ । थळ रा षेत रूड़ा । कोहर १ काचौ छै[1] जठै पाणी पीवै । थोड़ो मीठो । जाट बसै ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
१०७)	३०८)	१४)	३०७)	१५४)

१ जेसाबास तोगा ७००)

कोस ४।। । रकबो २९५८ । थळ रा रूड़ा । कोहर नही । षेढुली रै बेरै पीवै । जाट बसै ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
१२३)	१५५)	१२०)	३५६)	२१५)

१ दाबडीयांणी २५००)

कोस ४ । रकबो ११०९४ । षेत सषरा धोरावंध । सेवज गेहूं चिणा । ऊनाळी कोसेटा १२ बेहर मे हुवै । पाणी चोढो । जाट बसै ।

संवत १७१५	१६	१७	१८	१९
१२२)	६६३)	६५९)	११६६)	११५)'

१ जावळी १४००)

कोस ४ । रकबो १२०७६ । षेत सषरा धोराबध । सेंवज चिणा हुवै । ऊनाळी कोसीटा २० बेहर मे हुवै । पांणो थोड़ो । जाट बसै ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
१८७)	१०२३)	८६८)	७६६)	६६६)

१ ढाढोळाई[2] १५००)

कोस ३ । रकबो ६४६८ । षेत सषरा मगरा । ऊनाळी कोसीटा ४ तथा ५ । जाट बसै ।

---

१ ५१५) । २. दोटोळाई ।

---

1. पक्का बधा हुआ नही ।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
९१)	८७३)	१४०)	५६४)	४८५)

१ साभावास[1] ६००)

कोस ३। रकबो — [2]। षेत सपरा थळी रा। ऊनाळी कोसेटा ४ तथा ५। जाट वसै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
२०)	१८२)	१४७)	३४८)	२५७)

१ जोधडावास ५००)

रकबो १३८५। षेत सषरा थळ रा कंवळा। कोहर १ बंधवां पीछ री। जाट वसै।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
८)	१२०)	६)	१०५)	५२)

१ डुगर अचळा ४००)

रकबो ६९३६। षेत थळ रा रूड़ा। कोहर १ बधवो। पांणी घणो। ऊपर ऊनाळी[1]। जाट वसै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
२३)	४६०)	६१२)	६१५)	४६४)

१ दुदड़ावास ५००)

कोस ८। रकबो ३२०२। षेत थळरा कवळा। कोहर १, पांणी घणो। जाट वसै।

संवत १७१५	१६	१७	१८	१९
१०६)	५८०)	३१६)	६१५)	३१४)

१ सांडावास। २. ४७०४।

1. ऊनाळू साख होती है।

१ भादुवसी[1] ७००)

कोस ६ । रकबो ४२४२[2] । थळी री गाव, पेत कवळा । कोहर १ पाणी पीवण री । जाट वसै ।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
५०)	६११)	४०१)	५१२)	३११)

१ षारीयो बडो २०००)

कोस ६ । रकबो ६८८२ । थळ री गाव । पेत कवळा, सपरा । कोहर १ पाणी पीवण नु, वधवा, सपरी । जाट वसै ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
२०१)	७३०)	५८५)	७२२)	६२६)

१ पोलावास ८००)

कोस ७॥ । रकबो ३९०१ । पेत रूडा थळ रा । कोहर १ पाणी मीठी । बिसनोई जाट वसै ।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
७६)	१३७)	३५)	१०१८)	६१७)

१ बीचपुड़ी ५००)

कोस ६ । रकबो ३४५६ । थळी री गांव, षेत कंवळा । कोहर नही, राजोद रै कोहर पीवै । जाट बसै ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
६९)	३०५)	१६)	२०४)	१२४)

१ षीवावास ३००)

कोस ६॥ । रकबो ३६५६ । षेत थळ रा रूड़ा । कोहर नही, करहा रै कोहर पीवै । जाट बसै ।

---

१. भादुवासी । २. ४३४७ ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१६	
	८१)	१३०)	६०)	३१२)	३११)

१ माहो ढढ पुरद २००)

कोस ६ । रकबो १५३६ । थळ रा पेत रूडा । कोहर १ काचो । वेरा पाणी थोडो मीठो । जाट वसै ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१६	
	६५)	१०५)	१४)	१५४)	१०४)

१ जेसावास अपैराज ४००)

रकबौ १७३४ । षेत थळ रा सपरा । कोहर नही । पेटुली पीवै । षेडी जेसावास-तोगावास भेळी वसै । जाट वसै ।

१ जारोडी बडी १६००)

रकबौ १२४२१ । कोस ५ । षेत सषरा धोराबध । सेवज चिणा हुवै । तळाव बेरा बरसोदीया पाणी रहै । पछै षेटुली[1] पीवै । जाट रजपूत वसै ।

समत १७१५	१६	१७	१८	१६	
	२१०)	२०४२)	५०५)	२०३२)	१०३८)

१ जारोडी गुजरा १०००)

कोस ५ । रकबो २६४६ । पेत कंवळा । सेझो नही । पेटुली री वेरा पीवै । जाट रजपूत वसै ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१६	
	४६)	३०६)	२५)	५११)	३५५)

१ छापरी बडी १०००)

कोस ६ । रकबौ ५४०० । षेत सषरा । सेझो कोहर नही । फळोधी ओलादण रै कोहर मागीयो पाणी पीवै । जाट वसै ।

---

१. पेढुली ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	३२)	१२०)	११७)	४६१)	३०५)

१ नीवोहळो[1] पुरद १०००)

कोस ३ । रकबो १५३६ । पेत सपरा कवळा रूडा । ऊनाळी कोसीटा ४ हुवै । जाट बसै ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	२६)	२९६)	२३१)	३६५)	१५४)

१ पड़वालो[2] १०००)

कोस ६॥ । रकबो २१२६ । पेत थळ रा । ऊनाळी कोसीटा ४ हुवै । जाट बिसनोई बसै । कोहर १ गाव कनै पीछ री ।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१५४)[3]	३८०)	४३४)	७१७)	६१६)

१ दत्तणी ४००)

रकबो ५४०० । थळ रा बडा पेत । ऊनाळी नही । पाणी तळाव रा बेरा पीवै । थीराव षेटुली रा बेरा पीवै । जाट बसै ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	३२६)	१६३२)	१८६)	२०३६)	७८६)

१ जारोड़ो षुरद १०००)

कोस ५ । रकबो ६१४४ । षेत सषरा कंवळा । सेझो नहीं । षुटली रा बेरा पीवै । जाट बसै ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	३४)	४०६)	१४)	५०८)	२०७)

१ छापरी षुरद ५००)

कोस ६ । रकबो १०५८४ । षेत रूड़ा । सेझो नही । कोहर नही ।

---

१. नीबोलो । २. पांडवलो । ३. ११४) ।

फळौधी ओलादण नागोर रै कोहर मागीयो[1] पाणी पीवै। राजपूत जाट वसै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
३६)	११५)	४५)	४०५)	२५४)

१ सुपावासणी ४००)

कोस ...। रकबो १७३४। षेत रूड़ा थळ रा मगरै रा। कोहर १ काचो। वेरा छै तठै पीवै। जाट वसै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
७३)	२०६)	६५)	३०५)	११५)

१ छीकणवास ५००)

कोस ६। रकबो १७१६। षेत मगरा रा काठा। ऊनाळी कोसीटा ४ तथा ७ हुवै। पांणी चोढो। जाट वसै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
६५)	३७६)	४११)	५०७)	२८१)

३८

१ ———————— १ ————————

१०१. ७ सूना षेड़ा मांजरा मांही षेत षड़ै—

१ जेतावास[1] १००)

षेत रूड़ा। पुनीया बास रा लोक षेत षड़ै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
०)	०)	१८)	३१)	२५)

१. जंतीवस।

1. मांगकर।

१ नेणांवास ३००)

कोस ८। रकबो २८०६। पेत सपरा। वसीवान[1] घर २ जाट छै। तिके पारीये वडै पीवै। उठै थका पेत पड़ै। बीजा पारीया रा लोक षेत करै। कोहर १ षड़ै छै[2]। पाणी पारो।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	२६)	२०६)	११५)	३०६)	२५७)

१ षारीयो षुरद ४००)

रकबो १५२६। षेत सषरा। पोलावास रा लोक षेत पड़ै।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	२५)	५१)	४३)	५१)	५०)

१ रैबारीयां री वासणी २००)

रकबो १४२६। षेत कवळा। वसीवांन लोक कोई नही। मांही ढंढ बडैरा[3] षेत लोक षड़ै।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	३७)	९२)	२१)	२०४)	५३)

१ देवावास ५००)

रकबो २५०१। षेत सषरा। वसीवांन लोक कोई नही। दाबड़ीयाणी रा लोक षेत षड़ै।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	६)	०)	६)	१३९)	१०१)

१ सावळीयावास १००)

रकबो ४५६। षेत कोई नहीं। षेड़ो सूनो। षेत पड़ीया रहै।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	०)	७०)	४०)	०)	२०)

---

1. स्थायी रूप से बसने वाले। 2. एक कुआ जोता जाता है। 3. बडे-बड़े गढ्ढे जिनमे वर्षा का पानी भरा रहता है।

१ जेसावास भेरणा २००)

रकबो ——। षेत थळ रा। पेड़ो नही। जेसावास तोगा ग्रपैराज वुहो रा लोक षेत षड़ै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
०)	४५)	१५)	१५०)	१५५)

७

४५

१०२. ११ सासण—

३ वाभणा नु—

१ दावड़ीयाणी पुरद ४००)

रा० जैमल वीरमदेवोत री दत्त, पोकरणा केलण चुतरे रा वेटा नु हिमे गिरधर तुळछीदासोत नै रामचंद डांवरोत छै। रकबो ५८००। जाट वसै। षेत सपरा। चाच ५। रेल हुवै[1]। पांणी दावड़ीयाणी पीवै। मेड़ता था कोस ४॥।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
७०)[1]	२५६)	१७६)	४०६)	२४५)

१ नीवहलो[2] गंगदास २००)

रा० राईमल दुदावत री दत्त, प्रो० पीदा कान्हावत नुं। हिमें राईचद सुरतांणोत नै करन तारावत छै। रकबो ४०५६। षेत्र कोठा कंवळा। सेंवज चिणा हुवै। कोसीटा २ हुवै। जाट वसै। कोस ६॥।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
१५)	१४३)	६८)	२०५)	११९)

१ सांवळीयावास पुरद २००)

१. १७०)। २. नीवलो।

1. वर्षा का पानी खेती मे भरता है जिससे गेहू-चने की फसल होती है।

वीरमदे दुदावत री दत्त। व्यारा जगदे रामदेव री [illegible]माळी[1] नु। हिमे रामपोरा[1] कचरावत नै फरसराम कचरावत सा[illegible]गरामगो री हरराम ढुधनाथ[2] री छै। हेसे ४। पेडो सूनो कोस ४। रकबो १६४४। षेत कवळा बाजरी मोठ हुवै। कोहर १, पांणी भळभळो। पुरसे २०[2]।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
६६)	५१)	४०)	४१)	२०)

३

१०३. ७ चारणा नु—

१ वीछुवास ४५०)

राजा श्री सुरजसिंघजी री दत्त बारहट संकर तेजसोहोत नु। हिमै देईदास रांमदासोत छै। रकबौ २९०४। षेत कवळा। जाट चारण बसै। कोहर १ बधवौ, पांणी मीठौ। कोस ७।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
१५५)	०)	८४)	४११)	३१०)

१ गेमावास ५००)

राजा श्री सुरजसिंघजी रौ दत्त, रतनु दांना हरराजोत नु। हिमें सांवळदास दानावत नै लिषमीदास जसावत छै। रकबौ ८८४। षेत कवळा। कोहर १ पाणी भळभळौ। जाट चारण बसै। कोस ८।

१ जोधड़ावास षुरद १००)

रा० जैमल वीरमदेवोत रौ दत्त, बीठू माला तेजावत नु हिमें पोथौ नरसघ रौ षेमौ ईसर री छै। रकबो १०१४। षेत कवळा। सेभो कोहर नही। जाट बसै। बडै जोधड़ावास पोवै कोस ८।

१. रामेश्वर। २. रुघनाथ।

1. श्रीमाली। 2. बीस पुरस गहरा।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
१०)	०)	१४)	१०३)	४२)

१ नैते री वासणी २००)

रा० सुरताण जैमलोत री दत्त, रतनू साकर हीगोळावत नु। रकबौ २६४६। पेत कवळा। सेभ्फी नही। ढाहा रै कोहर पीवै। हिमे रामसिंघ सादुळोत सुरो कलावत नै नाथा[1] कानड़ री वसै। जाट बसै। ढाहरी[2] रै कोहर पांणी मागीयो पीवै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
१५)	५१)	४१)	१५३)	११३)

१ जारोडो वेणां १००)

अचळा रायमलोत री दत्त, वधवाडीया चाडा चाडा माडणोत नुं। हिमे सुदरदास मोहणदास माधोदासोत छै। रकबो २७०४। बेडो पाही, सूनो।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
१००)	१५५)	१४)	१५१)	५०)

१ अचळा रा पेत १५०)

रा० अचळा रायमलोत री दत्त बीठू आवा तेजावत नु। हिमें कूपो पंचाइणोत, हदो चौथ री, ऊदो अमरावत छै। रकबो ३८४। पेत कंवळा बेड़ो को नही। पेत पाही षड़ै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
१०)	३०)	८)	२५)	२०)

१ परबतसर रा बेत[3] १५०)

रा० दुदा जोधावत री दत्त। रतनु पाला ऊदावत नु। हिमें तेजसी नाथो सांकर रा वेटा छै। रकबो १९४४। षेत कवळा। षेड़ो

1. नाथो। 2. ढाहा। 3 परवत रा पेत।

सूनो। राहीण रै षेड़ै[1] इण गाव रा लोग वसै। पेत पड़ै। राहीण पीवै।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१०)	४५)	१०)	२१)	२०)

७

१ षातोळाई ५००)

माहाराजाजी श्री जसवंतसिंघजी री दत्त। पीरजादा पुजमहमद नीजाम नै नीजरबळी नु, समत १७०९ दीयो। रकबो ५,०४६। पेत कवळा कोसीटा २ हुवै। जाट वसै। मेड़ता थी कोस ७।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	५७)	३०८)	१५८)	३१५)	११०)

११

५६ गांव

५१९००) षालसै रा गाव ४५

२८५०) सासण गांव ११

५४७ ०) गाव ५६

१०४. ता० मोडरो रेष ९१९००) गाव ४१

१ मोडरो षास ४०००)

रकबो १३२५४। षेत धोराबध। काठा गेहू चिणा हुवै। सेझो छै। कोहर २ हिमे नवा षिणाया[2], तठै गाव पीवै। ऊपर ऊनाळो कोसीटा हुवै। जाट वसै। गाव घणा दिन हुवा षराब छै[3]। मेड़ता थी कोस ४।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	४७)	१४१३३)	२०१)	१०७९)	९४६)

१ अरणीयाळो ६५००)

1. राहीण गांव मे। 2. अब दो कुए नये खुदवाये हैं। 3. बिगड़ा हुआ है।

रकबो ६३०२। षेत धोरावध, सेंवज काठा गेहू चिणा हुवै। ऊनाळी कोसोटा ५० तथा ६० हुवै। जाट वसै। भलो गाव, आवादान। मेड़ता थी कोस ५।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	४५१)	४६८४)	४१५७)	४९६१)	२१७८)

१ वगड ५०००)

रकबो ११३०२। षेत धोरावध। सेवज चिणा हुवै। कोसीटा २० तथा २५ हुवै। जाट वसै। वडो गांव। सांवणु वडा षेत। मेड़ता थी कोस ५॥।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	५३०)	६५८२)	५६५५)	५७८२)	२५३८)

१ आछेजाई ७०००)

रकबो ११६१६। बडा धोरा षेत, सर[1] बीघा २००० सेंवज गेहूं चिणा हुवै। माहे कोसीटा ४० तथा ५० हुवै। जाट वसै। बडो गाव। मेड़ता थी कोस ९।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	५७२)	४१६१)	६७१२)	३४७६)	१७७७)

१ ईडवो ५०००)

रकबो १८२६। षेत धोराबध। सेंवज गेहू चिणा हुवै। सेभो नही तळाव बरसोदोयो पाणो हुवै। पछै तळावा रा वेरा पोवैं। जाट बाणीया वसै। सेहर था कोस ८।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	६४३)	८७६२)	६२९४)	४२६०)	३०३६)

१ महेवड़ो ५०००)

1. वह जमीन जहाँ काफी लंबी दूरी में पानी भरा रहता है।

रकबो ११६१६ । बडा षेत घोरावंध । सेवज गेहू चिणा हुवै । ऊनाळो कोसीटा ३० हुवै । तळाव वरसोदोयो पाणो रहै । जाट बसै । बडो गाव । सेहर सु कोस ७ ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
६७४)	५२६०)	४२९९)	५७८५)	४१००)

१ पालड़ी बडी ५०००)

रकबो १५००० । पेत घोरावंध, सर १ बीघा २००० में । सेंवज गेहूं चिणा हुवै । कोसीटा ६० तथा ७० । चाच १५० हुवै । वडो गाव । जाट बांणीया बसै । मेड़ता थी कोस ८ ।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
२५४१)	८१५३)	७७९०)	४८४०)	३४४५)

१ लापोळाई ४०००)

रकबो ११०४९ । षेत घोरा सेवज चिणा हुवै । कोसीटा ८० तथा १०० हुवै । पांणी षारो । मोटो तळाव बरसोदीयो पाणी रहै । जाट बसै । मेड़ता थी कोस ५ ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
१३१०)	४२७५)	४४३२)	३६९७)	२२१४)

१ जुलाणो[1] २५००)

कोस ५ । रकबो १३४२३ । षेत सषरा काठा मगरा । सेवज चिणा घोरा । कोसेटा ३० । जाट बसै ।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
४२)	१२४२)	१८६६)	१६३३)	१६९०)

१ सीरासणो ३६००)

कोस ५ । रकबो १४८७२ । बडा षेत धोराबध । सेंवज गेहू काठा चिणा । कोसीटा ४० तथा ५० । जाट बसै[2] ।

---

१. ललाणो । २. मेडता थी कोस ८ (अधिक) ।

स मत १७१५	१६	१७	१८	१९
५११)	३२७८)	१४२६)	२८७२)	२३१७)

१ धोळेळाव बडो ३०००)

कौस ५। रकबो ८३४६। षेत घोरावध। सेभो नही। तळाव बरसोदीयो पाणी रहै। जुलाणं पीवै। जाट बसै।

स मत १७१५	१६	१७	१८	१९
९२)	९१३)	४६६)	१४२५)	६१९)

१ पालडीयोवास[1] २५००)

रकबो १४०५५। कोस —। षेत घोराबध। सेंवज चिणा। सेभो नही। तळाव मास ८ पांणी रहै। पछै बेरीया पटवाणी[2] सो पाणी तठै पीवै। जाट बसै।

स मत १७१५	१६	१७	१८	१९
२१०१)[3]	५४०२)	१०२२५)	१२९२)[4]	२३८२)

१ नथावेडी[5] २५००)

कोस ७। रकबो ५०४६। षेत सषरा काठा। सेवज चिणा, कोसीटा १२। जाट बसै।

स मत १७१५	१६	१७	१८	१९
६४)	२९६६)[6]	२८६८)	४२४५)	१५५७)

१ अकोली बडो ३०००)

कोस ९। रकबो ११४४७। षेत घोराबध। सेवज काठा गेहूं चिणा। घोरा सेभो। कोहर १ बधवाणी पीछ रौ। जाट बसै।

स मत १७१५	१६	१७	१८	१९
४१६)	२०३३)	१७६७)	१२२९)	८४५)

---

१ पालडीयावास। २ पटावाणी। ३ १२०१)। ४. ६२९२)। ५. नथा-वडो। ६. २९५६)।

१ रळीयाइतो　　　　　　२०००)

कोस ३ । रकबो १७३४ । षेत धोराबध । सेवज गेहू काठा चिणा । सेझो नही । तळाव मास ८ पाणी रहै । पछै महेवड़ै पीवै । पांणी घणौ । जाट बसै ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
३६)	७२२)	४१६)	७६४)	४८४)

१ बेहडावास[1]　　　　　　१५००)

कोस ६ । रकबो १९४४ । षेत धोराबध । सेवज गेहू चिणा हुवै । ऊनाळी कोसेटा २ हुवै । जाट बसै ।

संवत १७१५	१६	१७	१८	१९
४९६)	१०२३)	४४३)	९१९)	६२६)

१ डुमांणी　　　　　　३०००)

कोस ६ । रकबो १०५८४ । षेत धोराबध । सेवज गेहू चिणा । सेझो नही । तळाव बरसोदीयो पांणी । पछै तौ वडोली पीवै । जाट बसै ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
३८२)	२०३३)	५७५)	१०२६)	७७७)

१ धांमणीयो　　　　　　१५००)

कोस ६ । रकबो ४०५६ । बरसाळी वडा धोराबध षेत । सेंवज चिणा । ऊनाळी कोसेटा ५ । जाट बसै ।

संवत १७१५	१६	१७	१८	१९
२६१)	१२३२)	१२९०)	१३३२)[2]	७४३)

१ तीघरी　　　　　　८००)

कोस ७ । रकबो ३३३६ । बरसाळी षेत काठा मगरा । सेवज

---

१. वडो (अधिक) ।　२. १३२३) ।

चिणा। सेझो नही। तळाव मास ४ पाणी रहै। पछै चेचीयावास पीवै। जाट वसै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
५१)	२६२)	४६२)	३५८)	३९९)

१ रांमसरी २५००)

कोस ८। रकवो ४६३७। वरसाळी खेत काठा मगरा। सेवज चिणा। ऊनाळी सेझो नही। तळाव वरसोदीयो पाणी रहै। पछै ववळे[1] पीवै। जाट वसै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
४३)	१२२७)	४६४)	४८१)	४७६)

१ वेहडावास पुरद २०००)

कोस ६। रकवो २१६६। खेत धोरावध वडा खेत। सेवज चिणा। कोसेटा ७ तथा ८। पाणी थोडा, वीघा ४ पीवै। जाट वसै।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
४२०)	१०२६)	१०५१)	९७६)	६२५)

१ केरीयो २४००)

कोस ६। रकवो ५१३८। धोराबध वडा खेत। सेवज चिणा। कोसेटा ४, पाणी थोडो। जाट वसै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
३६८)	१५३२)	१६७१)	१७१५)	९२९)

१ पुनीयावास ९००)

रकवो ४७०४। कोस ६॥। वरसाळी धोराबध खेत सखरा। सेंवज चिणा। धोरा सेझो नही। तळाव मास ४ रहै। पछै धामणीय पीवै। जाट वसै।

---

१. बावळले।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
३१६)	१०२२)	१२३५)	१११२)	६८७)

१ बावळलो २०००)

कोस ७ । रकबो ६६६४ । बरसाळी वडा धोरावध पेत । सेवज चिणा । ऊनाळी कोसेटा २० तथा २५ । तळाव वरसोदीयो पाणी रहै । बसीवान जाट । रा० हरीदास नाहरषांनोत री बसो[1] ।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
७२)	२०२५)	१२८२)	१६९०)	१६३३)

१ देवळमाघा १००)

कोस ५ । रकबो ४७०४ । बरसाळी षेत काठा, मगरा । सेंवज चिणा । ऊनाळी कोसेटा ७ तथा ८ । जाट बसै ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
५२)	७३२)[1]	३३९)	५६२)[2]	२६४)[3]

१ देवळीमांडा ९००)

कोस ५ । रकबो २९०४ । बरसाळी षेत काठा, मगरा । सेंवज चिणा । ऊनाळी कोसेटा ५ तथा ७ । जाट बसै ।

संवत १७१५	१६	१७	१८	१९
५२)	३६१)	३१९)	३०९)	२३१)

१ नथावड़ो १५००)

कोस ७ । रकबो ३७५० । बरसाळी षेत धोराबध । सेंवज चिणा । कोसीटा १० तथा १२ हुवै । जाट बसै ।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
२०७)	१३३६)	५१३३)[4]	२२०९)	१४५८)

१ ७२२) । २. ५६३) । ३. ३६४) । ४ ११३३) ।

1. निवासस्थान ।

१ जाटसु' नानग २५००)

कोस ७। रकबो ६६००। बरसाळी पेत धोरावध। सेवज चिणा। सेझो ऊनाळी नही। कोहर १ वधवो। पांणी मीठी। जाट बसै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
१२५०)	४९६)	२०९७)	१५९०)	१२३३)

१ चेचीयावास १५००)

कोस ८। रकबो ३४५६। बरसाळी धोरावध वडा षेत। ऊनाळी कोसीटा ७ तथा ८। जाट बसै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
४०)	५१२)	५७५)	५६३)	३८८)

१ डुगरवास ५००)

कोस ६। रकबो ४९०७[२]। बरसाळी षेत सषरा। सेवज चिणा। ऊनाळी कोसेटा १० तथा १२। जाट बसै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
९७)	८२२)	१४२६)	१०२०)	३९०)

१ फरासतपुरो १०००)

कोस ३। संमत १७०३ नवौ बसीयौ[1]। रकबो······। मोडरा दांबडीयाणी रो सीव[2] बसीयौ। षेत सषरा धोरावध। ऊनाळी नही। तळाव बरसोदीयो पाणी रहै। पछै दोटाळाई पीवैं। जाट बसै। समत १७१५ श्री मदनमोहनजी रै देहरै चढ़ायौ[3]।

---

१. जालसु। २. ४९००।

---

1 नया गाव बसा है। 2 सीमा मे। 3- देवस्थान को अर्पित कर दिया। देवस्थान के खर्चे के लिए ही ग्राम की आमदनी देवस्थान का पुजारी काम मे लेता है। सभी करों से भी यह भूमि मुक्त होती है।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१४)	२७७)	३२)	४१८)	३२४)

१ मोडरो गोडां री ४००)

कोस ३ । रकबो २६४६ । बरसाळी बडा धोरावध षेत । सेवज गेहूं काठा चिणा । सेझो नही । गोडरा रो षेडो बडो गेळो बसै । प० दुनीचंद नुं ।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	६)	१५३)	१४)	२०५)	१५५)

१ आकोली पुरद ८००)

कोस ४ । रकबो ५२२१ । बरसाळी षेत राषरा । ऊनाळी षेत राषरा । ऊनाळी कोसीटा ४ तथा ५ । जाट बसै ।

१ धांधळवारा[1] ऊदा ९००)

कोस ४ । रकबो ८६४६ । बरसाळी षेत धोरा सेंवज गेहूं चिणा । ऊनाळी कोसीटा २ । जाट बसै ।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	२५)	२२२)	७२)	४२५)	१६९)

१ धांधळवारा जालप ८००)

रकबो ४३२३ । षेत बरसाळी राषरा । सेंवज चिणा सेझो नहीं । षेडो धांधळवारा ऊदा गेळो बसै । अही गांव री लोक पीवै[2] ।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१२)	२२७)	१०९)	३२५)[3]	२१९)

१ ऊधीयावास ४००)

कोस ६ । रकबो १७३४ । बरसाळी षेत राषरा । सेंवज गेहूं । ऊनाळी कोसीटा २ । जाट बसै ।

---

१. पापळावस । २. पाणी दोनुं गांव गेळा पीवै । । ३. १५५) ।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१४)	६०)	१०६)	२२७)	३२६)

१ षीदावास   ३००)

कोस ७ । रकबो ३४५६ । बरसाळी पेत काठा मगरा । ऊनाळी कोसीटा ४ तथा ७ । जाट वसै ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१६६)	६२६)	२६५)	५१७)	१९८)

१ राणीवास[1]   ४००)

कोस ६ । रकबो ११७६ । बरसाळी धोरावध वडा पेत । सेंवज गेहूं चिणा । ऊनाळी कोसेटा २ तथा ३ । पेडो बावळलो भेळो वसै । जाट बसै ।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१०)	२१६)	२५)	१७५)[2]	१००)

३८

पेडा सगळा बसै, आवादान ।

३ सांसण

१ पेडो चपा   ८००)

रा० वीरमदे दुदावत री दत्त । श्री० रांमा डुगावत जागरवाळी नुं । हिमैं जगनाथ चापावत नै जीवो सुरतांणोत छै । रकबो बीघा ——। पेत काठा रूडा । कोसीटा ९ तथा १० । पेडै जाट बाभण वसै । मेडता था कोस ५ ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	११०)	४७२)	३२२)	९०६)	३५७)

१ पानपुरो   ६००)

रा० दुदा जोधावत री दत्त । चारण जगहथ पोटल काळा साम[3]

१. रांणीवस । २. १७१) । ३. स्यांम ।

राव रा बेटा नु दीयो । हिमे अमरो पुजावत नै दुरगो नादावत छे । रकबो ६२० । षेत कवळा काठा मगरा । चिणा सेवज । कोसेटा ६' ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
२३०)	४५६)	४२५)	३८१)	३५६)

१ मोडरीयो ४००)

रा० सीहा वरसीघोत री दत्त । षिडीया सीहो चदरावत लाधी, पछे री बेटी काना हुयी । पछे रा० जैमल बीरमदेवोत पडीया चाहड माडणोत नु दीयो । हिमे भगवांन जसावत कमे सुंदर री नारण अपावत छै[1] । रकबो ४६३७ । षेत काठा सारा सेवज चिणा । तळाव बरसोदीयो पाणी रहै । पछै चेचीयावास पोवै । जाट चारण बसै । कसबा था कोस ८ ।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
२८५)	५७१)	२२०)	५२५)	३२५)

३

४१ सगळी गाव बसती[2]—९१९०० । विगत—

९०१०० षालस गाव ३८

१८०० सांसण गाव ३

१०५. तर्फ अलतवो—

१ अलतवो षास ५०००)

रकबो १४११३ । बरसाळी षेत घोरा । सेवज चिणा । ऊनाळी कोसेटा २० तथा २५ । पाणी थोडो । बीघा ६ तथा ७ पीवै[3] । जाट बसै । मेडता था १५ ।

१ चारण जाट बसै ।

1. अखा का पुत्र नारायण है । 2. सम्पूर्ण गांवो मे आबादी । 3. ६-७ बीघो में पानी दिया जा सकता है ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१६
	१५२६)	१८११)[1]	१७८४)	३४५३)	११६४)

१ मदीयान २५००)

कोस १४। रकबो ८८४७२। वरसाळी धोरावध षेत। सेवज चिणा। ऊनाळी कोसेटा २० तथा २५। पाणी थोडो। बीघा ६ तथा ७ पीवै। जाट बसै।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१६
	३०१)	११४१)	१००४)	२०३०)	१२४१)[2]

१ चादारूण २०००)

कोस १३। रकबो ६७७४। बरसाळी धोरावंध षेत। चिणा ऊनाळी कोसेटा १५ तथा २०। पांणी थोडो, वीघा ७ तथा ८ पीवै। जाट बसै।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१६
	२८७)	४७१)	१०३१)	१११६)	८१८)

१ भयो वडो ३०००)

कोस १४। रकबो १५२४१। बरसाळी षेत कवळा थळ रा। ऊनाळी कोसेटा १५। पाणी थोडो। जाट बसै।

सवत	१७१५	१६	१७	१८	१६
	५५२)	८४१)	११६७)	१६३६)	७२८)

१ पुचीपलो[3] २०००)

कोस १७। रकबो ६५५६। बरसाळी षेत सपरा। ऊनाळी कोसीटा १० तथा १२। कोहर १ बंधवो सागरी, गाव पीवै। ऊपर ऊनाळी[1]। जाट बसै।

१. १८०१)। २ १२५१)। ३ पचीपलो।

1. ऊनालू साख भी होती है।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
५७२)	७२२)	४३४)[1]	१७७९)[2]	६६९)

१ बीठावास ४०००)

कोस १४। रकबो ६९८५। बरसाळी षेत सषरा। सेवज चिणा। ऊनाळी कोसेटा ४० तथा ५०। जाट बसै। वडो गाव।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
१३७८)	१८७७)	५८८३)	२७२६)	१८८८)

१ बाजोली जाटा[3] २५००)

कोस १३। रकबो ११२२३। बरसाळी षेत कवळा धोरा। सेंवज चिणा। ऊनाळी कोसेटा ६० तथा ७०। बावड़ी १ बधवा[1]। गाव रा लोक पांणी पीवै। जाट बसै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
१०७३)[4]	२२७२)	३२५४)	२४७२)	१७२२)

१ कितलसर[5] १७००)

कोस १२। रकबो १४०५५। बरसाळी षेत कवळा सषरा। सेंवज चिणा। ऊनाळी कोसीटा २०। बावडी १ बधवा। गाव रा लोक पांणी पीवै। जाट बसै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
५३८)	१५३७)	९१८)	३०३६)	१७२६)

१ भईयो षुरद १३००)

कोस १४। रकबो ९६०१। बरसाळी षेत कवळा थळ रा[2]। सेवज चिणा। ऊनाळी कोसीटा ७ तथा ८। जाट बसै।

१. ४३८४)। २. १७१९)। ३ ब्राजोली। ४. १०३७)। ५, कीतलसर।

1 पक्की बधी हुई बावली। 2 रेतीले।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
१४२)	६७१)	६९०)	६३६)	२८६)

१ डोभडी बडी १२००)

कोस १२। रकबो ६६६४। बरसाळी पेत कवळा थळ रा। सेवज चिणा। ऊनाळी कोसेटा १० तथा १२। जाट वसै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
५७७)	६४६)	१०३२)	१११७)	९९१)[1]

१ आंतरोळी[2] सांगा २०००)

कोस १४। रकबो ३२४३। बरसाळी बडा पेत। ऊनाळी सारी सीव मे सेझो। कोसेटा ४२। सेंवज चिणा। जाट वसै। पाही पिण षेत पड़ै।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
११२२)	११३२)	२१००)	१२०८)	६२६)

१ मुहाडीयो[3] १०००)

कोस १३। रकबो ३३८४। षेत सषरा काठा। ऊनाळी कोसेटा १० पिण आषरीयै। जाट वसै।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
८८)	५०८)	५५९)	६१३)	४६५)[4]

१ पालड़ी राजा ५००)

कोस १४। रकबो २४००। बरसाळी षेत थळ रा कंवळा सषरा ऊनाळी कोसेटा ५। पाणी चोढो। जाट वसै।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
८७)	२५७)	२२७)	३३२)	३१२)

---

१. ८८१)। २. आन्तोलो। ३. कुहडियो।
४ ९८) २५७) २२७) ३१२) ३२२)।

१ ललाणो बडो १०००)

कोस १४। रकबो ८२१४। षेत बरसाळी। थळ रा। ऊनाळी नही। तळाव मास ८ री पांणी रहै। पछै षरललाणे[1] कोहर १ पीवै। जाट बसै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
२२६)	१५३)	३०)	३०६)	१६०)

१ भुतवो ५००)

कोस १५। रकबो १९४४। बरसाळी कवळा षेत थळ रा। ऊनाळी कोसीटा ४ तथा ५ हुवै। पांणी थोडो। बिसनोई बसै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
१०८)	२३२)	२३३)	२६२)	२०७)

१ षेडीललीया ५००)

कोस १६। रकबो १३५०। बरसाळी थळ रा षेत सषरा। ऊनाळी कोसेटा २ हुवै। जाट रजपूत बसै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
१७५)	२०६)	१५७)	८१०)	१२२)

१ गेहडो बडो ४००)

कोस १८। रकबो २६४६। षेत सषरा। ऊनाळी कोसेटा १०। पाणी थोडो। बसीवांन लोक नही[1]। रा० माहासंघ जगनाथोत री बसी रा लोक छै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
२०६)	३३१)	३२६)	६२२)	३२६)

१ पालडो महेस ५००)

---

१ पुरललाणो।

---

1. आबादी नही।

कोस १४।। । रकबो २९०४ । बरसाळी षेत सषरा । ऊनाळी कोसीटा २ हुवै । जाट बसै ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	४५)	७४)	११६)	१४३)	१०२)

१ डोभड़ी सढ री ३००)

कोस १७ । रकबो २४०० । बरसाळी कंवळा षेत रूड़ा । ऊनाळी कोसीटा १ । जाट बसै । डोभड़ी सांवळदास री भेळो षेडी बसै[1] । हुल राघोदास री बसी रा लोक षेत षडै ।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	५५)	४२)	१३७)	३७)	३८)

१ षेडी अषैराज ६००)

कोस १७ । रकबो १९४४ । षेत काठा मगरा । सेवज चिणा हुवै । ऊनाळी कोसीटा १७ घोरै रा । सांवतसी नाहरषांनोत री वसी रहै ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	२२६)	४५८)	०)	४५७)	७०७)

१ दमोई षुरद ७००)

कोस १६ । रकबो २६०४ । षेत कंवळा थळ रा । ऊनाळी कोसीटा २ । षेडो सूनो । बडी दमोई रा विसनोई षेत षड़ै ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	८१)	३११)	१७५)	१०९)	१६४)

१ सीयल भषरी ७००)

कोस १३ । रकबो ——— । षेत काठा सषरा मगरा । ऊनाळी चांच ५० हुवै । षेड़ो सूनो किसनपुरै रा बिहारीदास किसनसिंघोत री वसी रा लोक षेत षड़ै छै ।

1. 'सांवळदास की डोभडी' ग्राम मे इसके लोक भी बसते है ।

१ रावळबास १०००)

कोस १२। रकबो ५६१६। बरसाळी षेत कवळा थळ रा। सेवज चिणा। ऊनाळी कोसेटा २० तथा २५ हुवै। जाट बसै।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
१३१)	६२६)	१०७०)[1]	१९१९)	६४३)

१ मोठीयो मीठड़्यो १५००)

कोस २। रकबो १६४०६। षेत कंवळा थळ रा सषरा। कोसेटा १२। पांणी थोड़ो। जाट बसै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
१२२)	६७६)	९७२)	१९१४)	७७३)

१ दमोई बडी ८००)

कोस ११। रकबो ३११४। बरसाळी षेत सषरा। ऊनाळी कोसेटा १०। पाणी चोढो। बिसनोई बसै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
१८२)	३०२)	१६३)	१०९)	२२०)

१ बीजारूण ७००)

कोस १३। रकबो ९०३७। बरसाळी षेत सषरा। ऊनाळी कोसेटा २० तथा २५ चाच २०। सेंवज चिणा हुवै। जाट बसै।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
३०९)[2]	५६२)	११३६)	५०९)	०)

१ षेड़ी सीला १०००)

कोस १६। रकबो ४१३४। षेत सावणू[1] सषरा कवळा। सेंवज

१ १०७१)। २. ३०८)।

1. बाजरी आदि पैदा करने के उपयुक्त।

चिणा। कोसीटा २५। जाट वसै।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
१०६)	४४७)	६११)	९३३)	१०१४)

१ सेहरीयो वास[1] ५००)

कोस १८। रकबो १५३६। वरसळी षेत सषरा। ऊनाळी कोसीटा ५ तथा ६ हुवै। जाट रजपूत वसै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
१०७)	२०६)	५२५)	८६)	१२८)

१ मोडी[2] वीका ३००)

कोस १८। रकबो २२३५। बरसाळी षेत कवळा सषरा। ऊनाळी कोसीटा ७ तथा ८। रा० चुतरभुज मनोहरदासोत री वसी रा लोक रहै।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
५२६)	४५६)	४६५)	२६०)	३०५)

१ डोभडी पुरद ४००)

कोस १७। रकबो २९०४। बरसाळी थळ रा षेत सषरा कंवळा। ऊनाळी कोसीटा ४। बिसनोई बसै।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
५९)	३११)	२८६)	१६६)	९४)

१ डोभड़ी सावळदास ३००)

कोस १७। रकबो २२८१। बरसाळी षेत कंवळा सषरा। ऊनाळी कोसीटा ३ तथा ४। पाणी चोढो। रजपूत बसै।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
७२)	६४)	२७१)	६५)	६५)

---

१ सेहरीयावसी। २ मेढी।

१ ललांणो १५००)

रकबो ——। बरसाळी थळ रा पेत। ऊनाळी सर नही[1]। कोहर १ पीछ री, पाणी पीवै। रा० माहसिंघ बीहारीदासोत री वसी रहै।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
५७)	१०६)	२५)	२०)	१०६)

१ हीगवाणीयो ४००)

कोस १८। रकबो २९०४। बरसाळी पेत सपरा। ऊनाळी कोसीटा ४। पेड़ो सूनो। गोहडा वडा रा लोक षेत पड़ै छै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
२६)	१०५)	१५०)	४५)	८०)

१ बलुपुरा

कोस १६। रकबो ......। षेडो सूनो। घणा बरस हुवा अजमेर री गाव[2], वरणे वाहाल रा गाव मे गळत गया[3] घणा बरस हुवा।

३४

१०६. ४ सासण—

१ बाजोली चारणा री १६५०)

दूदा जोधावत री दत्त। बाहरेट पत्ता देवाइत रा नुं हिमे मट्रेस चुतरावत नै षेतसी बेणावत, रामदास करन री। रकबो ४०५६। षेत सषरा, धोरा[1] सेवज। ऊनाळी कोसीटा ४० हुवै।

१. घोरावध।

1. कोई वडा तालाब आदि नही है। 2. बहुत वर्षों से अजमेर की सीमा का गांव है।
3. निर्वंश हो गये, सभी मर कर समाप्त हो गये।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१६१)	१०३२)	१६४२)	१३२१)	९७५)[1]

१ रतनावास ६५०)

रा० रतनसी दुदावत री दत्त, चारण रतना डाहावत मीसण नुं। पछै रा० सुरतांण जैमलोत मीसण कांना उरौ[1] लै नै बाहारैट चुतरा जैमलोत नु दीयौ। पछै चुतरौ आधो गांव आपरी वेहन मीसण दांना गांगावत नु परणाई थी[2] तिण नु दीयौ नै आधौ आप राषीयौ[3]।

०॥ बाहारैट चुतरा रै बाटा[4] ३ बटै आयौ। महेस लाडषान चुतरावत नै षेतसी चुतरावत रा बेटा पोतां रा छै।

०॥ मीसण ऊदा अणदा[2] नु छै।

रकषौ १७००। षेत कवळा। कोसीटा १० चारण जाट बसै। कोस १५।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	८०)	३६१)	५५०)	५६१)	४२५)

१ घांणा ४५०)

रा० कानडदास[3] केसोदासोत री दत्त। जगहट षीवा वेणीदासोत नुं। हिमे आईदांन जगावत[5] नै सुदर षीवावत छै। रकबौ १०१४। षेत काठा। कोसीटा १०। जाट बसै।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	७०)	३६१)	६११)	५५५)	४४९)

१ गेहडो षुरद १००)

रा० वीरमदे दुदावत री दत्त। रतनु करन सुषावत नुं। हिमैं

१ ९७२)। २. अणदोत। ३. कानीदास।

1. मीसण से छुड़वाकर। 2. विवाह किया था। 3 आधा खुद ने रखा। 4 हिस्सा। 5. जगा का पुत्र आईदांन।

१ ललाणो १५००)

रकबो ——। बरसाळी थळ रा पेत। ऊनाळी सर नही[1]। कोहर १ पीछ रौ, पाणी पीवै। रा० माहसिघ बीहारीदासोत री बसी रहै।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९	
	५७)	१०६)	२५)	२०)	१०६)

१ हीगवाणीयो ४००)

कोस १८। रकबो २९०४। बरसाळी पेत सपरा। ऊनाळी कोसीटा ४। षेड़ो सूनौ। गोहडा बडा रा लोक षेत पड़ै छै।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९	
	२६)	१०५)	१५०)	४५)	८०)

१ बलुपुरा

कोस १६। रकबो ······। षेडो सूनो। घणा बरस हुवा अजमेर री गांव[2], वरणे वाहाल रा गाव मे गळत गया[3] घणा बरस हुवा।

३४

१०६. ४ सासण—

१ बाजोली चारणा री १६५०)

दूदा जोधावत रौ दत्त। बाहरेट पत्ता देवाइत रा नु हिमे महेस चुतरावत नै षेतसी बेणावत, रामदास करन रौ। रकबो ४०५६। षेत सषरा, धोरा[1] सेंवज। ऊनाळी कोसीटा ४० हुवै।

1. धोरावष।

1. कोई वडा तालाव आदि नही है। 2. वहुत वर्षों से अजमेर की सीमा का गाव है।
3. निर्वंश हो गये, सभी मर कर समाप्त हो गये।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
१६१)	१०३२)	१६४२)	१३२१)	९७५)[1]

१ रतनावास ६५०)

रा० रतनसी दुदावत री दत्त, चारण रतना डाहावत मीसण नु। पछै रा० सुरतांण जेमलोत मीसण काना उरो[1] ले नै बाहारैट चुतरा जैमलोत नु दीयौ। पछै चुतरो आधो गांव आपरी वेहन मीसण दांना गांगावत नु परणाई थी[2] तिण नु दीयौ नै आधौ आप रापीयौ[3]।

०॥ बाहारैट चुतरा रै बाटा[4] ३ वटै आयौ। महेस लाडपान चुतरावत नै पेतसी चुतरावत रा बेटा पोतां रा छै।

०॥ मीसण ऊदा अणदा[2] नु छै।

रकबौ १७००। पेत कवळा। कोसीटा १० चारण जाट वसै। कोस १५।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
८०)	३६१)	५५०)	५६१)	४२५)

१ घाणा ४५०)

रा० कानडदास[3] केसोदासोत रौ दत्त। जगहट षीवा बेणीदासोत नुं। हिमे आईदांन जगावत[5] नै सुदर षीवावत छै। रकबौ १०१४। षेत काठा। कोसीटा १०। जाट वसै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
७०)	३६१)	६११)	५५५)	४४९)

१ गेहडो षुरद १००)

रा० वीरमदे दुदावत रौ दत्त। रतनु करन सुषावत नुं। हिमैं

१ ९७२)। २. अणदोत। ३. कानीदास।

1. मीसण से छुडवाकर। 2. विवाह किया था। 3. आधा खुद ने रखा। 4 हिस्सा। 5. जगा का पुत्र आईदांन।

रूपा सूजावत नै जसौ भोजरारोत छै। रकबो २५१४। षेत कंवळा। कोसीटो १। चारण जाट बसै।

संवत १७१५	१६	१७	१८	१९
९१)	१०६)	२५)	४५)	१००)

४

३८

विगत—

४२३००) षालसै गांव ३४

२८५०) सांसण गांव ४

४५१ ०) गाव ३८

१०७. तर्फे देघाणो—

१ देघांणो षास ५,०००)

कोस १२। रकबो १७६२५। बरसाळी बडा घोरा[1] सर १। ऊनाळी बीघा २००० षेत सेवज गेहूं चिणा। कोसीटा २० तथा २५। जाट बसै।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
३३९)	३६८९)	१९००)	२३७७)[2]	११३९)

१ गोठड़ो ५००)

कोस ९। रकबो ५२५६। बरसाळी वडा घोराबध षेत। सेंवज गेहूं चिणा। पीयल[1]। कोसीटा ६० तथा ७०। जाट बसै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
१०९)	२३१७)[2]	४६९६)	२५४२)	११७३)

१. घोराबध षेत। २. २३७७)।

1. जिनसे सिंचाई होती है।

१ गोनरडो ४०००)

कोस १० । रकबो ६३१४ । बरसाळी वडा धोरावंध षेत । सर १ बीघा १००० । सेंवज काठा गेहू वेजड़[1] । कोसीटा १०, चांच ४० । जाट बसै ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
३५१)	१५४६)	३३५३)	२४४२)	९९२)

१ वीपरणीयो वडो ६०००)

कोस ९ । रकबो ८६६४ । वरसाळी षेत काठा । मगरा सेंवज । ऊनाळी कोसीटा ६० हुवै । पांणी ऊडो[2] हाथ ४० । जाट बसै ।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
५१०७)[1]	६२३०)[2]	४३९९)	२९१६)	६२५)

१ लवादर ४०००)

कोस १२ । रकबो ९४०९ । बरसाळी बडा धोराबध षेत । सेवज गेहू चिणा । पीयल कोसीटा ६० तथा ‥० । जाट बसै । रा० रामसिंघ[3] सुजांणसिंघोत री वसी ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
१६८२)	४६४२)[4]	५१४०)	५०५३)	२७८२)[5]

१ डोडीयांणो ३५००)

कोस १० । रकबो ९६०० । बरसाळी षेत काठा मगरा । सेवज चिणा । कोसीटा ५५ । जाट बसै । वडो गाव ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
३३५१)	३८४०)	५६५७)	४२२८)	३६५६)

---

१. १५४३) । २ ५१०७) । ३ स्यामसिंघ । ४ ४६८२) । ५. २७८३) ।

---

1. चने व गेहू दोनों । 2 गहरा ।

रूपा सूजावत नै जसौ भोजरारोत छै। रकबो २५१४। षेत कंवळा। कोसीटो १। चारण जाट बसै।

संवत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	६१)	१०६)	२५)	४५)	१००)

४

३८

विगत—

४२३००)	षालसै	गांव	३४
२८५०)	सांसण	गांव	४
४५१ ०)		गाव	३८

१०७. तर्फै देघाणो—

१ देघांणो षास ५,०००)

कोस १२। रकबो १७६२५। बरसाळी बडा घोरा[1] सर १। ऊनाळी बीघा २००० षेत सेवज गेहू चिणा। कोसीटा २० तथा २५। जाट बसै।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	३३९)	३६८९)	१९००)	२३७७)[2]	११३९)

१ गोठड़ो ५००)

कोस ९। रकबो ५२५६। बरसाळी वडा घोराबंघ षेत। सेंवज गेहूं चिणा। पीयल[1]। कोसीटा ६० तथा ७०। जाट बसै।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१०९)	२३१७)[2]	४६९६)	२५४२)	११७३)

१. घोराबघ षेत। २. २३७७)।

1. जिनसे सिचाई होती है।

१ गोनरडौ ४०००)

कोस १० । रकबौ ६३१४ । बरसाळी बडा धोराबंध षेत । सर १ बीघा १००० । सेंवज काठा गेहू बेजड़[1] । कोसीटा १०, चांच ४० । जाट बसै ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
३५१)	१५४६)	३३५३)	२४४२)	९९२)

१ वीषरणीयो वडौ ६०००)

कोस ९ । रकबो ८६६४ । बरसाळी षेत काठा । मगरा सेवज । ऊनाळी कोसीटा ६० हुवै । पांणी ऊंडो[2] हाथ ४० । जाट बसै ।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
५१०७)[1]	६२३०)[2]	४३९९)	२९१६)	६२५)

१ लवादर ४०००)

कोस १२ । रकबौ ९४०९ । बरसाळी बडा धोराबध षेत । सेवज गेहू चिणा । पीयल कोसीटा ६० तथा ०० । जाट बसै । रा० रामसिंघ[3] सुजांणसिंघोत री वसी ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
१६८२)	४६४२)[4]	५१४०)	५०५३)	२७८२)[5]

१ डोडीयांणो ३५००)

कोस १० । रकबो ९६०० । बरसाळी षेत काठा मगरा । सेवज चिणा । कोसीटा ५५ । जाट बसै । बडौ गांव ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
३३५१)	३८४०)	५६५७)	४२२८)	३६५६)

१. १५४३) । २ ५१०७) । ३ स्यामसिंघ । ४ ४६८२) । ५. २७८३) ।

1. चने व गेहू दोनो । 2 गहरा ।

१ वीषरणीयो' षुरद ६५००)

कोस ६ । रकबो २७५२ । बरसाळी घोरावध बडा षेत । सेंवज चिणा । पीयल[1] कोसीटा ४० । वडौ गांव । जाट वसै ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
११८२)	२१५७)	४६८६)	२२४०)[2]	१५३८)

१ तीलाणेस ३०००)

कोस ६ । रकबो ७०९९ । बरसाळी घोराव्रध षेत । सेवज काठा गेहूं चिणा । सेझौ कोहर नही । तळाव बरसोदीयो पांणी रहै । पछै बवळलै पोवै[2] । जाट वसै ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
४१०)	१९३६)	३०९)	६३५)	५११)

१ जालसु बडी[3] ३०००)

कोस १० । रकबो १५९५६ । बरसाळी बडा षेत । मगरा सेवज चिणा हुवै । ऊनाळी कोसीटा ४ । जाट वसै ।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
३११)	९३६)	५८६)	३०७१)	८०१)

१ नीबड़ी कलो २५००)

कोस १० । रकबो ३७५० । बरसाळी षेत काठा मगरा । सेवज चिणा । कोसीटा ३० । जाट वसै ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
५५९)	१९६४)	१२९२)	१६४१)	१०३१)

१ पुनलोतो ३५००)

कोस १२ । रकबो १६२२४ । षेत धोराबंध । सर १ बीघा

१. बीकरणीयो । २ २२३८) । ३. वडो ।

1 सिंचाई के योग्य । 2. पानी समाप्त होने पर बवळले ग्राम मे पीते है ।

२०० । सेवज चिणा गेहू जव । कोसीटा ७० तथा ८० । सारी सीव मे सेझो घणो ऊनाळी करो तितरी । जाट वसै ।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१५८८)	२७९०)	१२५३४)	५४०२)	४३७३)[1]

१ माडल देवां ३५००)[2]

कोस १० । रकबो ७७३२ । पेत सपरा कवळा काठा । सेंवज चिणा । ऊनाळी कोसीटा २० चाच १० । जाट वसै ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	२८८)	११२६)	१५९३)	७०१)	३१८)

१ जगड़वास[3] २०००)

कोस १२ । रकबो ६९३६ । बरसाळी पेत कवळा थळ रा । सेंवज चिणा । ऊनाळी कोसीटा १५ । जाट वसै ।

संवत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१३१)[4]	८७२)	६३२)	११११९)	८३०)

१ मेहरीयावास[5] २५००)

कोस ११[6] । रकबो २४९६ । बरसाळी बडा पेत । ऊनाळी कोसीटा ४० । सारी सीव मे सेझो करै तितरी हुवै ।[1] जाट वसै ।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	६५५)	१२२६)	२६८१)[7]	१४२९)	८७८)

१ तांबड़ीली २५००)

रकबो ६१६४ । बरसाळी कवळा सपरा पेत । ऊनाळी कोसेटा २० तथा २५ हुवै ।[8] पांणी आपरीयो[2] । सेंवज चिणा । जाट वसै[9] ।

---

१. ४३२३) । २ २५००) । ३ जगडवस । ४. २३१) । ५. वसी । ६. कोस १२ । ७. २६५१) । ८ सारी सीव मे सेझो करै तितरो हुवै (अधिक) । ९. मेडता या कोस १० (अधिक) ।

---

1. जितनी सिंचाई करे उतनी ही होती है । 2. सीमित पानी ।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	३३७)	१२२६)	१३०२)	१६०२)[1]	९८२)

१ मेहडांणो ४५००)

कोस १३ । रकबो २६४६ । बरसाळी वडा घोरावध पेत । सेवज गेहूं चिणा । कोसीटा ४० । जाट वसै ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१२१४)	१९४७)	४६६३)	१५४२)	११७३)

१ नीबडी कोठारीया री २५००)

कोस १० । रकबो ४०५६ । बरसाळी षेत सषरा काठा मगरा । सेवज चिणा । ऊनाळी कोसीटा २५ तथा ३० । जाट वसै ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	५२१)	१७६१)	२२९१)	२३२६)	१५०८)

१ जावो सीसोदीया री ४०००)

रकबो ४६७० । बरसाळी षेत सषरा काठा । चिणा धोरा । कोसीटा ७० चाच ५० । सिगळी सीव मे[1] सेझौ, करै तितरौ । जाट वसै ।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	६५१)	६१६)	३६७६)	१४१४)	९१४)

१ माडळ जोधां १०००)

कोस ११ । रकबो ९६०० । बरसाळी षेत कंवळा काठा । सेंवज चिणा । ऊनाळी कोसीटा २० तथा २५ । चांच २० । जाट बसै ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	४९४)	१३२६)	१९१३)	१०१८)[2]	५२६)

---

१. १६२२) । २. १११८) ।

---

1. गाव की पूरी सीमा मे ।

१ रेवंत २०००)

मेडता कोस ११ । रकबो ७७७६ । बरसाळी पेत कंवळा थळ रा । सेंवज चिरणा । ऊनाळी कोसेटा ४ । पाणी थोड़ौ । जाट बसै ।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	२१०)	८०२)	९२१)	७३३)	९६५)

१ जालसु पुरद १५००)

कोस १० । रकबौ ८२१४ । बरसाळी षेत कवळा सषरा । सेवज चिणा । ऊनाळी कोसीटा ४ । पाणी चोढो[1] । जाट बसै ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	५०)	३६२)	४०४)	३०५)	२५५)

१ ईटावो बांभरणा १०००)

कोस ... । रकबो ८६४ । बरसाळी थळ रा कंवळा षेत । ऊनाळी । कोसीटा ७ तथा ८ । जाट बसै ।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१३३)	१८१)	४५८)	४५३)	२९३)

१ ईटावा भोजु १२००)

कोस ... । रकबो ५१०४ । बरसाळी षेत काठा मगरा । सेवज चिणा । ऊनाळी नही । वेरो १ पांणी पीवण री छै,[2] तठै गांव पाणी पीवै छै । जाट बसै ।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१०३)	९२१)	३१६)	५११)	३९३)

१ वरणवो थळी १३००)

कोस ११ । रकबो ११७२२ । बरसाळी कवळा षेत । ऊनाळी नही । कोहर १ बधवो । पांणी मीठौ, गाव पीवै । जाट बसै ।

---

1. पानी कम । 2. पानी पीने के लिए एक कुआ है ।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१००)	८२६)	३९७)	१४१३)	५१०)

१ कीरड़ १२००)

कोस १३। रकबो ४५३५। बरसाळी षेत काठा मगरा। सेंवज चिणा। ऊनाळी कोसीटा १०। जाट बसै।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१३६)	५११)	७०१)	१०१३)	४५१)

१ कला पीपाड़ रो वास ५००)

कोस १०। रकबो ——— नही। पांचरूड़ा' री सीव में बसीयो[1]। षेत काठा मगरा। सेंवज चिणा हुवै। कोसीटा १०। जाट बसै। हळवा ३०।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१०५)	४६२)	५२१)	५१२)	२३६)

१ गुदीसर बडो ४००)

कोस १२। रकबो ६२२१। बरसाळी कंवळा षेत रूड़ा। ऊनाळी नही। कोहर १ पांणी पीवण रो। जाट बसै।

संवत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	३५)	५३)	८५)	१५३)	९२)

१ ईटावो लाषां २०००)

कोस १८। रकबो १०३७५। बरसाळी षेत थळ रा कवळा। सेंवज चिणा। ऊनाळी कोसीटा २५। पांणी चोढो। जाट बसै। रा० डूगरसी देईदासोत री बसी रा लोग बसै।

---

१. पाचडोली।

---

1. पांचरूडा की सीमा मे ही यह ग्राम भी बसा हुआ है।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
२४१)	५५६)	१२४२)	१४१७)	१३८१)

१ ईटावौ लाडषान २०००)

कोस ८॥ । रकबो ३१४८ । बरसाळी षेत काठा मगरा । सेंवज चिणा हुवै । ऊनाळी कोसेटा १५ हुवै । जाट बसै ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
१५८)	७१६)	७७१)	१०१५)	५१०)

१ सूरपुरो १२००)

कोस ।॥ । षेत काठा मगरा । सेंवज चिणा हुवै । ऊनाळी नही । कोहर १ छै, तठै गाव रा लोक पीवै[1] । जाट बसै ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
११४)	५७१)	५७४)	४१९)	४१८)

१ भाडली १३००)

कोस ११ । रकबो ५७६६ । बरसाळी कवळा षेत थळ रा । कोहर १ छै, पाणी मीठो, तठै गाव रा लोक पीवै । जाट बसै ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
११०)	३५१)[१]	५३८)	५१६)	२१५)

१ षेरवै थळी १०००)

कोस १० । रकबो १९४४ । बरसाळी कवळा षेत थळ रा । ऊनाळी कोहर १ बधवो छै । पाणी घणो । जाट बसै ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
९४)	४१५)	१८९)	५११)	१३५)

१. ३११)

1. गांव के लोग वहा से पीने का पानी लेते है ।

१ पांचरूडो १०००)

कोस १० । रकबौ २४०० । वरसाळी पेत काठा मगरा सेवज चिणा हुवै । सेझो कोहर नही । नाडी मास ४ पाणी हुवै । पछै फला रै वास रा पीवै । जाट वसो ।

संमत १७१५ १६ १७ १८ १९
९२) ३०९) ३२८) ४६१) २५१)

१ लांगोड ३००)

कोस १२ । रकबौ १४४०६ । षेत सषरा बरसाळी कवळा थळ रा । सेवज चिणा हुवै । ऊनाळी कोसीटा ७ हुवै । जाट बसै ।

संमत १७१५ १६ १७ १८ १९
१२१) ६१२) ५६२) ८११) ४५१)

१ गोरेहरी करणां ८००)

कोस १२ । रकबौ ६०८० । वरसळो षेत कवळा सषरा । ऊनाळी कोसीटा ४ । पाणो चोढो । जाट बसै ।

समत १७१५ १६ १७ १८ १९
२६) ४६१) २४७) ७३४) २२३)

१ गेनरडी[1] ५००)

कोस १० । रकबो १७३४ । बरसाळी षेत काठा मगरा । सेवज चिणा धोरा । ऊनाळी कोसीटा १५ चाच २० । करसा गोनरड़ी भेळा बसै । जाट बसै ।

समत १७१५ १६ १७ १८ १९
८५) २०६) ४४८) २०१) ३१)

१ नुहंन पुरद ३००)

कोस १४ । रकबो २४०० । बरसाळी षेत कवळा थळ रा । ऊनाळी कोसोटा २ । जाट बसै । षेड़ौ तोना ही गाव रौ भेळौ बसै ।[1]

---

१. गोतरडी

---

१. तीनो ही गांवो की बस्ती शामिल वसती है ।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	२५)	३०८)	११०)	१३०)	१७०)

१ गोरेहरी चांचा ५००)

कोस ११। रकबो १२९१। बरसाळी षेत रूड़ा। उनाळी कोसीटा २ तथा ४ हुवै। पांणी चोढो। जाट बसै। घर ५ तथा ७।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	३७)[1]	१७६)	१०८)	१०७)	१०२)

१ चांदणी बडी १३००)

कोस ११। रकबो १७३४। बरसाळी षेत कंवळा थळ रा। ऊनाळी नही। कोहर १ बधवो, पाणी मीठौं। पेडौ सूनो। नागोर रौ गांव[1]। बांभण बोरा पाही षेत षडै। कोहर पीवै।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	२०)[2]	१०५)	०	१५१)	५०)

१ ईटावो षीचीयां रौ ५००)

रकबो ७४९१। बरसाळी कवला थळ रा षेत। ऊनाळी कोसीटा ४ हुवै। पेडो सूनो। ईटावो बाभणां रा लोक पाही षड़ै। कोस १७।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	८५)	६६)	१४५)	२५६)	१०५)

१ रोहीसडो ५००)

कोस ९। रकबो ३४५८। बरसाळी षेत काठा मगरा। सेवज चिणा हुवै। सेभो नही। कोहर १ पांणी पीवण रौ। जाट बसै।

- १- २७)। २ ३०)।

1. मूलतः नागोर परगने का ग्राम है।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
५०)	१६०)	३९)	२०७)	२२६)

१ नुंहन वडी ४००)

कोस १४। रकबो ४०५६। बरसाळी थळी रा षेत कंवळा। ऊनाळी कोसीटा २। जाट बसै। षेडो तो नही,[1] नांहन रा भेळा बसै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
८०)	४११)	५५०)	५००)	१७०)

१ नुहन तीजो ३००)

कोस १४। रकबो ३०९२। बरसाळी षेत कवळा थळ रा। ऊनाळी नही। जाट बसै। षेडो तीनू ही नुहन मेळा होज बसै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
३५)	२०६)	१३१)	१४०)	८०)

१ चरडा वास ७००)

कोस १३। रकबो १०१४। षेडो सूनो[2]। बरसाळी कवळा थळ रा षेत। नागोर रा गाव बांभण बोरा लोक षेत षड़ै। ऊनाळी नही। कोहर नही।

संवत १७१५	१६	१७	१८	१९
१०)	१५)	१४७)	२५१)	१००)

१ चादण षुरद ३००)

कोस १४। रकबो ४८६। षेत थळ रा सषरा। षेड़ो सूनो। नागौर री गाव। बाभण रा लोक षेत षड़ै। ऊनाळी नही। चादणी रै कोहर पीवै।[3]

1 गाव बसा हुआ नही है-। 2 गांव सूना है। 3 चांदणी गाव के कुए से पानी पीते है।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	०	०	०	६१)	१५)

१ डुगर छीकणवास[1] २५०)

रकबो १३५० । षेत थळ रा कवळा । कोहर नही । षेडो सूनो । डुगर अचळा री लोग षेत पडे । कोस १० ।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	९)	१०१)	१२७)	२५१)	१५०)

४६.

१०८. ५ सासण

१ रळीयावतो पुरद १०००)

रा. जैमल वीरमदेवोत री दत्त । षिडीया मोटाल[2] माडणोत नु । हिमें लिषमीदास भैरवदासोत नरहर सूजावत नरहर भोजराजोत छै । रकबो २१६६ । षेत काठा कवळा । कोसीटा ८ हुवै । सेंवज चिणा हुवे । जाट बाभण रजपूत वसै । कोस १२ ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१२५)	४११)	४९१)	५६१)	४१५)

१ गुदीसर पुरद ४००)

राजा श्री सुरजसिंघजी री दत्त, सादू माला ऊदावत पायो । हिमे सावतसी आसकरनोत नै कुभी ईसरदासोत छै । रकबो ११६२ । बरसाळी षेत कवळा । कोसीटा २ । जाट वसै । कोस १२ ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	२०)	१५६)	१५)	३०५)	५४)

---

१ छीकणावस । २ मोटल ।

१ भोवली[1] चारणां री १५०)

रा. वीरमदेव दुदावत री दत्त षिड़ीया माडण षीवसुरा नुं। हिमे भगवान जसावत नराईण अषावत, लीषमीदास भैंरवदासोत छै। रकबो १४४८। षेत कवळा थळ रा। चारण जाट बसै। कोहर सेभो नही। भाषर नीचै कुड १ छै तठै पीवै। कोस ११।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
८०)	३११)	३१)	१५८)	१०७)

१ मोगावास २००)

राजा श्री सुरजसिंघजी री दत्त, भाट[2] दमान रूपसीयोत दसौधी नु, हिमे रिणछोड़ बीहारीदास रौ, चुतरभुज बीहारीदासोत, हररांम मदमन री छै। रकबौ ४८४। षेत कवळा। कोहर १ पांणी पीवै। कोस २०।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
४०)	२०६)	३६)	२०९)	५८)

१ धोळीयो ४००)

माहाराजा श्री जसवतसिंघजी री दत्त, भाट गोकळचद द्वारकानाथोत नुं समत १७१७ दीयो। रकबो १०२१। षेत कवळा कोसीटा ७ तथा ८ हुवै। रजपूत बसै। रा० साहबषांन मनोहरदासोत री वसी। कसबा था कोस १५।

संवत १७१५	१६	१७	१८	१९
५०)	८०)	८१)	२०१)	१००)

५

५१

१. भवली। २. बारट

विगत—

९३७५०)	षालसै	गाव	४६
२१५०)	सासण	गाव	५
९५९००)		गाव	५१

१०९. तफै रैया—

गाव ५८. रेष १०७०००)

१ रैया षास ७०००)

कोस ७। रकबो बीघा २९२२[1]। वरसाळी वडा षेत धोरावध। सेवज चिणा। ऊनाळी सारो सीव माहे सेभो। पाणो घणो। कोसेटा २५० तथा ३०० करै तितरा हुवै। वडो गाव। वसीवान लोक जाट।[1] रा. गोपाळदास सुदरदासोत री वसी रा लोग ऊगवण माहे।[2]

स'मत १७१५	१६	१७	१८	१९
३९०२)	५४०२)	१०६४३)	८६५३)[3]	७४५६)

१ पदमावती वडी ७०००)

कोस ७। रकबो १९३५७। वरसाळी वडा धोराबध षेत। सेवज गेहू चिणा हुवै। ऊनाळो सिगळो सीव मे सेभो। कोसोटा २०१ तथा २२५ हुवै। पाणी नजीक। वडो गाव। जाट बाणीया और ही रैत वसै। सदा षालसै रहै।

स मत १७१५	१६	१७	१८	१९
११५८)	११२७६)	१६५२७)	९९१०)	६६९५)

१ झडाऊ ५०००)

१ २९८२२। ३ ८६५३)

1. जाटो की वस्ती है। 2. पुर्व दिशा में।

कोस ५ । रकबो ६६०२ । बरसाळी बडा पेत । मगरा सेवज चिणा हुवै । ऊनाळी कोसीटा ११० तथा १२० हुवै । जाट वसै । वडौ गांव ।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	३३३०)	५१५६)	७२८०)	६१२७)[1]	२६२६)

१ कुडकी ६०००)

कोस ९ । रकबो ४८६०० । बरसाळी पेत काठा मगरा, निपट सषरा[1] । सेवज चिणा । ऊनाळी कोसीटा २०० तथा २५० करै तितरा हुवै । सारी सीव मे सेझो । वसीवान जाट । जागीरदार री वसी रा लोक । घणौ वडौ गाव[2] ।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	२६०२)[2]	५७५२)	८५१२)	६६३१)	६४४४)

१ सीहासड़ो[3] ३०००)

कोस ७ । रकबो ६९३६ । बरसाळी वडा धोरा बंध काठा षेत । सेवज चिणा हुवै । ऊनाळी कोसीटा ६० तथा ७० हुवै । जाट बसै ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	११६०)	१९९६)[4]	४४३६)[5]	२५२७)	२४१०)

१ कोरीयाठड़ी[6] ४०००)

कोस ५ । रकबो ४४२५ । बरसाळी वडा षेत काठा मगरा । सेंवज चिणा हुवै । ऊनाळी कोसीटा ६० तथा ७० । जाट बसै ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	२८८२)	२०५२)	४७७९)	२६५२)	७६९६)[7]

---

१. ६१३७) । २ १६०२) । ३. सुहासडो । ४. २१९६) । ५. ४४२९) । ६ कुरियाठडो । ७. १६९६) ।

---

1. बहुत उपजाऊ । 2. बहुत बड़ा गाव ।

१ कोड २५००)

कोस १० । रकबो १६१२० । वरसाळी पेत काठा मगरा । सेंवज चिणा हुवै । ऊनाळी कोसीटा ५० तथा ६० हुवै । जाट वसै ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
६४३)	१०४२)	१८१३)	१४३९)	८०२)

१ गुवारडी वडी ३०००)

कोस ३ । रकबो ७०१७ । वरसाळी पेत काठा वोरावध । सेंवज गेहू चिणा हुवै । ऊनाळी कोसीटा ३५ हुवै । तळाव वरसोदीयौ पाणी रहे । जाट वसै ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
१२८)[1]	८१३)	१३१६)	१४१९)	६२४)

१ नेतडो ३०००)

कोस २॥ । रकबो १००८६ । पेत वरसाळी वोरावध । सेवज काठा गेहू चिणा हुवै । सेभो नही । तळाव वरसोदीयौ पाणी रहै । पछै गुवारडी पीवै । जाट वसै ।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
११२०)	३१४२)	७९६)	२८८१)[2]	१३५६)

१ वीजाथळ १५००)

रकबो १९३६[3] । वरसाळी काठा मगरा । सेंवज चिणा सारी सीव मे हुवै । ऊनाळी कोसीटा ६० हुवै । सिगळी सोव में सेभो घणी । जाट वसै ।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
८०१)	२३३६)[4]	३६०४)	२५२५)	८७२)

१ आल्हाणीया वास[5] ८०००)

---

१ १२६) । २ २८९१) । ३ ६९३६) । ४ २२३६) । ५. आलणीयावास ।

रकबो ३९३६६ । बरसाळी बडा षेत काठा मगरा । सेंवज चिणा हुवै । ऊनाळी सेझो सिगळी सीव मैं पांणी घणौ । कोसीटा २५० तथा ३०० करै तितरा हुवै । वसीवांन जाट । रा० गोपाळदास सुदरदासोत री वसी । बडौ गांव । कोस ६ ।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	३४१६)	५४०६)	९३५८)	८५०३)	५८५१)

१ पदमावती षुरद ६०००)

कोस ७ । रकबो ८८५५ । बरसाळी त सषरा काठा कवळा । सेंवज चिणा सिगळी सीव मैं हुवै । ऊनाळी कोसीटा २५० हुवै । पाणी घणौ । बडौ गांव । जाट बसै । षालसै सदा रहै ।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	२८८७)	४६४०)	१३८७०)	५२३५)	४८६७)

१ लाडपुरौ ५०००)

कोस १२ । रकबो ९४०८ । बरसाळी बडा रेत रा षेत[1], कवळा काठा । सारी सीव मैं चिणा हुवै । कोसीटा ६० तथा ७० हुवै । सेझो घणौ । जाट बसै । जागीरदार रा लोग बसै ।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	७७३)	१६७२)	४२४२)	२७४२)	१६०४)

१ झाझुण वासणी[१] २२००)

रकबो २०७२ । बरसाळी बडा षेत । सेंवज चिणा सारी सीव मैं हुवै । ऊनाळी कोसीटा ४० तथा ५० । सेझो सारी सीव में सषरो । जाट बसै ।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१६२४)	१८५४)	३१६२)	२०६३)	१९७९)

१ झाझुवसणी ।

1. रेतीले खेत ।

१ दासावास १७००)

कोस ··· । रकबो २६०६ । वरसाळी पेत काठा मगरा । सेवज चिणा हुवै । ऊनाळी कोसीटा ३५ तथा ४० हुवै । सेझो सारी सीव में घणी । जाट वसै ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
५०५)	९१६)	६२१२)	१४२१)	८८६)

१ टैहलो ३०००)

कोस १२[1] । रकबो ७३५० । वरसाळी पेत काठा मगरा । सेवज चिणा सारी सीव मे हुवै । ऊनाळी कोसीटा ३० तथा ३५[2] हुवै । जाट वसै । वारेट नरहरदास लषावत वसै[1] ।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
५२१)	१५४६)	२२३६)	२३२७)	१४२२)

१ रायसलवास १७००)

कोस ३ । रकबो ३३१३ । बरसाळो षेत काठा मगरा । सेंवज चिणा हुवै । ऊनाळी कोसीटा ४५ हुवै । जाट वसै ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
७२)	७६६)[3]	६३२)	१२२१)	२०७)

१ झीथीया[4] ३०००)

कोस ७ । रकबो ४४०६ । बरसाळी षेत काठा मगरा । सेंवज चिणा । कोसीटा ऊनाळी ११० तथा १२० हुवै[5] । वडो गांव । जाट वसै ।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
१९०२)	२८००)	४८२७)	४४१३)	३३०७)

१ ११ । २ ४० । ३. १६६) । ४ झीघीया । ५ सगळी सींव मे सेझो करै तिवरा हुवै ।

1 लखा का पुत्र बारहट नरहरिदास यहाँ बसता है ।

१ कोरीयो ३०००)

कोस ... । रकबो ३०१५ । बरसाळी षेत काठा मगरा धोरा' । सेंवज चिणा। ऊनाळी कोसीटा ४० तथा ४५ हुवै । जाट बमे ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
११६)	५६१)	२६१)	१०३५)	६११)

१ काळीयाठडी ८००)

रकबो २१६६ । बरसाळी पेत काठा मगरा । ऊनाळी कोसीटा ३० हुवै । जाट बसै[1] ।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
४२१)	८२१)	१३३६)[2]	५३३)	

१ घोळेलाव पुरद ८००)

कोस ७ । बरसाळी पेत काठा । रकबो १७६० । सेवज चिणा । ऊनाळी कोसोटा १० हुवै । जाट बसै ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
१३०)	४६१)	३२०)	५५७)	२१

१ सथाणो पुरद ५००)[3]

कोस ...[4] । रकबो ३८२५[5] । बरसाळी षेत । सेवज चिणा । ऊनाळी कोसीटा २५[6] हुवै । जाट बसै ।

संमत १७१५	१६	१७	१८
५७७)	६१६)	१३१४)	१०३५)

१ जोधड़ावास बडो ५००)

कोस ... । रकबो ३७५० । बरसाळी षेत ऊनाळी कोसीटा ७ तथा ८ हुवै । जाट बसै ।

समत १७१५	१६	१७	१८
१७५)	१६३)	३८५)	५०६)

१ माडावरौ[8] ४००)

१. मेडता थी कोस ६ (अधिक) । २ १११४) । ३ २००० ५ २४७२ । ६ ३२ । ७. ११६) ५६१) २६१) १०३५ ८. मडावरो ।

१ कोरीयो ३०००)

कोस ... । रकबो ३०१५ । बरसाळी षेत काठा मगरा धोरा[1] । सेंवज चिणा। ऊनाळी कोसीटा ४० तथा ४५ हुवै । जाट बसै ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
७७६)	२०५८)	३३७८)	२०२०)	१६२०)

१ थाठ[2] ३५००)

कोस ६ । रकबो ५६३७ । बरसाळी बडा धोरावध षेत । सेवज गेहू चिणा हुवै । ऊनाळी कोसीटा ४० तथा ४५ हुवै । जाट गूजर बसै ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
३२६)	१०१६)	२२८३)	२३२६)	२१७६)

१ सीरीयावास[3] १०००)

कोस ६ । रकबो ५४०० । बरसाळी षेत काठा मगरा । सेवज चिणा । ऊनाळी कोसीटा ३५ । जाट बसै ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
८५६)	१८३१)	१५५०)	१६४७)	१६४२)

१ आषुवास १७००)

कोस ८ । रकबो १९८८ । बरसाळी बडा षेत । सेवज चिणा हुवै । कोसीटा २५ तथा ३० हुवै । सारी सीव मैं सेझो । जाट बसै ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
१०८२)	१२३६)	२२५९)[4]	२०२१)	१२३५)

१ संथाणो षुरद २०००)

कोस ८[5] । रकबो २४७२ । बरसाळी षेत काठा मगरा । सेवज चिणा हुवै । ऊनाळी कोसीटा ३२ । पाणी घणो । जाट बसै ।

---

१ धोराबध । २ धाट । ३. सुरीयावस । ४. १२५९) । ५. ६ ।

समत १७१५ १६ १७ १८ १९
११६) ५६१) २६१) १०३५) ६११)

१ काळीयाठडौ ८००)

रकबो २१६६ । बरसाळी पेत काठा मगरा । ऊनाळी कोसीटा ३० हुवै । जाट बसै[1] ।

समत १७१५ १६ १७ १८ १९
४२१) ८२१) १३३६)[2] ५३३)

१ घोळेलाव षुरद ८००)

कोस ७ । बरसाळी षेत काठा । रकबो १७६० । सेंवज चिणा । ऊनाळी कोसीटा १० हुवै । जाट बसै ।

सं‍मत १७१५ १६ १७ १८ १९
१३०) ४६१) ३२०) ५५७) २१६)

१ सथाणो षुरद ५००)[3]

कोस ...[4] । रकबो ३८२५[5] । बरसाळी षेत काठा मगरा । सेवज चिणा । ऊनाळी कोसीटा २५[6] हुवै । जाट बसै ।

सं‍मत १७१५ १६ १७ १८ १९
५७७) ९१६) १३१४) १०३५) ३६२)[7]

१ जोधड़ावास बडो ५००)

कोस ... । रकबो ३७५० । बरसाळी षेत काठा मगरा । ऊनाळी कोसीटा ७ तथा ८ हुवै । जाट बसै ।

समत १७१५ १६ १७ १८ १९
१७५) १६३) ३८५) ५०६) ४०५)

१ माडावरौ[8] ४००)

---

१ मेड़ता थी कोस ६ (अधिक) । २ १११४) । ३ २०००) । ४. ६ । ५ २४७२ । ६ ३२ । ७. ११६) ५६१) २६१) १०३५) ६११) । ८. मडावरो ।

कोस ४ । रकबो ४५०४[1] । बरसाळी षेत । ऊनाळी कोसीटा ५ अरट १ हुवै । जाट बसै ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
१३५)	५६१)	५१६)	८११)	३६१)

१ धामणीयो १०००)

कोस १२ । रकवो ——· । बरसाळी षेत काठा मगरा । ऊनाळी कोसीटा १२ हुवै । वसीवांन लोक नही । रा० मुथरादास री बसी रा लोग बसै, षेत षड़ै ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
१०)	७०)	१९०)	४१६)	१५०)

१ सोढावास ४००)

कोस २ । रकबो २७९५ । बरसाळी षेत काठा मगरा । ऊनाळी सेझो नही । तळाव रा वेरा पांणी वसै सौ हुवै[2] । बसीवांन लोग नही । हुल सांमीदास[3] रा बेटा बसै । घर २० ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
५)	१५६)	४५)	१५५)	४४)

१ हीदाबास चोधरीयांरो[4] १०००)

रकबो ३४५६ । बरसाळी षेत कंवळा काठा । सेवज चिणा हुवै । ऊनाळी कोसीटा ५ हुवै । जाट बसै । कोस २ ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
४३)	२९१)	३१४)[5]	३५५)	२२३

१ पीपळीयो ५००)

---

१ ४७०४ । २. तळाव मास ४ पाणी रहै । पछै ताळामां वेरां पांणी पेटणी सो हुवै । ३. स्यामदास । ४. चूंधीयां रो । ५. ३७४) ।

कोस १० । रकबो ३१७४ । बरसाळी षेत काठा मगरा । सेंवज चिणा हुवै । कोसीटा १० । ऊनाळी हुवै । जाट बसै ।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
१२०)	२५५)	८६१)[1]	५०९)	२५७)

१ काळणी ५००)

कोस १२ । रकबो ३४५६ । बरसाळी षेत सषरा । सेवज चिणा । ऊनाळी कोसीटा २० तथा २५ हुवैं । षेड़ी सूनी, रा० राघोसिंघ भोजौतेज[2] री वसी रा लोग षेत षड़ै ।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
८६)[3]	४०६)	१३०)	५५७)	२५६)

१ मांणकीयावास पुरद ४००)

रकबो १३३४[4] । कोस ८ । बरसाळी षेत काठा मगरा । सेंवज चिणा हुवै । कोसीटा १२ हुवै । षेडो सूनो । बडा मांणकीयावास रा लोग षेत षड़ै ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
८०)	३०६)	२१६)	२०८)	१२५)

१ नैंणपुरी ६५०)

कोस — । रकबो ८६४ । बरसाळी षेत काठा मगरा । ऊनाळी कोसीटा १० तथा १२ हुवै । सूनो गांव । सुहरीया[5] रा लोग षेत षडै ।

संवत १७१५	१६	१७	१८	१९
७५)	१०१)	१०३०)	४५१)	५५१)

१ नाथु री वासणी ४००)

कोस — । रकबो २६०० । षेत सषरा । षेड़ो आलणीयावास

१ ८५१) । २ माघोसिंघ भोजोत । ३. ९६) । ४. १२३४) । ५. सेहुरिया ।

में मांजरै। घणा वरस हुवा ग्रालणीयावास रा लोक षेत षड़ै।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	२५१)	५००)	१२०२)	५५१)	४२१)

१ परबतवास[1] १००)

रकबो २४००। षेड़ो सूनो। घणा बरस हुवा झडाऊ मे मांजरै छै।

१ भेंसडी बडो २२००)

कोस —[2]। रकबो ४९८२[3]। बरसाळी षेत काठा मगरा सेवज चिणा। ऊनाळी कोसोटा ४० हुवै। जाट बसै।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	९५७)	१८४६)	३६३७)	२६३६)	१८३७)

१ जेसावास[4] १४००)

कोस ६। रकबा ५७०४। बरसाळो षेत काठा मगरा। ऊनाळो कोसीटा ४० हुवै। भलो गाव[1]। जाट बसै।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	५०३)	१६३३)	२१६७)	२०३०)	७३९)

१ मथाणीयो १०००)

कोस ८। रकबो ४३७०। बरसाळी षेत सषरा काठा मगरा। ऊनाळी कोसोटा ७ हुवै। जाट बसै।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१०)	२०१)	३५४)	३६३)	३५९)

१ भेसड़ी षुरद १०००)

---

१. परबतवस। २. कोस ४॥। ३. ४९४२। ४. जेसावस।

---

1. सभी दृष्टियों से अच्छा गांव।

कोस ५। रकबो ४६८२। बरसाळी षेत काठा मगरा। सेंवज चिणा हुवै। कोसीटा ३०। जाट वसै।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१६
	१२१)	६१६)	३४६)	६१३)	५०८)

१ मांणकीयावास वडो ६००)

कोस ७। रकबो १७०८। बरसाळी षेत काठा मगरा। ऊनाळी कोसीटा १० हुवै। जाट वसै।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१६
	२३६)	५१६)	८१६)	७००)	३१८)

१ जोधडावास पुरद ४००)

रकबो १७०८[1]। बरसाळी षेत काठा मगरा[2]। ऊनाळी कोसीटा १० हुवै। जाट वसै।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१६
	१५४)	१६३)	५३५)	५०६)	३६६)

१ मीठड़ीया[3] ५००)

कोस ११। रकबो — —। बरसाळी षेत काठा मगरा। ऊनाळी कोसीटा २० हुवै। जाट वसै।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१६
	२४६)	७१६)	१२२६	१२६०)	६६२)

१ कवेडीयो[4] १०००)

रकबो २७६५। कोस १२। बरसाळी षेत काठा मगरा। ऊनाळी कोसीटा १० तथा १२ हुवै। वसीवांन लोग नही। रा० ईदभांण[5] सुदरदासोत री वसी रा लोग वसै। षेत षड़ै।

---

१ २६७०)। २. सेंवज चिणा हुवै (अधिक)। ३. मीठडीयो। ४ केडीयो। ५ ईद्रभांण।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
४५)	७५)	२३३)	२९०)	१४६)

१ जगा सीधळ री बासणी ५००)

रकबो २१६६। बरसाळी पेत सपरा। सेंवज चिणा हुवै। कोसीटा १० तथा १२ हुवै। बसीवान लोग कोई नही। रा० माधोसिघ भोजरो[1] बेटो री बसी रा लोग षेत षड़ै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
११२)[2]	२८१)	६९८)	४८१)	२५५)

१ हीदावास गुरडीरो[3] ५००)

कोस ३। रकबो ३४६५। बरसाळी षेत काठा। मगरा सेवज चिणा हुवै। कोसीटा ऊनाळी नही। गुबरडी पीवै। जाट १ रा घर ४ बसै[4]।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
३५)	३८३)	५५)	५५८)	२०७)

१ गोपाळपुरो ६००)

रकबो ——। बरसाळी षेत काठा। सेवज चिणा हुवै। बसीवान लोग कोई नहीं। रा० चादसिघ रामचदोत री बसी रा लोग बसै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
१६१)	४१५)	३९५)	६३१)	४६०)

१ ढही बावडी २००)

कोस १२॥। रकबो १७३४। बरसाळी षेत काठा। सेंवज चिणा। कोसीटा ४ तथा ५ हुवै। षेड़ो सूनो। घणा बरस हुवा[1] लाडपुरै री लोग षेत षडै छै।

१. भोजराज। २ १२१)। ३ गुवारडी री। ४. जाट बसै।

1. कई वर्ष हुए।

१ षीदावास[1] १००)

रकबो २४०० । बरसाळी षेत रूडा । ऊनाळी नही । पेड़ो सूनो । कुड़की रा लोग पाही षड़ै । कुडकी मे माजरो ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
२५)[2]	१०१)	१४१)	३०१)	१०१)

१ नरसिंघवासणी १४००)

रकबो ३४५६ । षेत सषरा, सेंवज चिणा हुवै । ऊनाळी कोसीटा १५ चाच १० हुवै । षेड़ो सूनो । गोपाळपुर रौ रा० चादसिंघ रांमचंदोत री वसी रा लोग षेत षडै ।

सवत १७१५	१६	१७	१८	१९
२७१)	१०१)[3]	१०३०)[4]	४५१)[5]	३९७)

१ रांमपुरी २००)

रकबो ८४० । पेड़ो घणा बरस हुवा रोहीसा रै जोड़ मांजरै गयौ । के षेत सु रोहीसा रा लोग षड़ै ।

१ गुवारड़ी पुरद १००)

रकबो २४०० । पेड़ो सूनो । घणा बरस हुवा रीछमाळी के नैड़ी षबर नही ।

५४

११०. ४ सांसण

३ बांभणा नु—

१ संथाणो सारगवास ३००)

मेड़ता था कोस ९ । रा० नरहरदास ईसरोत रौ दत्त व्यास गोपाळ लषावत पारीष गोलवाळ नु । हिमे रेषौ[6] पीतांबर रौ

१. पीदावस । २. २१) । ३. ३६१) । ४. ३६५) । ५. ६१८) । ६. रीषो ।

बलु गोरधन री भुधर गोईद री छै[1]। जाट बाभण बसै। रकबो १७७६[2]। कोसीटा ४। षेत कवळा।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
७७)	१५६)	३१६)	१६०)	०)

१ लूणकरण री वासणी ८००)

कोस ८। राठौड़ सहसा[3] तेजसीहोत री दत्त प्रो० गदाधर जीवावत नुं। हिमैं सांमो[4] जोगावत[5] वीको नरावत छै। जाट बांभण बसै। रकबो ४०००। षेत कवळा। कोसीटा १२ तथा १५।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
४१६)	९१६)	१५५७)	१३६६)	९२८)

१ जगनाथपुरी २००)

कोस ८। जगमाल वीरमदेवोत री दत्त श्रीमाळी दवे जगनाथ सदाफळोत नुं। हिमे मोहण तुलछी[6] किसनदासोत छै। जाट कुभार बसै। रकबो १५१३। षेत कवळा कोसीटा ७। षेड़ो सूनो[1]। ---- बसै[7]।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
[२२६)	३०६)	३८५)	३८५)	२३५)[8]

१ लूणीयो १२५०)

कसबा थी कोस ७ सात। रा० सुरतांण जैमलोत री दत्त, आढा दुरसा मेहावत नुं। हिमैं डूगरसी सादुळोत नै देईदांन जगमालोत छै। जाट चारण बांणीया बसै। रकबो १०१४। षेत कवळा। कोसीटा १२।

१. गोइंद छै। २. ११७६। ३ सेहसा। ४. स्यामो। ५. जगावत। ६. तुलसो। ७ रोहीसी रै ढुह बसै नै षेत पडै। ८. 'ख' प्रति का अंश।

1. गांव सूना है।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
२७१)	६६१)	५७१)	६११)	४११)

४

५८]

१११. परगने मेड़ता रै गांवां री ठीक—

आसामी	जुमले	आवादान	सूना	सांसण	रेष
ता० हवेली	१२	१०	०	२	२४१००)
ता० अणदपुर	३९	३३	३	३	११३८५०)
ता० मोकालै	४५	३४॥	२	८॥	८९४५०)
ता० कलरो	४४	३२	८	४	५७९०१)
ता० राहण[1]	५६	३८	७	११	५४७५०)
ता० मोडरो	४१	३७	०	४	६१९००)
ता० अलतवो	३८	३०	४	४	४५१५०)
ता० देघाणो	५१	४०	६	५	६५९००)
ता० रेया	५८	४४	१०	४	१०७०००)
	३८४	२९८॥	४०	४५॥	

1. राहीण।

(६) बात परगने सीवांणे री

परगनो सीवांणो जोधपुर थी कोस ३० दषणाद कूण था जीवणेरी[1] । जाळोर था कोस १५, महेवा थी कोस १२ छै । आद पवारा री करायौ गढ छै[2] । धरणीवाराह पवार वाहडमेर धणी हुवौ । तिण आपरा भाई राजा भोज नु जाळोर भाई-वाटे दीयौ थौ । तिण री वेटौ पवार वोरनाराइण । तिण इण भाषरी[3] ऊपर गढ करायौ, संमत १०७७ पोस सुद ६ ।

१. सीवांणा गढ री हकीकत—छोटी-सी भाषरी ऊपर गढ छै । गढ रै बीच तळाव भाडेळाव परौ वडौ तळाव छै[4] । पाणी सदा अतूट छै[5] । तळाव बीच कीरत-थभ ईंट री छै । पीरसेद मारू तळाव माहे गोर चाकले भुरज पीर जमसेद छै । तिण तळाव री पाळ उपर तुरका रा पीरां री गोरा छै । गढ माहे अमारत इसडी काई न छै[6] । घर १ नवचोकीयां री राव चद्रसेण री करायौ पाको-सो ।

२. को दिन पवारां रै गढ रहौ । पछै पंवारा कनां चहुवांण कीतु आवू जाळोर लीयौ और ही घणी धरती चहुवाणे ली । रावळ कानडदे सावतसी री वडौ रजपूत हुवौ । इण आ ठौड़ आपरा भतोज सातल-सोम नुं दी । पछै सातल-सोम ऊपर पातसाह अलावदी री फौज आई, कोई कहै छै पातसाह आप आयौ । कोस १ था सीवांणा रौ भापर दोठौ सु अळगा थका भाषरी निपट नानी दीठी[7] । तरै

---

1. दक्षिण दिशा मे दाहिनी ओर । 2. पवारो का बनवाया हुआ बहुत प्राचीन गढ़ है । 3 पहाडी । 4 खूब वडा तालाब है । 5 पानी कभी समाप्त नहीं होता । 6 ऐसी विशेष इमारतें नही हैं । 7. पहाडी दूर से वहुत छोटी-सी दिखाई दी ।

पातसाह फुरमायौ– आ तो भाषरी निपट सहल छे[1]। आगे नांव कुभटो हुतो, पातसाह आ तो ठौड़ अेकरण समान जीत री छै, तठा सुं नांव सीवांणो नीसरीयो छे। पछे पातसाह कह्यौ– हू आज गढ फतै कर नै धांन-पांणी षाईस[2]। पीस सीगंद बाही[3]। आण डेरी कीयौ। गढ नुं ढोवौ हुवौ[4]। गढ हाथ आवण री नही। तरै पातसाह मरण लागौ। तरै आटा री गढ कर नै भेळण लागौ[5]। कह्यौ– पछै अेक भाई गढ सुं उतर नै सातल-सोम मांहलो आटा रा गढ मे कांम आयौ। अेक भाई गढ री कर मुरग तीडो छाडावत पिण सातल-सोम साथे कांम आयौ छे। सातल-सोम री प्रोळ १ छोटी-सी सीवांणे छै, तठा थी मुगले सीवांणो लीयौ।

३. तठा पछै रावळ मालौ सलषावत तपीयौ[6]। मालै मुगलां कना सीवांणो लेनै रा० जैतमाल सलषावत नुं दीयौ, सु इतरी पीढी ९ जैतमाल सीवांणो रह्यौ–

१. रा० जैतमल सलषावत
२. रावत हापो जैतमालोत
३. रावत करन हापावत
४. रावत तीहणो करनोत
५. रावत वीजो तीहणोत
६. राणो देवीदास वींजावत
७. रांणो जोगो देवीदास रौ
८. रांणो करमसी जोगा रौ
९. रांणो डूगरसी करमसी रौ

४. तठा पछे अेक वार राव जोधे केराच सातळतोत करने देवीदास वीजावत नुं जोधपुर तेडायौ[7] नै सीधल आपमल भाद्राजण

---

1. सरलता से हस्तगत होने वाली। 2. गढ जीत कर ही अन्न-जल ग्रहण करूंगा। 3. कसम खाई। 4 गढ पर हमला किया। 5 आटे का बनावटी किला बना कर उसे जीतने की रस्म पूरी करने लगा। 6. राज्य किया। 7. बुलाया।

रा धणी नुं सीवांणे ऊपर अजांणजक री[1] मेलीयौ सु वीजो मांडण राज धरती नै सिरदार मार नै गढ सीवांणो लीयौ। राव जोधा री आण फेर नै[2] जोधपुर षबर मेली। सु ओठी[3] जोधपुर नजीक आयौ। तिण हीज बेळा रांणो देवीदास वीजावत इण तरफ मैदान नु आवतौ थौ। सु ओठी २ दीठा–सीवाणा रै मारग ऊडाया आवै[4]। हाथ मै पाणी री छागलो[5] १ छै। देवीदास री मन चमकीयौ[6]–ओठी सीवाणा री तरफ सु ऊतामळा आवै सो भला नही, हाथ में पाणी री छागलो कासु जाणी जे?[7] देवीदास उण रै मारग साहे आई ऊभौ रहौ। उण नु पूछीयौ–कुण छौ, कठा थी आया ? एक दोय बेळा पूछीयौ, तौ पिण उणा नही कहौ, तरै इण घणौ हठ कीयौ। तरै उणां कहौ–म्हे सीवाणा थी आया, सीधल आपमल रा चाकर छा, जोधपुर जावा छा। आपमल छागल पांणी री मेल्ही थी सु लीयै जावां छा। राणो देवीदास राहावेधी[8] हुतौ, तद ही समझ गयौ–वीजौ मारीयौ राव रै साथ सीवाणो लीयौ, हिमे राव मोनु मारसी। सु देवीदास आप तौ उठा थौ पाळौ हीज नीसरीयौ, चाकर एक साथे हुतौ तिण नु कहौ–तू डेरै जाय राव रा आदमी आपणै डेरै तेड़ण नु आवसी तिण आगे कोई भेद मत भागौ[9] नै कहोजो–देवीदास सीकार¹ गयौ छै यो कर नै आघौ काढजो[10]। रात पडै तरै थेही नीसर उरा आवजो। ओठी उठै पहोता[11]। राव मागल² गयौ। वात किण ही नुं जणाई नही। राणै देवीदास नु ऊपरा-ऊपरी तेडा मेल्हीया[12], सीताब ले आवौ[13]। आगै आदमी आय देषै तौ देवीदास डेरै नही। तरै देवीदास रा चाकरां नु पूछीयौ–देवीदास कठै ? तरै उणै कहौ–देवीदास सीकार रमण घाघाणी री तरफ गयौ छै। तरै वासै[14] आदमी घांघांणी दिसा गया। देवीदास

---

१ रमण (अधिक)। २ सांमळ।

---

1 अचानक। 2. जोधा का अधिकार घोषित करके। 3. सुतर-सवार। 4. बड़ी तेजी से चले आ रहे है। 5 पानी की थैली। 6 मन मे एकाएक विचार आया। 7. क्या समझना चाहिए ? 8 पूर्व दृष्टा। 9 भेद मत देना। 10 जैसे तैसे रवाना करना। 11. पहुचे। 12 लगातार बुलावे भेजे। 13. शीघ्र ले आओ। 14 पीछे।

अठा थी आवर गयो। उठै सेवो[1] पटेल १ थी तिण कन्है घोडी १ माग नै घुघरट[1] गयो। उठै आपरा रो पवर पूछ नै जाळोर री गाव जाय सारा पाधो[2]।

५. वासा राव थारणं सीवांणा रजपूत कोई और साथ भेजीयौ तिके आण अमल कीयो[3]। गढ माहे डेरो कीयो। पछै राव सीवाणो आपरा बेटा सिवराज जोधावत नु दीयो छै सु सिवराज आपरी घणी वसी ले सीवाणा नुं आवै छै। तद रांणो देवीदास वीजावत जाय साचोर रह्यो थो। तरै घुघरोट रै भाईले दीठो राव जोधा री बेटी सीवाणे आय वैठो तरै माहरो अठा सु वास चूको[4]। तरै भाईले राणो देवीदास नु षबर मेल्ही–राव सिवराज गढ माहे पैठो तो पछै नीसरण री न छै, तिण वासतै थे कोई पहली विचार करो। तद रांणो देवीदास साथ कर नै सीवांणा ऊपर रात री आयो। कह्यो–सिवराजजी आयो, पोळ षोलो, सु आगे सिवराज रो[2] अवाज हुतो, राव रै साथ पोळ षोली। देवीदास कोट माहे पैस नै[5] राव री साथ सो कूट मारीयो। रांणा देवीदास री दुहाई फिरी। राव जोधा नु सीवांणो लीयां री षबर पहोती, तरै सिवराज नु दूनाडो दीयो छै। सिवराज दुनाड़े हीज रह्यौ। राणो देवीदास बाप रै बैर भाद्राजण ऊपर गयो[6]। सीधल आपमल घणो साथ सुं मारीयो।

६. पछै कितराहेक दिनां रांणो देवोदास मुवो[7]। पाट[8] राणो जोगो बैठो, सु ही भलो ठाकुर हुवो। सीवाणो भोगवीयो। तठा पछै जोगो मुवो। पाट रांणो करमसी जोगा रो[9] बैठो। तिण सीवांणो भोगवीयो। करमसी मुवो। पाट राणो डूगरसी करमसी रो बैठो, सीवांणा रो धणी छै।

---

१. घुघरोठ। २. आवण री (अधिक)।

---

1. परिचित। 2. विश्राम लिया। 3 राज्याधिकार स्थापित किया। 4. हमारा यहाँ रहना सभव नही। 5. अन्दर प्रवेश करके। 6. बाप का वैर लेने के लिये भाद्राजून पर हमला किया। 7. मर गया। 8. राज्य-गद्दी। 9. जोगा का पुत्र।

७. पछै जोधपुर राव मालदे धणी हुग्रौ। सीवाणो रांणो डूगरसी हुवौ। पछै राव मालदे सीवाणा ऊपर आयौ। राणा डूगरसी गढ झालीयौ[1]। मास ··· गढ घेरियौ। पछै डूगरसी रौ सत छूटौ[2]। गढ ऊतर दीयौ[3]। रा: मदौ मेरावत मेरौ देवीदास रौ तिण रै घरे भारमल री बहन आमो[१] थो। उण मदा नु कह्यो–तू गढ मर नै दै। पछै मदो कांम आयो। अमो सती हुई। संमत १५६५ असाढ बद ८ राव मालदे सीवांणो गढ लीयौ। राव जीवीया तठा ताई गढ रह्यौ। पछै राव मालदे मुग्रो, तरै सीवाणौ एक बार रजपूत रा० रायमल मालदेओत नु दीयौ। पछै राव चदरसेण रायमल कन्हा गढ उरौ लीयौ। रायमल मेवाड गयौ। पछै कितराहीक दिन राव चदरसेण रै सीवाणो रह्यौ।

८. पछै पातसाही फौज सीवाणा ऊपर सेहबाजषां कन्हो राजा रायसिंघ भुरटीयो[4] आण घेरीयौ। राव साथ माहे थौ। गढ री कूची मु० पता उरजनोत रै हुती। मास ··· गढ बीग्रहयो। पछै मु० पता रै गोळी रात री लागी। पछै राव रौ साथ ऊदावत जैमल नैतसीहोत रा० पतौ नगावत रा० बैरसल प्रीथीराजोत समत १६३२ इण मुगल सु बात कर नै गढ उतर नै दीयौ। अै धरमदुआर नीसरीया[5]। को दिन मुगला री थांणो रह्यौ। पछै धरती माहे घणौ षाज-पीज[6] का नही। पछै मुगल धरती ऊभी मेल[7] परा गया। पछै समत १६३५ राव चंद्रसेण डूगरपुर था पाछौ आयौ तरै वळे राव चद्रसेण गढ पाछौ हाथ कीयौ[8]। पछै समत १६३७ रा माहा सुदि ७ राव चदरसेण काळ कीयौ। तद रा० रायमल ही बेगौ मुग्रौ।

६. कीलाणदास परतापसी दरगा गया। पछै पातसाह इणा दुनो

---

१. आमु।

---

1. गढ़ मे सुरक्षित रहा। 2. पतितहीन हो गया। 3 गढ में सुरक्षित रहना सभव नही रहा। 4. बीकानेर का राजा। 5 प्राणो की भिक्षा मांग कर निकले। 6. खाने-पोने को सामग्री। 7. त्याग कर। 8. अधिकार में किया।

अठा थी झवर गयौ। उठै सेधो[1] पटेल १ थी तिण कन्है घोडी १ मांग नै घुघरट[1] गयौ। उठै आपरा रो षवर पूछ नै जाळोर री गाव जाय सास पाघौ[2]।

५. वासा राव थांणै सीवांणा रजपूत कोई ग्रोर साथ भेजीयौ तिके आंण अमल कीयो[3]। गढ माहे डेरौ कीयौ। पछै राव सीवाणो आपरा वेटा सिवराज जोधावत नु दीयौ छै सु सिवराज आपरी घणी वसी ले सीवांणा नुं आवै छै। तद रांणो देवीदास वीजावत जाय सांचोर रहौ थौ। तरै घुघरोट रै भाईले दीठौ राव जोधा री वेटौ सीवाणे आय बैठौ तरै माहरो अठा सुं वास चूकौ[4]। तरै भाईले राणो देवी-दास नु षबर मेल्ही–राव सिवराज गढ माहे पैठौ तौ पछै नीसरण रौ न छै, तिण वासतै थे कोई पहली विचार करौ। तद रांणो देवीदास साथ कर नै सीवांणा ऊपर रात रौ आयौ। कहौ–सिवराजजी आयौ, पौळ षोलो, सु आगे सिवराज री[1] अवाज हुती, राव रै साथ पौळ षोली। देवीदास कोट माहे पैस नै[5] राव रौ साथ सो कूट मारीयौ। रांणा देवीदास री दुहाई फिरी। राव जोधा नु सीवांणो लीयां री षबर पहोती, तरै सिवराज नु दूनाडौ दीयौ छै। सिवराज दुनाड़े हीज रहौ। राणो देवीदास बाप रै बैर भाद्राजण ऊपर गयौ[6]। सीधल आपमल घणौ साथ सु मारीयौ।

६. पछै कितराहेक दिनां रांणो देवोदास मुवौ[7]। पाट[8] रांणो जोगो बैठौ, सु ही भलौ ठाकुर हुवौ। सीवाणौ भोगवीयो। तठा पछै जोगो मुवौ। पाट राणो करमसी जोगा रौ[9] बैठौ। तिण सोवांणो भोगवीयो। करमसी मुवौ। पाट रांणो डूगरसी करमसी रौ बैठो, सीवांणा रौ धणी छै।

१. घुघरोठ। २. श्रावण री (अधिक)।

1. परिचित। 2. विश्राम लिया। 3 राज्याधिकार स्थापित किया। 4 हमारा यहाँ रहना संभव नही। 5. अन्दर प्रवेश करके। 6. बाप का वैर लेने के लिये भाद्रा-जून पर हमला किया। 7. मर गया। 8. राज्य-गद्दी। 9. जोगा का पुत्र।

७. पछै जोधपुर राव मालदे धणी हुओ। सीवांणो [illegible] हुवो। पछै राव मालदे सीवांणा ऊपर आयो। [illegible] झालीयो[1]। मास ... गढ घेरियो। पछै [illegible] गढ ऊतर दीयो[3]। रा. मदो मेरावत मेरो [illegible] भारमल री बहन आमो[1] थी। उण मदा नुं [illegible] पछै मदो कांम आयो। अमो सती हुई। संमत [illegible] राव मालदे सीवांणो गढ लीयो। राव [illegible] पछै राव मालदे मुओ, तरै सीवाणो एक वार [illegible] मालदेओत नु दीयो। पछै राव चंद्रसेण [illegible] लीयो। रायमल मेवाड गयो। पछै [illegible] सीवाणो रहो।

८. पछै पातसाही फौज सीवाणा [illegible] रायसिंघ भुरटीयो[4] आण घेरीयो। राव [illegible] मु० पता उरजनोत रै हुती। मास ... [illegible] रै गोळो रात री लागो। पछै राव [illegible] रा० पतो नगावत रा० वैरसल [illegible] सु बात कर नै गढ उतर नै दीयो। [illegible] दिन मुगला री थाणो रहो। पछै [illegible] नही। पछै मुगल धरती [illegible] राव चंद्रसेण डूगरपुर था पाछो [illegible] हाथ कीयो[8]। पछै समत [illegible] काळ कीयो। तद रा० रायमल [illegible]

९. कीलाणदास परताप[illegible]

---

१. भामु।

---

1 गढ मे सुरक्षित रहा। 2. [illegible] नही रहा। 4. बीकानेर का राजा। [illegible] खाने-पोने को सामग्री। 7. [illegible]

भाया नु सोवाणो दीयो। पछै मोटै राजा नु समत १६४० श्री पातसाहिजी जोधपुर दीयो। पछै मोटै राजा साहिजादो सेपु नु परणायो। तठै रा० कीलाणदास सु पानाजगो[1] हुई। पातसाहि रीसाणो[2]। सोवाणो मोटा राजा नु दीयो। पहलो एक वार मोटै राजा फोज कवर भोपत रावळ मेघराज रा० किसोरदास रामौत रा० आसकरण देवीदासोत[1] और ही साथ मेलीयो। पछै राठोड कीलाणदास रायमलोत रातीवाहो माणस ५० तथा ६० सु दीयो। काम कीलांणदास जीतो। मोटैराजा रै साथ रा पग छूटा। तठै रा० रणो मालावत रा० कलो जैसावत काम आया। फौज भागी। पछै मोटोराजा आप घणो साथ वडो फौज लै आया। गढ घेरीयो। पछै पाल्हीया[2] रै भेद जम[3] वुरज री राव री साथ चढीयो। राणै कीलाणदास जुहार वाळ नै सामो आयो। वाज मुओ[3]। संमत १६४६ मिगसर वद ७ गढ लीयो। राणा कीलांणदास साथे इतरो साथ कांम आयो—

१ रा० गोपाळदास भीवोत।
१ गोधो भादो हेमावत।
१ भाटी भाषरसी कूपावत।
१ सेयटो[4]
१ भायेल लालो रातीवाहे।
१ चां० गोपाळ झाझणोत।
१ भाटी पचाईण बीसावत।
१ दहीयो।
१ धायेभाई कडवो।
१ भायेल गोईंद बसी मांहे।

१०. मोटैराजा री साथ रतीवाहो[4] राणे कीलांणदास दीयो, तरै कांम आया—

---

१. देवीदास आसकरनोत। २ पालीया। ३. जाम। ४ सेपटो।

---

1. लडाई, झगडा। 2 नाराज हुआ। 3. युद्ध करके वीरगति पाई। 4. रात का हमला।

१ रा० राणो मालावत।

१ रा० कलौ बैरसलोत।

१ पीपाडो कान्हा दुजणसलोत कंवर भोपत रौ चाकर।

१ रा० ईसरदास नैतसीहोत। रा० राणा मलावत री चाकर।

१ रा० कलौ जैसावत।

१ दी० परबतसिघ मेहाजलोत, तन पसेरीयो पटै[1]।

१ रा० जेसो जगमालोत।

१ बीदावत जैतसी रौ चाकर।

११. परगने सीवाणे री रेष, पातसाही तरफ था पायी—

दाम	रुपीया	आसामी
१५०००००।	३७५००)	मोटा राजा श्री उदैसिघजी नुं।
१५०००००।	३७५००)	राजा श्री सूरजसिघजी नुं थी।
२५०००००।	६२५००)	राजा श्री गजसिघजी नु हुवौ।
३००००००।	७५०००)	माहाराजा श्री जसवतसिघजी नुं।

१२. हिमें परगनी री रेष गांवा ऊपर इण भांत छै तिण री विगत—

१००)	कसबो सीवाणो	१[2]	३५००)	कीलाणो[3] उपजती	१
३५००)	वीठोजी उपजती री	१	२५००)	वांभसेण उपजती	२
२५००)	बालोतरी उपजतारी	१	२०००)	समदड़ी	१
१५००)	जाणीवाणो धारावासणी	२	४००)	पचपदरी	१
२०००)	हौठलु	१	२०००)	दहीपडौ	१
३०००)	कीटणोद	१	३०००)	मांगलो	१
२५००)	आसौतरी	१	२५००)	मोतीसरो	१
२०००)	कुपावस	१	२०००)	जोड़ोतरो[4]	१

१. नवसरो पटै। २. ३। ३. काणाणो। ४. जोडोतरी।

४०००)	रापसी	१	३०००)	जगीसा कोटड़ी	१
१०००)	पाडु[1]	१	१०००)	रामसेण	१
१०००)	करमावास नै वानेवड़ो	२	१०००)	गोपडी	१
५००)	घाघाणो[2]	१	४००)	मोडी	१
२००)	देवाघ	१	२००)	गोरमी	१
४००)	धीरा	१	३५०)[3]	तेलवाडी	१
३००)	माहगी	१	२००)	जीणपुर	१
१२००)	देवळीयाळी	१	१००)	देभला, सूनो	१
५००)	गडो	१	५००)	सीणेर	१
५०)	पासु सुनो	१	३००)	मीठडो[4]	१
२००)	वाहलीयाणो	१	२००)	पादरडी पुरद	१
१०००)	कुडल	१	७००)	सेहलो	१
२०००)	कालणो बास	५	२५००)	थोभ वास	६
	१०००) कालणो			१८००) वडोबास	
	३००) रसोळाव[5]			२५०) बरसिंघ रौ वास	
	३००) कान्हानड़ो			२००) तिसीगडी	
	२००) बेदु रो बाड़ो			२००) चौ० जैता रो बास	
	२००) पीड़ा ढढ			५०) बास २	
	२०००)			२५००)	
२००)	कणीवाड़ौ	१	२०००)	सीराणो	१
३००)	षारड़ी वास	२	१०००)	पाटोधो	१
१०००)	नहवाहि	१	१०००)	अबा रौ बास	१
१२००)	बाये	१	३००)	बीजळीयो	१
४००)	लुद्रडो	१	४००)	फुलण	१
२५०)	अरजीवणो	१	४५०)	कागड़ी	१
१००)	करमावास	१	५००)	देवढो	१

१. पेंडु। २. घाखाणो। ३. ३५००)। ४. मीठोडो। ५. रसेळाव।

५००)	बावलु	१	४००)	रवणीयो	१
१२०)	सुदयो	१	६००)	सेवाली	१
७००)	ईंदरांणो	१	२००)	छडणो	१
३००)	पटाऊ वडी	१	३००)	थपणी	१
३००)	कांकरालो	१	७००)	लालीयो	१
१२००)	सावरलां	१	८००)	उमरळाई	१
६००)	पाडलाऊ	१	३००)	भरहड	१
६००)	सूरपुरो	१	५००)	मोकल नडी	१
७००)	लालणो[1]	१	६००)	महेली	१
५००)	चीहाली	१	३००)	कुवड़ी	१
२००)	पटाऊ षुरद	१	४००)	षाषरलाई	१
५००)	कुहीयप	१	७००)	माहगडो	१
२००)	षीदावड़ो	१	१००)	गौडां री बास	१
४००)	मुठलो	१	६००)	गुघरठ	१
४००)	पीपलण	१	२००)	पादडी बडी	१
२००)	दांतालै नै महेलडा	२	३००)	भगया[2]	१
६००)	भुती	१	६००)	षारवाहो	१
३००)	बाघलप[3]	१	३००)	सायेलो	१
३००)	त्रीगठी	१	१००)	ककसी	१
१००)	देवासण	१	३००)	बागावास	१
५००)	घडसो री बाडो	१			

८४७२०)	गाव	११४
४५५०)	सांसण	३०
८६२७०)	गाव	१४४

१३. कसबै सीवांणा रो वसती।

समत १७२१ रै बरस मांडी छ—

१. लालाणो। २. भगवा। ३. वघलाप।

८१	माहाजनां रा	२५	बांभणां रा
१०	सोनार	२	कुभार
४	भोजग	४	सुतराड
४०	तुरक	१	पीजारो
१	छीपा	१	नाई
१६	ढेढ	२	थोरी
१	जागरी		

१८८

९५ रजपूतां रा वास ६, तामे ४ वसै छै—

२५ गागा पडिहार री वास ।
२५ मेरीवास ।
३० सिवराज री बास ।
१५ देदा भायल री बास ।

९५

२८३ घर छ ।

१४. परगने सीवांणा री फिरसत[1] गांवां री—

गाव	आसामी	
५२	षुलासा गांव निषालस	
५	बांणीया वगैरे बीजो रैत बसै ।	
१	कसबै सीवांणो	१००)
१	बादलु	५००)
१	कीटणोद	३०००)
१	बाये	१२००)
१	देवढो	५००)
१	कांगडी	४५०)

1. सूची ।

३७ पटैल बसै, मांहे बीजी ही रैत[1] बसै छै।

१	काणांणो	५००)[1]
१	समदी[2]	२०००)
१	मगलो	३०००)
१	जगीसा कोटड़ी	३००)
१	राकसी[3]	४०००)
१	नहवाई पलीवाळ माहे मडी	१०००)
१	बबसेण	२५००)
१	आसोतरो	२५००)
१	थोभां, बडो बास	२०००)
१	दहीपड़ो	२०००)
१	जिड़ोतरी	२०००)
१	जीणीयणो	१५००)
१	होठलु	२०००)
१	सीरणी	२१००)
१	करमावास	१०००)
१	देवलीयाळी	१२००)
१	लालीयो	७००)
१	मोतीसरो	२५००)
१	सबरला	१२००)
१	कूपावास	२०००)
१	भुती	६००)
१	चीहाली	५००)
१	मोकलनडी	५००)
१	रवणीयी	४००)
१	सुरपुरी, जाट बसै	६००)

१. ३५००)। २. समदरडी। ३ रापसी।

1. अन्य जाति के लोग।

१ सोयली ३००)
१ ललाणो ७००)
१ पाडलाऊ ६००)
१ पारवाहो ६००)
१ काठाड़ी, वाणीयां रेवारी रजपूत वसै ४५०)
१ महेली ६००)
१ वाघलवस ३००)
१ आवा री वाडो १०००)
१ भुरड, जाट वसै ३००)
१ त्रिगठी
१ सेवाळी ६००)

३७

विगत—

३४ पटेल
२ जाटां रा
१ बीजी रैत

१० पालीवाळ बांभण वसै—

१ वीठोजो ३५००)
१ रांमसेण १०००)
१ पचप्दरो ४००)
१ माडापो ३१००)
१ माहगड़ो ७००)
१ बालोतरो २५००)
१ गोपड़ी १०००)
१ नवाई, पटेल वसै १०००)
१ छुंडाणी २००)
१ ऊमरळाई ५००)

१०

विगत—बीजी रैत ६

५२ विगत—

बीजा रैत	६
पटेल	३५
जाट	२
पलीवाळ	६

रजपूत लोक बसै, मांहि बसीया रहै—

१	पादरू	१०००)	१	पाटोघी	१०००)
१	ईद्रारांणो	७००)	१	षाषरलाई	४००)
१	कुडल	१०००)	१	सेहलो	७००)
१	बाहलीयाणो	२००)	१	गडो	५००)
१	फुलण	४००)	१	दांतांलो	३००)
१	घाणांणो	५००)	१	कुहीयप	५००)
१	मीठोडो	३००)	१	पीपलण	४००)
१	मोडी	४००)	१	पादरड़ी बडी	२००)
१	देवाघ	२००)	१	गुघरट	६००)
१	अरजीयांणो	२५०)	१	थापण	३००)
१	सीरेण	५००)	१	षारड़ी	३००)
१	त्रीसीगडी	१५०)	१	काकरालो	३००)
२	पटाऊ ३००)२००) =	५००)	१	माहीगी	३००)
२	धीरा	४००)	१	जीणपुर	२००)
१	पीडढढ[1] कलाणां री	२००)	१	पादरडी षुरद	२००)
२	भगवा २००)१००) =	३००)	१	बीजळीयो	३००)
	२ वास				
१	लुद्राड़ो	४००)	१	कुठली	४००)
१	वरसिंघ री बास थोभ री	२५०)	१	तेलवाड़ो	३५०)

---

१. पीड़ाढढ।

१ रासेळाव कालाणां री — १ घडसी री वाडो ५००)
१ चौहाणां री वास २००)
थोब री

४२

१५. २० सूना मांजरा—

१ देवासण[1] कागड़ी[2] १००
रवणीया बीच घास कटै।

१ कान्हा री वाड़ो थोभ री बास ५०)
थोभ मांहे षडीजे।

१ बादु रो बाडो कालणा री २००)
— — समत[3] बसती।

१ झीका रो पाद्र ५०)
भाषर छै। षेत सोणेर रा षेड़ा[4]।

१ कुबड़ी ३००)
पैहली कुभार बसता। पाटाऊ मांहे षड़ीजै।

१ बागाबास १००)
पहली जाट बसता। पछै आसाईच बसता[5] पहोस — — —
नाहली बांमसेण मंगला बीच भाषरी री गांव।

१ देभला १००)
धीरां मांहे षड़ीजै। मूळ जाळोर री गाव। पवाड़ोया रजपूत बसता।

१ पासु ५०)

---

१ देवासणी। २. काढाडी। ३, पहली भायल ढूढो। ४ षड़े। ५. पछे सायब बसिया था।

पादरु बांसे षडीजै । पहला दहीया बसता ।

१ मोडरो ४००)

काणाणा मांहे षडीजै । समत १६६२[1] जेता भेळो करायो । आगे जुदो थो ।

१ गोड़ा री बास १००)

कुहीप माहे षड़ीजै । भीव री गुढो कहीजै ।

१ मोकलीया[2] वेरो

कणाणा माहे मांजरै ।

१ सुहीयो १२०)

वावळु माहे मांजरै । तीरवा १ पछिम नु ।

१ बनैवडो १५०)

करमावास माहे मांजरै । करमावास समदड़ी बीच ।

१ धारीया वासणी २००)

होठलु षैड़ी छै । जीणोयांणा भेळो भोग दै ।

१ काकसी[3] १००)

पादरु बेडो[4] रा० किसनदास जसवतोत बसोयो थो सु पहला जाळोर रा मेडता ।

१ षीदावड़ो २००)

कुहोप माहे षडीजै । भायल षीदो बसतो ।

१ महेलड़ी

दताळी माहे षड़ीजै । दताला भेळो माडो ।

१ कणीवाड़ो २००)

१. १६६३ । २ गोकलीया । ३. केकसी । ४. षड़ै ।

कुंडल माहे मांजरै। घणा दिन रो सुनो।

१ गोरवी ५०)

घाणांणा मांहे पड़ीजै। जाळोर रा देसां[1] भाटी वसता।

१ थोभ रो वास १

माडलप रो मडायो छै सु जुदो षेड़ो कोई नही। मांडलप तळाव ऊपर गाव तीसगड़ी वसो छै नै वीजो वास १ बडावास मांलो मांडीयों छै।

२० २४७०)

१६. ठीक गावां री, सीवाणा रा बसता सूना फरसत ऊपर छै।

६४ बसता— ३० सासण—

५ बीजी रैत ३७ पटैलां रा १० पल्लीवाळां रा

२० रजपूतां रा २० सूना मांजरै

६४

१४४

१७. ३० गांव तीस सीवाणे रा सांसण छै।

१७ बांभणां नुं—

३	सीलोर रा वास राजगुर नु	४००)
१	त्रीसीगड़ी बल्ही[2] रो बास सोढा नु	१००)
१	माहबारी पाचलोर	१००)
१	सरबड़ी मंनाणो[3]	४००)
१	महैकरना[4] रोहाड़ा रो सोढा नु	५०)
१	सीहथली लुणोतरा	१००)
१	कालीया वासणी[5]	५०)
१	आसरावो दुदावत्तां नुं	२००)

१. दीसा। २. वली। ३. मनणा नुं। ४. मेह करना। ५. वघन (अधिक)।

१	साणोसणी[1] वाकुलीया नुं	४००)
१	पटाऊ री वास मनाणा नुं	५०)
१	उमरलाई पुरद सोढा नु	५०)
१	पाटौधी री वास सीधीया नु	१००)
१	केलणकोट वांकुलीया	५०)
१	भीदाकुवो सीहा नु	१००)
१	लोळाबास वाकुलीया सूनो	१००)
१७		

१३ चारणां नुं–

१	कोडुषो सूनो महेवा[2] नुं	५०)
१	रीछोली रोहड़ीया नु	६०)
४	रोहडा[3] रा बास	
	१ मईयां नु	१००)
	१ सीढाईच नु	५०)
	१ रोहड़ीया नु	५०)
	१ आसीयां	५०)
१	वांदु रो बाडौ मीसण	२००)
२	ईकडाणी रा बास	
	१ वडो बास रोहड़ीया नुं	४०)
	१ षुरद बास मीसण नुं	३०)
१	भाडीयावास आसीया नु	२००)
१	कालाणा री बास रतनुवां नुं	२००)
१	घडोई रतनू	१५०)
१	आलेचड़ी आसीया नुं	५०)
१३		३४८०)
३०		
१४४		

१. सातोसणी। २. मेहडुवां। ३. रोहाडा।

१८. — — — — कुल री ठीक।

रुपीया	गाव	आसामी
५७५०)	५	पुलासा वाणीया वगेरे वीजो रैत वसै।
४८६५०)	३७	पटेल तथा दूजी रैत वसै।
१३५००)	१०	पलोवाळ वगेरे वसै।
१५८१०)	४२	रजपूत वसै।
३४८०)	१७	बाभण वसै।
२४८०)	२०	सांसण।
२१७०)	१३	चारणा वसै।
८१९६०)	१४४ गाव	

१ बाय १२००)

सीवांणा था कोस ५ ऊगोण मांह। रजपूत रैबारी बांणीया कुंभार बसै। धरती हळवा २००। षेत सषरा बाजरी मूग मोठ। ऊनाळी नही। बावडी १ पूना बेगड[1] री कराई। मीठो पाणी। तळाव मास ४ पांणी। बेरा पार रा कोस १, पुरस ४ पांणी मीठो। भाषर रा गांव था नजीक। बडो भाषर छै। कोस ११ घाणाणा सुधो। पांणी ठोड़ २ तथा ३ छै। समत १७१५ हुतो।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	३००)	७००)	६११)[2]	६०१)	६०१)

१ बावळु ५००)

सीवाणा था कोस ४ ऊगण माहे। रैबारी नै बांभण बसै। धरती हळवा ४० तथा ५० षेत। ऊनाळी नही। तळाव १ बांधडो मास ४ पांणी। कुवो १ पुरस १४[3] षारो।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	६०)	१२०)	१२०)	१२०)	१२०)

१ कीटणोद ३०००)

सीवांणा था कोस ६ ऊतर दिसो। कुभार बसै, रैबारी रजपूत बसै। पाही षड़ै छै। धरती हळवा ६० तथा ७० बड़ा षेत। ऊनाळी करै तितरी हुवै। रेल माहे सेवज घणा हुवै। नदो लूणी नजीक। तळाव मास ६ पाणी। कुवो पुरस १० मीठो। पहली पटेल बसता।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१७५)	११९८)	३०९२)	१५००)	९६३)

२०. पटेल लोक बसै, नीषालस गांव षुलासा—

२ कांणाणो ३५००)

---

१ वेगडी। २ ६००)। ३. पुरसे १०।

सीवांणा था कोस ६ ऊतर दिसी। पटेल वाणीया ब्राभण तुरक बसै। पवन जात ही वसै छै। धरती हळवा ८० तथा ६०। मूग मोठ जुवार बाजरी हुवै। ऊनाळी अरट १२ कोसीटा ३५ हुवै। रेल नदो री आवै तरै जुवार री ठौड़ काठा गेहू हुवै। तळाव मास ५ तथा ६ रौ पाणी। कुवौ १ मोठौ गाव रै फळसै छै[1]। नदी कोस छै। मूळ पलीवाळ री गाव[2]। सीवाणा री चोतरो काणाणे छै[3]। वडी गाव। कसबा दाबल गांव छै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
१२३५)	३५३०)	३३९७)	४३७२)	२६३२)

१ समदी[1] २०००)

सीवांणा था कोस ७ ऊतर दिसी। पटेल बांभण वाणीया रैवारी बसै। धरती हळवा १००। पेत सषरा। ऊनाळी अरट १०, कोसीटा २० हुवै। तळाव नही। नदी गाव था नजीक तठै पीवै। कुवा २ बंधवा छै। भाषरी गाव नजीक छै। पहलो सीवाणा रो चोतरो समदड़ी हुतो।[3] बडी बसी, बडी गाव थी। हिमे बसती तूट गई[4]। हाकम ऊठै रहता।

संवत १७१५	१६	१७	१८	१९
६२७)	८४३)	२४७३)	१९१९)	११४२)

१ मांगलो ३०००)

सीवाणा था कोस ५ ऊतर दिसी। पटेल रजपूत कुभार बसै। धरती हळवा ५० तथा ५५। षेत निपट अवल[5]। ऊनाळी अरट १० तथा १२। कोसीटा ४०, चाच २० तथा २५। रेल आया घणा काठा गेहू हुवै। तळाव मास ५ पांणी, पछै कुवे पीवै। नदी लूणी गाव सूं नजीक षेड़ो भाषरी षांभै।

---

१ समदरडी।

---

1 गाव के आगे हो। 2. मूलतः पलीवालों का गाव है। 3. सोवाने का मुख्य गांव है। 4 बस्ती कम हो गई। 5 बडे उपजाऊ खेत।

१ जगीसा कोटडी ३०००)

सीवांणा था कोस १० पूरब दिसी। पटेल बांणीया रैबारी बसै। धरती हळवा ५० तथा ६०। पेत सषरा। ऊनाळी अरट २० कोसीटा १५ तथा २० री ठौड़। गांव तळाव नही। बेह[1] १ छै सु भरीजै। तरै मास ६ पांणी। पछै माहे बेरा षुणीजै[1] छै, तठै पीवै। नदी २ लूणी नै सूकडी गोढवाड़ वाळी बेऊ बहै। पहली आंबा री बाड़ी भेळौ छौ, हिमे जुदौ टाळीयौ छै[2]।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	४४०)	९३७)[2]	२५६०)	१०५९)	७७८)

१ बांभसेण २५००)

सीवांणा था कोस ८ ऊगोण दिसी। पटेल बांणीया कुंभार बसै। धरती हळवा ३.५ तथा ४० संकोड सीव[3]। षेत थोड़ा। मुदो ऊनाळी ऊपर। अरट २० तथा २५, कोसीटा ३० तथा ३२ हुवै। नदी लूणी गाव नजीक। बेह १ खेजडीयाळी मास ४ पांणी। पछै माहे बेरा पण पीवै। हमारू गाव षराबै छै।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१४१६)	११३८)	४२१९)	१२१६)	९०५)

१ राषसी ४०००)

सीवांणा था कोस ६ ऊगण दिसी। पटेल बांणीया रजपूत षाती बसै। धरती हळवा ७० तथा ७५। जुवार बाजरी मूग मोठ बडी नेपत रा षेत[4]। ऊनाळी अरट २ नीबळासा[5]। सीधलावटी री वाहाळो आवै छै, तिण सेवज काठा गेहूं नै चिणा हुवै छै। तळाव

१ वेहर। २. ९२७)।

1. वेरियें खोदी जाती हैं। 2. अलग कर दिया है। 3. कम रकबे वाली सीमा। 4. खूब पैदा देने वाले खेत। 5. साधारण पैदावार वाले।

सीवांणा था कोस ६ ऊतर दिसी। पटेल वाणीया ब्राभण तुरक बसै। पवन जात ही बसै छै। धरती हळवा ८० तथा ९०। मूग मोठ जुवार बाजरी हुवै। ऊनाळी अरट १२ कोसीटा ३५ हुवै। रेल नदी री आवै तरै जुवार री ठौड काठा गेहू हुवै। तळाव मास ५ तथा ६ रौ पाणी। कुवौ १ मोठौ गाव रै फळसै छै[1]। नदी कोस छै। मूळ पलीवाळ री गाव[2]। सीवांणा री चोतरो काणाणे छै[3]। बडो गाव। कसबा दाषल गांव छै।

संमत १७१५		१६	१७	१८	१९
	१२३५)	३५३०)	३३९७)	४३७२)	२६३२)

१ समदी[1] २०००)

सीवांणा था कोस ७ ऊतर दिसी। पटेल बांभण वाणीया रैवारी बसै। धरती हळवा १००। षेत सषरा। ऊनाळी अरट १०, कोसीटा २० हुवै। तळाव नही। नदी गाव था नजीक तठै पीवै। कुवा २ बधवा छै। भाषरी गाव नजीक छै। पहली सीवाणा रौ चोतरो समदड़ी हुतौ।[3] बडी बसी, बडो गाव थी। हिमे बसती तूट गई[4]। हाकम ऊठै रहता।

संवत १७१५		१६	१७	१८	१९
	६२७)	८४३)	२४७३)	१९१९)	११४२)

१ मांगलो ३०००)

सीवाणा था कोस ५ ऊतर दिसो। पटेल रजपूत कुभार बसै। धरती हळवा ५० तथा ५५। षेत निपट अवल[5]। ऊनाळी अरट १० तथा १२। कोसीटा ४०, चाच २० तथा २५। रेल आया धणा काठा गेहू हुवै। तळाव मास ५ पांणी, पछै कुवे पीवै। नदी लूणी गाव सूं नजीक षेड़ो भाषरी षांभे।

---

१ समदरड़ी।

---

1 गाव के आगे हैं। 2. मूलत. पलीवालो का गाव है। 3. सीवाने का मुख्य गांव है। 4 बस्ती कम हो गई। 5 बडे उपजाऊ खेत।

१ जगीसा कोटडी ३०००)

सीवांणा था कोस १० पूरब दिसी। पटेल बांणीया रैबारी वसै। धरती हळवा ५० तथा ६०। षेत सषरा। ऊनाळी अरट २० कोसीटा १५ तथा २० री ठौड़। गांव तळाव नही। बेह[1] १ छै सु भरीजै। तरै मास ६ पांणी। पछै माहे बेरा षुणीजै[1] छै, तठै पीवै। नदी २ लूणी नै सूकडी गोढवाड़ वाळी बेऊ बहै। पहली ओबा री बाड़ी भेळी छौ, हिमे जुदी टाळीयौ छै[2]।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	४४०)	६३७)[2]	२५६०)	१०५९)	७७८)

१ बांभसेण २५००)

सीवांणा था कोस ८ ऊगोण दिसी। पटेल बांणीया कुंभार वसै। धरती हळवा ३५ तथा ४० संकोड सीव[3]। षेत थोड़ा। मुदो ऊनाळी ऊपर। अरट २० तथा २५, कोसीटा ३० तथा ३२ हुवै। नदी लूणी गाव नजीक। बेह १ खेजड़ीयाळी मास ४ पांणी। पछै माहे बेरा षण पीवै। हमारू गांव षराबै छै।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१४१६)	११३८)	४२१९)	१२१६)	९०५)

१ राषसी ४०००)

सीवांणा था कोस ६ ऊगण दिसी। पटेल बांणीया रजपूत षाती बसै। धरती हळवा ७० तथा ७५। जुवार बाजरी मूग मोठ बडो नेपत रा षेत[4]। ऊनाळी अरट २ नीबळासा[5]। सीघलावटी री वाहाळो आवै छै, तिण सेवज काठा गेहूं नै चिणा हुवै छै। तळाव

---

१. वेहर। २ ९२७)।

---

1. बेरियें खोदी जाती है। 2. अलग कर दिया है। 3. कम रकवे वाली सीमा। 4. खूब पैदा देने वाले खेत। 5. साधारण पैदावार वाले।

बरसोदीयौ पाणी । माहे बावडी १ वधवा छै । पाळ ऊपर बाग छै । बडौ गाव कांठा री । सीधळावटी रा चोरीया लागै[1]

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
१३०)	१७००)	४१५)	१०५२)	११५५)[1]

१ थोभ बडोवास २०००)

सीवाणा था कोस १३ पछम दिसी । पटेल रजपूत बांणीया षाती बसै । बडी बसी[1] जायगा । धरती हळवा १५० । बाजरी षेत । ऊनाळी लूणी माहे काठा गेहू मण ४०० बावै । बडौ हासल हुवै[2] । तळाव मास ६ पांणी । कुवौ १ पुरस १४ मीठौ । थोभ रा वास १३ कहीजै । तामा[3] बास ७ सांसण छै । ६ जागीर मे । काठा री गांव छै । बास दो--एक पटेल री, दूजौ रजपूत री । बास २ वसै ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
५०)	१०५०)	२५३)	१०६७)	३४४)

१ आसोतरो २५००)

सीवाणा था कोस ५ ऊतर दिसी । पटेल बांणीया कुभार रैबारी सोनार बसै । धरती हळवा ८० तथा ९० । बाजरी जवार मूग मोठ । बोहसीवो गाव[4] । ऊनाळी अरट १० तथा १२ । कोसीटा ८ तथा १० । रेल आवै तरै सेंवज हुवै । षेत सषरा । तळाव मास ८ पाणी हुवै । कुवो १ मीठौ बधवा छै, पुरस १४ छै । भाषर कोस १, बांकी ठौड छै[5] । बडौ गांव छै[3] ।

१ जिडोतरी २०००)

---

१. ११९५) । २ वसी री ।

३. 'ख' प्रति मे रेख—३२२) ८८६) १३५५) १०५९) ६५७) ।

---

1. सीषालावटी के चोर यहां पहुचते है । 2 खूब लगान आता है । 3 जिनमे । 4. बडी सीमा वाला गाव । 5. विकट जगह है ।

सीवाणा था कोस ५ ऊतर दिसी। बांणीया पटेल बाभण रैबारी बसै। धरती हळवा ७०। षेत सपरा। ऊनाळी अरट १५ कोसीटा १५ तथा २० करै तो[1] हुवै। तळाव मास ५ पाणी हुवै छै, तठै पीवै। नदी लूणी नजीक बडी लूणी, बडो गाव।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
६२०)	१३०७)	३७६४)	१२२०)	०)

१ दहीवडी[2] २०००)

सीवांणा था कोस ८ ऊतर दिसी। पटेल वांणीया रजपूत कुभार षाती बसै। धरती हळवा ६० तथा ७०। षेत सपरा। ऊनाळी अरट १२ कोसीटा १०। सेवज गेहूं रेल मांहे घणा हुवै। नदी सूकडी सीधलावटी था आवै। गाव नजीक, तठै पाणी पीवै। वडो गाव, षुलासा छै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
६५५)	१४७०)	२४५०)	२१५१)[3]	३८६)

१ जणीयणो[4] १५००)

कोस ७ सीवाणा था ऊतर दिसी। पटेल बांभण वाणीया बसै। धरती हळवा ५५। षेत सपरा। ऊनाळी अरट २० कोसेटा १० री ठौड़। सेवज हुवै। तळाव १ बेह[5] १ मास ७ पाणी, पछै बेरै पीवै। नदी गांव नजीक। पहली रावत हापा रा बेटा पोतरा बसता जिणां रै नावे जीणयाणो कहीजै। भा० मनै पटेल बासीया मोटाराजा री बार माहे।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
२१४)	७४३)	२१९५)	९४८)	८३२)

१ सीरांणो २१००)

सीवाणा था कोस ६ ऊतर दिसी। पटेल वाणीया बाभण कुंभार

१. तितरा। २. दहीपडो। ३ २१५३)। ४ जाणीयाणे। ५ वेहर।

धरती हळवा ७० । पेत निपट सपरा । ऊनाळो अरट १० कोसोटा ५ तथा ७ हुवै । नदी लूणी दषण माहे । तळाव मास ५ पाणी । मांहो कुवो १ छै तठै पोवै । बावड़ो २ बूरी पड़ी छै । मूळ पलोवाळा री षेडी छै[1] ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	४७०)	१२११)	२२४६)[१]	७५२)	१६८)

१ देवलीआळी[२] १२००)

सीवाणा था कोस ६ ऊतर दिसा । पटेल बांभण वांणीया बसै । धरती हळबा ६० । बाजरो मूग मोठ जवार हुवै । ऊनाळी अरट ६ तथा ७ कोसीटा ५ तथा ७ चांच २ तथा ३ हुवै । तळाव मास ६ पांणी । नदी गाव था नजीक छै तठै पांणो पीवै । षेडी भाषरी रो षांभ छै ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	२३७)	६८४)	१३५०)	६८४)	३५७)[३]

१ सांवरला १२००)

सीवाणा था कोस ८ ऊगण दिसा । पटेल बाणीया बाभण बसी रा रजपूत बसै । धरती हळवा ७५ बाजरी जुवार मूग मोठ, बड़ी नेपै-तरा षेत । बोहसीवो गांव छै । ऊनाळी पीयल नही । उनमैं गुगला[४] भरीजै तरै काठा गेहू मण २०० बावै । बाहळो सीधलावाटो री रैलीजै तठै सेवज काठा गेहूं हुवै । तळाव बरस २ री पांणी रहै । काळ-दुकाळ[2] भुतो री बहर मांहे बेरा षणा पाणी पीवै ।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	५०)	७१०)	१३४)	७९९)	२७१)

१ २२८६) । २ देवलीयाळी । ३. ३५) । ४ उनम १ गुगळो ।

1. मूलतः पलीवालों का गांव है । 2. अकाल आदि होने पर ।

१ होठलु

सीवांणा था कोस ८ ऊतर दिसी । पटेल बांभण बाणीया रैबारी बसै । धरती हळवा ४० सांकडी-सीवौ[1] ।[1] पेत सषरा । ऊनाळी अरट १५ कोसेटा १० हुवै । रेल आवै तरै सेंवज घणी हुवै । तळाव नही । वेहराम माहे कुवो १ बधवो छै, तठै पीवै । नदी लूणो कोस ।।। दिषण मैं । मूल पलीवाळा री गाव, पछै सूनो हुवौ थौ । पाही बाभण षड़ै छै ।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	२२४)	९५५)	१३१०)	१२८५)	६२४)

१ करमावास १०००)

सीवाणा था कोस ७ ऊगण दिसी । पटेल वांणीया रैबारी बसै । धरती हळवा ५० । जुवार बाजरी मूग मोठ षेत सषरा । ऊनाळो अरट १० कोसीटा १५ हुवै । तळाव मास ६ पाणी, पछै अरट पीवै[2] । बडो गाव करमावास ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	४००)	६११)	१५९०)	११७०)	६०२)

१ मोतीसरो २५०)

सीवाणा था कोस ७ पूरब दिसी । पटेल रजपूत बांणीया बसै । धरती हळवा २०० तथा २५० । जुवार बाजरी मूग मोठ तिल कपास षेत नीपट अवल । ऊनाळी पीयल नही । सीधलावटी री बाहळौ रेलीजै जितरै सेंवज गेहू मण २०० बावै । तळाव मास ५ पाणी, माहे बेरिया काची षिण पीवै । बाहळा गांव था नजीक ।

संवत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१००)	९९५)	११०)	१८८०)	५१६)

१ साकड-मीवो ।

1. कम सीमा वाला । 2. फिर रहट से पानी निकाल कर पीते हैं ।

१ कुंपाबास २०००)

सीवांणा था कोस ५ ऊतर दिसा। पटेल बाभण वाणीया कुभार बसै। १ रजपूत बसै छै। धरती हळवा ५०। जुवार बाजरी मूग मोठ षेत निपट सषरा। ऊनाळी अरट १० कोसीटा २० तथा २५ हुवै। नदी बडी लूणी बाड़ हेठै वहै[1]। तळाव मास ५ पांणी, पछै नदी पीवै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
३६)	७४७)	१२५०)	८६०)	४००)'

१ आंबा री बाडो

सीवाणा थी कोस ८ ऊतर दिसी। पटेल रजपूत वाणीया बसै। धरती हळवा ७० तथा ७५। जुवार बाजरी मूग मोठ तिल कपास। षेत अवल[2] बोहो सीवो गांव। ऊनाळी नही। जगीसा कोटड़ी रा करै। तळाव भुरड़[२] भेळो मास ७ पाणी। पछै नदी सूकडी पीवै। नदी सीधलावाटी री गांव नजीक। पहली गाव जगीसा कोटडी में षड़ीजतो। समत १७१३ भा० ताराचद नाराणोत जुदो पटै दीयो, तरै जुदो बसायो।

१ लालोया

सीवांणा थी कोस ९ उतर दिसी। पटेल षाती बसै। धरती हळवा २० तथा २२। षेत सषरा। ऊनाळी अरट २ कोसीटा ४ हुवै। तळाव मास ४ पाणी। नदी सूकड़ी सीधलावटी री नजीक तठै पीवै। सषरो गाव।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
२६०)	६२०)	६१४)	४२२)	२२८)

१. इसके पश्चात मूल प्रति के ६ पृष्ठ अनुपलब्ध हैं। 'ख' प्रति मे भी इन पृष्ठो का वृत्तात नही है। २. भुरड।

1. गांव से लगती हुई। 2. श्रेष्ठ किस्म के खेत।

१ भुती

सीवांणा थी कोस ८ उगवण[1] दिसी। पटेल रजपूत बसै। धरती हळवा १५ निपट अवल। ऊनाळी नै पीयल नही। बाहाळो[2] सीघलावटी रौ नदी रेल रौ आवै, तठै सेंवज हुवै। तळाव मास ५ पांणी। पछै गांव सुहली[1] पीवै। गांव सवला[2] भेळो गाव कहीजै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
२०)	२५०)	६)	३२)	३०)

१ मोकल नडी

सीवांणा थी कोस ८ उतर दिसी। पटेल नै बसी रा रजपूत बसै। धरती हळवा ६० तथा ६५। षेत सषरा एकसाषा। ऊनाळी नही। तळाई १ मोकलनडो मास ६ पाणी। पछै कुवौ १ पुरस १४ मीठौ पीवै। पहली सूनो थो पछै बसीयौ छै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
१०)	१००)	५१)	३०५)	१७५)

१ सुइली

कोस ६ ऊतर दिसी। पटेल बसै। धरती हळवा १७ तथा २०। षेत सषरा। ऊनाळी कोसीटा ५ हुवै। ढढ १ छै तिण मे सेवज म० १२ तथा १५ वानं[3]। नदी सूकड़ी भादराजण री भाषर री तिण थी बहै, भरोजे। बरसोंदीयो पांणी हुवै। देहरो १ माहादेवजी रौ कदीम छै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
१०)	२२०)	२३८)	२४९)	१००)

१ सूरपुरो

---

१. सुमली। २ सावरला। ३ हुवै।

---

1. पूर्व। 2 नाला।

सीवाणा थी कोस ११ ऊतर दिसी । जाट उतराधा बसै । धरती हळवा १०० । बाजरी मूग मोठ, षेत सषरा । ऊनाळी नही । सेंवज हुवै । तळाव मास ८ पाणी । पछै दहीपडै नदी पाणी पीवै । एक साषीयो गाव । राजा श्री सुरजसिंघजी री बार माहे नवौ बसीयौ ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
२)	१२५)	३९)	५०१)	३७)

१ कालाणो[1]

सीवाणा थी कोस १२ ऊतर दिसी । बांणीयां पटेल रजपूत बसै । धरती हळवा ६० तथा ७० । बाजरी मूग मोठ तिल कपास, षेत सषरा । ऊनाळी नहीं, एक साषीयो । तळाव मास ५ पाणी । कुवो १ बधवो छै तठै पीवै । कालाणौ, कालाणा रा बास ९ कहीजै । जेतां मैं बास ५, सासण बास ४ जागीरदार दाषलै नै बास २ बाघलप घडसी री बाड़ो जुदौ हुवौ ।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
६०)	३१०)	५०)	३००)	१५७)

१ चाहाली[2]

सीवाणा थी कोस ८ पूरब दिसी । पटेल रजपूत बसै । धरती हळवा ४० । जवार बाजरी मूग मोठ, षेत सषरा । एक साषीयो । ऊनाळी नहीं । तळाव मास ६ रौ पाणी । कुवो १ बधवो तिण रौ पांणी पीवै । बास २ मडै, तामे १ सूनो ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
१५)	२७८)	५३)	२००)	८२)

१ रावणीयो[3]

सीवाणा था कोस ५ दिषण दिसी । पटेल रजपूत बाभण बसै । धरती हळवा ७० । षेत रूड़ा । इकसाषीयो । ऊनाळी नही । तळाव

१. काणाणो । २. चीहाली । ३. रवणीयो ।

मास ५ पाणी । पछै कुवौ १ बधालग तठै पीवै । बास १ बाभण रो जुदी डोहळीया[1] छै ।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
६०)	२५०)	२२५)	२७५)	२५१)

१ लालांणो

कोस ५ ऊतर दिसी । पटेल रजपूत[1] बसै । षारी धरती, हळवा ३० तथा ३५ । षेत सषरा इकसाषीया । ऊनाळी नही । तळाव २ मास ५ पांणी पीवै । नदी बडी लूणी नजीक तठै पीवै । अरट १ छै ।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
४०)	३१४)	५५)	४४९)	१५४)

१ पाडसाऊ

सीवाणा थी कोस ७, ऊतर दिसी । पटेल बाभण रैबारी बांणीया बसै । धरती हळवा ३० तथा ३२ । सषरा इक साषीया, ऊनाळी पीयल नही । रेल आवै तो सेंवज हुवै । तळाव मास ५ पाणी । कुवो १ बधवो तठै पांणी पीवै ।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
४०)	३८०)	१२४)	३३१)[2]	१३७)

१ बाघल[3]

सीवाणा थी कोस १२, उगूण मांहे । पटेल बसै । धरती हळवा २० तथा २५ । षेत सषरा । ऊनाळू ऊनवा ३ छे, सु भरीजै । तरै जुवार भावै काठा गेहू हुवै[2] । तळाव बाघेळाव मास ८ पांणी । पछै माहे बेरा षिण पीवै । पहली सासण थो बाभणां नु पछै मांहे-माह लड़ीया[3] तरै भा० माने[4] लीयौ ।

१ रेवारी (अधिक) । २. ३३६) । ३. वाघलप । ४. मने ।

1. दान मे दिया हुआ । 2. जवार या काठे गेहू होते है । 3. आपस मे झगडे ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
१०)	१३०)	१२०)	१८७)	८१)

१ भुरडे[1]

सीवांणा थी कोस ८ ऊगोण नुं। जाट पटेल वसै। धरती हळवा ३० तथा ३२। षेत सषरा। ऊनाळी कोसीटा २ नीषालसा[2]। तळाव २[3] मास ७ पाणी। पछै अरटवाली[4] निवै पीवै। सषरो गांव छै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
०)	०)	०)	७८)	६०)

१ त्रिगठी[5]

सीवाणा थी कोस ८ ऊगोण दिसी। पटेल रैबारी बसै। धरती हळवा ३०। जुवार बाजरी मूग मोठ हुवै। इकसाषीयो। षेत सषरा ऊनाळी नही। तळाव मास ५ पांणी, पछै महेवरीये[6] पाणी पीवै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
२५)	१५०)	२०)	१०१)	१२०)

१ षारबाहो

सीवांणा था कोस ८ ऊतर दिसी। पटेल रजपूत बांणीया बसै। धरती हळवा ३५ तथा ४० बाजरी मूग मोठ हुवै। षेत सषरा इकसाषीया। ऊनाळी नही। तळाव २ मास २ तथा ४ पांणी। कुवो १ बधवा तठै पांणी पीवै। सषरो गाव छै। कुवै ऊपरै बीघा ५ तथा ७ हुवै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
५०)	२५०)	११०)	१६५)	१७९)

१ मेहली

सीवाणा थी कोस ७ ऊतर दिसी। पटेल रजपूत रैबारी षाती

१. भुरड। २. नीबलासा। ३. ३। ४. अरट वाले। ५. श्रीगठी। ६ माहे वेरीयां।

बसै । धरती हळवा ४० तथा ४५ । षेत सषरा इकसाषीया । ऊनाळी नहीं । तळाव २ मास ६ पांणी । कुवौ १ बुणीजे छै । वेहर १ गांव गजीक तिण माहे वेरा ४ तथा ५ पाणो मीठो अवल छै सु पीवै । सषरो गाव छै ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
५०)	७०)	१९०)	४०४)	२८४)

१ सेवाली

सीवांणा थी कोस ७ ऊगोण दिसी । पटेल बसै । धरती हळवा ५१ । पेत सषरा इकसाषोयो । ऊनाळो नही । तळाव मास ६ पांणी, पछै चीहाली रै कुवै पांणी पीवै । सषरी गांव निषालस छै ।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
२५)	५००)	५१०)	२३८)	१००)

१ कागड़ी[1]

सीवांणा थी कोस ६ दिषण दिसी। रजपूत रैबारी बांणीया बसै । धरती हळवा ६० तथा ७० । बाजरी मूग मोठ, षेत सषरा । ऊनाळी, सेंवज ही नही । तळाव मास ५ । कुवो १ सागरी मीठो पीवै ।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
५०)	१५०)	१००)	१००)	६०)[2]

३७

२१. पलीवाळ बांभण बसै । षुलासा गाव ।

१ वीठोजो

सीवाणा थी कोस ६ पछम दिसी । बाणीया पलीवाळ रजपूत सोनार कुभार षाती बसै । घरती हळवा ६० तथा ६५ । बाजरी जुवार मूग मोठ हुवै । बड़ा त । ऊनाळी अरट ४० री ठौड़ । रेल

१ काठाड़ी । २. ६००) ।

आवैं ताहारां सेवज काठा गेहू चिणा हुवै । तळाव मास ८ पांणी । बावड़ी १ बधवा पुरस ९ मीठौ पांणी । बडो गांव । थोड़ी सीव । पाषतो रा गाव पड़ै । कदीम था पलीवाळां री गांव ।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
१२७५)	१६४३)	४२६८)	२३१२)	१५२४)

१ रामसैण

सीवांणा थी कोस ६ पछम दिसी । पलीवाळ कुंभार बांणीया बसै । धरती हळवा ५० । षेत सषरा । एकसाषीयो । ऊनाळी नही । रेल आवै तरै सेंवज बीघा ५०० हुवै । तळाव मास ६ पांणी । कुवो बांधवां पुरस १४ मीठो । बडो गांव । कदोम पलीवाळां री ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
१५)	४४०)	२८१)	५४७)	२८४)

१ बालोतरो

सीवाणा थी कोस १० पछम दिसी । पलीवाळ बांणीया पवन जात बसै । धरती हळवा ८० षेत निपट सषरा । ऊनाळी सेंवज घणौ, सेझो घणौ । अरट १२ तथा १५ । कोसीटा ४० चांच २० । रेल आवै तरै काठा गेहूं चिणा घणा हुवै । तळाव मास ५ री पांणी । कुवो १ मीठौ पुरस १० । नदी लूणी गांव नजीक । बडो गाव कांठा री हुवै, महेवा रै माढै ।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
९८०)	१७६६)	३२६६)	१७३१)	११५१)[1]

१ माडापडौ

कोस ११ पछम दिसी । पलीवाळ बांभण बाणीया चारण बसै । धरती हळवा १०० । षेत बडो नेपै रा सषरा । ऊनाळी नही । एक साषीयो । सेवज काठा गेहू चिणा हुवै । तळाव मास ७ पांणी । माहे

१. ११९१) ।

बेरीया पीवै । पछै बालोतरै रै अरट पीवै । कदीम महेवा री गाव । पछै टीका री करलीये नें सीवाणो पाछो घालीयो[1] । बडो गांव । कदीम पलोवाळा री गाव ।

[१ पचपदरो

सीवाणा थी कोस १२ पछम दिसी । षारोल नै पलीवाळ बामण बाणीया रजपूत बसै । धरती हळवा १०० तथा १२१ । षेत रूड़ा अजायब । ऊनाळी नही । सेवज हुवै । तळाव मास ७ पाणी । मांहे बेरा पीवै । पछै छडाणी बालोतरे रै कुवे पीवै । कांठा री गांव रन[2] पड़ीयो छै । लूण री बडो दरीबो छै[3] । आगर २०१ लूण रा निपट सषरो देसोत[4] रै चढै । दु० १०००० री ठौड, बडो हासल हुवै ।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
१२०)	२०७।।)	१८०)	६३)	१९८)

१ ऊमरळाई

सीवाणा थी कोस ८ ऊतर दिसी । पलोवाळ बाभण नै बसी रा रजपूत बस । धरती हळवा ६० तथा ७०, बाजरो मूग मोठ षेत सषरा । इकसाषीयो । ऊनाळो नही । तळाव मास ५ तथा ६ पाणो । पछै कुवो १ बंधवो षारो पुरसे १४ । बडो गाव ।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
१०)	२४०)	६५)	२४८)	६४)

१ छडाणी

सीवाणा थी कोस १० पछम दिसी । पलोवाळ बांभण बसै । धरती हळवा ३० तथा ३२ । षेत सषरा । इकसाषीयो । ऊनाळो नही । तळाव मास ८ पाणी । पछै तळाव माहे बेरा छै ता पाणी पीवै ।

['ख' प्रति का अंश ।

1 फिर से सीवाने परगने के शामिल कर लिया । 2 वजर धरती । 3 नमक की बड़ी खानें है । 4. देशपति ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१०)	६००)	६६)	१००)	४८)

१ गोपड़ी

सीवांणा थी कोस १२ पछम दिसी। पलीवाळ बांभण बसै। धरती हळवा ४० षेत सषरा। इकसाषीयो। ऊनाळी नही। रेल आवै तरै सेवज काठा गेहू हुवै। तळाव मास ८ पाणी, पछै छडाणे रै कुवै पीवै। गांव री सीव मांहे लूण रा आगार ४० तथा ४५ छै सु पचपदरा रै दरीबे दाषल छै। जागीरदार नुं दु० २१) गुगरीया[1] रा दिरीजै छै। सषरो गांव छै।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	२०)	८०)	११)	२९०)	१६९)

१ महागड़ो

सीवाणा थी कोस ६ पछम दिसी। पलीवाळ बांभण बाणीया नै भाट बसै। धरती हळवा ५०। बाजरी मूग मोठ हुवै। षेत सषरा इक साषीया। ऊनाळी नही। तळाव नही। कुवो १ बधवो पुरसे १३ पांणी मीठो। सषरो गांव छै।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	५)	३४८)	११४)	३३८)	२५२)

१ नेहवाई

सोवांणा थो कोस १३ पछम दिसी। पटेल बसै छै। धरती हळवा ६० षेत सषरा अवल। इकसाषीयो। ऊनाळी नही। पाछत बुठे[2] सेवज काठा गेहू हुवै। तळाव मास ८ पांणी पछै गांव कुडी रै कुवै पोवै। पलीवाळां रो गाव। घोड़ीया छै, त्यारा बछेरा[3] निपट सषरा हुवै छै।

---

1. कर स्वरूप। 2. वर्षा ऋतु के अंत मे वर्षा होने पर। 3. घोडी के बच्चे।

सांमत १७१५	१६	१७	१८	१९
३०)	२४८)	१५)	२४०)	११४)

10

२२. रजपूत बसै मुकाती, तथा करसो घणो को नहीं।

१ पादरूजु

सीवांणा थी कोस ११ पछम दिसी। लोक कोई नही। वसी रा रजपूत वांणीया बाभण पवन जात बसै। बडी बसी छै। धरती हळवा २०० तथा २२५। इकसाषीयो। षेत निपट सषरा। बोह सीवो ऊनाळी नही। तळाव को नही। कुवा ३ सागरी छै, तिणां पांणी पीवै। बडो गांव छै। कदीम जाळोर री गांव[1] दहीया[2] री। रा० दासे पातलोत सीवांणा पाछै घातीयौ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
२५०)	८००)	८३०)	१०००)	९०१)

१ घणाणो

सीवाणा थी कोस ६ पछम दिसी। लोक कोई नही। बसी रा रजपूत लोक बसै। धरती हळवा ५० तथा ६०। बाजरी मूग मोठ। इक साषीयो षेत सषरा, ऊनाळी को नही। तळाव को नही। कुवो १ सागरी पुरसे १४ पांणी भळभळो। सषरो गांव छै।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
६५)	६०)	१००)	१५०)	१५७)

१ षाषरलाई

सीवांणा थी कोस २ ऊतर दीसी। कुभार पटेल रजपूत बसै। धरतो हळवा २०। जवार बाजरी मूग मोठ षेत इक साषीया। ऊनाळी

1 प्राचीन समय मे जालोर परगने का गाव था। 2. राजपूतो की एक शाखा जिनका कोई समय मे जालोर पर अधिकार था।

नही। तळाव १ मास ५ पांणी। कुवो १ बधवो, गेहलडा जीवा रो करायो तिण पोवै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
४)	१००)	७५)	१५०)	१५०)

१ पाटोधी

सीवाणा थी कोस १५ पछम दिसी। लोक कोई नही। बसी रा रजपूत बसै। बडो बसी बडो गाव। धरती हळवा २०० तथा २५०। बाजरी मूग मोठ जवार हुवै। इकसाषीयो, थळी रा षेत। बोह-सीवो। झोल १ देवनीमी छै। पोर कहोजै। बेरा २० तथा २५ हाथे ४ पांणी मीठो घणो। वडो कांठा रो गाव। रन मडी छै। थान १ आराभा रो छै तठै पांडवे वेढ थापी हुती[1]।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
५०)	१०००)	७८०)	१५०)	०)

१ ईंद्राणो

सीवांणा थी कोस ५ पछम दिसी। रजपूत बाणीयां बसे। बसो रा रजपूत बसै। धरती हळवा ४० तथा ४५। बाजरी मूंग मोठ जवार इकसाषीयो, षेत अवल। ऊनाळी नहीं। तळाव को नही। १ बधवो सागरी तिण पांणी पीवै। भाषरी १ पाधरोसी छै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
५०)	३००)	२०७)	४००)	३१०)

१ कुहीयप

सीवांणा थी कोस २ उतराध माहे। रजपूत रैबारो सुषवासी बसै। धरती हळवा १०० तथा १०५। बोह सीवो बडो नेपत[2] रा षेत। इकसाषीयो। ऊनाळी तळाव मास ८ तथा ९ पाणी। पछै कुवो

---

1. जहाँ पांडवों ने युद्ध किया था। 2. अच्छी पैदावार वाले।

नही। तळाव १ मास ५ पाणी। कुवो १ बधवो, गेहलडा जीवा रै करायो तिण पोवै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
४)	१००)	७५)	१५०)	१५०)

१ पाटोधी

सीवाणा थी कोस १५ पछम दिसी। लोक कोई नही। बसी र रजपूत बसै। बडी बसी बडो गांव। धरती हळवा २०० तथा २५० बाजरी मूग मोठ जवार हुवै। इकसाषीयो, थळी रा षेत। बोह-सीवो झोल १ देवनीमी छै। पोर कहोजै। बेरा २० तथा २५ हाथे ४ पाणी मीठो घणो। वडो कांठा रो गाव। रन मडी छै। थान १ आरांभा रो छै तठै पांडवे वेढ थापी हुती[1]।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
५०)	१०००)	७८०)	१५०)	०)

१ ईद्राणो

सीवांणा थी कोस ५ पछम दिसी। रजपूत बांणीयां बसे। बसी रा रजपूत बसै। धरती हळवा ४० तथा ४५। बाजरी मूंग मोठ जवार इकसाषीयो, षेत अवल। ऊनाळी नही। तळाव को नही। १ बधवो सागरी तिण पांणी पीवै। भाषरी १ पाधरोसी छै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
५०)	३००)	२०७)	४००)	३१०)

१ कुहीयप

सीवाणा थी कोस २ उतराध मांहे। रजपूत रैबारी सुषवासी बसै। धरती हळवा १०० तथा १०५। बोह सीवो बडो नेपत[2] रा षेत। इकसाषीयो। ऊनाळी तळाव मास ८ तथा ९ पाणी। पछै कुवो

---

1. जहाँ पांडवों ने युद्ध किया था। 2. अच्छी पैदावार वाले।

१ तठै पीवै । बडो गांव छै ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
८१)	२००)	२१०)	२००)	३०१)]

१ कुडल

कोस १२ दिषण दिसी । लोक कोई नही । बसी रा रजपूत बसै । धरती हळवा ७० तथा ८० । षेत सषरा, बोहोसीवो । ऊनाळी ऊनव[1] १, गेहू मण १४० बावै । तळाव मास ८ पाणी । कुवो १ भाषर माहे छै । कुडल पहली बडी बसती हुती । पंवारां री ठुकराई हुती । रा० पातल राजावत लीयौ । आगे जाळोर पाछै हुवौ[1] । पछै राव मालदेजी री बार माहे सीवाणा वासे घालीयौ छै[2] । बडो भाषर । विषै राव श्री मालदेजी कुडल रै भाषर रहा था । कोट री भीत गज ४ कराई छै । देसोत रहै तिसडी ठौड छै । भाषर मैं पाणी सषरो-सो नही ।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
१००)	३००)	३००)	४००)	१७५)

१ बादळीयाणो[2]

कोस ६ पछम दिसो । लोक कोई नही । रजपूत बसै । मुकातो दै छै । धरती हळवा ४० । बाजरी मूग मोठ, षेत सषरा । इकसापीयो । ऊनाळी नहीं । तळाव कोई नही । कुवो १ बधवां सागरी पुरस १४ तथा १५ भळभळो पाडलोसो गाव ।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
२०)	१००)	१२०)	१२०)	१०१)

१ पीपलाणो

सीवांणा थी कोस २ दिषण दिसी । लोक को नही । भायल री

---

१ हुतो । २ वाहळीयाणो ।

---

1. वह स्थल जहां पानी भर जाता है । 2. सीवाना के साथ मिलाया ।

बसी रा रजपूत बसै । धरती हळवा ७० षेत कवळा एकसाषीया । ऊनाळी तळाव १ मास ४ पांणी । कुवो १ बंधवो पुरस १६ मोठौ । पाहड़ कै बासैं । बडौ भाषर । विषै रहण री ठौहड, सझुझ भाषर छे । राव मालदे सूर पातसाह रै विषै इण भाषर रहौ थौ । भाषर ऊपर कोट करायौ । तळाव १ रायळाव बधायौ, मास १० पांणी । पछै माहे बेरीयां हुवै । गांव रौ बेड़ौ पहला भाषर मे थौ पछै भाषर री षुड़ै बसीयौ छै[1] । बास २, सषरौ गाव ।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
१४०)	१४०)	१३०)	१७५)	१७५)

१ मोडी

सीवांणा थो कोस १।। ऊगोण माहे । लोक कोई नही । बसी रा रजपूत बसै । धरती हळवा ४० बाजरी मोठ। षेत मगरा रा । एक साषीया । ऊनाळी नही। तळाव मास ५ पांणी । कुवो सषरो सागरी बधवो, तिण पाणी पीवै । भाषर कडषे माहेला कटक रहणा री ठौड़ छै । ओढी ठौड[2] । कां पाणी ही भाषर माहे छै[3] ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
५०)	११०)	१५०)	१५०)	२०१)

१ सेहलो

सीवाणा थी कोस ६ दिषण दिसी । लोक कोई नही । वसी राठौड़ रजपूत बसै । धरती हळवा ५० तथा ६० । षेत सषरा । ऊनाळी नही । तळाव मास ४ पाणी । पछै जीणपुरै रै कुवै पाणी पीवै । भाषर री षंभ, पुवार रौ गाव । रा० दासै लीयौ ।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
५०)	१२५)	२०)	५०)	१००

---

1. वाद मे पहाड की ढाल मे वसा । 2. विकट जगह । 3 पहाड मे कुछ पानी भी है ।

१ मीठडो[1]

सीवाणा थी कोस १० पछम दिसी। लोक कोई नही। बसी रा रजपूत बाभण बसै। धरती हळवा ६० तथा ६५। बाजरी मूग मोठ षेत कवळा एकसाषीया। तळाव कोई नही। कुवो १ सागरी पुरस १४ पाणी भळभळो। कुवा ४ बूरीया पड़ोया छै। महेवा रै काकड़[1] छै।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	६०)	३००)	२५०)	२५०)	२५०)

१ गढी[2]

कोस ४ पछम दिसी। लोक कोई नही। बसी रा रजपूत बसै। धरती हळवा १५० बोहोसीवो। षेत सषरा इकसाषीया। ऊनाळी नही। तळाव छै। कुवो १ बंधवा पुरस १० तथा १२। पाणी मीठी सषरो। गाव छै षेडौ भाषरो री जडा[2]। पहली ब्रह्मपुर पाटण कहीजतो। धुधली माल दबटीयो बडो बाको। पहाड छै। बोणे रहण री ठौड़ छै। रावळ मालो पातसाही फौज था बेढ की तरै आपरा माणस महेवा था आण अठै राषोया था। बडो ठौड छै। राव मालदेव भाषरी गागल नयास बधायी छै। कोट तीषी भीत कोईकै कानी री की छै।[3] भाषर माहे नै भाषरी जड़ा कुवा ५ तथा ७ छै।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	७०)	३००)	३२०)	३१०)	३०१)

१ फुलण

सीवांणा थो कोस ४ ईसाण कूण माहे। लोक कोई नही। बसी रा रजपूत बसै। धरतो हळवा १०० बाजरो मूग मोठ। एक साषीयो नै ऊनाळो नही। तळाव मास ४ पाणी। कुवो १ बंधवो पुरस १४

१. मीठोडो। २. गड़ो।

1 सीमा। 2 पहाडी के नीचे हो। 3. कोट के थोडी इर्द-गिर्द दीवार करवाई थी।

पांणी मीठो। षेडी भाषरी री जडां बसीयो छै।

संमत १७१५ १६ १७ १८ १९
१५)[1] १७५) १७५)[2]

१ दांतोलो[3]

सीवांणा थी कोस १। ऊगण दिसी। लोक कोई नही। बसी सीधल मदु री[4] रा बसै छै। धरती हळवा २०। षेत मगरा एक साषीया। ऊनाळी नही। तळाव कुवो कोई नही। गांव देवाध रै तळाव कुवै पीवै। भाषर नजीक छै। सषरौ भाषर छै।

संमत १७१५ १६ १७ १८ १९
१०) १००) ७०) १००) १००)

१ पाद्रड़ी[5] बडी

सीवांणा थी कोस १। बाय कूण माहे। गढ राज बुरज हेठै बसै। लोक कोई नही। बसी रा रजपूत बसै। धरती हळवा ६० तथा ६५ बाजरी मूग मोठ। षेत मगरा एक साषीया। ऊनाळी नही। तळाव ४ पाणी। कुवो १ बधवो छै तिण पीवै। पछरी[6] षांन री कबाड़ो गढ रा काम नु आवै।

संमत १७१५ १६ १७ १८ १९
५०) ५०) १२०) १२०) १५०)

१ देवध[7]

सीवाणा थी कोस १ ऊगण मांहे। लोक कई नही। बसी रा रजपूत बसै। धरती हळवा ३०। षेत मगरा बाजरी मोठ एकसाषोया। ऊनाळी नही। तळाव मास ८ पाणी। कुवो १ सागरी बधवां तिण पीवै। थांन १ श्री माहादेवजी रौ सषरौ छै[1]।

१ १००)। २. 'ख' प्रति मे आगे के दो वर्षो की आमदनी—१७५) १७५)
३. दांतालो। ४. माढु री। ५. पादरड़ी। ६. पथर। ७. देवाघ।

1. महादेवजी का एक अच्छा स्थान है।

संवत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१०)	७१)	६०)	६५)	८१)

१ अरजीयाणो

सीवांणा थी कोस २ ऊगरण माहे। लोक कोई नही। बसी रा लोक रजपूत बसै। धरती हळवा ८० बाजरी मोठ हुवै। तळाव मास ६ पाणी। कुवो १ बधवो सागरी पुरस १३ मीठौ। एकसाषीयो। ऊनाळी नही। पहली षेड़ो भाषर माहे थौ। रा० जैतसी नगावत उरो वासीयो[1]।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	६०)	२१५)	२००)	२०१)	२०१)

१ बिजळीयो

सीवाणा थी कोस १॥ ऊगवण। देसी लोक कोई नही[2]। बसी रा रजपूत बसै। धरती हळवा ५० बाजरी मोठ। षेत कंवळा एकसाषीया। ऊनाळी नही। नाडी मास २ पांणी, पछै अरजीयाणै रै तळाव कुवै पीवै। पैली भाषर री जड़ा[3] बसतो, तठै कुवौ छै।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	६०)	१५०)	१५०)	१५०)	१५०)

१ गुघरट

सीवांणा थी कोस २॥ दिषण दिसी। लोक कोई नही। बसी रा रजपूत बसै। धरती हळवा ७० तथा ८० षेत सषरा। जवार बाजरी हुवै। ऊनाळी पीयल नही[4]। एकसाषीयो। सेंवज बधे हुवै। तळाव मास ६ पाणी। कुवो बधवो तठै पीवै। पाहड़ आढो भाषर छै कोस ५ मे। विषै रहण री ठोड़। भाषर मे झरणो पटैवणी[1] पाणी हुवै।

१ पेटवाणी।

1. नगा के पुत्र जैतसी ने इस ओर बसाया। 2. मूल निवासी लोग कोई नहीं। 3. पहाड़ के बिलकुल नीचे। 4. सिंचाई नहीं होती।

तळाव १ सोभोळाव मास १०, बावड़ी १ बंधवी तठै तीरथ छै। झरणा हेठे झाड़ छै[1]। बावड़ी १ षटुकड़ी जड़ां छै। भाषर री जड़ पहली षेड़ो भाषर नजीक थो। हिमैं ऊरै बसीयो छै। बास दो जुदा पटै छै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
७०)	१८०)	२२०)	२५०)	२७९)

१ लुदरड़ो

सीवाणा थी कोस ४ पूरब दिसी। पटेल षाती बांभण बसै। वसी रा रजपूत बसै। धरती हळवा १००। बाजरी मूग मोठ रा षेत कवळा एकसाषीया। ऊनाळी नही। तळाव मास ४ पांणी। कुवो १ सागरी बधवा तठै पीवै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
५०)	१५०)	१५०)	२००)	२००)

१ थांपण

सीवांणा थी कोस ५ पछम दिसी। लोक कोई नहीं। बसी रा रजपूत बसै। धरती हळवा ५०। बाजरी मूंग मोठ षेत मगरा एक साषीया। तळाव मास ५ पांणी। कुवो १ सागरी पुरस १५ षारो। पहली षेडो गोडां भाषर परै हुतो। सु कैंचा राठोड[1] पाधर माहे[2] बासीयो।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
५०	१००)	७०)	७०)	८०)

१ सिणेर

सीवांणा थी कोस ५ पछम दिसी। लोक कोई नही। बसी रा

१. सु कै राठोडां।

1. झरने के नीचे झाडी आदि है। 2. मैदान मे।

रजपूत बसै नै बांभण बसै धरती हळवा १०० । बाजरी मूग मोठ षेत सषरा एकसषीया, बोहोसीवो गांव । ऊनाळी नही । कुवो १ सागरी बंधवो पुरस १५ मीठो, पीवै । पहला आषर री षंभ बसतो । हिमैं कुवा कनै बसै छै ।

संमत १७१५		१६	१७	१८	१९
	१००)	२००)	२००)	२००)	२००)

१ मुठली

सीवाणा थी कोस ६ पछम दिसी । लोक कोई नही । बसी रा रजपूत बसै । धरती हळवा ६० । बाजरी मूग मोठ षेत एक सषाया । ऊनाळी नही । तळाव मास ४ पांणी । कुवो १ बधवो सागरी भळभळो, पीवै । छोटो-सो गांव ।

संमत १७१५		१६	१७	१८	१९
	५०)	८०)	५०)	५०)	०)

१ षारडी रा वास

सीवांणा थी कोस १५ पछम दिसी । १ षारडी बोड़ु १ चुहाण रा बास । लोक कोई नही । बसी रा रजपूत बसै । धरती हळवा ६० तथा ७० । षेत एकसाषीया सषरा । उनवा २ भरीजे तो काठा गेहूं मण २०० बेवै । तळाव मास ४ पांणी रो छै । पार री बेरीया हाथ ४ पांणी मीठो ।

संमत १७१५		१६	१७	१८	१९
	२०)	१००)	१००)	१००)	१०१)

१ त्रिसीगडी बडोबास थोभ री

लोक कोई नही । बसी रा रजपूत बसै । धरती हळवा ८० षेत सषरा एकसाषीया । ऊनाळी नहीं । ऊनवड़ा ५ छै । भरीजै तरै गेहू मण ५०० भोग आवै[1] । तळाव १ मांडलप मास ८ पाणी रहै । पछै रोहडे पीवै ।

---

1. जमीन के लगान के रूप मे ५०० मन गेहूं आते है ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
१४)	०	०	०	०

१ वरसिंघ री बास थोभ री

सीवाणा थी कोस १३ पछम दिसी। थोभ थी कोस १। लोक कोई नही। बसी रा रजपूत बसै। धरती हळवा ३० तथा ३५। बाजरी मोठ, षेत कवळा एकसाषीया। ऊनाळी नही। गाव रौहड़े रै तळाव पांणी पीवै। छोटौ गांव छै।

१ पटाउ रा बास २

सोवांणा थी कोस १२ उतराध दिसी। एक बडो बास, एक देवडा रौ बास। दोयु[1] ही बास बसै। बसती जुदी-जुदी। रजपूत बांणीया बसी रा लोक बसै। धरती हळवा ९० तथा १००। बाजरी मूग मोठ एक साषीयौ। ऊनाळी नही। तळाव मास ४ पाणी। कुवो १ बंधवौं पुरस १४ मीठो। सषरौ गांव।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
५०)	६०)	४०)	४५)	४०)

१ तेलवाड़ो

कोस ७ दिषण दिसी। लोक कोई नही। बसी रा रजपूत बसै। धरती हळवा ५० तथा ६०। मूग मोठ तिल कपास हुवै। इकसाषीया ऊनाळी नही। तळाव मास ४ पाणी। कुवौ १ सागरी बधवो, तठै पीवै। भाषर ओढी ठौड़ छै। तठै झरणा सदा झरै। पीणहट हुवै छै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
३०)	४०)	१५)	४०)	५०)

1 दोनो।

१ काकराळी[1]

सीवाणा थी कोस ८ ऊतर दिसी। लोक कोई नही। वसी रा रजपूत वसै। धरती हळवा ४०। बाजरी मूग मोठ। एकसाषीया षेत, ऊनाळी नही। तळाव मास ४ पाणी। पछै सीलोर लूणी नदी रै बाहळै पीवै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
५)	५०)	५१)	१००)	१००)

२ धीरा वास २

कोस ५ दिषण दिसी। लोक कोई नही। वसी रा रजपूत बसै। जुदै पटै सु वास कहीजै। धरती हळवा ८०। बाजरी जुवार मूग मोठ एक साषीया षेत। ऊनाळी नही। तळाव सादेळाव[2] मास ५ पाणी। कुवो १ सागरी बधवो तठै पीवै। पाहड बडो कुडल सुधो कोस ३० रै फेर माहे[1] छै। माह द्रह[2] २ तथा ४ छै। गांव रै माढ[3] कोट री भीत छै। भायला री बडो गाव। भाषरी मांह बसै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
४०)	५०)	४०)	५०)	५०)

१ पोडा ढढ

कालाणै था कोस २। सीवाणा था कोस १२ ऊतर मे। कालाणै री बास। लोक कोई नही। रजपूत बसै। धरती हळवा ३५ तथा ४०। षेत सषरा, जुवार बाजरी। एकसाषीया। ऊनाळी नही। तळाई मास २ पांणी, पछै धरमदास रै वास पीवै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
१०)	२०)	५)	४०)	२५)

---

१ काकरालो। २. सीदेळाव। ३. मुहढे।

---

1. ३० कोस के घेराव में कुडल तक वहा पहाड़ है। 2 पानी के गहरे व बडे खड्डे।

१ रासेळाव

कालाणा था कोस १॥ सीवांणा था कोस १२ ऊतर माहे। लोक कोई नहीं। रजपूत बसै। कालाणै री बास धरती हळवा ४० तथा ५०, जवार बाजरी। षेत एकसाषीया। ऊनाळी नही। तळाव रासेळाव पांणी मास ८ री। पछै कालाणै रै कुवै पीवैं।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
०)	२०)	५)	६०)	४०)

१ जीणपुर

सीवांणा था कोस ५ दिषण दिसी। लोक कोई नही। बसी रा रजपूत डौहळीयां[1] बांभण बसै। धरती हळवा ४०, बाजरो मूग मोठ तिल। षेत एकसाषीया। ऊनाळी नही। तळाव मास ४ पांणी। पछै कुवो १ बधवां तिणै पीवै। बेड़ी भाषर री गाळ माहे। ओढो भाषर छै[2]।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
१५)	४०)	१५)	४०)	४०)

१ भागवो

सीवांणा थी कोस ७ दिषण दिसी। बास २–बडो बास १ भायल बीसा रौ बास १। भेळा बसै[3]। लोक कोई नही। बसी रा रजपूत बसै। धरती हळवा ५० बाजरी मूग मोठ। एकसाषीयो। ऊनाळी नही। तळाव मास ४ पाणी। कुवौ १ सागरी तठै पीवै। भाषरी री षंभ बसै। बडौ भाषर छै। जाळोर री मैं मागवां रा चोरी करै। वीहारी[4], वार २ तथा ३ आया। मांणस हाथ नही पडीयौ[5] भाषर रौ घणौ बळ छै। धीरा कुडल सुधौ भाषर छै।

१ मांहगी

1 दान मे दी हुई जमीन। 2 ऐसा पहाड जिस पर चढ़ना बडा कठिन है। 3. शामिल ही बसते हैं। 4. बिहरी (मुगल) यहा चोरी करते है। 5. कोई आदमी पकडा नही गया।

सीवाणा था कोस ५ दिषण दिसी। लोक कोई नहीं। बसी रा रजपूत बसै। धरती हळवा ४० बाजरी मूग मोठ तिल हुवै। षेत कवळा इकसाषीया। ऊनाळी नही। तळाव मास ५ रौ पांणी। कुवो १ बधवो छै, तठै पोवै। पछै धोरा पोवै। पहाड़ री गाळ मांहे बसै[1]। बाकी ठौड़ छै[2]।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१०)	३०)	१०)	३०)	४०)

१ पादरडी षुरद

सीवाणा थी कोस ६ पछम दिसी। लोक कोई नहीं। बसी रा रजपूत बसै। धरती हळवा २० तथा २२। बाजरी मूग मोठ तिल, एकसाषोयो। ऊनाळी नही। कुवो १ बंधवो छै तिण पाणी पीवै। तळाव कोई नही।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	३५)	५०)	६०)	५०)	६०)

१ घड़सी री बाडो

सीवाणा थी कोस १० कूण दिसी। रजपूत जाट बसै। धरती हळवा ३१ तथा ३५। बाजरी मूग मोठ तिल कपास हुवै। एक साषीयो। ऊनाळी नही। तळाव मास ५ पाणी। पछै सारोड़ी पटाऊ पीवै, तळाव पीवै।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१०)	१००)	५०)	६०)	७०)

४२

गांव सूना मांजरै—

1. पहाड की घाटी मे बसता है। 2. विकट जगह है।

१ देवासण[1]

सीवांणा था कोस ५ ऊगोण दिसी । घणा बरस हुवा षेड़ो सूनो छै । कागड़ी रावणीया बीच धरती हळवा १० छै । तळाव कुवो नही । जागीरदार रै घास गाडा ४०० कटै ।

१ कांना रौ बास थोभ रौ

सीवांणा था कोस १३ पछम नुं । थोभ था कोस १ दिषण मांहे । षेडौ घणा दिन रौ सूनौ छै[1] । धरती हळवा २० षेत सषरा । तळाव १ मास ४ पांणी ।

१ नाईलो[2]

सीवाणा था कोस ८ ऊगोण दिसी । बांभसेण माह माजरौ । बांभसैण मांगला बीच भाषरी छै तिण रै नांवै कहीजै[2] । बांभसैण रा षड़ै ।

१ बागावास

सीवाणा था कोस ६ ऊत्तर दिसी । पहळी जाट बसतां । पछै आसायच रजपूत बसीया । समत १७०६ सूनौ हुवो । धरती हळवा २० । षेत एकसाषीया । ऊनाळी नही । गांव समदडी रा पाही लोग षेत षड़ै छै । जिण नु पटै हुवै तिण नै भोग दै[3] । नाडो १ मास ४ पाणी । पछै देवलीयाळी री नदी पीवता । नदी लूणी नजीक छै ।

१ धारीयावासणी

सीवांणा था कोस ७ ऊतर दिसी । गांव जाणीयाणा भेळौ पटै मडै । गांव होठलु रा लोग पाही षड़ै नै भोग दै । घणा दिन सूनौ ।

---

१. देवासणी । २. नाइली ।

---

1. गांव कई दिनो से सूना है । 2 बामसेण और मागल नामक गावों के बीच पहाडी है उसी के नाम पर इसका यह नाम पुकारा जाता है । 3. जिसकी जागीर मे होता है उसी को जमीन का लगान आदि देते है ।

जाणीयाणाँ चौधर री बसतौ। पछै ऊताराधा जाट बसीया था। जाणीयाणो होठलु था कोस १ ऊतर माहे। तठा पछै षेड़ौ सूनौ छै। धरती हळवा १५ तथा १७। एकसाषीयौ। ऊन्हाळी नही। तळाव १ मास ५ पाणी। पछै कुवै पीवै।

१ पांसु

सीवाणा था कोस १५ पछम दिसी। पादरू वांसै षड़ीजै छै। पहली दहीया रहता। सु जाळोर रै साह राणै नै महेवा रै नाकौड बसै छै। धरती हळवा २५। कुवो १ बूरीयो पड़ीयौ छै। जाळोर रै कांठै वास सूनौ छै।

१ षीदावडी

सीवाणा था कोस २ ऊतर माहे। कुहियप मांहे षडीजै छै। घणा दिन रौ सूनौ। मूळ भायल षीदा री बासायौ। कुहियप था कोस १ ऊतर मैं। धरती हळवा २०। षेत एकसाषीया। कुवौ १ बधवो, बूरीयो पडीयो छै। षैड़ा री ठौड भाषर मैं ढूढा री जायगा छै[1]।

१ गोडां रा वास

सीवांसा था कोस २ ऊतर दिसी। कुहीयप वांसै षड़ीजै। पहली जैतमाल चांपौ बसीयौ थौ। गौड़ां रौ भाषर बांको पाड़ छै, तठै कुवो[1] छै। तठै सदा पांणी रहै छै, सु भीव री गोडो कहीजै छै। सु कुहीयप था कोस ०॥। पछम दिसी।

१ मोकलीयौ वेरो

सीवांणा था कोस ६ ऊतर दिसी। कांणांणै री मांजरौ कदीम छै। रजपूत बसै[2]। कांणाणा था कोस ०॥ रूपारास माहे लालणा रौ

१. कुड। २ चोहांणा री वार मांह मोकल रजपूत वसतो।

---

1. पहाड़ मे गाँव के स्थान पर मकानों के खण्डहर हैं। 2. शामिल कर दिया।

मारग, धरती हळवा २० । बेरो १ मोकलीया बेरो । बूरीयो पड़ीयो छै ।

१ सुईयो

सीवांणा था कोस ४ ऊगोण मांहे । बावलु री मांजरो । तीरवा १ पछिम नु, बावलु था छै ।

१ बनेवड़ो

सीवांणा था कोस ७ ऊगोग दिसी । करमावास माहै माजरो । पहली पटेल बसता तुरक नू धरती हुई तद सूनो हुवो[1] । करमावास समदड़ी बीचे छै ।

१ झीका रौ पाद्र

सीवांणा था कोस ४ पछम दिसी । घणा बरस सूनो । झीका रौ बडो भाषर । ओढी ठौड़, ऊपर द्रह छै । कूवा २ बधवा पाणी मीठो छै । धरती हळवा २० सोणर रा रजपूत षेत षड़ै । तळाव कोई नही । भाषर नांव झीका रो कहीजे छै[2] ।

१ बांदु री बाड़ो

कालाणा री बास सीवांणा था कोस १२ ऊतर दिसी । बास २ बादुरा बाड़ा कहीजै । तामे १ चारणां नुं सांसण १, बास पटै १ माहे मांडै रजपूत री, तठै भायल दूदो बसतो । हिमें सूनो छै ।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
६)	०)	०)	०)	०)

१ देभलां[1]

सीवांणा था कोस ६ दिषण दिसी । धीरां माहे षड़ीजै । सांजरे

१. देवला ।

१. मुसलमानों का इस क्षेत्र पर अधिकार होने पर सूना हुआ । २. पहाड का नांम झीका कहा जाता है ।

मडै। कदीम जाळोर री गांव। पावाडीया रजपूत बसता। पछै राव मालदे रा हुकम था भाईल मार नै सीवाणा वांसै कीयौ[1]। तद री पेड़ो सूनौ छै।

१ काकसी

सीवांणा थी कोस १३ पछिम दिसी। षेडौ सूनौ। घास कटै छै। केईक षेत पादरू वाळा षड़ै छै। संवत १७०३ रा किसनदास जसवतोत बसीयो थौ। रा महेसदास लीयौ, दलपतोत जाळोर रै साथ किसनदास नु मारीयौ। पछै सीव नीसरी तरै सीवाणा रै वसै चोकस कीयौ। पहला जाळोर था वेधीलो थौ। कुवो १ छै। तळाव नही। जाळोर रै कांठै[2] सूनो षेड़ौ छै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
०	२०)	१०)	०	०

१ मोडरो

सोवाणा था कोस १० धू दिसी। कांणाणे माहे माजरै, आदू पेड़ी छै[3]। पहला सूनो हुतौ। पछै महतो वूलो उतराधा जाट बसाया। पछै समत १६९३ चीः जैतै कांणाणै रै राज श्री गजसीघजी री बार माहे अरज की–जु सीव थोड़ी छै। तरै मोडरौ काणाणे भेळौ कीयौ[4]। सु सूनौ छै। धरती हळवा ३० बाजरी मूग मोठ इकसाषीया। तळाव मास ४ पाणी। कुवो १ षारौ, भूरीयो, पुरस ७। काणाणै था कोस ४ धू मांहे छै।

१ महेलड़ी

सीवांणा था कोस २ ऊगण मांहे। दताला माहे माजरौ। रा० लषा जैतमालोत री बास कहीजै। सूनो छै। भाषर री षोह[5] माहे तठै पाणी री द्रह छै। वडा वास था कोस ०॥ ऊतर मांहे।

---

1 सीवाने के शामिल किया। 2. जालोर की सीमा से लगता है। 3 बहुत प्राचीन गाव है। 4 शामिल कर दिया। 5 पहाड के अदर खोखला स्थान।

१ कांणीवाड़ौ

सीवांणा था कोस ११ दिषण मांहे। कुंडल रौ मांजरो। पंवार नै जैतमाळ री बार मैं बसतो। कुडल था कोस १॥ धू माहे। सूनो षेड़ौ छै। तळाव १ छै। धरती हलवा– षेत भरेत रा।

१ गोरवी

सीवांणा था कोस ६ पछम दिसी। घाणांणा मांहे माजरौ। पुवार नै जैतमाळ री बार मैं बसतो, कुडल थौं। भाटी समदर[1] जात छै सु बसता। घाणांणा था कोस ॥, द्राह मांहे भाषरी गोरमी छै। जाळोर री दिस।

१ कुवडी

सीवांणा था कोस १३ ऊतर दिसी। पटाऊ मांहे षडीजै। पहली कुभार बसता। समत १७०४ था सूनी छै। धरती हळवा ३० तथा ३५। एकसाषीया। तळाव मास ४ पांणी। कुवो १ बधवो तिण ऊपर ऊनाळी हुवै, पुरस १०, षारी छै।

२०

२३. परगने सीवांणा रा गांव सांसण छै तिण री फिरसत।

गांव आसांमी

१७ वांभणां नु सांसण—

३ सीलोर रा वास

गढ़ सीवांणा था कोस ६ ऊगोण था डावौ[1]। दत्त रावत हापा जैतमाल रौ, प्रौः नांना रोहड़ीयोत जात राजगुर नु। पहला पुवार रौ दीयौ अगनोतीयां[2] नुं सांसण थौ। हिमे प्रौ महेराज[2] भोजा रौ नै लिषमीदास देवीदास रौ नै हेमराज षेतै सूरा रौ नै रतनौ रावतोत

१ दरदरू। २. हेमराज।

1. पूर्व से वांई ओर। 2. अग्निहोत्रियो को।

बंट घणा[1] वास तीनां ही कनारै कनारै बसै छै। बांभण बाणीया बसै। धरती हळवा २००। बरसाळी षेत घोराबंध, धान सगळा हुवै। ऊनाळू अरट ५ तथा ७ कोसीटा १५ चाच २५ हुवै। सेंवज लूणी री रेल आवै, तरां षेत १० तथा १५ गेहू चिणा हुवै। तळाव मास ६ री पाणी। बावड़ी २ बंधवी छै। नदी पांवडा २०० छै। षेड़ा दोळी कोट री राग कदीम छै[2]। पहला पीळ ४ थी।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	२०)	१३५)	५०)	२१०)	१२५)

१ आसराबो

गढ था कोस १५ ईसांन मांहे। दत्त रांणा देवीदास बीजावत री, प्रो० सागा दूदावत नु। हिमे प्रो० मेहो रूपा रो नै मनोहर जैमल री नै नाढो चांदा री नै भादो काना' री छै। बाभण बाणीया रजपूत बसै। धरती हळवा १००। बरसाळी बाजरी मोठ मूग तिल कपास हुवै। षेत रूड़ा ऊनाळी। सालावास वाळी बाहळो पांवडा ४० छै। सु रेलीजै तरै हळवा २० सेवज गेहू चिणा हुवै। तळाव मास ६ पांणी। कुवो १, पुरस १६ पांणी मीठो। गाव ५ तथा ७ पाषती रा ही पीवै[3]।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१०)	३८)	१५)	७०)	२५)

१ तिसीगड़ी वाल्ही'री बास थोभ री

सीवाणा था कोस १४ धू दिसी। दत्त रा० धुहड़ आसथानोत री प्रो ० पीथोड़ सोढावत जात सोढा नु। पछै रांणो देवीदास बीजावत प्रो० भाभण महेराजोत नु दीयो। हिमें प्रो० आपमल[3] किसना री नै

१. बीका। २ वळी। ३ आपमाल।

---

1 अनेक लोगो की हिस्सेदारी है। 2 गांव के चारो ओर परकोटे की प्राचीन नीव है।
3. पास के ५-७ गाव भी पानी पीते है।

द्वारकादास केसा रौ छै। बांभण रजपूत बसै। धरती हळवा ४०। बरसाळी बाजरी मोठ मूग तिल हुवै। ऊनव १ गडो[1] हळवा १० सेवज गेहूं हुवै। तळाव १ मांडलप मास १० पाणी। मांहे वेरां हाथ २० पांणी मीठो। तळाव १ मास ४ पांणी रहै। पछै पाटोधी पार रा वेरां मांगीयो पांणी पीवै।

संमत १७१५		१६	१७	१८	१९
	१४)	१२०)	३५)	१८०)	११०)

१ सातोसणी

सीवांणा था कोस १६ धू दिसी। दत्त रांणा देवीदास बीजावत रौ, प्रो० कान्हा बाल्हावत जात वांकुलीया नुं। पहेला रा० जैतमाल सलषावत रौ दत्त थौ। हिमे प्रो० जीवो तीकम रौ नै ईसर कांना रौ नै षंगार रांमदास रौ ने रोहीतास वीदा रौ छै। बांभण हीज बसै छै। धरती हळवा २५ बाजरी मूग मोठ तिल हुवै। ऊनाळी नही। तळाव १ मास ८ पाणी। कुवो १ कोस ०॥ षनौड़ दिसी पुरस ९, षारौ, नवो। बरस ६० कुवो १ षारड़ी री सीव मे सातोसणी रौ छै, हाथ ८ पांणी षारो। गाव साथे दीयो थो[1]।

संमत १७१५		१६	१७	१८	१९
	४)	१२)	२२)	३५)	१५)

१ महेबारी

सीवाणा था कोस ६ नीवास माहे। दत्त रा० केसोदास भाषरसीयोत दासा पातळोत रौ, वी० वीरा अमरावत नु राम दासावत काका-भतीज नु। रा० भाषरसो दासावत दीयो छै। पछै रा० केसोदास सुरेहज री पाद्र दी हिमे प्रो० सूरौ नै माधै रांमावत नै सादूळ आसावत नै हेमो मेहराजोत[2] पचोळ[3] रौ छै। संमत १६७० राजा

१. येहणो। २. माहवारो। ३ पांवलोर।

---

1 गांव के साथ यह कुआ भी दान में दिया था।

सूरजसिंघजी री बार में दीयौं। षेडौ सुनो छै। इण गांव रा बांभण गांव जीणपुर माहे रहै छै। धरती हळवा १५ तथा २०। बरसाळी बाजरी मूग मोठ हुवै। ऊनाळी नही। पांणी जीणपुर कुडल पीवैं। कुवा २ रादहीड़ा[1] साईणा षेत माहे छै। पाणी नहीं। भाषर बडी अनड तीन तरफ छै[1]। धरती हळवा १५ बाजरी मूग मोठ तिल कपास हुवै। ऊनाळी नही। तळाव मास ६ पाणी। बेरो १ गाव षारडी रौ ऊदै करायौ छै, हाथ ६ षारौ, कोस १। छै, तठै पीवैं। भाषरी ३ गाव नजीक छै। रा० कोलाण रायपाळोत धुहड़ोत रौ महेवा था छांड नै[2] इण माहली भाषरी एक आय बसोया था। तठै घर कोटड़ो करई थी। सु केलणकोट ही थोभ रौ वास।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	५)	१५)	७)	२५)	१८)

१ कालीया वासणी

गढ सीवांणा था कोस १३ धू दिसी। दत्त राव मालदेजी रौ, प्रो० षीवड देईदास रौ जात बधन साधू पलीवाळ नु। पछै रावळ मेघराज हापावत बरसिंघोत रै दीयौ छै। पछै राव चदरसेन मालदेवोत गांव पोस उरौ लीयौ थो[3]। तरै प्रो० षीवड़ जुहार कीयौ[4] तरै वळे सुरहै ४ रो पाई दीनै। सांसण कर दीयौ। हिमे प्रो० कलौ नै गगा-दास मांडण रा नै बसतो अणदा रौ छै। षेड़ौ सूनौ नैहवाई नजीक छै। बांभण नैहवाई माहे बसै छै। धरती हळवा १५ तथा १७। बरसाळी बाजरी जुवार तिल घणा हुवै। सेवज षेत १ गेहू चिणा जव हुवै। तळाई १ कालीयानडी मास ८ पाणी। पछै कुवडो रा कुवै पाणी पीवैं।

---

१. राघोहड़ा।

---

1. तीन ओर बड़ा भारी पहाड़ है। 2 महेवा से अपना निवास स्थान छोड़ कर। 3. छीन लिया था। 4. पेश होकर नमस्कार किया।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	७)	३५)	२०)	८२)	६०)

१ लोळावास

गढ था कोस १६ । धू दिसी पटाऊ मरवड़ी विचै । दत्त रांणा देवीदास वीजावत रौ प्रो० वरसल सांवतोत जात वाकुलीया नूं । हिमें प्रो० पंगार रांमदासोत छै । पेड़ी सुनो ऐ — बांमण पटाऊ मनाणी वांमणा री वास माहे वसै छै। कहै छै—पहली पेड़ी कोई नहीं हुती[1] । वरती हळवा ६ वाजरी मोठ हुवै । पांणी पटाऊ भेळो पीवै ।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	५)	२०)	१०)	३५)	१८)

१ भीदाकुवो[1] कोटणोद री वास

सीवाणां था कोस ५ वायव कूण मांहे । दत्त रांणा देवीदास वीजावत री, प्रो० हदु बुटहड़ोत नै भीदा थाहरोत जात सीहू काका-भतीजा नूं, गांव दावी री पेड़ी दीयो । हिमें प्रो० सुरतांण देवीदास री नै तेजमाल नाराईण री नै भलो चांदा री छै। हैंस वणी[2] । बांमण वसै । वरती हळवा १५, वरसाली पेत सपरा । ऊनाळी, नदी लूणी । अरट ६ कोसीटा १४ हुवै । रेलीजै तारां सारी ही सींव मांहे[3] सेंवज गेहूं चिणा हुवै । तळाई १ मास ४ पांणी । कुवो १ भीदा बांमण री करायो, हाथ ३० मीठो कुवो । दावी रा तोड़ बूरियो पड़ीयो छै। प्रो० भोदै नूं श्रो गाव वांटै आयो नै प्रो० हदु नूं गाव वालोतरा री वरती हळवा २० अरट ५ छै, सु वंट आया छै[4] ।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१०)	१३०)	३५)	२१०)	११०)

---

१. पीदाकुवो ।

---

1. ऐसा कहते हैं कि पहले कोई गाव बसा हुआ नहीं था । 2. गांव मे हिस्सेदारी बहुत है । 3. पूरी सीमा मे । 4. हिस्से मे आए हैं ।

१ पटाऊ री वास मनणां री[1]

सीवाणा था कोस १० धू दिसी। दत्त रांणा देईदास बीजावत री प्रो० सोहड़ जैता मनणा नै ही हुवै। प्रो० डाहो षीवा री नै सूजो माधा री नै कलु अणंदा री छै। बांभण बसै। धरती हळवा २० तथा २५ री। मूग मोठ तिल कपास हुवै। ऊनाळी नही। कुवो १ ऊगवण माहे प्रो० सूजा री करायौ। पुरस १२ पांणी षारौ। तीने ही वास पटाऊ रा पांणी पीवै। वास भेळा बसै छै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
४)	१६)	७)	१५)	१२)

१ सरवडी

गढ था कोस १२ ऊतर ईसान माहे। दत्त राठौड़ सोम जैतमा० लोत सलषावत री। प्रो० सौकर चाहौड़ोत जात मणनो नु। हिमै प्रो० मोहणदास सुजावत नै जगनाथ लिषमोदासोत नै राघो नारणोत छै। हैसा घणा छै। राणै देईदास बीजावत प्रो० रांमा नै रूपा पूनावत नु फेर दीयौ[1]। बांभण कुभार बसै। धरती हळवा १००। बरसाळी बाजरी मूग मोठ घणी जवार थोड़ा तिल कपास। सषरी ऊनाळी नही। तळाव मास ६ तथा ४ पाणी। कोहर १ पांवडा ४ पुरस १६ पाणी षारी-मीठौ। पांणी पाषती रा गांवा री पोवै। बाहळौ १ गाव नजीक छै[2]।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
२५)	१२०)	७०)	१३५)	११०)

१ ऊमरळाई पुरद

सीवाणा था कोस ९ धू माहे। दत्त रा० किसना रायमलोत देवीदासोत री प्रो० देदा नापा बीजावा सोढा नु। हिमे प्रो० लपौ नरा री नै कूपौ केसव री नै जसौ करमसी री छै। बाभण बसै।

---

1. फिर से दान मे दिया। 2. गाव के पास एक नाला बहता है।

धरती हळवा ४० बाजरी मुँग मोठ तिल हुवै । ऊनाळी नही । पांणी बड़ी ऊमरलाई रै तळाव कुवे पीवै । धरती हळवा ३ । रा० दासै पातळोत राजावत रै धावचै प्रो० मालदेयोत नु दीयौ छै, सु पिण भेळो छै[1] ।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	५)	२५)	१०)	३५)	१७)

१ महैकर रौ वास—रोहाड़ा रौ

सीवाणा था कोस १२ धू दिसो । दत्त रा० डूगरसी करमसीहोत जोगाइत देवीदासोत रो । प्रो० मोकल कचरोत जात सोढा नुं । पछै राव मालदेजी प्रो० तेजसी मोकळोत नु सुरेह २ रो पाइदी पहैली राघौ कोभावत जातमालोत प्रो० कान्हड केलावत नु । नै एक ठौड़ लीषोयो छै–राणै डूगरसी प्रो० सेषै मेहावत नु दीयौ । बांभण बसै । धरती हळवा २० तथा २५ । बाजरी मूग मोठ तिल हुवै । ऊनाळू नही । तळाव मास ८ तथा १० पांणी । पछै पाषती[2] रा गांवां मागीयौ पाणी पीवै । हिमै प्रो० कलौ म्हेकरन रौ नै लषमण केसव रौ । गोईंद ऊदैसी रौ, वेलो षेतसी रौ छै । नैहवाई नजीक बसै ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	५)	४५)	१०)	८५)	४०)

१ पाटोधी री वास सीधीपा[1] रौ

सीवांणा था कोस १९[1] ऊतर मांहे । दत्त रांणा देवीदास वीजावत रौ, प्रो: जोसी···सीधप नुं । हिमें प्रो० डूगरसी नेतावत नै तिलोकसी हरषो गागावत छै । षेड़ौ सूनो छै । बाभण पाटोधी बडै वास मैं बसै छै । धरती हळवा १० छै । बाजरी मोठ हुवै । ऊनाळू नहीं । तळाव नही । पार रा बेरा २ पका छै तठै हाथ ७ पांणी मीठौ

१. १८ । २. (सीधीया) ।

1. वह भी शामिल है । 2. पास के ।

पीवै । संमत १६७५ जैसलमेर री कटक पाटोधी ऊपर आयौ[1], तठा पछै षेड़ौ सूनौ छै। पटोधी रौ डाभलो षेत भरीजै छै तरै इण षेत मांहे गेहू सेवज हुवै ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	१०)	४०)	३५)	१२०)	१०५)

१ सीहथळी

गढ सीवांणा था कोस १६ धू दिसी। दत्त रांणा देवीदास बीजावत रौ प्रो० परबत सादावत जात लुणोत रा नुं छै। पछै राव मालदे जी प्रो० सादूळ हमीर रा नु फेर दीयौ। हिमें प्रो० भांनो माडण रौ नै सूजा धना रौ नै पीथौ नाराईण रौ नै भाषर सादूळ रौ छै। बाभण बसै छै। धरती हळवा १५। बाजरी मूग मोठ हुवै। ऊनाळी नहीं। सेंवज तळाव चिणा हुवै। तळाव मास ६ पाणी। कुवो १ काचो[2] पुरस १४ भळभळो। तठै गांव छाछेळाई रा पिण पीवै।

संमत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	८)	२०)[1]	१०)[2]	३५)	२०)

१ केलण कोट

गढ सु कोस १५ धू दिसी। दत्त राणा देवीदास बीजावत रौ प्रो० चतरभुज कानावत जात वाकुलिया नु। हिमे पिरोहत ऊदैसी केसा रौ नै पीथो नरा रौ छै। बाभण बसै।

१७

२४. १३ चारणां नु सांसण।

४ रोहड़ां री वास---

१. ३०)। २. ३५)।

1. पाटोदी पर जैसलमेर की फौज आई। 2 पक्का बधा हुआ नहीं।

१ बास १ चारण महीया[1] री

गढ था कोस १२ पछम दिसी। दत्त राणा देईदास वीजावत री, महीया ऊरजान भाचावढा नु। पछै राव मालदेजी चारण अचळा लालावत नु फेर दीयौ। कहै छै, एक बार राजा ऊदैसिंघजी अटकीयो थो[1]। हिमें चारण रूपा रा साकरौ[2] नुं ऊदौ रामा रौ नै सावत देदा रौ नै करमसी सहैसै[3] री ने ठाकुरसी डाहारौ छै। चारण रजपूत बाणीया बसै। धरती हळवा ३० तथा ३५ बरसाळी जुवार मूग धान सगळा हुवै। षेत सषरा ऊनाळू षेत ७ तथा ८। सेंवज गेहू हुवै। तळाव मास ६ तथा १० पांणी हुवै। पछै पाटोधी कुडी मागीयो पाणी पीवै। बेरो १। तळाव मैं पांणी मीठो पुरस ६।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
५)	२०)	७)	५०)	२५)

१ कोडुषा[4]

गढ सीवांणा कोस १४ वायब मांहे। दत्त रा० बरसल पिरथीराजोत जैतावत रौ। चारण सारग सोनावत जात सोहड[5] नु। राव मालदेजी सु रा० पतै गागावत डूगरोत अरज कर दीरायौ[2]। कदीम राणे देईदास वोजावत रौ दीयौ हुवनौ। हिमे सोहड़ राजौ भांनौ रौ नै सहसौ महेस अषावत छै। षेडौ सूनौ छै। अै चारण गाव रीछोली माहे रहै छै। धरती हळवा ४५, आगै हळवा १० मडी छै। बरसाळी बाजरी मोठ हुवै। ऊनाळी नही। तळाव कोडुषौ मास ४ पाणी। पछै पाटोधी पार रा बेरा ४ ऊदक रा छै[3], तठै पीवै। बेरा २ बहै छै[4]।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
५)	३०)	१०)	४५)	२५)

१. माइया। २. रूपो साकर री। ३. सहेसा। ४. कोडुषो। ५. मुहड।

1 हस्तक्षेप किया था। 2. गांगा के पुत्र पत्ता ने राव मालदेजी से विनती करके दिलवाया। 3. दान मे दिए हुए हैं। 4. दो कुआ से पानी निकाला जाता हैं।

१ रीछोली[1]

सीवाणा था कोस १२ वायव मांहे । दत्त राव मालदेजी रो वाहरेट हेमों चौभावत रोहडीया नु । रा० पत्तै गांगावत कहै नैं दीरायौ । हिमे चारण अषौ गोईंद रौ नै चतरो जैता रो नै रामदास पीथा रो छै । चारण रजपूत जाट षाती बसै । बसती घणी हळवा १०० । वरसाळी बाजरी मोठ हुवै । ऊनव १ भरीयौ । वाडीयो गेहू सेवज हुवै । तळाई १ रीछमाळी, पाणी मास ४ तथा ८ हुवै । पार रा वेरा मागीया पीवै । रावळ मेघराज हापावत धरती हळवा ३० सांझीयाळी कावळली कनारली[1] दीवी छै ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	५)	४५)	१५)	१२०)	३०)

२ इकडाणी रा बास

गढ सीवाणा था कोस ११ तथा १२ ।

१ बडौबास बाहरैट रौ

कोस ११ दिषण माहे दत्त रा० पचाईण बरसिंघोत महेवचा रौ । बारैट लाला पुनसरोत रोहडीया नै । पछै राव मालदेजी बारैट जसा गोईंदोत नु दीयौं । हिमे चारण वीरा नरबद रो नै गोपाळ मनावत छै । वसती हमार न छै । गोवळू गया छै[2] । रजपूत बांभण चारण बसै । धरती हळवा ३५ । मूग मोठ बाजरी । ऊनाळी नही । तळाई ईकडाणो १ मास ८ पाणी । माहे बेरी १ षिण नै पीवै । पछै रीछोली पटोघी पीवै ।

समत	१७१५	१६	१७	१८	१९
	८)	४०)	१५)	१२०)	७०)

१. रोछोली ।

1 किनारे की । 2 गायो आदि को लेकर लोग बाहर गये हैं ।

१ वास संढाईचां री[1]

गढ था कोस १२ पछम दिसी। दत्त रा० कूंपा जोगावत देईदासोत री, सढाईच चोसध बीजावत। हिमें चारण देणो माडण री नै नगौ गोपाळ री नै रूपौ राजा री छै। चारण बांणीया नै ओड बसै छै। धरती हळवा १५ तथा १७। बरसाळी जुवार बाजरी मोठ मूग तिल हुवै। धोराबध षेत। माहे सेंवज गेहू ऊनाळी नही। पांणी बडै रोहड़ै भेळो पीवै। तळाई १ काधळां री, मास २ पाणी रहै।

समत १७१५	१६	१७	१८	१९
९)	३५)	१५)	११०)	७०)

१ वास बारेट रोहडीया री

सीवांणा था कोस १२ धू था डावौ। दत्त राव चदरसेन मालदेवोत री, बाहरैट देवीदान गुणावत नु। कदीम रांणा देईदास री हुतौ। पछै राव मालदेजी सीवांणो लीयौ तरै रावजी दीयौ। पछै राव उदैसिघजो पालीयौ[1]। हिमें बारट समुरतो पता री नै रांमचद गोईद[2] री छै। चारण रजपूत बसै। धरती हळवा २५। बरसाळी बाजरी मूग मोठ तिल हुव। ऊनाळी सेंवज नही। पांणी तळाव बडै रोहड़ै रै पोवै। पटाऊ कुवड़ी पीवै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
४)	२५)	८)	३५)	१५)

---

१. 'ख' प्रति मे इसके पहले 'दकडाणी' के दूसरे वास 'षुरद वास मीसणां री' का वृत्तात है—'बारटां रा वास भेळो बसै। दत्त राव श्री मालदेजी रो मीसण श्रणदा ऊधरणोत नुं हिमे चारण भाषर जोगावत नै मेहराज भीवोत छै। वास २ चारणां नै रजपूत बसै। षरती हळवा २२ तथा २५ बाजरी मूंग मोठ हुवै। षेत एक शाभलो सेवज गेहू हुवै। तळाव १ मास ८ पाणी। पछै बडेवास पीवै पाटोधी पार रा बेरा मांगीयो पाणी पीवै'।

२. गोयद।

---

1. जब्त कर लिया था।

१ बास १ आसीयां री

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
३)	३५)	१०)	४५)	२५)[1]

४

१ घड़ोई कालाणा री वास

सीवांणा था कोस १२ धू दिसी। दत्त राणा देवीदास बीजावत री, चारण नीबा करमावत नै पीथो टोहावत जात रतनु काका-भतीजा नु। हिमे चारण दांना किसनावत नै नराईण षेता रा नै ईसर मेहाजल री नै भारमल मना री छै। चारण बसै। धरती हळवा २५। जवार बाजरी मूग मोठ तिल कपास हुवै। ऊनाळी नही। तळाव १ घड़ोई मास ८ पांणी। बाघलप रा ही पीवै। पछे काणांणै रै कोहर पोहोर १ हँसी छै[1], सु पीवै। भाट रूपसी केलणोत नुं कांणाणो पटै हुतौ तरै रूपसी अरज कर नै[2] औ षेत दिराया छै।

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
८)	५०)	२०)	६०)	२५)

१ कलणा री वास रतनु री

१ बादु री बाड़ो

१३

३० गाव छै[२]।

१ यह आमदनी के आकडे 'ख' प्रति के है, मूल मे नही है।

२. सासण की पहले दी गई सूची मे 'भांडीयावास' ग्राम है पर आगे के वृत्तांत में इसे छोड दिया गया है। 'ख' प्रति मे इसका वृत्तात इस प्रकार है—[शेष पृ० २७८ पर]

1 काकाणा के पानी पीने के कुए मे एक पोहर के लिए पानी निकालने की हिस्सेदारी है।

2. राजा से निवेदन करके।

२५. परगने सीवाणा री सींव इण परगनां सुं लागै तिण री विगत—

जोधपुर रा गावां सुं सीवांणै रा गावां री कांकड लागै—

चीहाली	सीवाली
पंडप डाभली	षडप करमां री बाडी
गोतीसरो डाभली	राकसी डाभली
आंबा री बाडी करमां री बाडी	लालीयां सुं मजल
जगीरा कोटड़ी	दहीपुडे सु भांना री बाडी
षारटीयो	घडोई धरमदास रा वास सु
सूरपुरा सुं	दहीपुडो धवारी
भांना री बाड़ी	कालाणो सु
भलड़ा री बाड़ी	आसरावो छाछेळाई
आसरावो बांभणा सुं	चांदा रो वास
आसरावो	बांकीबाहो
तीसंगडी सुं	सातोसण सुं
छाछेळाई नेढळी	सीवराषीयो बडनावो
चादा रो वास	आकेली

---

१ भाद्रीया षास [शेष पृ० २७७ का]

गढ़ सीवांणा था कोस १० उत्तर पछम मांहे । दत्त राणा देवीदास बीजावत रो आसीया पूंजा हींगोळावत नु । पहला आधो गांव दीयो थो । पछै ऊहड़ जैमल नेतसीयोत आसीया माला पुंजावत नु हळवा ४० दी । पछै राव चन्द्रसेन आसीया रतना मालावत नु आधो गांव रही थो सु सांसण कर दीयो । हमे सेतसो भोजावत नै गोइंद लखो हरदासोत नै मांगो भांना रो नै पुनरो दुणा रो छै । चारण रजपूत बांणीया बसै । पहली कुंभार रैबारी घणा बसता । खरसी हळवा १००, सोहरीयो, पाव हळवा २०० हुसी । जवार बाजरी धान सोह हुवै । तळाव मास ८ तथा १० पांणी । सहरला तळाव मांहे बेरा घणा छै । बावड़ी १ मीठी । कोहर १, बेरो १ पांणी भळभळो । आमदनी—

संमत १७१५	१६	१७	१८	१९
१०)	७५)	२५)	६०)	९५)

घारड़ी सु सीवरघीयो — थोभ सु

पाटोधी सु — बाघावास

बड़नावो फळसूड केल्हण कोट

आकेली

सीवाणा रा गांवां सुं महेवा रा गावां री कांकड़ लागै—

मुठळी आसोढो — घणांणा सुं

मोठडा सु — जागसी द्राषां

भाटो मीठोड़ा डाहीझर — आसोतरा सुं

द्राषां — जेसोल

वीठोजा सु — आसोढो

आसोढो जसोल — वालोतरा सुं

रांमसेण सु — जसोल जेरला

जेरला — मांहगड़ै सुं

गोपड़ी सुं — जेरला

गोपडी सु — जेरला

चपला वेरो वीदरळाई — पाटोधी थां

पचपदरा सु — कवळली कांपलीयो

वेदरळाई — काढीहलो

माडापड़ा सुं

जेरला

जाळोर रा गावां सु सीवाणा रा गांवां री कांकड़ लागै—

वाय सु रायथल — रावणीया सुं

मोतीसरा सुं — रायथळ

भवराणी रायथळ — कांठाड़ो सुं

लुद्रा सु — रायथळ बोरावाड़ो

रायथळ भंवराणी वासण

भागवा सुं
आहोर वासणपी
आवलेज

पाद्र सुं
जीवणो बापड़तरो
वालैरा (पालेरा)

पासु
जीवांणो बापड़तरी
वालेर

कुडल सुं
गोवल

तेलबाड़ा सुं
ओहलांणो नीबलांणो
गोवल

घीरा सुं
वासण थलुडो
आंषल

काकसी
षुरहल बापड़तरी
ऊठवाला गोवल
जीवाणी ।

---

२६. परगने सीवांणै षालसै हासल जमा-बधी रौ गोसवारौ कुल ठीक, साल री साल--

२०१२३)	समत	१६९२	१२७२६)	समत	१७०७
२६८५५)	,,	१६९३	१७३५३)	,,	१७०८
२५६६२)	,,	१६९४	१२०७६)	,	१७०९
२६५१६)	,,	१६९५	१००२९)	,,	१७१०
२२८१६)	,,	१६९६	१०५४४)	,,	१७११
२१७३०)	,,	१६९७	१३१४७)	,,	१७१२
२१३२१)	,,	१६९८	९९३७)	,,	१७१३
१८७९६)	,,	१६९९	१०२९७)	,,	१७१४
२४८७०)	,,	१७००	९९३७)	,,	१७१५
२०२८०)	,,	१७०१	१०२९७)	,,	१७१६
२२५९५)	,,	१७०२	२६११३)	,,	१७१७
१७६०४)	,,	१७०३	---	,,	१७१८
१४२४१)	,,	१७०४			
७३४५)	,,	१७०५			
१०४७०)	,,	१७०६			

२७. परगसे सीवांणै री तकमीनो षालसै जागीरदारां सांसण रै गांवा हासल री कुल ठीक—

३२२७५)	संमत	१७११	३४२४१)	संमत	१७१२
२८५१५)	,,	१७१३	२००८०)	,,	१७१४
१३८८८)[1]	,,	१७१५	४४५४०)	,,	१७१६
५४६३४)	,,	१७१७	५७७०८)	,,	१७१८
३३२९५)	,,	१७१९	२५४९१)	,,	१७२०

१०६४३) षालसै जमा
१४८४८) जागीरदार
———
२५४९१)

२८. नदी सूकडी सादड़ी रा मगरा राहण था ऊत्तर सु घाणे-रै हुई वीझपै, चाचोडी, चांणदो गोधावास, कुलथाणो, धीगाणो, राषाणो, वांकली, हाजावस सीहराणो, घांणा, बरवा, मजल, लालीयां, आंवे, जगीसा कोटड़ी, भुडहड बीच कोटड़ी रै जीवणै कानै आथूण नु। लूणी दिषण दिसी सूकडी बुहै बीच[2] कोटड़ी नै करमावास, दहोपुड़ौ भुरहर, भुडहड़े रै त्रिभटै दुया रौ द्रह छै तठै सूकड़ी लूणी भेळी हुवै।

आगे-आगे नदी हालै—

समदडी	करमावास	बीच
वाभसैण	देवला	,,
काणाणो	कूपावास	,,
जाडोतरी	लालाणो	,,
सीलोर	मांगलो	,,
सीराणो	कीटणोद	,,
वीठौजी	जांणीयांणो	,,
होठलु	आसोतरो	,,

१ १३८८९)। २ दोनू ही।

वालोतरौ जसोल बीच
जेरलो मांडावास ,,
षेड़ तेमावास ,,
तलवाड़ौ वोहरावास ,,

---

२६. परगने सीवांणा रा गांवां री विगत ।

२४ ऊनाळी पीवल हुवै—

१ आसोतरो	१ कीटणोद	१ वीठोजो
१ कांणाणो	१ वालोतरो	१ देवलीयाळी
१ दहीपुड़ौ	१ समदड़ौ	१ जगीसा कोटड़ी
१ लालीयां	१ भुरड़	१ करमांवास
१ बांभसैण	१ सोहली	१ मांगलौ
१ रूपावास	१ जेलोतरो	१ सीराणो
१ जाणीयांणो	१ होठलू	

२०
४ सांसण
सीलोर वास ३ भादुकुवो[1] १

२४
१४ ऊनाळी सेंवज हुवै—

१ मोतीसरो	१ रांमसैण	१ गोपड़ी
१ षारड़ी	१ नैहवाई	१ माडापुरो[2]
१ भुती	१ वाघलप	१ आसरावौ
१ पचपदरो	१ पाडलाऊ	१ कुडल
२ थोभ रा वास	१ सोवरलो	१ त्रीसीगड़ी
१ राषसी		

१७

---

१. भीदाकुवो । २ मांडापो ।

७ सासण रा छै ।

३ रोहडा रा वास

१ महीयां रौ　　१ सढायचा रौ

१ आसीयां रौ

३

४ गाव

१ रीछोली　　१ भांडीयावास

१ आसरावौ　　१ त्रीसीगडी

४

७

२४

५७ इक साषीया वसता दाषलीक हुवै—

१ क० सीवाणो	१ वाय	१ वावलु
१ देवढौ	१ चीहाली	१ मोकलनडो
१ रावणीयो	१ सूरपुरौ	१ ललाणो
१ षारवाहो	१ कागड़ी	१ कालाणो
१ महेली	१ आबा रौ बाडो	१ सेवालो
१ त्रिसीगडी	१ छडाणी	१ मांहगड़ौ
१ ऊमरलाई	१ पादरू	१ पाटौंधो
१ धाणाणो	१ ईंदराणो	१ षाषरळाई
१ कुहियप	१ सेहलो	१ मीठोडो
१ वाहलीयाणो	१ गडौ	१ पोपलण
१ कुलत	१ दातालो	१ मोडो
१ देवाध	१ पादरडी वडो	१ वीजळीयो
१ अरजीयाणो	१ गुघरट	१ लुद्राडो

१ सोणेर	१ थापण	१ मुठली
१ बरसंघ री वास	१ तेलवाड़ो	१ पटाऊ रा वास
१ कांकरालो	२ धीरावास	१ रासेळाव
१ मांहगी	१ भागवी	१ जीणपुर
१ पीडाढढ	१ चहुवांणां री	१ पादरड़ी षुरद
१ घड़सी री वास	वास थोभ री	

५७ विगत

१०५ विगत

९४ दाषलीक रा वसती

११ सासण मांहे ऊनाळी हुवै—

४ पीपय ७ सेवज

११

१०५

१९ सांसण रा जुमलै ३० माहे ११ ऊनाळी मांहे मंडीया। बाकी
१९ री विगत—

१२ बसता गांव इकसाषीया—

७ बांभणां रा—

१ पटाऊ री वास	१ सरवडी	१ सातोसणी
१ ऊमरळाई षुरद	१ महैकरना	१ सीहथली
१ केलण कोट		

७

५ चारणा रा

१ रोहाड़ी वारैटां रीं २ इकडाणी रा वास

१ घडीई १ कालाणा री वास रतनुवां रै ।

५

१२

७ सूना

४ वाभणां रा—

१ माहवारी १ पाटोधी री वास १ लोळावास

१ कालीया वासणी

४

३ चारणां रा १ कीहुषां १ आलेचडी १ बादु री वाड़ी

७

१६

२० सूना षेड़ा—

१ देवासण	१ भीका री पाद्र	१ कोना री वाड़ी
१ वादु री वाडो	१ वागावास	१ नाईली
१ देभला	१ कांकसो	१ पासु
१ पीदावडो	१ गोड़ां री वास	१ महेलड़ी
१ काणोवाडो	१ सुईयो	१ गोरवी
१ वनेवड़ो	१ मोकला वेरो	१ मोडरो
१ घारीयावासणी	१ कुवड़ी	

२०

१०४

३०. परगनै सीवाणा रा सांसण री विगत दत्त दीया तांरी ठीक—

जुमले	बाभण	चारण	रेख रुपया	आसांमी
१	१	०	२५०)	रा० धुहड आसथानोत ।
३	३	०	४००)	रावत हापो जैतमालोत ।
१	१	०	४००)	रा० सोभ जैतमालोत ।
१३	८	५	२८००)	राणो देवीदास बीजावत ।
१	०	१	५०)	रा० कूपो जोगो[1] देईदासोत ।
१	१	०	५०)	रा० किसनो रायमलोत ।
२	१	१	१५०)	रा० डूगरसी करमसीयोत ।
४	१	३	२००)	राव मालदे गागावत ।
१	०	१	५०)	राठौड बरसल प्रथीराजोत ।
१	०	१	४०)	राठौड पचाईण वरसघोत ।
१	१	०	१००)	रा० केसोदास भाषरसीहोत ।
१	०	१	५०)	रा० चद्रसेन मालदेवोत ।
३०	१७	१३	४५५०)	

गांवां री विगत सांसण दीया—

१ राठौड धुहड आसथानोत—बाभणां सोढां नु त्रीसीगड़ी बाल्ही री बास, थोभ री २५०)

३ रावत हापो जैतमालोत-बांभण राजगुरां नु गांव सीलोर रा बास ३ रेख ४००)

१ राठौड सोमो जैतमालोत—बाभण मना नु
१ सरवडी रेख ४००)

१३ राणो दईदास वीजावत

१ जोगाइत रो ।

१६५०) गांव ८ बांभणां नु–

१०००) १ दूदावतां नु आसरावो

१०००) १ मनाणानुं पटाऊ री वास तीजो

३५०) ३ वाकुलीया नुं

२००) सातोसण ५०) केलण कोट

१००) लोळावस १

---

३५०) ३

१००) १ लुणोतरा नुं सीहाथली १

३००) १ सीहा नु भीदाकुवो

१००) १ सीधला नुं पटोधी रो वास १

१६५०) ८ गांव

८५०) ५ गांव ५ चारणां नुं–

२००) १ मीसण नुं–वादु री बाड़ी १

२००) १ आसीयां नु–तीडीया वास १

२००) १ रतनुवा नुं–कालणा री वास १

१५०) १ रतनुवां नु–घडोई १

१००) १ महीवां नु–रोहड़ी री वास १

---

८५०) ५ गाव

२६००) गाव १३.

१ रा० कूपो जोगो देईदासोत–चारण संढाईचां नु रोहडीयो वास रेष ५०)

१ रा० किसनो राईमलोत देईदासोत–

६०) गांव १ बांभण सोढा नुं–ऊमरलाई षुरद १

२ रांणो डूगरसी करमसीहोत जोगाइत र–

१००) गांव १ बांभण सोढा नुं रोहड़ो मेकरण रो वास
५०) गांव १ आसीया नुं १ आलेचड़ी

१५०) गाव २

४ राव मालदे गांगावत री–
५०) गाव १ बांभण वघान साधू १ कालीया वासणी
१५०) गांव ३ चारणां नुं
६०) १ बाहारेट नुं– रीछोली
४०) १ मीसण नुं इकडांणी षुरद
५०) १ आसीया नुं– १ रोहडीयां रो वास

१५०) गांव ३

४ २००)

१ राव चदंरसेन मालदेवोत–
५०) गांव १ चारण बारैटां नुं–१ रोहड़ावास

१ राठोड़ वरसल पिरथीराजोत जैतावत–
५०) गांव १ चारण मेहड़ा नुं पाड़ुषो महड़ां नु
१ राठोड पंचाइण वरसंघोत महेवचां री–
४०) गांव १ चारण बारैहटां नु १ इकडांणी वडोवास
१ राठोड़ केसोदास भाषरसीहोत दासा पातळोत री–
१००) गांव १ बांभणां नु पाचलोत रा नुं १ माहबारी

३०

(७) वात परगने पोहकरण री

१. आदु पोहकरण, पोहकर रषीसर पोहकरण वांमण रै पूरवज री वासीयौ सहैर छै[1]। श्री लिछमीजी श्री ठाकुर सिवपूर परणीया तद वांमण हजार ५०००० तठै मिळीया[2]। वांमण ४५००० श्रीमाळी भेळा हुआ। वांमण हजार ५००० पोकरणा मिळीया। श्रीमाळी आचारवा तथा मुं पहली पूजा श्री ठाकुर लिछमीजी श्रीमाळीयां री की। पछै पोहकर री पूजा करण लागा तरै श्री रीसाई नीसरीयौ[3]। कह्यौ–माहरौ मांन भंग कीयौ[4]। श्री ठाकुर मनाय-मनाय रह्या मु मांनै नहीं। तरै श्री ठाकुर लीछमीजी सराप दीयौ–

वेद हीण हुवौ।
क्रिया भ्रस्ट हुवौ।
निरजळ देस वसौ।
मान हीण हुवौ।

२. श्री पोहकर रषीसर उठा थी आय नै इण ठौड़ वसीयौ। तद अठै पांणी न हुतौ। तरै इण वरण[5] री उपासनां कीयौ। वरण परसन हुवौ, तरै वर दीयौ। एक कोस धरती मांहे दस हाथे पांणी हुवौ[6]। पछै इण पोहकर रिषीसर कटां नव रापसणी[7] कर चलाई, सु श्रीमाळीयां रा डावड़ा सारा गरस मैं मारै। इणांरो वंस ववण पावै नहीं[8]। तरै श्रीमाळा [[1]सारा भेळा हुय श्री ठाकुरजी श्री लिछमीजी कने

१. 'ख' प्रति का अंश।

1. पुष्करणा ब्राह्मणों के पूर्वजों पुष्कर ऋषि का बसाया हुआ शहर है। 2 मिले शामिल हुए। 3 रूठ कर वहाँ से चला गया। 4. मेरा अपमान किया है। 5. वरुण। 6. दस हाथ की गहराई पर पानी होगा। 7. राक्षसी विद्या। 8. वंश नहीं बढ़ने पाता।

बात कही । तरै श्री ठाकुरजी कह्यौ–सांची बात, पोहकर ऊंटां
ो चलाई छै, सु बाळक नु षाय जाय छै । श्री लक्ष्मीजी विनती
ां री सहाय करौ[1] । तरै श्री ठाकुरजी लिछमीजी श्रीमाळीयां
पोकरण आया । तरै पोकर सुं घणौ हट करनै भेळा कीया ।
कर कह्यौ–म्हेतो भेळा करां जो म्हां नु स्राप थे दीयौ छै सु
करौ, नै वर दौ[3] । तरै श्री ठाकुरजी फेर वर दीयौ–

द मत भणौ, वेद रा अंग पुरांण जोतग भणौ ।

ाज मांन हुवौ ।

ांहरी थोडी लिछमी घणी दीपसी ।

ीमाळी लाषेश्वरी था हेठे हाथ मांडसी[4] ।

कर भला कीया, सु पोकरण रै षेड़ै[5] पांणी इण भांत पोकर
र कीयौ ।

. आद अठै पंवारां री ठकुराई हुती, राजा परुरवा राज करतौ ।
छमीनारायणजी रौ देहूरौ[6] कहै छै परुरवा री करायौ छै । तद
भेरवो हिळीयौ सु दिन रौ मांणस अेक षाय[7] । तिण समै ऊगोण
इ पज जेपाळ चाकरी नु आया छै ।

ानग परूरवा रो वेटो परणीयौ । परुरवा रै बेटो न हुवौ ।
ा मुवौ । नानग पाट बैठो । वडो प्रतापबळी ठाकुर हुवौ । नानग
ो कहाणो । उण रौ वेटो महिधवळ हुवौ ।

देवराज रौ करायौ तळाव अेकारे कनै ।

जाजा रौ करायौ तळाव जाजुसर थाट कनै ।

ा करो । 2 जो श्राप हमको दिया है उसे दूर करो । 3. वरदान दो । 4. आगे हाथ पसारेंगे । 5. पोकरण शहर के आस-पास । 6. लक्ष्मीनारायणजी स्थान परुवा का करवाया हुआ है, ऐसा लोग कहते है । 7 भैरवा नाम का राक्षस एक आदमी खाने का आदी हो गया ।

हमीर री हमीरसर थाट कनै ।
धुहड़ री धुहड़सर, बडी ऊनव छै[1] ।

४. ग्रेकण साह री बेटी मुवौ सु मड़ो इण पेड़ै वळण पावै नही[2] । भैरवो राषस लै । तरै साहा इण कनै ग्रायो, कह्यौ—ग्राज री रात थे माहारा बेटा री लोथ रषवाळौ[3] । पछै इणे फुले नै रीषा की । पछै राकस इण जीतौ । गाव नानग धणी हुवौ । पछै नानग मुवौ । पाट महीधवळ नानग रौ हुवौ । उण रै नानग री षाटी[4] सोना री थाळी हुती, सु ग्रेक थाळी रोजीना राषस लेजातौ । नानग ग्रा वात जांणतो परगट करतौ नही[5] । महीधवळ थाळी १ रोजीना जाती जांणी तरै थाळीया साकळ दिराइ[6] । भैरव राकस पकड़ीयौ उण सराप[7] दियौ—पवांरां री राज गयौ । पोकरण राकस सूनी की ।

५. तठा पछै केई दिन सूनी रही । तठा पछै कितरेक दिने रावळ माली महेवे धणी हुवौ । तिण समै तुवर ग्रजैसी रामदे पीर रौ बाप नै रांमदे माला कनै कनै महेवे ग्राया । सु ग्रा ठौड़] रांमदे पीर दीठी तरै रांमदे रावळ माला नु कह्यौ—ग्रा पोकरण नानग छाबाडा वाळी सूनी नगरी पडी छै, थे कहो तो म्है वासा[8] । तरै मालै कह्यौ—उठै तौ राषस भैरवो रहै छै । तरै रांमदे कह्यौ—म्है उण सु समझ लेसा, थे दुवौ देवो । तरै मालदे दुवो दीयौ । रांमदे पोकरण वासी । राकस भैरवो हाथ जोड ग्रागै ऊभौ रह्यौ । कह्यौ—मोनुं हुकम करौ तठै जाऊं । तरै कह्यौ—सिध नुं जाव । पछै पोकरण रामदे वासी । रांमदे री भाई वीरमदे हुतौ तिण रामदे नुं विगर पूछीयां राठौड़ जगपाल मालावत रौ बेटौ हमीर तिण नु रामदे री बेटी दीवी[9] । पछै रांमदे पोकरण छोड रांमदे रै देहूरै बसीयौ[10] । पोकरण हमीर जगपालोत नु दीवी ।

---

1. जहां पानी दूर तक भरता है । 2. जलाया नही जा सकता । 3 लास की रखवाली करो । 4. जीत कर प्राप्त की हुई । 5. जानते हुए भी प्रकट नही करता था । 6. जजीर लगवादी । 7. श्राप । 8. मैं इसे बसाऊ । 9. लडकी की शादी कर दी । 10. जहां ग्राजकल रामदेवरा है वहां बसा ।

तठा पछै इतरी पीढ़ी पोकरण इण रै रही, राव हमीर सुं—

१ राव हमीर
२ राव दुरजणसाल हमीर रौ
३ राव बरजांग दुरजणसाल रौ
४ राव षीवौ बरजांग रौ।

---

६. राव षीवौ बरजांग रौ निबळौ-सो[1] ठाकुर पोकरण धणी हुवौ। तद कोट रै कीवाड न हुता[2]। नै रा० नरा सूजावत नु राव सूजो कंवर थका नु फळोधी राषीयौ थो सु फळोधी वाग-वाडी पांणी तिसड़ौ नही। सु नरा री मन फळोधी सुं रजै नही[3]। नरौ पोकरण लेण री मन घणो हर राषै छै[4]। सु नरा रा हेरू[5] पोकरण नु लाग रह्या छै। राव षीवो नावा लिषण नु उघरास गयौ हुतौ। नरा रौ हेरू लागौ हुतौ थो, तिण षबर आण नरा नु फळोधी पोहोचाई। नरै तिण वेळा पागड़ै पग दे असवार १२० सु उडाया[6]। कह्यौ–राव षीवो आय कोट लीयो। नरै आपरी आण फेरी[7]। राव षीवो लूको षीवावत थटोहण गया। उठै जाई घणो विगाड कीयौ[8]। पछै पोकरण सहर री षेड़ षीवै लूकै ली। नरौ वाहार चढ़ीयौ[9]। पोकरण था कोस ५ जातो नदणहाइ[1] उनी छै[10] तठै वेढ हुई। नरौ सूजावत काम आयौ। पछै राव सूजो जोधपुर सु कटक[11] कर नै पोकरण आयौ। नरा रौ दावौ माला रौ सारौ देस मारीयौ। नोलवो षारी पावड़ रौ बैसणो मारीयौ। पछै आय नै नरा रा वेटा गोईंद नु टीको दीयौ। नरौ राव सातल रै पोहळै[12] थौ सु नरौ पोकरण सूनी कर नै पोकरण था कोस १ ऊलरनु

---

१. नादणवाई।

---

1. निर्बल-सा। 2 दरवाजे नही थे। 3. सतुष्ट नही होता। 4 प्रबल इच्छा रखता है। 5 जासूस। 6 घोड़ों पर चढकर १२० सवारो सहित तेजी से चला। 7 अधिकार प्रकट करने के लिए अपने नाम की दुहाई फेरी। 8. बड़ा नुकसान किया। 9 पीछा किया। 10 जलाशय है। 11. फौज। 12 गोद।

नान्ही-सी भाषरी ऊपर सातळमेर वासीयौ थौ[1]। नरौ सातलमेर रौ चढ़ीयौ काम आयौ, समत १५६० राव गोयंद नु टीकौ हुवौ। समत १५८२ राव गोयद काळ कीयौ।

पोहोकरणा गोईंद टीकै बैठा तद बारै हुता। गोयद पाट बेठौ तद बाळक हुतौ। राव सूजो थाणै उमराव राषीया हुता[1]। तिण नु कह्यौ थौ, गोयद नान्हो छै सु वरस ४ तथा ५ तौ गोयद नु रजपूते चढण न दोयौ[2]। पछै पोहोकरण लूकै रांमदे रा देहूरा कन्है घणा दावळीया[2] राव गोईंद बाहर चढीयो। सु कोढणा कन्है जातौ आपड़ीयौ[3]। घणा पोकरणा आदमो १४० कहै छै मारीया। लूका नु आप गोयद आपडीयौ, तठै लूके रो पौहरण दुपटौ हुतौ सु छूट गयौ। सु ऊघाड़ौ नाठो जाय[4]। तरै गोयद कह्यौ—काकाजी ऊभा रहौ[5], थानु नही मारू। आपरी दुपटी दीवी[6]। पहराय नै साफर सातळमेर लूका नु ले आयौ, कह्यौ—आगै हुई सु नीवड़ी, बैर भागौ[7]। भेळा षीच षाधौ[8]। पोकरण रा दुय बाट कीया[9]। गांव ३० सू सातलमेर पोकरण आप राषी। गाव ३० सू लूणीयाणो[3] पोकरण लूका षीवावत नु दीयौ। औ आय लूणीयाणो बासीयौ। सातलमेर रा० गोयद री वार माहे बडी बसती हुई। घर ५०० पांच सौ माहाजन बसता।

८. राव गोयद काळ कीयौ। राव जैतमाल गोयदोत नुं टीकौ हुऔ। जैतमाल जैसलमेर रावळ मालदे री बेटी परणीयौ हुतौ। कपूत सो ठाकुर हुतौ। उण रै को परधांन[10] थौ तिण माहाजनो नु घणौ

---

१. तठै देहूरा छै, कोहर एक देहूरा कनै हुतौ, तिण मांह पांणी घडा १०० हुतौ। बावडी एक कोट रा षाडा हेठै हुतो सु बुरांणी पडी छै। तळाव एक नरासर तळाव धरणी-सर छै। तठै पांणी पीता। षेत एक महरवण नजीक छै तिण मांह वेरा घणा छैं। तठै पीवता। ('ख' प्रति मे अधिक)। २ बिन लीया। ३. भुणियाणो।

---

1. देख-रेख के लिए उमरावों को रखा। 2. चढ़ाई नहीं करने दी। 3. पकड़ा। 4. नगे बदन ही भागा जा रहा था। 5 ठहरो, खडे रहो। 6. अपना वस्त्र दिया। 7. पहले की अदावत समाप्त हुई, बैर समाप्त हुआ। 8. शामिल बैठ कर भोजन किया। 9. दो हिस्से किये। 10 कोई एक प्रधान था।

तठा पछै इतरी पीढ़ी पोकरण इण रै रही, राव हमीर सूं—

१ राव हमीर
२ राव दुरजणसाल हमीर रौ
३ राव बरजांग दुरजणसाल रौ
४ राव षीवौ बरजांग रौ ।

---

६. राव षीवौ बरजांग रौ निबळौ-सो[1] ठाकुर पोकरण धणी हुवौ । तद कोट रै कीवाड न हुता[2] । नै रा० नरा सूजावत नु राव सूजो कुंवर थका नु फळोधी राषीयौ थो सु फळोधी वाग-वाडी पांणी तिसड़ौ नही । सु नरा रो मन फळोधी सुं रजे नही[3] । नरौ पोकरण लेण रो मन घणो हर राषै छै[4] । सु नरा रा हेरू[5] पोकरण नु लाग रह्या छै । राव षीवो नावा लिषण नु उधरास गयौ हुतौ । नरा रौ हेरू लागौ हुतौ थौ, तिण षबर आंण नरा नु फळोधी पोहोचाई । नरै तिण वेळा पागड़ै पग दे असवार १२० सु उडाया[6] । कहौ–राव षीवो आय कोट लीयौ । नरै आपरी आंण फेरी[7] । राव षीवो लूको षीवावत थटोहण गया । उठै जाई घणौ बिगाड कीयौ[8] । पछै पोकरण सहर री षेड़ षीवै लूकै ली । नरौ वाहार चढीयौ[9] । पोकरण था कोस ५ जातो नदणहाइ[१] उनौ छै[10] तठै वेढ हुई । नरौ सूजावत कांम आयौ । पछै राव सूजो जोधपुर सु कटक[11] कर नै पोकरण आयौ । नरा रौ दावौ साला रौ सारौ देस मारीयौ । नोलवो षारी षावड़ री बैसणो मारीयौ। पछै आय नै नरा रा बेटा गोईंद नु टीको दीयौ । नरौ राव सातल रै षोहळै[12] थौ सु नरौ पोकरण सूनी कर नै पोकरण था कोस १ ऊतरनुं

१, नादणवाई ।

---

1. निर्बल-सा । 2. दरवाजे नहीं थे । 3. संतुष्ट नहीं होता । 4 प्रबल इच्छा रखता है । 5 जासूस । 6 घोड़ों पर चढकर १२० सवारों सहित तेजी से चला । 7. अधिकार प्रकट करने के लिए अपने नाम की दुहाई फेरी । 8. बड़ा नुक्सान किया । 9 पीछा किया । 10 जलाशय है । 11. फौज । 12. गोद ।

नान्ही-सी भाषरी ऊपर सातळमेर वासीयौ थौ[1]। नरौ सातलमेर रौ चढ़ीयो काम आयौ, समत १५६० राव गोयंद नु टीकौ हुवौ। समत १५८२ राव गोयंद काळ कीयौ।

पोहोकरणा गोईंद टीकै बैठा तद बारै हुता। गोयद पाट बेठौ तद बाळक हुतौ। राव सूजो थांणै उमराव रापीया हुता[1]। तिण नु कह्यौ थौ, गोयद नान्हो छै सु वरस ४ तथा ५ तौ गोयद नु रजपूते चढण न दोयौ[2]। पछै पोहोकरण लूकै रांमदे रा देहूरा कन्है घणा दावळीया[2] राव गोईंद बाहर चढीयो। सु कोढणा कन्है जातौ आपड़ीयौ[3]। घणा पोकरणा आदमो १४० कहै छै मारीया। लूका नु आप गोयद आपडीयौ, तठै लूके रो पौहरण दुपटौ हुतौ सु छूट गयौ। सु ऊघाड़ी नाठो जाय[4]। तरै गोयद कह्यौ—काकाजी ऊभा रहौ[5], थानु नही मारू। आपरी दुपटी दीवी[6]। पहराय नै साफर सातळमेर लूका नुं ले आयौ, कह्यौ—आगै हुई सु नीवड़ी, बैर भागौ[7]। भेळा पीच पाधौ[8]। पोकरण रा दुय बाट कीया[9]। गांव ३० सू सातलमेर पोकरण आप रापी। गाव ३० सू लूणीयाणो[3] पोकरण लूका षीवावत नु दीयौ। ओ आय लूणीयाणो बासीयौ। सातलमेर रा० गोयद री वार माहे बडी बसती हुई। घर ५०० पांच सौ माहाजन बसता।

८. राव गोयंद काळ कीयौ। राव जैतमाल गोयदोत नुं टीकौ हुऔ। जैतमाल जैसलमेर रावळ मालदे री बेटी परणीयौ हुतौ। कपूत सो ठाकुर हुतौ। उण रै को परधांन[10] थौ तिण माहाजनो नुं घणौ

१. तठै देहूरा छै, कोहर एक देहूरा कनै हुतौ, तिण मांह पांणी घडा १०० हुतौ। वावडी एक कोट रा षाडा हेठै हुती सु बुरांणी पड़ी छै। तळाव एक नरासर तळाव धरणी-सर छै। तठै पाणी पीता। षेत एक महरवरण नजीक छै तिण मांह वेरा घणा छै। तठै पीवता। ('ख' प्रति मे अधिक)। २ विन लीया। ३. भुणियाणो।

1. देख-रेख के लिए उमरावों को रखा। 2. चढाई नही करने दी। 3. पकडा। 4. नगे बदन ही भागा जा रहा था। 5 ठहरो, खडे रहो। 6. अपना वस्त्र दिया। 7. पहले की अदावत समाप्त हुई, वैर समाप्त हुआ। 8. शामिल बैठ कर भोजन किया। 9. दो हिस्से किये। 10 कोई एक प्रधान था।

दुष देणौ मांडीयो, घर लूटणा माडीया। आग षंणीली[1] रा राव जैतमाल आगै कूकीया[1]। दाद फीरोयाद कोई सुणै नही। तरै माहाजन जोधपुर राव मालदे कन्हा आया, पुकारीया। सारी विध समझाया कही। राव मालदे आप सातलमेर ऊपर गया। जैतमाल गढ झालीयो दिन ५ विग्रह हुऔ।[2] राव मालदे री नाळा[3] छुटी तिण सु पाणी गढ री बावडी री सूक गयौ। बारे कोई नीसर न सकै। पछै जैतमाल वात कर नै गढ मालदे नु दीयौ। आप जैसलमेर गयौ।

९. संमत १६०७ राव मालदे सातलमेर परौ पाड़ीयौ[4], नै पोकरण कदीम हुतौ तठै गढ़ करायौ। नै आपरौ थाणौ राषीयौ, संमत १६०७ रा काती माहे। सु राव मालदे जीवीया तठा ताऊ पोकरण मालदेजी रै रही।

१०. संवत १६१९ रा काती सुदि १२ राव मालदेजी काळ कीयौ। पाट राव चंद्रसेन बैठौ। बरस ३ चदंरसेन राव रै जोधपुर रही। संवत १६२२ रा मिगसर सुदि ४ राव चदंरसेन था जोधपुर छूटौ। राव चंदसेन भाद्राजण वरस रहा। तठा पछै को दिन राव पीपलण रै भाषरै आय रहा। तद पोकरण गढ़ इतरा ठाकुर कोट माहे रहे, छै तिण री विगत—

१ चहुवांण रांमो झांझणोत।

१ पंवार नराइण अषावत।

१ षीवसी अषावत।

१ राः कानडदास जोगावत[2]

१. रैत सी अजाजीती परधांन घणी करै। २ रा० किसनदास जोगावत।

1. अपना दु:ख प्रकट किया। 2, युद्ध हुआ। 3. विशेष प्रकार की तोप। 4. नष्ट कर दिया।

१ सोहड़ राजधर सीहावत
१ भाटी सुरजमल केल्हण
१ पेथड़ राजो ऊधरास री

११. एक वार तद रा. मानसिंह राजावत कछवाहां दिसी थो ।[1] तिण नु देवराज थळेचे[2] कहाड़ीयो-पोकरण थाहारै वापी को धरती छै आज राव चदरसेन नुं मुगलां दवायी छै, सीवांणा रै भाषर छै । थे आवौ तौ म्हे थांनु गढ ले देसा[3] । मानसिंघ आदमी ५०० सुं ढूढाड़ था आयौ । थळेचा सारा भेळा हुवा । गढ घेरीयो । आदमी १०० राव चंद्रसेन रा था तिणां गढ भालीयौ नै राव चद्रसेन नु पीपलण षबर मेली । राव चदरसेन असवार ५०० जीनसालीयां सुं तुरत चढीयो । सु लूणीया आय ऊतरीयौ । राः मानसिंघ नुं षबर हुई । तारां मानसिंघ रावजी कनै परवांन मेलीया । अरज कराई-मोनुं पोकरण देवौ, सो कनै चाकरी करावौ ।[4]

राव वात मानी नहीं । मानसिंघ राजावत नास गयौ[5] राव देवराज रौ गाव मारीयौ[6] । माहाजन लूटीया, वित धांन सुं लूणीया रा देहरा भरीया । राव चंदरसेन एक वार पोकरण आय कोट देष नै पाछौ पीपलण रै भाषरे गयौ[7] । तठा पछै समत १६३२ रै बरस रावत जीव थळेचै सोहड़ री गायां लीवी । राव रौ इतरो साथ वाहर आपड़ मुवौ[8] ।

विगत—

१ चहुवाण रामो झांझणोत
१ पवार नराईण
१ सोहड़ राजधर सीहावत
१ सोहड रतनो गागावत

---

1 कछवाहों के देश की ओर था । 2. राजपूतो की एक शाखा । 3. तुम्हें गढ ले कर दिलवा देंगे । 4. मेरे पास से सेवाऐ लो । 5 भाग गया । 6. गाव मे लूट पाट की । 7 पीपलण के पहाडो मे वापिस चला गया । 8 पीछा कर के युद्ध मे काम आया ।

दुष देणौ मांडीयो, घर लूटणा मांडीया। आग षंणीली[1] रा राव जैतमाल आगै कूकीया[1]। दाद फीरोयाद कोई सुणै नही। तरै माहाजन जोधपुर राव मालदे कन्हा आया, पुकारीया। सारी विध समझाया कही। राव मालदे आप सातलमेर ऊपर गया। जैतमाल गढ झालीयो दिन ५ विग्रह हुआै।[2] राव मालदे री नाळा[3] छुटी तिण सु पाणी गढ री बावडी री सूक गयौ। बारे कोई नीसर न सैकै। पछै जैतमाल वात कर नै गढ मालदे नु दीयौ। आप जैसलमेर गयौ।

९. समत १६०७ राव मालदे सातलमेर परी पाड़ीयौ[4], नै पोकरण कदीम हुतौ तठै गढ़ करायौ। नै आपरौ थाणौ राषीयौ, संमत १६०७ रा काती मांहे। सु राव मालदे जीवीया तठा ताऊ पोकरण मालदेजी रै रही।

१०. संवत १६१९ रा काती सुदि १२ राव मालदेजी काळ कीयौ। पाट राव चद्रसेन बैठौ। बरस ३ चदरसेन राव रै जोधपुर रहौ। सवत १६२२ रा मिगसर सुदि ४ राव चदरसेन था जोधपुर छूटौ। राव चदसेन भाद्राजण वरस · रहा। तठा पछै को दिन राव पीपलण रै भाषरै आय रहा। तद पोकरण गढ इतरा ठाकुर कोट माहे रहे, छै तिण री विगत--

१ चहुवांण रांमौ झांझणोत।

१ पंवार नराइण अपावत।

१ षीवसी अषावत।

१ राः कानडदास जोगावत[1]

१. रैत सी ग्रजाजीती परधांन घणी करै। २. रा० किसनदास जोगावत।

---

1 अपना दु ख प्रकट किया। 2, युद्ध हुग्रा। 3. विशेप प्रकार की तोप। 4 नष्ट कर दिया।

१ सोहड देदो भैरउत
१ भाटी सुरजमल केलणोत[1]
१ पेथड़ राजो ऊधरास रो

राठौड़ किसनदास जोगावत लोहड़े लागै[1] कोट आयो।

१२ तिण समै भाटी भाषरसी हरराजोत नु श्री पातसाहजी जागीर मांहे दीया[2] छै। राव चद्रसेन था तिण समै सीवाणो छूटी छै। राव मुराडे[3] मेवाड री छे।[2] भाषरसी हरराजोत देष[4] राव अळगो[3] जाण नै संमत १६३२ रा सावण माहे भाटी भाषरसी हरराजोत माणस ५०० तथा ७०० सु कर, फळोधी था चढ नै पोकरण घेरी। मास २ षसीयो[4]। गढ माहे सामान सबरो हुतो[5]। आदमी ४० राव रा माहे हुता, सु भला लडीया[6]। भाटी भाषरसी तो षस थाको[7], गढ हाथ नायो[8]। तरै भाषरसी परो गयो। नै रावळ हरराज नु कहाड मेलीयो-मो कनै तों गढ लेण री तो सामांन नही। राज गढ लो तों घात छै। तरै रावळ हरराज आदमी २००० चढीया। पाळा दे कवर भीव नु पोकरण मेलियो। इण आय गढ घेरीयो। राव रै साथ गढ झालीयो। भली गोळीयां(री)मार दीवी।[9] सहर नजीक डेरा करता हुता सु गोळीयां आगै करण न पाया। पछै सहर था कोस १ नरासर तळाव जाय ऊतरीयो। उठै डेरो कर नै गढ नु ढोहा[10]दस-बीस कीया। माहला साथ[11]नुं वात विगत चद्रसेन कन्हा परधाने के फरीयाद मेलिया, गुण मानत कराइ छै–सुतो हमारू मारवाड छूटी छै, गढ पोकरण तुरक लेसी तो म्है तो थाहारा सगा[12]था

१. केलण। २ फळोदी जागीर मांहे दी। ३. मुडाडे। ४. घात देल।

1. घायल होकर। 2 राव चद्रसेन मेवाड के मुराडा ग्राम मे है। 3 दूर। 4 खूब प्रयत्न किया। 5. युद्ध सामग्री आदि अच्छी थी। 6 अच्छे लडे। 7. प्रयत्न करके हार गया। 8 गढ हाथ नही लगा। 9, गोलियो से खूब अच्छा हमला किया। 10. हमले। 11. किले के अन्दर वाले लोग। 12. सगे-सम्बन्धी।

मांहां नुं अडाणी दी[1] । थे जोधपुर पधारसौ ताहारा मांहरा पईसा देनै गढ थाहांरी परी लेजो । पछै लाष फदीया[2] माहे पोकरण राव मुडाड़ै थका[3] अडांणै मेली । के भाटीयां रै परधान फदीया हजार २०,००० उठै दीया । बाकी रा फदीया नु भंडारी मांनी मह नु साथे दोई भोजु भाटीयां रा परधांन साथ दे पोकरण नुं मेलीया । इणे समत १६३३ रा फागण वदि १४ पोकरण आय उतरीया । राव रा साथ नु बारै आणीया[4] । कुवर भीव नुं गढ सोपीयौ । भडारी मांनी मागळोयो भोजु जैसलमेर गया । उठै केईक दीया के न दीया । कितराहेक दीया भंडारी मानै नाचणीयां सु षाधा । तठा पछै राव चद्रसेन डूगरपुर गया । बरस २ गल १ अै[1] कोट रहा । सवत १६३५ रा मिती— सवराड़ राव चद्रसेण पाछी आय वेढ़ कीवी । को दिन सोझत हाथ आई । वळे मुगलां री फौज आई । राव सारण सचीआय जाय रहा । पोकरण री काई षबर ले सकीया नही । समत १६३७ माहा वदि ७ राव चंदरसेन काळ कीयौ । टीकौ आसकरण नु हुवौ । तठा पछै आसकरण नुं उगरसेन वेगौ ही मारीयौ ।

१३. तठा पछै स० १६३८ रा जेठ माहे अकवर पातसाह मोटा राजा नु जोधपुर दीयौ । समत १६४० रा मिती जोधपुर पाट वैठा । पातसाही मुनसब माहे सातलमेर नावै माडीयौ । पिण अमल हुवौ नही । समत १६५१ रा आसाढ सुदि १० लाहोर काळ कियौ ।

१४. टीकौ राजा सुरजसिंघ नु हुवौ । पोकरण पातसाही मुनसप माहे माडी दाम लाष माहे । एक वार राजा सुरजसिंघ फौज दे कंवर गजसिंघ नुं विदा कीया था । पछै पातसाह नै कीया तरै गाव बेराही

---

१. गळीये ।

---

1. पोकरण हमारे रहन रख दो । 2 सिक्का विशेष । 3. राव चद्रसेन जब मुडाडे ग्राम मे था उस समय । 4. चन्द्रसेन के आदमियो को बाहर निकाल दिया ।

था फिर आया। संमत १६७६ भादवा सुद ९ काळ कीयौ। पोकरण अमल न हुओ[1]।

१५. टीकै राजा जसवतसिंघ बैठा पातसाही मुनसब मांहे दांम लाख ६०,०००० मांहे पाई। सं० १७०६ रा मिगसर वदि २ रावळ मनोहरदास किलाणोत काळ कीयो। तद श्रीजी रिणथभोर गौड़ रै परणवा पधारीया[2]। वांसै जाहानावाद बाई श्री मनभावतीजी पातसाहजी सु अरज को—जु पोकरण मांहारी जागीर माहे मडै छै, माहारी अमल न छै[1]। इतरा दिन रावळ मीनोहरदास मांहारो सगो थौ, तिण रै वासते म्हे बोलता नही। हिमें भाटी रांम, चांदसीवोत नुं टीको हुवौ छै। औ कोई छै, इण नुं पोकरण म्हे काहण री छेडा[3]। श्री पातसाहजी हुकम करै तो पोकरण मारलां। तरै पातसाहजी श्री साहजी बाईजी नु कहो-थे चाहौ तौ जैसलमेर थांनु दां, पोकरण आपरी मार लेता थांनु कुण बरजे छै[4]। सु ऐ समाचार सवत १७०६ फागुण मांहे सुदि···गढ रिणथंभोर श्रीजी नु आई संवत १७०६ रा चैत माहे श्रीजी जाहानावाद पधारीया। तरै फेर अरज कीवी— जैसलमेर सु म्हारै कोई कांम नहीं हुवै। ठौड़ भाटीयां रौ कदीम ऊतन छै। नै पोकरण सदा म्हांरी छै। म्हारी जागीर मांहे पातसाही दफतर लीषीजै छै। हजरत फरमाण करदै तौ माहांरी हरभांत कर उरी लेवां। समत १७०६ रा वैसाख सुदि ३ श्रीजी नु देस नुं विदा कीया पोकरण रौ फरमाण कर दोयौ। जेठ माहे श्रीजी माहाराजाजी पधारीया, देस माहे। सांवण मे पातसाही फरमाण राठौड़ सादूळ गोपाळदासोत वीहारीदास राघोदासोत नै[2] जैसलमेर मेलीया। फरमाण रावळ रांमचद नु दिपाळीयो। दिन ४ पछै भाटियां जवाब कीयौ—गढ मागीया लाभै नही। दस माणस भाटीयां मुवा पोकरण आवसी। ऐ

१. न हुवै। २ दे नै।

1. राज्याधिकार कायम नहीं हुआ। 2. शादी करने को गौडों के वहां गये। 3 किस कारण से छोड़े? 4 आपको अपनी पोकरण पर कब्जा करने से कौन मना करता है।

ठाकुर पाछा जोधपुर आया। श्री माहाराजाजी सुं हकीकत सारी गुदराई[1]। श्री माहाराजाजी भाटीया री जवाब सुण नै कटक री तयारी करण रौ विचार कीयौ। अणीयां तीन री विचार कियौ[2]। सारी मदार फौंज री रा० गोपाळदास सुदरदासोत, रा० वीठळदास गोपाळदासोत, रा० नाहरषांन रार्जसिघोत ऊपर राषी।

१ अणी १ रा० गोपाळदास सुदरदासोत रा० प्रतापमल मेडतीयो करमसीयोत पातावत।

१ अणी १ रा० वीठळदास गोपाळदासोत भा० जगनाथ रौ। चांपावत, जोधा, भाटी, ऊहड़, थळेचा, देवराज, गोगादे, चाहड़दे।

१ अणी हरोळ री[3] रा० नाहरषांन गर्जसिघोत मुहणोत नैणसी जैमलोत, कूपावत, जैतावत ऊदावत, बाला, अषैराजोत, राणा रावळ भादावत, चहुवांण, ऊरजनोत भाटी।

३ अणीया तीन इण भांत बाटी असवार हजार २०००, पाळा ४०००, साथे विदा कीया।

आसोज वदि २ रा० गोपाळदासजी।
आसोज वदि ३ रा० नाहरषांन रार्जसिघोत।
आसोज वदि ७ राठौड़ वीठलदास गोपाळदासोत।
डेरा जिण-जिण मितियां गावां हुवा तिण री विगत—
आसोज वदि ७ देवीझर।
आसोज वदि १० तीवरी।
आसोज वदि ११ चैराई।
आसोज वदि १२ सांवड़ाऊ।
आसोज वदि १३ पीलवा।
आसोज वदि १४ जालीवाड़ै, दिन ८ मुकांम कीयौ।

---

1 सारी वात निवेदन की। 2. फौज के तीन हिस्से करने का विचार किया। 3. सेना के अग्रिम भाग में।

आसोज सुदि ७ गाव षारे पोकरण रै डेरा कीया। तिण समै पातसाहजी पूछीयौ—रावळ मनोहरदास मुवौ उण री वारस कुण छै। तरै सबळसिघ राजा रूपसिंघ किसनगढ री धणी राठौड रौ वासै थौ तिण नु पगे लगायौ। तरै भाटी सबळसिंघ दयाळदासोत नु रावळाई रो टीकौदे[1] जैसलमेर विदा कीयौ छै। सु सबळसिघ कन्है जमीयत सामान कोई नही। रावळ सबळसिंघ जोधपुर आय श्रीजो रै पगे लागौ। घोडो सिरपाव दे, षरची दे नै विदा कोयौ। घणी दिलासा कीवी[2]। कह्यौ—थे फळोधी जावौ, माहारी फौज आवै छै सु थहारो ऊपर करसी[3]। रावळ फळोधी घणा दिन रह्यौ पछै केल्हण[1] री षरड जवण रो तळाई सेषसर था कोस ४ उठै वेढ १ पोकरण रा थांणा रौ साथ आयौ तिण सु इण कीवो। वेढ इण जीतो[4]। रामचद री साथ हारीयौ। पछै आसोज सुदि ७ षारा रै डेरौ आदमी ५०० तथा ६०० सु रावळ सबळसिंघ ही श्रीजी रै साथ सु भेळौ हुवौ[5]। अठै षबर आई पोकरण माहे षबर आई, माणस हजार दोढ छै। तरै मुकाम ३ अठै कीया। धरती पोकरण री सारी सबळसिंघ रै साथ लूटी। षालत हमीर राहड को पोकरण री पाषती रा कोट माहे हुता सु फौज नेड़ी आई ताहरां रात रा नीसर गया[6]। रावळे साथ रौ डेरौ आसोज सुदि ११ रा देहरै तळाव हुवौ। तरै वळे कोट मांह था मांणस ४०० नीसर गया। मांणस ३५० कोट माहे छै। आ षबर देहरा रै डेरा आई। आसोज सुदि १३ सातळमेर कन्है नरासर तळाव पोकरण था कोस १ छै, तठै रावळे साथ डेरा कीया। आसोज सुदि १३ पोकरण था कोस ०॥ तळाव डूगरसर छै, तठै रावळै साथ डेरा कीया। असवार २०००, पाळा ४०००, रावळा साथ, माणस हजार ६००० छै।

---

१. केलण

---

1. जैसलमेर का राज्याधिकार दे कर। 2. खूब आश्वस्त किया। 3. तुम्हारी सहायता करेगी। 4. युद्ध मे इसकी जीत हुई। 5. आकर मिला, शामिल हुआ। 6. रात को भाग निकले।

इतरो साथ भाटीयां री तिण दिन कोट माहे थौ—

१ भाटी प्रतापसी सुरतांणोत रावळोत ।

१ भाटी गजसिंघ मेघराजोत ।

१ भाटी पिराग वाघावत सोहड़ ।

१ भा० मांनो सीवदासोत हमीर ।

१ भा० गजघर, देदो पेता री वेटा ।

१ भा० सीहो गोईंदोत सांवतसी ।

१ भा० नरो अजावत हमीर री ।

१ राठोड़ सादूळ वरसळोत थळेचो ।

१ हमीरोत भाटी संतो केसव रूपो ।

१ भाटी कलेवचा १ जोगी १ सूजो ।

१ पेथड़ ।

१ अचळो १ नेतो १ भीवराज १—

४

६ भाटी एका रूपसी ।

१ वीठल १ जीवो १ नाथो १ विणो १ जगनाथ १ गोकळ ।

६

१ राठोड़ नाथो गोगादे ।

१० भाटी जसहड़।

६ भाटी जैचंद ।

१०० तोपची ।

५ भुणकमल ।

१ भाटी हेमराज अणगो ।

चहुवांण लषो ।

१ गोगली हेमराज ।

३ मुहता ।

१ ऊधव १ सीवराज १ चंदण ।

३

८ साह बाणीया ।

१०० फुटकर लोक माणस[1] ।

३५०

आसोज सुदि १५ रिव राव श्रीजी रै साथ पोकरण रै कोट ढोवौ कीयौ। पैली पिण नाळ छूटी, ऊली पिण नाळ छूटी । पोहोर १ तांई तौ रा० गोपाळदासजी वीठळदासजी नाहरषांनजी अै ठाकुर चढ नै ऊभा रहा । पछै अै तौ ठाकुर डेरा गया नै मु० नैणसी नाहरषांन री साथ ले नै नाळ कन्है रहा । नै रावळ बलरांम दयाळदासोत सोनगरो माधोदास रा० अमरो आसकरनोत राठौड़ हरचंद राजसिंघोत रा० करणा सुजांणसिंघोत रा० मुकंददास किसनसिंघोत रा० दलपत आसकरणोत और ही रावळा साथ मुहणोत नैणसी रै ऊपर रै वासतै[1] तीरवा एक ऊभा था। दिन घड़ी ४ वासलो[2] थौ तरै अौ ठाकुरां सहर ऊपर दौड़ाया। सेहर भेळ नै कोट रै मुहडै रौ[2] छै तठै जाय मोरचौ मांडीयौ। अै ठाकुर असवार २०० था सु घोड़ा तौ पोहोकरण रै बजार हाट माहे वाधा[3] । नै आप देहरा माहे ऊभा रहाया, नै कोट मांहेलै साथ गोळीयां तीर बैहता रहा[4] । पिण माहाराजाजी रै साथ रै किणी रै लागी नही नै कोट माहला जणा २ रै इणां गोळी लगाडी। पछै दिन आथमीयौ नै नाळीया रै मोरचै मुणोत नैणसी था सु रा० गोपाळदासजी वीठळदासजी बुलाया लीया। नै

१. 'ख' प्रति मे नामो कि क्रम मे भिन्नता है। २. देहरो।

1. सहायतार्थ। 2. पिछला, अस्त होने से पहले। 3. घोडो घो वाजार मे बाध[illegible]
4. चलते रहे।

उण जायगां रा० गोपाळदासजी आपरो साथ मेलीयो । पछै परभात हुवो । रा० गोपाळदासजी वीठळदासजी नाहरषानजी मुणोत नैणसी नुं बुलाय नै कह्यो—थे जाय नै रा० वलरांमजी नु देहरा रै मोरचां सु तेड़ लावो[1] । तरै मुहणोत नैणसी बलरांमजी कनै गया । तरां बलरांम जी फिर नै मोरचो दिषायो । नै कहण लागो—आ जायगा छोडीयां वणै नही[2] । तरै आ हकीकत नैणसी रा० गोपाळदासजी वीठळदासजी नाहरषांनजी नुं लिष मेली । तरै यां ठाकुरां नाहरषांनजी नुं कही— थेई जाय नै बलरांमजी नु बोलाय लावो । तरै नाहरषांनजी उठै गया । मोरचौ दीठो तरै नाहरषानजी पाछा जाय नै गोपाळदासजी वीठळ- दासजी नुं कह्यो-मोरचो छोडण वाळो नहीं छै । तरै अै पिण ठाकुर उठै मोरचै गया । दिन तीन ताई लड़ाई हुई तरै कोट मांहला साथ रो बळ मिटीयो । तरै उणां रावळ सवळसिंघ नु कहाड़ियो– थे म्हानु बांहां झाल नै परा काढौ तो म्है परा नीकळा[3] । तरै रावळ सवळसिंघ रा० गोपाळदासजी नाहरषांनजी वीठळदासजी सुं वात कराडी, नै कह्यो– दोई दीन म्हांनु पसदो नै कोट मांहे संचो छै सु म्हानुं बगसो । नै रावळो साथ मोरचां छै सु बुलाय लेवै । तरे आ बात याही ठाकुर कर नै आरे कोवो[4] । तरै कोट मांहलो साथ थो सु सबळसिंघ हाथ झालने सो[5]परो काढीयो । दिन २ ताई कोट माहलो सचो[6] थो सु रावळ सबळसिंघ आपरा आदमिया कन्है कढाय नै आपरै डेरै आणोयो[7] । पछै काती वदि ४ रै दिन रा० गोपाळदासजी वीठळदास जी नाहरषानजी अै ठाकुरे आदमी १०० मेलीया, तिके कोट माहे जाय पैठा[8] । बीजो सो साथ भाटीया रो सगळो नीसरीयो थो नैं भा० परतापसिंघ सुरतांणोत आदमीयां १५ तथा १६ था मांहे रह्यो थो । तरै आ षबर गोपाळदासजी विठलदासजी नाहरषांनजी सांभळी, तरै रावळ सबळसिंघ नु कहाडीयो–कैतो थे परतापसिंघ नु परो काढो[9] नही तर

---

1. वुला लाओ । 2. इस जगह को छोडना सभव नही । 3. तुम हमें बाह पकड कर यहा से निकालो तो हम चले जावें । 4 स्वीकार की । 5. सब, पूरा । 6. सचित सामग्री । 7. अपने डेरे पर ले आया । 8 किले में घुसे । 9. या तो प्रतापसिंह को निकाल दो ।

म्हे इण नुं मारसां । तरै सबळसिंघ कहाडीयो–सवारे हूं जाय नै परो काढीस[1] । पछै श्रै ठाकुर माहो-मांह कहण लागा–म्हे मारसा । पछै रात थकी रा० वींठलदासजी आपरो साथ मेलीयो, तरै इतरा साथ सु परतापसिंघ बारै आयो, देहूरै पोळ आयो नै कांम आयो । भाटीया रो साथ परतापसिंघ साथे कांम आयो । भाटीया रो साथे कांम आयो तिण री विगत–

१ भाटी परतापसिंघ सुरताणोत, बरस ७५ ।

२ भाटी ऐका ।

१ वेणीदास कलावत, बरस ६० ।

१ गोकळदास पातावत, बरस ५० ।

१ गोड़ रामो बरसळोत, बरस ६४, वांसै सती हुई[2] ।

१ चा० लषो, बरस ५० ।

१ तुरक जैमल कछवाहो, बरस ८० ।

१ भा० कान्हो मुलपसाव परतापसी रो चाकर, पूरै लोहड़ै ऊपाडीयो[3] ।

१ भाटी रूपसी जगावत, बरस ६५ ।

१ भा० सादो अमरावत केलरण, बरस ६० ।

१ रा० कुसलचंद समेचो, बरस ७० ।

२ रा० सादूळ नै रा० सादूळ वैरसलोत री चाकर, बरस ५० ।

१ भा० लालो मूलपसाव भा० प्रतापसी रौ चाकर, बरस ३८ ।

१ भा० जसो बरस ४० फतैसिंघ रौ चाकर, पूरै लोहड़ै ऊपाड़ीयो । बीजै दिन काम आयो[4] ।

---

1. निकाल दूंगा । 2. पीछे सती हुई । 3. बुरी तरह घायल होने पर उठाया ।
4. दूसरे दिन वीरगति पाई ।

आदमी १० माहाराजाजी रा घायल हुवा—

३ रा० वीठळदास गोपाळदासोत रा रजपूत

१ सी० सुरतांण ।

१ सोळंकी दुरगो ।

१ रा० भोजराज पातावत री चाकर ।

३

१ रा० सुजांणसिंघ केसरीसिंघोत रौ चाकर, पवार गोईद ।

१ भाटी रुघनाथ सुरताणोत रौ रजपूत रा० भोपत जैसिंघोत ।

१ रा० अमरो सुरजनोत रौ रजपूत, पीपाडो रामा रै लोहड़ै १ ।

१ रा० सबळसिंघ किसनसिंघोत रौ चाकर, पीपाडो मोहणदास ।

१ रा० नाराणदास राघोदासोत रौ रजपूत,सोनगरा जोगीदास रौ

१ पूरबीयो जगमाल माल वैस रै लोहडै १ ।

१ भाटी महेसदास अचळदासोत रौ रजपूत, गगादास सोहड़ ।

१०

१६ काती बद ५ श्री माहाराजाजी रो कोट माहे अमल हुवौ। सैहर माहे आंणदांण वरती[1] । श्रीजो री फौज दीवाळी तो पोकरण की। श्रोजी नु कोट फतै हुवां री बधाई मेली । तिण ऊपर श्रीजी परवानो भेजीयो—रा० गोपाळदासजी वीठळदासजो नाहरषांजी भा० जगनाथ मुहणोत नैणसी हिमे थे म्हारी हजूर वेगा आवजो नै सोघवी परतापमल नु कोट पोकरण रै कितराहक साथ था राषोजो । तरै श्रै ठाकुर काती सुद ६ जोधपुर आया नै श्रीजी रै पगे लागा । पछै रा० गोपाळदास वीठळदासजी नाहरषानजी नु तो घरा नू सोष दी[2] नै मुहणोत नैणसी नु सिरपाव दे नै काती सुदि १२ पोकरण नुं विदा कीयो ।

1. अपने नाम की दुहाई शहर मे फेरी (राज्याधिकार स्थापित होने की रश्म)। 2. घर को विदा किया ।

१७. काती सुदि १२ मुहणोत नैंणसी जोधपुर था चढीयो सु मगसर वदि २ पोहोकरण जाय पोहोतो[1]। सिंघवी परतापमल उठै थो तिण नु सीख दीवी नै परतापमल हजूर आयो।

इतरो साथ मुहणोत नैंणसी री तावीन दे नैं[2] पोकरण रै थाणे राषीयो, तिण साथ री विगत--

असवार आसांमी

मुहणोत नैंणसी

१० रा० मनोहरदास जसवतोत वीदो किलादार, कोट री कूचो सूपी।

७ रा० किसनसिंघ किलांणदासोत।

५ भा० केसरीसिंघ अचळदासोत।

५ रा० रूपसी बलदलोत[1] कूपावत।

४ भा० राजसिंघ बेणीदासोत।

३ रा० नराईणदास राघोदासोत।

२ रा० भीव वरसलोत[2]।

२ रा० वीठळदास भगवांनदासोत।

१ रा० अचळदास भगवांनदासोत पातो।

१ रा० हेमराज गोईंददासोत पातो।

२ भा० नाथो लिषमीदासोत।

१ रा० रूपसी आसकरणोत।

१ भा० नरहरदास भैंरूदासोत।

२ सलोत कीलांणदास ईसरदासोत।

१ रा० जगमाल वरसलोत।

---

१ वलभजी रो। २. वेरसलोत।

---

1. पहुचा। 2. अधिकार मे देकर।

७ रा० वीको किलांणदासोत । कोट मांहे चौको नुं राषीयौ[1] ।

३ रा० हरीसिंघ रांमचदोत, कोट माहे – – – ।

१ मु० जीवराज रूपसोयोत ।

२ रा० कुंभो नाथावत ।

१० मांगळीया-जणा १० ।

१० रा० सुजांणसिंघ रायसिंघोत ।

४ रा० जूझारसिंघ हररांमोत ।

२ रा० पिरागदास[1] हरीसिंघोत ।

७ भा० राजसिंघ दयाळदासोत ।

४ भा० मोहणदास हरदासोत ।

३ रा० सांमसिंघ[2] गोईंददासोत ।

४ भा० सांमो कुंभावत[3] ।

२ रा० जसकरण अमरावत ।

२ रा० मुकंददास भांणोत ।

२ रा० पोथो पेतसोयोत पातावत ।

२ रा० जगनाथ चादावत ।

२ रा० हरीदास नरहरदासोत ।

१ रा० सबळसिंघ कांनावत[4] ।

१ चौ० मनोहर सादूळोत ।

१ सहलो हरीदासोत ।

१ रा० अमरो भीवोत ।

---

१ प्रागदास । २. स्यामसिंघ । ३ स्याम कुनावत । ४. मानावत ।

---

1. किले में चौकी का अधिकारी करके रखा ।

१ सोढो ईसरदास नेतावत ।

१ रा० माधोदास जसवतोत, कोट मांहे चौकी नु रापीयो ।

२ रा० बलु जगनाथोत

२ रा० करण नाथावत

२ रा० सादूळ सूजावत ।

१ तोपची जणा·· ।

१ पयादा आसामो ७० हाकम री तावीन ।

इतरा पुरण[1] सामान नु दीया—

१० घोड़ा	१० ऊट	४ बळध
३ बगतर जीनसाल	८ सुतरनाळ[2]	दारू[3] गोळा मण २०

---

१८. पोकरण सुकाळ[4] हुवै नै सवरी नीपजै[5] तो रुपीया १५०००) ऊपजै । नै पातसाही तरफ मुनसब मे दाम लाप ८०००००) मे छै । तिण रा रुपया २०,०००) हुवै । ठौड उनमांन री विगत—

५०००) मेळा २, रांमदेहरै रा[6]
लूण रौ···

६०००) गाव रै हासल रा घडकसाल[1] पाटो ।

५०००) मारग वैहतीवाण सुं[7] समत १७१६ पातसा – – ।

---

१९. पोकरण रो पेड़ो सैहर रो पाधरी करडी धरती माथै[2] छै ।

---

१ टकसाल । २ रडी माथै ।

---

1 ऊट आदि । 2 ऊँटो पर ढोई जाने वाली तोपें । 3 बारूद । 4 खेतो सबधी पैदावार का अच्छा वर्ष । 5. अच्छी फसलें हो । 6. रामदेवरा के दो मेले ···· उनकी आमदनी । 7. सीमा मे से निकलने वाले राहगीरो से लिया जाने वाला ···

बडौ कोट राव श्री मालदेजी रौ करायौ छै। रावजी करायो सु कोट गज १५ ऊचो छै। तिण ऊपर रावळ भीव रावळ कीलाण[1]मल वळे गज कठै ही पाच कठै ही गज ८ ऊचो भळै करायौ छै[1]। कोट रौ पाठौ गज रै[2] पन्है[2] छै। पोळ रै मूडै कोट गज २१ ऊचौ छै। बासलो कांनी[3] गज १७ ऊंचो जेह सुधो छै। तिण उपर भुरज छै। कोट माहे भुरज २१ छै। तठै चोकीदार रापीया चाहीजं[4]। तिण भुरज माहे भुरज १६ मोटा डेरा करै, चोकीदार रहै तिसड़ा छै। कोट पोळ १ न्रिपट बडी पौळ छै तिण नु लोह रा कीवाड़ छै। पौळ ऊपर माळीयो छै[5]। पौळ १ वळे माहाराजाजो रै हुवां पछै[6] पडकोटा री कराई छै। नांव जसपौळ कहावै छै।

कोट मांह था गज २०० लाबौ छै। गज २०० आडो[7] समचौरस[8] सारीषो छै। कुवो १ कोट माहे पौळ सु नजीक दीवांणषांना कन्हें पायगा[9] रै मुहडै आगै। पाणी पुरस ६ तथा ७ भळभळौ[10]। बावडो १ भाटी भोपत रै घर वासै, देवी रा भुरज था नजीक बावड़ी, पांणी भळभळौ घणौ। हमार तो अवावर पड़ी छै[11]।

कोट माहे रावळा घर सादा छै। घर १०० कोट माहे भाटीयां रा रहता। हिमे और माहे गावेती[12]तौ को नही। देहूरौ जैन रौ छै। श्री आदेसुर[3] रौ छै। थान १ श्री देवीजी रो छै। चावड बुरज छै, तठै देवीजी री मूरत छै। नाळ ३ कोट माहे कदीम छै। नाळा[4] सषरी छै। जत्र १ भाटीया रौ बणायो छै। कोट दोळू पाही छै[13], पक्की गज ४ ऊंडी। गज ५ रै पन्है छै[14]। पाषती बावड़ो २ छै, कोट बारै। तिण सु भरण तेतो[5] भरै।

---

१. कल्यांण। २ गज ५ रै। ३ आदीसर। ४. नाळ। ५, मते।

---

1. फिर और ऊंचा करवाया। 2 दीवार की चौड़ाई। 3. पीछे की ओर। 4. चोकीदार रखने चाहिए। 5 छोटा महल बना हुआ है। 6 महाराजा जसवतसिहजी के अधिकार मे आने के बाद। 7. चौडा। 8 लम्बाई चौडाई मे एकसा। 9 घुडशाल। 10. कुछ खारा। 11 प्रयोग मे नही आती। 12. गाव के लोग। 13. किले के चारो ओर खाई है। 14. चौड़ाई मे भी ५ गज है।

२०. सैहर पोकरण री बसती रो उनमांन—

३१० महाजनां रा घर—

३० ओसवाळां रा

२८० महेसरीयां रा

३१०

५० करसा रा[1]—

२० सजो' ३० माळी

५०

१० दरजीयां रा

१० मोचीयां रा

४ कुभांरां रा

१२ तेरवां रा

३० तुरक सिपाई

१० ढेढां रा

४ जोगी रा

५० बांभण पोकरणा डोळीया[2]

३० भोजग डोहळीया

३ षातीयां रा

७ सुनारां रा

३ नाईयां रा

१० छीपा षत्री रगारा[3]

३ पीजारा

३ कोटवाळ तुरक

१. सुजी ।

२ जागरी
४ सरगरा
२ डूब[1]

५५७

२१. सहर मांहे देहरा देवस्थान छै--

३ सिषरबध देहरा[2]--

१ देहरो श्री चतरभुजरायजी रौ, बाजार मांहे कोट था नजीक, दिषण नु पांवडा १०, राव बरजांग पौकरणा रौ करायौ।

१ देहरो श्री सूरजजी रौ, सिषरबध, चतरभुजजी रा देहरा कनै नजीक ग्रड़तौ हीज[3], सा० जैता राऊ रौ[1] करायौ।

१ देहरो देवी श्री षीवजजो रौ, सिषरबध। सहर सु कोस ०॥ दिषण नुं, कदीम। सहर माडीयो तरै छै[4]। पछै वळे महाजने महेसरीया भूतड़े फेर संवरायौ छै[5]।

३

१ देहरो १ माहादेवजी रौ, कोठौ त्रीवाय ऊपर कुंड छै।

१ रांमदेजी रौ थांन, कोट मैं पैसता[6] जीवणी तरफ[7] कोठौ छै, कदीम थांन छै।

१ वाळनाथजी[2] रौ थान, गांव बारै धू में पांवडा १५।

२२. तळाव पोकरण सहर इतरा छै, तिणां री विगत---

१ डूगरसर-सहर था कोस १ ऊतर नु। सा० मुरार राठो रौ करायौ। भाषर रै पुड़ै[8]। पांणी बरसोदीयो रहै।

---

१ राठौ साह जैता रो। २ वालोनाथ जी।

---

1. ढोलो। 2 वे मन्दिर जिन पर शिखर है। 3. बिलकुल सटा हुआ। 4. जब से शहर की स्थापना हुई तभी से है। 5. मरम्मत आदि करवाई। 6. किले मे प्रवेश करते समय। 7 दाईं ओर। 8 पहाड के नीचे हो।

१ नरासर-रा० नरा सूजावत री करायी । सातळमेर कनै, गाव था कोस १॥ ईसांन माहे । आगे अठै कुवो थौ तठै गाव थौ, बाग थौ । नरा री छत्री उठै छै[1] । सहलड़ी हुवै । आवा आगै था । पांणी बरसोदीयो रहै ।

१ मैहरळाई-ऊगण नुं कोस ०॥ कुभार म्हैरा री काराई । पांणी मास ८ रहै । ऊपर पीपळ छै ।

१ रूषी री तळाई-सहर सु पावडा ६० दिषण नु । पाणी मास २ रहै । रूषी बिणीयाणी री षणाई । ऊपरलै पाळ रै झाड़ छै[2] ।

१ सुदाताधी[1] री तलाई-गांव था पांवडा १० । पाणी मास ३ । दिषण दिसी ।

१ सघरळाई-सीघां बांभण पोकरणा री षणाई । गाव था कोस० । पांणी मास ७ रहै ।

१ मोषासर-आदु तळाव छै। मास ४ पांणी रहै । पिछम नुं छत्री १ ऊपर सो० नरूरी छै ।

१ रांमदेसर-गांव था पांवडा ४० आथूण नु । रामदे पीर रौ, आदु छै। ऊपर छत्री रामदेजी री पडी छै[3] । पांणी मास ८ रहै। बावड़ी १ रांमदे री कराई, पुरसे ५, घणौ पांणी ।

१ धरणीसर-सातलमेर कन्हे उत्तर नु । नरासर कन्है, पोकरण था कोस १॥ दोढ कोस, माहै पाणी मास ६ रहै। धरणाग रा नु[2] ।

१ लीगासर-[3] बाई लीग[4] राय गोयद री बेटी रौ करायी । कोस ३ ऊगण नु । पाणी मास ८[5] रहै ।

२३. इतरी बावड़ी कसबे छै—

१. सुदा गाधी । २. राठी । ३. लूगासर । ४. बाई लूग ४ । ५ ४ ।

1. नरा का स्मारक छतरी के रूप मे है । 2. पाज पर झाड़ी है । 3 रामदेवजी की

१ कुंभारवाय–बंधवी, पांणी घणौ । ऊपर अरट २ बहै। गेहूं मण ३५ बीज बहै[1] दरजी करसा करै । ऊगवण नु ।

१ मोहणवाय–पाणी चोढो[2] उपर अरट १, गेहू मण १४ । माळी करै ।

१ नीबली–पांणी घणौ, ऊपर अरट २ । गेहू मण २४ बहै। माळी करै।

१ सारंगवाय–कुओ, गांव रा लोग पांणी पीवै ।

१ मेहावाय–कुंभार कराई । गेहू मण १० बहै ।

१ वीसवाय–माळी करै । ऊपर अरट, पांणी हाथ १५, थोडौ षारौ । गेहूं मण ८ बहै । जाव[3] घणौ ।

१ मदागण–माळी करै । पांणी मीठौ, घणौ । ऊपर अरट १ हुवै । गेहू मण १० बहै ।

१ भाषरवाय–पाणी थोडो षारो । गेहू मण ४ बहै । जाव घणौ । ऊपर अरट माळी करै ।

१ हीरावाय–पुरसे ६ पांणी घणौ, मीठौ । माळी करै । गेहू मण ८ बहै ।

१ कोहरीयो–पुरस ५ पांणी घणौ, मीठौ । माळी करै । गेहू १२ मण बहै । अरट १ हुवै ।

१ षाडी वाय–पुरसे ५ पाणी मीठौ, घणौ । जाव थोडौ । गेहू मण ५ हुवै । अरट १, माळी करै ।

१ वछेसर–पुरसे ५ पाणी चोढो । गेहू मण ६ बेवै । एके-बीजी बाव रौ पांणी आवै[4] । जाव थोडौ । अरट १ माळी करै ।

---

1. ३५ मन गेहू का बीज बोया जाता है । 2 कम पानी । 3 वह जमीन जिसमे वावडी के पानी से सिचाई करके फसल उगाई जाती है । 4. एक-दूसरी वावडी का पानी आता है ।

१ बाली बावड़ी—पुरसे ४, पाणी घणौ। गेहू मण ५ बहै। अरट १ माळी करै।

१ थडी वाव–पाणी पुरसे ६ घणौं। ऊची मंडी थी सु नीची मांड नै वछेसर रौ जाव पीवै। इण रौ जाव पड़ीयौ छै।

१ सतावाय[1]–करसा दरजी करै। पुरस ६ पांणी घणौ, मीठौ। गेहूं मण १८ बावै।

१ देहाऊवग[2]वाय– गांव रा लोक पीवै। पांणी पुरस ४ मीठौ, घणौ ऊपर गेहू अरट, गेहू मण १२ बहै। माळी करै।

१ षांषो री बाव–माळी करै। गेहू मण ५बहै।

१ मोषासर-नीचे पाणी पुरस ४ धणौ। गेहू मण ५ बहै।

१ कोट माहे कुवौ १–प्रौळ कनै पायगा आगै। पाणी घणौ मोटौ पुरस ८।

१ बावड़ी १–पुरस ६ पांणी मोटौ। अवावर पडी छै। पाणी घणौ।

२०

२४. सासण बावड़िया—

१ भलवाय–पाणी घणौ, पुरस ८ मीठौ। ऊपर अरट १ गेहूं मण १२ बहै। जाव घणौ। व्यास भोपतजी नु माहाराजा श्री जसवत सिंघ रौ दत्त।

१ बावड़ी १–श्री चतरभुजजी रै देहूरै सांसण। भोजग करै। पाणी थोड़ौ, पुरस ८। गेहूं मण ८ बावै। अरट करै। आदू दत्त छै[T]।

१ बावड़ी १–बाभण सीघां पोकरणा नु। पुरस ७ पाणी घणौ,

१. घठीवाय। २. देहाऊग।

T. प्राचीन काल से ही दान मे दी हुई।

मीठौ। गेहूं मण ८ बावै। ऊपर अरट कदीम। सासण पहली रांमदेजी री दत्त थौ। पछै राणी लीषमी दीध छै[1]।

१ बावड़ी १–जोसी बैकुठ नु राव गोईंद री दत्त। पाणी घणौ पुरस ५ पांच। नदी रै काठै[1]। जाव थोड़ौ। नदो रै काठै गेहू मण ३ बावै मैं हुई। पोतरा[2] जोसी पोकरणा छै।

२ बावडी १–बाळनाथजी रै मासण। जोगी करै, कदीम।

१ सोहाई वाय–पांणी घणौ, गेहू मण ८ बावै।

१ ऊलावाय–पाणी घणौ, गेहूं मण २ बावै।

२

२५. १ नदी १–एक बाहळौ कुभारा री कहीजै। बड़लो – – ल्हीयां उला नगरां रै पाणी आवै दिषण दीसा, तिको कोट नीचै बहै। आगै बहै तिण बाहळै कर नै गांव मांहली बावड़िया पांणी री सेभो छै[2]। पछै बाहळो आगे ऊतरा नै जाय तठै बेत ४ रेलै छै। पाणी रिण माहे जाय तठै लूण हुवै।

१ जोड[3] १–निपट बड़ौ। पोकरण था ऊली कानी। कोस ३ पेली छेह कोस ५ पोकरण था लेनै रूपा री तळाई बांणीयां बांभण रै गाव सुधो[4]। घास सेवण बुरगाठयो हुवै। जैसलमेर रै मारग वाल्हीया गोमट रै पाद्र था पाद्राड़ा सुधो।

पीर रांमदे री थान कोट री पौळ मांहे पैसतां[5] जीमणे कनारे[6]। रामदे पीर पहली पोकरण वासो[7] तरै अठै कोटड़ी कीवी थो, तठै रामदेजी रा पादका[8] छै।

---

१. घरां २० छै। २ मेहू रा पोतरा।

---

1. नदी के किनारे पर। 2 इस नदी के कारण गाव के अन्दर की बावड़ियो मे पृथ्वी-तल से पानी आता है। 3. पडत भूमि जो चरागाह के काम मे आती है। 4. तक। 5 प्रवेश करते समय। 6 दायें किनारे पर। 7. बसाई। 8. पादुका, पैरो के चिन्ह अंकित किये हुए।

१ तीरथ १—त्रीवाय कुड, श्री वालनाथ जोगी रै थान कनारे, बधावा छै ।

२६. पोकरण कसबै री धरती री हकीकत—

बरसाळी षेत निपट अवल[1], जवार, बाजरी, मूग, मोठ, तिल, कपास सारा धान सषरा[2] हुवै । षेत धोरां लग नाडीयां रूष[3] छै । एक वार भरीजै तौ कै जुवार कै गेहू घणं षेता हुवै ।

उनाळी बावड़ी २० तो सषरी छै । गेहू मण ५०० पीयल री ठौड़[4] । सेवज गेहू पिण घणा हुवै, घणा मेहा । भला षेत छै ।

परगने माहे इतरा गांवां सेंवज गेहू हासलीक गावां हुवै, ऊनव[5]—

१ धुहडसर   १ देपालसर[1]   १ लोहा रौ षेत[2]

१ काढण   १ तलसर, कसबा रा षेत १००, मण २००० ।

२७. परगना माहे इतरा रिणे[6] लूण षारी हुवै—

१ पोकरण जोधपुर रै मारग दिसा ।

१ दाता सुई १ लोहमे ।

१ धुहड़सर ।

१ आवणसे सेंवज ।

---

२८. परगने पोकरण रा गांवां रौ मेळ—

---

१. वडसी रौ (अधिक) । २ लोहबा रौ खेत ।

---

1 प्रति श्रेष्ठ । 2. अच्छे । 3. वृक्ष । 4. जहा ५०० मन गेहू के बीज को पानी [illegible]

जुमले	बसता	सूना	आसामी
४०	२८	१२	हासलीक गाव—

९ पलीवाळ बाभण बसै

१ वड़ली	१ वणीया
१ चाचा	१ पाच(प)दरो
१ कालां	१ भीवा भोजा
१ माहव	१ लोहमो
१ धुहड़सर	

९

५ पलीवाळ नै रजपूत भेळा, जुदै वास बसै[1]।

१ ढूढ	१ बांभणू
१ माढलो	१ चादसमो
१ जसवतपुरो	

५

१ कसबै माहाजन सारी तीस पवन जात बसै।

१ षारो बीसनोयां रो

८ रजपूतां रा बसी रा गाव—

१ झालारीयो
१ ऊधरास पेथड़ा रो
१ छाहणी पडीहारां री
१ राहड़ां रो गांव भाटी
१ केलावो भाटी

---

1. अलग-अलग बस्तियों में बसते हैं।

१ जैसिघ रै गांव राठौड़
१ एक भाटीया रौ गाव
१ बील्हीयो

८

२ मुसलमाना रा–
१ गोमट १ गाजण री सरेह

२

---

२८ बसता छै।

१२ सूना छै–
१ वडलो रौ बास
१ झालरीया रौ बास
१ सरवण री सरेह
१ राहोपो
१ बरडाणो
१ दूधीयो
१ नेहडी ः
ढढ री
ळत।

७ बसता ४ सूना।

११

१५

३०	१४	१६	पोकरणा राठोड़

१ साकड़ो
१ लूणो
१ चोक
१ सीनावड़ो
१ झालामलीयो
१ गुड़ो
१ बाभण
१ माडीयो
१ बहडो
१ चादणी
१ ग्रावणीयो
१ पद्राडो
१ भुणीयाणो
१ जालोवाड़ो

१४

१६ सूना–

१ गोडगड़ी
१ बघेवो
१ षीवलाणो
१ झेरवड़ो
१ झाबरो
१ गुड़ो
१ दूधीयो
१ गोगटो
१ मीठड़ीयो
१ देघड़ो
१ कुसमलो
१ सीनावड़ीयो
१ झालाड़ो
१ दातल
१ रातड़ीयो
१ कासड़ो

१६

३०

८५	५२	३३	गाव २ जैसलमेर रै हेठै दबीया[1] नै एक टोटो १, एक कोटड़ा हेठै, आरग।

1. जैसलमेर की सीमा के अन्तर्गत दवा लिये गये।

१ जैसिघ रै गांव राठौड़
१ एक भाटीया रौ गाव
१ बील्हीयो

८

२ मुसलमाना रा–
१ गोमट १ गाजण री सरेह

२

२८ बसता छै ।

१२ सूना छै–
१ वडलो रौ बास
१ झालरोया रौ बास
१ सरवण री सरेह
१ राहोपो
१ बरडाणो
१ दूधीयो
१ नेहडी नडी री सरेह
१ ढढ री सरेह
१ गळता री सरेह
१ षेतपाळीयां री सरेह
१ सोढां री सरेह
१ भोपी री सरेह

१२

४०

१५ १० ५ सासण
३ पिंडत १ बांभणा, सूनौ ।
११ चारण

७ वसता ४ सूना।

११

१५

३०	१४	१६	पोकरणा राठौड़

१ साकडो
१ लूणो
१ चोक
१ सीनावड़ो
१ भालामलीयो
१ गुड़ो
१ बाभण
१ माडीयो
१ वहडो
१ चादणी
१ आवणीयो
१ पद्राड़ो
१ भुणीयाणो
१ जालीवाड़ो

१४

१६ सूना–

१ गोडगडो
१ वघेवो
१ षीवलाणो
१ भेरवड़ो
१ भाबरो
१ गुड़ो
१ दूधीयो
१ गोगटो
१ मीठड़ीयो
१ देधड़ो
१ कुसमलो
१ सीनावड़ीयो
१ भालाड़ो
१ दातल
१ रातड़ीयो
१ कासड़ो

१६

३०

८५	५२	३३	गाव २ जैसलमेर रै हेठै दबीया[1] नै एक टोटो १, एक कोटड़ा हेठै, आरग।

1 जैसलमेर की सीमा के अन्तर्गत दबा लिये गये।

२९. पोकरण था इतरा कोसा[1] श्रेह सहर गांव छै—

४० जोधपुर	३५ जैसलमेर	३३[1] कोढणो
१०० देरावर	१६ फळोधी	३५ महेवो
१६ फळसूंठ	१६ सेतरावो[2]	६० नागोर
५० नहवर	५५ बाहडमेर	३६ कोटडो
४३ वीसालो	५५ बीकानेर	१८ बाय
३४ वीकमपुर		

३०. परगने पोकरण रै परगना सु बीजा गावां री कांकड़[2] लागै।

जैसलमेर रा गांवां सु पोकरण रा गावा री सीव लागै—

वरडांणो

ऐढो २ टोटी ३ लाठी ३ भाद्रवो २

षुहडी मदासर भेसडो

सनावड़ो मदासर नडांणो धाईसर[3]

जालीवडा सु—

श्रोलो[4] वंणाड़ी

षीवलाणो भैसड़ो वणाड़ो[5]

काला बांभणा रै— ऐढो

दुधीयो श्रतरगढो

राहड़ री सरेह श्रतरगढो

चांदणी—

लाठी ३ भाद्रवो ३ धायल २ देसाल ३ षचीहाय २

वधवो श्रसमो वणाडो

१. ३२। २. सेत्रावो। ३ धायसर। ४. ऊलो। ५. बाणाडो।

१ पोकरण से इतने कोसो की दूरी पर। २ सीमा।

साकडो

भेंसडो ४ नेडाणो ३ मदासर २ धायसर

लूणो सु भेंसड़ो

छाहण

बारू ऐटो ३ टेटो २ अतरगढो

वाहळी अतरगढो

पाचदरो लाठी

फळोधी रा गावा सु पोकरण रा गावा काकड लागै—

षारो

वेहगठी ३ सावरीजी ३

हापाली ४ वीटडीया ४

अघासर सावरीज १

मढंलो सावरीज ३

बाभणू कोळु ३ सावरीज १॥

राहडा री सरैह सु बहगठी[1]

जोधपुर रा गावा सु पोकरण रो सीव—

माढलो

देसु ४ ऊठवाळी[2] ३॥

झाबरो

पूगळीयो दासाणीयो फळसूड ऊटवाळीयो

दासोलो फळसूड

साकडीयो कालाऊ

चादसमो

ऊठवाळीयो २ कलाऊ ३ बुड़कोयो १

---

१. वेंहगटी। २. ऊठवाळीयो।

रातड़ीया

कालाऊ	पूगळीयो	फळसूड	दासाणीयो

गोडगड़ो फळसूड

पादरडो कलाऊ।

३१. परगने पोकरण हासल ऊपनो[1] तिण री कुल ठीक—

जुमलै रु०	गावा री हासळ	मेळो रामदे रो	सासण रा गाव	आसामो
१३५३४)	६५६२)[१]	३६६५)	२७८)	संमत १७११
१२२३१)	८६६०)[२]	२६६०)[३]	३३०)	,, १७१२
१३४५७)	८५८३)	४५४४)	४३०)	,, १७१३
१५८६१)	१०४७५)	३६८१)	४३५)	,, १७१४
६२१६)	३६६०)	२०६१)	१३८)	,, १७१५
१३८६१)[४]	७३४५७)[५]	५८११)	६६०)	,, १७१६
१५६६८)	११४६४)	३६३२)	५७२)	,, १७१७
२०४२६)	१६१६७)	३७०२)	५३०)	,, १७१८
१०३३०)	७८८०)	१७०२)	४४८)	,, १७१६
४०००)	०	०	०	,, १७२०

३२. परगने पोकरण माहाराजा श्री जसवतसिंघजी लीवी तठा पछैलो[2] हासल ऊपनो तिण री जमै-बधी री ठीक—

रुपया	आसामी
४३५०)	१७०७ रै बरस
१२३१५)	१७०८ ,,
१४६२८)[६]	१७०६ ,,

१. ६५६१)। २. ८६११)। ३ २६३०)। ४. १३८१६)। ५ ७५१५)। ६. १४६२६)।

1. जमीन को आमदनी सरकार को प्राप्त हुई। 2. उसके बाद का।

६५४५)	१७१० रै वरस
१०५६०)	१७११ ,,
६२४६)	१७१२ ,
११८१२)	१७१३ ,,
१४०६५)	१७१४ ,,
५८८४)	१७१५ ,,

३३. सवत १७०७ काती वदि ५ श्री माहाराजाजी री आंण फरीयाद छै[1]।

मुहणोत नैणसी जेमलोत मगसर वद १ दिन ४०।

भा० रामचद रायचदोत।

मु० सुदरदास जैमलोत समत १७०८ मगसर मे, १७०६ चैत मे छुटी।

मु० हरचद नु समत १७१० रा सावण मे हुई।

समत १७१५ फागण सुद १३ रा सबळसिघ।

३४. परगने दसतूर अमल लागै–

मापो विसवे कसबे लागै।

वोपारी[2] बार था बसत आंणै[3] तिण नु सेरीणो मण धान घीरत रुत सिगळी बसत लागै। नै बीछाहीत नु दाण ने बिकरी लागै।

३५. मेळो श्री रामदेजी रै देहूरै वरस एक माहे वार दो हुवै[4]–

१ भादवी १ माही

1. जसवतसिहजी के अधिकार की रस्म पूरी हो चुकी। 2. व्यापारी। 3. राज्य के बाहर से वस्तुऐ लाते हैं। 4 एक वर्ष मे दो बार मेला लगता है।

रुपिया	आसामी		रुपिया	आसामी	
१२९८)	संमत	१७०७	३९८१)	समत	१७१४
४२१९)	"	१७०८	२०९४)	"	१७१५
६५५१)	"	१७०९	५८११)	"	१७१६
३४११)	"	१७१०	१६३०)	"	१७१७
३६६५)	"	१७११	३७०२)	"	१७१८
२९९१)	"	१७१२	१७०१)	"	१७१९
४५४१)	"	१७१३	१२२)	"	१७२०

३६. परगने पोकरण माहे राठौड जगमाल मालावत रा पोतरा भोमीया छै। सु गांव भुणोयाणे जालीवाड़े वासै मोजा चरा[1] घणा ही हरा षाई छै। षणी-सो चाकरी ही काई करै नी[1]। पईसा पिण के दिन छै[2] उण माहे। आज लाईक पोकरणा देवराज रा बेटा मालौ परबत रूड़ा रजपूत छै[2]। जालीड़ो पाधर[3] मै बसै छै। भुणीयांणो कवरो बसै छै। सारा पोकरणा असवार १००, पाळा ४०० रो जोड़ छै। श्री माहाराजाजो रै तो अमल माहे इणां नु सभ्री तिसडो कदे नही पोहतो[4]। रावळ मनोहरदास एकरसी[5] घणा पोकरणा मारीया हुता नै माला परबत नै पकड बंदीषांनै दीया हुता। पोकरणा सारै देस रा ऊजाडे छै[6]।

३७. परगने पोकरण रो अमल दसतूर—

मापो बिसवे कसबे लागै,

१ चपा। २. करे न उं।

1. राज को विशेष नौकरी भी नहीं देते। 2. अच्छे काम आने वाले राजपूत हैं। 3. मैदान। 4 वैसी लाभदायक और कभी नहीं हुई। 5. एक बार। 6.

बोपारी बार था वसत आणे[1] तिण नु ।

पोकरण रा माहाजन देस माहली[2] बसत घीरत तेल रुत कपास धान तिल सिगळी वसत मण ऽ१ सेर १ रावळे लागै ।

बीजा बापारी[3] बीछाईत वसत आणे तिण नु मण १ सेर १ लागै ।

परदेस था बापारी वसत लावै तिण नु ।

पोकरण रा माहाजन लावै तिण नु दाण लागै ।

बिछाईत वसत लावै तिण नु दाण विसवो बेहू[4] लागै ।

विगत--

कपड़ो मण १ तोल २० रै दुगाणी ८ लागै ।

॥ दांण ॥ विसवो

रेसमी बाब रेसमी कपडो रेसम मण १ फदीया १० विसवे सुधा लागै ।

दांत मण १ पीरोजी ४ दुगाणी ०॥ लागै ।

गुजरात री वसत दात, रेसम, कसतूरी, कपूर और ही वसत मोती बीग लैवे तिण नु मण १ पीरोज १॥ दुगाणी ०॥ लागै ।

ताबो, कांसी, पीतळ, जसद, सोसो, कथीर, गरी, नाळेर, मिरच, पीपळ, मजीठ, हीग, सुषड़ो, तेल, मिसरी, गुळी, इतरा वसते[5] दुगाणी ८ मण १ लागै ।

षाड, सूत, सूठ, पोपळामूळ, घीरत मण १ दुगाणो ६॥ लागै ।

गुळ, तेल, रुत, लोह, लाष, मण १ दुगाणी ५॥ लागै ।

जीरो, अजवो, सोवा, धाणा, बिराळी, हळद मण १ दुगाणी ३॥ लागै ।

---

1. व्यापारी लोग जो मारवाड के बाहर से वस्तुए लाते हैं । 2. मारवाड के अन्दर की । 3. दूसरे व्यापारी । 4 दोनों । 5. इतनी वस्तुओं पर ।

मेथी, राई सरसू, अळसी, तिल, मूज, साजी, इणां दुगाणी ६।। लागै। मुठ' दुगाणी लागै।

कबाड़ै, डोडा, कुबड़ा वीसो हेक वीसी लागै।

इतरौ कसबै लागै—

व्याज बिवणौ हुवै[1] तिण मे हेसो ८ लागै।

माल—

महाजनां नु घर १ दीठ दुगाणी १७ लागै।

१२ होळी दीवाळी री, ५ राषडी री।

१७

बोजौ घर दीठ वळे देषलै।

करसां नु घर दीठ जिसड़ो देषै तिसड़ौ लै[2]।

---

३८. १ षेतां रौ भोग[3], हेंसो—

बांणीया महाजनां नु हेंसो ४।। तथा ५ नै लार मण १ सेर ६। लागै, सांवणू साष मे।

करसां नु हेसो ४ तथा ४।। लार मण १ सेर ७।।, सावणू साष।

तरकारी, तंबाषू, कादा, जिकूं हुवै सु चोथौ वांटौ हेसो बाट री लेवै।

रजपूतां सु मुकातौ हळ १ रु० ३) तथा ३।। (दे) छै।

ऊनाळी साष—

---

१. पूण।

कसबै री बावडीयां रो हेसो ३ माड लें ।

बीजो सेवज गेहू जव चिणा सावणू धांन रो रीत लाट लें ।

---

३६. परगने पोकरण रै गांवां री विगत—

१ कसबो पोकरण ५०००)

जोधपुर था कोस ४० पिछम नुं वायव मांहे । महाजन माळी दूजी छत्तीस पवन वसै[1] । बरसाळी वडो गाव । ऊनाळी वावडीया २० । पीयल सेंवज माहे घणो हुवै । रुपीया १००००) ऊपजतां री (ठौड़ ।

३ बडली ६००)

पोकरण था कोस २ दिपण माहे ।

१ बड़ली पीथलां री

षेड़ौ पाधरी ठौड[2] । पलीवाळ वांभण घर ४० वसै । बरसाळी षेत सषरा । ऊनाळी ऊनव २—देपालसर, षीवसर । दुनू बडली रै षेडै । गेहूं मण २०० भोग, १४० देपालसर रा, ६० षीवसर रा । धोराबध षेत ५ तथा ७ । गेहू हुवै । वाकनेरे[1] पीवे ।

१ बडली माडा री

पलीवाळ २० बसै । बरसाळी षेत सपरा । ऊनाळी उनव देपालसर षीवसर तळाव भेळा, पांणी मास ६ रहै । पछे वाकनेर बेरा ७ छै तठै पीवै ।

१ वडली डूगरां रीं

तळाव कुवो को नही । बरसाळी षेत सषरा । षेत ५ तथा ७

---

१ वाकनेरी ।

---

1. ३६ ही जाति के लोग बसते हैं । 2. गांव मैदान मे बसा हुआ है ।

भरै तौ सेवज हुवै । पेडो वासा सूनो । बाभण डूगर रा बेटा पोता रा मांडा री बडली माहे रहै छै, सु पडे[1] ।

३

१ बाणीया १०००)

बाभरणा रो गांव । पोकरण था कोस ६ पछम नु । धरतो हळवा १०० । पलीवाळ घर ४० बसै । बरसाळो षेत सषरा । ऊनाळी ऊनव १ काढणा[1] रो । गेहूं मरण १०० बहै । तळाई १ बाभण रूपा री षणाई[2] । कुवा २ बधवा, जोड करडीयां कन्है । पाणी पुरस २० षारो ।

१ चांच[3] ५०)

बांभणां रो गांव । कसबा था कोस ६ रीतहड । हळवा धरती ४० । रु० ३००) ऊपजतां री ठोड । पलीवाळ बाभण घर ३० बसै । तळाव १ सोलोत[4] री गांव था कोस ०। पाणी मास ४ रहै । कुवो १ करड़ीयो[5] पोकरण जोड रै काकड, पुरस १७, पाणो षारो । बरसाळो षेत सषरा । ऊनाळी षेत ५ तथा ७ । घणं मेहे[3] गेहू हुवै ।

१ पचपदरो १५००)

पोकरण था कोस ९ आथूण नु[3] । धरती हळवा १५० । रुपोया ७००) तथा ८००) सातसै तथा आठसै ऊपजै । पलीवाळ बांभण मुधा रा घर ५० तथा ६० । षेत सषरा ऊनाळी सेवज पीयल कु नही[4] । नाडी ३ सषरी, पांणी मास ८ रहै । कुवो १ कडीयो पुरसे १७[5], पाणी षारो ।

---

१. काढण । २. गांव सू कोस ०॥ खरक मे पाणी मास १०. माहे बेरी ४ पेटपांणी (अधिक) । ३. चाचा । ४. सहलोत । ५ कीरोडीयो ।

१ कालां ८००)

बांभणां री गांव। पोकरण था कोस ५ पंचाध मांहे। धरती हळवा ८१, रेष रूपीया ५०० ऊपजतां री ठोड़। पालीवाळ बांमणां रा घर २५ वसै। पेत कवळा काठा सपरा। ऊनाळो ऊनव १ करै। डूगर पांणी आवै[1] तिण था पेत ३० रेलीजै। सेवज गेहूं हुवै। तळाव २ बांभण भांभण काना री, मास ८ पाणी रहै। ऊपर छत्रीयां २ छै। कोहर १ पद्रौड़ो कौस २ ऊगवण मे, पुरसे १५, भळभळो-सो।

१ भींवा ४००)[1]

भोजा बामणा री। कसवा था कोस ३ पचाध मैं। रुपीया ३०० तथा ४०० री ऊपजता री[2]। पलीवाळा रा घर १० वसै। वरसाळो षेत सपरा। ऊनाळी, ऊना सेवज नही। कुवो १ पाद्रोड़ो पुरस १५, पांणी मीठो।

१ गाव माहवा[2] ६००)

बांभणां री गाव। पोकरण था कोस ४ ऊतर मैं। ५००) ऊपजतां री (ठौड) पलीवाळ बाभणा रा घर ४५। धरतो हळवा ६०। षेत निपट सषरा ऊनाळी ऊनव १ काढण था कोस ०।। घणा मेहां रेल आवै[3], तरै षेत ३० रेलीजै, तरै गेहू हुवै। तळाव १ बाहळे[3] नै हरषा री तळाई। मास ८ पाणी रहै। कोहर १ पाद्रोडो, दिषण माहे, कोस १, पांणी भळभळो।

१ सोहवौ[4] २५००)

बाभणां रा। पोकरण था कोस ४ ऊगोण मैं। बडो गांव, रुपीया १५००) तथा २०००) ऊपजता रो। षेत निपट बडा, धोराबध। सावणू जुवार बाजरी मूग तिल कपास धांन सारा हुवै। ऊनाळी षेत

---

१ २००)। २. माहावां। ३. वाहलो। ४ लोहवो।

---

1 पहाड से वर्षा का पानी बह कर आता है। 2 पैदावार का। 3. वर्षा का पानी बह कर आता है।

भरै तो सेवज हुवै । पेडो वांसा सूनो । वाभण टूगर रा वेटा पोता रा माडा री वड़ली माहे रहै छै, सु पड़ै[1] ।

३

१ वाणीया १०००)

वाभणा री गाव । पोकरण था कोस ६ पछम नु । धरती हळवा १०० । पलीवाळ घर ४० वसै । वरसाळी पेत सपरा । ऊनाळी ऊनव १ काढणा[1] री । गेहूं मण १०० वहै । तळाई १ वाभण रूपा री पणाई[2] । कुवा २ वधवा, जोड करडीया कन्है । पाणी पुरस २० षारी ।

१ चाच[3] ५०)

वाभणा री गांव । कसबा था कोस ६ रीतहड । हळवा धरती ४० । रु० ३००) ऊपजतां री ठौड । पलीवाळ वाभण घर ३० वसै । तळाव १ सोलोत[4] री गाव था कोस ०। पाणी मास ४ रहै । कुवो १ करडीयो[5] पोकरण जोड रै कांकड, पुरस १७, पाणो षारो । वरसाळो षेत सषरा । ऊनाळी पेत ५ तथा ७ । घणै मेहे[2] गेहू हुवै ।

१ पचपदरो १५००)

पोकरण था कोस ६ आथूण नु[3] । धरती हळवा १५० । रुपोया ७००) तथा ८००) सातसै तथा आठसै ऊपजै । पलीवाळ वाभण मुधा रा घर ५० तथा ६० । षेत सषरा ऊनाळी सेवज पीयल कु नही[4] । नाडी ३ सषरी, पांणी मास ८ रहै । कुवो १ कडीयो पुरसे १७[5], पाणी षारी ।

१. फाढण । २. गांव सू कोस ०।। खरक मे पाणी मास १० माहे वेरी ४ पेटपाणी (अधिक) । ३. चाचा । ४. सहलोत । ५ फीरीडीयो ।

१ कालां ८००)

बांभणां रो गांव । पोकरण था कोस ५ पचाव मांहे । धरती हळवा ८१, रेष रूपीया ५०० ऊपजतां री ठोड़ । पालीवाळ बांमणां रा घर २५ वसै । पेत कवळा काठा सपरा । ऊनाळी ऊनव १ करै । डूगर पाणी आवै[1] तिण था पेत ३० रेलीजै । सेवज गेहूं हुवै । तळाव २ बाभण झांझण काना रो, मास ८ पाणी रहै । ऊपर छत्रीयां २ छै । कोहर १ पद्रोड़ो कोस २ ऊगवण मे, पुरसे १५, भळभळो-सो ।

१ भीवा ४००)[1]

भोजा बांमणा रो । कसवा था कोस ३ पचाध मैं । रुपीया ३०० तथा ४०० री ऊपजती रो[2] । पलीवाळा रा घर १० वसै । वरसाळी षेत सबरा । ऊनाळी, ऊना सेवज नही । कुवो १ पाद्रोड़ो पुरस १५, पांणी मीठो ।

१ गाव माहवां[2] ६००)

बांभणां रो गाव । पोकरण था कोस ४ ऊतर मै । ५००) ऊपजता री (ठोड) पलीवाळ वाभणा रा घर ४५ । धरती हळवा ६० । पेत निपट सबरा ऊनाळी ऊनव १ काढण था कोस ०। । घणा मेहां रेल आवै[3], तरै पेत ३० रेलीजै, तरै गेहू हुवै । तळाव १ वाहळे[3] नै हरषा री तळाई । मास ८ पाणी रहै । कोहर १ पाद्रोड़ो, दिषण माहे, कोस १, पांणी भळभळो ।

१ सोहवो[4] २५००)

बाभणां रा । पोकरण था कोस ४ ऊगोण मैं । बडो गांव, रुपीया १५००) तथा २०००) ऊपजतां रो । षेत निपट बडा, धोराबध । सांवणू जुवार बाजरी मूग तिल कपास धांन सारा हुवै । ऊनाळी षेत

१ २००) । २ मोहावां । ३. वाहलो । ४. लोहवो ।

1 पहाड से वर्षा का पानी बह कर आता है । 2 पैदावार का । 3 वर्षा का पानी बह कर आता है ।

रेलीजै । गांव ना ऊतर नुं भाषर छै, तिण रा पाणी सुं षेत रेलीजै तरै सिगळी सीव में[1] षेत ५० तथा ६० गेहूं हुवै । तळाव १ जवणकां[1] गाव नजीक, पांणी बरसोदीयो रहै । ऊपर गुमट[2] सामी सूरजनाथ रो छै । बावडी २ दोय बधवी छै पगवाय । पाणी घणों मीठो ।

२ वास २—पलीवाळ बांभणा रा भेळा हीज वसै[3] ।

१ पलीवाळ डूगरे री बास । घर ५० बांभणां रा ।

१ बास १ पलीवाळ गागा रो । घर ५० बांभणा रा, घर १५ २०[2] बीजा लोक ।

२

२ वास २—लोहवा री सीव में जुदा बसै ।

१ आसायचां री बास

लोहवा था कोस २, ऊगोरण थकां जीवणे । तळाई पेसरी रा षेत कहीजै । तिण ऊपर घर १५ तथा १६ बसै । षेत हळवा २० सषरा, षेत काठा मगरा । हळ १ रु० ३।।) मुकाते दै[4] । तळाई पेसरी रा मास ८ पाणी रहै । पछै लोहवा री बावड़ी पीवै ।

१ देढोया री वास

लोहवा था कोस २ ऊगण नु । तळाई सवणधी[3] ऊपर घर १४ तथा १५ बसै । धरती हळवा २० तथा २५ । षेत सषरा । हळ १ रु० ३।।) मुकाते रा दै । तळाई सवणधी पाणी मास ८ रहै । पछै लोहा री बावडी पाणी पीवै । देढोया राठौड ।

२

४

१. जवणकी । २. १६) । ३ सेवाणधी ।

1 पूरी सीमा में । 2 गुंबजदार स्मारक । 3. शामिल ही बसते हैं । 4. एक हल जमीन पर ३।।) का लगान देते हैं ।

१ घुहडसर ४००)

पोकरण था कोस ४ ऊगोण था जीवणे। धरती हळवा ३०। रु० ६००) ऊपजतां री ठीड। धूहड़सर ऊना री नवौ थौ। पेत झालरीया री सीव मे घुहडसर री सरेह थी। तिण ऊपर पलीवाळ घर ३० वसोया। बरसाळू षेत सषरा। ऊनाळी षडीण घुहड भरीजै तौ गेहू सेवज हुवै। बीजू वडा पेत ऊना री तळाई २-जाझण री नै नाथै री। मास २ पाणी रहै। पछै पोकरण रै कोहर रावडा पीवै। षेत हळवा ७[1]।

२ झालरीयो

वास ६, तिण मे वास ३ सासण छै। नै वास ३ बीजा छै। झालरीयो पोकरण था कोस ५। ऊगोण दिसी। रेप रुपीया १०५०) ऊपजतां री। सीव घणी हळवा —। पेत मगरा थळी रा अजायब। पडीण हळवा २० थौ, तिको धूहडसर रा बाभण षडता। तळाव नही। कोहर २ पाणी थोडौ। वास ३ छै तामे वास १ वसै। रा० रायमल जसवतोत नरावत रा बेटा वसै।

१ वडोवास, रजपूत बसै। घर ३० तथा ३५।

२ वास कालरां री, नै पालरा[2] रौ, हिमे सुनो छै।

३

१ ढंढुवास ७००)

पोकरण थी कोस ७ ऊगोण मे। आदू गाव पेथड री। रुपीया ७००) तथा ८००) ऊपजता री ठीड। षेत सषरा, धरती हळवा ३०० तथा ४०० जंगळ पड़ीयौ छै। तळाव १ घावला री गाव था कोस ०॥, मास ४ पाणी रहै। कुवौ १ सागरी पुरस २० पाणी घणौ, मीठौ। वास ५ वसै। षेत सीव कोहर सोह भेळा[1]।

---

१ ६०। २ पालतां।

---

1. सभी शामिल हैं।

१ वास १—पलीवाळ बांभण जगीया सीवराज[१] था रावळ मनोहरदास री बाहर मे बसीया। घर ४०, रेष रु० ७००)।

१ वास १—पेथड अचळा पीधानोत[२] रौ, घर १२ बसै। सेउडो[३] १ चढीयां पोकरण चाकरी करै।

१ वास १—भाटी किसना रौ, घर १०। रा० भगवांन लिषमीदास रा नुं। पछै[४] चाकरी करै।

१ वास १—भाटी रांमसिंघ वीरमोत, घर १५। ऊंट १ चढीयौ पोकरण चाकरी करै।

१ वास १—पेथड रिडमल रौ, घर ८। ऊंट १ चढीयौ चाकरी करै।

५

१ ऊधरासर[५] १०००)

वास ५ पहली था। हिमें वास २ बसै छै। कदीम पेथडां रा गांव। पोकरण था कोस ५ ऊगोण नु। धरती हळवा २००। षेत कंवळा थळ रा। रुपीया ४००) तथा ५००) ऊपजतां री ठौड़। सीव घणी। तळाई ५ राजू री कहीजै नै भेळी हीज छै। मास ५ पाणी रहै। कोहर १ पुरस २५, पाणी मीठौ, घणौ। वासां री विगत—वास २ बसै छै। पहली वास ५ था।

१ वास ४ पेथड़ नुं ५००)

पटै दिया तरै आगला षेड़ा सूना करे नै सगळा एकहीज वास कीया[1], भेळा ही रहा। घर ७० रजपूतां रा छै। असवार ४ पोकरण चाकरी करै।

१ जगीयावास। २. पीया नेता। ३. ऊंट। ४ पटै। ५. ऊधरास।

1. सब मिला कर एक ही वस्ती बसा दी।

१ पेथड़ भलो नाथा रौ।

१ हेमराज करमणद रौ।

१ हरदास कांलाणो।

१ पेथड़ जीवौ अचळा रौ।

४

१ वास सीहड भाटी जीवा नै पटै। घर २० जसवंतपुरी कहीजै[1]। असवार १ चाकरी करै। रेष रुपीया ५००)।

५

१ षारौवास ४ १०००)

पोकरण था कोस ८ ईसांण मांहे। धरती हळवा २००। षेत रुड़ा[2] थळ रा, बाजरी मोठ। ऊनाळी सेंवज नही। तळाव १ मास ८ पांणी रहै। आदू छै[3]। ऊपरां छत्री छै। कुवो १ पुरस ३२, पांणी षारौ।

वास ४ री वीगत–वास २ बसै। २ वास सूना।

१ बिसनोयां री वास– घर ३० कदीम। राव नरा री वासी[4] छै। के रावळ भीव री वार में[5] षरगा[1] था आया। षेत सषरा। धरती हळवा ५०।

१ सातलमेरीयां री वास– वडो वास नजीक। रजपूत घर ४०। बसी रा० केसवदास जोगीदासोत नै देईदास नराणदासोत नुं पटै। भोग म० ३०० री ठौड़।

१ प्रो० षीमा री सरेह– वास घणौ कदे नही। लिखमा[2] री बेटौ

१. षरांगा। २. पेता।

1 जसवतपुरा के नाम से पुकारते है। 2 अच्छे, चपजाऊ। 3 प्राचीन है। 4. बसाई हुई। 5. समय मे।

१ वास १—पलीवाळ बांभण जगोया सोवराज[1] था रावळ मनो-हरदास री बाहर मे बसोया। घर ४०, रेप रु० ७००)।

१ वास १—पेथड अचळा पीथानोत[2] रो, घर १२ बसै। सेउडो[3] १ चढीयां पोकरण चाकरी करै।

१ वास १—भाटी किसना री, घर १०। रा० भगवांन लिखमीदास रा नु। पछै[4] चाकरी करै।

१ वास १—भाटी रांमसिघ वोरमोत, घर १५। ऊंट १ चढीयौ पोकरण चाकरी करै।

१ वास १—पेथड़ रिडमल री, घर ८। ऊंट १ चढीयौ चाकरी करै।

५

१ ऊधरासर[5] १०००)

वास ५ पहली था। हिमें वास २ बसै छै। कदीम पेथडां रा गांव। पोकरण था कोस ५ ऊगोण नु। धरती हळवा २००। षेत कंवळा थळ रा। रुपीया ४००) तथा ५००) ऊपजतां री ठोड़। सीव घणी। तळाई ५ राजू री कहीजै नै भेळी होज छै। मास ५ पांणी रहै। कोहर १ पुरस २५, पाणी मीठो, घणो। वासां री विगत—वास २ बसै छै। पहलो वास ५ था।

१ वास ४ पेथड़ नुं ५००)

पटै दिया तरै आगला षेड़ा सूना करे नै सगळा एकहीज वास कीया[1], भेळा ही रहा। घर ७० रजपूतां रा छै। असवार ४ पोकरण चाकरी करै।

१. जगीयावास। २. पीथा नेता। ३. ऊंट। ४. पटै। ५ ऊधरास।

1 सब मिला कर एक ही वस्ती बसा दी।

१ पेथड भलो नाथा री ।

१ हेमराज करमणद री ।

१ हरदास कांलाणो ।

१ पेथड जीवो अचळा री ।

४

१ वास सीहड भाटो जीवा नै पटै । घर २० जसवंतपुरो कहीजै[1] । असवार १ चाकरी करै । रेप रुपीया ५००) ।

५

१ षारोवास ४ १०००)

पोकरण था कोस ८ ईसांण मांहे । धरती हळवा २०० । षेत रुड़ा[2] थळ रा, बाजरी मोठ । ऊनाळी सेंवज नहीं । तळाव १ मास ८ पांणी रहै । आदू छै[3] । ऊपरां छत्री छै । कुवो १ पुरस ३२, पाणी षारो ।

वास ४ री वीगत–वास २ वसै । २ वास सूना ।

१ विसनोयां री वास– घर ३० कदीम । राव नरा री वासी[4] छै । के रावळ भीव री वार में[5] परगा[1] था आया । षेत सषरा । धरती हळवा ५० ।

१ सातलमेरीयां री वास– वडो वास नजीक । रजपूत घर ४० । वसी रा० केसवदास जोगीदासोत नै देईदास नराणदासोत नुं पटै । भोग म० ३०० री ठोड़ ।

१ प्रो० षीमा री सरेह– वास घणी कदे नहीं । लिखमा[2] री बेटो

१. परांगा । २. पेता ।

1 जसवतपुरा के नाम से पुकारते है । 2. अच्छे, उपजाऊ । 3 [illegible] बसाई हुई । 5. स[illegible] मे ।

सावरीज थकां षेत षड़ै। षेडो कोई नहीं। हळवा २० री धरती। हेंसे सातमे भोग दै[1]। म० १५० री ठौड़।

१ सीडडां रो वास। सूनो। पैहली सीहड़ जोग बसतो। धरती हळवा ५०। षेत सषरा।

४

१ बांभणू ८००)

पोकरण था कोस ६ ऊगवण नु। रु० ३००) उपजता री ठौड़। धरती हळवा ६०। षेत कवळा थळ रा। गांव कोहर १, पुरस २० पाणी मीठौं, घणो। तळाव २ धुकड़ा री, मास ८ पांणी रहै। वास २।

१ वास वडो वास–रा: आसा डूगरसीहोत रै, चाहडदे रा घर ३० मुकातै। हळ १ रा रूपीया ३।।) दै।

१ वास १ बाभणा मनाणां री–घर ४ पहली डोहळीया[2] था। हिमे म० १ माणो १ भोग देवै छै।

२

१ मुढलो[1] सोहडां रौ– वास २ १०००)

पोकरण था कोस ८ ऊगवण नुं। धरती हळवा १०० तथा २५०। रेष ४०० तथा ५००) ऊपजतां री ठौड़। षेत सषरा थळी रा, कंवळा। तळाव १ सोहड़सर, गांव था कोस २। मास ८ पाणी मीठौं। कोहर ऊपर गाव बसै[3]।

१ वास सोहड़ री–घर ३० तथा ३५। मुकातौ हळ १ रा रूपीया ३।।) दै। सोहड़ गोकळ माधावत नु पटै[4]। ऊट १ चढीयो चाकरी करै[5]।

---

१ मढलो।

---

1 जमीन की पैदावार का ७वां हिस्सा लगान के तौर पर देते हैं। 2 जिन्हें दान में भूमि मिली हुई थी। 3 कुए के समीप ही गांव बसा हुआ। 4 माधा के पुत्र गोकल को जागीर मे दिया है हुआ। 5 जागीर की एवज में एक सुतर-सवार की नौकरी निय— रूप से देता है।

१ वास १ बांभण पलीवाळां री–बाभण रामदास नै किसनो सावरीज था आय बसीया[1] । घर ३० । भोग हैसै ५ सतसेरी लार हासल दै ।

२

१ चांदसमो वास २ ५००)

पोकरण था कोस ८ ऊगवण था जीवणै । धरती हळवा २००, षेत सषरा । रेष रूपीया ३००) तथा ४०० री ठौड़ । तळाव नही । कोहर २, आदू सागरो, पुरस ३० पांणी मीठो, घणो । रा० चांदसमेचां विजै वीरमोत रा पोतरा बसै । विजै रा पोतरा रो ऊतन[2] ।

१ वास– रा० परबत कुसलावत विजै वीरमोत रा पोतरा चांदसमेचां रा घर ४० तथा ५० बसै । हळ १ रा रूपीया ३)[1] मुकाति देवै ।

१ वास १ बांभणा रो–रजपूता रै भोग[3] हेंसै ७ लार सेर ७ । घर १० बांभणां पलोवाळा रा ।

२

१ छयण[2] १०००)

पोकरण था कोस १० ऊतर मांहे । १०००) ऊपजतो री ठौड । धरती हळवा १५०) । षेत थळ रा । आदू पडीयारा रै ऊतन रो गांव[4] । कोहर ६, पांणो मीठो घणो, पुरस ३५ तथा ४० । तळाव नहीं । ऊनाळी नही । बसती घर २५ तथा ३० रजपूतां रा ।

१ राहड[3] री वास ३५०)

पोकरण था कोस ८ ऊतर मांहे । भाटी जेसो राहड़ रा०[4] कीलांण-

१. ३।) । २ छायण । ३. राहडा । ४ रावळ ।

---

1 सावरीज गांव से आकर यहाँ बसे । 2 विजै के वंशजों का वतन है । 3. राजपूतों को लगान लेने का अधिकार है । 4 पडिहारों का प्राचीन गाव ।

दास री वार मांहे बसीयो। धरती हळवा ३०, षेत सषरा थळ रा। तळाव १ राहड़ा रो। पांणी मास ४ हुवै। पछै छयण पीवै। कुवो नही। घर २५ रजपूतां रा बसै। मुकातो दै।

१ केलावो १५०)

पोकरण था कोस ३ पिछम नुं। धरती हळवा ४० षेत सषरा। ऊनाळी काई नही[1]। तळाव १[1] सषरा मास ६ तथा ७ पाणी रहै। कोहर १[2], री वसी रावळ वरसो[3] रो पोत रो।

१ थाट ४००)

पोकरण था कोस ४ दिषण माहे। रू०......... ऊपजतो रो। धरती हळवा ४०। षेत सषरा। ऊन्हाळी नही। तळव १ रूपणीसर। जैपाल री षीणायो[2]। मास ६ पांणी हुवै। पछै गांव था कोस १ उगवण नु पार छै, तठै वेरो १० छै, तठै पीवै। पाणी मोठो घणो, हाथ १०[3]। बसती घर ४० तथा ५० रजपूतां री। भा० पतै सुरतांणोत री बसी।

१ जैसिंघ री गाव १५०)

पोकरण था कोस ६ ऊतर मांहे। ढंढ १ छै। ऊपर रा० करमचंद महेसोत रावळ कला री वार मे गाव बसीयो। धरती हळवा ४० ऊपर रूपिया...... री ठौड। ढढ कोस ०॥ दिषण मे। मास ४ पाणी रहै। पछै छांहण रामदेरै मांगोयो पीवै। रजपूता रा घर ३० छै।

१ जैमलोतां एकां री गांव १००)

पोकरण था कोस ३ ऊगवण मांहे। धरती हळवा ३०। पहली,

१, तळाव ३। २. पुरसे १५ मीठो घणो। बसती घर ५० तथा ६०, भा० जोगीदास गगादासोत (अधिक)। ३. वेरसी। ४. जैसिघा।

---

1 रवी की फसल बिल्कुल नही होती। 2. जैपाल के द्वारा खुदवाया हुआ। 3. दस हाथ गहरा।

कसबै री सरेह थी । भा० जैमल एका रौ बेटो रावळ भीवा री वार मे बसीयो । षेत सषरा । तळाव देवाध गाव था कोस ०॥ । मास ४ पाणी रहै । पछै जलाधरी रा बेरा पीवै । एकां रा घर २५ । चाकरी वीठळदास करै[1] ।

१ कालर ७०)

गाजण री सरेह, गाजचा री गाव कहीजै । पोकरण था कोस ३ पचाध में । धरती हळवा २० । रेष रुपीया ··· उपजतां री ठौड़ । रावळ भीव री वार मे गाजण कालर बसीयो थौ । षेत सषरा कंवळा काठा । कोहर १ पाद्रडो कोस ०॥ दिषण मैं । पुरस १५ पांणी भळ-भळो । कालरा रा घर १५ तथा २० छै ।

१ गोमढ ८०)

मौहर कालरां रौ गाव । पोकरण था कोस १ ऊगवण था डावो[2] धरती हळवा ३० । रेष रू० ·· । राव नरा री वार मांहे कालर जोगो-दास[1] मैहर चुहड बसीया था । हिमे कालर मैहर रा घर ३५ पैंतीस छै । तळाई नीबली सादवा एक, मास १ पांणी रहै । कोहर १ तोला बेरो[2] कोस ०।, पांणी पुरसे १ मीठो, घणो ।

१ षालतसर १००)

वण(री) सरेह षालता री गाव । पोकरण था कोस ४ ऊतर था जीवणो । धरती हळवा ३० । रावळ भीव री वार मे षालत साहण नु श्रै षेत दीया था । सु षालत हिमें छाड गया[3] । गाव सूनो । हिमें जेतो माहर नु छै । ऊंट चढीयो चाकरी करै छै । षेत रूड़ा भला ।

१ बीलडोयो २००)

---

१. जोगी । २ तोलबीरो ।

---

1 वीठलदास इस जागीर की एवज मे राज्य मे नौकरी देता है । 2 पूर्व मे बाईं ओर ।
3 अब खालत लोग ये खेत छोड कर चले गये ।

पोकरण था कोस १ आथूण नुं। कदीम गाव सता[1] भाटीयां रौ। धरती हळवा २५। षेत सषरा। कोहर १ सागरी पुरस १०, मोठौ, घणौ। तळाई १ मास ४ पाणी रहै छै। बसती घर ७ रजपूत रहे।

१ रोहीयो[2] १५०)

पोकरण था कोस ७ पछम नुं। धरती हळवो ३०। रावळ भीव री वार माहे भाटी मानौ देवराजोत एकै नु ग्रै षेत कसबा रा दीया था, तरै गांव वसीयो[1]। धरती हळवा ३०, षेत सषरा। हिमे गांव सूनौ छै। तळाव नही। कुवा ८ काचा पार रा वेरा। गांव था ऊगोण वाणा मे पार छै तठै पीवै। पाणी भळभळो पेटवांणी-सो[2] छै।

१ बरडाणो षालतां रौ ४००)

पोकरण था कोस ६ पचाध माहे। धरती हळवा ४०। कोहर १ वरडांणै नांव[3]। पुरस २५ मीठौ। पोकरण जैसलमेर वेधी[3] छै। गाव छै तिण सूनो पडोयौ छै। पहलां षालत लाडू डूंगर बसतौ। हिमे सूनौ पडीयौ छै।

१ दूधीयौ २००)

पोकरण था कोस ६ ऊतर नु। धरती हळवा ३०। षेत सषरा। कोहर नही। दूधीयां नाडा रा षेत कहोजै। षेडो कदै बसीयौ नहीं। माहव बांभण षेत षडै, भोग दै। हिमे भाटो सीहै रांमदासोत नु पटै। चाकरी करै।

१ नैहडी री सरेह

पोकरण था कोस ६ आथूण सू डावी। तळाई १ नैहडी कदीम छै, तिण रौ नांव नैहडी री सरेह कहीजै। षेत १० छै। सांवणू छै।

---

१. वसता। २. रोह। ३ वेघीलो।

---

1 तब यह गांव वसा। 2 पीने लायक। 3 वरडांणे नाम का एक कुआ है।

ऊनाळी नही । पहली बाणीया रा बाभण षेत षड़ता । हिमे पड़ीया छै । भाटीया री वार में भा० सूरै नादावत नु था ।

१ षेतपाळीया री सरेह १००)

पोकरण था कोस ८ रीहतड मे । षेत १५ सावणू सषरा । ऊनाळी नही । कूवौ नाडी का नही[1] । भाटीया री वार मैं जैललमेर रौ गाव । देवी[1] रा बांभण घमट षेतपाळीया षड़ता । तिण पेतपाळीया री सरेह कहीजै । समत १७०० पछै पेत कोई षड़ै नही, पडीया छै ।

१ भोपी री सरेह १५०)

पोकरण था कोस ८ भरहर ईसान मैं । षेत १० सांवणू । हळवा[2] १० । ऊनाळी नही । तळाई १ कदीम भोपी री कहीजै । तिण वासै भोपी री सरेह कहीजै । लोहवा रा बाभण पेत पड़ै । भोग हेसौ ५ तथा ६ ।

१ ढढ री सरेह २५०)

पोकरण था कोस ५ उत्तर थी डावौ बाजू । षेत १० हळवा । सांवणू अजाईब । ऊनाळी नही । तळाव १ ढढ पड़ोहार अड़बाल रौ षीणायौ । हिमे ढढ कहीजै, तिण वासै ढढ री सरेह कहीजै । ढढ मास ४ पाणी रहै । षेत माहावा बाभण नै देहरा रा बांणीया षड़ै । भोग मुकातौ दै ।

१ सोढां री सरेह ५०)

पोकरण था कोस ६ ऊतर था जीवणो । षेत २०, धरती हळवा २५ । सावणू अजायब षेत । ऊनाळी नहो । तळाई १ सोढा री कदीम छै । तिण वासै सोढां री सरेह कहीजै । गालरां री सरेह षेत यांहीज भेळा छै । षेत माहवां रा बाभण षड़ै । कदेहोरा बाणीयां षडै । सोढां री तळाई, मास १ पाणी रहै ।

---

१ देवां ।

---

1. कुआ अथवा तलाव नही है । 2. १०० हलो से बोई जा सके इतनी जमीन ।

१ गालरां री सरेह २५०)

पोकरण था कोस ६ ऊतर सु जीवणो। षेत १० हळवा १०। सांवणू निपट सषरा। भरेत रा षेत[1]। सोढा री सरेह सु लगता होज। माहवा रा बांभण नै देहरा रा बाणीयां षड़ै। तळाव कुवो कोई नही।

---

४० विगत— २८ आवादांन १२ वेरान।

४०. पोकरणा राठौडा रा गांव ३०। पोकरण राठौड़ जगमाल[१] मालावत रा पोतरा पोकरण रै परगनै भोमायाचारै[2] गांव षाऐ[3]। पेसकसी, नाळबधी घणी का दै नही, ना कदे चाकरी करै[4]। १६, गांव दुजणसाल हमीर जगमाल मालावत रा पोतरां नु वंट मांहे—

१ साकड़ो २००)

पोकरण था कोस १२ दिषण माहे। षेड़ो पाधरी धरती। बरसाळी बडा षेत। ऊनाळी नादणहाई रै ऊनां कोस ३ छै तठै गेहू हुवै। रा० दुरजणसाल[२] रा पोतरां री बसी रा घर ५०१ रजपूतां रा छै। तळाव ४ सषरा। मास ४ पांणी रहै। कुवा ७ गांव था नजीक। पांणी पुरस १० मीठौ, घणौ।

१ लूणौ १५०)

पोकरण था कोस १४ दिषण नु। षेत सषरा। षेडो पाधरी धरती बसै। बसती रा घर २००। वास २ ठौड बसै, रजपूत पोकरणा।

१ वास १–लषौ तांबळ गोपौ अभौ कलौ वीसा दुरजणसाल रौ[३]।

१ वास १–रा० महैराज साढा षुमाणोत रौ। कोहर गांव था कोस ०॥ ऊतर नु। पुरस १३ पाणी मोठौ।

२

---

१. जगपाल (मूल प्रति में)। २ दुजणसाल। ३ दुजणसालोत रौ।

---

1. जहा वर्षा का पानी भरता है। 2. भोमिये होने के नाते। 3 गांवों का उपयोग करते है। 4 न कमी सरकार की सैनिक सेवा करते हैं न विशेष लगान या कर आदि

१ पुहडी १००)

पोकरण था कोस १४ दिपण नु। गाव री पेड़ी पाधरी धरती वसै। षेत सषरा काठा मगरा। कोहर १ गाव था पावडा १०० ऊतर नुं, पुरस १२ मीठी। तळाव नही। बसती रा घर २०। रा० परबत हेमा किसनाणी[1] री वसी रा घर।

१ चौक[1] १००)

पोकरण था कोस ८ दिपण नु। षेडो पाधर मे बसै। षेत सषरा काठा मगरा। कोहर २ गाव था कोस १ पछम नु, पुरस १५ पाणी षारी घणी। बसती घर ४०। रा० अजैराज वीरमदे चूडावत री बसी रा घर ४० छै।

सीनावडो २००)

पोकरण था कोस ११ पिछम नु। षेडो पाधर। षेत काठा मगरा, सषरा षेत। कोहर २ गांव था कोस ०॥ आथूण था डावा, पुरस १६ पाणी मीठो घणो। बसती बास २ वसै छै[2]। वास १—रा० उरजन हमीर करन री बसी रा घर ८०। वास १– रा० गोदो, मेघो, महेस सांगावत री बसी रा घर १०१ बसै।

१ चादणी १००)

पोकरण था कोस १० पछम नुं। षेडो पाधर मै बसै। षेत सषरा। कोहर १ सागरी, गांव था ऊतर नुं, पुरस १७ पांणी षारो। बसती वास २ छै। घर ४० रा० गोपाळदास नेतसो रुहैसमलोत रा बेटा बसै।

१ झालामल १००)

---

१. चोक।

---

1. किसना कि पुत्र। 2. दो वस्तियो मे लोग बसे हुए हैं।

पोकरण था कोस १२ पछम नु। गांव री षेड़ो पाधर मे बसै। षत सषरा। कोहर १ गांव था पांवडा ४०[1]। पांणी मोठी पुरस १२। वसती—रा० ग्रासो रांमसिंघ जैमलोत री बसी रा घर २० तथा २५ बसै।

१ गोडागड़ो ५०)

पोकरण था कोस १५ रूपारांस मे। षेड़ी सूनौ। षेत कंवळा। फळसूड रा रजपूत षेत षड़ै। कोहर तळाव को नही। गाव री सीव मे भुणीयाणे री रेल बहै। तिण मे पांणो मीठौ, घणौ। फळसूड था कोस १।।

१ बाघेवौ[1] ५०)

पोकरण था कोस ११ दिषण नु। षड़ो घणा वरस रौ सूनौ। कदीम पडीहारा री वडी ठकुराई थी। पडीहार राणो रूपोड बसतौ, तिण रै रावळ माला रौ बैटौ जगमाल परणीयौ थौ। कोहर ३ बंधवा। पुरस ४० पांणी मोठौ, घणौ। काळ-दुकाळ तळा जुपै[2] तरै षड़-चर लोग[3] ग्राय बसै। जगळ षडीयो छै।

१ षीवलाणो १५०)

पोकवण था कोस १६ दिषण नु। षेडी सूनौ। घणा बरसा रौ। कुवो १ पुरस ३ पांणो। भळभळो सौ पेत करै कै पाई षड़ै। गोवळी लोक द्राव चारै तिण री चराई ग्रावै। जगळ पडीयौ छै।

१ झेरावड़ ५०)

षेड़ौ सूनी। पोकरण था कौस १० दिषण माहे। जालीवाड़ा थी कोस १। पेत काठा मगरा। जालीवाड़ा रा रजपूत केईक पेत षड़ै। कोहर १, षेडा तीरवा २, पुरस १५ षारो। षेड़ो समत १६८७[2] सूनौ हुवौ थौ। हिमें षेत कोई पडै नही छै। द्राव चरै छै।[4]

---

१ नाघेवो। २ १६६४।

---

1. ४० कदम पर। 2. कूश्रों से पानी निकाला जाता है। 3. जानवर चराने वाले। 4 ढोर चरते हैं।

१ झाबरो १००)

पोकरण था कोस १२ दिषण नु । षेड़ो सूनो । पहलो रा० आसो वीरभाणोत बसतो । समत १६५२ छांडीयो थो । तठा पछै सूनो हीज छै । कुवो १ सागरी, गाव रा षेड़ा कनै । पुरस १४ पांणी मीठो । थोड़ो बूराणो छै । गोवली द्रावा चारै तिको करेक वसै ।

१ गुड़ो १००)

पोकरण था कोस ८ दिषण नु । षेडो सूनो । पहली पड़ीहार बसता । समत १६८४ छाड गया । तठा पछै कोई बसीया नही । षेत कोई षड़ै नही । जंगळ पड़ीयो छै । कुवो १ बधवो, अवावर पडीयो छै ।

१ दूधीयो ५०)

पोकरण था कोस ११ दिषण नु । षेडो सूनो बरस १०[1] पहला बसतो । कुवो १ बधवो छै, सु अवावर पडीयो छै । पाणी पुरस १० पांणो थोड़ो-सो छै ।

१ गोगटो ५०)

पोकरण था कोस १० दिषण नु । षेड़ो सूनो । पहलो थो थळरा रजपूत पाद्रीया[2] थका बसता, सु छाडीया । पछै कोई बसीया नही । तळाव नाडो कोई नही । कुवो १ बधवा । पुरस ४० पाणी, सागरी । हिमै बूरियो पडियो छै । थोड़ो-सो पाणी छै ।

१ मीठड़ीयो १००)

पोकरण था कोस १२ दिषण नुं । षेडो सूनो घणा बरस रो छै । पहली कदे बसतो । कोहर १ धूडोयो-सो थो । पछै काठ सु बांधो सो छै । पाणी पुरस ७, पांणी थोडो ।

१ देधड़ो[3] ५०)

पोकरण था कोस १२ दिषण नुं । षेड़ो सूनो । रा० अषो देकांणी[4]

---

१. १००) । २ पाडरीया । ३ ठेघड़ो । ४. दिकांणो ।

हरबू री पोतरो बसतो, सु छाड गयो । समत १६७६ सूनो हुवो । तळाव १ गुरड़ां री बधायो । सादेवो १, मास ४ पाणी । कुवो १ बंधवो पुरस १२ । पाणी थोड़ो, मीठो ।

१ गुडी १५०)

पोकरण था कोस ६ षरक नू । षेड़ो बसै । रा० किसनो म्है रावत बसै । बलू वीजावत लूका री पोतरो[1] घर ४० सु बसै । षेत सषरा । कुवा २ नाव गुडी बधवां, गांव था सादवो १ मैं छै, पछंम नुं ।

१ कुसमलो ५०)

गाव तो महेवा री । नै कुसमळे कोहर ३ छै । तामे कोहर २ महेवा रा छै । तिण ऊपर महेवा री गांव कुसमलो । महेवा रा मालीया रा[1] पोतरा बसै छै । नै पोकरण लारै कोहर १ छै सु घणा बरस हुवा सूनो पड़ीयो छै । कदे बसीयो नहो । करेक गोवली थका लोक षड़चर थका रहै[2] । तळै[3] भजोत[2] पांणी पीवै, पुरस ३० मीठो, घणो । कुवा ३ भेळा ही छै । नवसरै कोटड़ी रा गाव सु काकड़ । पोकरण था कोस २० । महेवा था कोस २५ ।

१६

४५. ६ इतरा गांव रा० सूरा हमीर जगमाल मालावत रै पोतरां रै बट रा गांव छै[4]–

१ भुणीयाणो १०००)

पोकरण था कोस १० दिषण नु । वडो गाव आद नगर । जिसडो पोकरण तीसड़ो बीजो भुणीयांणो[5] । राव गोईंद नरावत राव नरा री

१ महेवचा माला रो । २. जोत ।

1 लूका का पौत्र । 2. कभी-कभी ग्वाले लोग जानवरों को चराने के लिये यहा रहते हैं । 3 कुंए से । 4. बटवारे मे प्राप्त गाव । 5. जैसा पोकरण वैसा ही यह दूसरा गाव भुणीयाणा है ।

वार में[1] घणा पोकरण मारीया । नै राव पीवो वरजांगोत नै लूको पीवावत वेढ मे ऊघाडा नाठा जाता[2] तरै राव गोईद याहा नु दुपटा उढाया पाछो आण[3] आधो परगनो पोकरण सातलमेर सु ले नै आप राषीयो नै आधो परगनो भुणीयाणा था गाव ३० रा० लूका पोकरणा नुं दीयो। तद रो औ बट पोकरणां रै छै । भुणीयाणो वडो गाव, आद नगर । तळाव ५ तथा ७, वडा तळाव । बावड़ो १२ वधवी । पाणी घणो । ऊपर ऊन्हाळी हुवै[4] । देहरा ४ तथा ८, तिण मे दोय जैन रा रा । सिपरबघ देहूरा छै। बीजा ही देहरा पडीया छै। उडीसा[1] छै। वड़ो कसबो थो । हिमे समत १६९० माहोमांह भाया रै वट हुवो[5], तद पेडो आगलो[6] थो सु छोड नै सादवा एक पिछम मे रा० कवरे री भाण रावतोत वसीयो । तठै घर ४०० रजपूतां रा बसै छै । बीजो लोक बांणीयो महाजन घणो कोई नही । घुहड़-सा लोग चवरा-टापरा बाध बसै[7] छै । आगे पेड़ो थो जीठै[8] भेतहर बाजार सषरो थो[9]। वरसाळी वडा षेत, जवार मूग वाजरी रा । ऊनाळी वावडी १२, जूनो पेडो छै तठै करै तो हुवै । पिण करै कोई नही । तळाव ५ छै तिण मे गेहू बावै । मण ४०० बीज बावै ।

१ आवणेसो[2] ३००)

पोकरण था कोस ४ दिषख नु भुणीयाणे था कोस ५ ऊतर नु। पेड़ो पाथरी धरती बसै । कदीम षोषरां री गांव, पोपर करमचद री। घर २५ बसता[3] । बीजा पोकरण भुणीयांणै बसै छै। षेत सषरा। ऊनाळी घणो क्रा नही । तळाब ३ सपरा । मास ५ तथा ७ पांणी रहै। कुवो १ पुरस १२ मीठो, घणो ।

---

१ घुडीया । २ अवणेसो । ३ बसतो ।

---

1. राव नरा की रावताई के समय मे । 2 नगे बदन भागे जा रहे थे । 3 वापिस लाकर । 4. रवी की फसल होती है । 5. भाइयों के आपस मे बटवारा हुआ । 6. पहले का । 7. कच्चे घर बनाकर रहते हैं । 8. उस जगह । 9. अच्छा बना हुआ बाजार था ।

१ सीनावड़ीयो ५०)

पोकरण था कोस १४ दिषण माहे। भुणीयाणे था कोस ८ पिछम नु। षेडो सुनो। पहलो धाघळ अचळो बसतो सु छाड नै[1] भुणीयाणं जाय बसीयो। षेत सषरा। तळाव नही। कोहर १ सागरो पुरस १३, मीठो घणो।

१ बांभणू ५०)

पोकरण था कोस १५[१] दिखण नु। भुणीयांणै था कोस ५। बाभणुवा राठौड़ सूरा रा पोतरा बसता सु छाड गया, नै षेड़ो चारण पत्तौ रायमलोत घर २० सु रहै। तळाई भीषोळाई तिण में मास ८ पांणी रहै। कुवा ४ छै।

१ झलोडो ५०)

पोकरण था कोस १३[२] दिखण नुं भुणीयाणा था कोस ३। षेडो सूनौं। पहली रा गोयंद भाषरसीयोत बसतौ। हिमैं छांड नै भुणीयाणैं जाय बसीयौ। अठै थकां गोयद रा बेटा री बसती रा लोक षेत खड़ैं। नाडी १ मास ४ पांणी रहै। कुवो १ झलोडो, सागरी पुरस १२, पांणी थोड़ो बुरांणो छै।

१ दांतल ५०)

पोकरण था कोस १३ दिखण नु भुणीयाणा था कोस ३। षेडो सूनो। भुणीयांणा रा लोक ढाणी[2] रहै, षेत षड़ै। षेत निपट सषरा। भुणीयांणा वाळो बाहाळो दातल री सीव मे रेलीजै[3], तठै सेवज गेहूं १५० मण तथा २०० री ठोड़।

६

१. १४। २. १४।

1. यह स्थान छोड कर। 2. गांव के वाहर खेत आदि में वसे हुए घर। 3 वर्षा ने का पानी ढलक कर जहां खेतों मे भरता है।

४१. ५ अतरा[1] गांव रा० जोगाइत हमीर जगमालोत रा पोतरां रै बट—

१ मांडवो

पोकरण था कोस ५ दीषण नु। भुणीयांणे था कोस ५ ऊतर नु। रा० जोगाइत टीकायत[2] मांडवै बसै। हेसा २, वास २ छै।

१ वास–रा० नरबद जोगाइत रो।

हमीर भगवान सूरो माना[1] रा बेटा छै। मानो सीवो कलो जालर[2] नरबद रै वास घर १०१ छै।

१ वास–रा० ऊरजन रो १००)

ऊरजन केसो[3] नै आसो महेसोत छै। घर ८ बसती रा छै। वास २ बुही थोक रा नजीक ही बसै। तळाव १ पाणी मास ८ रहै। कोहर ३ सागरी, पुरस १२ पांणी घणो, मीठो। पेत सषरा।

२

१ पाद्रोड़ो १००)

पोकरण था कोस १० दिषण नु। साडवा था कोस ५ ऊगवण नु। रा० आसा महेसोत री बसती रा घर १० तथा १५ बसै। तळाव नहीं। कोहर २ गाव था नजीक, पुरस १६ पाणी मीठो। षेत सषरा काठा मगरै रा।

१ गांव रातड़ीयो १००)

पोकरण था कोस १० दिषण नु। मांडवा था कोस ६ ऊगवण नु। पेड़ो सूनो। बरसात मे बाडवा था रजपूत आय नै षेत षड़ै।

१ हेमा। २ जाल। ३ केसो रो।

1. इतने। 2 खानदान मे प्रमुख, जिसे जागीर का टीका मिला हो।

कोहर २ नवा रातड़ीया। पुरस १६ पांणी मीठौ, घणौ। तळाव नही। षेत सषरा।

१ जालीवड़ो १०००)

पोकरण था कोस १२ दिषण नु। बडो गांव बडी ठौड। गाव जोगाइत रा पोतरां री बट मांहलो थो[1]। पिण रा० लूको रा० जगमाल सागा लूकावत री षोस नै[2] रा० सीवा कलावत आगा जोरा-वरी थकी ली[3]। सु हिमे रा० मालो परबत देवराजोत[1] री बसती रा घर २५० तथा ३०० बसै। मालो देवराज राणै जैमल लूकावत रौ। तळाव षंडरौ[2] मास ८ पांणी रहै। कोहर ३ सागरी, पांणी मीठौ, घणौ।

१ साकड़ीयो ५०)

पोकरण था कोस १३ दिषण नुं। षेड़ी सूनो। कोहर १ पाणी थोड़ो, पुरस १६, मीठो। षेडी घणै बरसां री सूनी।

५

३० गाव रजपूता रा।

४२. सांसण रा गांव परगने पोकरण रा।

गांव सासण तिण री विगत—

३ गाव तुवर पीडतां नु, दत्त तुवर रामदे अजैसिहोत जद धरती दाईजे राठौड़ां नु देनै अठै आय बसीया, तद अठा रा षेत दाबीया था[4]। पछै राव गोयद रावत पीडत रावत गोईंद रतनावत नु हळवा चाळीस धरती था कोहर विहंडु दीयो। पछै राव मालदे गागावत

१. देवराजोतां। २ पाडरो।

1. बटवारे मे मिले हुए गांवो मे से। 2. छीन कर। 3. जबरदस्ती से ले लिया। 4. दबा लिये अपने कब्जे मे कर लिये।

राव जैतमाल गोईंदोत कनै सातलमेर लीयौ तद धरती हळवा ४० तथा ५० । तळाव टेकरा नै देवलाई रा षेत पीडता देवकरण गोईंदोत नु सासण कर दीया । पछै इया षेत्रा[1] माहे गाव वसै छै, सु सारा ही पीडत सरीषा पानै षड़ै छै[1] । षेत जुदौ । बट गांव री कोई नही[2] ।

१ रामदेहरो २००)

पोकरण था कोस ३ उतराध मांहे । वडो गाव छै । वाणीया रजपूत तुवर कुभार सुतहार वसै । धरती हळवा १२० तीन ही गांवां री छै । बरसाळी जुवार वाजरी मूग तिल हुवै । ऊन्हाळी नही । तळाव १ रांमदेसर बडौ तळाव छै । पांणी मास १० रहै । पाळ ऊपर श्री रांमदेजी रौ मुकाम छै[3] । तळाव १ रावतसर मास ८ पांणी । कोहर १ राणोभ्रो कोस ०॥ ऊगवण था जीवणो, पुरस २२ पांणी भळभळो । तीनू ही गाव पीवै । हिमे पीडत रावत भोपत मांडणोत नै चदो भोजराजोत नै पूरो भांण री नै कुभौ नराईण री छै ।

१ वीरमदेहूरौ १००)

पोकरण था कोस ३ ऊतर ऊगोण बीच[4] । पीडत रजपूत बसै । धरती भेळी, बट छै । तळाव १ माणकरावसर मास ४ पाणी । कोहर राणभ्रै[2] पीवै । हिमे पीडत भोपत कान्हा री नै ईसर वणीर री छै । षेत सोहौ[5] बाट नै षड़ै ।

१ सादां री वास २००)

पोकरण था कोस ८ ऊतर मांहे । पीडत बसै । धरती भेळी षड़ै छै । तळाव १ टीका री मास ४ पाणी रहै । पछै वेरीयां पीवै । नै कोहर राणीभ्रै पीवै । पहली अठै वास नु हुतौ । बरस २० पहली

१. षेतां । २. राणीभ्रै ।

1. सब पडित बराबर जमीन बोते है । 2. गांव को हिस्सो मे नही बांटा है । 3. पाज पर रामदेवजी का स्थान बना हुआ है । 4. उत्तर पूर्व के बीच मे । 5. सभी ।

पीडत डूगरसी हेमावत रांमदेहूरा था अठै आय बसीया था, सु बसै छै। नै पीडत जगत गोपाळ री नै जेठी ठाकुर री छै।

३

१ बांभणां नु–१ गांव

मछावळो–

पोकरण था कोस···। षेड़ी सूनी छै। प्रो० फळोधी रा[1] पिरोहत सीवडा नु छै। सांसण छै, धरती हळवा···। हिमैं प्रो० भागवांन देईदासोत छै।

४

४३. ११ चारणां नुं–

१ भाषरी १००)

पोकरण था कोस ७ दिषण था डावी। दत्त राव गोईद नरावत री, बारैट अचळा घणपालोत री रोहड़ीया जात मीषस नु राव गांगै री जोधपुर वार, तद षेत दीया था। तद रावत अभीयड़ भोमोत देवराजोत सेतरावै री धणी गो० कालावा[2] रा ही षेत दीया छै। आपरो बारैट दीयो छै। हिमैं बारैट हेमराज षींवा री नै माली समुरता री सुरतांण जालप री छै। चारण बसै। हळवा ६० धरती। धांन सारा हुवै, ऊन्हाळी नही। तळाव १ मास ५ पाणी रहै। पहली भालरीया री वेरीयां पीवता। हिमैं कोहर नवी षीणायी छै[1]।

१ वोढणीयो[3] १००)

पोकरण था कोस ७ आथवण माहे। दत्त भाटी रावत कीलांण-दास हरदासोत री। चारण पता वरसावत जात रतनू चेराई आस रा[4]

१. परगना रा। २. कालाऊ। ३. ओढणीयो। ४. आसा रा।

1. अब नया कुआ खुदवाया है।

नु। जैसलमेर थकां गाव सासण कर दीयौ। तदे पोकरण भा० मेघराज मु० नराइण नै कलु कामदार हुता। इणां नु हुकम आयौ तरै या आय सासण कर दीयौ। चारण बसै। धरती हळवा १००। धान सारा ही हुवै। षेत सषरा। पहली कांटण[1] वाळी रेल आवती तदे सेवज हुती। हिमे चारण कान्हौ नै मेघौ[2] पतावत छै।

१ माडवो, वास ४ २५०)

पोकरण था कोस ४ दिषण माहे। दत्त राव हमीर जगमालोत रौ, रावळ माला रौ पोतरौ[3], चारण अषीया[4] सोढावत जात सोढाइचा नु। गाव माडवा रा षेत दीया था पछै सीढाइच राजौ अषई रौ तिण नु कोहर १ रा० जोगाइत हमीरोत दीयौ, तरै राजौ जुदौ षेड़ौ कर नै बसीयौ[1] थौ, सु बसै छै। नै चारणां रा धडा ४ छै[2] तिण रा वास कहीजै छै। षेड़ो १ छै। चारण बसै। धरती हळवा ५०। धान सोह हुवै। षेत सषरा। ऊनाळी नही। कोहर १ कीरोलो सागरी पुरस ७, भळभळो। त ाव १ अषाईसर बरसोदीयौ पांणी। तळाव २ मास ६[5] तथा ४ पाणी रहै। हिमै सिढाइच देईदांन डूगर रौ नै चोलो षेतसी रौ नै माहव आसा रौ नै घडसी हेमा रौ छै।

१ म्हैडू जीवण रौ वास

पोकरण था कोस ८॥ दिषण माहे। दत्त पोकरणा रा० माला परवत देवराजोत नै करण रतनसीहोत नै हदौ-कान्हावत नै गोदो मेघराजोत लूका नै राव कवरो माणकराव रौ नै जीवण भोजावत नै सगतो धारावत भुणीयाणी पोकरणां रौ चारण जीवण करमसीहोत जात म्हैडू(नु) संमत १६६२ रा जेठ माहे सासण कर दीयो थौ। पोकरणां नै गागादेयोतां (रै) वैर हुतौ[3] सु

१ काढण। २. माघौ। ३. पोतरा रौ। ४ अषई। ५ ८।

1. अलग बस्ती बसा कर रहने लगा। 2. चार परिवार अलग-अलग है। 3 आपस मे वैर था।

पीडत डूगरसी हेमावत रामदेहूरा था अठै आय वसीया था, नु वसै छै। नै पीडत जगत गोपाळ री नै जेठो ठाकुर री छै।

३

१ वांभणा नु–१ गांव

मछावळो–

पोकरण था कोस…। पेडो सूनो छै। प्रो० फळोधी रा[1] पिरोहत सीवडा नूं छै। सासण छै, घरती हळवा…। हिमै प्रो० भागवांन देईदासोत छै।

४

४३. ११ चारणा नु–

१ भाखरी १००)

पोकरण था कोस ७ दिषण था डावो। दत्त राव गोईंद नरावत री, वारैट अचळा घरणपालोत री रोहडीया जात मीपस नु राव गांगै री जोधपुर वार, तद षेत दीया था। तद रावत अभीयड़ भोमोत देवराजोत सेतरावै री धणी गो० कालावा[2] रा ही षेत दीया छै। आपरो वारैट दीयो छै। हिमै वारैट हेमराज पीवा री नै मालो समुरता री सुरतांण जालप री छै। चारण वसै। हळवा ६० घरती। धांन सारा हुवै, ऊन्हाळी नही। तळाव १ मास ५ पाणी रहै। पहली भालरीया री वेरीयां पीवता। हिमै कोहर नवो षीणायो छै[1]।

१ वोढणीयो[3] १००)

पोकरण था कोस ७ आथवण माहे। दत्त भाटी रावत कीलांण-दास हरदासोत री। चारण पता वरसावत जात रतनू चेराई आस रा[4]

---

१. परगना रा। २. कालाऊ। ३. भोढणीयो। ४. आसा रा।

---

1. अब नया कुआ खुदवाया है।

नु। जैसलमेर थका गाव सांसण कर दीयो। तदे पोकरण भा० मेघराज मु० नराइण नै कलु कामदार हुता। इणा नु हुकम आयो तरै या आय सांसण कर दीयो। चारण बसै। धरती हळवा १००। धान सारा ही हुवै। षेत सषरा। पहली कांटण[1] वाळी रेल आवती तदे सेवज हुती। हिमे चारण कान्हो नै मेघो[2] पतावत छै।

१ मांडवो, वास ४ २५०)

पोकरण था कोस ४ दिषण मांहे। दत्त राव हमीर जगमालोत री, रावळ माला री पोतरी[3], चारण अषीया[4] सोढावत जात सोढाइचा नु। गाव माडवा रा षेत दीया था पछै सीढाइच राजो अषई री तिण नु कोहर १ रा० जोगाइत हमीरोत दीयो, तरै राजो जुदो षेड़ो कर नै बसीयो[1] थो, सु बसै छै। नै चारणां रा धड़ा ४ छै[2] तिण रा वास कहीजै छै। षेड़ो १ छै। चारण बसै। धरती हळवा ५०। धान सोह हुवै। षेत सषरा। ऊनाळी नही। कोहर १ कीरोलो सागरी पुरस ७, भळभळो। त ाव १ अषाईसर बरसोदीयो पांणी। तळाव २ मास ६[5] तथा ४ पांणी रहै। हिमै सिढाइच देईदान डूगर रो नै चोलो षेतसी रो नै माहव आसा रो नै घडसी हेमा रो छै।

१ म्हैडू जीवण रो वास

पोकरण था कोस ८॥ दिषण माहे। दत्त पोकरणा रा० माला परबत देवराजोत नै करण रतनसीहोत नै हदो-कान्हावत नै गोदो मेघराजोत लूका नै राव कवरो माणकराव रो नै जीवण भोजावत नै सगतो धारावत भुणीयाणी पोकरणा रो चारण जीवण करमसीहोत जात म्हैडू(नु) संमत १६९२ रा जेठ माहे सासण कर दीयो थो। पोकरणां नै गागादेयोतां (रै) वैर हुतो[3] सु

१ काढण। २. माधो। ३. पोतरा रो। ४ अषई। ५ ८।

1. अलग बस्ती बसा कर रहने लगा। 2. चार परिवार अलग-अलग है। 3. आपस मे वैर था।

भाजीयौ[1]। तरै जीवण नु कह्यौ– तू पीच कर, तो नु पेत देसी। पछै पेत दीया, तिण में बसीयो थो[2]। हिमे सूना छै। धरती हळवा २० धान सोह हुवै[3]। पेन सपरा। हिमें म्हैडू देवीदास जीवण री छै। म्हैडू षीदा री वास में वसै छै। तठै पाणी पीवै।

४ वास झलारीया रा

सासण छै। चारणा नु झलारीया री धरती सासण कर दीवी थी तठै चारण रतनू बसीया।

१ रतनू रूपसी री वास १००)

पोकरण था कोस ७ दिषण माहे। दत्त भाटी रावळ भीव हरराजोत री चाकर रूपसी कवरावत जात रतनू नालहा[1] नु। जेंसलमेर थका षेत सासण कर दीया। तद पोकरण भा० मेघराज मु० नराइण कांमदार था यानु हुकम आयौ, तरै इणा आय सांसण कर दीया। चारण बसै। धरती हळवा २०। धान सोह हुवै। षेत सपरा ऊनाळी नही। तळाव १ मास ४ पाणी रहै। कोहर कोई नहीं। पाषती रा गाव पाणी मागीयो पीवै। हिमें रतनू किसनो पोथौ रूपसीहौत नै जगो षेतसी री छै।

१ म्हैडू षीदा रौ वास १००)

पोकरण था कोस ८ दिषण माहे। दत्त भाटी रावळ मनोहरदास कीलांणदासोत[2] रौ। चारण षीदा[3] अणदोत जात म्हैडू नुं। समत १६८८ सावण वदि १३ जैसलमेर थकां षेत सांसण कर दीया। तद पोकरण भाटी दुरगदास मु० ऊधव मु० भोजौ अै कामदार हुता, तद षेत दीया। पहली रावळ कोलाणदास चा० षीदा नु षेत्रा रौ हुकम[4]

१. नाला। २ कल्यांणदासोत। ३. षोवा।

1. समाप्त किया। 2. उन खेतो मे बसा। 3 सभी अनाज होते है। 4 खेत प्रदान

कीयौ थौ। चारण बसै। धरती हळवा २०। धान सोह हुवै। षेत सषरा। ऊनाळी नही। तळाव[1] १ मालदे रौ। मास ४ पांणी। पछै पापती रा गांव मागीयो पाणो पीवै। हिमें म्हैडू हरदास पीदावत छै।

१ रतनू भारमल री वास १००)

पोकरण था कोस ७ कीलांणपुर, दिपण मे। दत्त भाटी रावळ कीलाणदास हरराजोत रौ चारण भारमल धारावत जात रतनू चेराई नु। रावळ कीलाणदास अजमेर पातसाहजी रो हजूर आया था, पछै पाछा आवतां रौ[1] हुकम कीयौ थौ। सु अठै था पोकरण आया तरै मु० नाराइण नै भाटी परतापसी नु हुकम कीयौ, त्यां आय सीव काढ दी[2]। हमार षेडौ सूनौ छै। हिमें रतनू राणो भारमलोत छै सु गाव सांमसीसर[2] थळ रौ बसै छै। धरती हळवा २५। धान सोह हुवै। ऊनाळी नही। सरै २ छै—१ जसोहत नै १ रावळोत री। कोहर १ पावासरीयो, कोस १ ऊतर था जीवणो। हिमे पाणो नही। तळाव १ मास ८ पाणी हुवै। आ तळाई समत १७··· इण गाव वासै पडी छै[3]।

१ सिढाइच मेहका रा वास १००)

पोकरण था कोस ५ दिषण माहे। दत्त रा० प्रथीराज गोईंदोत नरावत री, सिंढाइच मेहका सोनावत नु। राव गोईंद री वार माहे झलारीयौ पटै थौ तरा[4] षेत दीया था। बसतो षेडौ जुदौ कोई नही। सिंढाइच मेहका नु झलारीये रा षेत दीया था सु झलारीया माहे मडै। नै मेहको, सिंढाईच उजळ रौ पोत्रौ छै सु गाव ऊजळा माहे बसै छै। अठा रा षेत षडै छै। धरती हळवा १ धान सोह हुवै। षेत काठा सषरा। ऊनाळी नही। तळाई १ पाणी दिन १५। ऊजळा भेळौ पीवै। हिमे चारण करमसी महेसु[3] रौ नै चदो अमरा रौ।

४

१ तळाई। २. सोमसीसर। ३. महेसुर।

1. लौटते समय। 2. उन्होंने आकर सासण की भूमि की सीमा कायम कर दी। 3 इस गांव के साथ है। 4 तब।

चारण आय बसीया । चारण वसै छै । धरती हळवा ४२ । धांन सोह हुवै । ऊनाळी षेत जोगीहत[1] मे सेवज हुवै । नाडी नांदणहाई मास ४ पाणी । पछै पाषती रा गांवा मांगीयो पाणी पीवै । हिमे चारण तोगो सिवदान रौ नै पेतसी पीथा रौ छै । नाडी वासै पडीण छै । तिण रौ हासल पोकरण लै छे । गूघरी मण १६० रावळै दै छै । गांव सांसण छै ।

१ गाव केलावो आधौ ५०)

पोकरण था कोस ३ आथूण मे । दत्त राव गोयद नरावत रौ, चारण नाल्हा वछायत[2] रतनू जात रीछेडा नुं । पहली रतनू नाल्हो[3] देवळीया[4] री नाडी भेंसड़ा कनै छै तठै वसतो । सु रा० पीवो वरजा-गोत पोकरण री गाया ली[1] । वासे राव नरौ वाहर आपड़ नै[2] गाव देवलीयाळी वेढ कीवी[3] । तठै राव नरौ कांम आयौ । साथ घायल हुवा था त्यांरा रतनू नाल्हो घणा हीडा किया[4] था । पछै राव गोईंद टीकै बैठौ । रतनू नाल्हो गोईंद कनै आयौ । गाव केलावौ सूनौ षेडौ थौ, पछै भाटी वीरम जोधावत नै नाल्है नु आधो-आध कर दीयौ[5] । तरै कोहर वधाई नै[6] वास २ कर वसीया था । पेड़ो हिमे सूनौ छै । धरती हळवा १५ धांन सोह हुवै । ऊनाळी नही । तळाई मास १ पांणी । पछै कोहर रौ पाणी पीवै । हिमैं चारण ऊदौ हमीर रौ नै भानौ भारमल[5] रौ छै ।

$$\frac{११}{१}$$

जु० गांव ८६, तिण में गाव ६१ मडीया । बाकी २५ गांव माडणा[7] ।

---

१. जोगीहेत । २. वछावत । ३. नालो । ४. देवलीयालो । ५ भरमा ।

---

1. पोकरण की गायें ले आया । 2. गायों को प्राप्त करने के लिये पीछा करके । 3. युद्ध किया । 4 वडी सेवा चाकरी की । 5. आधा-आधा गाव दोनो को दिया । 6. अलग कुआ बनवा कर । 7 लिखने बाकी है ।

१ ऊजळा (१००)

वास ४ कहीजै । वारा २ वरी । पेडा भेळा छै[1] । पाकरण था कोस ४ तथा ५ दिखण माहे । दत्त रावळ गोईंद नरावत मूजो जोधावत री, चारण लोलो नापावत जात सिढाइच नु । सातळमेर थका पापतो रा पेत ले सासण कर दीया । कहै छै, राव जोधोजी गयाजी पधारीया तरै सिढाइच नोपो ऊजळोत साथै थो । सु गयाजी माहे वीजो धरम कीयो जीठे नाहर मारीया री ही धरम लीयो जोईजै । तरै सा० नोपे कह्यो—मी नाहर मारीयो छै[1] । पिण धरम नै दत्त रै कवर सातल री वारैट दोयो । नै पेत री ही हुकम कीयो । सिढाइच पिडीहार री चारण वारट छै । पछै राव सातल जोधपुर टीकै वैठो तरै रोहडीया नै सिढाइच वेऊ वारैटा नु आवै[2] । तरै कवर नरी सातल रै पोळै छो[2] तिण री वारैट[3] दोयो नै टीकायत री न दियौ । पछै राव नरा नु फळोधी हुई । पछै पोकरण ली नै सातळमेर कोट करायौ । तठा पछै राव गोईंद वेगो होज टीकै बैठो । तरै सिढाइच लोलो नोपावत गोईद कनै आवै । तरै अे षेत सासण कर दीया, त्या मे वसीया[3] । चारण बसै । वास २ छै । धरती हळवा ६० सोह धांन हुवै । षेत काठा सषरा सेवज गेहू हुवै । कोहर ३ षारा, बूरोया छै । तळाव मास ८ पाणो रहै । हिमे चारण जैमल रामदायोत[4] नै जगमाल सूजावत नै देईदान हापावत छै ।

१ नांदणहाई री वास (१००)

पोकरण था कोस ६ आथूण डावी । दत्त पोकरणा राव सूजौ नै सागो नै जैमल नै चावडी[5] लूका रा बेटा री चारण लूभा नै सादा मेघावत जात वोठू नु । गाव साकड़ै थका सासण कर दीयो । त्या मे

१. मे न मारोयौ छै, पण ध्रम न दै तरै सातल रै बारटो दीयो । २ आया । ३. बारटो । ४. रामदासोत । ५ चवडो ।

1. गांव-बस्ती शामिल ही है । 2 गोद गया हुआ था । 3. उन खेतों मे अ

चारण आय बसीया । चारण बसै छै । धरती हळवा ४३ । धांन सोह हुवै । ऊनाळी षेत जोगीहत[1] मे सेवज हुवै । नाडी नादणहाई मास ४ पाणी । पछै पाषती रा गावा मांगीयो पाणी पीवै । हिमे चारण तोगो सिवदान रौ नै पेतसी पीथा रौ छै । नाडो वासै षडीण छै । तिण रौ हासल पोकरण लै छे । गूघरी मण १६० रावळै दै छै । गाव सांसण छै ।

१ गाव केलावो आधौ ५०)

पोकरण था कोस ३ आथूण मे । दत्त राव गोयद नरावत रौ, चारण नाल्हा वछायत[2] रतनू जात रीछेडा नु । पहली रतनू नाल्हो[3] देवळीया[4] री नाडी भेसडा कनै छै तठै बसतो । सु रा० पीवो वरजागोत पोकरण री गाया ली[1] । बासे राव नरौ बाहर आपड नै[2] गाव देवलीयाळी वेढ कीवी[3] । तठै राव नरौ कांम आयौ । साथ घायल हुवा था त्यांरा रतनू नाल्हो घणा हीडा किया[4] था । पछै राव गोईंद टीकै बैठो । रतनू नाल्हो गोईंद कनै आयौ । गाव केलावौ सूनौ षेड़ो थौ, पछै भाटी वीरम जोधावत नै नाल्है नु आधो-आध कर दीयौ[5] । तरै कोहर बधाई नै[6] बास २ कर बसीया था । षेड़ो हिमें सूनौ छै । धरती हळवा १५ धांन सोह हुवै । ऊनाळी नही । तळाई मास १ पांणी । पछै कोहर रौ पांणी पीवै । हिमैं चारण ऊदौ हमीर रौ नै भानौ भारमल[5] रौ छै ।

११

१

जु० गांव ८६, तिण मैं गाव ६१ मडीया । बाकी २५ गांव माडणा[7] ।

---

१. जोगीहेत । २. वछायत । ३. नालो । ४. देवलीयाली । ५. भरमा ।

---

1. पोकरण की गायें ले आया । 2. गायों को प्राप्त करने के लिये पीछा करके । 3. युद्ध किया । 4 बडी सेवा चाकरी की । 5. आधा-आधा गाव दोनो को दिया । 6 अलग कुआ बनवा कर । 7 लिखने बाकी है ।

परगने रा गांव मडीया नही विगत वार तिण री ठीक कर मांडणा – – – – ।

४४. परगने पोकरण रो पातसाही दफतर सातलमेर लिपीजै छै[1] । दरगाह सु दाम ८००००० माहे समत १७०५ रा वैसाप माहे पायो। श्री माहाराजाजी रै रुपीया ४१०००) रा० सबळसिंघ प्रागदासोत राव चद्रसेन सबळसिघोत नु समत १७१५ रा फागण वदि १३ इण भांत दोयो—रेष समत १७२१ रा मगसर सुदि ७ मुहणोत नैणसी पा० नरसंघदास इण भांत दुरस कर[2] रेष माडी । तिण री विगत—

गाव	रुपीया	आसांमी
४०	२७०६०)	गांव हासलीक

रुपीया	आसांमी
१००००)	कसबै दांण सुधो १
४००)	चाचा बांभण १
२००)	भीवो भोजो १
४००)	घुहड़सर १
५००)	ऊधरास १
८००)	बांभणु १
१०००)	छायण
१००)	थाट
७०)	गाजण कालर री सरेह
२००)	वलहीयो १
२००)	दूधीयो १
१५०)	भोपी री सरेह १
२५०)	ढंढ री सरेह

१, परगना पोकरण बादशाह के दफ्तर मे सातलमेर के नाम से लिखा जाता है

२, ठीक करके ।

६००)	बडली	१०००)	बांणीयां बांभण
१५००)	पचपदरो १	८००)	काला बांभण १
४००)	माहव १	१५००)	लोहवो
१०५०)	झालरीयो २	७००)	ढढ १
५००)	जसवतपुरो १	१०००)	षारो १
१०००)	मढलो १	५००)	चादसमो १
२५०)	राहड़ रौ गाव १	१५०)	केलावो
१५०)	जैसंघ रौ गाव १	१००)	एका
८०)	गोमटीया मोहर कालर		
१५०)	राहपो १	१००)	षालत सरवण री सरेह
१००)	नेहड़ री सरेह १	४००)	वरडाणो १
५०)	सोढां री सरेह १	१००)	षेतपाळीयां री सरेह[1]
२५०)	गलरा री सरेह		

३०	५१००)	पोकरणा राठोड़ जगमाल रा रजपूता रा।
१५	१७००)	सांसण चारण पीडत बाभणां नु।
८५	३३८६०)	
०	७०००)	मेळा २, श्री रांमदेजी रा देहूरा रा।
८५	४०८६०)	

॥ समाप्त ॥

१ 'ख' प्रति मे गांवों के क्रम मे भिन्नता है।

परिशिष्ट—१

[मारवाड़ के कुछ अन्य परगनो की विगत]

(क) वात परगने सांचोर री

१. कदीमी तौ सगतीपुर सैर थौ। बसीया री ख्यात नही। ऊपर राज श्री सिवजी माराज रौ थौ, नै नदी सरसती वेती थी। सिवजी माराज कैळास पदारीया तरै चेला सकरजो न राज भोळायो थौ तरै आगे तौ सैर रा मिनखा रै कोकडी १ सूत री लागती सु देता पछै सकरजी कोकडी २ घर दोठ[1] सूत री लीवी। पछै सिवजी माराज तपस्या कर कैळास सू पधारीया तरै सैर रा लोका भेळा होय नै सिवजी माराज नै अरज कीवी कै म्हाने आपरा चेला सकरजी ओध दीवी नै दूणी लाग लीवी। तरै सिवजी माराज सकरजी नै ओळ वो दियो[2] नै लोका री खातर कीवी। परत सकरजी कही—लोक झूठा है। सराद पक्ष है सो गाव माह सु दूध मगावौ। तरै सैर मे समसता रै[3] घरै केवायो[4] —परभाते दूध मेलजो[5]। सु सारा गाव रा लोक दूध लाया। सु घणी पाणी नै थोडो दूध। दूध लाया सो हौद[6] मे भेळौ करायौ, सु हौद मे नोय नै[7] परा गया। एक कुभार विना पाणी साबत दूध लायौ, नै आगे दूध देखीयौ, पाणी तौ घणौ नै दूध थोडो तरै सिवजी माराज नै चेले सकरजो दूध री हवद देखीयौ नै वेराजी हुय नै[8] सकतीपुर सैहर रौ नाव थौ जिण री तौ नाव साचोर दोयौ। नै इण मुजब सराप[9] दीयौ। तिण री विगत इण मुजब—

नदीया नीर नही।
सतीया सत नही।
ब्राह्मणा वधारो[10] नही।
असत्रीया रूप नही[11]।

---

१ प्रत्येक घर से। २. उलहना दिया। ३ समस्त लोगो के। ४ कहलवाया। ५ प्रात काल दूध भेजना। ६ हौज। ७. डाल कर। ८. नाराज हो कर। ९. श्राप। १०. फलेंगे-फूलेंगे नही। ११ स्त्रिया रूपवती नही होगी।

इण तरै सराप दे, वेराजी हुय नै श्री सिवजी माराज नै चेता राकरजी कैळास पधारीया। उण दिन सु साचोर नाव है।

२. पछै सांचोर ऊपर माडवा री तथा वोगरा पातरा वगेरे केई राज रैया[1]। पछै कालमा परमारा री राज हुवी। सु परमारा रा राज ताई वहीया मे ख्यात नही[2]।

३. सोनगरा चवाण कानउदे बेटा बीरमदे नै कांनडदे रा भाई सवरसी जाळोर ऊपर राज करता सु सवत १३३७ मे पातसाह अलाउदीन वीरमदेजी सवरसीजी नै मार नै जाळोर लीवो। नै सवरसीजी रा बेटा १ चुग सालमसिंघजी १ बीकमसिघजी १ हापोजी १ कूभोजी अे चार जणा साचोर रै गाव सेवाडे आया नै जायगा कराई[3]।

४. सेवाडे रह्या नै पछै समत १३५६ रा वरस मे वीकमसिघजी रा मामा कालमा साचोर राज करता जिणा नै मार नै साचोर लीवो। व सूराचद ऊपर राणुवा नै मार नै सूराचद हापे लीवो नै तीजो भाई चुग कूभोजी नै साचोर रा तथा सूरचद रा पटा माह सु गाव ४८ अडतालीस दीया। तरै कूभोजी कामलोकोट करायो[4]। सु कुभोजी तो कामलोकोट रह्या नै हापोजी सूराचद राज कीयो। नै राव बीकमसीजी साचोर ऊपर राज कीयो। बीकमसी रा बेटा राव सगरामसिघजी रा बेटा पातोजी भोमजी नै पातोजी रा बेटा राव वरजागजी नै वरजागजी रा बेटा राव जैसघदेजी। जैसघदेजी ताई तो सोनगरा रो राज रह्यो पछै फेर पातसा री तथा पातसा री तरफ सु धवेचा री तथा बीहारीया री। समत १६९१ सुधी रह्यो जितरै सोनगरा चवाण जैसिघदेजी रा बेटा १ नेवाजी नै १ बारो राणो। राणा रा १ मेकरजी, मेकर रा १ सावतसिघजी। इतरी पीढी सोनगरा रै राज रह्यो नही। साचोर रा गावा मे बैठा था।

५. पछै सावतसिंघ रा बेटा राव बलूजी रै साचोर रहो, सु हेटै ख्यात में विगत आवसी। नै समत १६९५ लगत[5] राज रैया तिण री विगत हेटै उतारी छै[6]।

कसबे परगने साचोर रै असल दाम लाख २४ असी हजार, श्री पातसाजी रै दफतर छै।

---

१. अनेक राज्य रहे। २. परमारों के राज्य तक का वृत्तांत प्राचीन बहियों और ख्यातों मे लिखा हुआ नहीं मिलता। ३. मकान आदि बनवाये। ४ कामलीकोट बनाया। ५. तक। ६. नीचे लिखी गई है।

६. दा. २४८००००, पैला[1] तो जागीरी पातसाजी श्री..............रा अमल माहे माराज श्री सूरजसिंघजी जोधपुर रा धणीया नै हुई सु संमत १६९५ वें सूधी रही। नै पछै महाराज श्री गजसिंघजी देवलोक हुवा तरै ऊतरी[2]।

७ दा. २४८००००, जठा पछै नबाब श्री मीरखान थटाई वाळा नै हुई। समत १६९७ पछै ऊतरी। जालोर वास रया।

८. दा. २४८००००, तिण केडे[3] नबाब काजमखानजी ने हुई सु बरस एक रही, जाळोर वास था[4]।

९ दा. २४८००००, माहाराव श्री बलूजी चुहाण नै समत १६९९ मे हुई पातसा साहाजान दी थी। नै जाळोर माहाराज श्री महेसदासजी रै हुई। साचोर राव बलूजी चवाण ने थई। आगे राव वरजागजी नै हुती तिण केड़े राव बलूजी ले आया।

१०. दा २४८००००, तिण केडे। राव बलुजी राम केया तरै[5] फतैखान जाळोरी नै हेंसा ३।। हुवा, दाम..... समत १७१७ मे हुई।

११ पटो १ चु ग सगतसिंघ वेणीदासोत नै हुवो। वेणीदास रै पटो मास ६ रेयो। दरोवसत[6] पण पातसाजी रै हजूर। बेगजी फौत थया[7] तरै भाग ५।। थया।

पटो १ चु ग सूरजमलजी राव बलूजी रा बेटा रै दाम लाख।
२४८०००० समवत १७२१ रा बरस में पातसाजी रै खालसै रयो। साख बरसाळी था लीदी[8]।

१२ दा. २४८०००० समत १७२१ री ऊनाली था माहाराज श्री जसवतसिंघजी माराज रै थई सो १७३५ रा बरसाळी माहे माहाराजाजी काबल रै थाणे धाम पधारीआ[9] तरै ऊतरी[10]। पातसाजी श्री औरंगसाजी रा अमल मे। पातसाजी १७१५ मे तखत बैठा तिण केड़े माराजाजी नै थई।

---

१. पहले। २ गजसिंहजी का स्वर्गवास होने पर जोधपुर से अलग करदी गई। ३. उसी समय, करीब उसी रकम में। ४. निवासस्थान जालोर था। ५. बलूजी की मृत्यु होने पर। ६. दरोबस्त, सम्पूर्ण। ७. मृत्यु को प्राप्त हुए। ८. खरीफ की फसल से बादशाह के अधिकार मे हुई। ९. स्वर्गवास हुआ। १०. तब जोधपुर राज्य से अलग हुई।

१३. दां २४८०००० समत १७३५ वरस, ऊनाळी सुं पछै रामसिघ मोकमसिंघोत राठोड जोधा सुजाणसिंघजी रा भतीज नै हुई। वरस ऊनाळी।

१४. दा. २५५४४०० समत १७३६ वरसाळी थी दीवाण श्री फतैखान रै हुई। तरै दाम ४४०० ईजाफे थया[1]। मुकरडे दाम[2] ऊपर है सरे जन।

१५ पछै माहाराज श्री रामसिंघजी रतनसिंघोत नै हुई समत १७३७ री बरसाळी थी, ऊपर ऊनाळु मैं बालोलखा सेराणी नै गुजरात थई मास २ तथा ३। उणा री तागीरायत १७३८ में।

१६. दा. २०५४४००, दूजी वार दीवी। श्री फतैखाजी नै हुई समत १७३८ रा तिण रा दाम लाख ५ घटाड़ नै[3]।

१७ दा १३५४४००, समत १७४० री वरसाळी साख थी थई सादी कासम गुजराती नुं दाम घटाय नै दीवी नै चवाण सैसमलजी भाग लीधो। विगत इण मुजब—

८७६४०० सादी कासम रै हुआ।

४४१००० चवाण सैसमल।

३४००० चवाण सूरजमल।

१३५४४०० बीजा दाम उतार नै लीवी।

१८ दां. २०५४४०० तिण केडे समत १७४२ मे दीवाण श्री फतैखाजी नै साख ऊनाळी थी हुई तरै दाम लाख ७ बधाय नै[4] लीवी। समत १७४३ दीवाण फतैखा असवारी कटक माहे मोज का चेले आवता फौत हुवा। तरै तागीरायत हुई। तरै राव सैसमलजी रा दाम बाल रया।[5]

१९ दा २०५४४०० तिण वेळा समत १७४४ रा वरसाळी साख श्री दीवाण श्री कमालखाजी नै थई। साख मे बट[6] सैसमलजी री भेळो रयौ।

२० दा २५५ ४०० चवाण सावळदास नरहरदासोत बलूजी रा पोतां नै हुई। दाम वधाय नै असल कीया नै सैसमलजी रा दाम ४४१००० रा गांव बाट दीया। नै सावळदासजी दिखण माहे गढ हडमताई काम आयौ, पछै सावळदासजी रै तागीरायत थई[7]।

---

१. रकम बढा दी। २. कुल दाम। ३. कम करके। ४. बढ़ाकर। ५. बरकरार रहे। ६. फसल की पैदावार मे हिस्सा। ७. सांवळदास के अधिकार से हट गई।

२१. दा. २५५४३०, पछै संमत १७४६ रा बरस मे दूजी बार प्रगनो हुवो है दीवाण श्री कमालखाजी नै। प्रगनो हुवो विगत इण मुजब—

२११३४०० दाम कमालखाजी नै प्रगनो हुवो।

४४१००० दाम राव सैंसमलजी रै आगे वट थो जिण मुजब[1]।

२५५४४००

१०२१००० पछै समत १७४९ तथा १७५० राव श्री सैंसमलजी रो बेटो, ईजाफो हुवो।

४४१००० बाटो १ तो पेली दाम लाख ४ ने इगताळीस हजार।

२८०००० बाटो १ बीजो हुवो दोय लाख असी हजार।

३००००० बाटो १ तीजो, दांम लाख तीन रा गाव सतरै १७।

१०२१०००

५०००० भाटी देवीदासजी नै दाम हजार पचास अद-लाख[3] रा दाम हुवा।

२२. दा. २५५४४००, माहाराज श्री अजीतसिंघजी नै हुई खालसा री थको दाम लाख २५५४४०० समत १७५५ मे थई वीगत दांमा री—

१४८३४०० माहाराजाजी नै

१०२१००० राव सैंसमलजी नै

५०००० भाटी देवीदासजी नै।

२५५४४००

समत १७५५ माहाराज श्री अजीतसिंघजी नै जाळोर साचोर हुई नै सैंसमल चवाण रै पटै हेसा ३ साख सांवणू थी हुवा। नै बीड खाया गया। स० १७५६ बरसाळी महीना मे नै वुठा बरस करवरो[4] थयो।

समत १७५५ थी माहाराज श्री १०८ श्री अजीतसिंघजी माहाराज रै जाळोर, साचोर साख सावणू थी हुई, जठा सु लगाय आज तक श्री हजूर साहबां रै प्रगनो साचोर आबाद है[5]।

---

१ पहले हिस्सा था उसी के अनुसार। २. आधा लाख। ३. पैदावार की दृष्टि से कमजोर। ४. अभी तक साचोर का परगना जोधपुर राज्य में है।

२३. प्रगने कसबे सांचोर सं० १७२० थी, साल-साल री गोसवारो लेखो, ऊपना पईसा री विगत[1] तफसीलवारः—

१४१६३) सं० १७२० रै बरस री जागीर फतेखांजी नु । पवांण सूरजमल सगतसिघोत भागा ५।। —
बरासाळी दुकाळ[2]
२८३८।।)४३ नाळी रा ऊपनीया ।
११३२४।।)१। घासमारी सायर री ।
१४१६३)१

२३६८३।।।) स० १७२१ खालसे पातसाजी रै । साख ऊनाळू महाराजा जसवतसिघजी रै—
१७५१७।) बरसाळू ऊनाळू ।
६४६६।।) सायर बाब घासमारी रा ।
२३६८३।।।)

३८२३८) स० १७२२, माहाराजा जी ।
७३३५।।) सायर बाब रा ।
४२५४) कसबा रा ।
३८०।।) प्रगना रा ।
३०६०२।।) खुराक रा ।
२८८३२।।) खुराक ।
६५०=) हजांम प्रीयो ।
२७६=) माहर रा ।
३७८) कणवार रा ।
१ बरसाळी नहीं ।
४५८।) ऊनाळी ।
७) नीहड रा ।
३०६०२।।)

२४५६०।) स० १७२३ रा ।
१६१२८=) बरसाळू रा ।
१०७६८।।=) ऊनाळू रा ।
६६६४।।) घास की रास बाब रा ।

३०६३२) स० १७२४ रा ।
२४७३८) बरसाळू रा ।
११७८) ऊनाळू रा ।
५०१६) सेर बाब रा ।
३०६३२)

३५२६१।) स० १७२५ रा ।
२५२३८) बरसाळी रा ।
६५६।) ऊनाळू रा ।
६३६४) सेर बाब रा ।
३५२६१।)

२३१६८) सं० १७२६ रा ।
२३६६४) सांवणू रा ।
२७६) ऊनाळू रा ।
३६५५) सेर बाब रा ।
२८१६८)

---

१. प्रति वर्ष रुपये पैदा हुए उनकी विगत । २. अकाल था ।

२७३६१) सं० १७२८ रा।
१७७७३) वरसाळू रा।
३३७३) ऊनाळू रा।
६२४५) सायर रा।
२७३६१)

२८६१६) सं० १७२७ रा।
२२३७७) वरसाळी रा।
६२०॥।) ऊनाळी रा।
५१२१।) सेर बाब रा।
२८६१६)

२०३८३) स० १७२९ रा।
१२५२१) खुराक रा।
२५५२) वाटा रा।
५३१४) सायर रा।
२०३८३)

३५२४४) स० १७३० रा।
वरसाळू रा।
सायर रा।
३५२४४)

२०४१७॥) स० १७३१ रा।
१२१४२॥) सावणू रा।
९०८॥) ऊनाळू रा।
७३६६॥) सायर फरोई।
२०४१७॥)

२९ ४६॥।) सं० १७३२ रा।
२०९२६।) वरसाळू रा।
३२३०) ऊनाळू रा।
५५०९॥) सायर रा।
२९७४६॥।)

१८४९३॥।) सं० १७३३ रा।
१४१२१) वरसाळी रा।
२०९३।।।) सायर सेर रा।
२२४९) ऊनाळू रा।
१८४९३॥।)

४०००२॥) सं० १७३४ रा।
३४५३२॥) खरीफ रा।
२५७०) रवी रा।
२९००) सायर फरोई रा
४०००२॥)

२८३१०॥) स० १७३५ रा।
२३५२४) वरसाळू रा।
४७४) ऊनाळी रा।
४३१२॥) सेहर रा।
२८३१०॥)

३१७८३) सं० १७३६ रा ।
२३६७०।) बरसाळी रा ।
२६६७।।) ऊनाळी रा ।
५११५।) सेर फरोई रा ।
३१७८३)

३०६६६) सं० १७३७ रा ।
२४२७३।) बरसाळी रा ।
८६०) ऊनाळी रा ।
५५३५।।।) सेर फरोई रा ।
३०६६६)

२६४६०) स० १७३८ रा ।
१८५५७।।) सावणू रा ।
५५८४।।) राबी रा ।
२०५८।) सेर फरोई रा ।
२६४६०।)

११६१४) सं० १७३६ रा ।
४५८६) बरसाळी रा ।
१८७४) ऊनाळी रा ।
५१५४) सेर फरोई रा ।
११६१४)

२४६७३) सं० १७४० रा ।
१८३८४।) बरसाळी रा ।
४०३७।।) ऊनाळी रा ।
२२५१।) सेर रा ।
२४६७३)

२३२०८) स० १७४१ रा ।
१५६०४।=) बरसाळी रा ।
३७४६।।) ऊनाळी रा ।
२१५१) सेर रा ।
२१८४।।।=) पवांणा रा ।
१४०३) गांवा रा ।
२३२०८)

४७५५) स० १७४२ रा ।
३२००) बरसाळी रा ।
१२५५) ऊनाळी रा ।
३००) सेर बाब फरोई ।
४७५५)

१५७३८) स० १७४३ रा ।
१०६८०।=) सांवणू रा ।
१८७५।।) ऊनाळू रा ।
११८२।।) सेर रा ।
२०००) पवांणा रा
गांव रा ।
१५७३८)

१३२१२॥) सं० १७४४ रा।
७८२८) सावणू रा।
१०८५॥) ऊनाळु रा।
१३७६) सेर रा।
२९२३) पवाण रै गांव रा।
१३२१२॥)

१४९८१) स० १७४५ रा।
११३८०।) खरीफ।
२१८८।॥) रवी।
१४११) सेर रा।
१४९८१)

१७११०॥) सं० १७४६ रा।
११७५५) खरीफ रा।
३९१५।॥) रवी रा।
१४३९।॥) सायर रा।
१७११०॥)

१४३९७) स० १७४७ रा।
११४६६।) खरीफ रा।
१४७९।॥) रवी रा।
१४४१) सायर रा।
१४३८७)

१३१५३) सं० १७४८ रा।
११८९३) सावणु रा।
१२६०) सायर रा।
१३१५३)

१२८६१॥) स० १७४९ रा।
१०३१३॥) सावणूं रा।
१२०२॥) ऊनाळु रा।
१३४५॥) सायर रा।
१२८६१॥)

१५२१०॥) सं० १७५० रा।
१२३९४) खरीफ रा।
१२५७॥) रवी, सेंवजी रा।
१५५९) सायर रा।
१५२१०॥)

१४९५३) स० १७५१ रा।
सावणूं, ऊनाळू रा।

२४१३९) सं० १७५२ रा।
साख सावणुं, ऊनाळू सगळी रा सांमल[1]।

---

१. दोनो फसलो की शामिल आमदनी।

५२५३) सं० १७५३ रा बरसाद काळ पडीयो[1]। घास चारो नहीं। मेह थोडो वूठो[2]। वित घणो मुवो[3]। पड रा गांवां मे तथा थळ में मिनख गोळू कर नै[4] ढोर चारवा नै नई पड रा घास चार मे आवै, उणा ऊनाळू रा गांवा मै कोसीटा, नै साख बाजरी। रु० १) री पा० १२ ली। पासई १ रा रु० २)।

१४०१) स० १७५४ रा महाकाळ थो। आधांन खड में नेपत हुई नही[5]। प्रगना रा गाव सगळाई सूना थया[6]। माणस वरतवा गुजरात गया। नै जठै घणो मेह थयो[7] तठै मिनख मादवाड[8] नै भूख घणी, तरै मुवा। सुंराचद जावता माणस दुपाल कर-कर घाव वित लेनै गया। सरब घाव वित भीला मार लीना[9]। सूराचद देस सूनो कीघो नै कसबे बसती रही[10]। काटो कर नेडीलु घणो आव दोवण कमालखा नै व्यारी रा अमल जका न थाया भीला रा कटक थया।

७५१०) स० १७५५ रा माहे, माहाराजा जी श्री अजीतसिंघजी नै जाळोर साचोर हुई। नै सांमल चवाणा रा पेहेला ३ साख सावणू तीड खाये गया, नै खड थया। मोठ वा दुण री खाण खाय गया।

४००१) स० १७५६ रा बरसाळू मेह वूठा। बरस करवरो थयो[11]। खड घणा थया। गोहु रु० १) रा ऽ१ ली १ नै बाजरी रु० १) री म०१, काती-सरे सीयाळे नी। राजाजी राज अमल सखरु। सूराचद राणा सारुद रा बेटां रांणा जीवण लख सा० सूराचद थो परा काढ न[12] चवाण सिवराज बावे छा नै सलामी रु० ३०००) रोकड़ा ले नै ही जुदी धू राणा जीवण लखो परा काढीया। सो पारकर मे जाय नै रया[13]।

२४. प्रगना सूराबद रा गांव आगे[14] तो राणपुरे था। पछै समत १३३७ मे चवाण वीरमसिंघ जाळोर काम आयो। नै चवाण सालमसिंघ नै सालमसिंघ रा बेटा, १ वीक्रमसिंघ १ हापो साचोर रा प्रगना मे आया। सु पैला तो गांव सेवाडे रया[15]। नै उठे जायगा कराई। बरस २४ इतरा तो सेवाड़े ऊपर रया।

---

१. अकाल पड़ा। २ वर्षा कम हुई। ३, जानवर बहुत मरे। ४. जानवरों को लेकर परगने के बाहर गये। ५. कुछ भी पैदा नहीं हुआ। ६. सभी गांव सूने हो गये। ७. जहां अधिक वर्षा हुई। ८. बीमारी। ९. सारे जानवर भीलों ने छीन लिये। १०. केवल कस्बे मे आबादी रही। ११. कमजोर वर्ष। १२. सूराचद के वशजों को निकाल दिया। १३. पारकर मे जाकर रहे। १४. पहले। १५. प्रारम्भ में सेवाड़ा ग्राम मे आकर रहे।

पछै कालमा साचोर ऊपर राज करता जिणा री भाणेज तो चवाण वीक्रमसिंघजी सुं कालमा नै मार साचोर लीवी। नै चवाण हापो सूराचद ऊपर राणुवा राज करता तिणा ने मार सूराचद लीवी। समत १३६१ री साल सू पीढी बारे १२ ताई[1] राज कीयो। विगत पीढीया री तफसीलवार :—

१ चवाण हापोजी राणा
१ राणो गणसीदे
१ राणो भोजराज
१ राणो वीसलदेजी
१ राणो वीसलजी
१ राणो मानोजी
१ राणो सेंसमलजी
१ राणो सादूळजी
१ राणो डूगरसीजी
१ राणो ऊधरंणजी
१ राणो दीपाली चवाण लखजी
१ राणो सूजोजी।

२५ पीढो १२ बारें सूंराचद राज कीयो नै चवाण हापो चोरण लीवी। डूगर ऊपर कोट करायो, जुने राज कीयो। पछै रायपुर लीवी नै खेडा ५२७ कवजे कर नवो कोट कियो। नै सूराचद वसायो नै राणे घणती तळाव खुदायो। इतरी वाता जूनी सूराचद री हुई। पछै समत १७१२ रा बरस मे रावजी श्री बलूजी रा अमल में साचोर रो कानूगो लोलो श्रीधर बार रै काम नईड काठा कानी जावता थो, सो सूराचद रा राणा देपाल रै बेटा भाई आडा फिर कानूगा नै मार नाखीयो[2]। नै आदमी ३ काम आया। लारे बहू सायली सती हुई। नै रावजी गोचर महेलीयो। तिण पछै फेर करणोत दुरगदासजी री साढीयां घोड़ी करई समत १७५६ रा मिगसर में लाया। लारै कुंभकरणजी आया। तरै साढ़ेयां दीवी नही नै गैर जबा बोलीयो[3]। सो पाछो जोधपुर नै चढ गया[4]। नै दूजी वार फौज ले आया। साथे गुडा रो रांणो ठाकुरसी थो ने फेर साचोरी रा सिरदार

---

१ १२ पीढ़ी तक। २ रास्ता रोक कर मार डाला। ३. अशिष्ट व्यवहार किया। ४. जोधपुर को चले गये।

भोमीया नै चवांण सूरसिंघ वगेरा नै सांचोर री कानूगो लोला रो पोतरो[1] सामदास श्री दरबार सु अरज करी। राज फतेसिंघजी प्रथीराजोत अठै फौजदार था, तरै रांणा सिवराज कवर वेणीदास अरजण नै टीको दीयौ।

२६. समत १७५७ रा वरस मे माहाराजा जी श्री अजीतसिंघजी माहाराज रा अमल मे तरै जमा रा ऊठ २ घोडा २ रुपीया २००) वरस १ रा ठेहराया[2]। नै सूंराचद रा गाव दीया। आगला सूराचदा नै परा काढीया सू आगे तो पारकर मुलक में गया था नै हमार थळ रा गावा मे गगासर नै गगासर रा गावां मे बेठा है[3]। गाव खावै है[4]। विगत सूराचद रा गाव राणा सिवराज रै आगे था तिण री, विगत तफसीलवार —

१	गाव	सूराचद	१	गाव	पटेलडी
१	,,	चीखा	१	,,	कडीयावास
१	,,	बाघूडी	१	,,	तलाचार
१	,,	हीरावसो	१	,,	बाघूडी
१	,,	कानावेरी	१	,,	मदावाव
१	,,	गोठो	१	,,	लोटीसर
१	,,	डाबली	१	,,	डाबाली
१	,,	बांमणावास	१	,,	भाकु
१	,,	गोऊ चारणा रो	१	,,	गोडा
१	,,	खारीवाव	१	,,	भाटवस
१	,,	वीसीया वेरी	१	,,	घीगाणो
१	,,	नोडी	१	,,	तेजीयास
१	,,	नोबज	१	,,	खेजडीयाळी
१	,,	मेलावस	१	,,	साकरीयो
१	,,	डीडावाव	१	,,	आखो
१	,,	फोगरवो	१	,,	वेडीयो
१	,,	रतासरी	१	,	आखरीया वाव
१	,,	चडीवाव	१	,,	पाडरवेरी

१ पौत्र। २ महाराजा को देने निश्चित किए। ३. गगासर के गांवो मे रहते है। ४ गावो का उपभोग करते है।

१	गाव	मुणावेरो	१	गाव	भोजीया वेरी
१	,,	मडारीयो	१	,,	जेजोया वाव
१	,,	तारीसरो	१	,,	मूदलुऊ
१	,,	आसुकुपो	१	,,	आमटकुई
१	,,	सुवागो चारणा री	१	,,	कुतर कुवो
१	,,	अरठो	१	,,	बाखासर
१	,,	चोटील	१	,,	तड़लो
१	,,	मंगावो	१	,,	गगासरो
१	,,	मासो	१	,,	रेवारी होरा वेरी
१	,,	चोतरडी	१	,,	मोठडी
१	,,	खारो	१	,,	घूढावो
१	,,	ऊणहडो	१	,,	वासरलो
१	,,	माटुडी	१	,,	सगर वाव
१	,,	बोहलो	१	,,	हैमावाव
१	,,	ओगालो	१	,,	गोहलो
१	,,	गगाकुवो	१	,,	कूभीयो
१	,,	पोथावेरो	१	,,	गाडलोऊ
१	,,	सूरावाव	१	,,	खामराई
१	,,	चौपड मेडी	१	,,	वामटीयो
१	,,	भूहेरो	१	,,	सामी री वेरी
१	,,	रगाऊली	१	,,	सीमारडी
१	,,	सातो चारणा री	१	,,	खळहळीऊ
१	,,	अरठी	१	,,	चालकनो
१	,,	माडणावस	१	,,	आकलो
१	,,	भूटोओ	१	,,	मेहाजाजीऊ
१	,,	फागलीयो	१	,,	काटीयो
१	,,	सीणाणोयो	१	,,	सेडवो
१	,,	पनोरीयो	१	,,	भूपार
१	,,	माटुडो	१	,,	बामणरु
१	,,	नीगणाणी	१	,,	कीलीयोहर
१	,,	वाळदडो	१	,,	मूहदाडा
१	,,	डूंगरो	१	,,	अडवाळेसर

१	गाव	कोलीयाणो	१	गाव	रोहलो मालाणी
१	,,	वुहल	१	,,	जूडण
१	,,	ऊणहडी	१	,,	सुटाकुई
१	,,	हदवो	१	,,	सेसाऊवो
१	,,	छूदा वेरी	१	,,	चीभडो
१	,,	भेखडी	१	,,	चमली
१	,,	माणकी मालाणी	१	,,	वीसलकुवो
१	,,	गोगावेरी	१	,,	सेहणो
१	,,	पाणाली	१	,,	रायोतसर
१	,,	वीराऊवो	१	,,	गूदी
१	,,	हाली वावडी	१	,,	साहारलो
१	,,	लाखा वास	१	,,	राऊवसर
१	,,	सीहमूल	१	,,	हरपालीयासर
१	,,	बाभणलो	१	,,	गुदाहर
१	,,	साऊ	१	,,	सोनारडो
१	,,	गोघडा कुवो	१	,,	केकड
१	,,	राजऊवो	१	,,	चपा वेरी
१	,,	सालाहर	१	,,	मलाणी
१	,,	हेकज	१	,,	भाऊडी
१	,,	वरणासर	१	,,	वाचलो
१	,,	वीसासर	१	,,	पाबू वेरी
१	,,	पुजाहर	१	,,	आकली
१	,,	साहाऊ	१	,,	जाखड
१	,,	रोहलो	१	,,	आलेठी
१	,,	बाभीणरु	१	,,	अगडावो
१	,,	कोजो	१	,,	कुंडकुई
१	,,	घोरोमनो	१	,,	कागोड़ा
१	,,	बागावेरी	१	,,	चाहली
१	,,	माहालाणी	१	,,	कूभीयो
१	,,	वांक	१	,,	लोणरवाहु
१	,,	राजूडी	१	,,	हालु
१	,,	पूरसा	१	,,	भलगाव

१	गाव	अगराळी	१	गाव	देहरीयाळी
१	,,	हसतुडी	१	,,	पासरली
१	,,	वरडीयो	१	,,	कापडीकोट
१	,,	दूठवा	१	,,	मूणीयासर
१	,,	राणासर	१	,,	गुगडो
१	,,	कूभटीयो	१	,,	वीसासर
१	,,	रोलयो	१	,,	हातलो
१	,,	डूगरीयाळी	१	,,	लूणसर
१	,,	मूळीयाणी	१	,,	जडफो

२७ विगत—इण गावां माह सु परगना सूराचद माय सु गाव वाखासर नै वाखासर रा नीवाण[1] था जिके आगे काळ रा सत्र सू परगनो साचोर रा आगा पडता सो सराई सोढा वगेरे पारकर रो मुलक छोडता, जिण दिना वाखासर रा भोमीया डरता थका सीदवाडो नै देणा कर नै सिंद मे गया। नै सिंद रो मुती वाखासर रेवती नै गाव वाखासर रै ऊपर अमल ऊणां री थी[2]। सु समत १६०६ रा वरस मे हाकम सीगो रतनराजजी नै ऊकील मुणोयत जीतमलजी नै साचोर री कानूगा उत्तमचद चतुरदास केसरीचद था सु कानूगा री वया[3] सु नै सूराचद रा रांणा रा चोपडा सु वाखासर नै वाखासर रा नीवाण चाळीस सुधी[4] आई। हमे वाखासर रा गावां री ढल हळां दीठ रुपीयां २॥) वाखासर रै गावा रा श्री सिरकार मे भरै। नै श्री दरवार रो थाणो वाखासर मे उण दिन सुं रेवै। सिंद मे वरस ४० चाळीस तथा ४२ बेंयाळीस रैई सु पाछी श्री खावदा[5] रै आई।

आगला जूना सूराचद रा धणी पारकर में गया जिका हमार गगासर रा जागीरदार है नै उणा रै ही गाव ३२ बत्तीस कबजे है। श्री सिरकार मे गीण भरै है। मुकरडे रुपीया ठेरै है[6]। नै गाव विना पटै खावै है[7]।

प्रगने साचोर रा गावा रा हाल व० समत १६६२ रा वरस री—

१ कसवे साचोर

---

१ जलाशय। २. उनका अधिकार था। ३. वहियें। ४ सहित। ५. महाराजा। ६ लगान की निश्चित रकम तय की जाती है। ७. गांवो की आमदनी विना पट्टे के खाते हैं।

अेक साखीओ[१] । वेरा ७, तळाव छोटा-मोटा १० । जमीन हळवा २२५ तथा २५० तथा ३०० होसी ।

१ गाव अरणाव

कोस ७ दिस ऊगवणो । कुवा २, तळाव १ । जमी हळवा २०० गाव पटैलीयौ लाटा कूता री ।

१ गांव अगार

दिस आथूणो[२] । कोस २ । वेरी १, तळाव १ । जमी हळवा ६० । चौदरी जीवो, लाटा कूंतां री गाव ।

१ गाव आकोली

कोस ६ दिस उतराधो । वेरो १, तळाव १ । जमी हळवा १०० । गाव लाटा कूता री कोसीटा ऊपर ।

१ गाव आबली

कोस ४ उतरादी । वेरो १ पाणी पीवै, तळाव १ । जमी हळवा १२५ । पादरीया ब्रामण रै गाव ।

१ गाव ईसरलो

कोस १० दिस आथूणी । पादरीया चवाण रजपूत है । गाव दुसाखीयो[३] । पाणी नदी लूणी पीवै । हळवा ७५ जमी छै ।

१ गाव अचलपुर

कोस ७ दिस आथूणी । वेरो १ । जमी हळवा १२५ गाव दो पेदघुडा दातरोडो, माजरे पडीयो छै । पादरीया चवाण छै ।

१ गाव अगडावो

दिस आथूणो कोस १५ । जमी हळवा ६० रै आसरै[४] छै । चारण नाथा रै पडीया नै आगे पारो वाडी खेड ना ।

१ गाव अरडुयो

वेरान छै, घणा दिना रो[५] । कोस १२ । दिस आथूणो । दुसाखीयो । नदी लूणी ऊपर मोजे डडेरा माय मांजरे पडीयो छै । हळवा २० ।

१ गाव अलेटी

---

१. केवल खरीफ की फसल होती है । २. पश्चिम मे । ३. दोनो फसलें होती हैं । ४ लगभग । ५. बहुत दिनों से सूना पडा है ।

दिस आथूणो । कोस १४ कुंभा सतारा रा नाव रौ गाव छै । हळवा ५० ।

१ गांव कीलवा

कोस ३ । दिस आथूणो । वेरो १ नै तळाव १ । हळवा १२५ । लाटा कूतां रौ गाव छै । एक साखीयो ।

१ गाव किसोरी

कोस १० । दिस आथूणी पासे[1] । दुसाखीयो । पाणी नदी मे वेरीया मे पीवै छै । हळवा २०० आसरे छै । पादरीया कालमा रजपूत छै ।

१ गाव काचेलो

कोस ७ दिस आथूणो । हळवा ५० । पांणी वेरिया रौ पीवै । तळाव १ । गाव लाटा कूता रो । पादरीया सोलकी छै । हमार चारणा रै सासण रो गाव है ।

१ गाव करोली

कोस ३ दिस उतरादो । वेरा २ तळाव १ । हळवा १२५ आसरै । एक साखीयो । गाव लाटा कूता रो छै । पादरीया सोळंकी छै ।

१ गाव कीरावडो

उतरादो, कोस ७ । वेरो १ जमी हळवा ७० । एकसाखीयो गाव । जमीया पछै गाव चवाणा रै छै ।

१ गाव फेरीयो

कोस १२ दिस उतरादो । दुसाखीयो गाव । कापलीया चवाणो रौ थौ । हळवा १५० ।

१ गाव काटेल

कोस ५ ऊगवणो । वेरो तळाव १ । हळवा ८० । एकसाखीयो गाव । पटेलीया छै ।

१ गाव कुडी देवड़ा री

ऊगवणी कोस ६ । वेरी १, तळाव १ । हळवा ५० । गाव देवडां रो छै । गाव जमीया पछै एक साखीयो[2] ।

१ गाव कोडकालमा री

कोस ५ आथूणो । वेरो १ तळाव १ । हळवा ७० तथा ८० रै आसरै छै । गाव एकसाखीयो । ऊघडा तथा लाटा कुतां री छै ।

---

१. पश्चिम की ओर । २. प्रारंभ से ही गांव मे एक फसल होती है ।

१ गांव खासरवी

कोस १३ दिस आथूणी। नदी लूणी ऊपर। दुसाखीयो। पादरीया सोळ की। लाटा कुंता रो। हळवा १४० रै आसरै।

१ गाव गोलासण

कोस ४ दिस दिखणाद। वेरा २ तळाव १। हळवा १५० आसरे। एकसाखीयो। गाव लाटा कूता री छै।

१ गाव गरढाळो

कोस ३ दिखणाधू। कुवो १ नै तळाव १। हळवा ८० तथा ९० रै आसरै होसो। गाव एकसाखीयो। जमो ऊधडो तथा कुंतां रो छै। कालमा पादरीया छै।

गाव गगावास

कोस ०।। सांचोर री सीव मे आथूणो। वेरो १ एक तळाव १ एक। जमी हळवा ३० तथा ४५। एकसाखीयो लाटा कूता रो।

१ गाव गजीफोको

कोस १ दिस आथूणो। गांव दुसाखीयो। हळवा २०० रै आसरै। नदी लूणी। चवाण पादरीया कदीमी छै[1]। लाटा सरै छै।

१ गाव गाधव

कोस १० आथूणो पासे उतराद नदी लूणी ऊपर दुसाखीयो। लाटा कूंतां रो छै। राठौड़ विजैसिंघ देवीया रो छै। हळवा ८०। सो हमार समत १८९२ राव समैजा सा० बाहादुर मालाणी वाळा नै दीरायो नै जमा भरै नही[2]।

१ गांव गडासो

कोस १४ उतरादो सामो[3]। दुसाखीयो। नदी लूणी ऊपर छै। पटैलीयो। हळवा २००।

१ गाव गोमी

कोस १० आथूणो। पाये नदी लूणी। सांसण चारणा मयारी छै। राव श्री बरजागजा री दत्त दीयोड़ो छै। समत १५३२ मे। हळवा ३० तथा ३५।

१ गाव चजीरो

---

१. पादरिया चहुवान प्राचीन समय से ही रहते हैं। २ सरकार को रकम नही देते। ३. उत्तर की ओर।

कोस ६ आथूणो। पाणी वेरीया री पीवै। हळवा ४० आसरै। लाटा कूंता री गाव। एकसाखीयो। पटैलीयो गाव छै।

१ गांव चीतलवाणो

कोस १० उतरादो। दुसाखीयो। नदी ऊपर लाटा कूंता री, पटैलीयो। हळवा ५०। बसती पटेला री तिणसू पटैलीयो[1]।

१ गाव चारणीव

कोस ११ उतराधो। दुसाखीयो। नदी ऊपर। हळवा ३०। लाटा कूता री। पादरीया चवाण छै।

१ गाव चोरा

कोस १० उतराद सामो। वेरो १, तळाव १ लाटा कूंता री। हळवा ७० आसरे। साख १ नीपजे।

१ गाव जाणवी

दिस आथूणी। नदी लूणी ऊपर। दुसाखीयो। लाटा कूता री। हळवा ७०। कोस १०।

१ गाव जीजासण

कोस १॥ उगूणो। वेरो १ तळाव १। एकसाखीयो लाटा कूता री।

१ गाव जीखेल

कोस ५ उतरादो। वेरो १ तळाव १। एकसाखीयो। लाटा कूंता री। पादरीया चवाणा री। हळवा ६०।

१ गांव भाव

कोस १३ उतरादो। दुसाखीयो। नदी सूकडी ऊपर कोसीटा घणा हुवै।[2] पादरीया चवाण छै। हळवा ७० आसरै जमी छै।

१ गाव भेरोल

कोस १० उगूण-उतराद छै[3]। वेरो १ तळाव १। हळवा ४०। सांसण चारण खिडीया[4] री छै। दत्त बीहारीया री दीयोडी। अबार गाव खालसै छै।

---

१. पटेलों की वस्ती है इसलिये पटेलिया कहलाता है। २. सूकड़ी नदी के किनारे सिंचाई के लिये कुए काफी हैं। ३. उत्तर-पूर्व मे है। ४. खिडिया जाति के चारणों के सांसण का गांव है।

१ गांव तुटड़ो

कोस ८ उतराद नै। वेरो १ पादरीया बीरांमण। लाटा कूतां री। हळवा ८० ।

१ गांव जोडादर

कोस १७ आथूणो । दुसाखीयो। नदी लूणी ऊपर । हळवा ६० । वघीचा चवाण छै। जमा ऊदड़ो देवै छै।[1] पादरीया चवाण छै। माहाराज श्री गजसिंघजी री वार मे वघीचा चवाण वीरमदे नै जमा बाद नै दीयो।

१ गाव जाडवो

आथूणो दिस उतरादो। कुंभावता री गाव छै। घणा दिनां री वेरांन छै।[2] हळवा ४० आसरे छै।

१ गांव डभाल

कोस ३ दिस आथूणो। हळवा १०० आसरै। पादरीया सोळंकी। एकसाखीयो। लाटा कूता री छै।

१ गाव डडोसण

कोस ६ आथूणो। पांणी वेरा री पीवै। तळाव १। हळवा ६० । एकसाखीयो। लाटा कूता री हुवै।

१ गाव डाभल

कोस ५ उतरादो। कुवा २ तळाव १। हळवा ६० आसरै। एकसाखीयो लाटा कूता री छै।

१ गाव डीघोप

कोस १० आथूणो। नदी लूणी ऊपर। दुसाखीयो। हळवा १५० आसरै। पादरीया गूजर छै।

१ गाव डेढरो

कोस १२ आथूणो। दुसाखीयो। नदी लूणी ऊपर। हळवा ५० आसरै। गाव जमीयो छै, चवाण गगोईदास भूपत री छै।

१ गाव डेडवो

कोस ६ उतराद सामो। वेरो १ तळाव १। हळवा ५० रै आसरै। इकसाखीयो लाटा कूंता री।

---

१. एक निश्चित रकम गाव के लगान के रूप मे दी जाती है। २. सूना पड़ा हुआ है।

१ गांव डागरो

कोस ५। वेरो १ तळाव १। हळवा ४० जमी। पादरीया सोलंखीया री छै। अेकसाखीयो।

१ गाव तीतरोल

कोस १२ उतरादो। बेरो १ तळाव १। हळवा ६० रे आसरै। लाटा कूतां रो। पटेला री गाव छै।

१ गाव तावडो

कोस १५। वेरो १ तळाव १। अेकसाखीयो जमी हळवा ५० तथा ६० रे आसरै। बिरामण पादरीया छै। उदक रो गाव छै[1]।

१ गाव दाघलो

कोस ५। वेरो १ तळाव १। जमी हळवा ४० तथा ५० आसरै होसी। पादरीया कालमा रजपूत। गाव एकसाखीयो छै।

१ गाव दघुडो

कोस ६ आथूणो। वेरो १ पादरीया पड़ीयार रजपूत छै। जमी हळवा ३० आसरै। हमार अचळपुर माजरै पडीयो छै[2]। गाव अेकसाखियो।

१ गाव दातीया

कोस ८ आथूणो। हळवा ५० आसरै छै। पादरीया परमार छै। अेक-साखियो गाव छै। लाटा कूतां रो छै। पाणी वेरीयां रो पीवै छै।

१ गाव दीलोदर

कोस १६ आथूणो। अेकसाखीयो। नाव भाटकी माजरै पड़ीयो छै। हळवा ३० रै आसरै जमी खडीजै छै[3]। वाटकी वाळा।

१ गाव रूठवां

कोस १५ आथूणो। आथूण मे कुभावता रो गांव। दुसाखियो। हळवा २०० आसरै छै।

१ गांव घमाणो

कोस ३। वेरो १ तळाव १। जमी हळवा ५० तथा ६० रे आसरै छै। गांव लाटा कूंता रो एकसाखियो।

---

१. दान मे दिया हुआ गांव। २. अभी अचलपुरा मे सूना गांव है। ३. जमीन मे खेती होती है।

१ गाव घाणतो

कोस ५ उगूणो । हळवा ८० रै आसरै । वेरो १ तळाव १ । लाटा कूतां रौ गाव पटेलीयो । साख एक नीपजै[1] ।

१ गांव घुडवा

कोस ४ आथूणो । हळवा ३५ आसरै । वेरो १ तळाव १ । एकसाखियो लाटा कूता रौ । पादरीया विरामण छै ।

१ गाव घरणावस

कोस १४ उतरादो । सासण चारण वणसूर, दत्त वीहारीया रै दीयोड़ी छै । घणा दिना री नदी सूकडी आवै छै । हळवा ५० आसरै छै । गाव लाटा कूतां रौ दुसाखीयौ छै ।

१ गाव जागोलडी

कोस ४ उगूणो । वेरो १ तळाव १ । जमी हळवा ७० तथा ७५ आसरै छै । गाव लाटा कूता रौ । एकसाखियो । बसती पटेला री ।

१ गांव जळधरी

कोस १३ नदी लूणी ऊपरै गाव । दुसाखीयो । लाटा कूंता रौ । पादरीया चवांण छै । हळवा ५० आसरै ।

१ गाव पुर

कोस ५ उगूणो । वेरा दोय तळाव दोय । हळवा २०० आसरै ...
साखीयो । धणी चवाण[2] ।

१ गाव पांनलो ...सरै ।

कोस ७ ऊगूणो । वेरा दोय, तळाव दोय । गांव एकसाखीयो छै
७० तथा ७५ आसरै । धणी देवडा ।

१ गाव पाडपुरी

कोस २ दिखणादो[3] । तळाव एक वेरा २ । हळवा ५० आसरै । लाटा कूतां रौ गाव एकसाखीयो ।

१ गाव पलाघर

कोस ४ दिखणादो । वेरो एक तळाव एक । हळवा १०० आसरै । पादरीया देवडा छै । गांव एकसाखीयो ।

---

१. एक फसल पैदा होती है । २. गांव चहुवानो की जागीर का है । ३. दक्षिण की ओर ।

१ गाव पालड़ी सोळंखीयां री

कोस ३। वेरो एक तळाव एक। हळवा ५० तथा ६० आसरै[1] छै। गाव एकसाखीयो। ऊधड़ीया चवाणां री गाव छै।

१ गाव पालड़ी देवडा री

कोस ७। कुवो एक तळाव एक। गाव एकसाखीयो। उगूणो। जमी हळवा ७० आसरै।

१ गाव परावा

कोस ८ उतरादो। नै पाणी कुवा री पीवै। एकसाखीयो गाव। पादरीया चवाण धणी छै। हळवा ६० तथा ७० आसरै छै।

१ गाव पादरड़ो

कोस १२ उतरादो। पांणी कुवा री पीवै। हळवा ३० आसरै। पादरीया सिलोरा रजपूत छै। गाव एकसाखीयो।

१ गाव वगसडी

कोस ७ आथूणो। पाणी वेरीयां पीवै। एकसाखीयो। पादरीया भाट छै। हळवा ३० आसरै।

१ ... फारणो

साखिय... ूणो कोस २। तळाव १ कुवो १। हळवा ६० रै आसरै छै। गाव लाटा

१ गांव । एकसाखीयो।

... बावड़लो

हळवा ... ोस ५ आथूणो। पांणी बेरीया उ[2] पीवै। एकसाखीयो। पादरीया सोळंखी[3]

१ ग... त छै।

गाव वालेरा

... कोस १४ आथूणो। दुसाखीयो छै। विरामणां री। हळवा ५० तथा ६० आसरै छै। मोराणे रा रुपीया ५॥।-) भरै।

१ गांव सडवल

कोस ५ आथूणो। कूवो १ नै तळाव १। हळवा ६० तथा ७० आसरै। गाव एकसाखीयो।

---

१. लगभग। २. वेरियां (छोटे कूप) से। ३. राजपूतों की एक शाखा।

१ गाव भांदरूण वांभीयां री

कोस १०, नदी लूणी ऊपरैं। आथूण नू। दुसाखीयो। पादरीया सोलखी छै। हळवा ५० तथा ६० आसरै छै।

१ गांव सवाण

कोस १३ आथूणो। पांणी वेरां री पीवै। पादरीया परमार छै। हळवा ५० तथा ६० आसरै। गाव एकसाखीयो।

१ गाव वाटकी

कोस १४ पाणो तळाव रो पीवै। हळवा ७० तथा ८० अदाज। पादरीया सोलखी रजपूत छै। बसरा रु० २२५) हमेसा ऊघरै छै[1]।

१ गाव भवातडो

कोस १७। दुसाखीयो। नदी लूणी ऊपरैं। हळवा ३० तथा ४० अदाज। मुकातो ऊघावे छै।

१ गांव भदरुड पालावास

कोस १२ उतराद[2]। कुवो १ तळाव १। हळवा १५०। एकसाखीयो, लाटा कूता रो।

१ गाव मालवाडो

कोस ८ उतरादो। कुवो १ हळवा ४० तथा ५० आसरै। गाव पटेलीयो[3]। एकसाखियो छै।

१ गांव मुजी

कोस १२ दिस उतराद नैं। कुवो १। हळवा ४० तथा ५० आसरै। गाव बसती पटेला री। एकसाखीयो छै।

१ गांव मिपाल

कोस ७ दिखण नैं। कुवो १ नै तळाव १। हळवा ५० तथा ६०। वलादार रा चवांण छै। जठै जमा ऊगी देवै छे।

१ गांव मेलाप

कोस १४ उतराद नैं। दुसाखीयो। नदी लूणी ऊपर। हळवा ४०० रै आसरैं। लाटा कूता रो। बसती पटेलीयो।

---

१ लगान के रूप मे वसूल होते है। २. उत्तर दिशा की ओर। ३. पटेलो की आबादी वाला।

१ गांव मडाळी

कोस १४ आथूणी । दोय साखीयो । हळवा ६० आसरै । वावेचा चवांण तेजमाल दुरजणसिंघोत छै । माहाराज श्री गजसिंघजी रा अमल मे दिरीजियो छै[1] ।

१ गाव मरठवो

कोस ११ आथूणो । नदी लूणी ऊपर गाव । दुसाखीयो । लाटा कूंतां री । पादरीया पड़ीयार रजपूत छै । हळवा २५ ।

१ गाव मेडो

कोस ११ आथूणो । नदी ऊपर । गाव दुसाखीयो । लाटा कूंता री । पादरीया राठोड़ छै । हळवा ५० अदाज ।

१ गाव सूंघाऊ

कोस ३ ऊगवणो । कुवो १ तळाव १ । हळवा ७० तथा ८० आसरै । गाव दुसाखीयो । पादरीया जोजा रजपूत छै । गांव लाटा कूता री ।

१ गांव रतोडो

कोस ११ आथूणो । नदी ऊपर गांव छै । हळवा ७० तथा ८० आसरै छै । पादरीया रजपूत राठोड़ छै ।

१ गाव रड़वल

कोस १७ दुसाखीयो । गांव भवातड़े मे पड़ीयो छै[2] । बेरो न पडी छै[3] । नंदी लूणी ऊपर हळवा १०० रै आसरै छै ।

१ गाव रणोदर

कोस १४ उतराद नै, नदी लूणी ऊपर । दुसाखीयो । लाटा कूंतां री गाव । वसती पटेलां री । हळवा १२५ आसरै ।

१ गाव ठालडी

कोस २ उगूणो । हळवा ४० तथा ५० अदाज । कुवो १, तळाव १ । गाव एकसाखीयो । पादरीया गोयल रजपूत छै ।

१ गाव लीपादरो

कोस १० उगूणो । कुवो १, तळाव १ । एकसाखीयो गाव । जमी हळवा ८० रै आसरै ।

---

१. गजसिंहजी के अधिकार के समय मे दिया गया । २. भावतडे ग्राम के शामिल मिला दिया गया है । ३ पूरा पता नही लग सका है ।

१ गांव लूणां पासण

कोस ५ उगूणो। हळवा ५० तथा ६० अदाज। कुवो १ तळाव १। गाव एकसाखीयो छै। सासण[1] चारण सेसजी नुं, समत १६६१ मे राव बलूजी दीयो।

१ गाव बलांणो

कोस ७ ऊगवण नै कुवो १ नै तळाव १। हळवा ४० तथा ५० आसरै। लाटा कूतां रो गाव छै। एकसाखीयो।

१ गांव वासण

कोस ४ आथूण नै। कूवो १ तळाव १। हळवा ६० तथा ७० आसरै। पादरीया चवाण। एकसाखीयो। लाटा कूता रो छै।

१ गांव चाचवाडो

कोस ७ आथूण नै। गोयलां री। पाणी वेरीयां ऊ पीवै। गाव इकसाखीयो। ऊदड़ी जमी चुकावै छै[2]। हळवा २०० आसरै छै।

१ गांव वेसालां

कोस ६ आथूणी। हळवा २० तथा २५। पाणी कुई सूं पीवै। इकसाखीयो। चवांणा रो छै। जमा ऊदडा चूकै।

१ गांव वांक

कोस ६ आथूणो। पाणी कुई सुं पीवै। इकसाखीयो छै। हळवा ५० तथा ६०। पादरीया परमार छै। ऊदड़ीयो कूतो छै।

१ गाव वासणी देवडां री

कोस १० उगूण नै। कूवो १ तळाव १। हळवा ५० आसरै छे। गाव अेकसाखीयो छै। लाटा कूता री छे।

१ गाव वीहोल

कोस ७ दिखणादो[3]। अेकसाखीयो। कुवो १ तळाव १। हळवा १५० रै आसरै छे। गाव लाटा कूतां रो छे।

१ गाव वरणवो

कोस १२ आथूण नै लूणी ऊपर। दुसाखीयो। लाटा कूंता रो गाव छै। हळवा ५० तथा ६० आसरै। पादरीया सोलकी रजपूत छे।

---

१ दान मे दिया हुआ ग्राम। २. एक साथ बन्धी हुई रकम लगान के रूप मे देते ३. दक्षिण की ओर।

१ गांव बडसम

कोस २ दिखणाद नुं । हळवा ५० तथा ६०। कुवो १। इकसाखीयो। गाव लाटा कूंता रो। तथा ऊदडो करै छै। हवाले जरडीया फतेखा रै छै।

१ गाव वरणपुरी

कोस १२ उतरादो। हळवा २५ तथा ३० रै आसरै। कुवो १, तळाव १, गाव इकसाखीयो। लाटा कूतां रो गाव। पटेलीयो गाव छै।

१ गांव वीराऊ

कोस १८ आथूण नै। घणा दिना री वेरो न छै। हळवा ४० आसरै। कापलीया रो खेडो छै।

१ गाव वोडा

कोस १० उगूण नै। कुवो १ तळाव १। हळवा ४० तथा ५० आसरै। इकसाखीयो गाव। लाटा कूंता रो गाव छ। पटेला री बसती छै।

१ गाव सागडवो

कोस ६ उतराद नै। कुवो १ तळाव १ छै। हळवा २० तथा २५ आसरै छै। इकसाखीयो लाटा कूता रो गाव छै। पादरीया ऊमट रजपूत छै।

१ गाव सेवाडी

कोस ७ ऊतराद नै। कुवो १ तळाव १। हळवा ५० तथा ६०। इकसाखीयो। चहुवाणा रो।

१ गाव सीदेपुर

कोस २ उतरादो। कुवो १ तळाव १। हळवा ६० तथा ७० आसरै। गाव इकसाखीयो। लाटा कूंतां रो गाव छै।

१ गाव सेहेली

कोस १२ उतरादो। पादरीया चहुवाण छै। हळवा ५० तथा ६० आसरै। गाव इकसाखीयो। ऊदड़ो कूता रो गाव छै। तळाव १, कुवो १।

१ गाव सातरीयो

कोस १६ उतरादो। कुई १ तळाव १। पादरीया चहुवाण रजपूत छै। हळवा ३० तथा ३५ आसरै। इकसाखीयो। ऊदड़ीयो छै।

१ गाव सूरावो

कोस १० उगूण नुं। जस देवडा री छै। इकसाखीयो। जमा रा रुपीया वरस रा वरस भरै छै[1]। हळवा १२५ रै आसरै छै।

---

१. लगान के रुपये प्रति वर्ष सरकार को देते है।

१ गांव सीलु

कोस ७ दिखणादो । तळाव १ कुवो १। हळवा ६० रै ग्रासरै । गाव इकसाखीयो । पादरीया चहुवाण छै । लाटा कूतां रो ।

१ गाव सरवाणो

कोस ८ दिखणाद नै । पाणी कुई सुं पीवै । हळवा ३० रै ग्रासरै । पादरीया गोयल रजपूत छै। गाव ग्रेकसाखीयो ।

१ गाव सखांणो

कोस १० ग्राथूणो । पांणी कुई पीवै । इकसाखियो । लाटा कूता रो । पादरीया परमार रजपूत छै । जमी हळवा १२५ ।

१ गाव सूतडी

कोस १४ ग्राथूण नै नदी लूणी ऊपर । दुसाखीयो । पादरीया सोळको मुकाते वावै[1] । चवांण चुतरसाल नै रावजी श्री बलूजी रा अमल में दीयो । जमी हळवा १२५ तथा १४० ग्रासरै ।

१ गांव सीलोसण

कोस ११ ग्राथूण नै। दुमाखोयो । सांसण चारण खिड़िया ग्रांजणदास नै, व्यारीया रो दीयो, मलकग्रली सेरदी समत १६६० ।

१ गाव ळूटा कुई

कोस १६ ग्राथूणो । पुरीया रो गांव छै ।

१ गाव हरीयाळी

कोस ७ उतरादी । कुवो १ तळाव १ । हळवा ७० तथा ८० ग्रासरै । दुसाखीयो । लाटा कूतां रो गाव । परेजीयो पादरीया चवांण ।

१ गाव हडेवर

कोस ३ उगूणो । हळवा ८० तथा ६० ग्रासरै । कुवो १ तळाव १ । इकसाखीयो । लाटा कूता रो गांव ।

१ गाव हातीगाव

कोस १० । दुसाखीयो । ग्राथूणो । पाणी वेरी रो पीवै। नदी लूणी ऊपर। पादरीया चवाण । हळवा १२५ ग्रासरै ।

---

१. मुकाता देकर खेत वोते हैं।

१ गाव दुनावो

कोस १० उगूणो। पाणी वेरी रो पीवै। वेरो १ तळाव १। हळवा ७५।

२८. प्रगना सांचोर नै साचोर रा गांव जुमले गाव ४२, चवाण मोकमसिंघ लालसिंघोत खाप सखरावत चवाणा रै, १८०८।

राव मोकमसिंघ रै गांवां री विगत—

१	कसबे साचोर सायर सुदी	रेख	६००००)
१	गाव पाडपुरो	,,	१०००)
१	गांव गगावस	,,	५००)
१	गाव ईसरोल	,,	१०००)
१	गांव अरणाय	,,	४०००)
१	गाव कमालपुरो	,,	१०००)
१	गांव हीडवाडी, खेडे सूनो[1]	,,	१०००)
१	गाव लासडी	,,	१०००)
१	गांव काटेल, खेडो सूनो	,,	१०००)
१	गाव घडसोदो अेभाकीयो	,,	५०००)

१०

१२ गावां री जमी ऊदडी चूकै, गूजास माफक[2]—

१	गांव रतोड़ी	रेख	४०००)
१	गाव पाचलो, त० देवड़ा वीरमदे रै	,,	२०००)
१	गांव मीपल, त० चवाण सुजाणसिंघरै	,,	१०००)
१	गांव गरढालो, त० चवाण जोया हसते फकीर	,,	५००)
१	गाव पालड़ी, देवडां रै	,,	५००)
१	गाव वीरमपुरी	,,	......
१	गांव तीतरोल	,,	१०००)
१	गांव केरीयो, त० कावलोया रै	,,	४०००)
१	गांव डागरा, त० रा० जीवदान रै	,,	२००)
१	गांव मेठो ऊलो रै	,,	१०००)

१. गाव मे आबादी नही। २ पैदावार के अनुसार।

१ गांव तातडी, त० बीरामणां रै रेख ......

१ गांव बगसडी

१२ जुमले गाव बारै ।

११ जमा रा गाव चवांण वावै तिण री जमा ऊदड़ी देवै:—

१	गाव दुगवा—चवाण बाकीदास, दोसाखीयो, रेख		१००)
१	गाव वरणवी—चवाण गजसिंघ रै	,,	४००)
१	गाव खाजरडी—चवाण जैतमाल रै	,,	१००)
१	गाव जोडादर—चवाण .... रै	,,	१००)
१	गाव मडालो—चवाण ईसर रै	,,	१००)
१	गांव सूतडो—चवाण वांकीदास रै	,,	१००)
१	गाव गांघव—चवाण सूरजमल देवीदास राणावत,		२००)

४ गांव चवांण राघू परबतसिंघोत रै, विगत—

१	गांव वाटकी		
१	गाव दीलोदर-खेडो ऊलो अेवज धीगपुरो वडो, रेख		५००)
१	गाव भवातड़ो	,,	१००)
१	गाव वरडवल	,,	५००)

११

६ पटा रा गांव रु० १४५०)

१ गाव आवली—लाटा कुता री चवाण सोनसिंघ । गांव ४ तिणसु गाव ३ तो सोनगरां रा चवांणा रै नावै । बाकी गांव १ आंबली जिणा री अमल दीयो न छै[1] .... रेख रु० ५००)

२ त० चवांण प्रतापसिंघ सूरतसिंघोत रै रेख ५००)

१	गांव जांणठी	५००)
१	गांव भादरुड	२००)

२

१ गाव पलादर—रु० १०००), अमल दीयो । त० चवांण सिरदारसिंघ मालदेवोत ।

---

१ विधिवत ढग से अधिकार नही दिया गया ।

१ गाव पलादर—रु० १०००), अमल दीयौ। ता० चवाण सिरदारसिंघ मालदेवोत।

२ चवांण अखैसिंघोत, सिरदारसीघोत। अमल नहीं दीयौ।

१ गांव चीणवी	रु० २०००)
१ गाव बावरलो	रु० ३०००)

२

१ गाव चोहरांणा ५०००)। अमल न दीयौ। चवांण राजसिंघ ईसरदासोत।

१ गाव हारेचो—सासण सामी[1] तेजपुरी, जीवणपुरी, वेज पुरी।

९ जुमले नौ।

४२ पटै चुवाण राव मोकमसिंघ लालसिंघोत नै समत १८२२ रा आसोज मे। १८२२ री साख सावणू सू पटो राव जालमसिंघ मोकमसिंघोत काती वद ८ पछै इणां नै दूजो[2] पटो दीयो, साचोर श्री दरबार तालके।

२९. समत १७७७ रा आसोज सुद ७ रा मगळ, प्रगना साचोर रा गांवां री फरसत।

२५ गांव खालसा रा—

१ कसवे साचोर—अेकसाखीयो।

१ गाव पाडपुरो—कमालखां बारी बसायो, समत १७४४।

१ गांव घडसो—दुसाखीयो।

१ गांव गरढाली—इकसाखीयो फकीरां री चौकी।

१ गाव दारीयो—इकसाखीयो, पादरीया परमार।

१ गांव हीडावड़ी—हमार[3] हवाला मे, वग पादरीया।

१ गांव मीलाप—इकसाखीयो, भोमीया चवाण।

१ गाव तातडी,—इकसाखीयो, दादरीया बीरामण।

१ गांव तीतरोल—इकसाखीयो, भोमीया राठौड़।

१ गाव डागावास—इकसाखीयो, भोमोया राठौड़।

१ गाव ईरावड़ी—इकसाखीयो।

१ गाव वाक—इकसाखीयो, पादरीया परमार।

१ गाव पलाधर—इकसाखीयो, पादरीया।

---

१. स्वामी। २. अन्य, दूसरा। ३. अभी।

१ गांव लाचड़ी—इकसाखीयो, खालसे ।
१ गाव वेणपुरी—खेड़ो सूनो ।
१ गांव जाणवी ।
१ गाव काटेल—भोमीया देवडा ।
१ गाव पालडो—भोमीया देवड़ा ।
१ गांव पाचलो—भोमीया देवड़ा ।
१ गाव बगसड़ी—चोको भाटा री ।
१ गाव लीपादडो ।
१ गांव मेडो—दुसाखीयो ।
१ गांव गंगावस—साचोर सू कोस १ । इकसाखीयो ।

२५

३०. १० वावेचा चवाणां रै जमा, फौजबळ[1] गूजास माफक लागे—

१ गांव सूतड़ी—मनोर सतावत । दुसाखीयो ।
१ गाव जोडाघर—चवाण मलुवो वीकमसिघोत ।
१ गाव मडाली—नाथावत नै ।
२ गांव वरणावो—खासर बोरांमण पचांण नै । दुसाखीयो ।
१ गांव दूठवो—चवांण वेणीदास सिवराजोत नै ।
४ गांव ४ चवाण भोजराज परबतसिघोत—
१ वाटकी १ दीलोदर १ भवातडो १ रडवल

४

१ गांव मांधव, गुढा रा—रांणा सा पठांखांन नै, जमां सिरकार मे भरै ।

३१. ३३ राव सैसमल कवर भातसिघ त० गाव—

१ अगार	१ सिघपुर	१ भडवळ
१ चजार	१ मालवाडो	१ कालवा
१ घूडवो	१ सीलू	१ वेचीपाडी
१ अचळपुर गुडो	१ वेचीपाडो	१ रुगासु च० नारखा
१ वासणी देवड़ा री	१ जलघरा	१ सोहोतांणो
१ रणोदर	१ वेसाला	१ सातरीयो

१ अभी । २. फौज के निमित्त लिया जाने वाला कर विशेष ।

१ नागोलडी	१ कीसुंरी	१ सेवाडी
१ गाव कारणा	१ कुडो देवडां री	१ मूळो चवाणा री
१ चीतलवाणो	१ डेडरो	१ डीभोग
१ पुर	१ होतीगाव	१ पालडी सोलकीया री
१ डमाळ	१ चोढा	१ सुरवो देवड़ा री

३३ जुमले गांव तेतीस, राव सैंसमल रै पटा रा, विगत ऊपर लिखी है।

३२. ५५ पटायता नै तथा चारणां नै, गांवां री विगत—

२ चुवाण मानसिघ मुंकनसिघोत फतैसिघोत नै पटो श्रीहजूर सुं इनायत हुवो।

१ गाव ग्ररणाय इकसाखीयो।

१ गांव गलीको दुसाखीयो।

२

१ गाव ग्राकोली चांपावत सूरतसिघ नै श्री हजूर सु त० (वो) करी।

२ भाटी सूरतसिघ नारखानोत नै श्रीहजूर त० चाकरी, विगत—

१ गाव बलांणो　　१ गाव मेलावस

६ चवाण सूरसिघ वेणीदासोत नै साचोर तालके वीमरो फौजदार करोली—

१ करोली	१ घमाणो
१ घाणतो	१ हातर
१ डावली	१ चरटवो

६

२ चवाण सूजो सूरतसिघोत नै सांचोर त० (वी) करी—

१ हरीयाळी　　१ भर कुवो

१ सिरदारसिघ मालदेवोत रै गाव वीरोल।

२ चवाण सिवदान फतैसिघोत नै—

१ जाखेल　　१ डेडवो

४ राठोड करणसिघ विजेसिघोत रै—

१ जाव	१ सरवांणो
१ सेहेली	१ मादसुड।

२ भाटी अमर केसवदास नु गाव—

१ गाव दादलोत १ गांव वासणी।

३ जोधा दुरजणसिंघ सबळसिंघोत नै—

१ गाव भादरुडो १ गाव चोरा १ गाव आंबलीयां

३

१ चवाण नारखा लाडखानोत—गाव गोलास।

३ चवाण अनोपसिंघ सांवळदासोत रै—

१ गाव बालेरा १ गाव केरीयो १ गाव रतोडो।

३

१ चवाण मूणसिंघ गिरधरदास—जोटड़ो वीरामणां री।

१ झेरडीया मानखा मेगो डोसावत नै—गाव वडसम।

१ सामी जैतपुरी नरपुरी रा चेला रै—गाव हारेछो। माहाराजाजी श्री अजीतसिंघजी दीयो, १७६०।

१ चारण रूपदेजी सुतले गाव का चोलो जात रा मेगु नै १७६२ रा वरस मे दीयौ, माहाराजाजी श्री अजोतसिंघजी री वखत मे।

१ चवाण जीवण केसरीसिंघोत।

१ चवाण सोभो भौरावत नै गाव ईसरोल। दुसाखीयो।

१ चवाण गोरधन नरहरदासोत, गांव परावां।

२३. ६ गांव सासण चारणा रा—

१ गाव गोभी—चारण भीया नुं।

१ गाव जेरोल—चारण खिडीया।

१ गांव सीलोसण—चारण खिडीया।

१ गाव अगडावो—रोडीया री।

१ गाव लूणीयास—चारण मेगु नै

१ गाव डाडोसण।

१ गाव घरणावस—वणसूरा रै।

१ गाव पादरणी—वणसूरा रै।

१ गाव भोणा—चवाणा रै।

६

३४. प्रगना सांचोर रै गावां री फिरसत हमार इणां वरसा मे[1] वसता तथा वेकरां, नै तिणा री विगत।

१७ खालसा रा—

१ कसवो सांचोर—

इकसाखीयो कचेड़ी भोम जेरडोया नै जमो वेरो १ वेरी १ तळाव ४।

१ गांव गगावास—

खेड़ो सूनो। वेरो १, जमी सांचोर रा लोक खड़ै।

१ गाव पथूडा—

खेड़ो सूनो। गांव दुधाउ नै लूणो पावस चे जमी दोना गावा में दवी[2]।

१३ खास हवाला ता०—

८ गांव केरीयो—दुसाखीयो, रेख ४०००) नै केरीया रा गाव।

१ गाव केरीयो, दुमाखीयो।
१ ,, वीरावो।
१ ,, हालीया वावडी।
१ ,, सूटाकुई।
१ ,, कुडकुई।
१ ,, मेघावी।
१ ,, कापलीकोट।

८

इतरा गांव मालाणो मे गया—

१ गांव आटली।
१ ,, पोणाली।
१ ,, जाखड़।
१ ,, वेरी।

४

१ गाव गोलासण—

इकसाखीयो। वेरो १, तळाव १। रेख रुपीया १०००)।

---

१. पिछले कुछ वर्षों मे। २ दोनो गांवों की सीमा मे इसकी जमीन दव गई।

२ भाटी अमर केसवदास नु गाव—

१ गांव दादलोत १ गाव वासणी ।

३ जोधा दुरजणसिंघ सबळसिंघोत नै—

१ गाव भादरुडो १ गाव चोरां १ गाव आबलीयां

३

१ *चवाण नारखां लाडखानोत—गाव गोलास ।*

३ चवांण अनोपसिंघ सांवळदासोत रै—

१ गाव बालेरा १ गाव फेरीयो १ गाव रतोडो ।

३

१ चवाण मूणसिंघ गिरधरदास—जोटड़ो वीरामणां री ।

१ फेरडीया मानखा मेगो डोसावत नै—गांव वडसम ।

१ सामी जंतपुरी नरपुरी रा चेला रै—गाव हारेछो । माहाराजाजी श्री अजीतसिंघजी दीयो, १७६० ।

१ चारण रूपदेजी सुतले गाव का चोलो जात रा मेगु नै १७६२ रा वरस मे दीयौ, माहाराजाजी श्री अजीतसिंघजी री वखत मे ।

१ चवाण जोवण केसरीसिंघोत ।

१ चवाण सोभो भीरावत नै गाव ईसरोल । दुसाखीयो ।

१ चवाण गोरधन नरहरदासोत, गांव परावां ।

२३. ६ गांव सासण चारणा रा—

१ गाव गोभी—चारण भीया नुं ।
१ गांव जेरोल—चारण खिडीया ।
१ गांव सीलोसण—चारण खिडीया ।
१ गाव अगडावो—रोडीया री ।
१ गाव लूणीयास—चारण मेगु नै
१ गाव डाडोसण ।
१ गाव घरणावस—वणसूरा रै ।
१ गाव पादरणी—वणसूरा रै ।
१ गाव भोणा—चवाणां रै ।

६

३४. प्रगना साचोर रै गावा री फिरसत हमार इणा वरसा मे[1] वसता तथा वेकरा, नै तिणा री विगत।

१७ खालसा रा—

१ कसवो सांचोर—

इकसाखीयो कचेड़ी भोम जेरडोया नै जमो वेरो १ वेरी १ तळाव ४।

१ गाव गगावास—

खेडो सूनो। वेरो १, जमी साचोर रा लोक खडै।

१ गाव पथूड़ा—

खेडो सूनो। गाव दुघाउ नै लूणी पावस चे जमी दोना गांवां मे दवी[2]।

१३ खास हवाला ता०—

८ गांव केरीयो—दुसाखीयो, रेख ४०००) नै केरीया रा गाव।

१ गाव केरीयो, दुसाखीयो।
१ „ वीरावो।
१ „ हालीया बावडो।
१ „ सूटाकुई।
१ „ कुडकुई।
१ „ मेघावी।
१ „ कापलीकोट।

८

इतरा गाव मालाणी मे गया—

१ गाव आटली।
१ „ पोणाली।
१ „ जाखड।
१ „ वेरी।

४

१ गांव गोलासण—

इकसाखीयो। वेरो १, तळाव १। रेख रुपीया १०००)।

---

१. पिछले कुछ वर्षों मे। २ दोनो गांवो की सीमा मे इसकी जमीन दव गई।

१ गाव मेटोदो—
इकसाखीयो । रेल आया । पारवाडीया तथा गोलासण, भड़वळ, कमालपुरो, फीलवाखेडे पादरीया राठौडा री भोम ।

१ गाव अरणाय—
दुसाखीयो । वेरा २ तळाव १ । जमी मोकळी हळवा २०० । तगीर, चहुवाणा रै पाछौ खिखीज गयौ । कदीम मुजब हाल—

१ गांव भेरोल—
कदीम सासण सो चारण आईदान रामसरण हुवो[1] १९१० मे तरै समत १९११ सुं खालसे । सो औ गाम विहारी गजनीखा रौ दत्त पायौ खिडिये चेले १६५४ रा फागण सुद ८ ।

१ गाव हीडवाडा—
पादरीया बिरामणा रै । इकसाखीयो गाव ।

१३ जुमले गाव १३ है ।

१ गांव अेक सिरकारी जोड मे प्रतापपुरी बसायौ । सांचोर री सीव मे । बसती घर ३० । समत १९३९ रा वरस में वेरो १ खुदायो । जमी जोड री खड़ै ।

१७ जुमले गाव १७ ।

३५. ५६ गांवा री जमी ऊदड़ी लागै—

५ गांव ५ री तौ अेक रीत—

१ गांव गरढाली—
अेकसाखीयो । वेरो १ तळाव १ । फकीर रै मांनसा सा पीर पसातमारी रा वेटां री चोकी कु० ३ कोस ३ ।

१ गांव सरचीणा—
इकसाखीयो । पादरीया परमारां नै गांव राणावाव वाळां रै जुम्मे क० १० ।

१ गाव मीपाल—
इकसाखीयो । वेरो १ तळाव १ । चवाण नारणसिंघ मलूसिंघ रै जुमे । कोस ७ ।

१. देहात हुआ ।

१ गांव डागरा—
इकसाखीयो । कोस ५ । राठौड भोजराजोत रै जुमै ।

१ गाव तीतरोल—
इकसाखीयो । राठौड मोवतसिंघ मेघसिंघोत रै ।

५ जुमले विगत पासे गावा री—

११ देवडां रा गाव—
७ देवडा रूपसिंघ अमरसिंघ रै हिंदूसीघ वनरार ।
३ देवडा रूपसिंघ रै ।
१ पीचलो १ नानोल १ कुडी, सगराम रै ।

३ इकसाखीया ।

१ पालड़ी देवडां री—
अखैसिंघ देवड़ो अमरसिंघोत रै ।

१ कटोल—
देवडा हिंदूसिंघ रामसिंघोत रै । कोस ५ ।

२ खेड़ा सूना मांजरे—
१ वणेदेव, १ वालेर ।

३ देवडा पेमसिंघ कीलाणसिंघोत, सबळसिंघ, ठाकुरसिंघोत रै जुमे ३ ।

१ सुरावो—
दुसाखीयो । वेरो १ तळाव १ । कोस १० ।

१ दुगावो—
देवडा सबळसिंघ रै । कोस १० ।

१ दुघड़—
खेडो सूनो ।

३

१ देवड़ा प्रतापसिंघ रै—
गाव वासण, खेड़ो सूनो ।

११ जुमले गाव इगीयारे री हाल ।

३५ नईड कांठा रा गाव, सूराचद रा खेडा मांयला । नाडोला चवाणां रै जुमे, भाईवटा मे रांणा सिवराज नै महाराज श्री अजीतसिंघजी दिया ।

६ रांणा मलु सुजांणसिंघ केसरीसिंघ सिरदारसिंघोत रै।

१ गांव सूराचद—
दुसाखीयो। आथूणो कोस १३।

१ गाव खेजड़ीयाळी—
दुसाखियो। आथूण कोस १५।

१ गांव नीबज—
आथूंणो कोस १२। चवांण गुलाबसिंघ मूळसिंघोत रै जुमे थो, सो गुलाबसिंघ फौत हुवौ तरै इणा जुमे।

१ गाव मालसरो—
सूनो खेड़ो। कोस १७।

१ गाव रायपुर—
खेड़ो सूनो। ऊपर सीधी बैठै। गीण सिरकार मे आवै।

१ गीड़ां—
ऊपर सीधी बैठै। गीण सिरकार मे आवै।

६

७ चवाण सूरतसिंघ जवांनसिंघोत नै चवांण उदैसिंघ कलीयाणसिंघोत—

१ गांव टापी—
दुसाखीयो। कोस १५।

१ गांव साकरीयो—
दुसाखीयो। कोस १६।

१ गांव डूगरी—
इकसाखीयो। सूनो खेडो।

१ गांव सेमारड़ी—
इकसाखायो। कोस १७।

१ गांव खाभराई—
इकसाखीयो। कोस १८।

१ गाव यावतलावडी।
१ गाव जाले वेरी।

७

६ चवांण जवानसिंघ दानसिंघोत नै चत्राण भूतसिंघ वीरमदेवोत नै चवाण दौलतसिंघ केसरीसिंघोत रै—

१ गाव दूठवां—
आथूंणो कोस १४। दुसाखीयो।

१ गाव सेवावो—
इकसाखीयो। कोस १५।

१ गांव भेखडो—
इकसाखीयो। कोस १६।

१ गाव पादरडी—
इकसाखीयो। सूनो खेडो।

१ गाव पांचलो—
इकसाखीयो। खेडा २, सो खेड़ो १ चारण जगा रै।

१ गाव तीलाणी रा खेडा २, सो जमों मालाणी वाळा दावी। कोस २ मे माणकी, समत १९०२ रा वरस मे गुजयाला दावीयो।

६

१ चवाण तेजमल अळसिंघ भोजराजोत नै चवांण हठोसिंघ दुरगदास मांनावत रै—गाव मासरवी, दुसाखीयो। कोस १२।

१ राणा चनणसिंघ उमेदसिंघ सिरदारसिंघोत रै—गांव वरणावो। दुसाखीयो। कोस १६ आथूण।

१ चवाण प्रथीराज जसराजोत रै—गाव ४।

१ गांव पाटवो—दोसाखीयो। आथूणो कोस १५।

१ गाव वेडीयो—इकसाखीयो। आथूणो।

१ गांव बोजी—इकसाखीयो।

१ गाव दूवी—इकसाखीयो।

४

१ चवाण जवानसिंघ अमरसिंघोत नै चवाण हातीसिंघ भोजराजोत रै—गाव मडालो। दुसाखीयो। कोस १९।

१ चवाण कानसिंघ रामसिंघोत नै चवांण अमरसिंघ दुरगदासोत रै—गाव सुतड़ी। दुसाखीयो। आथूणो कोस १५।

१ चवाण जवानसिघ जीवराजोत नै चवाण भूपतसिघ कुसळसिघोत नै कुसळसिघ नाराणदासोत रै गांवो में सीधी बैठे तिण री गीणतो श्री दरबार री, नै गावा री पैदास अलबता नै बाव श्री सिरकारी भरता। समत १९२९ रा बरस मे सिरकार सु जबत हुवा। परत इतरा गाव भवातड़े जुमे—

१ गाव भवातडो—
दुसाखीयो। आथूणो कोस १५। सिरकारी थाणो १९०८ घालीयो[1]।

१ गांव वाटकी—
चवाण भोपतसिघ जावतसिघ रै नै चवाण चिमनसिघ रै। इण री आघोआध गाव। दुसाखीयो। कोस १५।

१ गाव घीगापुरो—
दुसाखीयो। कोस १५।

१ गाव वरडवाली—
खेडो सूनो। कोस १७। आथूणो।

१ गांव दीलोघर—
खेडो सूनो।

१ गांव जोडादर—
खेडो सूनो। आथूणो।

६

१ गाव फोगरडवो—
खेड़ो सूनो। कदीमी चवाणो री।

१ गाव राजपुरो—
खेडो सूनो।

३५

१ चवाण जगतसिघ मेघसिघोत नै चवाण भभूतसिघ मोडसिघोत रै। गांव कोस ५। इकसाखीयो।

गांव २ भाटा रा जिण री जमां लागै—

---

१. स्थापित हुआ।

१ गांव वगसडी—

इकसाखीयो। कोस ७। वारठ जेठा भूता रै ग० रुपीया ६४) कदीम लागै। हमार रु० ३२) भरै छै।

१ गांव भाटवस—

दुसाखीयो। कोस १३ आथूणो। भाट मोती पद सरे मां राणेर रु० १२॥।–) लागै।

२

१ गाव गाघरावास—

दुसाखीयो। सो सदावद साचोर रा गावां मे था सु हमार समत १८९२ री साल मे गुडा वाळा राणा बाड़मेर सूं सायव वहादुरजी कने सु ऊकील पचोळी जीतमल री मारफत जमी करीया। ऊनाळू साख रा खेत ना लीया नै जठा पछै जमा देवै नही।

५६ जुमले गांव छपन।

३६. ७६ पटायतां रै पटै गांव—

११ चढा ऊतर[1] गाव, सु पटायता नै पटै गांव।

५ खाप राठोड़—

१ गांव घडसो—

राठौड भैरुंसिंघ सिरदारसिंघोत रै पटै। गाव दुसाखीयो। उतरादो कोस १२।

१ गाव ईसरोल—

करणोत जेठकरण कनीरामोत नै करणोत वभुतसिंघ रै। गांव दुसाखीयो कोस १०।

१ गांव मेलावास—

बाला मर्घसिंघ रै। गांव दुसाखीयो। कोस १४ आथूणो।

१ गाव भडवल—

जसोलियो खेमसिंघ चुतरसिंघोत रै। इकसाखीयो। कोस ४ आथूणो

१ गांव पाड़पुरो—

घवेचो सोभसिंघ वीरमदे जसराजोत रै। इकसाखीयो कोस २।

५

१. स्थायी जागीर के नहीं।

४ खाप चहुवांण—

१ गाव गलीफो—
चवाण वनेसिंघ किलांणसिंघ सगतीदानोत रै। दुसाखीयो। कोस १०।

१ गाव रतोडी—
चवाण आसकरण बभूतसिंघ सूरतसिंघोत रै पटै। दुसाखीयो। कोस १०।

१ गाव वासण—
चवाण सादूळसिंघ हीदूसिंघोत रै पटै। इकसाखीयो। कोस ४।

१ गाव भादरुडी—
चवाण केसरीसिंघ प्रथीराज कवीरामोत रै। गाव इकसाखीयो। कोस १०।

४

२ खाप सिपाया री[1] जाळोर वाळा रै—

१ गाव लाचड़ी—
कवर अबुखा, गुमानीखा सिरदारखानोत रै इकसाखीयो। कोस १।

१ गाव कमालपुरो—
सयद जमालखा सायबखा रा रै गाव पटै। इकसाखीयो। कोस २।

२

११

६४ आगे पटा रा गाव कदीमी है सुं चढ़े ऊतरै नही[2]। घणा वरसा रो भोमीचारो है।

११ राव मोतीसिंघ लालसिंघ पदमसिंघोत रै पटै गाव तिणरी विगत—

१ गाव चीतलवाणो—
कोस १० आथूणो। गाव इकसाखीयो।

१ गांव रणोदर—
कोस १२ आथूंणो। गाव इकसाखीयो। भोमीया राठोड।

१ गाव डीभोग—
हूमार सीटी सूनी वरतन पुरोदो। गाव इकसाखीयो।

१ गाव डेडरो—
खेडो सूनो। कने रामपुरो बसायो।

---

१. मुसलमान जाति के जागीरदार। २. स्थायी जागीर के हैं।

१ गांव फीलवां—
कोस ३। गांव इकसाखीयो। चवाण भोपालसिंघ रै जुमै।

१ गांव वेचवाड़ी—
कोस ८ इकसाखीयो। त० गोयल राजो, लखो, खावै[1] इण कने फेर जमो देवै।

१ गाव सैताणो—
कोस ८। इकसाखीयो। गोयल घीरो, भगो खावै, घणा दिनां सुं।

१ गाव रुघा—
कोस ३ इकसाखीयो। सुजेरडी फतैखा ऊसूखा रै जुमे।

१ गांव घूड़वां—
कोस ४। गाव सांसण, ब्रामणां री, सो सिवजी माहाराज नै चढ़ायो। सामी इदरपुरी तथा किसनपुरी रै जुमे। इकसाखीयो।

१ गांव फरणो—
कोस २। इकसाखीयो। पुर वाळां रै आद मे[2]।

१ गाव वेसालको—
कोस ८। इकसाखीयो। आगे चारणा नै दांन मे दीयो हो नै हमे हमार वी० मे, सो हरसीघो रतनो खावै।

११

६ चवाण लालसिंघ मेघसिंघोत रै नावे चवाण सुरतांणसिंघ दौलावत—

१ गांव हुतीगांव—
कोस १२। दोसाखीयो गाव। आथूंणो वदो। लालसिंघ रै जुमै।

१ गाव कोसूंरी—
कोस ११ दुसाखीयो। गाव चवाण सुरतांणसिंघ दौलतसिंघोत रै जुमे।

१ गाव पालडी—
कोस ३। इकसाखीयो। लालसिंघ रै जुमे। पादरीया सोलकी।

१ गाव सीधेसुर—
कोस १। इकसाखीयो। चवांण मोवतसिंघ रै जुमे।

---

१. उपभोग करते है। २. आधे हिस्से मे।

२ चवांण सुजांणसिंघ नथसिंघोत नै चवांण सवाईसिंघ पदमसिंघोत, चवांण केसूसिंघ सवाईसिंघोत रै जुमे—

१ गांव अचळपुरो—
कोस ७ । इकसाखीयो ।

१ गांव दघूडा—
खेड़े सूनो ।

२

६ चवांण सूरतसिंघ ओपसिंघोत नै अचळसिंघ गुलाबसिंघोत रै पटै—

१ गांव जाब—
कोस १२ । दुसाखीयो । कोसीटा डावा ।

१ गाव जांणवी—
कोस १० । दुसाखीयो । चवांण मोकलसिंघोत बभूतसिंघ रै जुमे ।

१ गांव सेली—
कोस ११ । इकसाखीयो ।

१ गांव जाखल—
कोस ५ । इकसाखीयो ।

१ गांव डेडवो—
कोस ५ । इकसाखीयो ।

१ गांव भादरुड़—
कोस ११ । गांव दुसाखीयो ।

६

४ चवांण लालसिंघ सिरदारसिंघोत नै चवाण कांनसिंघ सुरजमलोत रै पटै गांव—

१ गांव कारोलाई—
कोस ३ उतरादो । इकसाखीयो गाव ।

१ गांव हडीतर—
कोस ३ उगूणो । गांव इकसाखीयो । चवांण लालसिंघ रै आगे ।

१ गांव गांणेतो—
कोस ५ ईसांन कूट में । गांव इकसाखीयो ।

१ गांव आंमली—
कोस ५। इकसाखीयो।

———
४

३ चवांण मोडसिंघ लालसिंघोत, चवांण मगळसिंघ प्रतापसिंघोत रै पटै, गांव ३—

१ गांव डभाल—
कोस ३ आथूणो। गांव इकसाखीयो।

१ गांव सीलूको—
कोस ३। इकसाखीयो।

१ गांव अगार—
कोस २ आथूणो। इकसाखीयो।

———
३

५ चवाण भोपालसिंघ जालमसिंघ अजीतसिंघोत रै पटै, गांव पांच ५—

१ गांव पुर, वेतलव—
कोस ५ उगूणो। इकसाखीयो गाव।

१ गाव गेनाल—
कोस ६ उगूणो। गांव इकसाखीयो। खेड़ो सूनो।

१ गाव मालवाड़ो—
कोस ७ उतरादो। गाव इकसाखीयो।

१ गाव नागोलड़ी—
खेड़ो सूनो।

१ गांव बोठा—
उगूणो गाव। खेड़े सूनो।

———
५

गाव नै कारणा में आद सु रावजी रै नावे मडायो।

२ चवांण तेजसिंघ हातीसिंघोत, भारतसिंघ जीवसिंघोत रै पटै, गांव २—

१ गाव हरीयालो—
कोस ७ उतरादो। बेतलव, इकसाखीयो।

१ गांव भरकुवो—
खेड़ो सूनो।

२

३ चवांण हेमसिंघ लालसिंघोत नै चवांण सूरजमल जेसा सादूळसिंघोत रै पटै, गाव ३—

१ गांव डडोसण—
कोस ५ आथूणो। इकसाखीयो।

१ गांव वालेरा—
कोस ११ आथूणो। दुसाखीयो। पादरीया बीरांमण पास रै गाव रो वित हमेसा पावै[1]।

१ गांव दादलो—
कोस ५ आथूणो। इकसाखीयो।

३

४ चवांण आसकरण बसूतसिंघोत नै चवांण भोजराज नवलसिंघोत रै पटै। गाव ४—

१ गांव डावल—
कोस ५ उतरादो। इकसाखीयो। बेतलबो।

१ गांव लीपादरो—
कोस १२। इकसाखीयो। चवांण जेंठकरण जीवराज रै। उतरादो।

१ गांव वरणपुरी—
कोस ४ उतरादो। खेडे सूनी।

१ गांव सागडवो—
कोस ८ उतरादो। इकसाखीयो गांव।

४

१ चवांण अजीतसिंघ सोभसिंघोत नै चुवाण पाबूसिंघ जीवसिंघोत रै पटै, गांव १—

१ गांव मरटवो—
कोस ११ आथूणो। गाव दुसाखीयो।

---

१ पडोस के गावो के मवेशी यहा पर पानी पीते हैं।

२ चवांण हीमतसिंघ जवांनसिंघ प्रथीराजोत रै पटै, गांव २—

१ गांव सेवाडो—

कोस ८ उतरादो। इकसाखीयो।

१ गाव चजरायो—

कोस १ आथूणो। गाव इकसाखियो।

२

३ चवांण हातीसिंघ चुतरसिंघोत रै पटै, गांव ३—

१ गांव दातीया—

कोस ८ आथूणो। इकसाखीयो।

१ गांव वांक—

कोस १० आथूणो। इकसाखीयो।

१ गाव करावड़ी—

कोस १० उतरादो। गाव इकसाखीयो।

३

१ चवाण रघुनाथसिंघ किलाणसिंघोत नै चवाण बनेसिंघ नवलसिंघोत रै पटै, गाव १—

१ गाव चारणी—

कोस ११ उतरादो। गांव दुसाखीयो।

२ चवांण तगसिंघ धीरसिंघोत नै चवाण भोमसिंघ विजैसिंघोत, पटै गांव २—

१ गाव मूली—

कोस १२ उतरादो। गाव दुसाखीयो। कोसीटा हुवै[1]।

१ गांव सातेरोयो—

कोस १३। खेड़ो सूनो। जमी जावक[2] नीचे दबी।

२

२ चवांण जीवसिंघ जोगराजोत नै चवांण प्रतापसिंघ नवलसिंघोत नै चवांण धीरसिंघ रै पटै, गाव २—

१. कुओ से सिंचाई होती है। २ कुल, सम्पूर्ण।

१ गांव वीरोल

कोस २ दिखणादी कानी । इकसाखीयो । गाव थीराद री कांकड आयो[1] ।

१ गाव पलादर—

कोस ३ दिखणादो । इकसाखीयो । खेडो नूनो पड़ीयो, समत १९११ रा बरस मे प्रवानो कराय बसायो, जिण दिन सुं खावें ।

२

१ गाव चोरां—

कोस ८ उतरादो इसान कूट । इकसाखीयो गाव । चवाण अजबसिंघ नै चवाण चुतरसिंघ दुरजणसिंघोत नै चवाण सगतीदान मानावत नै चवांण सादूळसिंघ हींदूसिंघोत रै पटै, गाव १ ।

१ गांव कोलो—

चवाण लालसिंघ मोडसिंघोत नै बभूतसिंघ जांमसिंघोत रै पटै । गांव इकसाखीयो । कोस ९ उतरादो ।

१ गाव पारावा—

चवाण चिमनसिंघ सगतीसिंघ ऊमावत रै पटै । गाव इकसाखीयो । कोस ८ उतरादो । कोसीटा हुवै ।

१ गाव जोटडी—

चवाण ओपसिंघ, बुधसिंघ बखतसिंघोत नै चवाण दलसिंघोत रै पटै । गांव इकसाखीयो । कोस ८ उतरादो । कोसीटा हुवै ।

१ गांव धमीणा—

चवांण जगतसिंघ अजबसिंघ नै चवांण जेठकरण रतनसिंघ रै पटै । गांव कोस ४ उतरादो । इकसाखीयो गाव ।

१ गाव खावड़लो—

चवाण जालमसिंघ जैतावत नै चवांण मोबतसिंघ वागसिंघोत रै पटै । गांव कोस ५ आथूणो । इकसाखीयो ।

१ गाव जलदरा—

राव लालसिंघ, पदमसिंघ अणदसिंघोत रै जुमे । गाव दुसाखीयो । आथूणो । तेजमालोतां रै है ।

---

१. थोराद की सीमा पर स्थित ।

१ गांव बलांणो—

चवाण सगतीदान रार्यसिघोत लाडसिघोत रै पटै। गाव इकसाखीयो। कोस ६ ईसांन कूट मे।

१ गाव वडसस—

मेरडीया फतैखां नीहालखां माखुखाजोत नै भेरडीया मीया मीदूखा सवाईखां सिरदारखा मादुखानोत रै पटै। गांव इकसाखीयो। अगनी कूण में।

७६

११. सांसण गाव—

१ गांव हाडेचा—

इकसाखीयो। दिस आथूण मे। भगवानपुरी सिवपुरी भीवपुरी पटै। माहाराज श्री अजीतसिंघजी चोतलवाणो १७६० रा वरस मे पधारीया तरै चढायो[1]। कोस ७ गांव।

९ चारणां रा सासण—

१ गाव गोपी—

कोस ९ आथूण। इकसाखीयो। कोसोटो हुवै। चारण करता जमावत नै चारण अभा मानावत रै आदो-आद, सो गाव वरजागजी दीया चारण सोडै मई नै।

१ गाव अगडावो—

दुसाखीयो। चारण राणा प्रगता वागावत रै। भाखरसिघ रै दीयोड़ो। कोस १६। सा० पातलोत दीयो धवेचे, पायो रोहडोयै नाथै।

१ गांव घरणावस—

दुसाखीयो। दिस उतराद कोस १३। चारण भांना रो। चारण जादे ऊमा रै दत व्यारी मलकअली सेरखां दीयो, समत १६६० रा बरस मे, चारण भादो वणसूर पायो।

१ गांव पादरडी—

इखसाखीयो। दिस ईसान कूंट। कोस १०। चारण खेता वजा रै दत्त, राव वरजागजी रो। पछै राव वरजांगसिघजी संमत १७६० मे दीयो।

---

१. भेंट किया।

१ गांव फीचेलो—

कोस ७ आथूणो । इकसाखीयो । चारण वीरदान केसु रै, दत्त राव वरजागजी रो ।

१ गांव लूणियावस—

कोस ५ । इकसाखीयो । अगनी कूण मे । चारण करता खूबदांन नारखानोत नै, दत्त राव बलूजी रो । पछै पाछो दत्त[1] व्यारीया री १७४२ रा वरस मे ।

१ गाव जीजोसण—

कोस १५ दिस ऊगवणो । गाव इकसाखीयो । चारण सगराम सुखदानोत नै चारण भूता जीवावत रै । दत्त राव बलूजी रो दीयोडो गांव ।

१ गाव भोवाणो—

कोस १० दिस आथूणो । इकसाखीयो । चारण कीरतसिंघ अनोपा रै नै चारण चूरण जीवा घीरा मानावत रै । दत्त माहाराज श्री अजीतसिंघजी रै दियोड़ा, संमत १७६० मे ।

१ गाव सीलोसण—

कोस ११ वायब कूट । गाव दुसाखीयो चारण पूरा हरदान देवदान रा बेटा रै । दत्त व्यारी अलीसेरजी दीयो, समत १६६० खडीया जाजा नै ।

१ गाव तातड़ो—

कोस १४ दिस उतराद । इकसाखीयो । जाळोर रो गाव, इंदा ऊपर । पेली कानी माळी महीगर बीरामण मुकनो सोबो गगादास रो, चारण वणसूर रै[2] ।

११ जुमले गाव इग्यारै

रेख री चाकरी रा घोडा साचोर करता तिण री वीगत—

४ चवाण राव वीरमदे मालदानोत पटै गाव, चीतलवांणो, रेख १४०००) ।

३ चवाण केसरीसिंघ अखसिंघोत पटै कीरोल, घोड़ा ३, रेख ४०००) ।

४ चवाण बुदसिंघ भवानसिंघोत, पटै गाव होतीगांव, रेख ४०००) ।

४ चवाण प्रथीराज सुरतांणसिंघोत नै जैसिंघदे जालमसिंघ रामसिंघोत, रेख रु० ४०००) । घोडा ४ ।

---

१. फिर से दान मे दिया गया । २ वणसूर खाप के चारणो के अधिकार मे ।

२ चवाण जैतसिघ रूपसिघोत नै लालसिघ राजसिघोत, पटै गाव डभाल । गाव ३ । रेख २०००), घोड़ा २ ।

२ चवाण प्रथीराज केसरीसिघोत पटै गाव सिव । रेख २०००) घोडा २ ।

२ चवाण जालमसिघ अजबसिघोत, पटै गाव पुर । रेख रु० २०००) घोडा २ ।

१ चवाण ईसरदास कुसलसिघ जोधावत वीसनदास हातीसिघोत, रायसिघ लाडूसिघोत, पटै गांव डावल । आगे घोडा २ री चाकरी, घोडो १ ।

१ चवाण वनेसिघ जोधावत, पटै गाव मख । रेख रु० १०००) ।

४ चवाण कुसलसिघ जोधावत, पटै गाव रतोडी । रेख रु० ४०००) ।

१ चवांण रायसिघ लाडूसिघोत, पटै गाव वलाणो । घोडो १ ।

२ चवाण माहसिघ रूपावत, पटै गांव करावडी दातीया । घोडो १ । गांव ३ । रेख २०००) ।

१ चवाण माधवसिघ कलावत नै सेरो जमालोत रै पटै गांव घसांणी । रेख १०००) घोडो १ ।

१ चवाण थांनसिघ हीदूसिघ सखावत चवाण लूणकरण वीरमदेवोत, पटै गाव हरीयाळी भरकुवो । रेख १०००) ।

१ चवाण कनीराम विजैसिघोत, पटै गाव भादरु । रेख रु० १०००) ।

४ चवाण सिवसिघ इदरसिघोत । पटै गाव अरणवो । रेख रु० ४०००) ।

२ चवाण प्रेमसिघ हेमराजोत रै पटै गाव बासण कमालपुर । घोडा २ ।

४ चवाण सगतीदान देवीसिघोत, पटै गाव गलीफो । रेख रु० ४०००) ।

१ चवाण अणदसिघ दौलतसिघोत, पटै गाव तीतरोल । रेख १०००) । घोडो १ ।

१ चवाण रायसिघ विजैसिघोत रै पटै गाव चारणीव । रेख १०००) ।

२ चवाण भोजराज कीरतसिघोत चवाण जवानसिघ उदैसिघोत रै गाव डडोसण दादलो । रेख रु० २०००) । घोड़ा २ ।

१ चवाण मानसिघ हीमतसिघोत रै गाव सागडवो । रेख १०००) । घोडो १ ।

१ चवाण गजीयो केसरीसिघोत, पटै गांव बावरलो । रेख १०००) ।

१ चवाण ऊमो भाखरसिघोत, पटै गाव परावी । रेख १०००) ।

१ चवाण गुमानसिघोत प्रेमसिघ व्यारीदासोत, पटै मुली । घोड़ो १ ।

१ चवाण ऊमो लालावत रै पटै गाव जोतडो । घोड़ो १ ।

१ चवांण नारणदास अभावत नैं सिवदान हटावत रै, पटै गाव वीरोल। घोडो १।

१ चवाण कांनो मांनावत रै पटै गाव कीड। घोडो १।

१ चवांण रामसिघ चुतरसिघोत, पटै गाव जवधरा। घोडो १।

१ चवाण रामसिघ अनोपसिघोत रै पटै गाव करीयो। घोड़ा ४।

४ राठौड रतनसिघ पाडसिघोत खाप मेडतीया, पटै गाव घडसो। चाकरी घोडा ४ जोधपुर करै। रेख हजार ४०००)।

१ राठौड नवलसिघ पबावत खांप करणोत, पटै गाव ईसरोघ। रेख हजार १०००)। घोडो १।

१ राठौड मानसिघ कीरतसिघोत, खाप बाला, पटै गाव मेलावस। रेख हजार १०००)। घोडो १।

१ राठौड सगरामसिघ आईदानोत, खांप धवेचा, पटै गाव पाडपुरो। रेख हजार १०००)। घोडो १।

१ जेरडीयौ सवाई रैमतखा रौ नै नपालखा माखुवोत वगेरे, साचोर रा भोमीया तिणा रै पटै। गाव हसम रेख हजार १०००)। घोड़ा १।

१ मेर बादरखां हसनखानोत रै पटै गांव लाचडी। रेख रु० १०००)

१ चारण जीवो सीभुदानोत, अभो भाखरसिघोत रै जाव कोचेलो सांभरण। चाकरी घोडो १।

६६

३७. याददासत आगली[1] री विगत—

राणो भोजराज रै बेटा राणो चद जोगराज पचांण वीजेराजोत नै गर्जसिघ काठा रा गांवा[2] री हकीगत, समत १७१२।

विगत तफसीलवार—

१ गाव भवातडो—

रावजी श्री बलूजी नैं राज श्री जाड़ेजी राणा भोजराज री बहू पुखता तरै चवाण राघूजी नु दीयो। जमा बाध नैं।

१ गाव जोडादर—

राव जी श्री बलुजी राणा तेजमाल ने दीयो छै जमा बांध नैं। आगे[3] सूनो थो।

---

१. प्राचीन। २. सीमा के गांव। ३. पहले।

१ गाव भीतड़ी—
रावजी श्री बलूजी दीवी चवाण सता भोजराजोत नै, जमे री मे। मोदी १४०० बाघा दीवी तिण पछै गाव राखे तो भोपत राम खेत गया। तरै हमार जोर पोछै नही। तरै ऊठ १ ने साड ४० देवै।

१ गाव मडाली—
रावजी श्री बलूजी राणा भोजराजजी नु दीवी। गाव सूनो पडीयो थो। तरै जमा रो ऊठ १ बाघ नै १७०३ मे दीवी।

१ गाव खासरवी—
महाराज श्री अजीतसिघजी राणा पचाण नु दीवो जमा बाघ नै। सूनो थो सो जमा रा रु० ४१) में, चवाण मालदानजी नै ऊभी देता जां मुजब।

१ गाव वाटकी—
माहाराज श्री अजीतसिघजी माहाराज राणा पचाण नु दीवी। वसतो रसतो थो चाकरी कीवी। समत १७३३ मे।

१ गाव वरणवो—
रावजी श्री अजीतसिघजी दीनो राणा पचाण नु, दीयो रु० २००१) जमां रा बाद।

१ गाव दुठवो—
आगे तो कदीमी सुं नायां नै। राज श्री सगतसिघजी नै राज श्री देवीदासजी ऊठ १ कर नै दीवी। समत १७६२ मे रावजी बलुजी दीयो।

१ गाव दीलोघर—
कदीम सूनो। सदावद[1] वाटकी मे माजरे छै।

१ गाव रडवल—
खेड़े कदीमी सूनो, नै गाव भवातडा में सदामद माजरे।

१ गाव धोगपुरो—
हमार इणां बरसा मे नवे ने सोडो करने राज श्री अभैराजजी मेरुजी बसायो नै सोमा गाव सुतडी तथा वाटकी तथा भवातडो तथा पारीवासु कने खेत बसायो छै।

१ गाव घडसो—
समत १७३५ रा राणा ठाकुरसी श्री माहाराज सायबा रा वखत मे घडसा

१ हमेशा से ही।

रा पटेल नाथ नै दैग पड़ी जद नै गांव भड़ूसो मोळो दी। तिण पछै राजजी श्री लखधीरसिंहजी नूं सम्वत १८४७ सांचोर हुई जदै गांव भड़ूसो छोडावण री तकरार कीवी, जदै छडूरसी छोडै नहीं। जदै गांव गड़वा र काळ रै चिरवार री जमा बांध नै गांव भड़ूसो छुड़ायो। जदै राज श्री गिरधारीसिंहजी नूं मांडूना कैयो' जो गांवदा क्यूं देवो ? जदै कैयो—कै मो देवो रै नै छोड़ावणो पड़ै, म्हांरा घर में मडूव होती सो छोडावणी। सम्वत १७४६।

३८. सिध श्री महाराजाधिराज महाराजाजी श्री श्री १०८ श्री सरदार-सिंहजी महाराज कंवार श्री सुमेरसिंहजी वचनात् तथा सोवे सांचोर रा गांवां में चौरासियां पै छै तथा चौधरां रै नाम कीयो छै। गांवां री विगत इणां मांय—

१ गांव सीलवो
१ गांव मोडलो
१ गांव डूडूवो
१ गांव पराणा
१ गांव देवाल।
१ गांव बातेरा
१ गांव सोदड़ी
१ गांव होड़वाड़ो
१ गांव बन्डूरी

९

गांव नव। संम्वत १७६० रा जमा जुझ ११. कुमार चैदनजी री नकल हकरी छै।

१. दोनों में नह।

(ख) परगने जाळोर रौ हाल

१ प्रगने जाळोर री जूनी विगत कानूगां री जूनी वही सू ऊतरी[1]। समत १३१२ रा चैत सुद ३ लगन मेख माहे श्री जाळोर थापना कीनी[2]। तिण पछै १३५१ रा पातस्या अलाऊदीन जाळोर लीवी। कांनडदे जी काम आया वरस १२ बारे राज कांनड़देजी कीयौ। पछै फौज आई तरै ज ळोर फतै कीधी।

२ व्यारीयां री विगत, इतरा हाकम व्यारीया रा ठाकुरां नै जाळोर पटै हुई तथा और हाकम जाळोर आया। समत १६२५ रा वरस मास थी वही रा पाने लिखी तिण री नकल ऊतारी छै—

नवाव गजनीखाजी टीकै वैठा, मलकखांनजी मूवा तरै समत १६२५ रा गजनीखाजी टीकै वैठा, समत १६४२ रा पोस वद ४, वरस १७ राज कीयौ।

३. व्यारीया नवाव खांनखाना नै पकडीयो तो वेद मुतो जगमाल तरक ऊप्र रसा पकडत काम आयौ। व्यारीया री वसी राडघड[3] गयी थी, गजनीखांन पकड़ीया पछै खोजो परमाद जाळोर हाकम हुवौ। पछै अब्दुल कासम जाळोर राज कीनो समत १६४३ रा कातो वद ५ खोज वरदी जाळोर ऊपर वेस टुकी ऊपर छतरो खोज वरदीन कराई।

४ पछै समत १६४५ रा हवरदो जामु वेग जाळोर प्रवेस। समत १६४८ रा काती वद १ जाळोर गढ नवाव श्री गजनीखानजी वीजापुर लाहोर था राजराणी परण[4] आया। पछै समत १६७० रा वरस गजनीखानजी वीजापुर रै थाणे फौत हुवा नै पाडखाजी टीके वैठा समत १६७३ रा पोस वद।

५. राजराणी नै पाडखान मारी, पाड़खान वुरानपुर था नवाबखानजी ही सोवे था। राजराणी वुरानपुर मे मारी। राजराणी रा भाई-वद अतमाहात दौला री काका था सो पातसाही नूरमैल आगे पुकारीया—जु मेरी वेटी पाड़-खान मारी छै। तरै पातसाजी पाडखान नै पकडाय मगायौ। जाळोर रा उमराव तुरक मना था, हिंदू सगळाई मतौ कराय नै मरावी थी[5]। पछै पाडखान नै पातसाजी पूछीयो, नूंरमैल पासे ऊभी थी,[6] केण लागी-किण मारी। तरै पाड़-

---

१. लिखी, लिपिबद्ध की। २. जालोर री स्थापना की गई। ३. मालानी का इलाका। ४. शादी करके। ५. हिन्दुओं ने उकसा कर उसे मरवाया था। ६. पास मे खड़ी थी।

खानजी जावाब दीयो—जु में मारी। तरै नूरमैल हुकम कीयो—जो पुरस खून कोयो है, मारौ, तरै पाडखान नै अजमेर मे मारीयो।

६ पछै साहाजादो खुरम आपरा उमराव जाळोर थाणे म्हेलोया था सो उमराव रौ लसकर खोरणी नै मालोळाई छै, जठै ऊतरोया था। तरै जाळोर ठाकुर सह था तिणा साभळीयो[1] । पछै जाळोरीया वेढ कीवी। अमीजो नूर-महेमद शेपडी उण बखत मडोवरी काम आयो। बीजा ही घणा काम आया हुसी[2] । साहजादे रा चाकर था सू नास गया[3] पछै साहजादै नुं खबर हुई तरै माहाराजाजी श्री सूरसिघजी जाळोर लेवण री ऊमेद मे था सो साहाजादे सु अरज कीवी। तरै साहाजादे हुकम दीयौ, तरै जाळोर लीयौ।

७. पछै कवरजी श्री गजसिघजी मारवाड री साथ ले जाळोर आया नै खांडा हरजी रा पैली तरफ डेरा था सहेर मे व्यारी ठाकुर भला-भला था सो वेढ करता दरवाजा ऊपर नाळ थी सु चाढता चीरडता लसकर रो आदमी कोई आय सकतो नही। पछ नरांणदास बोडो थो सु सिवाणा वाळा सू राजसिघजी वात करावता जोहुं कवर श्री गजसिघजो कहै छै—मैं तौ मामाजी रै भरोसे आया छां। नै छोडाया, तरै नारांणदास बालोत श्री माहाराजाजी रो चाकर थो तिण ने डोडीयाळ रो पटो गाव २० बीस थी पटै दीयो। बोडा नरांणदास नै बाकरो नै वागरी री पटी ढढाररावरै पटै दीया। पछै बोडाणा नै बालोत भेळा होय नै कवरजी श्री गजसिघजी री साथ लेय नै गढ ऊपर चढीया। राजसो मुतो नै पचायण बालोत गढ ऊपर चढीया था सो गढ ऊपर श्री माहाराजाजो रो साथ चढीयौ। तरै राजसी मुंतो तौ मरतौ थौ[4] सो पचायण बालोत मरण देवै नही। हेटा तळेटी ऊतारीया[5] । पछै गढ री पाज लडाई हुई, जठै जबदल-खानजी सीलारखानजी ताजुजी केसरखानजी नंदा ताज काम आया। और ही साथ काम आया तथा घायल हुवा। नै राजसी मुतो जाळोर रा रोळा मे काम आयौ। बीजा ही व्यारी नै रजपूत वगेरे नीसरीया। दीवाण कमालखानजी था सो पालणपुर गया। और समत १६७३ सुदी जाळोर मे व्यारीयां राज कोयो। समत १६७४ रा माहाराजा श्री सूरसिघजी नै जाळोर साचोर कवरजी श्री गजसिघजी रै नावे लिखीजी सु समत १६७६ सुधी रया।

८. सीसोदीयो भीयो[6] कलाणदास रौ समत १६७७ रा वरस १॥ रयौ नै माहाराजा श्री गजसिघजी नै समत १६७८ रा लगायत समत १६६४ सुदी वरस

---

१. सुना। २. अन्य लोग भी काम आये होंगे। ३. भाग गये। ४. मरने को उद्यत हुआ। ५ किले के नीचे उतरे। ६. भीमसिंह।

१६ रेयी। नवाब मीरखाजी नु समत १६६४ रा काती सुद १५ सुं समत १६६८ रा वरस सुदी राज रयो।

९. माहाराज श्री महेसदासजी रतनसिंघजी नै समत १६९९ मे हुई। सु समत १७१२ रा आसोज वद ४ सुदी[1] राज कीयो।

१०. माहाराज श्री जसवतसिंघजी नुं संमत १७१३ रा फागण सुं लगाय समत १७३५ रा पोस सुद, १५ बरस २२॥ रयो।

११. राव श्री सुजाणसिंघजी नै समत १७३५ रा वरस मे ऊनाळो सूं समत १७३६ रा दीवाळी सूदी, मास ८ आठ राज रयो।

१२. दीवाण फतैखाजी कमालखाजी रै समत १७३६ रा काती सुद सु समत १७३७ रा काती सुदी रयो।

१३. राज श्री रामसिंघजी १७३७ रा मिगसर सुद सुं जेठ ताई मास ७ रयो।

१४. पठाण बेलोलखाजो रै समत १७३७ रा असाढ सू समत १७३८ रा भादवा सुदी वरस १ नै मास २॥ रयो।

१५. दीवाण फतैखाजी रै समत १७३८ रा आसोज सु लगायत समत १७४० रा माहा सुद १५ सुदी रयो।

१६. सयद मीरकासमखांजी रै समत १७४० रा फागण सु समत १७४२ रा फागण सुदी वरस २ दोय रयो।

१७. दीवाण फतेखाजी समत १७४२ रा मे आया सो फौत हुआ, तरै पछै कमालखाजी रै पटै हुवो। समत १७४३ सुं संमत १७५४ रा जेठ सुदो ला रयो।

१८. माहाराज श्री अजीतसिंघजी रै समत १७५४ रा जेठ रा मास मे आया नै समत १७६३ रा फागण मे फौज रा डेरा सूराचद था, सो पातसाहजो औरगजेबजी फोत हुवा[2] तरै समाचार आया सो माहाराज श्री अजीतसिंघजो जाळोर सु कूच कर जोधपुर पधारीया। सो जाफरखा नें लूटीयो।

१९. समत १७८१ मे माहाराजा श्री अभैसिंघजी पाट बैठा[3] नै हाकम मुणोयत सावतसिंघ आयो। नै समत १७८५ रा गनीमा जाळोर मारी[4]। पछै समत १७९१ मुतो किसनचद हाकम आयो।

---

१. तक। २ मृत्यु हुई। ३. राजगद्दी पर बैठे। ४. जीती, लूटी।

२० पछै समत १७६८ में माहाराज श्री वखतसिंघजी रै जाळोर हुई तरै हाकम सिंघवी सावतमल आयो ।

२१. समत १८०६ मे माहाराजाजी श्री अभैसिंघजी देवलोक हुवा तरै समत १८०९ मे माहाराज श्री विजैसिंघजी रो अमल हुवो नै पचोळी रामकरण नै मुणोयत गुलाबचद फौज ले आया सो जाळोर में गनीम था सो वात कर पग काढीया,[1] नै माहाराजाजी रो अमल कीयो ।

२२. समत १८३६ रा सांवण में जाळोर पासवांनजी गुलावरायजी[2] रै हुई नै हाकम सिंघवी जोरावरमल आयो ।

२३. समत १८४९ रा पोस वद ८ मांनसिंघजी पधारीया नै सेरसिंघजी अैं दोनूं पधारीया, सो सेरसिंघजी तो पाछा जोधपुर पधारीया नै मांनसिंघजी अठै हीज था ।



१. निकाल दिया । २. महाराजा विजयसिंह की पासवान ।

(ग) परगने भीनमाळ री हाल

१. १ भीनमाळ।

१ प्रथम जुग मे पुष्पमाळ १, कोस ८४ कहीजै।

२ दूजै जुग रतनमाळ २, सु ऊंचो जटक कहीजै।

३ ताजै जुग श्रीमाळ, कोस ४० चोफेर।

४ कळजुग मे भीनमाळ, वदे चौत्रीस तिण पैला।

२. विगत तफसील वार—

१ पैला जुग मे श्री लक्ष्मीजी री राज रयौ।

२ दूजै जुग मे परमारा रौ राज रयौ।

३ सिरीमाळिया[1] नै, श्री लिखमीजी[2] री व्याव हुवौ जरा[3] दांन में दीवो।

४ समत ११११ रा वरस मे बीडी मुगल पातसाह आयौ नै नगरी सूनो कीवो। सो वरस २५० सूनो रही। पछै चत्राणा सीरोही रा नै हुई।[4] सो सोरोही रा रावजी नै मार नै वीहाराया लीवो। सो वीहारीया कना सू सीहोजी माहाराज लीवो। हमे राज राठोडा री है।

३. भीनमाळ जाळोर री जूनी खियात री विगत मगाई सु हाल श्री है कं जाळोर री राज बीआरो[5] करता सु समत १६७३ रा वरस मे वडा माहाराज श्री सूरसिघजी साहायवा कवरजी श्री गजसिघजी नै हुकम दीयो के पातसाह सलामत आया नै जाळोर साचोर इनायत कीया है सु थे सारो साथ ले जाळोर जाईजो। नै जाळोर जाय नै झगडो कर जाळोर लीजो[6]। तरै जोधपुर सुं फौज लसकर लै'र कंवरजी श्री गजसिघजी नै सिरदारा मे राठोड राजसीघजी खीमावत सावायत लसकर ले'र जाळोर आया नै गाव गुदरे डेरा किया। नै जाळोर रै घेरो दीयौ। तरै सेहर मे वीहारीया रै साथ रा इतरा जणा गढ रा कागरा ऊपर ऊभा रया[7], तिणा री वीगत—बीहारी १ जबदलखांजी

---

१ श्रीमाली ब्राह्मण। २ लक्ष्मीजी। ३ तब, उस अवसर पर। ४. सीरोही के चहुवानो को मिली। ५ बीहारी। ६. युद्ध कर के जालोर पर अधिकार कर लेना। ७ गढ की ऊंची दीवार पर चढ़ कर खडे हुए।

१ ईसबखांजो री बेटो १ सीलारखा, जबदलखाजी री बेटी मेलतीबखा, नें वहा मलकखानजी री बेटो नें जमालखा अमदखाजी री बेटो नें ताजुक सीयानी जात तुरक पं नगामंद[1] जात बीहारी नें हाथ सू खान खुद मुलक बीयारी री नें हतुसधी नें मुग राजसी नें बालोत पचाण-गागावत नें काबा रायसिघ, नें सीदल खीयो गढ रा कांगरा ऊपर मरणीया होयर[2] याने कवरजी श्री गजसिघजी री फटक[3] देय नें नेडा आये[4] नें घाघो करें। विण सेहर ले सकीया नही। इहु करता[5] मास ५ तथा ६ हुवा तिण पछ बोडा नाराणदास बागावत सीयाणा री भोमियो तिको कवरजी श्री गजसिघजी री साथ बोडो दस कर नें चढीया सु गढ भेळीयो सो ऊपर सिपाई २ तथा ४ काम आया। जठै बालोत गढ छोड नें ऊमाडा ती ऊतरीया। तरें माहाराज श्री सूरसिघजी सायबा री आणदुवाई फेरी।

दूजें दिन श्री हजूर री साथ सेर कोट ऊपर आया। तरें जाळोरीया पोळ माकूल कीवी। जाळोरिया री साथ बडी राड कीवी। नें इतरा जाळोरी राड मे काम आया तिण री विगत—१ जबदलखाजी बीयारा १ सीलारखाजी १ ताजूखा पजबानी १ कैसरखान १ दुरगो सीधी ताजु री ने १ मु० राजसी १ हेतू सीधी राजसीप वगेरे जणा ७ तथा ८ काम आया। नें जाळोरी सिरदार काम आया तरें दूजा सारा नीकळ गया, समत १६७४ रा भादवा रा मास मे।

४. पछें जाळोर राज माहाराज श्री सूरसिघजी साहेबा रें रयो, जठा पछें सीसोदीया राजा भीव री बरस १ ताई राज रह्यो। ती जाळोर ऊभो मेल नें गयो[1]।

५. समत १६७८ रा माहाराज श्री गजसिघजी री राज हुवो सु बरस १६ तथा १७ राज रह्यो। नें बरस ३ नबाब मीरखा री राज रह्यो।

६ जठा पछ समत १६९९ रा ला समत १७१२ सुधी बरस १३ राव रतनसिघजी मेसदासोत रें राज रह्यो।

७. नें समत १७१३ सुं लगाय समत १७३५ रा पोस सुद ताई[7] माहाराज श्री जसवतसिघजी रें बरस २३ ताई राज रयो।

८. न जठा पछ समत १७३५ रा बाभ री साख ऊनाळी री राज राठोड

---

१ नामी, प्रसिद्ध। २. प्राणोत्सर्ग के लिये उद्यत। ३ फौज। ४. समीप आकर ५. इस प्रकार प्रयत्न करते हुए। ६. छोड कर। ७ तक।

सुजाणसिंघजी रै रह्यो नै समत १७३६ रा दीवाळी जा पछै दीवांण माहाखांन जी फतैखानजी बीयारी रा बेटा रै समत १७३७ रा वरस री दीवाळी सुधो रह्यो। बरस १।

९ जठा पछै राज राठौड रामसिंघजी मास २ नै दिन १० कीयो। पछै दीवाण श्री फतैखानजी पातस्याजी श्री औरंगजेबजी रै हजूर सुं अजमेर आया नै १ जाळोर १ साचोर १ पालणपुर १ डोसो, इण मुजब प्रगना ४ च्यार पाया नै अमल कीयो। समत १७४० रा फागुण सुद १५ सुधो फतैखाजी रह्या।

१० पछै सईद कासमजी समत १७४० रा चैत वदी नै जाळोर साचोर आय अमल कीयो समत १७४२ रा चैत वद ५ सुधो अमल रह्यो। नै संमत १७४२ रा चैत वद ६ सू फतैखाजी बीहारी जाळोर साचोर रा प्रगना २ पाया। जठा पछै कामदार मु० कयो जरा जाय अमल कीयो नै सईद कासमजी अैमदाबाद नै हालीया।

११ समत १७४२ रा वेसाख वद १४ नै दिन ऊगते माहाराज श्री अजीतसीघजी लसकर ले'र पधारिया, तिण री विगत—राठौड भगवानदासजी ऊदैभाणजी तेजसिंघजी खीमकरणजी अखैराजजी दूजोई साथ पाला[1] असवार मिनख २००० आया ने परभात रा जालोर कायम कीनो। नै अक बाजु गढ रै पाज चापावत भगवानदासजी तेजसिंघजी चापावत ने वाला अखैराजजी ऊपर ढोली दरवाजा रै ऊपर ही अ नै ऊदैभाणजी मुकनदासोत नै खीमकरणजी भेळीआै नै गढ री पाज बीयारी अलुखा न पनुखा रो काम आयो, माजना रै साथ रा जणा ४ नै चोधरी अमरो काम आयो। नै दूजा सिपाई १० बारे काम आया, नै सेहर भेलीयो[2]। नै सारो सहर लूटीयो नै खोसीयो खूदीयो। रातदिन खोस-लूटो[3] हुवो। नै फतैखाजी रो कामदार बालो अमरदास वाकानवेस[4] ले'र नीसरीयो, वाकानवेस साथे लेनै नीकलीयो। जठा पछै फतैखाजी नै खबर हुई क भीनमाल जालोर राठौडा कायम कीवो।

१२. जरा भीनमाल सुं मुग घर का दास उमराव जणा ४०१ ले'र न जालोर आयो ने गेब रा नगारा[5] सुण रै राठौडा रा डेरा ऊरडीया[6] नै माहोमाह[7] लडाई हुई। सु आदमी ८० तथा ८५ काम आया तथा घायल हुवा।

---

१ अन्य पैदल सेना। २. शहर मे प्रवेश किया। ३ लूटखसोट। ४ सूचना देने वाला व्यक्ति, एक पदाधिकारी। ५ युद्ध के नगारे। ६ हलचल मची। ७ आपस मे।

नै इणा ठाकुरा रा डेरा आगे कोया। नै ईयारै साथ फतैखाजी री आणदुवाई फेरी। राठोड़ा इसो लूट कीवी सु मिनखां नै धान पात्र तथा छव दिन सुधो मिलीयो नही[१]। जरै फतैखाजी रो कोठार सावत रह गयो[२], तरै सेहर मे धान नही मिलै नै ऊपर आखातीज[३] आई तरै घर दीठ[४] धांन सेर १ कोठार सुं दिन १५-तथा २० सुधो दीधौ। पछ माजना लोका कना सुं मोल रो रुपयो १।) लीधौ।

१३. पछ फतेहखाजी जालोर आया नै फौज रै वासतै धान लेबा नै मुग अगरा नै गाव सीठुड़े मेलीयौ। सु धान गाडी २ ले'र आवता था[५], मु फौज ऊपर गई तरे मुग अगरै आपरी लुगाई, बेटी नै बाढ-मार नै लसकर सामो आय न काम आयो। नै फतैखाजी रो फौज माहेला मीया तालीमखा नं बेटो काम आयो। बेटो वडा वन रस फरीद रा रै घाव पडीया[६]। सेहर रो लोक बारे नीकलीयो न ।१ तरायक सिपाई यारं घरे जाय बैठा।

१४. जठा- पछै महाराज श्री अजीतसिघजी रो लसकर आयौ सु जालोर भीनमाल कायम कीवी। नं भीनमाल म बीयारी कमालखाजी नै मुग मेवोजी कांम आया। सु बीयारी कमालखाजी पीर हुवा सु कचेडी मे दरगा थपी नै मुग मेवाजी मामाजा[७] हुवा सु महेला कोट रे नीचे थान थपीयो।

१५. जिठा पछै राठोड भगवानदासजी जोगीदासोत (ओत) रै भीनमाल पट हुई। सु समत १७८२ रा में तो दासपा रोठोड प्रतापसिघजी रं हुवो। नं समत १७८५ मे महासिघजा रे मजल रो पटो हुवो।

१६ तरै भीनमाल समत १७८६ रा [illegible] खालसे हुई, सु समत १७८६ रा बरस सु लग [illegible] ८१० रा ब[illegible] [illegible]ोर रो थाणो रयौ। नं समत १८१० रा [illegible] [illegible]ो पामसीअ[illegible] [illegible]। लारला बरसा री बहीयां कागदोया[८] [illegible] १८१२ [illegible] [illegible]नमाल मे गनीखा री फोज सीघीया रो [illegible] [illegible] भे ० [illegible] घाल ने लाय ल[illegible] बाल नाखीयो[९], जि [illegible] कागदो[illegible] [illegible] सु उण [illegible] सारा जल गया।

[illegible]ो को खाने [illegible] २

मक्षय तृ[illegible]

प्रकार

[illegible] घर।

(घ) परगने नागोर रौ हाल

१ सं० ११९५ रा वैसाख सुद ३ पुख नखतर[1] मे चवाण प्रथीराज रा परदान सामत कवास दायमा कोट री नीव दीनी नै कोट करायौ नै नागोर बसायौ।

२. मायलो किला रो कोट लाबो गज ४६४५ नै चवडो गज ४४६६, चारु तरफ रौ गिरदाव[2] गज २१००० नै कोट रा कांगरा नग ८१८ नै बुरजा नग ३० नै कोट री पोळा नग ३ किला री नै माय पोळ नग ३, गडीयालखाना री १ नै नगारखांना री १ नै डोडी री सुदी पोल ६।

३. नागोर लार परगनो है नं नागोर राज पहली तो चवाणा रै थो स० ११९५ सुं लगाय नै ५० पचास ताई।

४. पछै खानजादा मुसलमान नै सोबो हुवो[3], सु ११७३ लगाय नै १४३१ ताई खानजादा रै नागोर रही। सु करेई[4] तो खानजादा दिल्ली रा नौकर रया नै करेई माडव माळवा रा पातसा रा नौकर रया नै १४३१ रा मे खानजादा सु नागोर दिली रा पातसा छुडाय लीनी।

५. पछै १४३५ खांन समसुखान पातसा कनै पाछी लिखाय लीनी सु बरस १५८ पीढी दस ताई[5] खानजादा रै रयो।

६. आगै स० १४५६ राव चूडेजी नागोर खानजादा कना मुं लीनो थो सु बरस तीन हीज रयौ न खानजादो मुलतान रा सोबादार सुलमखान मदत लाय चूडाजी नै गाव टुकछा मे मार नागोर पाछो उरौ लीनो[6]।

७. समत १५९२ राव मालदेजी खान मैहमद दौलतखा कना सुं छुडाय नै नागोर उरी लीवी। ऊवा बरस ८ रही। पछै राव मालदेजी सुमेल री राड हारीया,[7] सवत १६०० मे। तद सोबो पातसा सलेमखा रै आयौ। सु समत १६११ ताई रयौ।

८. पछै पातसा हुमायुसा दीली तखत बैठो तरै उणा रा सोबादार आया नै पछै हुमायु रै पाट अकबरसा बैठो तरै उणा रो सोबादार आयौ।

---

१ पुष्य नक्षत्र। २ घेरा। ३. सूवे पर अधिकार हुआ। ४ कभी। ५ दस पीढो तक। ६. नागोर फिर से अपने अधिकार मे कर लिया। ७. सुमेल नामक स्थान मे होने वाले युद्ध मे हार गये।

९. पछै पातसा अकबरसा १६२७ मे नागोर आयो। तरै बीकानेर रा राजा रायसिंघ ने सोबो दीयो। सु तीस ताई बरस तीन रयो। तिण मे बरस १ रो पट्टा सुं बारट सकर नै रायसीघजी दीनी नै सकर रै रही।

१० पछै पातसाह अकबर कछवावा जगमाल नै समत १६३० नागोर दीनी सु सं० १६४४ ताई रयो। चमालीस मे राजा दलपत रायसीगोत बीकानेर वाला न इनायत कोवी सु पछै स० १६५१ मे फेर कछवावा कवर जगतसीग मानसिगोत नै हुवो।

११. समत १६६२ में पातसा जागीर तखत बैठो तरा सीसोदीया राणा सगर ऊदेसिघ रा नै अजमेर नागोर चीतोड लार[1] दीनी। पछै समत १६६३ कछवावा मादोसीघ भगवानदासोत आबर वाळा ने नागोर अजमेर भेळा दोना।

१२. पछं समत १६७३ मे पठाण जावदीन नै नागोर दीवो नै पछं राजा सूरसीग बीकानेर भूरटीया बीकानेर वाळा नं दीनी सु समत १६८१ में लिखीजी।

१३. जोधपुर वालां रं १६९५ कवर अमरसिंघजो रै लिखीजी। सु पछै १७०१ रा सावण सुद ताई राव अमरसिंघजी रं रही।

१४ अमरसिंघजी आगरा काम आया तरा नागोर फतैपुर रा कायमखानी दोलतखान अलखफखा रं हुई।

१५ १७१४ मे माराज जसवतसिंघजी रै सोबो हुवो थो। सु १७१५ अमरसिंघजी रा बेटा रायसिंघजी रै हुवो सु इणा रै रयो नै पछै इणा रा बेटा ईदरसीगजी राज कायो। समत १७७३ रा सावण वद २ माराज अजीतसिंघजी लिखाय लीयो नं ईंदरसिंघजी सु छुडाय लीयो। सु भडारी पोमसी अमल कीयो[2]।

१६. पछै समत १७८० रा फागण वद ३ नै पातसाई री तरफ सु लाल नीसाण लेने सवाई जैसीगजी रो लोक आय अमल कीयो।

१७ मा वद ३ इकियासीया रा में स० १७८१, पाछो ईदरसिंगजी रै लिखोजिया।

१८. १७८२ रा असाढ वद ८ माहाराज अभैसिंघजी रं लिखोजियो सु

---

१. चित्तोड के साथ दी। २. राज्य का दस्तूर किया।

माराज अभैसिघजी वगतसिघजी नु दीनो, सु उणा रै रयो १८०८ ताई। पछै जोधपुर सामल हुवौ।

१९ नागोर सुं तरफ उतराद मे अजासर गाव इलाके नागोर सु कोस १२ परली तरफ बीकानेर इलाक रो काकड लागे[1], गाव अजासर वगेरह। नागोर सुं तरफ दिखणाद गाव कोणेचो कोस १८ मेडता री हृद लागे। नागोर सु तरफ पूरब कोस ३२ आगे सैर इलाको सीकर वो बीकानेरी रो काकड लागे। नागोर सुं तरफ आथूण गाव माडपुरीयो कोस १५ आगे जोधपुर परगना री हद लागे। लवाई अफ पूरब सु पिछम री कोस ४७ सैताळीस। नै चोडाई उतराद दिखणाद कोस ३०। अदाज कुल रकबो कोस ७७ सीततर रा गिरदाब मे है।

२०. किलो अवल तो सैर नागोर मे नै सैरपनो छै महाराज श्री बखतसिघ जी रै करायोडो। नै ताऊसर रो गढो है नै तळाव झडा ऊपर मोरचा रावजी अमरसिघजी रै करायोडा है। रावजी श्री अमरसिघजी री छतरी है[2]।

२१. कसबे लाडणू मे किलो केसरीसिघोता रै करायोडो है नै गाव दुगोली मे गढी[3] नै गाव खाटू वडो मे किलो नै गाव अेवाद में पकी गढी भुरजादार है।

२२. कुल गाव ५५५ पाच सो पचावन तिण मे प्रगने कोलीये रा गाव ३७ नै बाकी ५१८। तिणा मे आबादान वसता ४४७ नै सूना ७१, जुमले गाव ५५५।

२३ दोनू साखा[4] में जवार, बाजरी, मोठ, मूग, तिल। अक साख सावणू होज हुवै, नै केई गावा मे ऊनाळी सेवज नै वेगा ही है।

२४ पाणी केईक गावा मे तो सात तथा आठ पुरस नीचै है नै केई गावा मैं ३० पुरसा नीचै है। नै नदी इण प्रगना मे नही। पाहाड इण प्रगना मे खाटू बडी ने खाटू खुडद मे है, नै गाव लोडसर मे डूंगरी[5] है। गाव मूंडवे ठरडो है। बाकी रेत री जमी है। खडी री खान गाव चूटीसरे भदाणे, मागलोद, खेराट, इतरा गावां मे है। पथर री खान खास नागोर मे तो लाल पथर री है,

---

१ सीमा लगती है। २ अमरसिंह राठोड़ के स्मारक स्वरूप छतरी बनी हुई है। ३. छोटा किला। ४ दोनो फसलें। ५. पहाड़ी।

नग १० है, नै पीळै पथर री खान खाटू बडी मे है। लाडणू में भाटा री खान लाल पथर री है।

२५. जोड[1] खास हवाला रा गावा मे पाबोळाव री है कठोती मे नै मूडवे कसबा मे नै ईदाणो, खजवाणो लूणसरो, माणकपुर, वरण गाव, गोवा खुडद, नै वोडवो, आकोली, बुगरडो, दूणीयो, सोनेली, माभी, वगेरे छोटा जोड १८ है। पाबोळाव, कठोती, ईदाणो श्रै तीन वडा जोड है। रोई मे रुख[2], केर खेजडी, वगेरे है। मेड़ता पटी रै काकड मूजा है नै थली में फोग है। कितराक गावा में नीब है।

२६. मेला प्रगना रा गांवा में वसवाणी मे रामदेजी री मेलो भादवा सुद १० ने माहा सुद १० नै हुवै। नै गाव जुजाले गुसाईजी रा मेला २ आसोजसुद १० चेत सुद १। मागलोद में माताजी रा मेला २ आसोजी ने चैती नोरता[3] मे हुवै। ने मुदीयाड श्री गणेसजी माराज री मेलो भादवा सुद ८ नै भादवा सुद १० तांई लगाय दिन ३-४ रेवै। गांव खाटू वडी मे पीरजी री मेलो १ आसोज मे, १ भादवा मे भरीजै।

२७. करसा[4] सावणू करण वाला जादा है। नै केई गावा मे ऊनाली है।

२८. प्रगना री रेख १२००००००वारे लाख री है। जिण मे जागीरदारा नीचै ६००००० छव लाख री है। नै हमार पंदास ६००००० छव लाख आसरै[5] री है।

२९. कारीगरी दात री वाग वाडी नै पीतल रा वासण[6] न ऊन रा रगत रा कामला[7], खेसला नै मिठाई दूघ री ऊमदा करै, खास नागोर मे गाव रोल मे लोह रा कडाव कडायला वगेरे हुवै।

३०. प्रगना मे देखण लायक खास नागोर मे तो किलो सेरपने सुदो नै भडा ऊपरलो मोरचो ल महादेवजी श्री पतालेश्वरजी री देहुरो[8] नै मिंदर वगेरे है। गीदाणी ऊपर मदारा ने मसीत करायोड़ी है, नै तलाव समस नै पीरजी तारकीनजी री दरगा नै कठोती मे दरगा १ अकबर रै वखत री है।



---

१ घास आदि के चरागाह। २ वृक्ष। ३ नौरात्रा। ४ किसान। ५. अनुमानित। ६ बर्तन। ७ कबल। ८ स्थान मन्दिर।

(ङ) परगने मारोठ रो हाल

१. श्री प्रगनो समत १११४ गोड वछराज माठा गूजर रा नांव सू मारोठ बसायौ। पैंला माठा गूजर री ढाणी[1] थी। पछै उण रै बेटो थिरराज गाव री वसती आवादान कीवो। और थिरराजजी वडा-वडा आव काट नै आवेर सू लायौ नै महारोठ मे लगाया। पछै कितराक पीढोया पछै मारोठ मे गोडा रो भोमीचारो रेयौ[2]। प्रगना पातसाजी मनसब मे देवो कीया ने गोडा री भोम थी सु छूटी नही। तैंसील भर देवो कीया[3]।

२. मारोठ रा गाव ११२ तीण री विगत नोचे मंडो छै। वास कसवे रा १२ जुदा छै। माजना रा घर पछै वसीया। जमो वीगा ५२००० पको डोरो छै। जमी री दोय बावनीया वासा सूं गीणीजे छै। सो गोडा ऊदक[4] री श्री लीछमीनारायणीजी नोमत बीरामणा नै ५२०० पकी डोरी पटै बावनो दोनो हेम मुंहे सो ऊदक कर दीवी। हजार मे वीगा ९०० नव सौ पटे वावनो है। खालसै-खालसै बीगा १००० ऊदक री जिका विगत जुदो है।

३. समत १७१५ री साल माहाराज श्री रुघनाथसिंघजी ने पातसाहजी औरग-जेबजी माहाराज ने दीनी। दिखण रो लडाई मे रुगनाथसिंघजी बदगी चोकी कीवो। औरगजेब दिली तखत वैठो नै साहाजीहा नै कैद करी साहासूजो, मुराद बगस, दारासीकोह नै मारीया तथा कैद कीया, अै तीन भाई औरगजेब का वडा छा जिका वेठा या औरगजेब तखत रो हकदार नही।

४. रुगनाथसिंघजी को नानेरो वगरु थो नै केसर कवर बाई रुगनाथसिंघजी री मा री नाव थो[5]।

५. पछै रुगनाथसिंघजी दीखण मे गया नै पातसाहजी कनै गया नै मनसब पायौ। गाव नै प्रगना पाया ७। नै इण मुजब नीवाजस हुई—हाती १ सिरोपाव १ सिरपेच वगेरे पातसाजी दोना। वोत खातर कीवो।

६. पछै रुगनाथसिंघजी मारोठ आया। गोडा सू झगडो कोयो। फेर मग-लाणे झगडो कीयो फेर गांव गगावा सू थेट रोहडी ताई झगडो कीयो। समत १७१५ की साल फेर गोडा सूं मारोठ मे भारी झगड़ो हुवो सो घोरु-घार हुवो सो ऊवो ईंछो हाल घोरु-घार वाजै छै। जिण सुं गोड़ कितराक सारा मारीया

---

१. रहने का स्थान। २. भोमिया के तौर पर शासन। ३. लगान आदि देते रहे। ४. दान। ५. रघुनाथसिंह की माता का नाम केसर कवर बाई था।

गया नै कितराक नीसरीया, नाव तीलोकसीजी अणदसिंघजी कुसलसिंघजी सगरांमजी सू साभर कने बाब होमायत[1] करने गीड़ा नै गाव १७ मे राखीया।

७. प्रगनां री हद सिरकार रा गाव ११२ सुं—

९५ जागीर में   १७ ईसतमुरारी, जिण रो ईजारो रुगनाथसिंघजी नै देबो कीया। नीम बकादे लोकां सु सांभर ता० तलब तकादो दसतक होबो करीया। ऊ गावा मे चौधरीया री हीमायत गीडा कीवी।

८. प्रगना मारोठ सिरकार सू सूबे अजमेर जसदामी रेष अठ आनी चा सू पलस भरतां गाव लागा था पछै नावे तां० लागा तिण री विगत—

१. कुल आमदनी रो गोसवारै थी।

प्रगना रा नांव	रेख	दाम	जमी
	दांम	जमी	
	२६८३५०	६६९९४५।	१०२६०००
१ प्रगने मारोठ	२२१०००	५५९२९५।	७५९०००
१ प्रगने साभर ता० था सु हमार नावा ता० के	४७२५०	११८०७००	२६७०००

१ गाव समूचो १२८	विगत दामा री
१ बारेमावां रा[2]	१ छमावां रा
१ चोमावां रा	१ तीमावा रा

९. १ पैदास प्रगनां री दामा माफक, तिण री विगत तफसीलवार—

१ मेळ ईदर सिघोतां री रेख रु ५००००) रा ५५०००)।
१ मेळ पाचोता री रेख रु. ३२०००) ३२०००)।
१ मेळ वीजेसिघोता रै रेख रु. ५००००) पैदास ४००००)।
१ मेळ पाचवा री रेख २६०००) पैदास १८०००)।
१ मेळ लूणवा री देवली सु रु. ३७०००) री पैदास १५०००)।
१ फुटकर गाव=लाबो लालावास गागाणी
२०००) २०००) १०००) ५०००) पैदास ३५०००)

१. सिफारिश व कहासुनी करके। २. बारह महीनो के।

कसबा री रेख रु० २०२५०) वास १३ डोळो वगेरे जमी[1] न्यारी छै।

१०. हमार पसे समूचे प्रगने नामे वेरा बट लीकाकर नै घरती आवादानो पू ऊनाळू ७००००) सावणू ५५०००)।

१ डोळी या भोम री पैदास १२५०००) सवाई हमार छै। १ प्रगना साभर सु हमार नावा ता० गाव तिणां री हमार रेख ४७५०) तिण री पैदास कसबे मारोठ सुं किताक घास कसवा री सीव मे—

रेख	दाम	जमी
२०२५०)	५०८७९०)	५४०००

११. सासणा री विगत जुदी—

१ रेख	१ दाम	१ जमी	१ आसामी रा नाव
९००)	२२३९५)	२०००	गाव तीसावा चारणा रै
८००)	२०३५७)	४०००	गांव जसराण चारणा रै

१२. मारोठ सु घणा वरसा सू गाव सांभर नीचै कीया था सो हमार नावा नीचै छै सो रेख वदो[2] नही।

१२००००) २००००) सरगोठ ११०००० १२००० कुचांमण

कुल जमी १०२६०००)

९७०००) प्रगना मारोठ रा नीचे
२५०००) प्रगना मने दीया

६४०००) प्रगना मेटीबा
४३०००) जमी खारी खाडा तथा लूण री।
७१०००) प्रगना मे बळाखोळा
१ तळाव प्रगना मे
१ गावा री बसतो प्रगना मे
१ कूवा री खाडा प्रगना में

बाकी लायक जमी सावणू ऊनाळू री"।

---

१ ब्राह्मणो आदि को दान मे दी हुई भूमि। २. बढी।

परिशिष्ट २.

कुछ परगनों सम्बन्धी अतिरिक्त ज्ञातव्य

(क) परगनो जोधपुर

१. सवत १७१९ रा सावण वदि ४ अजमेर रै कानूगो महेसदास गांव १४६० जोधपुर रा परगना रा मांडीया हुता पछै मुहणोत नैणसी पा नरसघदास भेळा होय[1] इण भांत मांडीया छै[2] —

जुमले	आबादान	वेरान	आसामी
५०५	४१३	९२	

जुमले	आबादान	वेरान	आसामी
२६९	२३३	३६	तफै हवेली रा
२७	१९	८	,, सेतरावो
२३	१३	१०	,, केतू रा
९	६	३	,, देछू
११०	९१	१९	,, ओसीया
६७	५१	१६	,, लवेरो
५०५	४१३	९२	

७८	७०	८	तफै पीपाड़ रा गाव
१५	१३	२	,, बीलाड़े रा गाव
११	९	२	,, षेरवा ,,
८	८	०	,, वाहळी ने वळूदो
३५	२७	८	मोहल ३ पाली षारला रो हेठ
१०	६	४	तफै गुदवच रा गांव
३०	२१	९	,, दूनाड़े ,,
८०	५१	२९	,, भादराजण
३८	२४	१४	,, षीवसर ,,

१. दोनों ने मिलकर। २. इस प्रकार लिखे है।

६१	४२	१९	तर्फ	कोढणा रा गांव
४९	४१	८	,,	इंदावाटी ,,
१६	१५	१	,,	आसोप
१०१	५६	४५	,,	महेवो
५४	३२	२२	,,	पोकरण सातलमेर
१०९१	८२८	२१३		
१३६			प्र०	सोभत
६९			,,	फळोधो
१२९६				

२. परगनै जोधपुर रा गांव १४४० इण जीनस इण भांत मडे छै—

आसामी	जुमलो	हासलीक	बसता	सूना	सासण
तर्फ हवेलो	२६९	२३७॥।	२०१॥।	३६	३१।
,, पीपाड	७८	७०	६४	६	८
,, बीलाडो	८	७	७	०	१
,, पेरवो	११	९	७	२	२
,, रोहठ	१९	१८	१८	०	१
,, पाली	४४	३५	२७	८	९
,, गुदोच	१०	१०	६	४	०
,, भादराजण	९५	८६	५७	२९	९
,, दूनाड़ो	४६	४२	३३	९	४
,, कोढणो	७९	६५	४६	१९	१४
,, बहळवो	५९	४९	३३	१६	१०
,, सेतरावो	२७	२७	१९	८	०
,, केतू	२३	२२	१२	१०	१
,, देछू	९	९	६	३	०
,, ओसीयां	११०	१०१	८२	१९	९
,, षीवसर	३६	३५	२१	१४	१
,, लवेरो	६७	६१	४५	१६	६
,, आसोप	२१	२१	२०	१	०

तफे महेवो	१२८	११०	७३	३७	१८
	११४४	१०१४॥।	७७७॥।	२३७	१२४।

प्र. सीवाणो १६४
,, पोकरण ८६
,, फळसूड ४६
१४४०

३. परगना री तनषाहां कांनूगे महैसदास अजमेर रै लिष दीयौ, विगत—

मोटा राजा	सुरजसिंघ	गजसिंघ	माहाराजाजी	आसामी
१०८००००	१३५००००	२५०००००	६००००००	हवेली
१४६६०००	१८३२५००	१८३२०००	२५०००००	पीपाड
८०००००	१००००००	१००००००	१००००००	भादराजण
१०१०००	१२५०००	१२५०००	३०००००	दूनाडो
२२००००	२७५०००	३७५०००	३०००००	खेरवो
६००००	२१२५००	२१२५००	२०००००	गुदवच
१७०००	२१५०००	२१५०००	३०००००	षीवसर
४६०००	५७५००	५७५००	७५०००	कोढणो
४२००००	८०००००	८०००००	१५५००००	आसोप
३४२०००	४२७०००	४२७०००	६०००००	वीलाडो
९६००००	१२०७५००	१२०७५००	१२०००००	महेवो
२००००	२५०००	२५०००	५००००	ईंदावटी
२५००००	३१२०००	३१२०००	४०००००	प ली रोहठ
				षारला महेल ३
१८००००	२२५०००	२२५०००	३०००००	व हळो बळूदो २
६१४७०००	८०६४०००	९२१४०००	१४७२५०००	

४. मोटे राजा नु एकलो जोधपुर हुवो तिण हमे तफा २ तलबां रा छै, सबत १६३९ रा जेठ माहे—

४२०००० आसोप रा—

३४२००० बीलाड़ा रा, वाघ प्रथीराजोत।

५. प्रगनै जोधपुर री तनखाहां—

रुपया :

मोटाराजा	सुरजसिंघ	गजसिंघ	माहाराजाजी	आसामी
२७०००)	३३७५०)	६२५००)	१५००००)	हवेली
३६६५०)	४५८१२॥)	४५८१२॥)	६२५००)	पीपाड़
२००००)	२५०००)	२५०००)	२५०००)	भादराजण
२५२५)	३१२५)	३१२५)	७५००)	दुनाड़ो
५५००)	६८७५)	६८७५)	७५००)	पेरवो
२२५०)	५३१२॥)	५३१२॥)	५०००)	गुदवच
४३००)	५३७५)	५३७५)	७५००)	पीवसर
११५०)	१४३७॥)	१४३७॥)	१८७५)	कोढणो
१०५००)	२००००)	२००००)	३७५००)	आसोप
८५५०)	१६७५)	१०६७५)	१५०००)	बीलाड़ो
२४०००)	३०१८७॥)	३०१८७॥)	३००००)	महेवो
५००)	६२५)	६२५)	१२५०)	ईंदावटि
६२५०)	७८००)	७८००)	१००००)	पाली रोहट खारला ३
४५००)	५६२५)	५६२५)	७५००)	बाहलो बळूंदो ।
१५३६७५)	२०१६००)	२३०३५०)	३६८१२५)	

६. कसबे जोधपुर में मडोवर गोहू वो चोपां रा हासल री विगत—

मडोर	गोहूवो[1]	चोपां[2]	आसामी
१४६)	१८५)	२०२॥)	समत १७०८
६१६)	१२१)	१२५)	,, १७०९
१४५)	९६)	१३६)	,, १७१०
८७३)	२१६।)	१९५)	,, १७११
४६०)	२५२)	१९९)	,, १७१२
—	—	—	,, १७१३
३१२)	११६॥)	१५०)	,, १७१४
७६५)	१७४)	१७८)	,, १७१५

१. यह स्थान जोधपुर शहर के उत्तर मे, सूरसागर के समीप है । २. यह छोटासा गांव पहाड़ियो के बीच जोधपुर से ७ मील पश्चिम मे है, यहां कुएं बहुत है ।

तफे महेवो	१२८	११०	७३	३७	१८
	११४४	१०१४॥।	७७७॥।	२३७	१२४।

प्र. सीवाणो १६४
,, पोकरण ८६
,, फळसूंड ४६

१४४०

३. परगना री तनषाहां कांनूगै महैसदास अजमेर रै लिष दीयौ, विगत—

मोटा राजा	सुरजसिंघ	गजसिंघ	माहाराजाजी	आसामी
१०८००००	१३५००००	२५०००००	६००००००	हवेली
१४६६०००	१८३२५००	१८३२०००	२५०००००	पीपाड
८०००००	१००००००	१००००००	१००००००	भादराजण
१०१०००	१२५०००	१२५०००	३०००००	दूनाडो
२२००००	२७५०००	३७५०००	३०००००	खेरवो
९००००	२११२५००	२११२५००	२०००००	गुदवच
१७०००	२१५०००	२१५०००	३०००००	षीवसर
४६०००	५७५००	५७५००	७५०००	कोढणो
४२००००	८०००००	८०००००	१५५००००	आसोप
३४२०००	४२७०००	४२७०००	६०००००	वीलाडो
९६००००	१२०७५००	१२०७५००	१२०००००	महेवो
२००००	२५०००	२५०००	५००००	ईंदावटी
२५००००	३१२०००	३१२०००	४०००००	प ली रोहठ
१८००००	२२५०००	२२५०००	३०००००	षारला महेल ३ व हळो बळूदो २
६१४७०००	८०६४०००	९२१४०००	१४७२५०००	

४ मोटै राजा नु एकलो जोधपुर हुवो तिण हमें तफा २ तलवां रा छै, संवत १६३९ रा जेठ माहे—

४२०००० आसोप रा—

३४२००० बीलाडा रा, वाघ प्रथीराजोत।

५. प्रगनै जोधपुर री तनपाहा—

रुपया :

मोटाराजा	सुरजसिंघ	गजसिंघ	माहाराजाजी	आसामी
२७०००)	३३७५०)	६२५००)	११००००)	सीवाणो
३६६५०)	४५८१२॥)	४५८१२॥)	६२५००)	पीपाड़
२००००)	२५०००)	२५०००)	२५०००)	भादराजण
२५२५)	३१२५)	३१२५)	७५००)	दुनाड़ो
५५००)	६८७५)	६८७५)	७५००)	गिरवो
२२५०)	५३१२॥)	५३१२॥)	५०००)	गुदवन
४३००)	५३७५)	५३७५)	७५००)	पीवसर
११५०)	१४३७॥)	१४३७॥)	१८७५)	कोटणो
१०५००)	२००००)	२००००)	३७५००)	पागोर
८५५०)	१६७५)	१०६७५)	१५०००)	घीनाड़ो
२४०००)	३०१८७॥)	३०१८७॥)	३००००)	महेवो
५००)	६२५)	६२५)	१२५०)	ईंदावटि
६२५०)	७८००)	७८००)	१००००)	पाली रोहट खारला २
४५००)	५६२५)	५६२५)	७५००)	वाहळो वळूदो।
१५३६७५)	२०१६००)	२३०३५०)	३६८१२५)	

६. कसबे जोधपुर मे मढोवर गोहूं वो चोपां रा हासल री विगत—

मढोर	गोहूवो[1]	चोपा[2]	आसामी
१४६)	१८५)	२०२॥)	समत १७०८
६१६)	१२१)	१२५)	,, १७०९
१४५)	९६)	१३६)	,, १७१०
८७३)	२१६।)	१९५)	,, १७११
४६०)	२५२)	१९९)	,, १७१२
—	—	—	,, १७१३
३१२)	११६॥)	१५०)	,, १७१४
७६५)	१७४)	१७८)	,, १७१५

१. यह स्थान जोधपुर शहर के उत्तर मे, सूरसागर के समीप है। २. यह छोटासा गांव पहाड़ियों के बीच जोधपुर से ७ मील पश्चिम मे है, यहां कुएं बहुत हैं।

७७७)	४४५)	७२६)	संमत १७१६
१७३)	२७०)	२९४॥)	,, १७१७
९७८॥)	१७६॥)	१६८)	,, १७१८
१५१२॥)	२४५)	२४४।)	,, १७१९
२६४)	७६॥)	१२५)	,, १७२०

७. सरकार जोधपुर रा गांवां में सांवण ऊनाळी फोरोटा[1] आवसत[2], मुनीम प. नवलरायजी री वही सुं नकल ऊतारी—

आसामी	फोरोटा	हळ	रैत रा	पराय[3]	दोहळी
तफे हवेली					
गांव झालामण्ड	७	२९	२६	३	०
,, ऊचाहेडो	७	१८	१२॥	१॥	०
,, कुडी	६	२२	१६	६	०
,, घीगांणो	३	१६	१६	०	०
,, डीघाड़ी	३	६॥	४॥	२	०
,, तणावडो पुरद	८	३२	२५	७	०
,, तणांवडो बडो	५	२०	१६	४	,,
,, पैरावारा	४	११	८	२	०
,, मोकळावास	२	८	३	५	०
,, मोधडो पुरद	३	५	४	१	०
,, गोधावारीयो	३	७	६	१	०
— — — —	४	५	४	—	०
— — — —	—	१२	१	—	०

८. समत १६१४ रा चैत वदि ९ अकबर पातसाह री फौज जैतारण ऊपर कासपानी[4] आयो रा० रतनसी पींवावत इतरो साथ सुं कांम आयो—

१ रा. रतनसी पीवावत
१ रा. गोयददास जैतसीयोत
१ रा. सांकर जैतिघोत
१ रा. शानीदास पीवावत
१ रा. कुंभो जैमलोत
१ रा. रायसिघ सोहाणोत

---

१ कुए जिनसे सिचाई होती है। २. यादयाश्त। ३. परायता। ४. आसोपा के अनुसार कासिमखां, 'इतिहास री बात' पृ० ४८।

१ रा मानसिंघ नगराजोत
१ गौड़ आसौ
१ डेडरीयो रिणधीर
१ डेडरीयो जैमल
१ देवडौ सातल
१ सापलो दूवो
१ राठोड षेतो
१ दो अचळो
१ रा. किसनदास जैतसीहोत
१ रा. कानो जैतसीहोत
१ रा. नराइणदास सागावत
१ रा. जोधो भीवोत
१ रा पेतसी परवतोत
१ डेडरीयो माडण
१ आसाइच हीगोलो
१ रा नगराज गागावत
१ गौड नाथो धनो
१ डेडरीयो गजो
१ पोची वीदो
१ ईंदो काधल
१ डेडरीयो दूदो
१ मागळीयो सहेमो
१ नायक माडण
१ पवार सुरताण
१ डेडरीयो रतनो
१ पचोळी चुतरो
१ नाईक दुरगो
१ भाड जसो ।

३४ सिरदार इतरा काम आया ।

राव रांम रो वाको—

६. सवत १६२० राव रांम अकबर पातसाहि कानै जाई[1] नै पातसाही फौज ले आयौ, जेठ सुदि १२ फौजां आयी जोधपुर लागी, डेरा राम वावड़ी कीया, दिन १८ कटक[2] रहो, गढ लीयो नही । गांव मारीयो वाळीयो लूटीयो । दिन २ मडोर रहा । आसोज सुदि १५ वीसलपुर डेरो कीयो, दिन ७ रहा । पछै राव रांम नुं सोभत वैसाण नै[3] कटक परा गया । तठा पछै वले राव राम जाय फौज लायौ । हसनकुलीषा मुदफरषान आयो, सु समत १६२१ रा चैत्र सुदि १२ गढ जोधपुर सुं आय लागा । राव चद्रसेन गढ भालीयो । दिन ६ रहा, पछै वैसाप वदि २ आघी रात रा गाव छोड गढ ऊपर चढोया । वैसाख सुदि १५ रांम-पोल नीसरता मुगल ५ तथा ७ पाच तथा सात मारीया तठा काम आया—

१ भाटी रिणमल नीवावत १ नायक षेतसी । पछै वैसाष वदि २ ढोवौ १

१. बादशाह के पास जाकर । २. फौज । ३. सोजत पर कब्जा करवाकर ।

कीयो[1] । रांम प्रोल रो कोट षंड पडी[2] तठै मुगल घणा मारीया । पछै रावजी नै सगलां ठाकुर मांहे श्राय रही, वैसाष सुदि ४ मुगलां री नाल रा गोल घोड़ा २ गढ ऊपर मारीया । जेठ सुदि ३ राणीसर तलाव रो कोट भिलीयो, तठै काम श्राया—

१ रा: किसनदास दुरजणसलोत करण री पोतरो ।

२ मु' जोगो १ नाराईण १

१ जेठ सुदि १४ माल-बावड़ी माहे पुरसे ११ पाणी नीसरीयो, सु दिन १७ ताई हुवो ।

समत १६२२ रा मगसर सुदि १० रविवार राव चंद्रसेन सोनगरो मानसिंघ रा. तीलोकसी कूंपावत पतो नगावत बीजा ही ठाकुरां रात घडी ८ गई तरै गढ छोडीयो । हसनकुली री मा कह्यो—चंद्रसेन म्हारो बेटो है, घोड़ा चढण नु ऊंट पुरण भार नुं उण मगाया दीया । हसनकुली, राव रांम गढ ऊपर चढीयो । श्रतरो साथ जोधपुर रो गढ हाथ दे कांम श्रायो—

१ भाटी गागो नीबावत ।

१ रा: वरसल पातलोत जैमलोत ।

१ रा: वीजो वीरराजोत श्रड़वाल रो पोतरो ।

१ भाटी श्रासो जैसावत ।

१ रा: राणो वीरमोत ऊदावत ।

१ भा: जोगो श्रासावत ।

१ ईंदो रासो जोगावत ।

१ भाटी जैमल श्रासावत ।

१ रा: सूरो गांगावत ।

१ ईंदो रणधीर महेकावत ।

१ ईंदो सूजो वरजांगोत ।

श्री मोटा राजा रा वाका—

१०. समत १६४१ सीरोही राव सुरताण ऊपर राजाजी जामवेग नबाब रो चाकर जालोर थो सु गया । पछै राव सुरतांण रै माथै पेसकसी कीवी । पीरोजी लाष दोई घोड़ा १३ तिण मे वाई राठोड़ कीसना ......दहीयो सावतसी तोगा

---

१. एक हमला किया । २. टूट पड़ी ।

री मां सुरा री वैर नै देवड़ो सामदास सुजावत प्रथीराज री भाय श्रै दोया सु रा. भोपत पतावत साथे ऊहड़ गोपालदास साथे जोधपुर मेलीयो।

समत १६४३ कवर भोपत भगवानदास दलपत जैतसिंघ लारां गावां ऊपर दौडीया[1], तठै इतरो साथ काम आयो—

१ ऊहड रामजी जैमलोत गाव रै फलसो भिलता[2]।

समत १६४४ लाहौर कंवर सुरजसिंघ नु कछहावाह दुजणसल री वेटी रांणी सोभागदेजी परणाई।

समत १६४४ राजाजी सीरोही ऊपर गया। जामवेग साथे वीजे फागुण सुदि ५ गांव नीतोड़ो मारीयो। मास १० उठै रहा। सुरताण राव नास भापर पैठो[3]। पछै राव वरसल प्रथीराजोत री वोल दे इतरै राव सुरतांण रा रजपूत आण मारीयो, तैरी विगत—

१ दो. सावतसी सुरावत।
१ राडबरो हमीर कुभावत।
१ दो. तोगो सुरावत।
१ राडबरो वीदो साकरोत।
१ दो. पतो सूरावत।
१ चीबो जैतो पीवा भारमलोत।

पछै राजाजी तो डेरां रहा। भीतरोट नु जामवेग दो. वीजा गाळ में गया तठै राव सुरताण वीजा नुं मारीयो। जामवेग री भाई लोहड़ै पड़ायो।



---

१. गावों पर चढाई की। २. गांव का मुख्य द्वार टूटने पर। ३. भाग कर पहाड़ो मे चला गया।

(ख) परगनो मेड़तो

कमठा और नीवांण—

मेड़तो वसीयो १५४५ रा वैसाख वद १३। राव वरसिंघ दूदाजी बसायो, मेडतीया तिण री विगत दूजी ख्यात मे है।

१. कचेड़ी रा महेल समत १५४५ सु पछै समत १६१२ मे कचेड़ी हुई।

२. मालदेवजी मालकोट करायो।

३. समत १५४५ में सायर कायम हुई।

४. चांतरो समत १७०० री साल कोटवाल् मुकरर हुवो।

५. मिंदर श्री चतुरभुजरायजी री समत १६१५ मे मेड़तीया दूदाजी रा बेटा जैमलजी करायो, नै जैमलजी रा पोतरा करायो।

६. बेजपो तलाव प्रोहित वैजनाथजी खुदायो भूतां कने सूं[1]। नै बेजपा ऊपरलो मकान ने वाग माहाराजा श्री विजेसिंघजी रै राज मे धायभाई जगजी समत १८२० री साल करायो।

७. दादूपथी साद[2] बेजपार री जायगा आधी माहाराजा श्री अभैसिंघजी रै राज में दीवी।

८. तलाव दूदासर समत १५४५ रा वरस मे राव दूदाजी खुदायो।

९. कुडल प्रोहित वैजनाथजी भूतां कने सू खुदायो।

१०. देवळीया[3] नागोरी दरवाजा बारे माहाराजा श्री अभैसिंघजी रै वखत मे हुई।

११. मेड़ते समत १८९२ देवली अजमेरी दरवाजा बारे। दीखणीया सू झगड़ो महाराज अभैसिंघजी कीयो सो १ आमोप १ चडावल् १ रीया रा सिरदार काम आया।

१२. मेडते १८४७ में माहाराजा श्री विजैसिहजी री वखत मे दिखणीयां सु सीगवी भीवराज फौज मुसायव आयो नै झगड़ो करीयो सु सीघवीजी कनै जायगा।

---

१. भूतो के द्वारा खुदवाया। २. साधू। ३. स्मारक के रूप मे खडे किए हुए पत्थर।

१३. महेसदासजी काम आया। तिणां री छतरी गांगावास रा तलाव ऊपर नै कुंडल मे रीया रा ठाकुर सेरसिंघजी नै आऊवा रा ठाकुर कुशाळसिंघ जी री है।

१४. नागोरी दरवाजे वारे छतरीयां घणा बरस पैली री है[1]।

१५. माहाराजा श्री जसवतसिंघजी रा राज मे उमरावा रै ने दिनी रा पातसाह रै दिली खास मे झगडो हुवो ने व्यास गीरधरजी काम आया नै जठा पछै बादस्या तुरकाणी करी तरै मेडता मे ममीत पातस्या ओरगजेब कराई, समत १७३५ नै लारला कमठा पछै हुवो कीया।

(गीरधरजी जसवतसिंघजी रै राज में काम आया री वात गलत लिखी है व्यास गीरधरजी तो माहराज कवार अमरसिंघजी कनै काम आया है।)

१६. मेड़ते अजमेरी दरवाजा वारे सराय लोढा हीमतमल गेनीरामजी कराई।

१७. माताजी री मिंदर।

१८. डागोलाई तलाव जाट डागो डांगावस री, राव दूदाजी री वखत में खिणाई।

१९. मालकोट रै मूढा आगलो[2] देवलीया साजी री नै डावा हात री नै थड़ा ऊपरली छतरी सिंघवी धनराजजी री है।

२०. माताजी श्री राजराजेश्वरीजी री मिंदर सिंघवीजी भीवराजजी १८०० री साल मे करायो।

२१. नवल-सागर माहाराजा श्री अभैसिंघजी रा राज में मठ रा गुसांई नेकापुरीजी करायो, समत ········ री साल मे।

२२. गाव डागावास री वेरो मोत्री मनछारामजी पाणी पीवण वासते करायो।

२३. लोडो मीदर माजना करायो, समत १८१० मे। मीश्री मनसारामजी कराय स्यात रै सुपरद कीयो।

२४. डागावास रा आगला घणा बरसां सु ढाणो है।

२५. भडारीया री हवेली माहाराजा अभैसिंघजी रा राज में भंडारी रुगनाथजी कराई।

२६. जैनिया री मीदर माहाराजा श्री मानसिंघजी रा राज मे १८६२ मे हुवो।

---

१. बहुत प्राचीन है। २. सामने की।

परगनो सीवांणो (ग)

सीवाणा री हाल—

सीवाणा री कीलो आगे समत १०१० मे पवार सिवनारायण नै वीरनारायण राज कीयो नै फेर राजवी रेयो[1] तिण री विगत आगली व जूनी वही सूं उतारी ।

१. आगे तो जैतमालजी सलखावत रै थौ सो पीढीया ४ तांही जैतमालजी रा वेटा पोता रै रही नै जैतमालजी री प्रडवो तो राणा देवीदासजी बीजावत चूक समत १५९५ रा पोहो सुद १ नै राव मालदेजी राणा देवीदासजी अनवी[2] थका नै चूक करण रो वीचारीयो । सीघल जेका नै बुलाया नै कैयो—सीवाणे राणा देवीदासजी अनवी है जिणा नै चूक करणो तरै सीधल जेके चूक करण नै जणा ७ ले नै आयो सो दताला रा भाखर सिवांणा सु कोस १ रहता सो तोजै दिन प्रभात रा राणा देवीदासजी री गाया चारण नुं चूडो तेजसी आयो नै राणो सो तेजसिंघ सुं मिल नै जेको रात रा किला मे आयो नै राणा देवीदास नै वेद मुता परताप ऊरजनोत नै चूक कर मारीयो । समत १५९५ रा पोहोस सुद ४ ।

२. माहाराज श्री मालदेजी रै नै पातसाह सु वेराजोगो[3] हुवो सो सीवाणे पधारीया नै सीवाणा सु कोस २ गाव पीपलुणा रै भाकर पधारीया नै महादेवजी श्री हलदेश्वरजी रै भाखर ऊपर पोल १ कोठार १ नै कोट करायो, समत १६०० मे कमठो समपुरण हुवो[4] नै उठा सुं गांव नाल पधारीया सो मांयली नाल मे वेरो १ नै तलाव १ ऊदेलाव नवो करायो । ने पीपलुण सु समत १५१६ में जोधपुर पधारीया ।

३. सीवाणे कवरजी चद्रसेणजी पधारिया नै गढ में अमल कीयो नै सैर में पोरवाल माजना री वसती थी सु पताल भोग लीयो । तरा पोरवाला गादोतरो घाल सीरोही परा गया । समत १६२० मे पछै राव चद्रसेणजी साथ ले सीरोही ऊपर समत १६२१ रा वैसाख सुद १३ रवीवार घडो ३ दिन चढतां सीरोही लूटो सो मेला रा किवाड नै दरवाजां रै कीवाड़ रो जोड़ीया सीवाणे लाया । सो कीवाड़ा रौ तो नवचोकीयो करायो नै कीवाड़ वीचली पोल चढाया ।

---

१ जिनका राज्याधिकार रहा । २. दूसरे के अधीन न रहने वाला । ३. अनवन हुई । ४ निर्माण का कार्य पूर्ण हुआ ।

चन्द्रसेणजी सीरोही सु आवतां गांव वागास रा माजन वगेरां रै चाकेता मलु ने खाती १ लाय ने कसबा मे वसाया। नै बीरामण सोढा री डोलिया सीवाणे थी सो तो खालसे कीवी ने अवेज गाव कोरणा रो डोलीया दीवी। नै सीव काढी'। समत १६२१ रा असाढ सुद १ सीव काढो तिण री विगत—

१ गांव कुईप

सिवाणा विचे बंदा री पाल् सीवाड़ो छै।

१ गांव खाखरलाई

खाखरल्‌ाई रा नाडा ऊभो भेलो दताल्‌ा भाखर सुदो सीवाणा री सीव हे।

दताळा ने सिवांणो खेडो री बालु आथूणो सिवांणा री छै।

गाव पेली सिवांणा विचे दंताल्‌ा रा भाखर सीवाणा री छै नै खाखरलाई री सीवाडो लागे छै।

१ गाव देवदी

सीवाणा सीवाढो दंताला खेड़ा री वाड़ सू लगाय नेड़ा रा खेतां सू लगाय भीड़भजनजी रा थांन तांई सिवांणा री सीव छै। नै तल्‌ाव धधू रो सिवाणा रो छै।

१ गांव मोड़ी

ने सीवांणा रो सीवाडों नाडा माहे नाडो आगे नाडी सात पांव सू लागे तोरांहन रो नै आगे देवरालो नै आगे चेला नडो सीवांणा री सीव छै।

१ गाव गुमठेट

सीवाणे सीव सेडो नै पीपलूण तीनां ही गांवां री सवाडो गुरडे नै हरा भाखर सूदी सीवाणा री सीव छै। नाडी खेजडीयाली गड़ी भाभरलाई वगेरे नाडा-नाडो सीवाणा री सीव रा छै। नै अगलोई तीखो गीडो गोगावाल्‌ा सूंधी सीवाड़ो छै।

४. माताजी श्री हीगलाजजी रै थान सीवांणा रा सीव मे कापडी देवो सेवा करतो सु महाराजा श्री सूरसिंघजी सीवाणे समत १६६१ रा बरस मे पधारीया सो श्रीमाताजी रै थान दरसण नै पधारीया सो कापडो देवो सेवा करतो तिण नु तो सीख दीवी नै गुसांई नागोजी तापता हा[२] तिणां ने सेवा

---

१. सीमा निश्चित की। २. तपस्या कर रहे थे।

सू पो[1] । नं ओरण[2] केरली नै थान वीचे नीला पची सू थूंबधा मे ओर ओरण यु डावो सीवाणा री गाया चरसो नै ओरण भागसी[3] सूं गुनेगारो रा रुपीया १०८) देसी । समत १६२१ राव चद्रसेणजी सीवाड़ो कीनो थो ने सीवाणा विचे अेकलो कोला रो भाखर सीवाणा रो छै ।

५. पछै चदरसेणजो नै ऊगरसेणजी कांम आया नै पछै समत १६४० रा वरस मे महाराज उदैसिघजी टीकै बैठा । राव पदवी थी, पछे पातस्याह राजा पदवी दीवी ।

६. माहाराज श्री उदैसिघजी रै छोटा भाई रायमलजी रै कवरां री वीगत—

१ वडा तो कानसिघजो	१ किलाणदासजी
१ प्रतापसिघजी	१ बलभदरजी
	१ सांवतसिघजी

तिणां में किलाणदासजी पातस्या री चाकरी करता सु समत १६४१ में रायमलजी सूं वेराजी होय नै पातसा रा हुकम सू सिवाणे अमल कीनो ।

पातसा री सगपण करण नुं चीतारा जैसलमेर हुय सिवाणे मेलीया समत १६४७ रा सावण सुद ५ । सो किलाणदासजी री बाया[4] रमण नुं आईथी[5] । सो चीतारा ने निजर आई । तरै बाया रा तसवीर नख-चख सूंदी उतार लीवो । तरै खलीता पातसावा रै मालम हुवा । नै खलीता वाच नै मोटा राजा उदैसिघजी नै, रायसिघजी नै बुलाया ने पातसा फुरमायो—रामचरतजी रै बेटीया मोटी है मूं साहाजादा सूं सगपण करो तरै उदैसिघजी अरज करी—डावड़ीया[6] तो म्हारो है परत कीलाणदासजी री बेना है नै सीवाणे रहै छै सो म्हारै सारै नही[7] । ना म्हारो कयो करै सो औ सोदो तो आपरा केणा सू हुसी । तरै पातसाहा बुलाय नै बाला भोपतोत नु नै नबाब ने किलांणदासजी नै बुलावण नै सीवाणे मेलीया । सो किलाणदासजी नैं खलीता वचाया । तरा किलाणदासजी केयो कं मनै थे दिली लेजावसो तो म्हारा बाप सुं तो म्हारे राह नही[8] नै नां म्हारे खरचो ना म्हारे रखत किण तरै म्हा सू हालीजै । तरे रुपीया १००००)

---

१ सेवा का कार्य सौंपा । २. अरण्य, किसी देवस्थान आदि के चारों तरफ छोड़ा गया जगल जिसकी लकडी कोई नही काटता । ३. सीमा का उल्लंघन करेगा । ४. लड़कियें । ५ खेलने को आई थी । ६. लडकियें । ७. मेरे कहने मे

मेलजोल, मतैक्य ।

खरची नै रखत रा दीना । तिणा सु सभ्क कराय नै दिली नै चढीया । सु दिली गया नै डेरो न्यारो कीयो । तरै खरची दिली मे आछी तरै सू दीरीजी । वे पातसा रै मुजरे गया तरै दोनूं बाया री सगपण कीयो नै केयो सगपण तो करू हू पिण व्याव हिदवा रै हुवै है जीहु करावसो[1] । तरे पातसा केयो ठीक है । तरै किलाणदासजी फेर अरज कीवी के म्हारे घर मे तो लगावण रो तेह है नही[2] नै भाभाजी काकाजी दाम देवै नही । खानाजाद री बाया परणीजे जद अेक टक तो रावडी पाई चाहीजै[3] सो म्हारे तो थळ १ टका री है नही[4] । पछै खावद जाणो जीहु करावो । तरै पातसा जाणीयो हीदू लालची है परत व्याव रे वासते खरची सारु रुपीया १००००००) दस लाख दीराया । तरा छकडां मे घाल सीवाणे पोचता कीया नै पछै साहाजादा कनै जाय नै हात जोडीया तरै साहाजादे रुपीया ४०००००) चार लाख नै घोडो १ दीयो । सो ऊवे ही रुपीया सीवाणे पूगता कीया । पछै पातसा कनै सीख माग किलाणदासजी सीवाणे आया नै किलाणदासजी किलो सजीयो[5] ।

८. साहाजादा साथे जान कर साथे १ जोधपुर १ बीकानेर १ किसनगढ १ जेसलमेर, वगेरे ऊकीला समेत जान कर कूच कर जान रा डेरा सीवाणा सूं कोस ७ गाव देवलीयाली रा डेरा सू राई का ववाई ले सीवाणे आया अर केयो—जांन आई है । तरै किलाणदासजी बीरामणा नै बुलाया नै केयो—थे फौज मे चीज-वसत लेजावो । तरा बीरामणा केयो—ठीक है ।

तरे मोचीया नै बुलाय वां सारी मोजडीया कराय खीनखाप में मडाय सीवाय नै देवलीयाली रा डेरा मेली । केयो—बीनणीया तो है नही नै मोजडीया हाजर है । तरै साहजादे कोप मे आय नै खलीता दिली मेलीया । तरै दिली सूं फौज हजार ४०,००० मेली सो सीवाणे आई नै फेर घेरो दीयो । समत १६४१ रा चैत वद ६ फौज घेरो दीयो नै गोळा वेणा सरू हुवा[6] । सो कितराक दिन तो लडबो किया ।

९. पछै समत १६४१ रा सांवण सुद ३ नै किलाणदासजी बूदी पधारीया सो मेह अधारी रात है नै बीजळीयां रे पळके बू दी रो सीव मे वेवै है[7] । जितरै

---

१. हिन्दुओ की रीति से विवाह करायेंगे । २. आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं । ३. लोगो को कुछ तो खिलाना-पिलाना ही पडेगा । ४. रुपया-पैसा बिल्कुल नही है । ५. किले मे युद्ध की व्यवस्था की । ६. गोले चलने लगे । ७. बिजली की रोशनी में बूदी की सीमा मे चल रहे हैं ।

श्री हाडीजी महल रै झरोखे ऊभा सोच करै छै। दीली री धणी कोपीयौ नै सीवाणे लडै छै। सो सोच करता नै झरोखा मे नीद आय गई। तरै पहाडा माय सू नव हतो जोध बाघ[1] फलाग मारी सू हाडीजो नै मूंडा मे लेय मारग-मारग चलीयौ आवै है। तरै बीजळी रा पळका सू देखीयो सो हाडोजी तो मूढा माहे था नै पग अेक १ नोचो टीराऊ थौ[2]। सो पग में जाजर वाजतो थौ[3]। तरा घोडो चमकीयो। तरै कोलाणदासजी जाणीयो घोडो काहू चमकीयौ। तरां वीजळी रो पळको पडीयो तरै जाणीयो नार आवै छै। मूढा मे कोई मिनख दीसै है। तरै नार नैडौ आयो सो दुगोळीयो[4] भर नै नार नै वायौ सो नार रै लागौ। सो वाघ तो हेटो पडीयौ नै पडता-पडता हाडोजी कुरळाया[5] कि—किण वडे आदमी नार मारीयो। तरै कोलाणदासजी हस नै केयो—नार मारण मे थारै काई कसर गई। नही तो थाने मार नाखतौ। तरै हाडोजी केही—म्हाने मारी होतो तो पाप कट जावतो। तरै कोलाणदासजी केयो—थारै काई दुख है ? तरै इणा कयो म्हारै दुख है तो घणी ही है। तरै कोलाणदासजी केयो—थें थारी दुख हुवै सो बतळावौ। तरै हाडोजी केयौ—म्हारे खावद ऊपर पातसा रो फौज आई है। जीवता छोडे नही। जिण सुं मने वाघ मारो हुती तो पलो छूट जावतो, नही तो रामजी दुख देखावसी। तरै किलाणदासजो केयो—तूं हाडो है ने हू किलाणदास हू। हमे तू फिकर करै मतो। पछै दिन ५ तथा ७ किलाणदासजो वूंदी मे रया पछै सीख मागी सो हाडोजी साथे त्यार हुवा सो किलाणदासजो तो हाडीजो री ना कैयी। पिण माडाणी साथे वहीर हुवा। सीवाणे आया। गढ दाखल हुवा। नोबतां सुरु हुई जद बारली फौज मे जाणीयो आज नोबत सुरू हुई है सो जाणा किलाणदासजी सासरे सू आय गया दीसै है। किलो भिळण री घाट नही[6]। इतरा दिन फौज लडी सो कोऊ ही हुवो नही। किलाण-दासजी री खवास वालीयो रजपूता रे घरे आवतो जावतो ने घर रै धणी घणो ही वरजीयो पिण रयौ नही। तरै रजपूत केयौ मोजल जाय नै वाला भोपत सु मिळ नै कही—हू किलो भीळाय देसू। थारा आदमी २०० तथा ३०० म्हारे साथे मेल दो। सो किलो भीळाय देसू नै थे ही फौज ले उरा आवजो। तरै आदमी २०० तथा ३०० साथ ले नै आया नै किलांणदासजी कनै आदमी था सो फौज रो कूच हुवौ तरै कितराक तो सीख कर-कर आप आप रै घरा परा

---

१. नो हाथ लवा शेर। २. नीचे लटक रहा था। ३. पैर की पायल बज रही थी। ४ दो गोली एक साथ चल सके ऐसी बदूक। ५. करुणाजनक आवाज की। ६. किले को जीतने के कोई आसार नही।

गया नै कितराक सिनान सपाड़ा नै परा गया[1]। रात रा नाई वालीयो रजपूत रै घरे आयौ; तरै फौज रा आदमीया पकड लीयो नै केयो किलो भेळाय दे। तरै वालीयो केयो मनै काई देसो ? तरै फौज वाळा केयो—तू गढ ऊपर ऊभ ने गांव मागसी जिको गांव थने परो देसा नै थारो हुकम रेसी। तरै नाई वालोये केयौ—किलाणदासजी रा आदमौ तो सारा बिखर गया है सो उठो, नीसरणीया बांध चढ जावसो तो किलो भिळ जावसी। तरै पादरडी री गाळ मे फौज रा आदमीयां नीसरणीयां वाध ऊचा चढोया। दोय सौ, चार सौ आदमीया रै आसरे लोक आयौ। तरै किलांणदासजी नै खबर पडी। सो किलाणदासजी रै तो ऊठता ही गोळो लागो सो माथो पड गयो। पछै किलाणदासजी री छाती में आखीयां ऊघडी नै तरवार भाली[2]। आदमी २०० दोय सौ ३०० तीन सौ मरण गया। तरै मुसलमान गुळी रो गात्रो नाखण लागा तरै जमी वार दीयो[3]। नै किलांणदासजी जमी मे पधारीया। समत १६४३ रा वैसाख सुद १३ सुकरवार परभात रा दिन पोहोर चढोया गढ भिळोयो नै किलाणदासजी रा आदमी ३४३ काम आया। फौज रो लोक हजार १२०० काम आयो। ने गढ पादरडी कानी नाई वालीये भोळायो नै किलाणदासजी रै लारै सतीया हुई। सो किलाणदासजी रे ऊपर तो चातरो हुवो[4]। नै सतीया रै लारै छतरीया तुरकाणी रा सवव स हुई नहो। श्री कछवाईजी भटीयाणीजी हाडीजी वगेरे सतीया हुई। पछ नाई वालीये नै फौज वाळां गढ ऊपर ऊभो राख गाव देखाया ने केयो—इतरा गात्र थनै दीया है औ कहताई वालीया रौ माथौ तोड नाखीयौ।

१०. पछै वरस २ दोय ताई तौ तुरकाणो रहो। पछै आणदाण माहाराजा श्री उदैसिघजी री समत १६४५ रही। नै समत १६४५ रा वरस मे सीवाणा रौ किलौ वेद मुता नाराण नै दीयौ सो सोवे हुवो। पछै डुगरोट रा भायेला रै ने वेद मुता रै वैर थौ सो भायल चढोया नै सीवाणा री गायां लोवी। ने नाराण रा वेटा चार चढोया नै गाया छुडाई। तिण री वधाई ले ने सीवाणे आयौ। सौ नाराण रै वेटा ३ सीयो, रांमो, दुदो, तुरक नाथो, डेडीयो, तेजो इतरा जणा सामा गया नै भायला भेळा हुवा अर झगडो कियो तरै घणा आदमी काम आया तिणां पुठे ओरण हळ २१ रो मुंता नारांण नै बावड़ी ऊपर चातरो करायौ।

---

१. स्नान आदि करने को चले गये। २. तलवार हाथ मे ली। ३. पृथ्वी ने अपनी गोद मे स्थान दिया। ४. चबूतरा बनाया गया।

समत १६५७ रा आसोज वद सो ८ आंण भांगसी[1] सो गुनेगारी रा रुपीया १३१) देसी ।

११. माहाराज श्री सूरसिंघजी सीवांणे पधारीया । समत १६६२ मे गढ दाखल हुवा । अमल कीयो । पछे माहादेवजी श्री वीरभजनजी रै थांन पधारीया जठे जायगा चोखी देखी तरे तळाव खोदावणो विचार कियो । नै सीवाणा री सोर मे नाडीया खुदाई तिण री विगत तफसीलवार नीचे मुजब है—

१२. १ तळाव अबतळाव तिण री नाव धधूरो संमत........मे माहाराजा सूरसिंघजी करायो ।

१३. १ नाडी १ खुमरलाई पवार राजा कोरपाल री बेटी खुमा खोदाई तिणसु नाव खुमरलाई दीयो ।

१४. १ नाडी बारला कवरजी श्री जैसिंघजी खोदाई ।

१५. १ नाडी वीना, वीना बाई खोदाई ।

१६. १ नाडी सातपाव राजा भोजराज पवार रै कवर सात था सु सातूही भेळा होय नै खुदाई । तिण सु सातपाव नाडी री नांव दीयो ।

१७. १ नाडी टोपां पोरवाळा रै खोदायोडी ।

१८. १ नाडी बेमाण राजाजी सूरसिंघजी खोदाई ।

१९. १ नाडी केरली पवारां रा राज में राजा हरजी खोदाई नै आगोर[2] घास रै वासते हळ २२ छोडायो ।

अजीतसिंघजी री वारता—

२०. हाती सूंड सू पकढ ऊपर बेसाणीया नै चावा हुवा तरै खीची मुकनदास उठासू पीपलूण था छपन रा पाडा मे आयो । सो उठै कोट करायो नै बेरो १ सोरवो वधायो । पछै सीवाणा सू माहाराजा सुजांणसिंघजी पातस्याह थका था तिणां रे हाती थो सो नागा मे देखण ने गयो सो सुजाणसिंघजी मेलीयो नही । तिण सू कागदा रो तथा मेडता रो हाती मगाय नै गीलोय री दीवी सो सीवांणा रा किला मे हाती सुजाणसिंघजी रो मर गयो । गांव होटली रा चुवांणां रै व्याव हुवो नै लोकां ने गावाई वाव लूट कीवो । नै पडदलखां नै वाला धवेचा भायल भेळा होय नै मारीयो नै थाणो ऊठायो नै जाळोर पधारीया । राठौड़ दुरगदास

---

१. छोडे गये मरण की सुरक्षा की शपथ तोडेगा । २ तालाब मे वर्षा का पानी शामिल होकर आने के लिए छोडी गई भूमि ।

आसकरणोत वीखो घणो कीयो नै समत १७६३ रा चैत वद ५ जाळोर सू नै जोधपुर सू सोवेदार नवाब जाफरखां वगेरे था सो नास गया नै श्री हजूर जोधपुरमे जाळोर सू जाय नं अमल कीयो। पाट बैठा। तुरकाणी वरस २७ रही। समत १७८० रा आसाढ वद १३ श्री हजूर नै गढ ऊपर चूक हुवी।

२१. माहाराजा सुजांणसिंघजी सीवाणा रा किले समत १७३६ नै संमत १७५९ में देवलोक हुवा। लारै छतरी बाग मे करी ही समत १७५९ रा आसाढ सुद १. रुपीया ४५०००) हजार छरती मे लागा। सिरमाळी सुंदर नै दान दियो तिण री विगत तफसीलवार—

१ हळ ४ बाग सारू जमी, तिण मे बेरो १ खुदायो।

१ खेत सगळो हळ २४।

१ खेत दंतलो हळ २४।



परिशिष्ट ३.

महाराजा जसवर्तसिंहजी रै समै रा रीत किरियावर

१ रांणी प्रतापदे नै रांणीपदो

राणी श्री पतापदेजी[१] रे रांणीपदा री दसतूर सु राणी श्री हाडी जी नु राणीपदा री वटो दीयौ। इतरौ ओर पावै सीधो मण ८४) वरस १ मे। वोजा महेल सु दूणो। बोडा १० खरच २० बारै हुवै तरै रुपीया २) दीहानगी पावै। जोधपुर मे चाकर रा पेटीया रा टका १२ रोज १ रा पावै। बीजो लवाजमो राणी हुवै सु बीजा मेहलां सुं वीवड़ा मे टीपावै दसतूर छै। रोकडा रुपीया ६०००) छव हजार दीग्रा छै।

राजलोकां सूं कीरियावर दुणेटो करै। होळी दिवाळी नै लोदीया साड़ीया श्री रांणीजी देवै। राजलोकां री पहेरावणी दै नहीं नै पगेलागणो दै[२]। माणसा री साडी ४ दै। खवासीया नु साड़ी दै। प्रधानां हुजदारा रै साडी दै। सुखड़ो दै। आखातीज गाडा गुलवाणी दे। राखड़ी[३] कसार खोपरा दै। दसरावै सुपारी दै। बीजा राजलोकां सुं कडूवा री आवै तिणा नु दूणी विदागीरी दै[४]। नै वोजो ही कीरीयावर दूणो करै।

राणीजी प्रतादेजी रामसरण हुवा[५]। तरै राणी सोभागदेजी रै भेळै कवर श्री जसवतसीघजी नु राखीया था नै राणीजी पावता सु पाया जावता। पछै सवत ..... कवरजी रै रसोवडो जुदौ हुवौ[६]। नै चाकर तावीनदार दीया नै पटा दीया—१ राठौड अमरा राईसिंघोत रांमदासोत रा नुं गाव २, राठौड नारखांन खेतसी गोपाळदासोत रा नु १ गाव आतरोली पुरद प्रगना मेड़ता री रेख रुपीया १०००) री, भाटी रुघनाथ वाघोत नु गाव वारणी रेख रुपीया १२००) री, खवास सोभावत रामदास नै वेटा समेत दीया नै रसोवडा री खिज-

---

१. महाराजा गजसिंह की रानी व जसवर्तसिंह की माता। २. पावधोक देने पर दिया जाने वाला दस्तूर। ३ रक्षा-बंधन। ४. विदा होते समय दस्तूर के अनुसार दुगुनी रकम अथवा वस्तुएं आदि देते हैं। ५. स्वर्गवासी हुए। ६. अलग व्यवस्था हुई।

मत दीवी नै १ गाव घागडवास १ पालडी खुडद गोपाळदास रांमदासोत, महेसदास रामदासोत, ईसरदास सोभावत।

२. महाराज कुमार प्रीथीसिंह री जनम—

७६८) माहाराज कुवार श्री प्रीथीसिंघजी री जनम हुवौ तरै खरच हुवौ तिण री विगत, सवत ''' असाढ सुद ५ गुर जनम हुवौ—

४४) जात करम नु—

३४) सोनो तो. २ प्रा १४) लख प्रा मनोर वदीया मादा नै गऊदान रा।
२८) १४) १४) ६)

१०) वदीया नै रुपया २ पोरोयत नै ५) वेदीया नै ५)

४४

५००) सुवावड[1] रा सेखावतजी नु दोना।

५६) मौर ८) प्रत नु ७) लखै दीवो गढ उम्र सुता था तिणा नै।

१ जोसी चक्रपाण १ जोसी सुखदेव १ जोसी कीलाण १ जोसी अखो १ पांचो रुघपत री १ लालदास मेखावतजी री १ माधो वेदीयो १ जोधो उपाधीयो।

४६) मौर ७ नेकदारा नै प्र. ७)

१ व्यास पदमनाभ १ पोरोयत मनोहर १ सेवग दुवारा नै १ साणी नै नाळो गाडो तठै। महल मे खरच ३।

५८) दाई टोहा जगा री वहू नै कुंडा मे ५०)। वाला चूदडी २)३। ओट मयादम ६) बाकी खरा ५७।।।) ५।

१) व्यास पदमनाभ टीको कियो तरै थाळी मे।

४) आंवळ नु थाळी १ ली ३), थाळी मे घातीयो १)।

६) सुरज रो दान कियो जनम पेला।

३) मछीवाडा रो घांन १ पगला माडि लसर चलायो।

४६) परचून दीखणा[2] तथा वाजदारां तथा बालीआ।

७६८)

---

१. बच्चे की मां की खुराक के लिये। स्फुट दक्षिणा।

५५५।।।)४। दसोटण[1] हुवो सवत १७०९ रा सावण बद ५ री तरै खरच उपडीयो—

१) श्री सूरजजो री पूजा रो मेहल मे मेलीयो।

१) श्री कुवरजो रे छईडे बाधीयो।

३) श्री नागणेसीयाजी[2] रै पूजापा री ना. ७—।।।)४ नकद २) २।२५ कपडो नावे मडायो।

२०६) मोहोरां रा नेगदारां नै—

७) श्री आनन्दघनजी री भेंट।

७) श्री कीलांणरायजी।

७) तोरण री पोळ।

७) श्री नागणेचीयांजी रै।

३।।) खेत्रपाळजी।

८०) बाई चादकंवरजी नै।

७०) मोरा ५

३) चौ. सादूल १ टीका री १ साथीया।

१) धा. सादूल १ आरती १ हाचळ[3] खोलाई।

१) सा. प्रवत १ पालणे पोढाई १०) रुपया।

२) पवार करमसी रो बेटो याचग लेतो। ७) माधो कछवावो थाळी मे।

७) खोजो दीलावर।

७) धाय-बेन सरुपी लूण ऊतारो[4]।

७) पटवा नुं।

१४) कूभार नुं ७) दरजी नुं ७)।

१४) धोबी ७) पुरबीया ७)।

७) धोवलेरणीया[5] नै १४), कदोई ७), मालण ७)।

१४) गाछा नै ७) सुथार नै ७)।

७) रसोईदार नै।

२०६)

१. पुत्र जन्म के उपरान्त मे किया जाने वाला समारोह। २. राठौड़ो का कुलदेवी। ३ स्तन। ४. नजर न लगे इसलिए नमक की वार-फेर करने वाली धाय बहिन द्वारा की जाने वाली रस्म। ४. गीत गाने वाली।

४) देवसथांन चढाया—

१) सोनाणा रा खेत्रपाळ नुं
१) गढ री पाळ रा खेत्रपाळ नुं
२) मेड़ते श्रीनागणेचीयाजी नुं ।

४)

१४५।।) परचूण खरच कीया तथा कमीण लोक देवणी जीसी पाया जीसड़ो देख दीयो[1] बीजदारा नुं ।

१२५) भाट ऊमा ने सोना री मुरकीया नुं तुगल घडाय ने पेराया तोला ८।।।)।।

१०) तुगल जोडा २० मुरकीया रा जोडा ।

७०।) कपड़ो दसोटण री खरच—

२८।।) मीसरु रा थांन १२।।

६ श्री नागणेचीयांजी रे चंद्रवा नुं ।
।। मेडते नागणेचीया रे मेलीयो ।
४ बाजादारा नु बाजा ऊपर ओढाया । कुंभार गाद्या नु आदि आदि ।

कंवरजी नै पालणे पोढाया तरै ओढाया ।

७।।)४। दरयाई गज ४४।।, खरीद ४० अेचरी ६१ हाथ तो २३।। कपड़ा नु ।

१५।।।) साडी २१ सांगानेर री नचणीयां[2] नुं ।
पालणि ओढाई बाई चंदकवर नुं

१६।।।) ढोल तीन २ नागचीया नु ।

१६।।।)

५५५।।।)४।।।

३०७।)३। मास वगेरै खरच

१) मास वारे दिने टीको तरै थाळी में व्यास पदमनाभजी नु ।
२) चारणी खीवलदे नु ।

---

१. स्तर के अनुसार हिसाब देखकर दिया । २. नाचने वाली स्त्रियां ।

८२) दान कीयो दांन ६ गरां रा[1]। जापा री बरणी पोथी री बरणी।

२६।)३। श्री रामेश्वरजी माहादेवजी री पूजा कीवी तिणरा। पूजापो सिकदार राघवदास दीरायो।

१४) दवे बेणा सिरमाळी नु मोहर रायां भेड़ी १ रा।

७) ७)

१२।)३। टका ३०३। देवतां री पूजा कीवी तदे दोखणा रा।

२००)३ बीरामणा नु नै बाजा वाळा नुं।

---

८) सिघडुदानु रु०) १ नै पेटोया री नै रुपिया ७) पांनडी रा।

६०) श्री ठाकुरद्वारै महोछब करायो।

५३) खेरायत रा जोगीया नु मुजावरा नुं भगता नुं।

३२) मास बारे दिन कमीण लोक ढोवणी लाया तिणा नुं दोना।

१०) बाई आणदकवर रा आदमी बधावो लाया, तिणा नुं।

३) सीवाणा रा भुबहरदास जणा ३१ नुं।

३०७।)३।

२०७॥) श्री राजलोक नु मोहरां उछाव रा दीया नग रुपिया ७) रा।

२८) वहुजी मनभावतीजी नुं।

७) बाई मिरघावतीजी नु।

७) दादी सोढोजी नु।

७) मा चोहाणजी नुं।

७) मा वाघेलोजी नु।

७) मां जाड़ेजी नुं

२८) सबलसिघजीरो बहू४ नुं।

७) बाई अणदकवर सबलसिघजी री बेटी नु।

१४) बाई चांदजी नु।

७) दादी जादमजो नुं।

७) दादी भटीयाणीजी नुं।

७) मा चहुवाणजो नुं।

७) मा भटोयांणीजी नुं।

७) मजसिघजी री पात्र नुं।

७) राजा सूरसिघजो री पात्र नुं।

३॥) बाई परभावती नु।

४३) बीजा राज लोका नु मेलिया—

७) राजसिघजी री बहू नु।

७) राणीजी री बेन स्यामकंवर नुं।

८) राणीजो री भोजाई नु।

५) बाई दुरगावतो नु।

---

१. नवग्रहों की शान्ति के लिए दान।

४) चारणी कीकी भोरुंदा री। ७) आणददेजी राव अमरसिंघजी री बहू नुं।
५) बाई रतनावती नुं।
७) मीया फरासत नुं।

---

५०) समावळी मेहलीया अखैराजजी री बहुवा री छतरडीयां नुं।

२९०।)३। श्री कवरजी रो जनम हुवो तरै भुजाई १ नै कडाव २ रावळी तरफ रा हुवा तिणां नुं लागा, ईग्यारे कड़ाव बीजा हुवा।

गुल, खोपरा, नीवात, खारक, नारेल, सुपारी—

रु.	मण	असांमी
२५४।।।)	११९।।)३।।	गुल पडत ७।।
१२९।।)	२९।।।)	खोपर पडत ८
८६।)	७।।)८	नीवात प्रत मण १ रा रु. १२)
३५।।)४।२५	९।।)३	खारक पड़त ।)
३९)	६)	सुपारीया पडत ५।।।)
४३।)२।२५		नाळेर ८२‾)

६३२।।)२ पहरावणी हुई[1] तिण नुं कपडो—

१ मोहल मे	राव अमरसिंघजी रै मेलिया।	हुजदारां रै।
१ गढ री साथ	पोसाली	१ बीरामणा रै
१ फुटकर	खवास पासवान	१ श्री ठाकुरदवारै
१ डूम भाट		१ माहाजनां नै

३. कुवरजी नै कवरपदो दियो—

श्री कवरजी नुं कंवरपदा रा गांव लवाजमो दीओ गाव वीसलपुर सुं मैं सवत १७२४ रा ऊनाली था दीयो नै रु. १) रोजीना माहावदो सुं कर दीयो वागा वा लवाजमो सारो सिरकार था पावै तिण री नामो जोधपुर री जमैबधी मैं मंडीयो छै—

श्री कवरजी री धाय भागां नेथावड बलू, धाय री बेहन पूरां, धायभाई करण इतरी सुबै पेटीया[2] रोजीना—

---

१. पोशाकें दी गईं। २. जीवन-निर्वाह हेतु दी जाने वाली सामग्री।

	चावल	दाल	आटो	घीरत	रोकड
	ʃ	ʃ	ʃ	ʃ	
धाय भागां बलु सावलोत री बहु राणी प्रतापदेजी रा धाय भाई सावल रो बेटो बलू री बहू	१	॥	१।	॥	०
धाय भाई करण	०	०	१।	≈	०
धाय री बेहन पूरा	०	०	१।	≈	०
धावड बलू सावळदासोत हमार पावसी नै गाव दीरीजसी तठा पछै मनै कीजो।	०		१।	≈	०
छोकरी आसो नु	०	०	१।	≈	०

रोकड़ पावै मास १ मे पावै—

४)२१२५ धाय भागा पावै।
४) धायभाई करण पावै।

वरसोंद[1] पावै वरस अेक में—

३८॥) धाय भागां पावै मास १२ मे।
२३॥) कपडा रा वरस १ मे।
८) ओडणाद ५।) फेटीयाद।
३) काचली[2] ६,४॥।) गाघरा ६
२॥।) ओडणी २।

२३॥)

१५) चूडा रा पावै बरस १ मे।
१०) धावड बलू सावळ रो कपडा रा बरस १ मे।
७॥) छोकरी आसको कपडा रा बरस १ में।

४. कवर जगतसिंह रो जनम—

कवरजी श्री जगतसिंघजी बहुजी श्री चद्रावतजी रै जनम हुवो। सवत १७२३ रा माहावद ३ गुरुवार दिन घडी १३ चढीया नै पल १ मेख लगन मे जनम हुवो सु श्री महाराजाजी हजूर लाहोर मे माहासुद सुं हजूर नेगचार पावै नै रीत-पात कीवी तिणरी विगत—

वीरामणा नु—

देस माहे रीत सु देस मे पावसी नै हजूर इतरा दीया मोर १ रु० ७) पावै।

---

१. प्रति वर्ष के हिसाब से। २. कचुकी।

१ व्यास वेदंगराय नु	१ जोसी जोतगराय नु	१ श्रीवाड़ी कांना नै
१ जोसी चक्रपाण नु	२ सि० अखेराज नु	१ व्यास जदेव नु
१ जोसी वृंदावन संतोखीदास नै घावै दीदी।	१ वेदीयो रामेश्वर नु	१ व्यास जग।

९ रु० ६३) दीया।

वधाई आई तरै मोर १ रु० १५) री नै रु० ५) तिल री थाळी मे।
मोर १ रु० ७) री गीतेरणीयां नै।
वारीया नै सिरपाव १ पाग रु० ९) री वादळाई नै फामड़ी १ रु० ६) री।

११६) रोकड वधाई रा १००), मोहोर री ७), माळा १ लीभ. १ सोना री मोरा री ७), ईजाफे १), चोकपुराइ री १) वारीया नु।

वाजदारा नु—

१) तोला रा सोना रा तुगल[1] जोडा ४ दीया ज्यांन मेहमद १, कुतव नु १, जोड़ी लाखा नु १, जोड़ी लीखमीचन्द नु।

छीणगा सालुंवा रा पाधा दीवी, थान १ री पाघ ३

१ जान मेहमद मोरछल

१ लाखो	१ कुतव मोरछल	१ अलावगस
१ सुरणायची	१ लिखमीचद	१ करणाजी
१ फलु	१ खोजो करणायची	१ फतेमेहमद सुरणायची
	१ नासिर	१ मीठो
	१ ढाढो	१ याकूव

१५

वीठळदास कुसळायत नु मोर १) दीवी।
कासीदा री जोड[2] देस सु आई तोणा नै रु० ४०)।
केसीया नु पागा सालु री २०)।
खुडीया नै पाग १ सालु री २०)।
भुजाई हुई श्रीजी री तरफ सु महेला री तरफ सु,

घायजी री तरफ सु १, राठौड जैतसिंघ १ नारखानोत री, १ राठौड भोव गोपाळदासोत री, १ राठौड रिणछोड़दास १ गोयनदासोत री, १ मीर, अब री १

१. कानो मे पहिनने का गहना। २. सदेश वाहको की जोडी।

श्रीजी निजर कीवी मोहोर ४०० पातसा औरंगजेबजी रै निज हुडी कराय ने ज्याहानाबाद मे ली।

सायजादा सुलतान माजम री नोजर १०००) कीया।

राठोड़ रुपसिंघजी री बेटी चद्रमती सायजादे नु परणाई छै तिण नु थांन नग ३५ मेलीया।

कलावत गुणीजना नै[1] इनांम दीओ।

देस मे रीत हुवां रो विगत—

कवरजी श्री जगतसिंघजी रौ जनम संवत १७१३ रा महा बद ३ गुरवार दिन घड़ी १३ चडोया पल १ मेख लगन मे जनम हुवो तरै देस में खबर हुवै तिण री विगत सवत १७२४ रा बरस में—

३९२।) जनम हुवौ तरै उछब[2] रो खरच—

३५८॥) मोहोर ७ नेग री सु रु० ३६५॥) मे सु रु० ७) पहला दीया था बाकी रया सु पछे दीया।

१९॥) जोसी ५ बेदीयो १ जनम रै समै दोडी सूता[3] तिणां नु पेडा नै, रा रुपीया।

३५) मे सु १५॥) संमत १७२५ में दीया बाकी हमार दीया।

१४।)१। ढोलणी भेट लाया तिणा नु दीया। सुतरार[4] ढोलणो लायो तिणनै। भाड़भु जो चवीणो लायौ २), पीजारीया नु ३), दरजी भोपत नु २॥।)१।

२२५८।-) धरम रै दाखल खरच हुवौ—

३५५।) आमान छायादान सकरायत रा सा १ रा रु० २३॥।)

१६७॥।)३। होम सोमवार सनीसरवार रा सो १ रा रु० १२॥।)

१६।)३। मकर सकरायत रा

११२)२।२५ ... ...

६॥।)२। बरसोद रा दीजे

... ...

---

१. गायक आदि कलाकारो को। २. जन्मोत्सव। ३. ड्योढी पर सो रहे थे। ४. खाती।

८)२।३७।। भादवा वदो १२ ... ...

बछावारस रै भीजोवणा नुं
१७।)२।३७।। सीतलामाताजी री पूजा
चैतवदी ८ हुई तरै ।
१८)२।२५ नोरतां में गोरणीयां २२
वरस १ में जीमै तिण नुं
सीधा[1] ।
८६६।।।) श्रीकवरजी तुलाव माहा
वद ८ कोवी तरै खरच
५२।) रा श्री लिखमीनारायणजी रो
तुलावका मोर १ रा १५।)२
रोकड़ ३७)

४।।।)२ २५ मडोवर श्री खेत्रपाळ
काळा गोराजी री
पूजापा री हुवै ।
४८।=) गीरेह रास पलटीया
तरै दान जप रा दीया
४३७) वराता सनवा वर
हुकम दीया ।
१५।)३। श्री नागणेचीयाजी री पूजा
११।।)२।३७।। घो दीयो रोजोना
पईछै एक पाव ।
३।।) पूजापो वरस एक मे वार २ ।
१५।)३।

८७४।) श्री कंवरजी तुलाव वेठा,
मोर १ रा रोकड़ वरणो श्रा. १६ । ५०) सामान ब्रामणां नुं माहावद
१५।)२। ७५६) ३२) ५ दीया तरै ।
तील पात्र घीरत पात्र
२) –
प्राचीत दान नाळेर
५) १)
८६६।।।)

१२१।।–) बाजै घोरी इतरा दान
पुन ऊसीचणा कीया
तिण नुं ।

२२६६।–)

गहणो घड़ायो सोना रो १६) कांठलो
हासल[2] १ तोला २ री
गहना मुनाल कराया
तिणा सु सोनो ।

रुपीया	तोला	मासा	श्र०
१०६।)	६।)	२	कोठार सुं
१६)	।।।)	२	खरीद

तरवार	कटार	बुक
१		१

मूठ तरवार री कटारी
सोने री सोनो मस-
कत सुधो ।

१. रसोई के पेटे । २. गले मे पहनने का एक गहना ।

तीवारा री भुंजाई हुई[1]—

सवत १७२४ रा बरस मे आसोज रा दसरावै—

६।।=) दीवाळी री भुजाई

होळी री भुजाई

१०।।≡) चैत्री दसरावा तु दीवाळी री जलूस नु बागो नवो करायो।

३) दुदमो गज ४।

१) पाग १० अतलस री)

२) अतलस अपदार गज १

७।।) कनारी सोनरीया बागो।

५२)२ आसोज सुद १० रै दसरावो बागो करायो—

२२।।) पाग लाल कोलेदार मुकेसी सारु।

७।।) असावसी गज २।। बागा।

८) पटको १ जरीदार सग रूपा पटवा रो।

५) सूथण १ नु अतलस १।।। गज

५।) कोर सोने री तोला २) पडत १) तोला रा रु० २।।)

५)२ तुररो १ रूपा रो तोला १०।

५३।)२। वसूल रु० १।) केमु रै गयो बाकी।

४१७।।।)

पान रा बीडा आया

राखड़ी रा बीड़ा १००

पान १५०

अगम दसरावै पासू ७५

दीवाळी ना बीड़ा १००

पान १५०

होळी बीडा १००

पान १५०

चैत्री दसरावै बीड़ा १००

पान १५०

आखातीज बीडा १००

जनम रै समै बीड़ा १०००

कपड़ा बागा रावत कराया मास १२ मे सवत १७२४ रा बरस मे।

२१) बागा १५ कराया

१०) सूथण १५ अतलस

४) टोपी कोरा सुधी

सीयाळा रा बागा साटे रा मोगसर सु माह ताई

३३।।।) अतलस गज ३२।।

२३।।।) इलायची रा थाळ

१६) साहोबो गज २२

१६।।।) पालड़ी ३

४८।।) सेजखाना रो साज कपडो

१४) सीरखा २ खासी मछली बदर री छीट।

८।।) सीरखा २ सीरोज छीट री।

२।।।)३। पथरणा २ लागी रा।

१।।।)३। पछेवडा २ सीवाणा री टुकड़ी रा।

४।)३। मुलमुल रा थान गज २४ रो।

१२ अगोछा।

१२ धोती।

१६।।) बुगचा[2] २ मुखमली।

१।।) सूत सीरखा[3] पथरणा मे।

५०) केमु रै १।।) बाकी।

१. त्योहारो पर भुना हुआ खाना बना। २. कपडे का बड़ा थैला जिसमे कपडे आदि रखे जाते है। ३. रजाई।

३।) दरीयाई गज ६॥ रा।
६)१।२५ श्री साय गज ६।
८॥) इकतारो बुरानपुरी गज २७। असतर नुं।
॥।–) अतलस टोपी ७।
२॥) ओडणी २ रजाई नुं।
१६।) कनारो १० सोने री।

३३॥।)३। मास ५ फागुण रा वागा १५ सरै जन वैत कराय दीया।
॥) जोडा २ पावपोस रा तिण नुं।
६॥)३। बाजे इनाम दाखल।
६) माजडी १ पंडित लालजी नुं .... खिजमत खवास पारादात रै।
॥)३। पाघ १ घायभाई करणा नै वरसगाठ री।

जनम उछव रै खरच री विगत सवत १७२३ में—

३२६) रोजगार मीया रुसतम नै चद्रावतजी रा दीया।
३२५) रोजगार रा प्र० २५)
१४) जडावल वरस रै प्र० ७)

७३॥।) छुडीदार जणा २ मास १३रा
३६) भाई खान मास १ रु० ३)
३३॥।) घासी पीरमेहमद रो मास १ रु० ३)

७२॥।)

१६६॥) छडीदार खांन मेहमूद नुं मास ७ रा प्रत मास १ रा, २४)७
१५) खान महमद मोरघो
४) फतसा
५) सेख वाजखां
४) जलाल आलमसा

---

३८) में बाद ३॥।)१।
बाकी २४)५।

२२॥।) सीको बरखुरदार गाजी रो साल १रा रुपीया १॥।) नै पेटीयो १ आटो १। मन ≡)

१४६॥।) तळहैटो रा मेहलां श्रीकवर जी रहै तरै चोकीदार राखीया तिणा नै खरची रा—

२५)३।१२॥ साणी रतनसी साल १रा रु० २)
१३) सोलकी जीवी सुपा रो वरी

४४।=) दोढी ताणी[1] जणा २ बरीचा रे मास १ रो रु० १)
१ ताजो खवास पूरो रोज
दीन १ रा टका २।२५ मुगा
मास ६॥ दीन ४ रा।

२२)३। भग बाघो गोईदोत रोज
टका १।१२॥

२२)३। फरो दहीयो रोज टका १।१२॥

१॥।)१।२५ चु० अलीवल मुरीद री

५६-) श्रीकवरजी मीया फरासत री
हवेली रहा तरै ईजाफे चोकीदार
राखीया जणा ६ प्र० ॥)१।।

४०)३। फरास जणा २

३॥।)११ फरास ईनायत लाडा
रो मास २ रा दिया।

३६।)॥ फरास मजु नु हजुर था सु
श्री श्री कवरजी रो काम
करसी गढ ऊपर तळेटी
कोठार रो रखत सभाळ
सी, मास १ रा रु० ६।
बाद ।॥-) बाकी रु०
५≡)।

१२॥।) हलालखोर लालू खिजमत
करै सु मास रो १ रु. १) सु मास
१३ रा मे रु. ॥) कसूर।

२।)३।२ तरवार कटारीयां रै म्यान।

७८॥।) मुखमली साज तरवार रे
लीयो। रुसनाई[2] खरच दीया
सारु तेल सवत १७२४ रा
सावण सु नै असाढ सुधी मास
१३ रो पडत तेल ७१ रो टका
१।२५ लखे।

१०)३। बीड़ा ६१३ हसते तबोली
वेणी।
१६१ गढ ऊपर
२७२ श्री कवरजी रै हजूर।
१८० राजा मानसिघजी रै।

८।) घोनो नराईण सादूळ रो कपडा
बागो घोवै सु साल १ रो रुपयो
१॥) पावै।

४) दरजी बाघो बागो सीवै तीणा नु

६६) बरस गांठ रो जलुसायत सवत
१७२४ रा माहावद ८ हुवी
तरै।

२।)१ भेंट श्री ठाकुरदुवारै नै भाग-
वत ऊपर चढाया।

१०) केसर टक ७० पसारी व धारी
पडत ७)

२६)३।३७॥ मेवा जमा।

१८।)१।३७॥ दमीदोय २॥।)१ नै
पेड़ा ५॥ सेर

७॥)२। मिठाई १।)६ राजा मान-
सिघजी नु।

---

१. डेयाढी के पहरे के लिये। २. रोशनी के लिये।

पान मसालो
८॥)३।७॥ १॥)३।३७॥
२) राजा मानसिंघजी रै सीधो
मेलियो।
२॥।)।२५ फूल श्री अणदघण करण
जी रै नै बाई रै रतनकवरजी
रै अेक अेक
२१)३ ।)१।२५
१)१।३१ अोखद करायो धायर
तिण नु
३।३७॥ दाख ॥ सेर
२।३७॥ मोसरी ॥ मन

बीड़ा ६१३ हसते तंबोळी बेणो
रुपीया १०१)३। सु बीगत
कानी सु ली।
गढ ऊपर श्री कवरजी राजा
सिं
१६१ २७२ १
राजा मानसिंघजी रै सीदो रु
२)
।)१। -- ॥)३। — ८५

४०) दीवाळी नु मीठाई चबीणो
दिरीजे।
२६।॥)३ कहार २९३ बाई श्री
चादजी, मा चद्रावत
बाघेलीजी बहु हाडीजी
पात्र चद्रजोतजी गोढै
पधारीया तरै खरच हुवा
कहारा।
३।)२ गूडी २ उडावण रै
वासते कराई तरा रै।
२।॥) श्री कवरजी गढ ऊपर
पधारीया तरै वाजदारां नु।
२८।॥।३७॥ खसखानो १ वाडी रै
करायो मोहले तीण नु
लागो खसखाना नु
पाणी खसछाहण नु।
२२)२।३७॥ ३।')१।
रखत चकवधी ३)१।

७।)२।१२॥ अोडणी ४६ प्रत थान १
२४ थान १ रा सु थान
पड़त १।)।२५।
६।)२।२५ बाजे बाजदारांनु ६) घवले
बीरामणा नु २) जेठड।) २
३८)१।२५ रखत करायो तोणा ने लाग
३१) जाजम अेक कराई त
२॥)१। बगले १ मजर घात
तिणने मसालो।
१।=) गादी १ गदेलो १।
२॥≡) मुखमली गादी १।

५।) सीधो खरच
२॥।) चदण २॥ सेर रैयो
१॥) मुठीयो १ मलीयागरी रो
१) गुलाब रा सीदरा।

४४।=) दोढी ताणी[1] जणा २
१ ताजो खवास पूरो रोज
दीन १ रा टका २।२५ मुगा
मास ६॥ दीन ४ रा।

२२)३। भग बाघो गोईदोत रोज
टका १।१२॥

२२)३। फरो दहोयो रोज टका १।१२॥

१॥।)१।२५ चु० अलीवल मुरीद री

५६~) श्रीकवरजी मीया फरासत री
हवेली रहा तरै ईजाफै चोकीदार
राखीया जणा ६ प्र० ॥)१।।

वरीचा रे मास १ रो रु० १)

४०)३। फरास जणा २

३॥।)१। फरास ईनायत लाडा
रो मास २ रा दिया।

३६।)॥ फरास मजु नु हजुर था सु
श्री श्री कवरजी रो काम
करसी गढ ऊपर तळेटी
कोठार रो रखत सभाळ
सी, मास १ रा रु० ६)
वाद ॥।-) वाकी रु०
५≡)।

१२॥।) हलालखोर लालू खिजमत
करै सु मास रो १ रु. १) सु मास
१३ रा में रु. ॥) कसूर।

२।)३।२ तरवार कटारीयां रै म्यान।

७८॥।) मुखमली साज तरवार रे
लीयो। रुसनाई[2] खरच दीया
सारु तेल सवत १७२४ रा
सावण सु नै असाढ सुधी मास
१३ रो पडत तेल ७१ रो टका
१।२५ लखै।

१०।)३। बीडा ६१३ हसते तबोली
बेणो।
१६१ गढ ऊपर
२७२ श्री कवरजी रै हजूर।
१८० राजा मानसिघजी रै।

८।) घोबो नराईण सादूळ रो कपडा
बागो धोवै सु साल १ रो रुपयो
१॥) पावै।

४) दरजी बाघो बागो सीवै तीणा नु

६९) बरस गांठ रो जलुसायत सवत
१७२४ रा माहावद ८ हुवी
तरै।

२।)१ भेट श्री ठाकुरदुवारै नै भाग-
वत ऊपर चढाया।

१०) केसर टक ७० पसारी व घारी
पडत ७)

२६)३।३७॥ मेवा जमा।

१८।)१।३७॥ दमीदोय २॥।)१ नै
पेड़ा ५॥ सेर

७॥)२। मिठाई १।)६ राजा मान-
सिघजी नु।

---

१. डेयाढी के पहरे के लिये। २. रोशनी के लिये।

पान मसालो
८॥)३।७॥ १॥)३।३७॥

२) राजा मानसिघजी रै सीधो मेलियो ।

२॥।)।२५ फूल श्री अणदघण करण जी रै नं बाई रै रतनकवरजी रै अेक अेक
२।)३ ।)१।२५

१)१।३१ ओखद करायो घायर तिण नु
३।३७॥ दाख ॥ सेर
२।३७॥ मोसरी ॥ मन

बीड़ा ६१३ हसते तंबोळी बेणो रुपीया १०।)३। सु बीगत दुजी कानी सु ली ।

गढ ऊपर श्री कवरजी राजा मानसिघजी
१६१ २७२ १८०

राजा मानसिघजी रै सीदो रुपिया २) सा.
।)१। -- ॥)३। — ८५

४०) दीवाळी नु मीठाई चवीणो दिरीजे ।

२६॥।)३ कहार २६३ बाई श्री चादजी, मा चद्रावत बाघेलीजी बहु हाडीजी पात्र चद्रजोतजी गोढं पधारीया तरै खरच हुवा कहारा ।

३।)२ गूडी २ उडावण रै वासते कराई तरा रै ।

२॥।) श्री कवरजी गढ ऊपर पधारीया तरै बाजदारां नु ।

२८॥॥३७॥ खसखानो १ बाडी रै करायो मोहले तीण नु लागो खसखाना नु पाणी खसछाहण नु ।
२२)२।३७॥ ३।')१।
रखत चकवधी ३)१।

७।)२।१२॥ ओडणी ४६ प्रत थान १ गज २४ थान १ रा सु थान ५॥। पडत १।)।२५ ।

६।)२।२५ बाजे बाजदारां नु ६) घवलेरण १ बीरामणा नु २) जेठडा।) २।२

३८)१।२५ रखत करायो तोणा ने लागो
३१) जाजम अेक कराई ती लैखे
२॥।)१। बगले १ मजर घाल्यायो तिणने मसालो ।
१।=) गादी १ गदेलो १ ।
२॥=) मुखमली गादी १ ।

५।) सीघो खरच
२॥।) चदण २॥ सेर रैयो
१॥) मुठीयो १ मलीयागरी रौ
१) गुलाब रा सोदरा ।

२०।~) बाजे परचूरण
६।) ताबेड़ो पीतळ री ५॥ सेर
४)२। जाग लाख री।
४)१।२५ छाळी १ दूध अरोगण नै
६) परचूण
७॥=) दरजी बाघो बागो सोवै स॰ रोज पेटीयो आटो १। सेर, घी ≡पाव, तेल =) सु काती वद १ सु असाढ सुद १५ सुधी मास ६ रा धान २ सेर कणेत पावै रोजीना।

१५) होळी री गोठ रा दीया हसतै भाटी सूजा पीरागदासोत फागण सुद १२
११~) बाजे खरच
७॥) कसबे जोधपुर रै चोकै।
७॥=) प्रगने सोजत रै।

४८६८॥)

५. बाई रतन कुवर रो जनम—

बाई रतन कवरजी रो जनम सवत १७१२ मे हुवो तरै विगत खरच री—

३००) बहुजी श्री सेखावतजी नु सुवावड रा दीया।

६१) श्री बहुजी नु पीठी नु मोठ ३८) मण तिल मण १५) रा दीया।

११) नेग रा दीया मोहोर १ श्री चादजो नु ७) धाय नु १४)।

२६॥।) जोसी लाग ६ दाई २ जनम रै समै नु परै पहलो गढ रहा तिण नु पेटीया दीया २८ रा नै ढोली पाती पटा रा दीया।

२८) गीरह ६ रो दान करायो श्री बाईजी कने तिण रा रुपीया २८) दीया।

६।) मासवारी[१] पूजापो नैवेद सुधो श्री देवसथान पूजा रा मेलीया।

३०॥) श्री नागणेचीयाजी रै पूजा रा श्री खेत्रपाळ पूजापो नै धाय नु दोया राग रा।

२७~) पालणो खाती रतनो लायो तिण नै २५), रोकड़ १०॥), कपडो ६।), नीवार २), बाजीदार नु ५)।

॥) थाली १ दाई नु।

५११।)

१ ...

पछै श्री महाराजाजी री तरफ सुं बाई पावै तिण री विगत—

५०) राखी रा[1] रोज १ बीडो ६ रा पान ६० ।	१) रोजीना मु० ३४८)
१०) पांवपोस रा जोडा ।	११) छाबरा मास मास १ सेर २
१२) धोबी दरजी नुं ।	३) दसरावा दोनुं रा नेग कवर का रोकड़ो २) दमीदो १) ।
४०) गवर रा रावळी तरफ सुं पावै[2] ।	मांजणां नु तेल रोज १ रो १ पात्र सु रोकडा २५ ।
६६॥) वाही पानड़ी रा ।	१०) मिठाई रा सावण सुद ३ रा रोकड ।
सीधा रोज १ गेहू ४ सेर, मूग १ सेर ।	२०) कपडा रा मास १ रा ।
भायां री तरफ सु रुपया रोकड़ ३२) पावै ।	१३) दीवाळी नै कुलडी भरै तरै मेवो नै मिठाई नै चबीणा रा ।
सु रोज तेल मास १ मे सेर २ पावै ।	१ ... ...
	... ...

बाई रतनकंवरजी री धाय जगी सिकदार भगवांन कुसळावत री बहू पावै—

सीधो रोज पावे आटो १॥ सेर, चोखा पाव १, दाल ॥ सेर, घी ०।४ पाव सु जंगी नु ।	धाय री वैन रै— छोकरी १ रै आटो १। सेर, घीरत ≈ भर ।
दानगी पावै १ रोजीना तिण रा मास १ रा रुपीया ४)	२७॥) वरसोद[3] पावै । घाय पावै कपड़ा रा १४), बागा ६) चूडा रा ७॥) ।
	६) छोकरी रै कपड़ा रा ।
	३३॥)

१. रक्षाबंधन के अवसर पर। २. गवरी पूजन के अवसर पर राजा की ओर से पाती है। ३. प्रतिवर्ष।

६. हाड़ी जसवतदे नै राणीपदो दीयौ—

महाराज श्री जसवतसिंघजी कवरपदै बूंदी रा हाडा छत्रसालजी[1] री बेटी जसवतदेजी परणीया स० ... ...' रा दुतीक सांवण सुद ८ रौ जनम नै त्या ने १६६४ रा जेठ सुद २ परणोया बूंदी पधारने । पीहर रो नांम रांमकवर थौ। तिणा १७२० सवत वाग रा... पको करायो नै कोट करायो नै तळाव किलाण-सागर रातोनाडो करायो । स० १७२६ औरंगाबाद मे रांणीपदो पायौ । पछै बूंदी चलीया[2] स० १७३६ नै । स० १७२६ रा बैसाख वद १३ औरगाबाद मे रांणीजी जसवतदेजी नु राणीपदो दीयो तिण री विगत—

रांणीपदा रै मोहरत[3] रै दिन जतुसायत हुवै । श्री महाराजाजी नै श्री राणीजी बीजो हिसा रौ मेहल खवासीया माणस उमराव खवास पासवान काम-दार सागड़द पेसो बणाव[4] करे, नै इतरो श्रीजी री तरफ सु राणीजी पावै—

बागो चूनड सूधो आवै । बणाव नु बागा २ ।

गहणा रा डबा माहै सुं इतरो दीयो, तिण मे सारा गेणा था जडाव रा । बणाव कर नै अेकण सिंगासण बैठे । ऊपर मेघाडबर ताणीजै । खोळ भरीजै । विगत—श्रीजी री तरफ सु सूत सुं लेपेटीयो नारेळ सु सोना रा सपुट रौ नारेळ हुवे । सु पछै ही जतना सुं राखीजै[5] कोठार माही ।

फळ नग १८ हुवै बीजोरा तथा बीजा ही फळ हुवैं । सो सको कुजो नीवात रो १ सुपारी बीडा ५ रोकड़ रुपीया १००)३ । खोळ भरै तरै मोड़ बाध नै सीघासण बैठे । तरै पिरोहीताणी आरती करै सु आरती मे मोहर १)) अेकहीज घालीजै । श्रीजी री तरफ सु रुपीया ७), राणोजी री तरफ सुं रुपीया ७) आरती री मोर १ अेक सवासणी नै दीजै । पछै श्रीनागणेचीयांजी रै पाय लागै[6] तरै राणीजी री तरफ सु ईतरो हुवै—मोहोर १ अेक, नारेल ४, मेदो ऽ), गेहू ऽ।), दूध ऽ।), चावल ऽ७, खाड ऽ२, गुळ ऽ२।।, घीरत ऽ७, सवामण रौ नेवेद, नै चद्रवा लाल सावटु ।

देवता री राणीजी पधारनै पूजा करै । विगत—मेहला में पुरबाई ।।, खेत्रपाळ ।।, जोधा सुरार रा खेत्रपाळ नु । देवतां री पूजा की । होम दोळु[7] परदीखणा[8] दीजे । कलस ५ थापन कीजे—कळस १ रुपा रो रुपीया १०) री घडीजे, मासो सोनो कळस मे नारेल ४ दरीयाई, ताबा रा कळस ४, नारेळ ४,

---

१ शत्रुशाल । २. स्वर्गवासी हुए । ३. मुहूर्त । ४. शृङ्गार । ५. बडे यत्न-पूर्वक रखा जाता है । ६. कुलदेवी के पाव-धोक देते हैं । ७. चारो ओर । ८. प्रदक्षिणा ।

कळस ४ मे, सोनो मासा ४ च्यार, रोकड रुपीया २) नीसतेई बीरामणा नुं दीजं। नक्षगिरे री पूजा कीजै नारेळ १ रोकड ४।२५ चावळ कपडो रातो, रुद्र कळस रु नारेळ १ रोकड़ा २। पात्र स्थापन नारेळ १ रोकडी २) रातो कपडो चावल।

नागणेचोया री पूजा नै पच देवतां री पूजा नवेद भेसो स्वसत खावन नारेळ २ सपत धान[1] नारेळ रुपीया २०) भुरसी दिखणा रा नै रुपीया ६०) सखालें लागैं।

रातै रातीजोगो हुवैं। घोलेहरणोया गावै तिणा नै मोहोर १ अेक दीजं राणीजी री तरफ सु।

आरती हुवा पछे उमराव हुजदार कामदार खवास पासवान साहा मे आय नै पगै लागे नै भेंट करै सु राणीजी रै आवै न देत्रे।

ऊणीज[2] दिन श्री आनदघनजी री ऊछव करावै सो मोहोर १)) अेक नारेळ २, चढावै नै श्री किल्यांणरायजी रै मोहोर १ अेक नै नारेळ २ दोय चढावै।

श्री माहराजाजी रे रसोवडै भु जाई हुवै सु सकोई पहल उमराव खवास पासवान जीमै नै कामदारा नु लाडू पुडी, दीरीजे नै भुंजाई १ श्री राणीजी री तरफ सुं हुवै।

ऊमरावां री बहुवां आवै सु जीमै नै बारली नै माहोली भुजाई बचै जीनस[3] रेवै सु राजलोक[4] तथा खवासीया री थाळीया पुरस मेलै। श्री राणीजी रै मेहेल पधारै पगमांडणी राणीजी देवै।

अतलस मीसरु नग १ नै निछरावळ मोहर १ नै रुपीया १००) करै सु फूल वणा होव सु बाई लेवै।

आरती होवै। आरती री मोहर सवासणी नु दीजं। पछै सगळा माणसां नुं पगां लगा लगावै। सु माणसां नै चूडा पहरावै। श्रीजी री तरफ सुं, नं बागा रांणीजी री तरफ सुं देवै। माळोया सु रात रा पधारै तरै इतरा नु नेग वागा री छै—खवास धाधल उदैकरण लेवै मोहर १)) बेस १ खोजा मदारख नु बागा २ सुधा खाना रा नुं, मोहोर १ वागो १ अबदारखाना रा नु, रसोवडा रा दरोगा नुं, हजूर रा दोढीदार नु। सेझखाना रा ढोली नु—मोहोर १, बेस

१. सात प्रकार के अनाज। २. उसी। ३. जिन्स। ४. राजघराने के नौकर-चाकर आदि।

१, खबर देण आवै तिण नुं ऊठा गुडुंबा नुं मोहोर १ नेग १ ।

इतरा मोहोर पावै लूण ऊतारण री १)) जोसी, मोहोर १)) प्रोहीतजी, मोहोर १)) रतनाजी री पोसालु, मोहोर १)) पोलीया नु, मोहोर १)) गेहणां कोठार वाळां नुं । मोहोर १)) वेदीया नुं, मोहोर १)) साहाणीयां नुं, मोहोर आदी ।)) गांछा नुं, मोहोर १)) कुंभार नुं, मोहोर १)) पाट रा हाथी रा ऊआई आधी मोहोर, नारीआं नु मोहोर १)), सुखपाल रा कारस मोहोर १)) ।

उमरावां री बहुवां नै नागा दीजे—

१ बडा बडा उमरावां री बहू नुं मोहोर १ अतलस १ परकालो नारेळ २ ।

२ ऊतरता[1] उमरावां री बहू नुं गीराद परकालो रोकड रुपीया ५) ।

३ तोणसुं उतरता उमरावां री बहू नु गीराद रोकड रुपीया २ ।

४ तिणसुं उतरता उमरावां री बहुवां नु परकालो नै नारेळ २ ।

सफोई[2] उमरावां नुं आरोगा कहावै नै पांन रा बीड़ा देवै ।

श्री रांणीजी सासुवां नुं नणदां नुं पगालागणा रा मोहोर १)) परकालो ोल अतलस ।

सवारीया पाय बडारणां नुं साय पटु दीजे । सगास कामदार मुखी[3] होवे तिणां नु दुसाला चीरगा, गीराद दीजे । बीजासी नुं ने महाजनां नुं सवास पासवानां नुं साडी दीजे । पोळ नुं सागटु ऊंछाड़ी दीजे । नै पोळीया नुं साड़ी पाप दीजे । पुग ढोलीयां नुं तुगल छीणगा दे । नेग ढोल दरमाग दरीयागी सुं उढाड़ी जै[4] ।

रुपीया ६०००) श्रीमाहाराजाजी रांणीजी नुं दीराया ।



१ प्रथम श्रेणी के पीछे की । २. समाप्त । ३. मुख्य । ४. दरियाई कपड़े के आवरण से सज्जित किए जाते हैं ।

परिशिष्ट—४

डावी नै जीवणी मिसलां री विगत

रावजी जोधेजी मिसला री रीत बावी सो आपरा भाई तो जीमणी मिसल मे बैठा नै आपरा बेटा नै डावी मिसल मे बैसाणीया सो मिसल जीमणी मे तो चांपावत, कूंपावत, जैतावत, करनोत औ च्यार सिरायत है नै डावी मैं मेडतीया, ऊदावत, करमसोत जोधा है।

मिसल जीवणी

खांप चांपावतां रा ठिकांणां री विगत

ठिकाणो आऊओ—

राठौड कुसालसिंघजी सुं सवत १९१४ मे काळा लोकां बावत आऊओ छूटी[1]। नै बगतावरसिंघ, माधोसिंघ, सिवसिंघ, जैतसिंघ ज्या नै सवत १८३१ री साल चूक गढ ऊपर हुवो नै कुसलसिंघ, तेजसिंघ, आईदांन, दलपत, गोपाळ-दास, माडण, जैसो, भेरुदास, चापो रिडमलोत सो आऊओ भैरूदास, जैसाजी नै दीरीजीयो सो कितराईक दिन सूरजमलोता रै हो नै पछै माहाराज अजीतसिंघजी सवत १७ तेजसिंघजी नै दीयो।

ठिकाणो आहोर—

राठौड जसवतसिंघ, जैतसिंघ, सगतीदान, अनाडसिंघ, राजसिंघ, विहारी-दास, रिणछोडदास, जगनाथ, आईदान, दलपत, गोपाळदास, माडण, जैसो, भैरुदास, चापो, माहाराजाजी श्री मानसिंघजी री मरजी वधो[2] सो अनाडसिंघजी नै चाणोद, काळू, सादडी वगेरे पटो वधारे मे दीयौ।

ठिकाणो रोयट—

राठौड अचळसिंघ, इदरसिंघ, किलाणसिंघ, भगवतसिंघ, सगतसिंघ, आईदान, दलपत, गोपाळदास, माडण, जैसो, भैरूदास, चापो।

---

१. सन् १८५७ के स्वातत्र्य सग्राम मे विद्रोहियो को पनाह देने और अग्रेजों की खिला-फत करने के कारण गांव जब्त हुआ। २. कृपा हुई।

ठिकांणो पोहकरण—

बभूतसिंघ सालमसिंघोत, बभूतसिंघजी हिमतसिंघजी रा बेटा सो सालमसिंघ जी रै खोळै आया[१]। सालमसिंघ सवाईसिंघजी आने मूडवे चूक हुवो[२], मीरखान बाब सबळसिंघजी, बोलाडै काम आया। देवीसिंघजी संवत १८१६ री साल मे ज्यां नै चूक हुवो। माहासिंघ, भगवानदास, जोगीदास, वीठळदास, गोपाळदास मांडण, जैसो भैरुदास, चापो।

ठिकाणो खोवाडो—

खाप वीठळदासोत। अजीतसिंघजी, गजसिंघ, ग्यांनसिंघ, नवलसिंघ, पेमसिंघ, अखैराज।

ठिकाणो दासपा—

चापावत बीठळदासोत। अनाडसिंघ, सादूळसिंघ, उदैभांण।

ठिकांणो बाकरो—

खाप वीठलदासोत।

रिणसीगाव, हरीयाडाणो, पीलवो, दासीणीयो, रातडीयो, मालगढ, दूदोड।

गाव खारडा मे मुकनदासजी रा है।

गाव सिणला मे उदैभोण लखधीरोत है ने मुकनदासजी उदैभांणजी सो माहाराजा अजीतसिंघजी कनं विखा मे रह्या था सो माहाराजा अजीतसिंघ जो गढ दाखल हुवा पछे पाली रो तो पटो दीयो ने परधानगी दीवो[3]। नै नागोर राव ईंदरसिंघजी सू मिलावट राखी सो जाहर हुई तरै गढ ऊपर उण खून सु चूक हुवो। छीपीया रा ठाकुर ऊदावत प्रतापसिंघजी चूक कियो। सो ऊदैभाणोता रो ठिकाणो छूट गयो नै ऊणां रा पोतरा गांव सिणला मे भोमे है[४]।

ठिकाणो हरसोळाव—

खाप बलूओत। बगतावरसिंप, जालमसिंघ, गिरधरसिंघ, सूरतसिंघ, हरीसिंघ, जसवतसिंघ। बलू गोपाळदासोत नै सथलाणो, धाधीयां, चवां, माडावस वगेरै ठिकाणा था सो संवत १८६३ फितूर कानो परा गया[५]। तिण सु छूट गया। नै परगनै गोढवाड रो गाव सेवाडी ही जद छूटी थी। गाव धामळी ही बलूओत है। राठोड सिंभूसिंघ जालमसिंघोत।

---

१. गोद आए। २ धोखे से मारा। ३. प्रधान का पद दिया। ४. भोमीचारा है। ५. राज्य के विरोधी पक्ष की ओर चले गये। महाराजा मानसिंह के विरुद्ध।

आउग्रो पहला तो जैसेजी भैरुदासोत पायो थी सो सूरजमलोता रै रह्यो। नै पछै महाराजा श्री अजीतसिंघजी आईदानोता नै दीयो नै सूरजमालोतां रै चिरपटीयो थो सो ही सवत १८६३ फितूर कानी रया तिण सु छूट गयो। सो मेवाड़ में गया नै अठै सूरजमलोता रै भोमा है—वीठोरै, वातै, वाडसा, वाडीयो, जेठतरी वगेरै मे है।

ठिकाणो खाटू, (भोपतोत)—

राठौड विसनसिंघ, जोधसिंघ, दुरजणसिंघ, हुकमसिंघ, धीरतसिंघ, बाहदर-सिंघ, भोपत गोपाळदासोत।

पोकरण पहलो तो पोकरणा रै थी नै पछै नरैजी छुडाई सु नरावतां रै रही। सु उणा कना सु रावजी मालदेजी छुडाई नै सवत १७८४ माराज श्री अभैसिंघजी माहसिंघ भगवानदासोत नैं दीवी। नै पैला माहाराज श्री अजीत-सिंघजी री विखा री चाकरी भगवानदास करी थी सो भीनमाळ दीवी थी सु तो छुडाई नै पोकरण दीवी नै नरावतां नै नागोर रो गाव भडाणो दीयो। चापावता रो ठेठु ठीकाणो तो कापरडो, रणसीगाव थो सो पछै गोपाळदासजी रै बेटा ८ हुवा था सु जुदा-जुदा ठीकाणा वे दीया। नै पछै देवीसिंघजी सवत १८१६ मे माहाराज विजैसिंघजी पकड चूक कराया नै सबळसिंघजी पिण बोलाडे फौज मे था सु पिण कूपावत रै हाथ सु लोह लाग परमधांम गया। नै सवाई-सिंघजी माहाराज विजैसिंघजी नै गड सुं ऊतार नै सिवसिंघजी नै गढ दाखल[1] कीया। नैं सवत १८६३ फेर जोधपुर गढ रै घेरो दीयो नै १८६४ रा चेत सुद ३ मीरखां नबाब सवाईसिंघजी नै चूक कीयो। सु सालमसिंघजी पाट बैठा नै सवत १८८० रै बरस धाम पोता[2]। नै भभूतसिंघजी गादी बेठा सवत १८९५ वै। सारा सिरदारा लेर अगरेज साथै जोधपुर आये पाछा अजमेर आये पाछा जोधपुर आया। नैं गढ खाली करायो नै मीजल दूनाडो पाछो बाल[3] करायो।

खांप कूंपावता रा ठिकाणां री विगत

ठिकाणो आसोप—

पैली तो दूजा भाईया रै थी सु तो गाव खारीया मे है नै पछै राजसिंघजी रै परधानगी नै आसोप माहाराजा जसवन्तसिंघजी रै दीवी। या लोवार नै मार जु ऊपर पीयो थो तिणां राजसिंघोतो मेह नोज है नै पैला आसोप भीव सबळ-सिंघोत रै थी।

---

१. गढ पर अधिकार करवा कर प्रवेश कराया। २. स्वर्गवासी हुए। ३. बहाल।

राठौड सिवनाथसिंघ, बखतावरसिंघ, केसरीसिंघ, रतनसिंघ, महेसदास, दलपत, कनीरांम, रामसिंघ, जैतसिंघ, मुकनदास, किसनसिंघ, खींवकरण, माउण कूपावत सुं रांमसिंघजी हुई, ईणां रे हासी आरोप हुई ।

ठिकांणो चडावळ—

राठौड सगतीदांन, प्रतापसिंघ, लिछमणसिंघ, सांवतसिंघ, विसनसिंघ, हरी-सिंघ, सेरसिंघ, प्रीथीसिंघ, फतेसिंघ, गोरधनदास, चेनसिंघ, ईसरीसिंघ, कूंपो माराजोत श्रौ गोरधन ।

ठिकांणो कटाळीयो—

राठौड गोरधनदास, सीभुसिंघ, कुसलसिंघ, सगरामसिंघ, बखतसिंघ, भीव-सिंघ, सबळसिंघ, किसनसिंघ, सादूळसिंघ, महेसदास कूपावत ।

गांव सिरीयारी—

राठौड रतनसिंघ, मालमसिंघ, दौलतसिंघ, जोधसिंघोत ।

गांव चेलावस—

राठौड गुमानसिंघ, मुकनसिंघ, जुंझारसिंघ, रतनसिंघ, लिछमणसिंघोत ।

खांप जैतावतां रा ठिकांणां री विगत

ठिकांणो बगडी—

राठौड जैतजी हुलां कना सुं कुडाय लीयो । १ राठौड नारसिंघ, शिवनाथ-सिंघ, केसरीसिंघ, हींदूसिंघ, जोरावरसिंघ, पाउसिंघ, उरजणसिंघ, प्रतापसिंघ, देवकरण, कुंभकरण, प्रथीराज, जैतो, पचायण, अखैराज, रिड़मल । बगडी उरजणसिंघजी सु छूटी । माहाराजा श्री अजीतसिंघजी रा वीखा में ईंदरसिंघजी सु खटपट राखी नें दळथंभणजी री फितूर खडो कियो तिणसुं उरजणसिंघजी नें माळवे चूक हुवी नें बगड़ी अचळदासजी नें दीवी । सु पाछी पाहाडसिंघजी रै नावै लिख दीवी ।

खोखरो—

राठौड ग्यांनसिंघ, सातमसिंघ, भानसिंघ, गुढा ४ ठगा रा बाजे जोंके ।

नें भदावत, कलावत, रांणावत श्री सापां अखैराजजी सुं फटीया सु भदावतां रै तो गाव सांभर नें कलावतां रै गांव जाढण दूणा गावां में भोग है ।

वगडी रो पटो कदेक तो खोखरां वालां रै नावो हुयवो कीनो कदेक पाछो बगडी वाळां रै होयवो कीयो। पछै सवत १८६३ फितूर तरफ केसरीसिघजी गया[1] सुं मू डवे सवाईसिघजी भेळो चूक हुवो नै वगड़ी सालमसिघजी खोखरा वाळां रै लिखीजी। सो फेर पाछो सवत १८७० में सिवनाथसिघजी नावे लिखीजी सो फेर पाछी जपत सवत १८८० मे हुई। नै सालमसिघजी रै लिखी जी सो सवत १८८४ मे सिवनाथसिघजी रै लिखीजी।

सिवनाथसिघजी फितूर री फोज डीडवाणे सांमल गया तरै पछै सवत १८८६ वूडसु रा अखैसिघोत सुं मेल हुय खोडीया रो गढ उरो लीनो नै जैतारण वगडी रो वीगाड कीनो। तरै सिघवी कुसलराज श्री दरबार री फोज ले चढीयो सूं सिवनाथसिघजी सुं झगडो कर काड दीनो[2]। सो मेवाड रै गाव चीवडे पोहता नै झगडो हुवो सुं पडाले माल कुसलराज रै हाथै आयो। संवत १८८६ रै वरस आसाढ सुद १० झगडो हुवो।

खांप करणोतां रा ठिकाणा री विगत

कांणणो

राठौड दुरगदास आसकरणोत माहाराजाजी श्री अजीतसिघजी रै विखै मे वदगी कीवी नै वरस २८ ताई मारवाड मे तुरकाणी रही तरै बडा खेटा कीया[3] नै पातसा ओरगजेब रा साहबजादा अकबर रा बेटो १ नै साहजादी १ लाया था नै सांमल राख झगड़ा कीया। सो पातसाह ओरगजेव दुरगदास नै मुंडोसीयो कहता नै कांणणो, समदरडी, झवर, हीगलो, चादसमो, भाखरी, कोटणोद वगेरे है।

राठौड़ रतनकरण, ऊमेदकरण, नथकरण, केसरकरण, सामकरण, करनीदान, फतेकरण, सिधकरण, अभैकरण, दुरगदास, आसकरण, नीबो, बीदो, लूणो, करण, रिड़मलोत।

बाघावस—

पेमकरण, घणस्यामकरण, जैतकरण, मैहकरण, दुरगदासोत।

गांव समदरडी—

राठोड आईदान, सालमसिघ, इदरकरण।

मिसल डावी

खांप जोधा रा ठिकाणा री विगत

ठीकांणो खेरवो—

कंवर समरथसिघ, सावतसिघ, दोलतसिघ, अमानसिघ, सवाईसिघ, इदरसिघ, सीवसिघ, प्रतापसिघ, रिणछोडदास, गोयददास, भगवानदास उदैसिघोत।

---

१. महाराजा मानसिह के विरुद्ध धौकलसिह के राज्यारोहण के प्रयास मे उसकी मदद की। २. वहां से निकाल दिया। ३. बडे साहस के कष्टसाध्य कार्य किये।

खांप गोयददासोत जोधा है नै गोयददासजी रो वसायो गोयदगढ अजमेरा मे है। सो रोएसो, बाबरो, बलाड़ो, बुटी, जावस, कोठडो, आतरोलो, श्रै गांव गोयददासोतां रा है।

ठिकाणो दुगोली—

राठौड सिवनाथसिघ, ग्यानसिघ, सिरदारसिघ, राघोदास, सावतसिघ, किसनसिघ, रतनसिघ, हरीसिघ, तेजसिघ उदैसिघोत।

खाप रतनसिघोत जोधा :

इणा रा गाव नागोर पटो[1] में गैनाणो, घाटीयाद, रोडो, टालणोया, ऊखावरांणो है।

ठिकाणो लोटोती—

इदरसिघ, उदैसिघ, सेरसिघ, जालमसिघ, सिरदारसिघ, इणा रै आगै बाकलीयो थो सो आतमारांमजी माहाराज श्री बड़ा माहाराज श्री विजैसिघजी रा राज मे लोटोतो हुई नै बाझाकुड़ी नै राबड़ीयो।

ठिकाणो लाडणू—

जोधा केसरीसिघोत। कवर प्रथीसिघ, ठाकुर बाहादरसिघ, मगलसिघ, पदमसिघ, सिवदानसिघ, भारथसिघ, लखधीरसिघ, जूंझारसिघ. चद्रसेण, केसरीसिघ, नरसिघदास, किलाणदास, रायमल मालदेश्रोत, सो श्रै केसरीसिघोत जोधा बाजे है। सो लाडणू आगे खालसे थी नै कला रायमलोत रै सिवाणो थो सो सिवाणो मोटा राजाजी सवत १६४५ छुडायो नै कलो रायमलोत कांम आयो। पछै नागोर रो गाव कसूमो राजथान रह्यौ[2]। नै चोरी-धाडा रा फैल सुं माहाराजा वखतसिघजी पटो छुडायो थो। पछै माहाराजा श्री विजैसिघजी रा राज मे ऊमरकोट सिघवी खूबचदजी रै तालके थो सो उठै था सो टालपुरा सराया सु झगडो हुवो सो सिवदानसिघजी नै छोटा भाई मालमसिघजी झगड़ो कर आछा तरै काम आया[3]। सिवदानसिघजी रै बेटो नही तरै छोटा भाई पदमसिघजी पाट वैठा। उण चाकरी सुं लाडणू लिखीजी। मालमसिघजी काम आया पछै छठै महोने रिणजीतसिघ जनमीया ज्यारै नामै न्यारो पटो गांव गोराऊ वगेरै लिखीजीयो नै पदमसिघजी सु छोटा गोपाळसिघजी ज्यारै परतापसिघजी तिणा रै गाव लेडी। परतापसिघजी रिणजीतसिघजी नै माहाराजा श्री मानसिगजी

---

१ नागोर परगने का इलाका। २. प्रमुख ठिकाना रहा। ३ खूब वीरता दिखा कर काम आये।

नगारो नीसांण दीयो। लाडणू हाथ रो कुरब है नै केसरीसिंघ अभैराजोतां रै नीचै लाख दोय रो पटो है।

गाव नीबी—

राठौड लिछमणसिंघ, इदरसिंघ, अमरसिंघ, अभैराज, कान, रायमल मालदेवोत।

ठिकांणो भादराजण—

राठौड सगरांमसिंघ, इदरभाण, बखतावरसिंघ, जालमसिंघ, ऊमेदसिंघ, ऊदैराज, वाघसिंघ, विहारीदास, ऊदेभांण, मुकनदास, सादूळसिंघ, रतनसिंघ, मालदेओत अ रतनसिंघोत जोधा है। सावरीडरो वाला वगैरै।

खाप मेड़तीया रा ठिकाणा री विगत

राव जोधाजी रा वेटा वरसिंघजी नै दूदोजी नै मेडता रो परगनो दोनु भाया नै दीनो सु दूदेजी वरसिंघजी रै वणी नही तरै बीकानेर गया। दूदोजी सु जाभाजी रो वर हुवै नै करै रो खांडो दूदोजी नै दीनो सो कितराअक दिन बीकानेर रहा पछै वरसिंघजी धाम प्रापत हुवा नै वेटो सीहोजो वरसिंघजी रै ज्या सू मेडतो ढवियो नही तरै बीकानेर सु दूदाजी नै बुलाय नै मेडतो दियो नै सीहाजी नै रायण दीवो थी नै वरसिंघोत गाव वरो परवतसर रो मे भोमीया छुटपुट गावा मै है नै अजमेरा मै सराधणा मे नै मालवा मे आवझरो है।

पछै मेडतो दूदाजी रै हो तिणा रा मेडतीया हमार हजारां पिंड है[1]।

१ वडा वीरमजी तो मेडते पाट वैठा।

२ छोटा रायमलजी तिणा रा रायमलोत रायण मे है।

३ रतनसिंघजी तिणां नै कुडकी दीवी सो कवर तो हुवो नही नै बाई मीरा परम भगत हुई नै चीतोड राणाजी नै परणाया।

४ रायसलजी ज्यां रा रायसलोत जिणा रै भोम है।

पछै वीरमदेजी मालदेजी रै आपस मे विरोध पडोयौ सो मेडतो छुडाय दीयौ तरै वीरमदेजी सूर सलेमसाह री फौज लाया नै सुमेल झगड़ो हुवो सु मालदेजी री फौज घणी घासण आई नै वीरमदेजी नै पाछो मेडतो दीरायौ। वीरमदेजी रा वेटा री विगत—

---

१. हजारों वंशज हैं।

1 जैमलजी पाटवी
2 ईसरजी रा ईसरोत
3 जगमालजी रा जगमालोत
4 चादाजी रा चादावत
5 वीजोजी
6 प्रतापसिंघजी रा प्रतापसिंघोत
7 सारंगदेजी
8 अचलोजी
9 करणोजी
10 कानजी
11 सेखोजी
12 प्रथीराजजी

जैमलजी रा बेटा री विगत—

1 सुरताणजी रा सुरताणोत
2 सादूळजी
3 किलांणसिंघजी रा किलाणदासोत
4 माधोसिंघजी रा माधोदासोत
5 केसोदासजी रा केसोदासोत
6 नरायणदासजी
7 रांमदासजी
8 गोयददासजी रा गोयददासोत
9 विठलदासजी
10 नरसिंघदासजी ना औलाद गया
11 मुकनदासजी रा मुकनदासोत
12 सामदासजी ना औलाद गया
13 हरीदासजी
14 द्वारकादासजी रा दवारकादासोत ।

वडा जैमलजी मेडते राज कीयौ श्री चत्रभुजजी रा परम भगत हुवा सो रावजी मालदेजी री फौज ऊपर आई सो सेवा माय सुं ऊठीया नही[1] तरै श्री ठाकुरजी जैमलजी रो रूप कर झगडो कर जैमलजी री फतै कीवी ।

पछै जैमलजी रा बडा बेटा सुरताणजी मेडते राज कीयो । पछै मेडतो छुडाय लीयौ नै सुरताणजी पातसाहजी री चाकरी गया तरै मेडतो पाछौ पायो । नै सुरताणजी पातसाह री चाकरी मैं काम आया नै बेटा गोपाळदासजी था तिणा रै नावै पातसाहजी मेडतो लिख दीयो । पछै गोपाळदासजी रा बेटा जगनाथजी रै मेडतो रहो। सो सवत १६५९ महाराजा सूरसिंघजी मेडतो छुडाय

1. पूजा करते हुए उठे नहीं ।

लीयो। जठा पछे मेडता रो मुनसब ऊणा रै हुवो नही नै मेडतीया रा ठिकांणा परबतसर मारोठ बधीया। प्रतापसिंघजी, जैमलजी, ईसरजी अै तीनू ही रांणाजी रा भाणेज[1] था सु चीतोड ऊपर पातसाह अकबर सा आयौ तरै अै हाजर था सु तीनू झगडा मे काम आछी तरै कर[2] काम आया नै जैमलजी रा छोटा बेटा मुकनदासजी तिणां नै राणेजी वदनोर ठिकाणो दीयो नै प्रतापसिंघजी रां नै घाणेराव नाडोळाई चाणोद दीवी[3] नै ईसरसिंघजी रा वेटा नै गांव अटाळीयो दीयो सो अै तीना तो राणाजी री अमलदारी मे ठीकाणा है।

माधोदासोत नै चादावत जोधपुर राज मे चाकरी पहला माहाराजा अजीतसिंघजी रा राज मे लागा।

केसोदासोत सुरताणोत रुघनाथसिंघोत पछे चाकरी लागा।

मिसलां री खांपां फंटी जिण री विगत

डावी मिसल—खाप जोधा बाजै

माहाराज अजीतसिंघ रा अणदसिंघजी रायसिंघजी सु ईडर राज करै (अैमदपुर) राजा है खांप फटी नही।

किसोरसिंघजी अजीतसिंघजी ऊ राजगढ कियो वांरी कवास रा मेड़ता रौ घुळेराव मे है।

माहाराज गजसिंघजी मे मिळै गजसिंघजी रा अमरसिंघजी नागोर राज दीयो, अमरसिंघजी रा इदरसिंघजी, इंदरसिंघजी रै मोकमसिंघजी, मोवणसिंघजी झाडोद रो गाव सीया मे अमरसिंघोत।

उदैसिंघजी मे इतरो खांपां जोधोजी री मिळे

बेटा ऊदैसिंघजी रै—

१ सूरसिंघजो रा तौ राज करै।
१ किसनसिंघजी किसनगढ राज करै।
१ भगवानदासजी रा गोयनदासोत जोधा खेरवो वगेरे जागीर।
१ नरहरदासजी रा जगनाथजी भोड, रोळ, खीयास में जागीर।
१ मोयणदासजी रामसरी मे।

---

१. भानजे। २. अच्छी वहादुरी दिखाकर। ३. ये ठिकाने वाद मे मारवाड़ के अंतर्गत आगये थे।

१ माधोदासजी रा केसरीसिंघजी नै केसरीसिंघजी रा सुजांणसिंघजी सु सुजाणसिंघोत जोधा पीसागण सु ......।

१ जैतसिंघजी रा हरीसिंघजी नै हरीसिंघजी रा रतनसिंघजी रतनोत जोधा दुगोली वगेरे मे ।

१ भोपतजी सु भोपतोत किसनगढ री धरती मे है ।

१ सगतसिंघजी रा सगतसिंघोत जोधा अजमेरा मे खरवो वगेरे ।

१ दलपतजी रै महेसदासजी, महेसदासजी रै रतनसिंघजी सु रतलाम बसायो माळवा मे है ।

राव मालदेजी में मिळै जोधा री खांप, मालदेजी रा बेटा री विगत—

१ चदरसेणजी रा चदरसेणोत भीणाय देवळीयो वगेरै खारी रै ढावै, चदरसेणजी पैली जोधपुर राज कियो ।

१ उदेसिंघजी रा राज करै जोधपुर ।

१ रामोजी सु रांमावत जोधा माळवा मे है मारवाड मे एक पावो गोढवाड री ।

१ रायमलजी रै कीलांणदासजी, कीलाणदासजी रै नरसिंघदासजी, नरसिंघदासजी रै केसरीसिंघजी सु केसरीसिंघोत जोधा लाडणू वगेरे नै रायमलजी रै अेक बेटो कानोजी रै अभैराजजी सु अभैराजोत जोधा नीबी वगेरे मे ।

१ रतनसिंघजी रै रतनोत भाद्राजण मे ।

१ भोजराजजी रा भोजराजोत कठमोर, दयालपुरा वगेरै ।

१ गोपाळदासजी रा गोपाळदासोत भडोद मे गेलासर वगेरे ।

१ महेसदास सुं महेसदासोत जोधा पाटोदी और नीवाई वगेरै मे ।

सुजाजी मै मिळै—

१ खांप ऊदावत ऊदोजी सुजाजी रा ।

१ खाप नरावत नरोजी सुजाजी रा ।

खांप मेड़तिया

दूदोजी जोधाजी रा सु जोधपुर सु जाय मेडतो बसायो जिण सुं दूदाजी रौ वस सारा मेडतीया है । मेडतीया मे इतरी खांपा है—

१ वरसिंघोत मेडतीया वाजै सु वरसिंघजी दूदाजी रा भाई है ।

१ रायमलोत रसलोत दूदाजी मै मिळै ।

१ दूदाजी रै वीरमजी सु वीरमजी में मिळै ।

१ चादावत

१ ईसरोत

१ जैमलजी दूजा ।

१ जगमालोत

१ परतापसिंघोत घाणेराव, चांणोद ।

जैमलजी मे—

१ गोयनदासोत सु रुघनाथसिंघोत मारोठ रा नै भयोगेडो वगेरै ।

१ केसोदासोत वडु वूढसु वगेरे ।

१ सुरतांणोत गूलर ज्ञावलो वगेरै ।

१ विसनदासोत बोरुदो वगेरै ।

१ वीठळदासजी रा आईदानजी आईदांनोत लूणसरो वगेरै ।

१ दुवारकादासोत ।

१ मुकनदासोत मेवाड मे वदनोर ।

१ माघोदासजीरा री आलणीयास वगेरै ।

१ करमसोत करमसीजी जोधाजी रा ।

१ रामपाळजी रा रामपाळोत जोधाजी रा ।

१ खागारोत जोधा वाजै है घाणो, जालसु सु खागार जोगावत जोगो जोधावत ।

१ भारमलजी सुं भारमलोत ।

१ वीदोजी सुं वीदावत बीकानेरी में, वीदोजी जोधाजी रा ।

१ बीकोजी जोधाजी रा सु बीकानेर राज करै ।

जीवणी मिसल में रिडमलजी रा

१ चांपोजी रिडमलजी रा सु चापावत ।

१ कूपावत वाजै कूपोजी रा कूपौ मैराज री मैराज अखैराज री अखैराज रिडमल रौ ।

१ जैतावत सु जेतौ पचांण अखैराज रिडमल रौ ।

१ भदावत सु भदोजी पचाण अखैराज रिड़मल रा ।

१ कलावत कलोजी पचाणजी री जाडण वगेरै ।

१ राणावत राणोजी पचाणजी रा ।

१ करणोत, करणोजो रिडमलजी रा करणोत कांणणा समदड़ी ।

१ अड़मलजी रा अड़मलोत रिड़मलजी रा ।

१ पाताजी रा पातावत रिड़मलजी रा ।

१ रूपाजी रा रुपावत रिड़मलजी रा चाडी वगेरै ।

१ जगमालजी रा खेतसीहोत हमे जमी नही रिडमलजी में ।

१ नाथाजी रिडमलजी रा नाथोत ।

१ माडणजी रिडमलजी रो मांडणोत ।

१ मडलो रीड़मल रो सु मंडलावत ।

१ भाखरसी रिडमल रो भाखर रै बालोजी श्रै सु बाला ।

१ डूंगरसी रिड़मल रो डूगरोत ।

१ सतोजी चूडाजी रा सतावत ।

१ भीव चूडाजी रो सुं भीवोत ।

१ ग्रडकमल चूंडाजी रो सु ग्रडकमलोत ।

१ कांनोजी चूडाजी रा कांनलोत ।

१ रणधीर चूंडाजी रा सु रणधीरोत ।

१ पूनाजी रिड़मलजी रा सु पूनावत ।

१ देवराज वीरमजी रो सु देवराजोत ।

१ चाडदे देवराज वीरमजी रो सु चाड्देवोत ।

१ गोगादे वीरमजी रो सु गोगादे ।

१ जैसीग वीरमजी रो सु जैसीघोत राठोड़ ।

१ महेचा सारा महेवा मे बाड़मेरा, कोटड़ीया, पोकरणा सारा राव मलीनाथजी रा मलीनाथजी सलखाजी में मिळै ।

१ जैतमाल, सलखावत जिण रा जैतमालोत नै धवा लारै फेर धवेचा वाजै ।

१ सोभो सलखा रो सु सोभावत बाजै ।

१ खोखर राठोड वाजै सु छाडाजी मे मिळै ।

१ वांनर राठोड ही छाडाजी में मिळै ।

रायपालजी में इतरी राठोडां री खांपा मिलै —

१ केलण रा कोटेचा वाजै ।

१ ऊडां रा ऊडा राठोड वाजै ।

१ रादा रा रादा राठोड़ वाजै ।

१ कीटक ऊना रा कीटक राठोड़ ।

१ धातु रा धातु राठोड ।

१ मोवण रा मोणोत मुसदी ।

१ डांगी रा डांगी राठोड ।
१ पीथड़ राठोड घूडां मे मिळै ।
१ ऊडण राठोड़ घूडा में मिळै ।

आसथानजी मे मिळै

१ धुहड़जी रा तो राज करै सार धुहड रा ।
१ जोपसाजी आसथानजी रा नै जोपसाजो रै ।

१ सीदल	१ ऊहड
१ मुहु	१ जेहु राठोड़ ।

१ धांधलजी रा धांधल राठोड़ ।
१ चाचक रा चाचक राठोड़ ।

चांपावतां मे इतरी खांपा बाजै

चापाजी रै भैरुदासजी भैरुदासजी रै जसोजी रै दोय बेटा जेरा नाम मांडल जी नै जैतमालजी उरे सूरजमलजो रा सूरजमलोत बाजै पैलो यांरै आयो हो पछै चीरपटियो सु हमार मेवाड़ में है । चिढी रो धाड सु बाते वगैरे गांव मै भोम ।

१ माडलजी रै गोपाळदासजो गोपाळदासजी रै आठ बेटा हुआ ।
१ दलपतजी रै आईदानजी जिणरा आवो रोयट आयोर ।
१ वीठलजी रा वीठलदासोत पोकरण, पाली, दासपां, बाकरो ।
१ भोपतजी रा भोपतोत खाटू वगेरे ।
१ बलूजी बलोत हरसोळाव, सथलाणे ।
१ खेतसीजी रा खेतसीयोत ।
१ हरीसिंघजी रा हरीसिंघोत सिणला मे भोम ।
१ हाथीजी ।
१ राघवदासजी ।

परिशिष्ट—५

जोधपुर रा चाकरां री विगत

जोधपुर रा चाकरां री विगत तथा मुसदीया वगेरे री इण मुजब छै—महाराज श्री अजीतसिंघजी संवत १७६२ रा आसोज सुद १ चाकरां री हाजरी लीवी, गढ जाळोर री कचेडी बिराज नै[1] हुकम फुरमायो—बही मे नांमा माडो। तरै माहाराज श्री उदैसिंघजी रा राज री बही संवत १६४० री देख नै नामा माडीया उण मुजब।

पचोळी चाकर कदीम था सु संवत १५१६ रा वरस मे पण हरीदास आईदासोत नोकर हुवो। नावो मडायो फेर रामचद चाकरी कदीम सु तिण जोधपुर कदीमी चाकर है। मदनसिंघ रा कदीमी चाकर है।

भडारी

भडारी समरो नाडोल री पटायत श्री दीवाण री तरफ सु थो। सु उदैपुर संवत १४९४ वै रावजी श्री रिडमलजी नै चूक चीतोड़ राणेजी करायो तद रावजी जोधोजी उठा सु नीसरीया तद साथे राजवी फेर ७ सात था सु जीलवाडा रा घाटै आया तद घाटी भाग समरो उठै चौकी घाटा ऊपर थो सु रावजी झगडा करता करता आया था सु साथ रो लोक हैरान थो उठे इणा भडारीयां समरो तौ काम आयो नै बेटा नै रावजी साथै मेलीयो। उठै वरजांग भीमोत भीम चूंडावत रो पागडो छांड झगड़ो कर लोहां पड़ीयो, सु विगत चलू ख्यात में है। पैला ऊपाड़ ले गया नै भडारी समरा रो बेटो रावजी साथे सोजत आयौ। नै सोजत रावजी श्री रिडमलजी रो तीयो[2] कियो नै तीन सतीयां हुई, रीडमलजी लारे, सोजत हुई—त्रभवणदे, सारगदे, नाभल देवलदे, सु उठा सु रावजी मडोवर होय बीकानेर परै कोस १२ पर गाव तळाव कोडमदेसर पर रावजी रिडमलजी रो कारज बारीयो कीयो। जद सुं लगाय बिखा मे घांन वगेरै अै भडारी थैट्टू चाकर है। तिण रा बस मे भण्डारी लूणो हुवो। तिण कवरजी गजसिंघजी साथै १६७३ रा संवत मे जाळोर लियो बीहारीयां

---

१. जालोर के किले की कचहरी मे बैठकर। २. मृत्यु के तीसरे दिन किया जाने वाला सस्कार आदि।

कना सु, पातस्याजी जागीर स्याहजी रै हुकम सुं । तद सुं परधानगी लूणा नै हुई। सु फेर दीवाणगी बगेरे भडारी मना, रुगनाथ, बीठलदास बगेरे ठावा चाकरा मे रेबो कियो है। अे थेटू हैं चाकरी मे बालकीसन चाकर कदीम सु हैं।

फेर आगेई पचोळी अभो रावजी श्री मालदेवजी री वार मे तथा भावलो माहाराज श्री गजसिंघजी जसवन्तसिंघजी री वार मे फेर ही पचोली कदीमी चाकर है। भडारी धनराज बीठलदास आसकरण वछराज अे ही कदीमी चाकर है।

भडारी राय खीवसी, रुगनाथ, अनोपसी, अजवसी महाराजा श्री अजीत-सिंघजी री वार मे हुवा।

३. मूता[1] समदड़ीया

रावजी श्री सूजोजी जैसलमेर रा भाटीयां जैसाजी री बेटी राणी श्री लिखमीजी परणीया तिणा रै राव बाघोजी हुवा था, तीया रा ब्याव मे साथै डाडी डोळै आया[2]। रावजी सिरपाव दियो। मुता गुमनो चाकर हुवो। जद सूं चाकर छ।

४. मूता भडसाली

रावजी श्री चूडाजी री वार मे[3] सुकनो चाकर हुवा, आया मेवा सुं तिण रा वस सुरतो हुवो। तिण जोधाजी रा विखा मे राणाजी रो थाणो मडोवर थो सु अहाडो हीगोलो नै मुता रैणायर थो तिण पर सुवै जाय ऊणा नुं मार थाणो ऊठायो नै फतै कीवो। तद सुं अे राज मे चाकर है।

५. मूता कोचर

रावजी श्री सूजाजी रै राणी लिखमो भटियाणी रै फळोधी थी, तरै कोचर चाकर हुआ। पछै मोटा राजा श्री उदैसिंघजी री वार में मुनो बेलो, फतो, धीरो चाकर हुवो। माहाराज सिरोपाव दीयो तद सु अै चाकर है।

६. मूता बागरेचा

मुता बागरेचा माहाराजा श्री ऊदैसिंघजी री वार मे चाकर हुवा।

७ मूता बछावत

रावजी श्री मालदेजी री वार मु चाकर है।

---

१ मुहता। २. लड़की (रानी) के साथ ही चाकरी में आए थे। ३. समय मे।

८. मूता दफतरी

मुता दफतरी मलू महाराजजी श्री गजसिंघजी री वार मे, तिण री बेटो केसोदास दफतर ऊपर रहै, तद सुं इणा री राज मे चाकरी है।

९. मूता बेद

बैद मुता बीकानेर सुं चाकरी मे आया, नौकर हुवा।

१०. सिंघवी

थेट्ठ ती ढेलडीया बोरा था गाव ढेलडी रो सग काटीयो तिण सुं सिंघवी वाजीया। सो सीरोई रा राव रा चाकर था। पछै रावजी श्री गागोजी सवत १६६० पछै राणी पदमा देवडीजी परणीया तरै साथै डडी डोले आया। जद सुं चाकर हुआ। पछै सुखमल वगैरे महाराज गजसिंघजी रै वार में आया।

११. बीरामण पोकरणा

ऊपादीया पोकरणा बीरामण। रावजी श्री जोधाजी री वार मे संवत १५१५ रा जेठ सुद ११ रा वार शुकर जोधपुर री नीव दीवी तद सु बीरामण गुणपत श्री देवी रो वरदाइक[1] थो सु गणपत कोई मतर-जंतर रावजी नुं दीयो सो घोडा री बाल मैं सजाया सु रावजी गणपत नुं ऊपादीया पदवी दीवी। चवरी जोधपुर मे दोयरी दीवी नै गांव बैराई सांसरण नै गाव सोकडा, सु तिण मिति सु राज मे चाकर है।

१२ पोकरणा कोलाणी

पोकरणा विरामण देरासर नाम, तिणा नु रावजी श्री जोधाजी री वार में ओसवाला री चवरी दीवी। जद सु चाकर है।

१३. पोकरणा व्यास नाथावत

बोरा सीलु री खत मोटाराजाजी श्री उदैसिंघजी कीयो थो। दिली जावतां फलोधी रा वासी बोरा सेऊ री मु० वेला हसते खत कीयो थो। रुपीया अेक लाख लीया था, सु सेऊ रा दोईता नु, तिण रै नाथो हुवो तिण सुं नाथावत राज में चाकर है।

१४. पोकरणा बीरामण जोसी पीरोयत

रावजी श्री मालदेजी री वार सुं रावजी भटियांणीजी ऊमादेजी राव

---

१. वरदान प्राप्त किया हुआ।

मालदेजी री राणी जैसलमेर री तिण साथे जोसी दामोदर रौ बेटो चड्डू जोसी-पणे श्राया । तिण टीपणो[1] नवो बरतारी चलायौ । सु टीपणी तो चड्डू सवत १५८४ री पैला बरतीयो थौ पछै सवत १५९३ वें नव वरसां पछै रावजी जैसलमेर परणीया तद श्रै श्राया । पछै जोसीपणो लीयो[2] । तद सु इणा री राज मैं चाकरी है ।

१५. बीरामण सीरमाली

सवत १७२२ तीवाड़ी सुखदेव माहाराज श्री जसवतदे जी री वार मे चाकरी मे रह्यो ।

---

१. चड्डू पञ्चाग जोधपुर राज्य मे प्रसिद्ध रहा । २. जोशी का पद ग्रहण किया ।

परिशिष्ट—६

जोधपुर रा ओदादारां री याददास्त

१. परधान
२. मुसायब
३. दीवाण[1]
४. धायभाई
५. बगसी[2]
६. खांनसामा
७. व्यास
८. पिरोहित
९. बारहठ[3]
१०. किलादार
११. दौडोदार
१२. यादबगसी
१३ चोकीनवेस
१४. हाकम
१५ श्री हजूर रा दफतर रौ दरोगो
१६ खासा रसोडा रौ दरोगो
१७. खवास पासवान
१८. साहाणी
१९ नाजर
२०. कारकून[4]
२१. मुसरफ[5]
२२. पोतदार
२३. नवीसदा[6]
२४. वाकानवेस[7]
२५. यतलाक नवेस
२६. कामदार
२७ कोटवाळ
२८. जोतसी
२९. बेदिया
३०. दानादिक
३१. अगोळोया
३२. झाराबरदार[8]
३३. पेसदसत
३४. कानुगा (पट्टो माफक रेवै)
३५. आसामीदार
३६. सिलहपोस
३७. ढळैत
३८. पडदार
३९. मिरधा
४० पैंक

---

१. दीवाण राजस्व संबंधी व्यवस्था को देखता था, इसके अतिरिक्त तन दीवान भी होता था जो राजा के निजी सचिव की तरह काम करता था। २. ये दो प्रकार के हुआ करते थे—फौज बक्सी तथा जागीर बक्सी। ३. अनेक चारण कवियों को राज्य की ओर से आश्रय मिलता था परन्तु बारहठ का पद चारणों की खांप विशेष के व्यक्ति को दिया जाता था। ४. प्रबंधकर्ता, कारिन्दा। ५. एक उच्च अधिकारी। ६. लेखक, लिखने का कार्य करने वाला। ७. घटनाओं की सूचना देने वाला। ८. पीने के पानी की व्यवस्था करने वाला।

४१. यतमामी
४२. सालहोतरी[1]
४३. रसोवडदार
४४. महावत
४५. हवलद र
४६. वैदराज
४७. मुकीम
४८. दराब
४९. चोपदार
५०. हलकारा[2]
५१ नकीब[3]
५२. वजदार
५३. कपडा रो कोठार री दरोगो
५४. वागा रा कोठार री दरोगो
५५. सिलहखाना री दरोगो
५६. फरासखांना री दरोगो
५७. जरजरखाना[4] री दरोगो
५८. वागायत री दरोगो
५९. गऊखांना री दरोगो
६०. फीलखाना री दरोगो
६१. सुतरखाना री दरोगो
६२. अबर रा कोठार री दरोगो
६३. कीलीखाना री दरोगो
६४. सायर री दरोगो
६५. तोपखाना री दरोगो
६६. हवाला री दरोगो
६७. कमठा री दरोगो
६८. वागर घास री री दरोगो
६९. खेमा रा कारखाना री दरोगो
७०. अदालती री दरोगो
७१. सिका री दरोगो[5]
७२. हलकारा री दरोगो
७३. कबूतरखाना री दरोगो
७४. शिकारखांना री दरोगो
७५. जिनानी दोढी री दरोगो
७६ नगारखांना री दरोगो
७७. खजानची
७८. गजधर[6]
७९. वकील
८०. मुनसी
८१. तालीमखाना री दरोगो
८२. महरां री दरोगो
८३. सोरखाना री दरोगो
८४. चेला
८५. दरवान[7]
८६. पटानवीस
८७. वारीदार
८८. तिवाई वरदार
८९ हवालदार (?)

---

१. घोडों की परीक्षा और उनके इलाज आदि करने वाला। २. एक जगह से दूसरी जगह सूचना ले जाने वाले। ३ बन्दीजन। ४ जहा जेवर आदि रखे जाते थे। ५. सिक्के ढालने की व्यवस्था को देखने वाला। ६ भवन निर्माण आदि के कार्य का विशेषज्ञ। ७ द्वारपाल।

परिशिष्ट—७

जोधपुर श्री हजूर उमरावां ने कुरब इनायत करै सो याददास्त

१. ऊठण रौ कुरब—बेवड़ो[1], अेकेवडो[2] ।
२. हाथ रौ कुरब ।[3]
३. बांहपसाव रौ कुरब ।[4]
४. सिरै बैसण रौ कुरब ।[5]
५. सामो बैसण रौ कुरब ।[6]
६. 'ठाकुर' कह नै बतळावण रौ कुरब ।
७. खासो ठमण रौ कुरब ।
८. आगे घोडो खडण रौ कुरब ।
९. 'घोड़े चढि जावो', फुरमावण रौ कुरब ।
१०. बलाणु घोड़ो दिरीजण रौ कुरब ।
११. हाथी री असवारी खवासी चढण रौ कुरब ।
१२. रसोवडा सुं थाळ पुरूसण रौ कुरब ।
१३. पटो बेतलबी रौ कुरब ।
१४. ठिकाणा रौ बसवाना नै परपटी मे हासल नो लागण रौ कुरब ।
१५. खास रुका मे ठाकुरा लिखण रौ नै जुहार लिखण रौ कुरब ।
१६. ठिकाणा रो रेखा बाबा नहो लागण रौ कुरब ।
१७. पालखी इनायत रौ कुरब ।
१८. हाथी इनायत रौ कुरब ।
१९. नगारो नीसाण इनायत रौ कुरब ।
२०. छडी इनायत रौ कुरब ।
२१. सिकां दवाती इनायत रौ कुरब ।

---

१. सरदार के आने पर तथा रवाने होते समय दोनों बार राजा खडा होकर सम्मान देता था । २. केवल आने पर खडा होता था । ३. सरदार के नजर आदि करने पर राजा उसकी बाह से अपना हाथ लगा कर वही हाथ अपने सीने के पास लाता था । ४. इस कुरब के लिए राजा केवल सरदार के कधे से अपना हाथ लगा देता था । ५. राजा के बाई या दाई ओर बैठने का सम्मान । ६. राजा के सामने बैठने का सम्मान ।

२२. मोतियां की कठी इनायत रो कुरब ।
२३. सिरदार रा व्याव नै सिरोपाव इनायत रो कुरब ।[1]
२४. पिता रो मातमपोसो रो कुरब ।
२५. दादी रो तथा माता रो मातमपोसो रो कुरब ।
२६. कवर नै ताजीम बांह पसाव, सामो वैसणो घोडो आगे वगेरै कुरब ।
२७. रग इनायत करण रो कुरब ।
२८. जडावलि वगेरे गरम पोसाक वाय इनायत रो कुरब ।
२९. दोडो ढोलोये सोवण रो कुरब ।
३०. मातमपोसो रा घोडा निजर रा पाछा इनायत करण रो कुरब ।
३१. हाथी असवारी हुवा घोडे चढीया मुजरो करण रो कुरब ।
३२. पाग मे लपेटो बांधण रो कुरब ।
३३. सुथरी इनायत रो कुरब ।
३४. खरीद रो हासल छूट रो कुरब ।
३५. फळसं उतरण रो कुरब ।[2]
३६. जीकारा सु वतळावण रो कुरब ।[3]
३७. मोती कडा इनायत रो कुरब ।
३८. श्री हजूर मे पिचकारी वावण रो कुरब ।[4]
३९ पाग खिडकीया तथा लपेटो डावी वव रो इनायत रो कुरब ।
४०. वैठण रो कुरब ।
४१. ठिकाणा परवाना सिदा मे खास लिखोजै ।
४२. ठिकाणो पटो दिरीजै वीजा नै अमल रो चीठो दिरीजै ।



१. राजा को ओर से सरदार की शादी के अवसर पर सिरोपाव आदि भेजने का सम्मान। २. सरदार जोधाजी के फलसे तक सवारी पर चढ कर आ सकता था। ३. सरदार को सम्बोधित करते समय राजा उसके नाम के आगे 'जी' लगाता था। ४. होली आदि अवसरो पर सरदार रग की पिचकारी राजा पर छोड सकता था।

परिशिष्ट—८

राजा जैसिंघ रा मनसब रो नांवो संवत १७२१ या लिखीयो

दांम	रुपीया	आसांमी
१४६००००००	३६५००००	राजा जैंसिंघ मीरजै राजा ३५०००० । जात सात हजार २८०००० । असवार हजार सात दो सपा ५००० । असल दो सपा २००० । सिवा री फतै पाई तद दीया दो सपा ५००००० । दोय करोड दांम ईनाम तीण रा । ३६५०००० (छतीस लाख पचास हजार रुपीया री जायगां तिण रा दाम चवदे करोड़ साठ लाख)
४०००००००।	१००००००	कवर रामसिंघ जैंसिघोत २००००० । जात चार हजारी ८००००० । असवार हजार चार । १०००००० । दस लाख रुपीया न्यारा दाम चार करोड ।
१८१००००० ।	४५२५००	कंवर कीरतसिंघ ६२५००० । जात दोय हजारी सीम

३६०००० । असवार अठारे सौ
१५०० । असल
३०० । ईजाफे सिवा रे
मांमले ।

२०४१००००० । ५१०२५००
तनखाह जागीर
१ दांम १ रुपीया

१

सोबो अजमेर

२७८००००० । ६९५०००) । सरकार अजमेर
परगना ५

१८०००००० । ४५००००) आंबेर
२७००००० । ६७५००) मामोजाबाद
३४००००० । ८५०००) प्रग फाग
१२०००० । ३००००) प्रग. झाफ
२५००००० । ६२५००) प्रग. भेरांण

२७८००००० । ६९५०००)

१ सरकार रणथभोर

१३२००००० । ३३००००) चाटसु
३०००० । ७५०००) निवाई
१२००००० । ३०००००) मालपुरो
१०००००० । २५००००) मलारणो
७५००००० । १८७५००) नेणवाई
१६००००० । ४०००००) दुट समत १७२२ खरीफ था

६१७००००० । १५४२५००)

सोबा अकबराबाद

(——— ० (——— (———

१०००००००। २५००००) परगने दोसां

६००००००० । १५०००००) परगने वसवो बाहवर

५६०००००। १४७५००) जलालपुर

१६५६००००। ४१४७५०)

६०००००। २२५००) नीवाली

१८०००००। ४५०००) सुनेर

१५०००००। ३७५००) नहार अनववाडो

२६६६०००। ६७४००) हसनपुर खोहरी

४२०००००। १०५०००) बावल भोजारी

८०००००० । २०००००) चाल कीलाणो दुख दादरी

२२०००००। ६५०००) कोटड़ो

११५३२८०। २८८३२) साकरस

१२५००००। ३१२५०) रताई

१००००००० । २५००००) खोहरी

२०००००० । ५०००००) खरथल

११०००००। २७५००) भरखोल

४०००००। १००००) लीसाणो

४५०००० । १००००) ईसमालपुर

५०५०००। २४६२५) हुवरणो

८५००००। २१२५०) कामा

१५२००००। ३८०००) पाहड़ी

२७०००। ६७५) कोह मुजाहद

१४७१६४६। ३६७९८॥=) बाहदरपुर

६३०००००। १५७५००) बडौद फतेखां

३६००००। ९०००) हरसांणो

६२००००। १५५००) नैसहरो

५३५००००। १३३७५०) कडमेर

९०००००। २२५००) तावड

९५००००। २३७५०) इदोड

७६०००० ।	१९००००)	कोट पुतली
६०००००० ।	१५०००००)	वाराही
२०३१७८४ ।	५०७९५)	मंडावर
१२००००० ।	३००००)	आंतेरो भांमरो
९००००० ।	२२५००)	सिनाई
२०००००० ।	५००००)	सुनेहर
७१०००० ।	१७७५०)	दुग्गेरे
३६२५००० ।	९०६२५)	फीरोजपुर
१५००००० ।	३७५००)	वड़ोद राणा री
१५००००० ।	३७५००)	हसनपुर मंडावर
१४२३७७४ ।	३५५९४)	मेजापुर
२५०००० ।	६२५०)	वडोदो मेवात रो
१००००००० ।	२५००००)	रेवाड़ी
१००००००० ।	२५००००)	ऊदेही
२४०००० ।	६०००)	तोडेठक
५२७४४४४॥=)	२६२२१९४॥)	



परिशिष्ट—९

हिन्दू उमरावां री विगत

अकबर पातसा रा हिन्दू उमरावां री विगत

नाम	जात	मुनसफ
१. राजा भारमल	कछवाहो	पांच हजारी
२. राजा भगवानदास	कछवाहो	पाच हजारी
३. राजा मानसिंघ	कछवाहो	पाच हजारी
४. राजा टोडरमल वजीर	खतरी	चार हजारी
५. राजा रामसिंह बीकानेर	राठौड	चार हजारी
६. जगनाथ राजा भारमल रो	कछवाहो	ढाई हजारी
७. राजा वीरबर	बिरामण	ढाई हजारी
८. राजा रामचंद	वघेलो	दो हजारी
९. राठौड कल्याणमल बीकानेर	राठौड	दो हजारी
१०. राव सुरजन बूंदी रौ	हाडौ	दो हजारी
११. राव दुरगो	सीसोदीयो	डोढ हजारी
१२. माधोसिंघ भगवानदास रो	कछवाहो	डोढ हजारी
१३. रायसल दरवारी	सेखावत कछवाहो	डोढ हजारी
१४. रूपसी वेरागी भारमल रो भाई	कछवाहो	डोढ हजारी
१५. मोटा राजा उदेसिंघ मालदेवोत	राठौड़	एक हजारी
१६. जगमाल राजा भारमल रो भाई छोटो	कछवाहो	नौ सदी
१७. राजा करण आसकरण रौ	कछवाहो	नौ सदी
१८. राव भोजराय सुरजन रौ वूंदी रो	हाडौ	नौ सदी
१९. थारू राजा तोडरमल रो	खतरी	सात सदी
२०. राव पीतावर दास	खतरी	सात सदी
२१. मेदनी राय	चहूवाण	सात सदी
२२. जगतसीघ वडो बेटो मानसिंघ रो	कछवाहो	नव सदी
२३. वावू मगलो राय	...	सात सदी

नाम	जात	मुनसफ
२४. परमानद	खतरी	पंच सदी
२५. जगमाल	पवार	पंच सदी
२६ रावल भीम जैसलमेर	भाटी	पच सदी
२७. रामदास	कछवाहो	पंच सदी
२८. दुरजनसिंघ मानसिंघ री	कछवाहो	पंच सदी
२९. सबलसिंघ मानसिंघ रो	कछवाहो	पच सदी
३०. रामचद मधुकर रौ	बुंदेलो	पच सदी
३१. राज खमन भदोरियो	चहूवाण	पच सदी
३२. राजा रामचद उडीसा री	...	पंच सदी
३३. दलपत रायसीघ री	राठौड़	पच सदी
३४. सकतसिंघ मानसिंघ री	कछवाहो	४ सदी
३५. राजा मनोर राव लूणकरण री	कछवाहो	४ सदी
३६. राजा सलेदीन भारमल री	कछवाहो	४ सदी
३७. रामचद	कछवाहो	४ सदी
३८. वांको	कछवाहो	४ सदी
३९. बलभद्र	राठौड़	३ सदी
४०. केसोदास जैमल री	राठोड	३ सदी
४१. तुलछीदास	जादु	३ सदी
४२. भादर गोपलोत	...	३ सदी
४३. कीसनदास	तुंवर	३ सदी
४४. मानसीघ	कछवाहो	३ सदी
४५. राठौड रांमदास दीवाण	...	२॥ सदी
४६. नील कठ	...	सदी
४७. प्रतापसीघ भगवांन री	कछवाहो	२ सदी
४८. जगतसीघ मांनसीघ री	कछवाहो	२ सदी
४९. सगर रांणा प्रतापसिंघ री भाई	सीसोदीयो	२ सदी
५०. मुतरादास	खतरी	२ सदी
५१, कलो	कछवाहो	२ सदी
५२. लालो वीरसर री	ब्राह्मण	२ सदी
५३ सावळदास	जादव	२ सदी

नाम	जात	मुनसफ
५४. केसोदास	राठौड	२ सदी
५५. सांगो	पवार	२ सदी
५६. ईदरदम उडीसा रो	...	२ सदी
५७. सुंदर उडीसा रो	...	२ सदी
५८. मुतरादास	...	२ सदी
५६. ब्रिकमादीत राजा	वगेला	सदी
६०. सगतसिंघ मोटा राजा रो	राठौड़	५ सदी
६१. दलपत मोटा राजा रो	राठौड	५ सदी
६२. सालवान	...	...

जाहगीर रा हिंदू उमराव

नाम	जात	मुनसफ
१. राजा जगनाथ	कछवाहो	५ हजारी ३००० सवार
२. राजा मांनसीघ	कछवाहो	५ हजारी
३. राणो सकर राणा प्रताप रो भाई	सीसोदीयो	३॥ हजारी
४. माधोसिंघ मानसिंघ रो भाई	कछवाहो	... ...
५. भावसिंघ मानसिंघ रो पोतो	कछवाहो	२ हजारी फेर ४००० १००० सवार
६. राजा मनोर कछवाहो	कछवाहो	१ हजारी सवार ५०
७. करमसी	राठौड़	१ हजारी
८. रांमदास	कछवाहो	३ हजारी
६. केसोदासो मारू	राठौड़	१॥ हजारी फेर सवार २००
१०. पीतांबरदास	खतरी	हजारी १२०० सवार
११. नरसीघ देव	बुंदेलो	३ हजारी
१२. राजा वासु पजावी	...	३ हजारी
१३ राठोड रामसिंघ बीकानेर	राठौड़	५ हजारी
१४. सामसीघ	...	...
१५. राजा नयम पचोली	वुंदेलो	२॥ हजारी
१६. राजा रामचद	वुंदेलो	हजारी

नाम	जात	मुनसफ
१७. किसनसिंघ मोटा राजा रो	राठौड़	१ हजारी ३ हजारी ५०० सवार
१८. राव दुरजो	सीसोदियो	४ हजारी
१९. राव रतन	हाडो	२ हजारी
२०. राजा सुरजसिंघ जोधपुर	राठोड	३५०० सवार ३ हजारी
२१, नराणदास	कछवाहो	२ हजारी
२२. दलपत रायसिंघ बीकानेर रो	राठौड	हजारी
२३. मोहणदास		९ सदी ५०० सवार
२४. रा० जेसीघ	कछवाहो	४ हजारी ३ हजारी
२५. बीहारीचद		पचसदी ३०० सवार।

साहजहा पातसा रा हिंदु उमीरां री विगत

१. राजा जसवतसिंघजी जोधपुर	राठौड़	६ हजारी
२. राजा जैसिंघजी मिरजा जैपुर	कछवाहा	६ हजारी
३. राजा गजसिंघजी जोधपुर	राठोड	५ हजारी
४. राव रतन बूदी	हाडो	५ हजारी
५. चैनसीघ	बुदेलो	५ हजारी
६. ओदुजी	दिखणी	५ हजारी
७ बादर		५ हजारी
८. राजा भगवानदास		५ हजारी
९. राजा जगतसिंघ	कछवाहो	५ हजारी
१०. राणा राजसिंघ	सीसोदिया	५ हजारी
११. साहू	दिखणी	५ हजारी
१२. रायसिंघ		५ हजारी
१३. राव छत्रसाल	वुदेलो	४ हजारी
१४. राजा भावसिंघ		४ हजारी
१५. राव अमरसिंघ	राठौड़	४ हजारी
१६. जगदेवसिंघ		४ हजारी
१७. राव सुपुड		४ हजारी
१८. प्रथमादीत	वाघेलो	हजारी

नाम	जात	मुसनफ
१६. राजा कलाणसिंघ		
२०. केसोदास राव कला री बेटो		
२१. अजीराय		१॥ दजारी
२२. राजा कीलाण बगवारी		१॥ हजारी ८०० सवार
२३. मांसिंघ मानसिंघ रो पोतो	कछवाहो	३ हजारी
२४. पाडी राजा लिखमीचंद		३ हजारी
२५. रामसिंघ		२॥ हजारी
२६. राव भगवत	भदोरीयो	
२७. सुपरूपास		१ हजारी
२८. राजा कीसनराय		१ हजारी
२६. राजा टेकचंद कमाऊ री		१ हजारी
३०. राजा भारत रांमचंदर री	बुंदेलो	६ हजारी ४००० सवार
३१. राजा जगमल		
३२. राजा सूरसिंघ रायसिंघ री बेटो बीकानेर		२ हजारी सवार १०००
३३. राध सुंदरदास		
३४. राजा कीसनछंद नगर कोट री		
३५. कंवर करण उदेपुर री	सीसोदीयो	५ हजारी सवार १०००
३६. राजा सुरल घासुसल री		२ हजारी
३७. गीरधर रायसाल दरबारी री		८ सदी
३८. जगतसिंघ करन री बेटो	सीसोदीयो	३ हजारी सवार २०००
३६. राजा गजसिंघ सूरसिंघ री	राठौड	१ हजारी
४०. राजा राजसिंघ	कछवाहो	
४१. राजा कलीयाण जेंसलमेर	भाटी	२ हजारी
४२. राजा मान		१॥ हजारी
४३. प्रथीचंद मनोहर री	कछवाहो	५ सदी
४४. रायकंवर दीवांण गुजरात		

नाम	जात	मुनसफ
४५. रामदास रा: सुरतसिघ रो		
४६. राजा चापो प्रलवारो		
४७. राजा सारगदेव		८ सदा
४८. राजा रामदास राजसिघ रो	कछवाहो	१ सदी
४९. पेमनारायण राजगढ रो		१ हजारी
५०. राजा समरसी ऊदसीघ विसवागरो सीसोदीया		
५१. राजा जंसिघ मासीघ रो	कछवाहो	
५२. भोज वीकमादीत रो भदोरीयो		
५३. ऊदेराम दीवलो		
५४. राजा प्रताप वगला रो	ब्राह्मण	३ हजारी
५५. राजा कलाम तोडरमल रो	खतरी	
५६. राजा कीलाण ईडर रो	राठोड	
५७ चदरसेण हलोद का	झालो	
५८. रामजसो	जाडेचो	
५९ लछमीनारायण कछ रो		
६०. रामघण सुरदी दीली वालो		
६१. राव भारो कछभुज रो	जाडेचो	
६२. राजा जगसीघ वासु रो		१ हजारी
६३. राव वलमालीदास मुसरफ		६ सदी
६४. राव माईदास मुसरफ भायल रो		६ सदी
६५ नथमल राजा कोसन रो	राठोड	५ सदी
६६. जुगल किसनसीघ रो	राठोड	५ सदी
६७. मानसीघ रावत सोकर रो	सीसोदीयो	१ हजारी
६८. सगरामसीघ जबु रो राजा		१ हजारी
६९. हकीम रुघनाथ		६ सदी
७०. देवीचद गवा		१५ सदी
७१. राजा रूपचद गुवालेरो		
७२. हीरदेनाराण	हाडो	९ सदी
७३ लोखमोचद राजा कमाज रो		
७४. राजा सामसीघ श्रीनगर रो		

नाम	जात	गुनराफ
७५. कुवरसीघ कलवार कसमीरो		
७६. राजा जोगराज माराज नरसीघ री बुंदेलो		२ हजारी
७७. जादुराय दिखणी		

औरंगजेब पातसा रा उमरावां री विगत

१. ईंदरमणी जघेडा री	बुदेलो	
२. राव भागसींघ	हाडो	
३. रामसीघ कछवाहो	कछवाहो	४ हजारी ४००० असवार
४. सुजाणसीघ	राठौड़	
५. राजा बुंदेलो	बुंदेलो	
५. गोरधरदास		
७. मनोरदास		
८. राजा राजरूप जबू री		
९. जैतसीघ	बुदेलो	
१०. सुभकरण	"	
११. बादरसीघ	भदरायो	
१२. राजा रायसीघ	सीसोदीयो	
१३. राजा जैसीघ जैपुर	कछवाहो	७ हजारी
१४. भोजराज	"	
१५. सुरजमल	गोड	
१६. प्रथीराज	भाटो	
१७. राजा रायसिंघ नागोर	राठोड	
१८. केसरीसीघ	भुरटीयो	
१९. जगतसिंघ	हाडो	
२०. वीरमदेव	सोसोदीय	
२१. सबलसिंघ	सीसोदीयो	
२२. राजा हरसीघ	गोड	
२३. रूपसिंघ	राठोड	
२४. बादरसिंघ	गोड	

नाम	जात	मुनसफ
२५. भगवतसिंघ	हाडो	
२६. परसुजी	दिखणी	
२७. सुंदरदास	सीसोदीयो	
२८. उदैभांण	राठौड	
२९. प्रतापसीघ	झालो	
३०. राजा देवीसिंघ	वुंदेलो	
३१. कीरतसिंघ जैसिंघजी रो	कछवाहो	
३२. जालमसिंघ		
३३. किसनसीघ	तुंवर	
३४ अमरसिंघ	चदरावत	
३५. गिरधरदास	गोड	
३६. चुतरभुज	चहुवांण	
३७. सेरसीघ	राठौड	
३८. प्रथमजी	गोड़	
३९. मासीघ		
४०. मालूजी		
४१. प्रथीसिंघ श्रीनगर रो		
४२. मेदनीसिंह प्रथीसिंघ रो		
४३. राजा तोडरमल ईंटासी को		
४४. राजा रुघनाथ		३ हजारी
४५ रिणमल जामनगर रो	जाडेचो	
४६. सत्रुसाल रिणमल रो	जाडेचो	
४७. रायसीघ रिणमल रो	जाडेचो	
४८. नोबोजी कछ रो	जाडेचो	
४९. राजा व्रकमसी पगुवा		
५०. नांनजो मलार चादा रो		
५१ गोवदचद देवगढ रो		
५२. राव करन भुरटीयो		
५३ राव अनोप करण रो		२ हजारी

नाम	जात	मुनसफ
५४. किसन रामसीघ री जैपुर	कछवाहो	१ हजारी ५०० सवार
५५. रुगनाथदास	सीसोदीयो	
५६ मानसिघ कीसनगढ री		३ हजारी
५७ मासीघ किसनगढ री		
५८. अनोपसीघ किसनगढ री		
५९. राय लालचंद कावल री		
६०. राणा राजसीघ उदैपुर	सीसोदीयो	५ हजारी ५००० सवार
६१. प्रथीसिघ जवू री		
६२. राघोदास	झालो	७ सदी ५०० सवार
६३. सभोजो सेवाजी री	दिखणी	६ हजारी
६४. किसनसिंघ	हाडो	
६५. जसवतसिंघ	बुंदेलो	३॥ हजारी
६६. राव ईदरसिंघ रायसिंघ री	राठोड़	३ हजारी
६७. राणो जैसिंघ राजसिंह री	सीसोदियो	३ हजारी
६८ ऊदोतसिंघ भदोरीयो	भदोरीयो	
६९. राजसिंघ	राठोड़	
७०. प्रथीसिंघ जगतसिंघ री	कछवाहो	
७१. राणो भीम राजसीघ री	सीसोदीयो	५ हजारी
७२. वीसनसिंघ किसनसिंघ री	कछवाहो	१ हजारी
७३. चिमनजी खडगगढ री	मरेठो	४०० सवार
७४ मकरंदसिंघ कोछोभीत री	मरेठो	
७५. कालूजी	दिखणी	५ हजारी
७६. जगदेव राय जादुराय री	दिखणी	६ हजारी
७७. दौलतसीघ मासिंघ री	भदोरीयो	
७८. दिलीपसीघ	बुंदेलो	
७९. हरीसिंघ छतरसिंघ री		
८०. अनरुदसिंघ	हाडो	
८१. रुदरसिंघ मासिंघोत	भदोरीयो	

नाम	जात	मुनसफ
८२. किसोरदास मनोरदास	गौड	
८३. पदमनायक सीकर रो		
८४. रांमसिंघ		
८५. किसनसिंघ चादा रो		
८६. राजा उदेसिंघ सेवा री भाई दिखणी		२ हजारी
८७. पाड़सिंघ	गौड़	७ सदी
८८. रामाराव तिलोकचंद	चदरावत	
८९. मोकमसीघ		
९०. सिवसिंघ		
९१ साहूजी	मरेठो	७ हजारी
९२, मदनसिंघ सीभुजी रो	मरेठो	७ हजारी
९३. ऊदवसी सीभुजी रो		
९४, उदेसीघ उरछी रो	बुंदेलो	
९५. रामचद		हजारी
९६. किल्याणसींघ भदावा रो		
९७. दुरगादास करणोत	राठौड	हजारी २००० सवार
९८, ईदरसीघ	सीसोदीयो	२ हजारी
९९. बादरसिंघ राजसिंघोत	सीसोदीयो	१५ सदी
१००. राजा जैसिंघ बिसनसिंघ रो	कछवाहो	२ हजारी
१०१. वसुदेव चंदनखेड़ा रो		३ हजारी
१०२. राजा रामसिंह	हाडो	
१०३. मानधाता		

परिशिष्ट—१०

याददासत नव कोटां री

१. वाहड़मेर—मुदै केराड़ू कहीजे छै[1]। धरणीवाराह री वैसणी छै[2]। भाखर माहे ऊडी जायगा छै। देहुरा जिण समै रा छै। गाव ७०० ॥१॥

२ आबू—आल्ह पाल्ह पवार री वैसणो छै। अचलगढ नांव छै। जिको गढ अचलेश्वर महादेव रै नावे छै। पवारा नै मारनै चहुवांणा लीयो। गांव ५४० ॥ २ ॥

३. पारकर—हासू पवारा री वैसणो। काछ अडतो[3], चवदे गेढी कहीजै। घणी धरती लागै छै। हमार सोढा राज करै छै। राधणपुर रा हाकम नु मिळै छै। सूराचद परै कोस चाळीस छै। राणा सोढा कहीजे छै। वरसाळी री देस छै। ऊनाळी ऊही[4] ॥ ३ ॥

४. पूगल—पूंगळ गजमल पवार री वैसणी छै। सिंध अड़तो बलोच सूक छै। विचै पाणी नही। ऊंचा-सा टीबा माथै कोट पडीयो छै। पोळ निपट अजायब छै। हमार तो वसती घर १०० कोट माहे छै। मारोठ कोस २५ छै। वलोचा रै कटक जोर लागो छै[5] तिणसूं करनै धरती सगळी सूनी छै। हमे भाटी केलण राव जगदे छै। लागै तो पूगळ जैसलमेर नै छै नै बीकानेर तो नजीक छै। बीकानेर पण माहे छै। पैडो मुलतान री वहै छै[5]। तिणरी विसूद[6] लागै छै। तिणरा रुपया १२०००) तथा १५०००) पनरा लागै छै। कोट माहे कुवा ३ छै। गाव बारै कुवा ४ छै। पाणी खारो। पाखती थळ ओकळी[7] जोर छै। साप घणा छै॥ ४ ॥

५. जालोर—जाळोर पवार भोज री वेसणी छै। पवारां कना सुं चहुवांणा लीधो। कानडदे नै मार नै पातसाह अलावदीन लीयो। भाखर ऊपर वडो गढ, कोस ५ तथा ७ भीत छै। मांहे झालरा वावडी अतूठ पाणी छै[8]। घास बळीतां[9] गढ पाखती घणी। पाखती सिध जलधरनाथ वाव्रजी रा भाखर छै

---

१. मूल नाम केराडू है। २ निवासस्थान, राजगद्दी का स्थान। ३, कछभुज से लगा हुआ। ४. बहुत साधारण। ५. बहुत बडी फौज ने आक्रमण किया। ५, मुल्तान का रास्ता वहां से निकलता है। ६. कर विशेष। ७. पोली रेत। ८. कभी समाप्त न हो इतना पानी। ९. ईंधन।

हेटै सहर वसै छै। सहर दोळी कोट छै[1]। तळाव बावडी घणा। गांव ३६० तीन सौ साठ लागै छै। इतरा परगना छै—

डोडीयाळ, रामसेण, लोहीयाणो, गूदाऊ, राड़धरो, इतरा तो पडगना लागै छै। धरती माहै रजपूत, मैणा, भील घणा। ऊनाळो पडगने छै। खालसै थोडो[2] ॥ ५ ॥

६. ऊमरकोट—ऊमरकोट पाट कहीजै। पवार जोगराज री बैसणो छै। हमैं राणा सोढा राज करै छै। थटा नुं पेसकस दै छै। वडो देस छै ॥६॥

७. लोद्रवो—लोद्रवो जैसलमेर कनै छै। पवार भाण री बैसणो छै। जेसलमेर तठा पछै रावळ जैसल वसायो। गढ देहरा कुवा बावडी आईठाण सोहू बता छै। जेसलमेर सुं कोस ५ छै। अठै लोद्रा पवार रहता। पछै भाटो देवराव देरावर थकै पवारां नै मार नै लीयो। कितराग्रेक पाट भाटीया रै राजथान रयो। पछै रावल भोजदे ऊपर तुरका री फौज आई तद भोजदे साको कर काम आयो।

साख १ दूहो—

> माहिम है सर भोज दे, लोद्रवो कैलास।
> अण बिढियो[3] आपै नही[4], बाप तणो अेवास ॥

पछै रावळ जैसल लोद्रवो पाड़ नै[5] समत १२१२ जैसलमेर वसायो ॥ ७ ॥

८. अजमेर—अजमेर पवार सिध रो बैसणो। वडो गढ छै। पछै चहुवाणा लियो। भाखर माथै गढ छै। वीसलियो आनासागर मोटो तळाव छै। ऊपर मीरासाजी री दरगाह छै। तळहटी ख्वाजेजी री दरगाह छै। पाखती मेर घणा छै[6]। मोटो जायगा छै। बावन गढ अजमेरा लार छै ॥८॥

९. गढ मडोवर—मंडोवर पंवार सावत री बैसणो छै। तठा पछै पडीहारा लियो। भाखर ऊपर गढ छै। पछै पडीहारां कनै राव चूंडेजी लियो ॥ ९ ॥



१ शहर के चारो ओर शहरपना है। २. खालसा की जमीन कम है। ३. बिना युद्ध किए बिना घायल हुए। ४. छोड़ेगा नही। ५. ध्वस्त करके। ६ आसपास खूब मेर लोग बसते है।